He Gazette

134

नई विस्ली, शनिवार, नवम्बर 3, 1984 (कार्तिक 12, 1906) NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 3, 1984 (KARTIKA 12, 1906)

हैं साम में भिश्त पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संक्षणत है का में रखा जा मके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

PUBLISHED BY AUTHORITM

# WITH III—WEE 1 [PART III—SECTION 1]

शैयालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेन विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं ions issued by the High Courts, the Comptroller and Arditor General, the Union Service Commission, the Indian Government Railways and by Attachel and Subordinate Offices of the Government of India)

सघ लोक सेवा श्रायोग

[-110011, विनांक 24 सितम्बर 1984 )014/8/84-प्रणा०-1—राष्ट्रपति, भारतीय विकारी श्री एस० के० चक्रवर्ती को 21 "विह्य से ग्रागामी श्रादेशो तक सघ लोक विशेषय मे श्रवर सचिव के पद पर सहर्ष

> एम० पी० जैन श्रवर सचिव (प्र०)

गृह मल्लालय कार्मिक एवं प्र० सु० विभाग केन्द्रीय ध्रन्वेषण ब्यूरो नई दिल्ली, दिनाक 12 धक्तूबर 1984

स० ए० 19036/21/76-प्रशा०-5--केन्द्रीय प्रत्वेषण ब्यूरो/विशेष पुलिस स्थापना में पुलिस उपाधीक्षक के रूप में प्रतिनियुक्ति दिल्ली पुलिस के श्रिष्ठकारी श्री श्रनीम श्रह्मद खान (संख्या डी-1/137) का दिनाक 5 श्रक्तूबर, 1984 को निधन हो गया।

के० चक्रवर्षी उप निदेशक (प्र०) केन्द्रीय अन्वेचण ब्यूरो

(25889)

नई दिल्ली, दिनाक 11 प्रक्तूबर 1984

स० के०-2/69-प्रशा०-5--निवर्तन हो जाने पर. श्री के० एस० मथाई ने दिनाक 30 सितम्बर, 1984 के श्रपराह्म से कार्यालय अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, सा० अ० स्कंध, वस्बई गाखा के पद का कार्यभार त्याग दिया।

> भार० एस० नागपाल प्रणासनिक श्रधिकारी (स्था०)

महानिदेशालय

केन्द्रीय श्रौद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनौंक अक्तूबर 1984

स० ई०-32015(4)/58/84-कार्मिक-राष्ट्रपति, के० भ्रौ० सु० ब० यूनिट, एच० ई० सी०, रांची के सहायक कमाडेंट (तदर्थ) श्री भ्रार० मी० भौमिक को 01 सितम्बर, 1984 के भ्रपराह से निरीक्षक/कार्यपालक के रैंक में प्रत्यावर्तित करने हैं। निरीक्षक (कार्यपालक) के कप में प्रत्यावर्तित होने पर उन्हें के० भ्रौ० सु० व० यूनिट, बी० एस० एल० बोकारों में नैनात किया गया है।

विनाक 9 श्रक्तूबर 1984

स०  $\xi-28013/3/84$ -कार्मिक-II—निवर्तन की श्रायु होन के फलस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर श्री श्रार० एस० नेगी ने 1 श्रक्तूबर, 1984 के पूर्वाह्र से

केन्द्रीय श्रौद्योगिक पुरक्षा वत मुख्यालय, नई दिल्ली के लेखा अधिकारी के पद का कार्यगार छोड दिया।

सं र्व०-28017/3/84-कार्मिक-II-- निवर्तन की भ्रायु होने के फलरबरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर, ने० कर्नल एम० सी० लिह (असकामप्राप्त) ने 31 जुलाई, 84 के श्रपराह्न से केवीम श्रीधानिक सुरक्षा बल, ग्रुप मुख्यालय, पटना में गुण स्पाइट के एट का कार्यभार छोड दिया।

## दिनां ए 10 जनतुबर 1984

सं० ई०-16013(1)/11/84-कार्मिक-I--राष्ट्रपति, श्री एम० वी० सिह, भा० पु० से० (पंजाब: 67) को, प्रोक्षति पर, 17 रितम्बर, 1984 के भ्रपराष्ट्र से, प्रतिनियुवित कार्यकाल द्याधार पर, के० श्री० गु० ब० मे, रु० 2000-2250 के वेतन्मान थे, उप महानिरीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ई०-32015(3)/12/84-कार्मिक---राष्ट्रपति, श्री श्रार० गी० दुबे को, प्रोव्यति पर, 28 श्रगस्त, 1984 के श्रपराह्न से 26-9-84 तक की श्रवधि के लिये या नियमित नियुक्तियां होने तक, जो भी गटले हो, पूर्णतया तदर्थ श्रौर श्रस्थाई श्राधार पर के० श्रौ० स्० व० यूनिट, मास्ति उद्योग लिमिटेड, गुडगांव में उप कगाडेट के म्ल्य में नियुक्त करते हैं।

सं० है०-32015(4)/84/84-कार्मिक-I—राष्ट्रपति, श्री एन० वी० गरुरीबा को, श्रोश्रिति पर, 27 श्रगस्त, 1984 के पूर्वाह्म से 6 माह की श्रवधि के लिये या नियमित नियुनितयां होने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतया तदयं श्रीर श्रस्थाई श्राधार पर के० श्री० सु० ब० यूनिट, "शार" सैन्टर में सहायक कमांडेट के रूप में निगुवत करते हैं।

मं० है०-32015(4)/88/84-कार्मिक-I-राष्ट्रपति, श्री पी० के० ग्रार० नायर को, प्रोशति पर, 11 सितम्बर, 1984 के पूर्वाह्न ने १९-१-84 तक की ग्रवधि के लिये या नियमित नियुक्तियां होने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतया तदर्थ और अस्थाई वाधार पर के० श्री० सु० ब० यूनिट, ई० सी० एल० मे उप कमाडेट के रूप मे नियुक्त करते हैं।

सं० ई०--32015(4)/129/84-कार्मिक-I---राष्ट्रपति, श्री सैयद याकूब को, प्रोप्तित पर, 5 सितम्बर, 1984 के पूर्वाह्म से के० थ्रौ० मु० ब० यूनिट, मारूति उद्योग लिमिटेड, गुडगांव में सहायक कमाउट के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ई०-3°015(4)/134/84-कार्मिक-I--राष्ट्रपति, श्री श्रार० के० नागर को, प्रोश्निन पर, 7 सितम्बर, 1984 के पूर्वाह्म से के० श्रो० गु० व० यूनिट बी० सी० सी० एल० झरिया का सहायक कमाईट नियुक्त करते हैं।

## दिनाक 12 भ्रवतूबर 1984

सं० ई०-28013/3/83-कार्सिक-II--- निवर्तन की प्रायु होने के फलस्वरूप सरकारी सेवा में निवृत्त होने पर श्री बर्शिल, भारु पुरु तेर (राजस्थान : 1953) ने 30 सितम्बर,

1984 के धपराह्म से केन्द्रीय भौद्योगिक सुरक्षा बल मुख्यालय नई विल्ली के महानिरीक्षक के पढ़ का कार्यभार छोड़ दिया।

एस० भानन्व राम महानिदेशक/के०औ०सु०ब०

## भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग कार्यालय महालेखाकार प्रथम म० प्र०

ग्वालियर, विनांक 21 धगस्त 1984

कमोक प्रशा $\phi$ —II/गुप—I/ले० प० ष०/पी० एफ०/घा० के० श०/200/960—-श्री घार० पी० श्रीवास्तव 01/85 स्थाई लेखा परीक्षा ध्रधिकारी कार्यालय महालेखांकार (लेखा परीक्षा) प्रथम, मध्यप्रवेश खालियर की घ्रधिवार्षिकी घासु पूरी हो जाने पर केन्द्रीय शासकीय सेवा से विनांक 31-8-84 घ्रपराह्म से सेवा निवृत्त किया जाता है।

## विनांक 10 धक्तूबर 1984

कमांक/प्रशा०—II/समूह-II/सु० ले० प० प्र०/प्र० अ०/ 84-85/प्रसाशन गजट/12/254/442—महालेखाकार (लेखा परीक्षा) प्रथम म० प्र० ग्वालियर ने निम्नलिखित ध्रनुभाग ग्रिधकारियों को स्थानापन्न सहायक लेखा परीक्षा प्रधिकारी के पद पर वेतनमान रुपये 650-30-740-35-880-द० रो०-40-1040 में उनके नाम के सामने दर्शाये दिनांक से पदोन्नत किया गया है:—

ऋमांक	नाम सर्वेश्री	स्थाई	क्रमांक	पदोन्न <i>स</i> दिनांक
2. श्री डी	० एस० स्याची ० पी० गुप्ता ० एस० मिश्रा	02/2 02/1 02/1	961 `	13-9-91

प्राधिकार: उपमहालेखाकार (प्रशा०) भादेश दिनांक '''''

(ह०) भ्रपठनीय उपमहालेखाकार (प्र०)

## वाणिज्य मंद्रासय (बस्त्र विभाग) वस्त्र आयुक्त का कार्यालय बम्बई-20, दिनांक 8 अक्तूंबर 1984

सं० सी० एल० बी०1/1/6-जी०/84/7--सूती वस्त्र (नियन्त्रण) आदेश, 1984 की धारा 34 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार की पूर्व अनुमृति के साथ मैं एतद्द्वारा वस्त्र आयुवत की अधिसूचना सं० सी० एल० बी०/1/6-जी/71, विनाक 13 जनवरी, 1972 में निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता हं:--

उम्त अधिसूचना की ऋमसंख्या 9(i) के सामने संलग्न सारणो के स्तंभ 2, 3 और 4 के अन्तर्गत वर्तमान प्रविष्टियों की जगह निम्नलिखित प्रविष्टियां प्रतिस्थापित की जायेंगी अर्थात्:----

1 2 3 4

,, 9(i) अतिरिक्त निवेशक, कर्नाटक 12(6), 12 (6अ), उद्योग एवं वाणिज्य, 12(7अ), 12(7अअ) कर्नाटक सरकार 12 सी, 12ई

सं० 18(1) 77-84/सो०एल०बी०-11/8-वस्त्र (पावर-सूम द्वारा उत्पादन) नियन्त्रण आदेश, 1956,की धारा 11 में प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतव् द्वारा बस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० 15(2)/67-सो०एल०बो०/11/बी, विनांक 13 जनवरी 1972 में निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता हूं, क्षर्थात्:—

उक्त अधिसूचना की क्रम सं० 9 के सामने संखग्न सारणी के स्तम्भ 2, 3 भीर 4 के अन्तर्गत वर्तमान प्रविष्टियों की जगह निम्नलिखित प्रविष्टियां प्रतिस्थापित को जायेंगी, अर्थात्:—

1 2 3 4

,, 9 अतिरिक्त निवेशक, कर्नाटक 6, 60, 7अ, 8 श्रौर उद्योग एवं वाणिज्य, 8अ कर्नाटक सरेकार।

> सुरेश कुमार अतिरिक्त बस्त्र आयुक्त

विकास आयुक्त (हस्तिशिल्प) कार्यालय नई विस्ली-110086, विनांक 11 अक्तूबर, 1984

सं० 58/224/80-प्रशासन-1--अधिवर्षिता को आयु प्राप्त होने पर श्री बल्देव सिंह, सतर्कता अधिकारो, विकास आयुक्त (हस्तिशिल्प) कार्यालय, नई दिल्ली, 30 सितम्बर, 1984 अपराक्ष से सरकारों सेवा से निवृत्त हुए।

> शिरोमणि शर्मा विकास आयुक्त (हस्तशिल्प)

### उद्योग मंत्रालय

भौद्योगिक विकास विभाग विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 10 अक्तूबर 1984

सं॰ ए-19018(599)/82-प्रशासन (राज॰)----राष्ट्रपति, श्री विक्रयेन्द्रु वैद्य को दिनांक 22-8-84 (पूर्वाह्न) को, अगले आदेशों तक, लबु उद्योग नेवा, नागार में सहायक निदेशक ग्रेड-1 (फाच/मृतिका) के पर नियुक्त करते हैं।

> एस० के० पुरकायस्थ उप निदेशक (प्रणासन)

पूर्ति तथा निषटान मत्तिवदेणालय

(प्रशासन अनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांध 29 सि एवर 1984

सं० ए-1/1(1256)—निरक्षा निदेशका, मद्रास के कार्यालय में अधीक्षको था सी० एस० धेवरीद्र की दिनांक 6-9-1984 के पूर्वा ह्व से निदेशक पूर्वि तथा निष्यात, मद्रास के कार्यालय में पूर्णतः तदर्थ अध्यार पर स्था ग्रापन्त रूप में सहायक निदेशक (प्रशासन)) (प्रेड-11) निप्तत विद्या गया है। उनकी नियुक्ति था वा० के० शका विद्या, सहायक निदेशक (प्रशासन), (ग्रेड-1) के स्थान पर की गई है जो छुट्टी पर गए हैं।

राजबीर सिंह, তা নিदेশক (प्रणासन)

इस्पात ग्रीर जान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

**कलकत्ता-700 016**, दिनांक 29 सितम्बर 1984

सं० 6916 बी/ए-19012(1-एम० एस० के०बी०)/ /83-19ए--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक भू-वैज्ञानिक श्री एम० एस० के० भगवान ने सहायक भूवैज्ञानिक के पद का कार्यभार भारत य भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में, दिनांक 12-4-1984 के अपराह्म ने त्यागरन पर छोड़ दिया है।

सं० 6928 बी/ए-19012(1-एग० एग० के.)/83-19ए--महानिदेशक श्री एम० एन० पुमार की सम्भाक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में, 650क० प्रति माह के प्रारम्भिक वेतन पर 650-30-740 35-810-व० रो०-35-880-40-1000-व० रो०-40-1200 ह० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगाम अविष्य होने तक 30-7-1984 के पूर्वाह्म से नियुक्त कर रहे हैं।

## दिनांका 1 अक्तूचर 1984

सं० 6976 वं:/ए-19011(2-एम० के० आई०)/81/ 19वं:--भारताय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक भूभाँतिक विद मु० खालिद इकबाल दो वर्ष के लिए लियन पर तेल ग्रौर प्राकृतिक गैस आयोग (थो० ए०० जा० य०) में भूभौतिक विद का पद ग्रहण करने के लिये 16-7-1983 (अवराह्म) से मुक्त किए गए ।

> अमित कुमारी निदेशक (कार्मिक) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

## भारतीय खान ब्यूरी

## नागपुर, दिनांक 11 अक्तूबर 1984

सं० ए-19011(344)/84-स्था० ए०—-राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा आयोग का सिकारिश पर श्रा बो० पो० तालूकदार, वैज्ञानिक अधिकारो (रसायन), नेशनल टेस्ट हाउस, पश्चिम क्षेत्र, अम्बई को भारताय खान ब्यूरो, में सहायक अयस्क प्रसाधन अधिकारों के पद पर स्थानापन्न रूप में दिनांक 10 सितम्बर, 1984 के पूर्वाह्म से सहर्ष नियुक्त करते हैं।

## दिनांक 12 अक्तूबर 1984

स० ए-19011(158)/83-स्था० ए०—राष्ट्रपति, श्रां पा० स्वामामूर्थी. स्थायो उप-खान नियन्त्रक को भारताय खान ब्यूरो में क्षेक्षाय खान नियन्त्रक के पद पर दिनांक 25 सितम्बर, 1984 के पूर्वाह्म सें 6 माह के निए तदर्थ आधार पर सहुर्ष नियुक्त करते हैं।

> पा० पा० बादी प्रशासन अधिकारी **इ**ते महा नियंत्रक भारतीय खान ब्यूरी

## राष्ट्रीय अभिलेखागार,

नई दिल्लो-1, दिनाक 16 अक्तूबर, 1984

सं का ्रं 20 (सी-12)-11/70 ए-अधोहस्ताक्षरकर्ता श्री ए० आर० सिंह, स्थाया सहायक पुस्तकाध्यक्ष को 15 सितम्बर 1984 से अगले आदेश होने, तक राष्ट्रीय अभिलेखागार, नई दिल्लों में 650-30-740-35-810 द० रो०-35-880-40-1000 -द० रो०-40-1200 छत्रये के वेतनमान में, अस्थायो आधार पर, पुस्तकाध्यक्ष (मुप "को" राजपत्रित) के पद पर एतद्वारा नियुक्त, करते हैं।

राजेश परती अभिलेख निदेशक

## आकारावाणो महानिवेशालय नई दिल्लो, दिनांक 12 अक्तूबर 1984

सं० 4(55) 84-एस-I---महानिदेशक, आकाशवाणी एतद्-द्वारा श्री वेनेतलुंगा को 4-9-1984 से अगले आदेश तक 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-401200 रुपये के वेतनमान में, आकाशवाणों शिलांग में, अस्थाई रूप में, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

हरीशचन्द्र जयाल प्रशासन उप निदेशक कृते महा निदेशक

## सूचना ग्रौर प्रसारण मंत्रालय

#### फिल्म प्रभाग

बम्बई-400 026, दिनांक 12 सितम्बर 1984

सं० 6/56/55-ई-I---श्री ए० विष्वनाथम के निवर्तन की आयु पूरी कर लेने के परिणाम स्वरूप उन्होंने फिरम प्रभाग, बम्बई के मुख्य ध्वनि लेखक के पद का कार्यभार दिनांक 31 अगस्त, 1984 के अपराह्म से छोड़ दिया।

## विनांक 9 अक्तूबर 1984

सं०ए-32014/1/84-ओर० सो०—सक्षम अधिकारी एतद्द्वारा निमागीय पदोन्नति समिति की सिफारिशों पर श्रो टो० ए० जगन्नाथन, स्थायो रिकाङ्किर फिल्म प्रभाग बम्बई, को उसी कार्यालय में स्थानापन्न मुख्य रिकाङ्किर के पद पर रू० 840-40-1000-द० रो०-40-1200-के वेतनमान में रू• 1080/- के मासिक वेतन पर दिनांक 19-9-1984 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक नियुक्त करते हैं।

ं एन० एन० शर्मा प्रशासकीय अधिकारी करें प्रशासन निदेशक

### स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

## नई विल्ली, दिनांक 12 ग्रन्तूबर 1984

सं० ए० 19019/11/78-एन०एम०ई०पी०/प्रशासन-1/ पो० एच० (सी० डी० एंड एल०)---स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्रो डी० बी० उप्पल, को 30 जुलाई, 1979 से राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम, दिल्लो में सहायक मलेरिया इंजीनियर के मूल पद पर स्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

> नारायण सिंह उन निवेशक प्रशासन (एन०)

## ग्रामीण विकास मंत्रालय विषणन एवं निरीक्षण निदेशाक्षय

फरोदाबाव, दिनांक 9 अक्तूबर 1984

सं० ए०—19023/13/79—प्र०— $II^I$ —कृषि विपणन सलाहकार, भारत सरकार द्वारा श्रीमती एस० एल० चौधरी, तदर्य विपणन अधिकारी (वर्ग—II) को अगले आवेश होने तक

उसी पद पर पूर्णतया स्थानापन्न आधार पर नियुक्त किया गया है।

> जे० क्रुष्णां निदेशक, प्रशासन

## परमाणु ऊर्जा विभाग ऋय ग्रौर भंडार निदेशालय बम्बई, विनांक 9 अक्तूबर 1984

सं० श्री० पी० एस०/प(०-21/स्था०/1209--- ऋय ग्रीर भण्डार निदेशालय की मद्रास क्षेत्रीय ऋय यूनिट के स्थायी ऋय सहायक तथा स्थानापन्न सहायक ऋय अधिकारा श्री एन० प्रभाकरन का 2 फरवरी, 1984 की देहान्त हो गया।

## दिनांक 10 अक्तूबर 1984

सं० डो० पी० एस०/41/1/83-प्रशा०/1214-परमाणु ऊर्जा विभाग, कय घौर भण्डार निदेशालय के निदेशक ने स्थाय। क्रय सहायक श्री पी० एन० उन्नीकृष्णन नायर को ता० 9-4-84 (पूर्वाह्म) से 29-9-84 (अपराह्म) तक रुपए 650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000-द०रो०-40-1200 के वेतनमान में सहायक क्रय अधिकारी के रूप में तबर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है। यह नियुक्ति श्री एस० एस० प्रधान के स्थान पर का गई है जिन्हें उक्त अवधि के लिए छुट्टी प्रदान की गयी हैं।

र्पा० गोपालन प्रणासन अधिकारी

## नाभिकीम ईंधन सम्मिश्र हैदराबाद-500762, दिनांक 29 अगस्त 1984 . आदेश

सं० ना० ईं० सं०/का प्रं० 5/2606/2111/1138—- अविक यह आरोपित किया ग्या फि:

अनुष्छेद । — "नाभिकीय ईंधन सम्मिश्न में विशिष्ट पदार्थ संयंत्र के मददगार "ख" के रूप में कार्य करते हुए श्री बी० विश्वनाधम् दिनांक 12-4-83 के बाद से अप्राधिकृतः कार्य से अनुपस्थित रह रहे हैं तथा इस प्रकार उन्होंने केन्द्रीय नागरिक सेवा (आचरण) नियम, 1964 के नियम 3(।) (।।) तथा (1)(।।) के अनुसार कदाचरण का कार्य किया ",

अनुच्छेद ।। → "विशिष्ट पदार्थं संयंत्र के मददगार" ख" श्री , बी विश्वनाधम ने विभाग को उनसे पताचार करने के लिए, अपना सही। पता नहीं दिया तथा सम्मिश्र को अपना

अता-पता नहीं सूचित फिया तथा इस प्रकार से उन्होंने केन्द्रीय नागरिक सेवा (आ०) नियम, 1964 के नियम 3(1)(॥) के अनुसार कवाचरण का कार्य किया ";

तथा जबिक उक्त श्री विश्वनाधम् की उनके विरुद्ध आरोप तथा प्रस्तावित कार्यवाही को सूचना ज्ञापन सं कार है अकि का प्रक 5/2606/2111/143, दिनांक 4-2-84 के द्वारा दी गई,

तथा जबिक उनके सभी जात पतों पर पावती सह पजिक्कत डाक द्वारा पत्र स० ना० ई० स०/का प्र० 5/2606/2111/143, दिनांक 4-2-84 की डाक प्राधिकारियों ने बिना वितरित किए इस अभ्युक्ति के साथ लौटा दिया, "प्रेषिती चला गया है, अनः प्रेषक को लौटाया जाता है",

तथा जबिक विचार किया गया कि आरोप की जाध करवाई जाए तथा तदनुसार आदेश सं० ना० ई० स०/का प्र० 5/2606/ 2111/418 दिनाक 10-3-84 द्वारा एक जाचे अधिकारी नियुक्त किया गया,

तया जबिक जाच अधिकारी ने दो<mark>नों आरोप-अनुच्छेदों को</mark> सिद्ध हुआ मानते हुए दिनाक 11-8-84 की अपनी रपट प्रस्तुत की;

तथा जबिक जांच रपट (प्रति संलग्न है) इस मामले के अभिलेखों का सावधानी पूर्वक मनन करने के पश्चात अधोहस्ताक्षरी आरोपों को सिद्ध हुआ मानते हैं तथा इस निर्णय पर पहुंचे हैं कि उक्त श्री विश्वनाधम सेवा में रखने के योग्य उपयुक्त ध्यक्ति नहीं हैं तथा उन पर सेवा से निष्कासन का दण्ड अधिरोपित किया जामा चाहिए;

अतः अब, केन्द्रोय नागरिक सेवा (वर्गीकरण आधरण व अपील) नियम, 1965 के नियम 12 के उपनियम (2) के अनुष्ठिष (ख) को परमाणु ऊर्जा विभाग के आदेश सं० 22(1)/68—प्रशा—II, दिनाक 7-7-79 के साथ सहयोजित कर उनमें प्रवत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरो उक्त श्रो विश्वनाधम को सेवा से तत्काल प्रभाव से निष्कासित करते हैं।

ना० वें० **रमणन** प्रशासनिक अधिकारी

अनुलग्नक : एक श्री बो० विश्वनाधम, श्री बो॰ विश्वनाधम. निवास—सं० 3-10-10, चिन्न असमेरक, ऋश्चियन पेट तिरुमक गिरि ग्राम, डाक्चर : मुम्मिडिवरम, भालुका : अमलापुरम्, सिकन्दराबाद । जिला: पूर्वी गोदावरी। श्री बी॰ विश्वनाधम, श्री बी० विख्वनाधम, 3-15-545. 3-15-646, तिरमक गिरि, तिरुमक गिरि ग्राम, सिकन्दराबाद । सिकन्दराबाद।

## राजस्थान परमाणु विद्युत घर

## अणुशक्ति, दिनांक 15 अक्तूबर 1984

सं रापिबय/04627/1(349)/84/स्थल/प्रशा०/44--दिनांकः 31-8-84, परमाणु ऊर्जा विभाग, राजस्थान परमाणु विजलोबर के अस्पताल से श्रोमती जे० सरकार, मेट्रन दिनांकः 31-8-84 के अपराह्म में अधिवर्षिता पर सेवा निवृत हो गई।

> ए० डी० भाटिया प्रशासन अधिकारी (II)

## तारापुर परमाणु बिजलीधर

टी ० ए० पी ० पी ०, विनांक 28 सितम्बर 1984

सं० ता० प० बि० घ० /1/22(।)/76-आर--मुख्य अधिक्षक, तारापुर परमाणु बिजलीचर, परमाणु कर्जी विभाग स्थायी वैज्ञानिक सहायक "ए" श्रीर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न प्रबन्धक (अतिथि निवास) श्री इ० एन० अय्यर की 21 सितम्बर, 1984 से अगले आदेशों तक के लिए तारापुर परमाणु बिजलीघर में नियमित आधार पर ६० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतनक्रम में प्रबन्धक (अतिथि निवास) के तीर पर नियुक्त करते हैं।

प्रवन्धक (अतिथि निवास) के पद पर नियुक्ति की तारीख से एक वर्ष की अवधि के लिए श्री अध्यर परिवोक्षाधीन रहेंगे।

> द० वि० मरक्ले मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

> > 25-05-84

#### श्रंतरिक विभाग

इसरो : शार केन्द्र

कार्मिक भीर सामान्य प्रशासन प्रभाग

श्रीहरिकोटा, दिनांक 27 सितम्बर 1984

सं० श्री सा० सु०/का श्रीप सा० प्र०/स्था० प०/III/ 1-72-निम्नॉकिल कर्मचारियों की वैज्ञा/इंजोनियर एस० बी० के पदों पर, स्थानापन्न क्षमता के रूप में, श्रीकल तारोखों से नियुक्ति करने के लिए, शाप केन्द्र, श्रीहरिकोटा के निवेशक ने अपनी प्रसन्नता प्रकट की हैं:--

——— ऋ० सं०	नाम	पवनाम	नियुक्ति की - तारीख
•	भी/कुमारी आर० श्रीनिवास देसिकन	वैज्ञा०/इंजीनियर एस० बी०	17-04-84

2. मैध्यू \$नियल

(1) (2)	(3)	(4)
3. वी० सुब्बाराव	वैज्ञा०/इंजीनियर एस. बी.	18-06-84
4. बी० कोडानाइगै	1)	20-08-84
5. एस० शोबन	1)	30-07-84
6. बी० गैला	111	30-07-84
7. डी० कोटेश्वर राव 🍍	21	05-09-84
<ol> <li>की० रवीन्द्रनाथ</li> </ol>	33	17-09-84
9. राजेन्द्र एच० ठानावाला	77	17-09-84
10. जे० गोपालकृष्णा	"	26-09-84

राजन वी० जॉर्ज प्रधान, कार्मिक और सत्मान्य प्रशासन कृते निरोशक

## नागर विमानन मंत्रालय भारत मौसम विज्ञान विभाग नई षिल्ली, दिनांक 11 अक्तूबर 1984

सं० ए० (मौ० वि० उ०, म० नि०)/1/80-स्था०-I-राष्ट्रपति द्वारा श्री एन० सेशावरी, निदेशक, भारत मौसम
विज्ञान विभाग को इसी विभाग में दिनांक 5 दिसम्बर, 1984
स अ(गामी अधिशों तक मौसम विज्ञान के उपमहानिदेशक
के पद पर स्थानापन्न नियुक्त किया जाता है।

एस० के ० दास मौसम विज्ञान के महानिदेशक

## नई विल्ली-3, दिनांक 16 अमृतुबर 1984

सं० ६०(1)/07044—मौसम विज्ञान के महानिदेशक खेद सहित श्री एस० के० सिह्ना भारतीय मौसम विज्ञान सेवा समूह "ख" के एक अधिकारी की दिनांक 22 जुलाई 1984 को हुई मृत्यु की अधिसूचना जारी करते हैं। श्री सिह्ना सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर मौसम केन्द्र पटना में तैनात थे।

> एस० डी० एस० अब्बी निवेशक (स्थापना) कृते मौसम विकान के महानिदेशक

## महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, विनांक 29 सितम्बर 1984

सं० ए०-12025/2/83-ई०-I--राष्ट्रपति ने डा० एस० भट्ट, उपनिदेशक विमान परिवहन को दिनांक 29 सितम्बर, 1984 पूर्वाङ्क से अन्य आदेश होने तक निदेशक विनियम एवं सुवना के पद पर नियमित आधार पर नियुक्त किया है।

> जी० **बी०** लाल सहायक निवेशक प्रशासन

मई बिल्ली, दिनांक 26 सितम्बर 1984

सं० ए० 32013/12/83 ई० 1-राष्ट्रपति ने श्री टी० सी० आहलूबालिया उपनिदेशक वैमानिक निरीक्षण को दिनांक 26-9-84 (पूर्वाह्म) से छ. मास की अविध के लिए अथवा नियमित आधार पर निदेशक उड़न योग्यता का पथ भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हों, निदेशक उड़न योग्यता के पद पर तदकें आधार पर नियुक्त किया है।

ओ० पी० अग्रवाल सहायक निदेशक प्रणासन

बन अनुसंघान संस्थान एवं महाविद्यालय

## वेहरावून विनोक 9 अक्तूबर 1984

संव →16/333/79→स्थापना—श्री धर्मवीर सिंह जो, उत्तरी वन राजकीय महाविद्यालय, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय देहरादून में प्रतिनियुक्ति पर सह।यक शिक्षक के पद पर कार्य कर रहे थे की सेवाएं 9 अगस्त 1984 की पूर्वाह्न से उत्तर प्रदेश, वन विभाग को पुन: सौंप वी गयी है।

जी० एस० ग्रोवर - कुल सचिव वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

विधि, त्याय और कम्पनी कार्य मंज्ञालय (कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रिजस्ट्रार का कार्यीलय

कम्पनी अधिनियम 1956 और प्रचेसन शरविसेज प्राइवेट लिभिटेड के विषय में

बंगजूर, दिनांक 8 अक्तूबर 1984

सं० 2079|560|84-85--कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एसद्वारा यह सूचना वी जाती हैं कि इस दिनाक से तीन मास के अवसान पर प्रवेसन सरविसेस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जायगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सेल्स एण्ड डीमान्सटरेसन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बंगलूर, विनांक 8 अक्तूबर 1984

सं० 2080/560/84-85 कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनूसरण में एतद्दारा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनांक से तीन मास के अवसान पर सेल्स एण्ड डिमान्सटरेसन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसकें प्रतिकृत कारण दिश्वत न किया गया ती

रिजस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विश्वटित गर ही

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सूत्र वैनिमिन कन्सलटन्स सीसटम्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बंगजूर, दिनाक 8 अक्सूबर 1984

सं० 4760/560/84-85—कम्पनी अधिनियम, 1958 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एसवृद्धारा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनाक से तीन मास के अवसान पर सूप्र डैनिमक कन्सलटेन्सी सीसट्मस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिश्वत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जायगी।

आर० ए**स० नेगी** सम्पनियों का रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 और लोकनाथ मिनारेलस कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकता, विनांक 9 अक्तूबर 1984

सं० 28863/560(3)—कम्पती अधिनियम, 1956 की धारी 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एसद्दारी यह सूचना दी जाती है कि इस सारीख से तीन मास के अवसर पर लोकनाय मिनारेल्स कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिया न किया ग्या तो रिजस्टर से काट दिया जायका और उक्त कम्पनी विषटिस कर दी जायकी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और जेडि कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

नालमत्ता, दिनांम 9 अन्तूबर 1984

सं० 28780/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनूसरण में एतद्द्वारा यह सूचना वी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर जेडि कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जायगी।

## कम्पनी प्रधिनियम, 1956 ग्रीर सभर इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 9 ग्रक्तूबर 1984

सं० 29567/560(3)—कम्पनी श्रिष्ठिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर सभर इंजी-नियर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट विया जायगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जायगी।

कम्पनी प्रधिनियम, 1956 श्रीर श्रचालायेड मेटालाजिक्याल इण्डस्ट्रीज लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 9 ध्रक्तूबर 1984

सं 26825/560(3)—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एनद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर श्रचालायेड मेटालाजिक्याल इण्डस्ट्रीज लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जायगी।

एच्० बनर्जी कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार पश्चिम बंगाल

कम्पनी मधिनियम, 1956 तथा मेसर्स जम्मू श्रौर काश्मीर बादर्स कारपोरेशन प्राहवेट लिभिटेड ।

श्रीनगर, दिनांक 11 प्रक्तूबर 1984

सं० पी०सी० 256/4084-कम्पनी प्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के प्रन्तर्गत यह नोटिस दिया जाता है कि उपर्युक्त तिथि से तीन मास की समाप्ति पर ग्रगर कोई ग्रापित प्राप्त नहीं होती है तो मेसर्स जम्मू एण्ड काश्मीर बादर्स कारपोरेशन प्रा० लिमिटेड का नाम कम्पनी रजिस्टर से निकाल दिया जायेगा।

एस० के० सक्सेना कम्पनी पंजीकार जम्मू व काक्मीर, श्रीनगर ।

श्रायकर भायुक्त का कार्यालय,

कोचीन-682016, दिनांक 3 श्रक्तूबर 1984

सी॰ सं॰ 1 (ए)/एस्ट/84-85-- प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 124 की उपधारा (1), धनकर प्रधिनियम 1957 (1957 का 27) की धारा 8, दानकर प्रधिनियम 1958 (1958 का 18) की धारा 8 द्वारा प्रदत्त प्रक्तियों तथा इस निमित्त उक्त प्रधिनियमों के प्रधीन प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए भौर दिनांक 25-9-1984 की प्रधिस्चना सी॰ सं॰ 1 (209)/जी॰ एल०/84-85 द्वारा तृष्णूर संकिल का ई०-वार्ड समाप्त होने के फलस्वरूप कोचीन भायकर भायुक्त में एतद्द्वारा निदेश देता हूं कि संलग्न अनुसूची के कोलम 1 में उल्लिखित भ्रायकर संकिल से सम्बद्ध भ्रायकर भ्रधिकारी, जिनका कोलम 2 में उल्लेख हुम्मा है, उक्त भ्रनुसूची के कोलम 3 में सुचित कार्यक्षेत्र, व्यक्ति, भ्राय की श्रेणी, मानले या

मामलों की श्रेणी के सम्बन्ध मे एक भायकर भिष्ठकारी/धनकर श्रिकारी/बानकर अधिकारी के सभी कार्यों का निर्वाह करेंगे। भनसणी

	ग्रनुसूची 	
सर्किल का नाम	ध्रायकर श्रधिकारी का पदनाम	ग्रधिकारिता
(1)	(2)	(3)
म्रायकर कार्यालय, सर्वे सर्किल, तृषशूर	म्रायकर म्रधिकारी, सर्वे सिकल, तृश्शूर	1 (i) तृष्यूर निरीक्षी सहायक  प्रायकर प्रायुक्त के विनांक 4-4-83 के प्रादेश सी॰ सं॰ 517/जी॰ एल॰/ 82-83 मे बताए हुए तृष्यूर ए॰, बी॰, सी॰, डी॰, ग्रीर एफ॰ वार्ड के ग्रायकर ग्रीप्त- कारियों द्वारा निर्धारण योग्य व्यक्तियों को छोड़कर तृष्यूर जिले के लल- प्पिल्ली तालुक के भेप सभी व्यक्ति । (ii) तृष्यूर निरीक्षी सहायक श्रायकर प्रायुक्त के विनांक 4-4-83 के ग्रादेश सी॰ सं॰ 517/जी॰ एल०/82-83 मे अताए हुए तृष्यूर ए॰, बी॰, सी॰ , डी॰, ग्रीर एफ॰ वार्ड के प्रायकर ग्रीप्तकारियों द्वारा निर्धारण योग्य व्यक्तियों को छोड़कर तृष्यूर नगर के शेष सभी व्यक्ति । (ii) तृष्यूर निरीक्षी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त के विनांक 4-4-83 के ग्रादेश सहायक श्रायकर ग्रायुक्त के विनांक 4-6-83 के ग्रादेश सहायक श्रायकर ग्रायुक्त के विनांक 4-8-83 के ग्रादेश सहायक श्रायकर

ग्रधिकारियों को सौंपे

(1)

मामलों को छोड़कर उपरोक्त पैरा (i) भ्रौर (ii) के श्रिन्तर्गत ग्राने वाले फर्म के भागीदारों से सम्बद्ध शेष सभी मामले । (iii)तृष्टभूर निरीक्षी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त के विनांक 4-4-83 के ऋादेश सी० सं० 517/जी० एस०/82-83 में बताए हुए तुम्भूर ए०,बी०,सी०,

(3)

डी ०ग्रौर एफ०--वार्ड के

भ्रायकर श्रधिकारियों

द्वारा निर्धारण योग्य

(2)

(1) (2) (3) मामलों को छोड़ कर शेष सभी नए मामले। इनमें सर्वेक्षण के फल-स्वरूप सूचीबद्ध मामले भी शामिल होंगे। 2. श्रायकर ग्रधि-नियम, 1961 की धारा 124, 126 श्रौर 127 के श्रधीन सभी मामले जिनका विशेष उल्लेख किया गया हो।

2. यह ब्रादेण दिनांक 1-10-1984 से लागू होगा । एम० जे० मालन कोचीन ब्रायकर प्रायुक्त

## प्रकृप अध्दै. टी. एन. एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (१९61 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, स**हायक आयक्त आयक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज, भुवनेण्यर

भुवनेश्वर, दिनांक 10 सितम्बर, 1984

निर्देश सं० आई० एस० सं०/एकुजिसन/84-85/1150-अतः मुझे कार०मी० सेठी

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. में अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 730 है जो नयापरूली में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ध्रिधकारी के कार्यौलय भूवनेश्वर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, 8 फरवरी, 1,984

को पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के रूरयमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके रूरयमान प्रतिफल से, एह रूथ्यमान प्रतिफल का पंद्र प्रतिगत से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तम पासा गया प्रतिफल, निम्निलिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में बास्तिक रूप से कांभित नहीं किया गया है:---

- (क्क) जन्तद्रण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिपिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्व में कमी करने या उससे अखते में सुविधा के लिए; बीट्/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अविश्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था किया मी सिक्या की सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रामती गयाबन्सारावन्त राय केयर आफ वसदेव राउत राय पो० आ० गुरुनग पो०एस० खुरटा जिला पुरि

(सन्तरक)

(2) श्रामती मुरेखा सुन्दार जयमीह मार्फत सहा देव जयसिंह मुनीखेला पी०ओ० भटपड़ा पा०एस० ब्रह्मागिरी जिला पूरी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप --

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **ग्रनुसू**ची

फी होल्ड लैंड पत्र नं० 1284, खाता नं० 816 एरिया एक्टर 0.194 डेसी, सीं०ए० 0.460 डेसिमिल मौजा----नयापल्ली, थाना-----सहिद नगर भुवनेष्वर---जिला पुरि

> आप् सी० सेठी सक्षम प्राधिकारी महायक खायकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भुवनेण्यर

तारीखा ' 10--9--1984

मोहर :

प्रथम शाहा. टी. एन. एस. ----

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मधीन सूचना

#### भारत संदुकार

## कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज (शिलांग

शिलांग, दिनाक 23 अगस्त, 1984

निर्वेश स० ए--267/84-85/तेजपुर/137--38--अतः मुझे, ई० जे० मीलंग,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक हैं

और जिसको स॰ पाट्टा नम्बर 179 (पुराना) 664 (नथा)/ वाग नम्बर 30 (पुराना) 446 (नया) मौजा है तथा जो तेजपुर शहर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय तेजपुर में, रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-2-84

को पूर्वेक्सि सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्वमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह निश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का गंग्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उच्चोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में अध्यानक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी अगर की बाबत, उपक बिधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरण के दासित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/वा
- (च) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्म आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारी प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त सिंधिनयम की धारा 269-ग के अनुसरके  $\mu^{\mu}$ ,  $\mu^{\mu}$ , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्नितिकित व्यक्तियों, अभीत् :— -

(1) श्रीमती हेनाप्रभा सद्देशिया मानिक चन्द सद्देशिया की स्त्री परवृतिया रोड, तिनसुखिया (अन्तरण)

(2) श्री निम्न राजन कलिता, स्वर्गीय जी०एन० कतिरा के पुत्र एस०बी०रोड. तेजपुर महर तेजपुर

(बन्सरिती)

को यह सुचना जारी करके पृत्रक्ति सम्पत्ति के सर्वन् के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारी स म 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी स्पन्ति ब्वाय;
- (क) इस सूचना के राजपक्र में प्रकाशन की तारीक स 45 दिन के भीतप उक्त स्थावप सम्मरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

#### अगृत्त्वी

जमीन का नाप 1 बिभा 6 लेसा और पाट्टा नम्बर 179 (पुराना) 664 (नया)/दाग नम्बर 30 (पुराना) 446 (नया) तेजपुर शहर के मौजा महाभैरव में स्थित है।

ई० जे० म<sup>9</sup>लग सिक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज; णिलाग ।

तारीख: 23-8-84

माहर:

प्रकल बार्ड ्टी. एन ्एस . -----

कामकार किपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

#### प्रारंत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, शिलाग

शिलांग, विनोक 23 अगस्त, 1984

निर्देश स० ए----268/84-85/तेजपुर/143-144--अत सृक्षे, ई०जे० मौलग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० पाट्टा नम्बर 35 (पुराना) 43 (नया) दाग नम्बर 31 (पुराना) 445 (नया) है जो तेजपुर शहर के मौजा महाभौ ख में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्वा म और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तेजपुर में, रिजस्ट्रीकरण धिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-2-84

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य उसके ध्रथमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम् पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विष्यों से उक्त अन्तरण कि किस में बास्तिक रूप से किशत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा से लिए;

सतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :— (1) श्री मानिक जन्द्र सईकिया स्वर्गीय डि०एन० सईकिया के पुत्र , परवितया रोड, तिनसुकिया

(अन्तरक)

(2) श्रोमती कल्पना कलिता श्री बिस राजन कलित्ता की स्त्री एल० बी० रोड, तेजपूर शहर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्कृता के राज्यत में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर स्कृता की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गथा है।

### शन्सूची

एक घर सहित जमीन का नाप 1 बिघा 14 लेसा और पाट्टा नम्बर 35 (पुराना), 43 (नया)/दाग नं० 91 (पुराना) 445 (नगा), तेजपुर शहर के मौजा महाभैरव मे स्थित है।

> ईं० जे० मौलंग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग, शिलांग

तारीखा: 23-8-84

मोहर:

प्ररूप आई. दी. एन. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 5 सितम्बर, 1984

निर्देश स० ए० सी० 76/ए०सी०क्यु० आर्-II/सी०ए०एल०/ 84-85-जनः मुझे, एस० के० बनार्जी,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पंश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ह' कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. में अधिक हैं

और जिसकी स० ओयार्ड नं०-75 है तथा जो नारातला रोड, नसकरपुर, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण कप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० अलिपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधान, हार्रिए 13-2-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रथमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रथमान प्रतिफल को, एसे श्रथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रसिश्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरिशियों) के बीच एसे अंतरण ये लिए तय पामा गया प्रतिफल निमालिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अभिन्यम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/शा
- (क्) एसी किसी बाग या किसी धन या जन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अर्तारती दवार एकट नदी किया है। भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के बिए;

(1) मैमर्स रोलस प्रिन्ट कम्पनी प्राईवेट लि॰

(अन्तरक)

(2) मैसर्स रोलस प्रिन्ट (थाकेजि) लि०

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्यन्ध में को इंभी बाक्षप :---

- 'क) इस मूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख स
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त हाती हो, को भीतर पूर्वीकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहेस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पष्टीकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषिट ही, तहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

## अनुमूची

जमीन:---3 बिधा2 कठा 8 छिटांक जमीन के साथ मकान और फेकटारि रोड।

यता:—नसकरपुर में नारातला रोड का दक्षिण ढिक, कलकत्ता कार पोरेशन में ओयार्ड नं० 75, थाना साउथ डिमियन पोर्ट पुलिश।

दलिल संख्या-ए०एस० आर० अलिपुर का 1984 का 672

एस० के० बनार्जी विस्तान स्वाधिकारी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्प आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 11/कलकत्ता

अत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

नारं.ख: 5−9-1984

मोहर 🖫

प्रकप आहे. श्री एक इप. . ......

**अगयकर अधिनियम,** 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहत्यक भागकार भागवता (निरीक्तण)

अर्जन रेंज-11, कलकत्ता

कलकला, दिनांक 28 सितम्बर, 1984

निर्देश सं० ए० मी०-  $7\pi/$ ए०मी०क्यू०-आर-1I/मीएएल/ 84-85--यतः, मुझे, एस० के० बनाजीं,

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित नाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी मं० 25 मी है तथा जो आलिपुर रोड, कलकत्ता में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्ची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आए० कलकत्ता में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28--2--1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय गया गया प्रति. फल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक कृष से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुन्दें किसी आग की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

अतः असः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थांत :--- (1) श्रीमती खरोन बाला दासि

(अन्तरक)

(2) सिमश्री कल्सद्भशन कम्पनी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्द संपरित के वर्षन के किए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त सम्मत्ति के कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित- वव्ध किसी जन्म व्यक्ति व्वारा जधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किस् जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शस्त्रों और पदों का, वो उचक अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नगत्त्वी

जमीत: ---6 कठा 9 छटांक 5 वर्ग फुट जमीत के साथ मकात पता: ---25 सी, आलिपुर रोड, थाना-आलिपुर, कलकत्ता । दलिल मंख्या---1984 का एसं० आर० ए० कलकत्ता का आइ, 2434 ।

> एस० के० बनार्जी सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) किर्जन रेंज 11/कलकत्ता

तारीख : 28--9--1984

मोहर 🛭

प्रक्रम् बाइं. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, एरनाकुलम

जएरनाकुलम, दिनांक 8 अक्तूबर, 1984

निर्देश मं० एत्र० मी० 697/84-85--यतः मुझे, बी० रविद्यालन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं अनुष्यी के अनुसार है, जो कौंध में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुचनी में और पूर्ण रूप से दर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पालगाठ में भारतीय रजिस्ट्री- करण अधिनियम, 1908 (190 का 16) के अधीन नारीख 16-2-1984

का पूर्वियत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के उत्यापत शितफल के लिए अन्तरित की गई है कि मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कृषित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की शावत, उक्त विधितियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने सं मृतिधा के लिए; वरि/मा
- (क) एंसी किसी बाब या किसी धन या जन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना या, छिपाने में स्विधा के निए.

(1) প্রাণ্ড টার্র্রি, বর্মিনা, अधीमाबी, कमीलाबान আগণ্যত বিবালুখন

(अन्तरक)

(2) श्रोमती ए० साटा उम्मा

(म्रन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सचना के गज्यत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, यहां प्रध होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

#### मन्त्रूची

तारीख 16-2-1984, उपरिजस्ट्री कार्यालय, पालगाठ के दस्तावेज सं० 695/84 में मंजात अनुसूची के अनुसार कोप्पम विलेज में सर्वे सं० 243 में 1134/4 सेन्ट भूमि के साथ एक मकान।

> .बी० रिवालन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, एरनाकृलम ।

बतः वयं, उक्त जिथिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरक भो, भी उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपभारा 🔑 के बधीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, वर्णात् हु---

नारीख 8-10-1984

मोहर:

प्ररूप बार्ष टी. एव एस. ------

कायकार अधिरियम . 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक लाग्नवर नायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, एरणाकलद

कोच्चिन-16, दिनांक 24 मितम्बर 1984

निदेश सं० एल० सी० 696/84-85--यतः मुझे, बी० रिवबालन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चाल 'उक्त अधिनियम' क्रिया गया ही), की भारा 269-ख की अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उर्वित बाजार मूल्य 27 000 '- रह में स्थित ही

और जिसकी सं अनुसूची के अनुसार है. जो कोट्टयम में स्थित है (और इसमें उपाबद अनुसूची और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्री- कर्ता अधिकारी के कार्यालय कोट्टयम में भारतीय रिजस्ट्री- इर्पायलय कोट्टयम में भारतीय रिजस्ट्री- वरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 6-2-1984 को पूर्वीक्स सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के धर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्स सम्पत्ति का उचित बाजार गूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवात में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्कर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें स्विधा के लिए;

(1) श्रो बेबो फिलिप, विजोई फिलिप नोमस फिलिप, जेकब फिलिप और बैज जांसफ।

(अन्तरक)

(2) श्री मेस्सेरम होटल लक्ष्मा निवास के लिए के० नारायण भट्टर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपत्ति के अर्जन के लिए अर्थन हिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुभना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुभना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध नाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पष्टीकरण :—हसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होग्र जो उस अध्याय में विका गया है।

### नन्स्थी

तारीख 6-2-1984, उपरिजस्ट्री कार्यालय, कोट्टयम के दस्तावेज सं० 381/84 में सलंगन अनुसूची के अनुसार विजयपुरम विलेख में सर्वे सं० 20/1/1 में 15 सेन्ट भूमि के साथ "तिबिल स्टोरीड बिलिंडज

बी० रिवजालन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, एरणाकृलम

आत:, श्रव्य, उक्त अपिनियम की धारा 269-च के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात्:--

नारीख: 24--9--1984

मोहर:

प्रका बाई. टी. एम एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

#### भारत मरकार

कार्यालय, सहारक आयकर आय्वतः (निरीक्षण) अर्जनरेज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 11 सितम्बर 1984

निदेश मं० 799/84--85---यनः मुझे आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधिक बाजार मृन्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं टी० एस नं 480 है, तथा जो कार स्ट्रीट बेल्लार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बीण है), पिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 1908 का 16) के अधि ता तारी खा 17-2-1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृस्य से कम के क्रमाम प्रतिपाल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्क यह विश्वास प्रकृत के कारण है कि यथापूर्विक्त सर्पात्त का उपित बाजार मृत्य, अक्षके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का ग्रिप्त प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण े जिन्ह में प्रस्ति प्रकृत के दूर से विधन नहीं किया गया है -

- (का अंतरण व होई किसी वाय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर दान के प्रतरक क दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसल अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भारतीय अपने के जिल्हों के विशेष किया अपने पार्थ के किया अपने पार्थ किया अपने पार्थिक के किया अपने पार्थ किया अपने पार्थिक था, छिपान में सुविधा के किए;

स्त: मज, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अभीत् :-- 3-306GI/84

(1) श्री भयी कोटूर सेटी या कोट्रेश श्री भयी मरुलम सेटी इनका लडका जर्मानदार सम्मीग रोड, बल्लारी

(अन्तरक)

(2) (1) श्री एम० आनन्द (2) श्री एम० सदानन्द श्री मीहे मलप्पा के लड़के मकान नं० 36, वीटर्स स्ट्रीट, बेल्लारी

(ग्रन्तरिती)

को यह सचना जारी करकं पूर्वावन सम्पन्ति क अर्जन के गणा कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीए सं 45 दिन की जनिश या उत्यंगंभी न्यतिनारों जर म्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर गर्वोंकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (■) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में क्रितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्तापाअर के पास विशिष्ठ में किए जा सकेंगे।

न्यब्दीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उन्न अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

#### नगत्त्रची

(दस्तावेज सं० 4566 ता० 17--2-1984) कर्माशयल संपत्ति, जिसका क्षेत्रफल दुव्हान

- (1) 46 चौ० मी०
- (2) 60 चौरम<sup>?</sup>र

जगह 77.00 चौ० मीः

प्रापर्टी का पताः

मकान नं ० 43, टी० एस० नं ० 480 क्लाक नं ० 2, वार्ड नं ० XI कार स्ट्रीट, बेलारी

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंड, बंगलर ।

तारीख: 11-9-1984

मोहर 🦸

प्रस्य बार्षः, टी. एन., एस्.,-----

अध्यक्तर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अभीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगसूर, दिनांक 24 सितम्बर, 1984

निर्देश सं० नं० मी० आर० 62/42463/83-84/ए०सी० क्यू०--यन: मुझे आर० भारबाज,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को मह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार 'मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० आर॰ एस० 173-ए2, दी० एस० नं० 15-ए2 है, तथा जो अन्तावर विनेत्र आफ अन्तावर वार्ड, मंगलूर सिदि में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुचर्चा में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 वा 16) के अधीन 3-2-1984

की पूर्यों केत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपत्ति का जिल्ल बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाय: गवा प्रतिफल, निम्नतिखित उद्योचय से जकत अन्तरण लिखित में सस्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संह्यं किसी आय की बाबत, उपस्त अधि। निम्म के जभीन कर बोन के अन्तरक के दियाल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/भा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्टियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिटी दुन्तर प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा खें सिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के सभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् है—

(1) मैससं कुडिप श्रः निवासः श्रेनःय ऑप कम्पनः, 12-305, न्यू फील्ड स्ट्रीट, मंगलूर

(अन्तरक)

(2) मैसर्स ए० जे० शेट्टि और कम्पनी प्रा० लि०, रेप्रसेन्टेड बै० श्री ए० जे० गेट्टि जी० जी० रोड, कोडियलबैल, मंगलूर- 3

को यह सूचना जारी करके प्वॉक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां शरू करता है।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिश स 45 विन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्वव्भ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1583/83 ता० 3-2-84)

सम्पत्ति है जिसका सं० आर० एस० 173-ए2, टी० एस० 15-ए2, जो<mark>शिन्सावर वार्ड</mark>, असावर विलेज, मंगलूर सिटि में स्थित है।

> आर० भारब्राज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलुर ।

तारीख: 24-9-84

मोहर:

प्ररूप बाई.टी.एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहार्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 12 अक्तूबर 1984

आदेश संख्या : राज०/सहा० आ० अर्जन/2487---अतः मुझे, मोहन मिह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी संव प्लाट नंव बीजिन है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूचों में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के दार्थालय जयपुर में, रिजर्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अबीन, नारीख 12 फरवरी 84

कों पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रयमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, आयकर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अराः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तितयों, अर्थात् :— (1) श्री धनश्याम पुत्र श्री लक्ष्मीनारायण निवासी नारायणपुर जिला अलवर

(अन्तरक)

(2) श्री सुशील कुमार पुत्रश्री शीनदयाल गर्मा निवासी प्लाट नंश्टी—16, मीरा मार्ग, बनीपार्क, जयपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ययाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वनुसूची

ण्लाट नं ० बी - 1, संजय कालोनी, नेहरू नगर, जयपुर जो उपपंजीयार, जयपुरहारा ऋम संख्या 317 दिलांक 12--2--81 पर पंजीबद्ध विक्रय पक्ष में और विस्तृत रूप से विवर्णित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

ता शेख: 12-10-84

मोहर 🖫

प्ररूप आइ रे. ट्री. एन. एस. - - -

जायकर अभिगीनसभ 1961 (1961 का 43) की भारा 269 प(1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनां र 12 अक्तूबर, 1984

ादेश सं० भागः/।हा० आ० अर्थः/2488 - अतः मुझे मोहन सिंह,  $^{\prime}$ 

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-य हे अहिर सक्षम प्राध्यारारी को, यह धिष्वास कारने का कारण है कि रक्षतर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/- रह में अधिक है

और जिल्हा की में प्लाहनं विश्व है तथा को जियपुर में स्थित है, (और राजि उपावड अनुसूत्री में और पूर्ण राम के किएत है) रिक्ट्रिंग जीव जारी के जार्यालय जयपुर में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 हा 16) के अधीन, तारीख 25-2-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान धातिफल के लिए अन्तरित को गई है और मृभ्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ग्ल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती जिल्ला के विच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वित में प्रमित्वक है से अस्तिक है किया गया है :—

- (२) अल्पण स हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी अरने या तमसे वचने में पृतिधा के लिए आरे/या
- (ध) एसी किसी आय या किसी जन मा लग्य आस्थियों को जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान से स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण । , ফ্লান্ডেল ছিলিয়েল ক্লাপ্তান ২৫০-ঘ কা उपभाग (1) क अभीन निम्नलिखित -ফাকিবমাঁ, अर्थात:—— (1) श्री गिरीराज घरण गोयल एच०यू०एफ० लाडलीजीका खर्रा चौकड़ी, रामचन्द्रजी, जयपुर

(अन्तरक)

(2) श्री जयश्री तोतुका पुत्रश्री सुनीत तोतुका निवासी 34, राउल बिल्डिंग, बालकेश्वर रोड, बम्बई--400006

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस स्चाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर स्चान का तामील में 30 दिन का अवधि, जा भी अवधि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वोकत विश्वार में से किसी व्यक्ति दशर
- (क) इस सूचना के राजपत्र मां प्रकाशन की वारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मां हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी क पास लिखिन मां किए जा सकोगे।

स्पट्टोकरण - - इसमा प्रयक्त कहता और पदा का, जा उसके अधिनियम, से अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नन्सूची

ण्ताट नं. 4 बी 4, गोविन्द मार्ग, जयपुर जो उप पंजियक जयपुर द्वारा फ्रम संख्या 522 दिना रू 25-2-84 पर पंजीबद्ध विक्रयपत्र में और विस्तृत रूप से विविध्यत है।

> मोहन मिह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 12-10-1984 मोहर: प्रस्प आर्थः टा. एन . एस . -----

भावकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### गार्क रास्कार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 12 अक्तूबर, 1984

आदेश सं० एरज०/महा० आ० अर्जन/2489--अत: मुझे मोहन सिंह

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके प्रभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 26.000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संव प्लाट नंव की 0-96 है तथा जो जयपुर म स्थित है, (और इसमें उपावद अनुसूची में और पूर्ण क्या में विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के प्राथित्य जयपुर में, रिजप्ट्रीपरण अधिनयम 1908. (1908 का 16) के अभीन, तारीख 28-2-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथा पूर्वित सर्पत्ति का उजिल बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे प्रवमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक ल निम्नलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्ति किक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) बन्तरण सं हुइ । कसी जाय को बाबत, उबन जाभिनियम के अभीन कर बोने के बन्तरक के दाबित्व में कभी करने या उससे बचने में अधिकथा के लिए; जीर/बा
- (क) ऐसी किसी आप या किसी धन या बन्य आस्सियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 । 1922 का 11 गा उनल अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ज्ञिपान में मृविधा से निए;

बतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म का उपधारा (१) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध—-  श्री कैलाभचन्द मित्तल पुत्र श्री क्रन्हैशालाल मित्तल, ए, अ शास्त्री नगर, जयपुर

(अन्तरक)

(2) श्री बाबूलाल पुत्रश्री ग्यारसी लाल अग्रवाल निवासी सी → 3, अम्बा बा**र्ड**ï, जयपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति कं अर्थन के खिश् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस स्वास के राजपन्न में प्रकाशन की तार्रिज " 45 दिन की अवाधिया न न्यावन्ये दिन न्या गर स्वास की तामील से 30 दिन की अविक, शामी अविध बाद में समाप्त होती हो, हे भीतर प्रविकार व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विस्ति में किए जा सकर्गे।

स्वक्योकरण ---हामों प्रयुक्त भन्दी और पदी का, आ उसत विभिन्नम, के अध्याय 20-के में पारभाषित तै, यही कर्य होगा को उस अध्याय में दिशा गया है।

## वन्स्वी

ण्याप्र नं ० डी ० 96, स्थि। अस्या बाडी, जयपुर जो उप पंजीयता जयपुर द्वारा कम संख्या अ 99 दियाँ क 28-2-84 पर पंजिबद्ध विकयपत्र में और विस्तत रूप से विवर्णित

> मोहन सिंह सक्षम प्राधि हारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज जयपुर

तारीष्त्र 12**—10—8**4 **मोहर**  प्ररूप नार्द. टी. एन. एस.-----

# भायकर जिभिनियम, 1961 (1.961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

् अर्जन रेंज जयपुर

जयपुर दिनांदः 12अक्तूबर 1984

आदेण सं० राजा०/महा० आ० अर्जन/2490- --अतः मुझो मोहन सिंह,

आयकर् पंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसम इसके पच्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ल हे अधीन मक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पतिस, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट है तथा जो उदयपुर में स्थित है (और इससे उपावछ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्री छती जिल्हारी के कार्यालय उदयपुर में रिजस्ट्री एरण अधिनियम 1908 (1908 में 16) के अधीन नारीन्द 2 फरवरी 1984 को पूर्वावर संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रसिष्टल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का जारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उनके ख्यमान प्रतिफल से एस इस्यमान प्रतिफल का पंचह प्रदिश्वत सं अधिक है और अन्तरित (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरित पांग के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्विध्य से उच्त अन्तरण जिल्हत पे वास्तिक इप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) ब्रुप्तरण से हुर्द किसी बाग की बाबत, उपस अधिनियम के अधीन कर बोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे ब्युने में सुविधा के सिए; बौर/वा
- (ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपान से मृशिभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा-269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अथात :-- (1) श्री रावतमान सिंह पुत्रश्री रावत अजुन सिंह निवासी कोठारिया

(अन्तरकः)

(2) श्री गगनवीप, 24सी, मधुबन, उदयपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अपिकतयों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जां भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### **मन्स्<del>यी</del>ं**

प्लाट स्थित देहली गेट के बाहर, उदयपुर जो उप पंजीयक, उदयपुर द्वारा कम संख्या 235/344 दिनाक 2~2 ·84 पर पंजीबद्ध विकथपत्र मे और विस्तृत रूप मे विवणति है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

नाभी ज 12−10 ·1984

मोहर:

प्ररूप आही.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 4 अगस्त, 1984

निदेण सं० आई० ए० सी० एक्वी--16/44/84--85----यत: मुझे, एम० सी० जोशी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उवन अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षय प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

, और जिसकी सं० खेत हैं, जो वडगांव ता० जि० यवतमाल सं० 37/2 में स्थित हैं (और इनसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिक्स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देवतमाल (डाकुमेंट सं० 1290) में भारतीय रिक्स्ट्रोबारण अधिनियम, 1908, (1908 जा 16) के अधीन 27-2-1984

को पूर्वावित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाग गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं कया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या
- (ख) एसी किसीं आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक-कर औधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं फिया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री मिमराज्य बा० बेले रा० वडगांव ना० जि० यवनमा**ल** 

(अन्तरक)

(2) श्री त्रिमूर्ति गृह निर्माण सह० संस्था यवतमाल श्री विष्णु ठाशरे, यवतमाल

(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

खेती उएकड़, सर्वे नं० 37/2 वडगांव ता० जि० यवतमाल

एम० सी० जोणी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख: 4—8—84 मोहर :

#### अक्ष बार्च हो. एन एवं.....

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बधीन स्चना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांदः 30 अगस्त, 1984

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्की 23/18/84-85--यत मुझे, एम० सी० जोशी,

बायकर अितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धार 269-व के अधोन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रु. में अधिक हैं

और जिएकी संख्या खेन जिस्ता राज्यं। 2/1 है और जो मौजा येरला पीज ताज मोशी जिल अमरावती में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीयती अधिणारी के कार्यालय अमरावती (डाक्स्पेंट संव 208/84) में रिजस्ट्रीकरण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत 24-2-1984

को पूर्वेक्स मस्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान पतिष्ठल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्याम करों का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशान से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया पया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्वेद्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिसक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त ऑप्सेप्यम के जधीन कर योगे के शन्तरक को बायित्व में कमी अरुपे या उससे अचने में स्विधा के लिए; बार/या
- (का) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर विधिनयम, या धनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया धाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ज्ञतः अज्ञ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, मैं, उबत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्नलिखित व्यक्तिसमें, कर्माक रूल्ल  (1) श्री रामचन्द्र प्रालिकराम जी मालबीय मुल्पोलतालमोशी.
 जिल्लालमोशी.

(अन्तरक)

(2) प्रथमेश तुलसीरामजी मालकीय पोस्ट मोर्शी, जिला अमरावती आइता०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथािक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए आर्यवाहियां करता हो।

उक्त कम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में काइ भी आक्षेप :--

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर गूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथिकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त राष्ट्रों और पक्षों का. जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ झाना जा उस मध्याय में दिया प्याहरी।

## बमुसुची

खोत जिसका सर्वे नं० 121 है और जो मौजा चेरला ता० मोर्शी जि० अमरावती में स्थित है और जिसकी रजिस्ट्री 6 है० 28 आर० है।

> ्म०सी० जोशी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, नागपुर

नारी**ज**: 30-8-84

मोहर ः

प्रकृप बार्ष . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, नागपुर

नागपुर-II,दिनांक 10 अगस्त 1984

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी 18/14/84-85----अतःमुझे,एम०सी०ओसी,

आयकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25 000/- रा. से अधिक हैं

औं ति की म अन पर्ये नं 013-31, 4 और 13-31, 8 है, जिल्ला नं 0 शोट न 056, यन, प्ताट नं 0418 म्यु ० वार्ड नं 02 संत नाम त्र रोड पर्या ने क्यार है (और इ.से उपाबद्ध अनुमूची ने और पूर्व कार्त ने मिला है), प्रानिश्व कार्य प्राप्त कार्य कार्य कार्य के 433/84) में भा तीय प्रान्त हो। एए अधि सम 1908 (1908 रा 13) हे अधीन 15-2-1984

को पूर्वित्र सप्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दिश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्ब, उसके दश्यमान प्रतिफल से एंसे इद्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन निम्तिलिखित उद्बेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व भा कमा करन या उपम अभन भी मृजिया के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) पा उस अधिनयम, पा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रपोत्रमार्थ परिवर्गित द्वारा अपट पर्ने किया गणा था । िय जाना वर्गाण था, छिपाने लें समित । वि

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मी, उक्त अधिनियम को धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीत: निम्निलिलित व्यक्तियों, अर्थात् :---4---306G1/84 (1) श्रीमती उथा चन्द्र 'रा पांकरे लींग टेम्पल के प्रक्रि, आई नं० 2 बधी, तहरु जिजा दर्धा।

(अन्सरकः)

(2) श्री णिवाजी धर्मराज केदार,
टीचर न्यू इंग्लिश हाई स्कूल,
निवास तजागनाडे गोड धार्क,नं० 2, दर्धा,
त० जिला दर्धा।

(अन्तरिती)

को यह स्थान धारी करके प्याँक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अजन क संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इत सूचना ह राजण में ग्रामन की नारीण में 45 दिन की प्रविध के उत्पंत्रीय काश्वित्या कर मुख्य की नायील से 30 दिन की प्रविध, तर भी अविधि बाद में सवण्य होती हो, ते जीतर पूर्वीकर क्याक्तारों में ने किसी क्याकिश शासा;
- (ल) इस पूत्रता के राजन में पालगर का दारील से 45 किन के भीतर उकत स्थावर अस्पत्ति में हिसकद किसी सन्य व्यक्ति द्वारा, प्रणाहरताक्षणी के पास जिकित में किये जा सर्हेंगे।

स्वासी करण १---इसर्ने प्रपृक्त मध्य गोर पटी हा, जो उन्स प्रक्षि-नियम के अध्याप १०५६ में प्रश्याणित है बाही अर्थ हाना, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

### **मन्त्र**ी

महान ओ कि संदत कामना हे रोड वार्ड नं 2, वर्धा में स्थित है, जिहारी सर्वे नं 13-31, 4 और 13-31, 8, म्युकिएल प्लार नं 418, न ० शीट नं ० 56 है कुल प्लाट एरिया 2000 म्यावेयर फीट का है।

> ्म० सी० जोशी सक्षम प्राधि ारी महायक आयकर आयुक्त (िरीक्षण) अर्जन रेंज, नागपूर

तारीख: 10-8-1984

मोहर :

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक मायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर,दिनांक 26जून 1984

निदेश मं० आई० ए० सी० एमशी/1/13/84-85--अतः मुझो, एम० सी० जोशी

बार्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उयत अधिनियम' बहा गया है), नो धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने को कारण है कि स्थावर सम्पित, जिसका उत्तित बाजार मूल्य 25 000/- रुट से बिधिक है

अौर जिनकी छेत जभीत सर्वेतं ० 89/3-ए है, जो मीजा नेवसा आ ० नोइमा के त० व जिल् अमरान्ती से स्थित है (औए इ से उपावड़ अन्सूची मे और पूर्ण रूप से विमान है), रिस्ट्रो कर्ता अधिक री के सायित्य अमामती (ड कुनेट स० 1154/84) में भारतीय रिनस्ट्रो एएण अधित्यम, 1908 (1908 में 16) के अधीन विनांक 23-2-1984

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उणित आजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की अर्थ है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में एमें श्रूयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिबित उद्बेष्य से उक्त अन्तरण लिबित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्षण शिंपित्यम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाणित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिल्ला में स्विधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ग के अनुगरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ए की उपधारा (१) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:—— (1) श्रानाना देव राव जा सोनार रा० बलगांव जन्दा रेली तह० जि० अमरादती

(अन्तरक)

(3) मे० सुधीर एन्टरप्राक्ष्जेस पा० श्रा० ओम प्रशासकोडुमल जी स्रोमचन्दानी रा० अंबिकानगर अमरावसी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवगहरा करता हू।

उक्त सम्परित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हा, के भीतर पूर्वीकत त्यांक्तयों में संकिमी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उत्तत स्थानर सम्पत्ति मा हितवद्ध किसी अस्य क्यांक दतारा प्रधाहरताश्यां के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हागा जो उस अध्याय में विया गया है।

## मनुस्**ची**

खेन जमीनजिल्ला सर्थे नं ० 89/3-ए जो मौजा रेवला प्र० नांदगांवपेठ ता ० जिं० अमरावती में स्थित है। कुल है० 1 आप 48सें०मी० 4एवं इस्तेत जमीन।

> ्म०सी०जोणी सक्षम अधितारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अजैनरीज, नागपुर

तारीख: 26-6-84

मोहर:

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, विनांक 1 अगस्त 1984

निदेश सं० आई० ए० सः० एक्ब /15/14/84→85——अतः मुझे, र्म०स ० जोशाः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

धौर जिसक पं० प्लाट 6 शीट मं० 69 है, जिसका ले-आउट प्लाट मं० 3 है अन: जिसका एरिया 9800 फट है और जा अकोला में स्थित है (और जानके उनाबद अनुभूच में और पूर्ण क्य से बिणित है), रजिन्द्र कर्ता अधिकार के क्षमाला अकोला (डाकुमेंट सं० 1297/84) में रजिन्द्र फरण अधिलियम, 1908 (1908 का 16) के अभोत 10-2-1984

कां पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्में यह जिश्यास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मृत्य, उसक दश्यमान प्रतिफल सार, एस इश्यमान पिक्कल का पंद्रहु प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दश्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्तयिक रूप स कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उन्तर आधि-नियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिये; कार सा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनयम, या धन- कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिया के निस्

अत. अ.भ., उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरक में, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्धात :---

- (1) श्रः पुराजापाव सुवदेव सहकारः सो० अमपावतः (अन्तरक)
- (2) (1) श्रा बंग लाल मदन लाल सद्धा
  - (2) श्रः किशनलाल बंस लाल लद्धा रा० न्यू राधाकिशन प्लाट बजरंग भवन अकोला

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख सै 45 दिन की अविध या तत्सबधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध. जो भी अविध बाद में सभाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

### नन्स्ची

नजुल प्लाटन० 6 में टन० 69 लेआउट प्लाटनं० 3, जो अकोजा में स्थित है जिसहा कृत एरिया 9800 फां० है।

> एम० स<sup>२</sup>० जोशी सक्षम प्राधिकारो महायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज, नागपुर

नारीख: 4—8—1984

मोत्र

प्रकप. आइ. . टी. एन. एस्. - - - -

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) क अधान सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 14 सितम्बर, 1984

निदेश नं ं ं ं ं पि पान नं विश्व किया मही जे । एल ं शिरधर आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का आरण है कि स्थाबर सम्मत्ति, जिसकी उच्चित बाजार मृत्य 25,000/- रहे से अधिक है

प्रौर जिसकः सं० जैसा अनुसूच में लिखा है तथा जो वाठिष्डा में स्वाहै (प्रोप इस ने उराबद्ध अनुसूच में प्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजिस्ट्र कर्ता अधिकारः के कायोलय वाठिष्डा में रिजिस्ट्र घरण अधिनेयम, 1908 (1908 का 16) के अव.न, तार ख फरवर। 1984

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह बिश्वास करन का कारण है कि यथाप्याकत सर्पास्त का उचित् बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयां) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पामा गया प्रतिफल निम्निखित उद्देश्य स उचत अन्तरण सिखत में बास्तविक रूप स क्षित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व म कमी करन या उसस बचन में मृजिधा के लिए, अरि/या
- (भ) एसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में मृविधा के लिए;

अतः अन्, उकत अधिनियम कौ धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्रः गुगराज सिंह पुत्र ठिक्तर तिंद् वन्दसार बस्ता, वालावाला रोड. बाठिन्डा

(अन्तरक)

(2) श्राप्त प्राप्त सिंह पुत्र वचारित्तः, गांव जत्माराय जिला अमृतसर, अरदास कौर विधवा दूला लिंड, नजद क नया बस स्टेंड, भटिण्डा

(अन्तरितः)

को श्रष्ट भूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हा।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप. ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्थान की तामील में 30 दिन की अविध. जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- सद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के गाम तिस्थित में किए जा सकीगे।

स्पथ्डीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों आरे पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विसा गया है।

#### जन्स ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 4426 दिनांक फरवरा, 84 को रजिस्ट्र.कर्ता अधिकारा बाठिण्डा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सञ्जम प्राधिकारो महायक आयकर आयुक्त निर**क्षण** अर्जन रेंज जालन्मर

तारेखा.14−9<del>−</del>84 मो**हर** ध प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायूक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालधर

जालन्धर, दिनाक 14 सितम्बर 1984

निदेश सं० ए० पो० नं० 5636--- अ: मुझे, जे० एल० गिरधर,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और िसका स० रामपु फूल है तथा जो रमाए पिल में स्थित है (अरइस्सेर गढ़ अर्इच में अं पूर्ण मण से गित है), रिस्टु क्ती अरिरार के कार्यालय रामपु फुल में रिस्टु करण अरिरासम, 1908 (1908 का 16) के अवान, तारख फरारा, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जोर मझे यह विश्वास करने का आर्थ है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविका के लिए; और/या
- (अ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

्अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग्य के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान्:--

(1) श्रमा दयावन्ता पत्नी श्रावचना राम, गाव फूल।

(अ दारका)

(2) श्री गुरचात सिंह, श्री वाल कारी सिंह, पुत्र श्री करतार सिंह, गाव फूल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी हरिके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य गाहिया शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 3196 दिनांक फरारो, 1984 को रिम्ट्राहर्ता अधिगरो ने रामगुराफूल में लिखा है।

> जै० एल० गिरधर सक्षम प्रधिकारी सहायक आयकर आगुक्त (निर्रक्षण) अर्जन रेंज, जल्लाधर

तारीख 14-9-1984 मोहर: प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

काथकर अधिनिश्रम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्थना

#### शारत सरकात्र

कार्यालय, सञ्चयक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन २३, जाल रन्ध

जालधर, दिनाक 14 सितम्पर, 1984 निदेग सं० ए०पो० नं० 5637—आर, मुझे, जे०एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क को अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित, जिसका उणित बाजार मृत्य, 25,000/-रु. से अधिक है

और िसकर सं० जैसा कि अनुसूर्य। मे निखा है तथा जो रामपुराफूल भे स्थित है (आर इसमे उपादक अनुसूर्या मे अन्य पूर्ण रूप से विधार है) रिस्ट्रिशार्ता अधिकार। के कार्यात्म रामपुराफूल मे रिस्ट्रिशारण अधि सम 1908 (1908 का 16) के अधा ताराख फरवरा 1984

का पूजाकत सम्पारत के उचित बाजार मूल्य से क्रम के दिश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और मुक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, एस स्वयमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतीरती (अतिरित्यों) के बीच ऐसे अतरण के लिय यय पाया गया प्रतिफल निम्नासिकत उद्विष्य से उक्त अन्तरण कि मिचित में अम्लाबक क्ष्य से कांभत नहीं किया गया हैं:--

- (त) जन्तरण संहुइं किसी जाय की शावत, उक्त जभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरण के दाविस्य में कनी करने वा उससे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया या था या किया जाना चाहिए वा, क्यान में मूर्वश्रा कर्नान्थ,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अधीत :--- (1) श्रामाता भावी कौर विधवा श्रा इन्द्र सिंह, पाल सिंह, श्रा हादेव सिंह श्रा भोला सिंह पुत्र श्रा इन्द्र सिंह, गाव फून, अब आध कला, नहताल पतरा ।

(अनारक)

(2) श्री क्षुष्ण देव,श्री नरायण देव, श्रा सुखदेत्र,श्र वयन्त सिंह, । श्रा सातम सिंहपुत्र श्र मग्रसिंह, गाय-कृत, जिला-बााउन्डा ।

(अन्तरिती)

भी यह सुष्पना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहिया शुरू करना हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से A! विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना को तामील स 30 दिन का अविध, जा भी, अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्त्रारा
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीच छे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य श्यांक्त द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पाद सिचात में किए या सकार्य।

स्वाकरणः -- इसमं प्रयानत कव्यां और पदां का, जा उनत कांधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं।, वहा अध हागा वा उस अध्याय मा दिया गया है।

## वनुसूची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न० 3241 दिनांक फाउरा, 1984 को रिजस्ट्राक्ति अधिकारा रामपूराफूल ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी खहायक आयकर आयुक्त (किरक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

दिनाकः 14--9-1984 मोहर्ध त्ररूप आइ .टा. एन .एस . -----

ज्ञायकर जीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आग्रकण आग्रक्त (निरीक्षण) आर्थित रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिन्तंक 14 सितम्बर 1984 निवेश सै० ए०पो० नं० 5638— अतः मुद्दी, जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' याहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकार, जो, यह विकास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्हा उच्चित अधार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक हैं

और िसकी सं० जैसा कि आसूर्च में लिखा है तथा जो राम राफूल में स्थित है (और इसने उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विभिन्न है) रिस्ट्रेडिंग अधिरारी के कार्यालय राम राफूल में रिविस्ट्र वरण अधिरिम 1908 (1908 का 16) के अपान ताराख फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृष्य से कम के छ्यमान प्रिटफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विकास करने का कारण है कि यथाप्वंक्ति संपत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्यदेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई। किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्त्र में कभी करने या उससे क्यन में सुविधा के लिए और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृविधा के लिए.

(1) श्रा भरिन्द्र पाल, पुत श्रामा वाराम, श्री जसाल पुत्र श्रा कस्तूरा लाल. श्री अशोकु कुमार पुत्र श्री हेमराज, वासी रामपूराफल ।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रीतम सिंह श्री गुरदेव सिंह,श्रीहरदेव सिंह. पुत्र श्री गेजा सिंह. गांव फूल ।

(अन्,रिती)

को यह स्वना जारी करके पृथेंक्स सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपाल के अर्जन के सबंध में कांडें भी आक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की अत्रीध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की इविध, जो भी अविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेकिंग व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्यन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति देवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण :—हमर्गे प्रयक्त कन्तों और वहां का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाष्टित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है:

## ननुत्री

सम्पति सथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3323 दिशांक फरवर। 1984 को रजिस्ट्री ति अधिनार। रामगूराफूल ने लिखा।

> भे०ए५० मिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरंक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) है सभीन, निम्निसिसन व्यक्तियों, सर्थात् :---

- **दिनांक** : 14-9-1984

मोहुर:

## प्ररूप आर्घ टी एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निर्नोक्षण)

अनंन रेग, जालन्पर जा**ल धर, दि**नास् 8 अवनू**बर 1**984

निदेश सं० ए० पे नि० ५६४० - आहे मुझे, जे० एल० गिरधर,

आगकर अधिनेशम, 1061 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/-रा से अधिक है

और चिसकी मान जैसा हि आसूची में लिखा है तथा जो फिलौर में स्थित है (और इस्में उत्तर अ सूच में और पूर्ण कर में जिस्से के कियो में कियो है) विष्कृति कि अहे तर में लिखा है तथा जो कियो के अहा कि कियो है के अहा कि कियो के अहा है के अहा कि एक स्थाप का कर 1984

को पर्वातः रम्प्रति के विषय जार मन्य से कम के दृश्यमम् प्रतिफल के निए पार्योग्य की गर्य है पार मंत्री यह विश्वास करने का कारण है कि यथान्यां से सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, जाके दृश्यमाग् प्रतिपत्त से, एम दृश्यमान पितिफल का पन्द्रह प्रतिज्ञत से अधिक है और अनरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एमें अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश से उक्त अन्तरण लिखन मा नाम प्रकार का साम की निम्मा गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की श्रावत, उन्तर अधिनियम के जधीन कर दाने के अन्तरक के दामित्र में कामी कारने या उममें क्याने यो मुसिया १९७७ जरेर था
- (हा) एंगी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ऑधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती देवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में अविधा के लिए:

अतः अव, उक्त विधित्यम् भी भारा १५०-गः हे अनसरण भौ, भौ, उक्त विधिनियम् की धारा १६० च की उपधारा (1) कै अधीत, निम्निलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--- (1) श्रोमा ताम की , पुत्र श्र ठ छुए सिंह बताराध तहसार फिलार ।

(अन्तरङः)

(2) श्रो मेर सिह् पुत्र थ वन्ता सिंह, गाव बुढाला ।

(अन रिके)

को ग्रह सम्भना आरों करके पृथिति सस्पत्ति के अर्थन के लिए नाम्बाहिया कारता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन की अगिध सा तासम्बन्धी व्यक्तियों पर मुखना की सामीग से 30 दि। की अविधि, जो भी अविधि बाद मा नमाधा हाती हा, के भीतर पूर्वीक्त कासित्या हो। किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस संस्ता के शाजपार में पकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उकत स्थायण संपत्ति में हितबद्ध किया अप किए ज नारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मय्ह करणः — इसमे प्रयास शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हाँ, नहां ते होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुस्थी

सम्सी स्था काकि: जैमा कि विख्य न० 2828 दिनांक फरपरो 1984 को किन्द्रामी असिमार फिलीक ने लिखा।

> जेशान्त गिर्धर सझम प्रति गरो सहायर आपहर आयुक्त (निरक्षण) अर्जेर रेंज, जानन्धर

िदिनं र : 8-10 '984 मोहर

#### प्रकृष बाह् .टी.एन्.एस्.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निर्देक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 अक्तूबर 1984

निदेश सं० ए० पं:०नं० 5641—अतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परिचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपन्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिल्ला सं० जैसा कि अनुभूचे में लिखा है तथा जो फिलौर में स्थित है (श्रीर इपमे उपाबद्ध अनुभूच में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिन्हों हर्गा अधिकार के कार्यालय फिनौर में रिजिन्हें करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीत तार ख मई 1984

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गढ़ है और मृभ्ने यह निक्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिस्यों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पासा गया प्रतिफल निम्निस्तित उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी शाय की वाबतः, ब्रक्तः विभिन्नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कामी करने या उससे बचने में मृजिधा के लिए; जॉर/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्ही भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, खियाने में सविधा से लिए;

बतः अन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---5---306 GI/84 (1) श्रा दर्शन सिंह, पुत्र श्रा किनन सिंह, मुडिनियारे आम प्रतम कौर (खुद बहन), वंशनराय, तहस.ल फिलौर।

(अन्तरक).

(1) श्रो मेहर जिह पुत्र श्र∴ बन्ता सिंह, गांव बुढाला ।

(अन्तरिते )

को यह स्वना जारी करके पूर्वे क्ति सम्पर्ति के अर्थन के सिए, कायवाहिया करता हो।

उस्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस स्थान को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या अल्याब्यन्थी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त म्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पच्चीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हागा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्**स्ची**

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 477 विनाक मई 1984 को रजिल्ह्राकर्ता अधिकारा फिलौर ने लिखा ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारो सहायेक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज, जासन्धर

दिनांक . 8-10-1984

महिर:

प्ररूप . अरह्र . टी . एन . एस . - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के मधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाफ 8 अन्तूबर 1984 निदेश स० ए० पा० न० 5642—अत मुझे/, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह जिल्लाम करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 25.000/- रह स अधिक है

श्रीर जिनका स० जैपा कि अनुमूच में लिखा है तथा जा भटिन्डा में स्थित है (श्रीर इपने उत्तबद्व अनुसूच में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिट्ट क्रिनी अबिकार के कार्यालय भटिन्डा में रिजिट्टोइरम अबिनियम 1908 (1908 क्रा 16) के अधीन तार ख फरवरा 1984

को पर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझ यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रक प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्निस्थित उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुइ फिसी आब की बाबत, सक्त जीधोनयम क अधीन कार दीन का अन्तरक का दायित्य में कमी करने या उसमे बचन में सुविधा के लिए, और/या
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तिरिदी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपान में सृष्या के किए;

(1) श्रामनः ६ मलेश रातः । परित श्रा राजेश कुमार सदर बाजार, भटिन्डा ।

(अन्सरक)

(2) श्री सुखमन्दर सिंह, पुत श्री सुरजा सिंह गाव काहन बुगान, तहस ल गगानगर।

(अन्तःरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कापनाहिया करता हुं।

उन्त सम्पर्णि के अर्जन के सबध मा जाई भी जाक्षप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्याक्तया मा साकता व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सच्चरा के राज्यत्र मा प्रकाशन की तारीख से 45 वित के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित मा किए जा सका।

स्पच्छीकरण --इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनि मि, के अध्याय 20-क मे परिभाष्टित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

#### अनुसुची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न० 4480 दिनाक फरवर: 1984 को रजिस्टु.फर्जा अधिकार, भटिन्डा ने लिखा।

> (जै० एल ० गिरधर सक्षम प्राधिकार। महायक आयक्तर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण बं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनो ह : 8-10-1984

माहर ३

प्रकृष आहे.टा एन एन ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्वना

#### भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुत्रत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 8 अस्तूबर, 1984

निदेश सं० ए०पा०नं० 5643---अतः मुझे,जे०एल० गेरधर,

आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पर्वति उक्त अधिनयम कहा गया है), का धारा 269-स के अभी सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्पावर सम्पति, जिसका उच्चित बाजार मृल्य 25,006/-रः से अधिक है

भीर जिन्हा मं० जैना हि अनुमूचे में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (प्रीर इनने उत्यद्ध अनुमूच में श्रीर पूर्ग हत से वर्गित है) रिजेट्ट हिन्दी अधिकार के हार्यालय भटिन्डा में रिजेट्ट हरग अधिनयम 1908 (1908 फा 16) के अपन नार ख फरारा 1984

को पूर्विक्त संपत्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बागर मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितया) ६ जिएस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रामि-फल निम्नोलिसन । दश्य म उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित किया गया है ---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण की बायरण में कमी करन या उससे स्थन में शुक्रिया अस्तिए, शरि/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, चिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 के प्रांति का प्रांति का किया का अपिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अप्त भ अब , उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनसरण कों , मीं , उक्त अधिनियम की धारा 260-च की उपधारा (1) को अधीन . निम्नलिखित वाक्तियों , अर्थात् :--- (1) श्राः राजेश कुमार, राज कुमार, पुत्र श्राः चिरंगः ल.ल, मदर बाजार, भटिन्डा ।

(अन्तरक)

(2) श्रो बक्सीण जिह, पुत्र श्रांगंडा जिह, गांव बाजद के कलां. जिला भटिण्डा।

(अन्तिरिती)

को यह नचना चारी करके पृशांक्त सम्मत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

#### जनत सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र ::--

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व व 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी अ्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हैं, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुघना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर अवत स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्रीकर्णः --इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं कर्ष हाना जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### समस्यी

सम्पति नया व्यक्ति जैपा कि मिलेख न० 4481 दिनांक फरमरा 1984 की रजिन्द्रकर्गी अधिकारा भटिण्डा ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारो महायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

धिनांक . 8-10-1984

मोहर:

## प्रकृत बाई. टी. एव. एव. ह - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

#### थारत सरकार

## कार्यासय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्गत रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 8 अक्तूबर, 1984 निदेश सं० ए० पा० नं० 5644—अर्ग मुझे, जे० एल० गिरधर,

आगकर अभिनियम, 1961 (1961 आ 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

मीर जिप्तको सं० जैसा कि अनुसूचो में लिखा है तथा जो तलांड सावो में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूच में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिन्द्र कर्ना अधिकार के बार्य लिय तलांड सावो में रिजिन्द्र करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीड मार्च 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एोसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिबों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया वितिकल, निम्निलिशत उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिकिल को वास्तिकल क्ष्म से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त जिथिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविभा के लिए; जौर/बा
- (श) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उकत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयाज-नार्थ अन्तरिती ब्बारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना भाडिए था छिपाने में स्विभा के लिए;

बतः अव, उक्त अधिनियभ की धारा 269-ग के अनुसरण वें में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नजिसित स्थितिस्यों, अर्थात १(1) श्राः हरा चन्द सुनार. पुत्र श्राः गंडा राम, गांव म.स.माना,तहस.ल तलवडो साबो. जिला भटिण्डा ।

(अन्तरक्)

(2) श्रीमती बलबीर कौर. पत्नि श्री जबरोत सिंह, डा० एस० पा० हक्क्यारपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपति के वर्जन के लिए कायेवाहिया करता हुई।

### उक्त सम्परित के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भा अविधि बाद में स्माप्त होती हा, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सक गेर

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ मांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न० 2757 दिनांक मार्च 1984 को रजिस्ट्र.कर्ता अधिकारो तलवडी साबो ने लिखा।

जे० एलं० गिरधर सक्षम प्राधिकारो महायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज, जालन्कर

दिनाक : 8-10-1984

मोहर

प्ररूप बार्ड. टी. एन, एस्,-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 8 अक्तूदर 1984 निदेश सं० ए०पा०नं० 5645—आ: मुझे, जे०एल० गिरधर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यक्षत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विष्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार सूस्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिक्का सं० जैसा कि अनुसूचे में लिखा है तथा जो मिठापुर में स्थित है (श्रीर इसने उनाबद्ध अनुपूच में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है) रिजिल्क कर्ता अधिकार के लाजिय जालन्त्रर में रिजिल्क्क करण अधिकियम 1908 (1908 का 16) के अञ्चल तार ख फरवरा 1984

करें वर्षोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मन्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के बन्द्रह प्रतिकात स अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल निम्नलिखित उददोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की बायत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए, बाँद/या
- (च) ऐसी किसी काय या निसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारताय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

नतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के नधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्।— (1) श्रामतः मोहिन्द्र कौर, पहित श्रामलाकेनत तिह, मुख्तायारे आम मार्लाक्षयत सिंह. पुत्र श्रो आस्त्र सिंह, बास: मिठापुर, तहसील जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्रोमती गुरदेश कौर,
पुन्नः श्राः गोगल तिह,
वासी गांव हुने पुर डूनोबाल,
तहस ल सुलतानपुर,
जिला कपुरथाला ।

(अन्तरितीः)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अवीध या तत्यस्वस्थी त्यिक्तया पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सर्पास्त में हित- बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुका है।

## अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 6724 दिनांक फरवर: 1984 को राजस्ट्र.कर्ता अधिकार, जालन्धर ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर मक्षम प्राधिकारो महासक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

विनाक: 8-10-1984

प्ररूप नाइं. टी. एन. एस. - - - ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुभाना

#### भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अजंत रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 अम्तुबर 1984

निदेश सं० ए० पी० नं० 5646—अतः मुझे, जे० एल० गिरधर

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)-(जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा कुछ०-स्थ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और ितिकों सं० जैपा कि अपुसूची में लिखा है तथा जो मिश्रपुर में स्थित है और इसते उपामद्ध अनुसूची में और पूर्ण का से विणा हैं) रिष्ट्रिक्ती अशिशारा के कार्यालय जालन्त्रार में रिस्ट्रिक्टाण अशिश्यम 1908 (1908 का 16) के असी पार्ख फावरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उिचत बाजार भूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एमें दृष्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिकाद से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपन्त, निम्नोलिंग्वत उद्दृष्ट्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्रां अजता सिंह, पुत्र श्रां आजा सिंह वासा-गांव मिऽतपुर, तहसाल जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) मेजर मोहन सिंह, पुत्र श्राष्ट्रयान सिंह, वासा-1, साउथ कालोनी. पठानकोट।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील में 30 दिन की अनिधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों करा व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र मो प्रकाशन की नारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित- सद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा प्रधाहस्ताक्षरी के पास लिसित मों किए जा सकोंगे !

स्पष्टीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ हागा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

## अनुसूची

समाति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 6725 दियांक फत्यरा 1984 का जिस्ट्रावर्त आधे जरा जनाधर ने लिखा।

> जे० एल० गिप्धर मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयक्त (निरक्षण) अर्जनरेंज, जालन्धर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिसित स्थानितमां, जर्मात् क्षान

दिनांक : 8-10-1984

प्ररूप आर्घ. टी. एन. एस.-----

भायकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अधिकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जा रेज, जालन्यर

जालन्त्रर, दिनाक 8 अक्तुबर 1984

निदेश स० ए० पो० न - 5647—अत मुझे जे० एल० गिरक्षर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मून्य 25 000/- रु से अधिक है

और निषको म० जैस कि अनुसूत्रः में लिखा है तथा जें। मुक्ततर में स्थित है और इसन उपाबद्ध अनुसूत्रः में और पूग का से बींगः है) गिष्ट्रः ती अग्रियरः के बार्यालय मुक्तार में जिल्हों स्था अग्रियम 1908 (1908 इन् 16) के अग्रास्तार ख फरवरः 1984

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरिक की गर्व है और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पदह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरिक के लिए तय पामा मया प्रतिकल, निम्नलिसिस उद्वास्य रो उक्त अन्तरिण सिकिक के बास्तीयक रूप स कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उचत अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के सिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियों का, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिये था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के स्थीन, निम्नलिखिल व्यक्तियमों अर्थात :— (1) श्र मतः राज्यन्स कीर, परिः श्रा जगदेव सिह भार्कत मै० केहर सिह, जगदेव सिह, मुक्तसर ।

(अन्तरक)

(2) श्री रामिन्द्र सिंह, पासिन्द्र सिंह पुत श्री पमदूर सिंह आर अमाद प सिंह पुत श्री भृषिन्द्र सिंह वास भागान 6115, पट्टा सम्बी साहिब, मुक्तसर।

(अन्तर्रातः)

को यह मचना जारी करके प्वक्ति सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षप :----

- (क) इस स्वान के राजपंत्र में प्रकाश की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद से समाप्त हाती हा, क भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद्थ रिकसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास सिर्वित में किए जा सकी।

स्पस्तीकरणः — इसमे प्रयुक्त वब्दों और पदों का, जो उक्त आधिनियम द अध्याय 20-क मा परिभाषत ही, वहीं अर्थ हागा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

## वन्त्वी

सम्मति तथा व्यक्ति जैसा दिः विलेख न० 3566 दिनाकः फरवरा 1984को रजिस्ट्रास्टर्वा अधिकारा मुक्तसर ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधितारी सहायक आयकर आयुक्त (िर क्षण) अजंन रेंज, जालन्छर

दिशक 8-10-1984 मोहर

## अरूप आईं.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 अक्तूबर 1984

िदेश सं० ए० पी० नं० 5648——अतः मुझे, जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित क्षाजार मूल्य 25.000/- राज्य से अधिक है

और िसके मं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण का पे विणा है) रिष्ट्रो अधि शरा के नार्यालय जालन्धर में रिष्ट्रि उपा अधितिसमा 1908 (1908 का 16) के आता राराख फरारा 1984

को पर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मृत्य से वम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एमे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए: और/या
- (ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियां. अर्थात् :--- (1) श्रा पूरन सिंह, पुत्र श्रा लाभ सिंह पुत्र श्री भोला सिंह, कासो गढा, तहसल जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मोहिन्द्र कौर, पुत्र श्री बाबा सिंह पुत्र श्री राजा सिंह, वासा—कोठा नं∘ 3, रूप ननगर, गढा, तहसोस जालन्छर।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी कारके पृत्रीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवारियों कारक करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पृथींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुशारा;
- (सा) इस स्वाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्पाक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः----इसमं प्रयुक्त क्षब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

समाति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 6527 दिनांक फरवरो 1984 को रजिस्ट्रोक्ती अधिकारी जालन्घर ने लिखा।

> जि० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर*ा*क्षण) अर्जन रेंज, जालस्पर

विनांक 8-10-1994 मोहर : प्ररूप आर्थः टीः एनः एसः "----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्रर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 अक्तूबर, 1984

निदेश मं० ए० पी० नं० 5649—आत: मुझो, जे० एन० गिरधर

शायकर अभिनियम, \*1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्णास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित कारार मन्य 2,,000 ⁴- राजार में अधिक हैं

और जिसकी मं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो खुरला में स्थित है और इसमें उपात्रद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजिस्ट्रेंकिती अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजिस्ट्रेंकिरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन ताराख फरवरी 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रातफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह जिल्लाम करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पन्ति का उचित अजगर भूज्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एम दृश्यमान प्रतिफल का भ्रम्ह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाशा गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण जिल्लिक इंग्रिकीय एसे स्थानिक के स्थान से अध्या गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्मरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सिबधा के लिए; और/या
- (स) वृत्ती किसी आय प्राक्तिमी धन या अन्य प्राप्तियो की जिन्हों भारतीय प्राप्तिय अधितिस्प , १०२१ (1922 का 11) था उन्तर अधिनियम, १० नन- उद अधिनियम, 1957 (1957 का १०० हें प्राप्तिमार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया असी किया जाना चाहिए था, क्रियानों में स्तिशा के लिए।

जत: जब उत्तत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उचन अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् '----

(1) श्री जगदीस सिंह पुत्र श्री भोला सिंह, माडल हांउस, जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री कुलदीप सिंह, पुत्र श्री किशन सिंह, वासी-36/9 सेंट्रल टाऊन, जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पोत्त के अर्जन के सबध मा कोई भी आध्य ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अंतर नाक्षरों है एस निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः --- रसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा थी, जा उपत अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिकाधिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में किया गया हैं।

## **मन्**स्ची

सम्यति तथा व्यक्ति जैसा कि किलेख नं० 6455 दिनांक फरवरी 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्दर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 8-10-1984

स्रोहर 🗧

गरूथ **बाइ**ं. टी. एन्. ए**ध**.——-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, 8 अक्तूबर, 1984

निदेश सं० ए० पी० नं० 5650—अतः मुझे, जे०एन० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें प्याप्त पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा '69-ल के जीन सक्षम पाधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित साजार मूल्य '5,000/- रह. से अधिक हैं

श्रौण जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो किंगण में स्थित है (श्रौण इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रौण पूर्ण रूप से वृणित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय, जालन्धण में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फण्यरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे एध्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त के रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अक्षः अनं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :--- (1) श्री हरकेवल सिंह पुत श्री गुरणारन सिंह, ई० आर०- 13, पक्का बाग, जालन्धर ।

(अन्तरक)

(2) श्री बलवन्त सिंह जोहल पुत श्री बावा सिंह जोहल, श्रीण रनजीत कौण जोहल, पत्नी श्री बलवन्त सिंह, वासी जाकियाला, जिला जालन्धर।

(अन्मरिती)

भी यह सूचना आरी करके पूर्विकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) ग्या स्कार को राजपन भी पकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मृजना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्टीकत स्थितरा में से किसी व्यक्ति दवारा.
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा 'अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकोंगे।

स्थब्दीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नन्त्वी

सम्पत्ति श्रीर व्यक्ति जैसा कि विलेख सं० 6655 दिनांक फरवरी, 1984 को रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी, जालन्धर ने लिखा है।.

> जे० एल० गिअधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 8-10-1984

## त्रक्य बाइं. डी ् एन ् एह्,-----

जायकर ऑभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के स्थीन सुम्ता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 अक्तूबर, 1984

निदेश मं० ए० पो० नं० 5651—-अतः मुझे, जे०एस० गिरधर

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अभिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो किंगरा में स्थित है (ग्रीर इसमें उपावद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधान तारीख फरवरी 1984

को प्रविधित संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रविकत सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरिधियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल निभ्निति से उद्योदय से उक्त अन्तरण लिमित में वास्ति विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तर्ग से हुइ किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; बाह्र/मा
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियां कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अद्य, अपर विधिक्तियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्रीमती राजिन्द्र कौर पुत्र श्री बुट्टा सिंह, बासी-ई० आर०13,पक्का बाग, जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री बलवन्त सिंह जोहल,
पुत्र श्री बावा सिंह,
श्रीमती रनजीत कौर,
पत्नि श्री बलवन्त सिंह,
वासमी गांव जण्डियाला,
जिला जालन्धर ।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यधाहियां शुरू करता हुएं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की व्वविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त स्वित्यों में से किसी ध्यक्ति द्वाराः
- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पथां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नन्स्भी

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 6712 दिनांक फरवरो 1984 को रजिस्ट्रोक्ती अधिकारी जलन्धर ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर मक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनाक : 8-10-1984

मोहर 🛭

## प्रारत्य **नार्द**. टी. एन. एस.------

# शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-श (1) के अभीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 अक्तूबर, 1984

निदेश मं० ए० पा० नं० 5652—अतः मुझे, जे० एस० गिरधर

बासकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इनमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उण्जित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसका म० जैसा कि अनुसूचा में लिखा है तथा जो किंगरा में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूर्चा में श्रीर पूर्ण मप मे विणित है) रिजिन्ट्राकर्ता अधिकारों के कार्यालय जालन्धर मे रिजिस्ट्राकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधान तारीख फरवरा 1984

को पूर्वोक्स संपत्ति का उपित वाजार मृत्य से कम के श्रवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके श्रवमान प्रतिफल से एसे श्रवमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 19/22 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए;

अतः लकः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री बसवीर सिंह,
  पुत्र श्री शिव सिंह,
  वासो गांव देहरिया,
  तहसील नकोदर, जिला जालन्धर,
  (द्वारा खास अटार्नी श्री विजय कुमार)
  (अन्तरक)
- (2) श्री सन्ता सिंह
  पुत्र श्री अमर सिंह ग्रौर
  अर्जात सिंह कौर
  पत्ति श्री मन्ता सिंह,
  मार्फत सूबेदार साधु सिंह,
  पुत्र श्री मोता सिंह,
  वासो-मोहल्ला शेरगढ,
  मजान नं० वी-26/52,
  कपूरथला ।

(अन्तरितो)

को यह स्वा जारी कारके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां भूरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सं अंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा:
- (ख) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर मपत्ति में हितदब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पन्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त खड़वां और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्स्ची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 6675 दिनांक फरवरो 1984 को रजिस्ट्रोफर्ता अधिकारो जालन्धर ने लिखा।

> जे० एस० गिरधर सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 8-10-1984

ज

(अन्तरक)

प्रस्थ मार्च. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, म**हायक भागकर बाय्**क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, आयकर भ**वन** लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 अक्तूबर 1984

निदेण सं० सी० एम० डी०/156/83-84-अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-ख के अधीन सक्षम पाधिकारी को, यह विश्वान करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रहे. से अधिक हैं

अर्थर जिसको सं मकान नं 16 है तथा जो सेक्टर 18ए चन्डीगढ में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप में बर्णित है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार पुल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और यह कि अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्योदय में उक्स अन्तरण निलिस में वारनिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरक से हुर्दू किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य मों कभी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए; और/या
- एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हां भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया चाना चाहिए था छिपानं में मिविशा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्रोमती लजा बन्ती है परित स्व० परशोतम लालकैशया निवासी मकान नं० 3, सेक्टर 18ए, चन्डीगढ ।

(2) श्रीमती सत्या वती
पत्नि स्व० श्री विश्व बन्धु सिंगल,
श्री संजय सिंगर तथा मुनील सिंगल,
पुत श्री विश्वबन्धु सिंगल
निवासी मकान नं० 16 सेक्टर 19ए,
चन्डीगढ ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिंग कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूर्णना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूणना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृशेषित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सर्कोंगे।

स्पर्काकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीभीनयम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया हैं।

#### नगसची

मकान नं० 16, सेक्टर 19ए चर्न्डागढ (अर्थात वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रोककर्ता अधिकारो चर्न्डागढ के विलेख नं० 1150 माह फरवरी 1984 में दर्ज हैं) ।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकार्टः सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

विनांक: 8-10-1984

मोद्वर:

## पुष्पु वार्ष<sub>ा</sub> टो<sub>न्</sub> एत*् पुष*्र-------

आंग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर कामुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 अक्तूबर, 1984

निदेश मं० चंडोगढ/4/84--85--अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह

जायकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) जिसे इसमें इसके एक्पात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उक्ति बाजार मृख्य 25,000/- रुपये में अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० एम० सी० श्री० 810 (61.21ए कड़ डिवेलपमेंट स्कीम) चन्डीगढ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्च। में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय चन्डोगढ में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल 1984

को पूर्वोकत सम्पत्ति के जित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्ट किस संपरित का उजित जाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय प्राया गया प्रतिफल, निम्नलिखिस उद्यदेश से उक्त अन्तरण सिखित में आस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्-या
- (का) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—- (1) श्री सुखदेव सिंह
सुपुत श्री ईश्वर सिंह,
श्री सुखदेग सिंह तथा श्री अमरदोप सिंह,
पुत्र श्री सुखदेव सिंह,
निवासी मकान नं० 3048,मेक्टर 21 डी,
चन्डीगढ, गांव तथा डाकखाना
अरनोलो रास्ता
पटियाला पंजाब,।

(अन्तरक)

(2) श्री इन्द्रजीत सिंह चीमा,
पुत्र श्री हजारा सिंह,
श्रीमर्ता णामेन्द्र कीर,
पत्नि श्री इन्द्रजीत सिंह चीमा,
श्री जतेन्द्र सिंह
पुत्र श्री इन्द्रजीत सिंह चीमा,
श्रीमती कपलेन्द्र कीर,
पत्नि श्री नवेन्द्रजीत सिंह
स्त्री नवेन्द्रजीत मिंह,
सुत्र श्री इन्द्रजीत सिंह,
सभी निवासी मक्ति नं० 1534,
सेक्टर 34डी, चन्डीगढ ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोएं भी वाक्षण :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीयत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उच्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकने।

स्पद्धीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्तर अधिनियम् के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## **बन्**सूची

एस० सी भ्रो० नं० 810 (61.21 एकड़ डिवेलपमेंट स्कोम) मनोमाजरा चन्डीगढ प्रणासन (अर्थात वह जायदाव जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारो चन्डोगढ़ के विलेख सं० 11, अप्रैल माह 1984 में दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 8-10-1984

प्रस्प बाइ, टी. एन्. एस., - -- -

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अभीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक **आयकर आयृक्त (निरक्षिण)** अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 अक्तूबर, 1984

निदेश सं० चन्डीगढ/9/84-85--अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 45.000/- का से अधिक है

धौर जिसकी सं० प्लाट नं० 1354 है तथा जो सेक्टर 33-सी, चन्डीगढ़ में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के तार्यालय चन्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अधैल 1984

को पूर्वीधित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उधित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिश्वित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्त-किया गया से कृथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बच्चत उक्त अधि-नियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-धार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधीजनार्थ अस्तिरिती इस्तीत प्रकट नहीं किया गया था या किए। लेक्स संबंधिय वा किए। लेक्स संविधा के निहा:

सक्त: अब, उन्त अधिनियम की भारा 269-म की अनुसरक मीं, मीं, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निणिक्ति व्यक्तियों, अधीत :-- (1) केप्टन मनमोहन सिंह काहलो, सुपुत्र श्रो लक्ष्मण सिहँ, निवासी 505, सेक्टर 18 सी, चन्डीगढ ।

(अन्तरक)

(2) मास्टर बीं पिं सिंह तथा मास्टर के पीं सिंह (नावालिंग) सुपुत श्री सर्वजीत सिंह, निवासी 541, सेक्टर 35ए, चन्डीगढ ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्लॉक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपश्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-सद्भ किसी जन्म क्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पाछ लिक्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पच्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वगुस्वी

प्लाट नं० 1354 सेक्टर 33सी०, चन्डीगढ (अथित वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी चन्डीगढ के विलेख नं० 46, अप्रैल माह 1984 में दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 8-10-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आहे. टी. एम. एस. -----

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 अक्तूबर, 1984

निदेण सं० भन्डीगढ़ /155/83~84~-अत; मुझे, जोगिन्द्र सिंह

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा १६०-स के वर्षण प्रशास प्रशिस्तार का, तह निक्रम करने का कारण हैं कि स्थानर संपरित, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी मं० प्लाट नं० 1690 है तथा जो सेक्टर 34-डी॰ वन्डीगढ में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ताअधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 मा 16) के अधीन तारीख फरवरी 1984

का पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार क्लें। उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्थह प्रतिमत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरकित (अन्तरकों) और अन्तरकित (अन्तरकों) के वीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिक उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया गया है :----

- (क) जन्तरण संहुई किसी आयको नाक्ष्य, उत्तक किसिनियम के वभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तस्त के किए; अहि/वा
- (ख) ऐसी किसी बाथ या किसी भन या अन्य बास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय वायक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के निए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अमृसरण में, जैंन, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्निचिस व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री पूर्ण ब्रह्म प्रकाश
पुत्र श्री शाम सुन्दर बारगो,
निवासी मकान नं० 2076,
सेक्टर 27-सीं०, चन्डीगढ ।
बारा उनकी जनरल अटार्नी श्री अनिल शर्मा
एडवोकेट पुत्र श्री हुक्मसिंह शर्मा,
निवासी मकान नं० 2259
सेक्टर 19-सी, चन्डीगढ ।

(अन्त"रक)

(2) श्री सतपाल कपूर,
पृत्र श्री राम प्रकाश कपूर,
श्रीमती मीनू कपूर,
पतिन श्री सतपाल कपूर,
श्री शाम सुन्दर कपूर,
पुत्र श्री राम प्रकाश कपूर,
श्रीमती नीलम वपूर,
पतिन श्री शाम सुन्दर कपूर,
विवास मकान नं० 3114,
सेक्टर 20डी, चन्डीगढ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ग।

स्थव्यक्तिरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वनुस्ची

प्लाट नं० 1690, सेक्टर 34-डी, चन्डीगढ अर्थात यह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीगती अधिकारी चन्डीगढ के विलेख सं० नं० 1148 फरवरी माह 1984 में दर्ज है)

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक 8-10-1984 मोहर प्ररूप गार्ड. टी. एन. एस. 😑 - -

व्यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की गाँउ 269 भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांश 8 अस्तूबर, 1984 निदेश सं० चन्धी ०/161/83-84--अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विकास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृल्य 25.000- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन 23 लनास है तथा जो गांव मनी--माजरा में स्थित है (और इससे उपावक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिलारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1984

को प्रेंकित संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरिश की गई है और मुफे यह विश्वास करें का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्ववेश्य से उक्त अन्तरण जिल्ला में अस्तरित कम स्व के किया गया है:—

- क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियन के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उमसे वचने में सुविधा के सिए; बाँद्र/या
- (उ) एसी किसी भाष या किसी धन या अन्य बास्तियों को, अन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रणाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था छिताने में मृतिधा के लिए;

(1) श्री हरदर्शन सिंह ग्रेवाल, सुपुत श्री चानन सिंह ग्रेवाल, निवासी कोठी नं० 38, नेषटर 4, चरडीगढ ।

(अन्तरकः)

(2) मे० गोपाल फास्टनरज प्रा० लि० द्वारा डायरेक्टर श्री इवाबाल सिंह गिल, 434,इन्डस्ट्रियन एरिया फोज 2 चन्डीगढ ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वावत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, की भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींक्त व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति स्वारा;
- (का) इस सूचना .के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पञ्चीकरणः — इसमें प्रयक्त शब्दों और पदौ का, जो उक्त किंपियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मनुसूची

जमीन 23 कनाल गांव मनीमाजरा चन्छीगढ प्रशासन (अर्थात वह जायदाव जो कि रिजस्ट्रोकर्ता अधिगारी चन्कीगढ के विलेख नं० 1171 फरवरी माह 1984 में टर्ज हैं)

> लोगिन्द्र सिह सक्षम प्राधिकारी राहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक 8-10-1984

प्ररूप बाइ. टी.एन.एस. -----

## बायकर लिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकात

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोह्तक

रोहनक, दिनां ३ 9 अन्तुबर, 1984

निदेश स० गुडगांबा/174/83-84- अन: मुझे, आग० के० भयाना

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पर्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है,, की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाकार मृश्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि एक बीघा चार विस्थे है तथा जो नाथुपूर में स्थित है (और इसने उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री तथीं अधिकारी के दार्यात्य गुडगांवा में रिजस्ट्री इरण अधिनिधम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1984

को पृश्वें केत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्वसमान प्रितिक स के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह निश्वास करने या कारण है कि मधापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्ये उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एमे दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितिया) के अध्य एशा अन्तरण के जिए तर धाम प्रश्वे प्रतिकात निम्मिलिकित उद्वेषय से उद्धत अन्तरण लिखिल मं बास्तविक क्य में किथल नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण मं हूर किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विभा क निए, और सा
- (स) एसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तिय!
  की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
  (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
  धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
  के प्रयोगनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया
  गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
  स्विधा के लिए;

कतः अब उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उकत अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिशित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) सर्वश्री राह्या एकी घडारी चेतन भरडाशी, प्राप्त रक्षार प्रज्ञारी, निषासी 8-9 प्रकार । हीज खाप, पर्दे विकास

(अन्तरक)

(2) श्रीभती तिसला जै:, पत्नि श्री महेन्द्र कुमार जैन नियासम छी--1-ए.ग्रीन पार्न, नर्ष दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्यन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सर्विध काद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यविश द्वारा,
- (का) इस स्वना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन को भीतर उत्कत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकारी।

स्पच्छीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया क्या है।

## अनुस्ची

सम्पति 1 बीधा 4 विस्ते नाथूपुर ने स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीन्सि हे नागित्व गुडगांवा में, रजिस्ट्रीसं० 4425 विनांत 3-2-1981 पर विसा है।

> ास० के० भवाका पथाम प्राधिकारी सहायह आपहर जाकृतत (निशेक्षण) प्रोटेट स्ट्रा, रोहना

विनांक 9-10-1984 मोहर प्रस्यः आहे. टाः एनः एसः -----

बायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतन

रोहतक, दिनाम 9 अक्तूबर, 1984

निदेश स० गुडगावा/175/83-84-अत मुझे, आर० के० भयाना

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षमें प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 16 बिस्वे है तथा जो नाश्पुर में स्थित है (और इससे उपावद अनुप्ती में और पूर्ण स्थ से विजत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुडगाँवा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी, 1984

को पूर्वोत्तर मपित के रिनित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रित्तफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूना कत संम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके स्थमान प्रतिफल में, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) बार अन्तरिती (अन्तरित्ता) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के क्षयित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के निए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों नो, जिन्ह गरतीय बायकर बिविज्य में, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ज्योजनार्थ का रिती इवार प्रकट लेंद्वी किसी गर्मा था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः बव. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधाराः (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री राहुंल कबीर भन्डारी एव श्री चेतन भडाऱी पुत्रगण श्री रण्डीत भडारी, नि० 8-9,पदमनी एन्वलेव, हौज खास नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री इक्षवाल सिंह
पुत श्री धर्म सिंह,
मार्फत स० हरिन्द्रभाल सिंह
नि० एन०-3, साउथ एक्सटेंशन पार्ट-1
नई दिल्ली।

(अन्तरिका)

को यह स्थना पारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए कार्यनाहिंसी करता हूं।

उस्त नम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , को भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारी का क्षं 45 दिन के भीतर उत्तत स्थावर सम्पत्ति में हित-. बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, वधोहरताक्षरी के पांच तिश्वित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त-अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशाधित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वनस्यी

सम्पति भूमि 16 बिस्वे नाथूपुर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुडगीवा में रजिस्ट्री सं॰ 4426 दिनीक 3-2-1984 पर दिया है।

> आर० के० भयाना ,सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रैंज, रोहतक

दिनांक 9-10-1984 **मोहर छ**  प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्श्वालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,रोहतक

रोहतक, दिनांक 9 अक्तूबर 1984

निदेश सं० गुड़गांवां/176/83→84→अतः मुझे आर० के० भयाना

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रुपये से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० भूमि 1 बीघा 15 बिस्वे है तथा जो नाथूपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुडगांवा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधान तारोख फरवरी 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मूझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ऋयमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्) और अन्तरिती (अन्तरितयार) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्युवेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भारतिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुए किसी जाय की बाबत, उक्त जिभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के सायित्य में कमी करने या उससे अजने में सुविधा के लिए; औड़/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पर्णाजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ क<sup>र प्</sup>पधारा (1) के अधीन, निम्निस्तित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रो राहुल कर्ब.र भण्डारी, पुत्र श्रो रणजात भण्डारी, श्री चेतन भण्डारी पुत्र श्रो रणजीत भण्डारी निवासी 8-9,पदमनी एन्कलेय, हीज खास, नई दिल्ली।

(अन्तरफ)

(2) सर्वश्री सोहन सिंह,
पुत्र श्री हरबन्स सिंह आनन्द,
हरमिन्दरपाल सिंह पुत्र श्री सोहन सिंह,
श्रीमतो निरुपम कौर,
पत्नि श्री हरिन्द्रपाल सिंह,
श्रीमतो कुलदोप कौर,
पत्नि श्री सोहन सिंह,
निवासी एन०→3, साउथ एक्सटेंगन, पाट-1
नई दिस्लो ।

(ग्रन्त रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के कार्यवाहिया शरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किये जा सकर्ण।

स्पथ्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## वन्सूर्यो

सम्पति तथा भूमि 1 बीघा 15 बिस्वे नाथूपूर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्र.कर्ता के कार्यालय गुडगांवा में, रजिस्ट्रो सं० नं० 4427 दिनांक 3-2-1984 पर दिया गया है ।

> आर० के० भयाना सक्षम प्राधिककारी सहायक आयरक आयुक्त (निरंक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांकः : 9-10-1984

प्ररूप आह. ही. एन एम. -----

मायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-य (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, रोहतक

रोहरूक, दिनाक 9 अक्तूबर 1984

निदेश स० गुडगावा/177/83-84--अत मुझे, आर० के० भयाना

मायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उक्त अधिनियम' कहा- गया है), की धार 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- ज. से अधिक है

ष्यौर जिसकी स० भूमि 14 क 6म० है तथा जो बेगमपुर खटौला, तहसाल गुडगावा में स्थित है (प्रौर इससे उपाबद अनुसूच, में प्रौर पूर्ण स्था से विणित है) रिजस्ट्राकर्ताअधिकारों के कार्यालय गुडगावा में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधान ताराख फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सङ्ख्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे १ पान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्भ (अन्तरका) और अन्तरिती (जन्तरितिया) के बीच एसे अन्तर्भ के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त बन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है .——

- (क) अन्तारण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथानियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व को कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और√या
- (क्षे एंसी किसी आय या फिसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अतिरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना पाहिए था छिपाने में सुविशा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्रो नन्द राम पुत्र श्र जेशहरा श्रो मवासा पुत्र श्रो जेशहरा, नि० गाव वेगमपुर खटौला, तह० व जिला गुडगाथा।

(अन्तरक)

(2) मैं ० जे ० एम० ऐ ० इन्झस्ट्रीज लि ० 29 कम्यूनिटी सेटर,ईस्ट आफ कैलाश, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके पृथिकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की अयिश्व या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृष्यना की तामील से 30 दिन की सविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्ति । यों में से किती व्यक्ति प्रवास,
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टोकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्क का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 5 में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मनुसुची

सम्पति भूमि 14क 6म० गाव बेगमपुर खटौला में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्र, कर्ता के कार्यालय गुडगावा में, रजिस्ट्रो स० 4452 दिनाक 6-2-1984 पर दिया है।

आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोस्हतक

दिनांक : 9-10-1984

मोहर 🛭

## प्ररूप आइ. टी. एस. एस. -----

कायक र कींधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के अधीन गुव्या

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सङ्घायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज रोहराक

रोहतक, दिनांक 9 अक्तूबर, 1984

निवेश सं० गुडगांवा/178/83-84-अतः मुझे, आर० के० भयाना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का

कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य

25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भूमि 12क 11म० है तथा जो नरसिंहपुर
गांव तह० गुउगांवा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध
अनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रकर्ती
अधिकारो के कार्यालय गुडगांवा में रिजस्ट्रकरण अधिनियम
1908 (1908 रा 16) के अधीन ताराख फरवरो 1984
को पूर्णेक्स रूप सि के उचित वाजार मृत्य से कम के दश्यमान
शितफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार
मृत्य, उसके दश्यमान शितफल सं, एसे दश्यमान शितफल का
पन्तह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और
अत्तरिती (प्रतिनिया)) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्निलिखित उच्चरेय से उचत अंतरण लिखित में
गास्तिकक रूप से किथत नहीं किया गया है हिन्स

- (क) अंतरण से हुए किसी बाग की बाबत न उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुब्रिधा के लिए; औड/मा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य कर अधिनियम, या अन्य कर अधिनियम, 1957 (1057 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना पाहिए था, छिपाने में सुनिया के लिए;

कलः वय उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को उपधारा (1) कों अधीन,, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) सर्वश्राः सरदारा, बनदारः, कालवन्द, पुत्रगण श्राः रामजःलाल पुत्र हरसहाय, नि० नरसिंहपुर, तह० व जिला गुडगांवा।

(अन्तरक)

(2) भै० जे० एम० ए० इडस्ट्रीज लि० 29, कम्यूनिटो सेंटर, नई दिल्ला–65।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त संपर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजप है जिस्ताशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्सेवंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्यारा, अधोष्ट्रस्ताक्षरी के पत्स सिखित में किए आ सकारी।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ द्वांगा जी उस् अध्याय में दिन गया है।

## नन्स्यी

भूमि 12क 11म० नर्रापहनुर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्राकर्ता के कार्यालय गुडगांवा में, रजिस्ट्रो सं 4453 दिनांक 6-2-1984 पर दिया है।

आर० के० भरयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक: 9-10-1984

मोहर:

, res

थापका अधिनियम, 1961 '1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्वना-

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 9 अक्तूबर 1984

निर्देश स० गुडगावा/61/84---85-अत मुझे, आर० के० भयाना,

वायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित काजार मूल्य 25,000/- रूठ. से अधिक हैं

श्रीर जिसको सं० भूमि १ क० 14म० है तथा जो बेगमपुर खटौला तह० गुडगावा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूच: मे श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारो के कार्यालय गुडगावा में रिजस्ट्रकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधोन ताराख मई 1984

को पूर्विकत सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह निष्पास करने का कारण है कि यश्रापृत्वित सम्पत्ति का उप्पत्त बाजार मूल्य उसके दृश्यमान अनिफल से, एन दृश्यमान अतिफल का पन्तर प्रतिशा मे अधिक अत्रार्थ (पन्तरिते) और अप्रतिश (प्रस्तरितिते) के तीन हैने पन्तरिंग के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिंश्वत उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में का अनिक का ने किया निर्मा किया है?

- (क) सम्तरम न हुई कि नै। प्राप्त का गप्त, उका ध व तिथन के प्राप्तीन कर देने के अन्तरक के वायिस्व में कभी करने या उनन बचने म गृ।वाद्या के लिए। ग्रीर/या
  - (ख) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य पारित्यों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, ६. (1922 का 11) या उक्त अधितियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तारती द्वारा प्रकट नहा किया नया था या किया जाना बाहिए था, जिस्हों हो सुविशा है ब्रिए,

अतः अव, उनत अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातुः—

(1) श्री नन्दराम, मनासी, पुतान श्री जनाहरा, नि॰ बेगमपुर खटौला, तह० व जिला गुडगावा।

(अन्तरक)

(2) मै॰ जे॰ एम॰ ऐ॰ इन्दस्ट्रीज लि॰,
 29, कम्यूनिटा सेटर,
 नई दिल्ली-65।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस् सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकग।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्स्ची

सम्पति भूमि १ क० 14 य० गाँव बेगमपुर खटौला में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्र कर्ता के कार्यालय गुडगांवा में रजिस्ट्रें, सं० 1714 दिनांक 9-5-1984 पर दिया है। आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्कक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 9-10-1984

प्ररूप आहें, दी. एन्. एस्.,-----

साधकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अभीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 8 अक्तूबर, 1984 निर्देश सं० सोनोपत/80/83-84--अत: मुझे, आर० के० भयाना,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात (उक्त अधिनियम) कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उजित बाजार मृन्य 25.000/- रु. से अधिक है

म्रौर जिसकी सं० भूमि 2 बीघे 10 बिस्वे है तथा जो पट्टो मुसलमानान, सोनीपत में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद अमुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से बिणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सोनीपत में रिजस्ट्रेकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इष्यमान प्रतिफल से, एसे इष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंटरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त बंतरण जिल्हित में वास्तिविक क्य में किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के शियत्व में कमी करते या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (श) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक्षर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचत अधिनियम, या भनक्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए.

बतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसिस व्यक्तियों, जथिस् :--- (1) श्री हरवन्स लाल,
पुत्र श्री होवनाराम,
नियामी भगत मोटर स्टोर,
जो०टो०रोड, गाजियात्राद (यू०पा०)

(अन्तरक)

- (2) श्रो अर्जन देव पुत्र रयुनाय, नि॰ जोव नगर, सोनीपत
  - 2. हजारी लाल पुत्र श्री कल्याण नि० आर्य नगर, सोने।पत
  - श्रीमतो सन्तोष कुमारो,
     पत्नि श्री किणन कुमार,
     नि० माडल टाउन, सोनीपत।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपिता में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सक्ति।

स्थळिकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का, जो उक्त अधिनियम, के कथ्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## भन्स्यी

सम्पति भूमि 2 बीचे 10 बिस्वे पट्टो मुसलमानान, सोनोपत में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रकर्ता के कार्यालय सोनोपत में, रजिस्ट्री सं० 5175 दिनांक 8-2-1984 पर दिया है।

> आर० के० भयानां मक्षम प्राधिकारो महायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्घन रेंज, रोहतक

दिनांग: 8-10-1984

## प्रकल आहें .टी . एन . एस . -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन मुचना

#### भारत सरकाड

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्तः (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 8 ग्रक्तूबर 1984

निर्देश सं० सोनीपत/81/83-84-श्रतः मुझे, ग्रार० के० भयाना,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात 'उस्त सिधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के सभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- राज्य में अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० भूमि 2 बीधे 10 विस्वे है तथा जो पट्टी मुसलमान, सोनीयत में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण-रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीं अर्थी कारी के कार्यालय सोनीपत में रिजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक फरवरी 1984,

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई अिन्सी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सूर्विधा को लिए; आहि/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः वयः, उन्तः विभिनियमः, की भागः 269-ग के जनुसरण को, मी, उक्तः अभिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) को अभीनः, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —— 8—306GI|84 (1) श्री सुरेश कुमार भगत पुत्न होवनाराम नि० के० बी०-72, कवि नगर, गाजियाबाद (यू०पी०)

(ग्रन्तरक)

(2) 1. श्रीमती बिमला देवी पत्नी दयानन्द नि० सिक्का कालोनी, सोनीपत । 2. श्री महेन्द्र कुमार पुत्र श्री मुरालरीलाल नि० जुद्धां त० सोनीपत । 3. श्री गुरमीत सिंह पुत्र केसर सिंह नि० ह्वाऊसिंग कालीनी, सोनीपत।

(ग्रन्तरिती∤)

की यह सुकता कारी करके प्रशेषित संस्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप 🖫

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्पित्तयों दर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी स्पित स्वार;
- (च) इस सूचना के राज्यन में प्रकासन की तारीय वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्परित में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए वा सकों में।

स्यव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, थी अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, थो उस अध्याय में दिवा स्था हैं !

## नगुस्ची

सम्पत्ति भूमि 2 वीचे 10 बिस्वे पट्टी मुसलमान, सोनीपत में स्थित है, जिसका ग्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय सोनीपत में, रजिस्ट्रीकरण संख्या 5176 दिनांक 8-2-84 पर दिया है।

> म्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 8-10-84

मोहर ः

प्रकप वाहै, टी. एन. इस : ------

बायकाड विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 8 ग्रक्तूबर 1984

निर्देश सं० सोनीपत/82/83-84-श्रतः मुझे, म्रार० के० भयाना,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु, से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि 2 विषे 10 बिस्वे है तथा जो पट्टी मुसल-मानान मोनीपत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबज श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय सोनीपत में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीन दिनांक फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्ति उव्देश्य से उत्तर अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है दिन्न

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बसने में मुजिधा के लिए; बॉड/या
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपन अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के सिए;

कतः अब, उत्यत्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण भं, से, उक्त अधिनियम की धारा 209-थ की उपभाग (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री ग्रशोक कुमार पुत्र होवनाराम भगत नि० के० बी०-72, कवि नगर, गाजियाबाद (यू० पी०)

(मन्तरक)

(2) 1. सर्वश्री ग्योचन्द पुत्र सुमेर चन्द नि०—ग्रार्य नगर, सोनीपत । 2. श्रीमती ग्रीम वती पत्नी श्री राम कवांर नि०—वैय्यापुर, सोनीपत । 3. कु० इन्द्राणी पुत्री गोपाल दास नि० गढी घसीटा, सोनीपत ।

(ग्रन्ति रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्थ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त निधीनयम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विसह गया है।

## वन्स्ची

सम्पत्ति भूमि 2 बीवे | 10 बिस्ते पट्टी मुसलमानान, सोनीपत मे स्थित है, जिसका ग्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, सोनीपत में, रजिस्ट्रीकरण संख्या 5177 दिनांक 8-2-84 पर दिया है।

> श्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनोक : 8-10-1984

प्ररूप आई'.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 8 अक्तूवर 1984

निर्देश सं० सोनीपत/83/83-84-ग्रतः मुझे, श्रार० के० भयाना,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि 11क 16 म० है तथा जो मूरथल (सोनीयत) में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्णस्प से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सोनीयत में रिजस्ट्री-करण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक फरवरी 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य स वस के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त सम्पत्ति का रिवित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण विविद्वत में बास्तिबक रूप से किश्त नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुइ कि ती आय की बाजत, उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा क लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तिया का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्तरिती इदारा प्रकट नहीं किया गर्या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत. अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नि जिल्ला व्यक्तियों, अधीत:—

(1) श्री राम सिंह पुत्र लाल चन्च पुत्र जोत राम ग्राम—मूरथल त० सोनीपत ।

(मन्तरक)

(2) श्री श्रीराम पुत्र पूर्ण चन्द नि०—428 कालेज रोड, लुधियाना । पंजाब ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कर्ता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पश् स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, धो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोज्स व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इत्रास अधिन्द्रस्ताक्षरी वे पास लिखिं। में किए जा सकेगे।

स्पर्वतिकरण :- इसमे प्रमुवत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

## ननस्ची

सम्पत्ति भूमि 11क० 16म० स्रयल मे स्थित है जिसका स्रिश्चिक विवरण रिजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय मोनोजत मे, रिजिस्ट्री सख्या 5201 दिनाक 10-2-84 पर दिया है।

श्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) ध्रजन रेज, रोहतक

दिनाक : 8-10-84

## प्रकृष बाह् ु टी ु एम ु एस ु ----

ल्बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, विनाक 8 अक्तूबर 1984

निर्देश सं० सोनीपत/84/83-84--- श्रत मुझे, श्रार० के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्थात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रतिधकारों को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर गम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी स० भूमि 14 क० 8 म० मूरथल है तथा जो मूरथल (सोनीपत) में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सोनीपत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 का 18 के अवीन तारीख फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल सं, एसं रूप्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् श्रीतशत सं अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिचत उद्देश्यों से उक्त मन्तरण लिखित व वास्तविक रूप से किंपित नहीं किया गया है :---

- (क) वन्तारण से हुन् किसी वाय की वावत, उक्त विभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (वा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए,

(1) श्री कुली चन्द पुत्र धर्मा नि० मूरथल त्र० सोनीपत ।

(भन्तरक)

(2) श्री धमरनाथ पुत्र हर जसमल नि० साईकल मार्केट, मिल रोड, लुधियाना ।

(भ्रन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 3.0 दिन की अविधि, यो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वाय अधहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भ्या हैं।

#### नम्सूची

सम्पत्ति भूमि 14क 18 म० मूरथल, सोनीपत मे स्थित है जिसका ग्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, सोनीपत मे, रजिस्ट्रीसंख्या 5202 दिनांक 10-2-84 पर दिया है।

> भ्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेज, रोहतक

जतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थान ह—

दिनांक : 8-10-84

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेजि, रोहतक

रोहतक, दिनांक 8 अक्तूबर 1984

निर्देश सं० सोनीपत/85/83-84---अत मुझे, आर० के० भयाना,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है')., की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी 'की यह विश्वास करने का कारण है' कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि 14का० 14 म० है तथा जो मृरथल त० सोनीपत में स्थित है (और इसमे उपाबछ अनुभूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सोनीपत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 का 16) के अधीत, दिनांक फरवरी, 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूख्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिकी (अन्तरितियों) के बीच एम अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण मिखित में वास्तविक कृप से किथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उत्तक अभिनियम को अभीन कर दोने को अन्तरक को दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ण) एंमी किसी आय या किसी क्ष्म या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था छिपाने में सुविधा को निए;

अतः आपः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त औधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री दुली चन्द पुत्र श्री धर्मा नि०—मूरथल त० सोनीपत।

(अन्तरक)

(2) श्री जयगोपाल पुत्र श्री पूर्ण चन्द, म० नं० 103ए, शास्त्री नगर, लुधियाना (पंजाब)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के वर्षम के सम्बन्ध में काई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश स 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पीरभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है [1]

## अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 14क०18म० मूरथल त० सोनीपत में स्थित है, जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय सोनीपत में, रिजस्ट्रीकरण संख्या 203 विनाक 10-2-84 पर दिया है।

> आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक 9-10-1984

प्रकल आहे ., टीज एमज एस प्रकारकार

जायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्भान

#### भाउस सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशिक) अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 9 अक्तूबर 1984

निर्देण सं०सोनीपत/86/83-84--अतः मुझे, आर० के० भयाना,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके ध्रमात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कार्ण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० 6क० 13 म० है तथा जो मूरथल त० सोनीपत में स्थित है (और इससे उपावद अनुमूची मे और पूर्ण क्य से दर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के द्रायित्य सोनीपत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के जीन दिनाक फरवरी 6, 1984

कां पूर्व कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, मिके दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (व तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (प्र) अंतरण ते हुवाँ किसी बाय की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के शामित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (१.) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्थियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या स्थिया जाना वाहिए था, व्यापनि में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

(1) श्री भीम सिंह पुत्र श्री लाल चन्द नि० मूरथल त० सोनीपत।

(अन्तरक)

(2) श्री श्रीराम पुत्र श्री पूर्ण चन्द नि॰—~428 कालेज रोड, लुधियाना (पंजाब)।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (थ) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरणः—हसमों प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुने अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

## अनुसूची

सम्पत्ति भृमि 6क 13 म० मूरथल त० सोनीपत में स्थित है, जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, सोनीपत में, रजिस्ट्री संख्या 5204 दिनांक 10-2-84 पर दिया है।

आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 9-10-1984

मोहर 🗈

प्ररूप आर्द. टी., एन., <u>एस., ----</u>----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

#### भारत बरकार

## कार्यासय, सहायंक बायकर वायुक्त (निरीक्ष्ण)

अर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 9 अक्तूबर 1984 निर्देश सं सोनीपत/87/83-84--अत मुझे, आर० के० भयाना,

बायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संभूमि 2क० 14 म० है तथा जो मूरथल त० सोनीपत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सोनीपत में रिजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 18) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1984,

को प्रवेक्ति सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के द्वयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मृक्षे यह विद्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वेक्ति संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का उन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) वन्तरण से हुइ किसी बाय की वावत उक्त जिंध-नियम के अभीन कर दोने के वन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विका के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग को अनुसरण चें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री भीम सिंह पुत्र श्री लाल चन्द नि०—मूरथल शप सोनीजत ।

(अन्सरक)

(2) श्री सूरज प्रकाश पुत्र श्री कर्म चन्द नि०---498, निरंकार भवन, लुधियाना (पंजाब) ● (अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सार्चिष से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति प्र
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त श्रीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 2क 14 म० सूरथल त० सोनीपत में स्थित है, जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्री-कर्ती के कार्यालय, सोनीपत में, रजिस्ट्री संख्या 5205 दिनांक 10-2-84 पर दिया है।

> आर० के भयाना सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 9-10-84

## प्रक्ष वाद<u>".</u> टी. एन. इस. ----

बाय्कार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) को बभीन स्वना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बाय्क्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 9 अक्सूबर 1984

निर्देश सं० सोनीपत/88/83-84--अतः मुक्के, आर० के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िअमे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का बहरण हैं कि स्थानर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मन्य 25,000/-रापये से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि 6क 13म० है। या जो मूरथल त० सोनी पत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णक्ष्य से वर्णित है) रजिस्ट्री अर्ता अधिकारी के कार्यालय सोनी पत में रजिस्ट्री करण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी, 1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मृत्य से कह के दश्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मृन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित चत्र्वदेय से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तिक रूप से कृषित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बादता, उनता अधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दासित्य में कमी करने या उन्ने बचने में बृद्धिश के निए; और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्तारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था, क्रिपाने में सुनिधा जेलिए।

अतः अब लक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, लक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थात ह—

(1) श्री भीम सिंह पुत्र श्री लाल चन्द नि०---मूरथल त० सोनीपत

(अन्तरक)

(2) श्री जयगोपाल पुत्र श्री पूर्णचन्द नि०—-103 ए, शास्त्री नगर लुधियाना, पंजाब)

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्ष्प :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविभ, को भी अधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस स्वान के राजपन् में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पासु सिसित में किए या सकेंगे।

स्पट्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गथा हैं॥

## अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 6क० 13 म० मूरथल त० सोनीपत में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय सोनीपत में, रिजस्ट्री संख्या 5206 दिनांक 10-2-84 पर दिया है।

> आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

दिनोक : 9~10~84

मोहरू 🗷

प्रकृप कार्ष टी एन एस ---- ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) जी धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, गोहतक

रोहतक, दिनांक 1 श्रक्तूबर 1984

निर्देश मं० सोनीपन/89/83≁84—श्रनः मुझे, श्रार० के० भयाना,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृन्य 25.000/ क. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० भूमि 10क० 12 म० है तथा जो मूरथल त० मोनीपत में स्थित है (श्रार इसमे उपाबद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण-रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मोनीपत में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन दिनांक फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त सपित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकात, किमानित्यों, किमानितिस्त उद्देश्य में उचन अन्तरण किसान म

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां करों जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपार में स्विधा के निए,

क्षदः अज्ञा उपत आधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की, की, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) को अधीन, निस्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् ,—ं

9---306GI/84

(1) श्री दलेल सिंह पुत श्री धर्मा नि०--मूरथल त० सोनीपत ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री चिमन लाल पुत्र श्री छज्जू राम नि०—119, ए, शास्त्री नगर, लुबियाना पंजाब ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

## ंडक्ड ब्रज्यत्ति वें वर्धन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स स 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्थाना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ह्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा, अपोहस्ताक्षरों ने पास लिखित में किए जा सकोंगे ।

स्पथ्यक्रियणः - इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## बन्स्की

सम्पत्ति भूमि 10क 12 म० मूरथल (सोनीपत) गे स्थित है, जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय सोनीपत भे, रजिस्ट्री संख्या 5207 दिनांक 10-2-84 पर दिया है।

> द्यार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी महायक द्यागकर द्यायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, रोहनक ।

दिनांक : 9-10-1984

## प्ररूप भाइ . बी. एन. एव.-----

आयकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन स्चना

#### धारक प्राचा

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 8 प्रक्तूबर 1984

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने ना कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 25,000/- रुपए से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भूमि 10क० 12म० मूरथल है तथा जो मूरथल (सोनीपत) मे स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण-रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मोनीपत में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विद्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिहात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरक (अन्तरकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पासा गया प्रतिफल, निम्निजितिक उद्देश्य से उच्त बन्तरक जालिए में आन्तरिक काप से अधिक काप से अधिक से अधिक से अधिक काप से अधिक से अधिक से अधिक से अधिक से अधिक काप से अधिक से अध

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबस, उक्त श्रीचित्रमा के अधीन कर दान के लम्सरक की दासिएव में करी करने या उखसे क्चने में हुबिधा के निए; जार/वा
- (अ) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अहं प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना वाहिये था, ख्रिपाने वें स्थिता की लिए;

अतः अज, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण फॅ, में , उक्त अधिनियम की भारा 26**9-थ की उपभारा (!)** को टापीन, निस्तिसिस व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) श्री दलेल सिंह पुत्र धर्मा नि०---मुरथल त० सोनीपत ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री तिलोकी नाथ पुत्र श्री जातीराम रिवकान्त पुत्र तिरलोकी नाथ नि०—-7265 शास्त्री नगर, लुधियाना (पंजाब) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर गूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस म्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक में 45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गाम निष्कित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः --- हममा प्रयूक्त शब्दों और पदा को, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

## अनुसुची

सम्पत्ति भूमि 10क० 12म० मूरथल, गोनीपत में स्थित है, जिसका ग्रिधिक विवरण रजिस्ट्रीधर्ना के कार्यालय सोनीपत में, रजिस्ट्री संख्या 5208 दिनांक 10-2-84 पर दिया है।

> शायक केव भयाना यक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 8-10-84 मोहर : प्ररूप. आर्च. टी. युन. एस्. - - - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-ष (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनाक 8 ग्रक्तूबर 1984

निदेश स० सोनीपत/91/83-84----ग्रत: मुझे, ग्रार० क० भयाना,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० भूमि 10क 12म० है, तथा जो मूरथल मे स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रौर पूर्णरूप से विणत है) रजिस्ट्री-कर्ता ग्राधकारी के कार्यालय सोनीपत में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम,

1908 1908 का 16) के श्रधीन दिनाक फरवरी 1984 को पूर्वेक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्चत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती (अतिरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) कलाइण से हुए किशी भाग की वायत, उक्त अधिभियम के अधीन कर दोने के शुन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बांध/वा
- (स) एसी कैसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, जिल्पान में सुविधा के लिए;

सत सम्, राजन सीफोनयमः की भारा २६९-ग के सनुसरण में, में, उक्त सिंभिनयभ की धारा २६९-थ की उपभारा (।) के सभीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, स्थीद् क्र-- (1) श्री दलेल सिंह पुत्र धर्मा, नि०— मूरथल त० सोनीपत

(ग्रन्तरक)

(2) सर्वश्री रूप चन्द तरशेम चन्द पुनगण साधूराम नि०—लक्ष्मण नगर, लुधियाना ।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन क लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या ततस्म्थन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत स्थिता में से किसी स्थित बुदारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकी।

स्पद्धीकरण : ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्सूची

सम्पत्ति भूमि 10क 12म० मूरथल, सोनीपत मे स्थित है, जिसका ग्रिधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, सोनीपत मे रजिस्ट्री संख्या 5209 विनाक 10-2-84 पर दिया है।

> श्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायक ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, रोहतक

विनाक : 8-10-84

## प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

माथकार आंधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत चरकार

भागतिय, सहायकं भागकर भागक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन परिक्षेत्र, रोहतक रोहतक, दिनांक 9 ग्रक्तूबर 1984

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं अपूमि 29क 1 म है तथा जो कापडीवास में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से बिणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय रेवाडी में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 18) के ग्रिधीन दिनाक फरवरी 1984, को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्छ है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे ख्रियमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिकत उद्देश्य से उक्त अन्तरण किला में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, अधित अधिनयम के अधीन कर दोने को अन्तरक की दायित्व में कमी कारने या उससे अधने में सुविधा के लिए; बॉर/बा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाय, वाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

कत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व को, अनुसरक को, गी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को ध्थीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) मे० कैनवंस काफ्टस एण्ड जनरल कं०, 9-10/3, लक्ष्मन हाउस, श्रासफ श्रली रोड, नई दिल्ली बजरिये श्री नरेश कुमार गुप्ता पुत्र श्री मदन लाल गुप्ता । (श्रन्तरक)
- (2) मे० सेसिल बेब्बर डंजीनियरिंग लि०, 108, ग्रन्सल भवन, 16-कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली---1।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, ओं भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हितबबभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिक्ति में किए जा सकींगे।

स्पब्दीकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

## ननुसुची

सम्पत्ति भूमि 29क 1 म० कापडीवास मे स्थित है, जिसका ग्रिधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय रेवाड़ी में, रजिस्ट्री संख्या 2889 दिनांक 13-2-84 पर दिया है।

ग्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी गहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन परिक्षेत्र, रोहतक ।

दिनांक : 9-10-1984

मोहर

प्ररूप बाह्र .टी. एन. एस. -----

## नाय्कार निर्माणयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नभीन यूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 14 सितम्बर 1984

निदेश सं० रेवाडी 39/83-84--- अतः मुझे, धार० के० भणना

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रू. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि 10क० 8म० है तथा जो कापडीवास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण कप में वर्णित है), रिजस्क्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, रेवाईं। में रिजस्क्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, रेवाईं। में रिजस्क्रीकरण अधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनाक फरवरी 1984.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिपत्त को लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विहवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्त बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निमित्त उद्वेष्य से उच्त अन्तरण सिचित् में बास्तिक स्पूर्ध किया नृत्ती किया नृत्त हैं.—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, उचत विवय के अधीन शह दोने के अन्तरक के दावित्व में कभी कर्ने वा उच्चे दचने में बृद्धिता के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी आव या किसी अन था अन्य आस्तियों की, जिन्हों जारतीय आयकर निधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्तु अधिनियम, या धन-कड़ अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रविद्यार्थ नन्तिर्देश कर्मा विद्या गया वा या किया जाना चाहिए था, कियाने में तुनिधा के लिथ;

जतः, अस्, उक्त अधिनियमं की धारा 269-व के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधित् ह (1) मैं ० तारपोलियन इण्डिया, 264 आजाद मार्केट, देहली बर्जारये श्री विनोद गुप्ता पुत्र श्री गिरधारी लाल

(अन्तरकः)

(2) मैं० सेसिल वेडबर इन्जीनियरिंग लि०, 108 अन्सल भवन, 16 कस्तुरबा गांधी मार्ग, नयी दिल्ली ।

को यह सूचना जारी करके पृत्रांचित संपरित के अर्थन के लिख्न कार्यवाहियां कारता हो।

उक्त सम्पृत्ति के वृश्न के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विम की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 विन की अविध, को भी वविध बाद के समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ववारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के नास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्थाकरणः ----- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को जक्त निधिनियम् के नध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं नधें होगा जो उस नध्याय में विया गया है।

## न्त्र्य

सम्पत्ति भूमि 10क 8म० कापडीवास में स्थित है, जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय रेवाड़ी में, रिजस्ट्री संख्या 2892 दिनांक 13-2-84 पर दिया है।

आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज रोष्ठसफ

दिनांक : 9~10~1984

प्रकप शाइ. टी. एन. एस.-----

भायकर मिशिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अंधीन सूचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निर्देक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, रोहतक

रोहतक, दिनाक 9 अक्तुबर 1984

निदेश सं० रेथाड़ी/38/83-84---अत मुझे, आर० के० भयाना,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स॰ भूमि 23का 17म० है तथा जो नापडी वास में स्थित है (और इससे उपावज्ञ अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रेवार्ड। में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1018 का 18) के अधीन श्रंदांक फरवरी, 1984

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त मम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिस्तत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे दचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आसकार अधिनियम, 1922 1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-क- अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था यी किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

बतः अव, उक्त विधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-थं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- (1) में जैनमन्स इजो नियर्स, 8637 ईस्टमार्क रोड, न्यू देहली, बजरिये श्रां अरणजैन पुत्र श्रों जें एल जैन (अन्तरक)
- (2) मैं० काम धेनु इण्टंन्प्राइजेज लि० सी०-312, डिफेस वालोनी,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हु ।

उक्त राम्पित्त को अर्जन क संबंध मा काई भा आक्षप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की जनकि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील स 45 दिन के भीगर जनगणावार सम्पत्ति में हिंद्यदा भिसी अस व्यक्ति एता। असहस्य स्थानिकार में किए ना सकींग।

स्पष्टीकरण :--इसमा प्रयुक्त शब्दाः और पदां का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्सूची

सम्पत्ति भूमि 23 मा 17 मा० कापडीवास में स्थित है जिसका अधिक विवरण रैजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय रेवाडी मे, रजिस्ट्री सं० 2891 दिनाक 3-2-84 पर दिया है.।

स्वार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन परिक्षेत्र, रोहसक

दिलाण : 9--10--1984

प्ररूप् भाद<sup>र</sup>. टी. **ए**न्. **एस्**.-----

श्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

#### मारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्यत (निरीक्षण) क्षर्जन रेज हितक रोहनक, दिनाक 9 अक्तूबर 1984

राह्तकः, दिनाकः 9 अक्तूबर 1985

निदेण मं० रेघ। \$1/40/83/84---आतः मुझे, आर०के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाकार भृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी मं० भूमि 24 कनाल 7 मरले है तथा जो कापडीवास गांव में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूर्धा में और पूर्णरूप से मणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रेवाहा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 या 18) के अधीन विनांक फरवरी 1984,

को पृष्टीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के खयमान प्रतिफल के रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरिति की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि

यथापूँ किन संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वास से अधिक है और अंत्रस्क (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पागा गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में यास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत सम्बद्ध अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक को द्वाबित्य में कभी करने या उसने बचने में मनिधा के निए; शीर था,
- (क) ऐसी किसी आय मा किसी भन मा अन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्सारा प्रकट नही किया गया था किया जाना चाहिए था, कियाने में सर्विभा भी किए.

- (1) मैं० कैनवास काफ्ट एण्ड जनरल कम्पनी 9-10/3, लक्ष्मण हाउस सराफार्झनी रोड, नई दिल्ली श्री नरेण कुमार गुप्ता पुत्र श्री मदनलाल गुप्ता । (अन्सरफ)
  - (2) भैं कामधेनु इण्टरप्राहिजिल लि० मो-312 डिफेंस कालीनी नर्ह दिस्लो-110024 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के कर्जन के सिप कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र भें प्रकाशन की तारीन से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में जिसी व्यक्ति ह्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हिंत- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के गम लिखिन मों किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

#### बरसची

भूषि 24 सनास 7 मरले जो कि कापडीबास गांव में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के बार्यालय रेवाडी रिजस्ट्री मंख्या 2893 दिलांक 13~2~84 गर दिया है ।

> आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायः प्रायक्षर आयक्ते (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोह्सकः ।

ूर ग्रें अस्त अधिनियम की भारा 269-न के अनुवरण ूर्न, में उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1)

कं अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :---

दिनांक : 9-10-1984

मोहर

प्रकल नार्ड, टी. एन. एस. -----

## नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

#### भारत सर्डकार

## कार्यातम, सहायक आयकार आयुक्त (निर्दोक्त) अर्जन परिक्षेत्र, रोहतक

रोहतक, दिनांक 9 धक्तूवर 1984

निदेश मं० दिल्ली/69/83-84---आतः मुझे, आर० के० भयाना,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

- भीर जिसकी संव प्लाट नव डी-1/5 है तथा जो सेक्टर-11. डीव एलव एफव फरीदाबाद में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध श्रनुमूची में पूर्ण रूप से बणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहली में रिजिस्ट्रीकरण आधिनियम, 1908 (1908 का 1908 का 16) के स्रधीन दिनौंक फरवरी 1984
- को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के दिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बसवनगृडि में धारा स्ट्रीकृत किया गया है और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-फल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्देश्यों से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——
  - (क) अन्तरण ले हुई फिसी आम की बाबत, उत्तः अधिनियम की अधीन कर दोने की अन्तरक की दायित्व मों कभी करने या उससे बचने में सुविधा की लिए; और/या
  - (क) एमी किमी आस या किमी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर-अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तिर्दी हुएए एक्ट नहीं दिहा हह। धा सा किए जाना चाहिए था, ख्रियाने में सुजिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण बें, में. उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) में > डो॰ एल॰ एफ॰ गूनिवसंत लि॰ 21-22 नरेन्द्रा प्लेस, पालियामेंट स्ट्रीट, नर्यो दिल्ली-- 1

(अन्तरक)

(2) श्री कृपा राम पुत्र श्रा गीविन्द राम श्री राज कृमार पुत्र श्री जय नारायन द्वारा मै० कन्हैया लाल पुत्र नारायण, सोदल रोड, जालन्धर (पंजाब) ।

(अन्तरिर्नाः)

की यह सुष्पना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां भुक्ष करका हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की सबिध वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्धध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

#### अम्यूची

सम्पत्ति प्लाट नं श्री—1/5, सेक्टर-11, डी० एल० एफ० फरोदाबाद में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, देहलों में, रिजिस्ट्री संख्या 222 दिनांक 25-2-84 पर दिया है

आर० के० भयाना पक्षम पाश्चित्रकी मदागरू अत्यक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन परिश्लेन, रोहतक

दिनांक: 9-10-1984

# प्ररूप आई.टी.एन.एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, रीहतक

रोहतक, दिनांक 9 अक्तूबर 1984

निदेण सं० बल्लवगरः/217/83-84---अतः मुझे, आरण् के० भयाना,

ावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें एक परकात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), को भारा 269- ब के अभीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अभिक हैं

स्रोर जिसको सं ० भूमि 8 कनाल है तथा जो इसमाइलपुर में स्थित है (श्रीर इसमे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णक्य में वर्णित है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय बल्लबगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनोक फरवरी 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ यह विश्वास कर ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निय्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्कत में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सविधा के लिए, बीड़/बा
- (ख) ऐसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तिमों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृदिशा के लिए;

(1) श्रो मोहनलाल पुत्न श्रो तेजू राम नि०—रतन गार्डन, गुड़गांव ।

(अन्तरका)

(2) मैं० दा पंचणाल को०-ऑपरेटिव हाउस, विल्डिंग मोसायटा लि०, फरोदावाद ।

(अन्तरिर्तः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हो।

उन्दर सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकती।

स्वक्यकरणः — इसमं प्रयुक्त कांक्यों और पत्रांका, वां उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। क्या हैं।

# वन्त्वी

भूमि 8 कनाल इसमाइलपुर में स्थित है, जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बल्लबगढ़ में, रजिस्ट्रा संख्या 12801, दिनांक 14-2-84 पर दिया है।

> आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी निरोक्षीय सहायक आयकर आयुक्त अर्जन परिक्षेत्र, रोहनक

दिनां**क** : 9-10-1984

मोहर:

कतः अव, जक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) दे अधीन जिम्निलिखित व्यक्तियों, अथात ;—- ′ 10—306 GI/84

# प्ररूप बाई.टी.एन.एस ------

# नायक र नांभनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुमना

### नारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, गोहतक

रोहनक, दिनांक 9 अक्तूबर 1984

निदेण सं० बल्लबगढ़/218/83-84-अतः मुझे, आए० के० भयाना,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसको मं० प्लॉट नं० 137 सेक्टर-24(क्षे०-9555,55 व० ग०) है तथा जो फरोदाबाद में स्थित है (ग्रीप इसने उपाबद्ध अतृसूचो में ग्रौर पूर्ण रूप मे विणित है) रिजस्ट्राकर्ता अधिकारों के कार्यालय बल्लबगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी, 1984

को पूर्वीक्त संपित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्धाम करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और /या
- (ल) ऐसी क़िसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्यरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) क जनीर निम्निनिधित व्यक्तियों, अर्थात:---- (1) मे० भसान लल्स्ट्रक्शन क० प्रा० लि० 13/24, फरोदाबाद ।

(अन्तरकः)

(2) मैं० फरोबाह गैस गैजट्स प्रा० लि० प्लाट न० 369 सेक्टर—24 फरीदाबाद (हरियाणा) ।

(अन्तरिनीः)

के पह स्**च**ना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

रक्त सम्परित के जर्जन के सम्बन्ध मा कोई भी आक्षप -

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवीध था तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासीत में 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में पसाप्त होती हो, के भीतर पूर्वो स्व व्यक्तियों में ने किसी स्वस्त द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पान निश्चित में किए जा सुनेग

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### नपृत्रुची

सम्पत्ति प्लाट न ० 137 सेक्टण--24, क्षे० 9555.55 प० ग० फरीदाबाद में स्थित है जिसका अश्विक विप्रण रिजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बल्लबगढ़ में, रिजिस्ट्री सक्या 12511 दिसाक 82 - 84 पर दिया है।

आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज रोहनक

दिनांक : 9-10-1984

म∖हर :

प्रस्यः आर्दः टी. एन्ः, एसः -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की **धारा 269-म (1) के बधीन सूच्**ना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिण)

अजंन रेंज, रोहतक

गाहनक, दिनाक 8 अक्तूबर 1984

निदेण म० बल्लबगढ़/223/83-84--अतः मुझे, आर० के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्परित का उण्यत बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रोग जिसकी स० प्लाट नं० 49 ब्लाक जे० क्षे० 500 व० ग० है तथा जो डी० एल० एफ० माइल टाउन सेक्टर नं० 10 फरीदाबाद (सिही) में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूच। में ग्रीर पूर्णे एप विजित्त है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बल्लबगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक फरवरी 1984

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान ग्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में अम्तिक एप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर धेने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रजीवनार्थ अतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिसयों, अधीत् :--

(1) श्री सुरेश कुमार कक्कड़ पुत्र श्री दरगाई दास नि०--ई-20 ग्रेटर कैलाश इन्कलेव--2, नई दिल्लो, बर्जारये श्री ए० पी० सहगल पुत्र राम सरन दास नि० बी-5, ग्रेटर कैलाश इन्कलेब-2 नई दिल्लो।

(अन्तरक)

(2) श्री मुरजीत सिंह सेठी पुत्र स्व० श्री कुलदीप सिंह सेठी नि०-3, चौरंगी सुकेर, कलकत्ता--72 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोंड भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तहुड़ी से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि., जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकीं।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, चो उस अध्याय में दिया गया है।

### वतसर्ची

सम्पत्ति प्लाट नं० 49 ब्लाक जे, क्षे०-500 व० ग० डी० एल० एफ० माडल टाउन सैक्टर नं० 10 फरीदाबाद (सिही) में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बल्लबगढ़ में, रजिस्ट्री संख्या 13299 दिनांक 23-2 84 पर दिया है।

> आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 8-10-84

प्रकृत बाई , टी , एन , एस्,,----

जावकर क्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

### मार्ड स्टब्स्

# कार्यालय, सहायक मायकार मायुक्त (मिर्दीक्षण)

अजंरेज, रोहतक

रोहतक, दिनाक 9 अक्तूबर 1984

निदेश सं० बल्लबगढ़/227/83-84--अत: मुझे, आर० के० भयाना,

कायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

म्नीर जिसकी स० म० बं० 1306—सी क्षे० 1083. 33 व० ग० है तथा जो सेक्टर—14, फरोदाबाद में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर सूर्णरूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बल्लबगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908) 1908 का 16 के अधान, दिनांक फरवरी, 1984

को पर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के श्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचित अन्तरण सिचित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/बा
- (क) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

कतः कव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिस्थित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रोमती कृष्णा चोपड़ा पत्नी श्री बी० डी० चोपड़ा ई-325, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री चन्द्र मोहन चन्दोक पुत्र श्री कै० एस० चन्दोक नि०—84, डी०, पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता ।

(अन्तरितो)

की यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

तकत संपत्ति के भर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं करें 45 दिन की नविध या तत्संबंधी स्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नविध, जो भी नविध शाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेंकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकांगे।

स्यव्होकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और क्यों का, जो उसत निधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया हैं।

### बन्स्ची

सम्पति मकान नं० 1306 सी०, क्षे० 1083.33 व० ग० सेक्टर 14, फरोदाबाद में स्थित है, जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्री-फर्ना के कार्यालय, बल्लबगढ़ में, रजिस्ट्री संख्या 13323 दिनांक 23-2-84 पर दिया है।

> आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी निरोक्षीय सहायक आयक्षर आयुक्त अर्जन परिक्षेत्र; रोहतक

दिनांकः : 9~10~1984

भ्रम्य नार्षः टी.: एन्.; एव.;-------

जायकार निधितियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अभीन स्थाना

### भारत तरकाड

कार्यालय, सहायक भागकर नायुक्त (विद्रांज्य)

ग्रर्जन परिक्षेत्र, रोहतक रोहतक, दिनांक 9 ग्रक्तूबर 1984

निदेश सं० पानीपत/133/83-84----ग्रतः मुझे, ग्रार० के० भयाना,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'खक्त अभिनियम' कहा गया है"), की चारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

प्रौर जिसकी स० खाली प्लाट नं० 37बी, 28.11 वर्गगज है तथा जो बतरा बाजार जी० टी० रोड, पर स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्णच्य से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय पानीपत मे रजिस्ट्रीकरम्र ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 1-6-1984

की पृत्रोंकत सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में यास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाम की बाबत, जनत वीभिनयन के वभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उत्तरे वचने में सुविधा के निष्; बीट्र/वा
- (क) ऐसी किसी नाय वा किसी भग या अन्य जास्तिनों को जिन्हें भारतीय आय-कर निभिनयन, 1922 (1922 का 11) या उन्त निभिनयन, या भनकर निभिनयन, या भनकर निभिनयन, 1957 (1957 का 27) से प्रसोदनार्थ नन्दिरती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुनिभा के शिष्टः

मत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निग्निखिल व्यक्तियों, अर्थात्:——

- (1) दी नेशनल टैक्सटाइल एण्ड जनरल कम्पनी (ईस्टेट डीलर) द्वारा श्री प्रादी बतरा निवास---671 माडल टाउन पानीपत । (अन्तरक)
- (2) श्री बूटा राय पुत्र श्री देवन चन्द दुग्रा पुत श्री मुंशीराम निवासी—भारत वूल ट्रेडिंग कम्पनी, निवासी—489 गिनक रोड, खादूखेत, बनियान बादी, तमिलनाडू ।

(यन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पृत्रोंकत संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनल् सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वास्रेष:--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी स्पित्समें पर स्वान की तामील से 30 दिन की जनभि, जो भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर स्वावताओं में से किसी स्पायत द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितथब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाझ निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं नर्थ होगा जो उस मध्याय में दिया गया हैं।

# अनुस्धी

प्लाट नं० 37वीं माप 28.11 वर्ग गज जो कि बतरा बाजा र जी० टी० रोड पर स्थित है जिसका श्रिधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय पानीपत र्राजस्ट्री संख्या 4796 दिनांक 1-2-84 पर दिया है ।

> स्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त, (निरीक्षण) स्र्जन परिक्षेत्र, रोहतक

दिनांक: 9-10-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन परिक्षेत्र, रोहतक रोहतक, दिनांक 9 ग्रक्तूबर 1984

निदेश सं० पानीपत/134/83-84---श्रतः मुझे, श्रार० के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह दिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुं. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० प्लाट क्षेत्रफल 511 33 वर्गगज का 1/4 हिस्सा है तथा जो इण्डस्ट्रीयल एरिया पानीपत में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्णहप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, पानीपत में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम. 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 1-2-84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित काजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबरा, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, िणन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, िष्ठपाने में स्विधाके लिए;

अताः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) को बधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती सरला देवी धर्म पत्नी श्री योगेश कुमार पुत श्री छज्जू राम गुप्ता । निवासी—-सिविल लाइन्स विजय मोहल्ला, करनाल ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती नीरज गुगवानी धर्म पत्नी श्री मुरेशकुमार गुगवानी । : निवासी—-576 माङ्ग टाउन पानीवन ।

।सा—- 576 माडल टाउन पानावन । (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्र्रूकरता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मं कांई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचनां के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स' 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है.।

### अनुसुची

प्लाट जो कि इण्डस्ट्रीयल एरिया पानीपत में स्थित है, जिसका ग्रिधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ती के कार्यालय पानीपत रिजस्ट्री सं० 4797 दिनाक 1-2-84 पर दिया है ।

श्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेत्र, रोहतक .

दिनांक : 9-10-1984

# प्रस्प बाईं. टी. एन. एस.-----

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के नधीन सूचना

भारत सरकार

# शयालय, म**हायक नायकर नायुक्त (निर्ाक्षण)** ग्रजन परिक्षेत रोहतक

रोहतक, दिनाक 9 भ्रक्तूबर 1984

निद्रेण स० पानीपन137/83-84—श्रव मुझे, श्रार० के० भयाना,

भयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ज्याने पदनात 'एक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 760-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का जारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 75.000/- रा भे जिथक हैं

ग्रीर जिसकी स० क्रिप भूमि खाली 7 बीघा 9 विस्ता है तथा जो तरफ उसार में स्थित है (ग्रीर इसमें उपानद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्णभप से बिणत है) रिजस्ट्रीनर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय पानीपत में रिजर्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीटी दिनाक 10-2, 1981

ादा पणिल न उचित पत्राम मन्य म कम क दश्यमान प्रतिफल के लिए अतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन तो जारण है कि यथानु गीया सम्पत्ति का पत्राम प्रतिफल में, एमें दृश्यमान प्रतिफल के पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नत म नास्त्री म किथा नहीं किया गया है.---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मा कभी करन या उसमें बचने में सविधा है लिए, और/सा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-दार अधिनियम, 1925 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनुप्रत्र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गा था या किया जना चाहिये था जिपाने में सविधा के लिए,

भत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनिय की धारा 269-व की उपधारा (1) में अधीन, निम्मिलिखित व्यक्तियो, अर्थात् ।—— (1) श्रीमती रूपसी धर्म पत्नी श्री नवीन कपूर, निवासी—रमधीर लेन, करनाल ।

(ग्रन्तरक्)

- (2) सर्वश्री--
  - 1 राम निवास पुत्र श्री राम कनवर ।
  - 2 राजिन्दर पुत्र श्री सत प्रकाश
  - 3 हर विलास पुत्र श्री रामचन्द्र
  - 4 प्रेमचन्द पृत्र श्री बारमल
  - 5. मुकन्दीलाल पुत्र श्री लालजीमल
  - 6 सुभाष चन्द्र पुत्र श्री रामधारी
  - 7 कृष्ण लाल पुत्र श्री जगन्नाथ
  - 8 रामचरन पुत्र श्री लाहरी मल द्वारा हैण्डटैक्स इण्डिया, श्रग्रवाल स्ट्रीट गुहाना रोड द्वारा मै० हरि बिलास प्रेमचन्द लिक्बर कोन्ट्रेक्टर श्रपोसिट बस स्टैण्ड पानीपत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त संपत्ति के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स अपिक्तयों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें पयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया

### अनुसूची

भृमि 7 बीघे 9 बिस्वे जो कि तरफ इसार, पानीपत में है, जिसका प्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय में पानीपत रजिस्ट्री मख्या 4915 दिनाक 10-2-84 पर दिया है।

श्चार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी गहायक ग्रायकर श्चायुक्त, (निरीक्षण) श्चर्जन रेज, रोहतक

दिनाक 9-10-1984 मोहर प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) को अधीन स्चना

### भारत सरकार

# कार्यासय, सहायक नायकर शायुक्त (निरीक्क)

म्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, विनांक 9 श्रक्तूबर 1984

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एक मंजिली दुकान स्टोर है तथा जो मुख्य देवी भवन बाजार जगाधरी में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णक्रप से बणित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जगाधरी में रजिस्ट्रीकरण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीत, दिनांक 6-2-1984,

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ब्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके ब्रथमान प्रतिफल से, एोसे ब्रथमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक ख्य से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण त' हुइ' किसी नाम की वाबत, उचत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, कियाने में मुविधा को सिए;

कतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग वै जनसङ्ख में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) डे अधीन, निम्निविधित व्यक्तियों, वर्षात् ः—

- (1) श्रीमती लाजवन्ती देवी उर्फ लालवन्ती धर्म पत्नी श्री बरकत राम निवासी—म० नं० 45 ग्रनाज मण्डी जगाधरी, तह० जगाधरी, जिला श्रम्बाला । (अन्नरक)
- (2) श्रीमती मुदेश रानी धर्म पत्नी श्री भागत प्रकाण निवासी—423/ए/2 गली राजा साहिब जगाधरी, तह० जगाधरी, जिला—-ग्रम्बाला । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की दुरीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति वृतारा अभोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए का सकी।

श्यव्यक्तिकरण :—इसमे प्रयम्त शब्दों और पदों का, आ उचक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

सम्पत्ति बुकान एक मंजिल जो कि मुख्य देवी भवन वाजार जगाधरी में स्थित है, जिसका ग्रधिक व्यौरा रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, जगाधरी, रजिस्ट्री संख्या 6201 दिनांक 6-2-84 पर दिया है ।

> श्चार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 9<del>-1</del>0-84

मोहर 🛭

# प्रकप नाहाँ. टो एन. एस.-----

# शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन मुचना

### भारत सरकार

कर्म्यालय, सहायक आमकर आमक्त (निरक्षिण) अर्जन परिक्षेत्र रोहतक

गोहनक दिनाक 9 अक्सूबर 1984

निदेण म० जगान $\sqrt[4]{116/83-84}$ —अत मझे आर० के० भयाना

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उंक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावण सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा से सिधक है

ग्रीर जिन्निः स० एक मजिले। दुकान ग्रीर स्टोर है तथा जो मृख्य देवें। भवन वाजार जगाधरों में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अन-सूचः में ग्रीर पूर्णस्प में विणित है) रिजिस्ट्रोक्ति अधिकारों के कार्यात्य जगाधरों में रिजिस्ट्रोक्तरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अर्थन दिनाक 6-2-1984

को प्वाधित सम्पत्ति के उभित बाजार मृत्य से कम के स्थमाम प्रतिफल के लिए जन्मरित की गई है और मृत्रे यह विक्थास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मृत्य, इसके स्थमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा मथा प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त कन्तरण निवित्त में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत आयकर विभिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक छै वायित्व में कमी करने या उसमे बचने में मिश्रधा के लिए; बौर/या
- (ब) एसी किसी भाष या किसी धन या जन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयवण अन्निरुम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा पकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविशा के लिए:

जतः अवः, उक्त विधिनियम की धारा 269 प के बन्यरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीर निम्नतिकित काक्तियों, जर्धात '---- (1) श्रः हिश्चित्व पुत्र श्री वरकत राय निवासी----45 अनाज मण्डा जगाधरी ।

(अन्तरकः)

(2) श्री निष्ट्य कुमार पुत्र श्री रामचन्दर, निष्-624, महल्ला जोरालियन जगाधरी । (अन्तरिती)

को <mark>यह स्वता जारी करके</mark> पृत्रों क्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोड़ भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की उविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्थासिलयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त म्थावर सम्परित मा हिन्बद्व किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोह्म्माक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं मुर्थ होगा, जो उस अध्याय में विधा गवा हैं।

### नन्स्ची

सम्पन्ति दुक्तान एक मिजल जो मुख्य देवी भवन बाजार जगाधरी में स्थित है जिस्हा अधिक विवरण रजिस्ट्रोकर्ता के कार्यालय जगाधरों रजिस्ट्रो सख्या 6200 दिनार 6~2~84 पर दिया है ।

> आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरोक्षण) अर्जन परिक्षेत्र रोहतक

दिनाक ' 9-10-1984 मोहर

11-306GI/84

प्रारुप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को , धारा 269-ध (1) के अधीन स्वना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, रोहनक

रोहतक दिनाक 9 अक्तूबर 1984

निदेश मं० जगाधरो/117/83-84--अनः मुझे, आर० के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें एक्को पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

धौर जिसको स० एक मिजला मकान प्लाट माप 225 80 वर्ग गज है तथा जो प्रेम नगर यमुना नगर में स्थित है (ग्रं।र इसमें उपाबद्ध अनसूचों में धौर पूर्णक्य से विणित है) रिजस्ट्रे, इन्ति अधिकारों के फार्यालय जगाधरों में रिजस्ट्रे, करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अयान दिनाफ 8-2~84,

को पूर्विक्त संपित्त के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके रृष्यमान प्रतिफल से एसे रृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण जिस्ति में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिणाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं- उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) में अधीन, निम्निजिलित व्यक्तियों, अधीत् :—

- (1) श्रा चन्द्रमोहन राय नन्दा, श्रामता मुश्चित्र नदा पृत व गत्ना श्रो कण्मोरोत्नाल । निवासा—म० न० 795 प्रेम नगर यमना नगर। (अन्तरक)
- (2) श्रोमता सुदेश रानी पुर्वा श्री हरोणचन्द्र. निवासी:--गाव-जठलाना , तहर थानेसर, जिला--कृष्क्षेत्र ।

(अन्तिरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उका सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तागील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम जिस्ति में किए जा सकरें।

स्पष्टिकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में विमा अया है।

### बन्स् भी

प्लाट जो कि 225 80 वर्ग गज प्रेम नगर, यमुना नगर में स्थित है। जिसका अभिक विवरण रिजिस्ट्राकर्ती के बार्यालय जगाधरे। रिजिस्ट्रो संख्या 6318 दिनांक 8-2-84 पर दिया है।

> आर० के० भयाना मक्षम प्राधिकारी गहायक आयक्त, ई्र(निरीक्षण) अर्जन पण्किय, रोहनक ।

दिनांक . 9-10-1984

माहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के जभीन मूचना

### भारत मरकार

कार्यः तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन परिक्षेत रोहतक

राहतक, दिनाक 9 अस्तूबर 1984

निदेश ७० अस्त्राला/94/83-84---अस. मुझी, आर० के० भियाना,

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान 'उपत अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रीर जिसक सं ० प्लाट माप 420 वर्गम,टर अथवा 502 वर्ग गज है तथा जो विकास दिहार, दे। इम्पृब ट्रस्ट कालीता, अम्बाला शहर में नियत है (अ)र इसमें उपाबद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण क्य में विणित है) रिजिस्ट्रीकर्नी अधिकारी के कार्यालय अम्बाला में रिजिस्ट्रीकरण अतिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधान दिनां ह 2-2:1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय शिवाजीनगर मा धारा 269 ए. बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मूल/के पास रिजस्ट्रीकृत किया गया है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल के, एसं दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक ही और अनारक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य स उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के गन्तरक के गायित्व में कमी अपने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और या
- (भा) ए नी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों के, जिन्हों भारतीय आय-क्षण अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण गो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

- (1) श्री मोहिन्द्रपाल गुप्ता पुत्र श्री कृतिया राग पुत श्री पत्नालाल । तिवासी—परोदा, जिला—करनाल । (अन्तरक)
- (2) श्रा जगभूषण गुष्ता पुत्र श्री विजनवास, निवासी—-121, जे० के० ई० लाइन्स अम्बाला छावन ।

(अन्तरित्।)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति की प्रर्जन का लिए कार्यवाहिया शुरू करता हु।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई अक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्कना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति ह्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निमित्र में किए जा सकरेंगे।

रगष्टीकरण: — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पद्धों का, जो उक्छ अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

# सनुसुषी

सम्पत्ति प्लाट माप 502 वर्ग गज जो कि त्रिकास जिहार इस्ट कालोन। अभ्वाला ग्रहर में स्थित है, जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ती के कार्यालय अम्बाला रजिस्ट्रा संख्या 6620 दिनाक 2-2-84 पर दिया है।

> आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारो महायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन परिक्षेत्र, रोहतक

বিনাক : 9-10-1984,

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- प (1) के मधीन क्यना

### भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) स्रर्जन रेज, रोहनक

रोहतक, दिनाक 1 अक्तूबर 1984

निदंश म० जगाधरी/112/83-84---अत मुझे, आप० के० भयाना,

भायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रींच जिसका स० प्लाट का 1/2 माग है तथा जो इण्डस्ट्रोयल एचिया यमना नगर में जियत है (श्रार इसमें उपाबद अनुसूचा में ग्रींच पूर्णस्य में विणित है) रिजस्ट्राकर्ता अधिकारी के कार्यालय जगाधरा में रिजस्ट्राकरण अदितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक फरवरा 1981,

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्ति बाजार मृत्य से कम के सम्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया इतिफल, निम्निखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित्त मे वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बायत उक्त विधिन नियम के अधीन कर दोने के बंतरक के सायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (थ) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, मा भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जम्मा चाहिए था, छिपाने में इविभा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) है बधीन, निम्नसिक्षित व्यक्तिकों, अर्थातः :- / (1) मैं ० हिन्द टिम्बर इण्डस्ट्राज, डब्ल्यू---3 दण्डस्ट्रोयल एरिया यमुना नगर ।

(अन्तरिक्र)

(2) श्रा अशाक कुमार कालडा पुत्र श्रा रामचन्द कालडा यमुना नगर ।

(अन्तरितः)

को यह सुचना जारी करके पृत्रॉक्स सम्परित को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपिटत में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गस लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है। यस हैं।

### ननसूची

ण्नाट ओ कि इण्डर्ट्रायल एरिया यमुना नगर मे रियत है, जिसका अधिक त्रिवरण राजिस्ट्रोकर्ता के कार्यालय गगाधरी राजस्ट्रो सख्या 6139 दिनाक 1~2~84 पर दिया है।

> आर० के० भयाना मक्षम प्राधिकारी सद्गायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज, रोहतक

दिनाक : 9-10-84

मोइर:

प्ररूप बार्ड, टी, एन. एस.-----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरौक्षण)

अर्जन रेज, रोहनक

रोहनक, दिनांक 9 अत्रवूबर 1984

निदेश मं० जगाध $\vec{r}/(111/83 - 84 - 37)$ न मुझे, आप्र के० भयाना,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उत्कत अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य **2**5,000 ∕-रह. से अधिक ह**ै** 

श्रीर जिसकः सं० प्लाट का 1/2 भाग है तथा जो । इण्डस्ट्रीयल एरिया , यम्ना नगर मे स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अन्मूची मे क्रौर पूर्णस्य से वर्णित है) रिजिस्ट्राकर्ता अधिकारों के कार्यालय, जगाधरो में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधोन, दिनांक फरवर। 1984,

भी पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका दिचित बाजार मूल्य पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित लिखित में वास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गण हैं:--

- (क) अन्तरण संहुर्यकिसी आयकी बाबत, मिधिनियम को मधीन कर दोने को अल्लारक को वायित्य में कभी करने या उपसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐमी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ध की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

(1) मैं ० हिन्द टिम्बर इण्डस्ट्राज डब्ल्यू---3 इण्ड(स्ट्रयल एरिया यम्ना नगर ।

(अन्तरक)

(2) था भूषण लाल कनवर पुत श्रा देणराज यम्नानगर ।

(अन्तर्गरत्।)

कां यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर मुचना की तामील से 30 दिन की नविभ, जो भी नविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त भ्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (थ) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीच व 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मं हित-बब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा नभोहस्ताक्षरी के पास लिमित में किए जा सकेंगे।

स्पच्डीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# प्रनुसूची

प्ताट जो कि इण्डस्ट्रीयल एरिया यमुना नगर में स्थित है, जिसका अधिक विवरण र्जिस्ट्रो कर्ता के कार्यालय जगाधरो रिजन्द्री सक्या 6138 दिनाक 1-2-84 पर दिया है।

> अर् क क भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरक्षिण) अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांकः : 9-10-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आगा कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्गालय, महायक आयकर आयकत (निरीक्षण) अर्जन परिक्षेत्र, रोहतक रोहतक, दिनाक 10 अक्तूबर 1984

निदेश म० बल्लबगढ /264/83--84---अतः मृझे, आग० के० भयाना

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269--स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उण्णित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं प्रांग जिसका में दुकान सम्पत्ति ने 8/133 है तथा जो सृष्य वाजार पुराना फरादावाद में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुभूना में ग्रीर पूर्णक्य से विणित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारों के फार्यालय, बल्लबगढ में रिजस्ट्राकरण अधिनियम,1908 (1908 का 16) के अधान दिनाक फरवरा 1984

को पूर्वोक्त संपरित के उण्डित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्सरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य असितयों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर स्थिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :-- (1) श्रा राजाराम पुत्र श्री हैं,रालाल, निवासा——दुकान न० श/133 मुख्य बाजार पुराना फरोदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रामता णक्कलला देश पत्ना श्रा राधाक्कण णर्मा. निवासी—संकारा क्वा० न० 1013, लक्ष्मीबार्ड नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरियतः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पव्यक्तिरभः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अमुसूची

सम्पत्ति हुकान न० 8/133 जो कि मुख्य बाजार पुराना फरीदाबाद में स्थित है, जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रोकर्ता के कार्यालय फरीदाबाद में रजिस्ट्री सख्या 14897 दिनाक 15-2-84 पर दिया है ।

> आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरोक्षण( अर्जन परिक्षेत्र, रोहनक

दिनांक : 10-10-84

थक्षप बार्ड, टी. एनं एस ------

नामकार निधितिसम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नभीन मुखना

### धारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन परिक्षेत्र, रोहनफ

रोहनक, दिनाक 11 अक्तूबर 1984

निदेश मं० बल्लवगढ़/228/83-84--अत मझे, आप्० के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-म के अधीत स्थाम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीप जिसकी में ० ज्लाट नं ० 162, ब्लाफ जें ० है तथा जो मैक्टप नं ० 10 फर दाबाद में स्थित है (श्रीप इसमें उपाबद्ध अनुस्चा में ग्रीप पूर्णस्प में विणित है) प्रजिस्ट्रें कर्ता अधिकार के कार्यालय, बस्तवगढ़ में प्रजिस्ट्रें फरणप्अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अर्धन, दिनाक फरवरों 1984

को भूनोंक्त मंपित के उचित नाजार मूल्य में कम के रश्यमान पतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वाम हरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार पूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल में एमें रश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रतिरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया पया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निकित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से श्रुष्ट िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृष्टिधा के लिए और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य ब्रास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम या अन कर ब्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) हे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भूटिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :—

(1) श्री क्रुण वलदेव खेंग पृत श्री साताराम खेंग निरु-1293, सैक्टर-7, फरोदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) कु० अनुराधा गुप्ता, कु० रचना गुप्ता, कु० सामागुप्ता भि०—एन०-21 एन० इ.० एम० सा० नई दिल्या [। (अन्तरियो)

को यह मुचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां शुरू करता हुई ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धि व्यक्तियों पर म्यान की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स स्थितियों में से किसी अधित द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उधन स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पध्धीकरण:--इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम-के अध्याय 20-क मी परिभाषित हैं अधिनियम के अध्याय 20-क मी पिया है।

### अन्स ची

सम्पत्ति प्लाट न० 162 ब्लाक जे० माप 528 वर्ग गज सैक्टर 10 फरोदाबाद में स्थित है जिसका अधिक विवरण राजिप्ट्रो-कर्ना के कार्यालय वल्लवगढ़ राजिस्ट्रा मख्या 131417 दिनाह 20-2-84 पर दिया है।

> अस्य के० भन्नाना सक्षम प्राक्षिकारी सहस्यक्ष अन्तर्भन(निरोक्षण) अर्जन परिक्षेत्र, रोहनक

दिनांक 11-10-1984

मोष्टर :

प्रकप काइ. टी. एन एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुखना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3 नई दिल्ली नई दिल्ला, दिनाक 24 सिलम्बर 1984

निदेश म० आर्थ० ए० मा०/एक्यू०/ त/ ५७ईई/ २—84/ ३५५— अत मुझे, जी० एम० गासाका

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ष्यौर जिसको स० 309, 312, 316, है तथा जो ग्रंन पार्क यूसफ सराय नयो दिल्लो में स्थित है (ग्राँग इसने उताबद्ध अन्सूच। में पूर्ण रूप से बिल्लो है), रिजिस्ट्रोहर्ता अधिकार के प्रायलिय, अर्जन रेज-5, नई दिल्ला भारतीय आयक्तर अधिनियम 1961 के अर्थन दिनाक फरवरी 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वामा गया प्रतिफल निम्निलिखन उद्देश्य से उक्त अतरण निम्निलिखन से वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है ---

- (क) जन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त जिमीनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के निए; जीर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना काहिए था, छिपाने में मृतिथा के निए,

(1) आर० पी० अप्तर्टमेट प्रा० लि० अदिनाथ श्रा हाउस अपी० सुरर बाजार कनाट सर्कस नई दिल्ला ।

(अन्तरक्ष)

(2) श्रा हरेण्वर दयाल निवस्मा----मध्यतः (करनाल) हरियाणा (अन्सरिता)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वाक्त सम्पत्ति के कार्यन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्विक्तियों में में किसी व्यक्तियां स्वारा.
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभाहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थध्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के बभ्माय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मम्सूची

प्रो० न० 309, 312 ग्रीट 316 जैना ग्रोन पार्क, (यूसफ सराय) नई दिल्ला, तादादा 205 वर्गफाट, 100 वर्गफोट,50 वर्गफीट ।

> जा० एस० गोपाल सक्षमप्राधिकारी सहायक आसक्तर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज 3 दिल्ली, नई दिल्ली

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के पधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधात ;—

दिनाक 24-9-84

माहर:

प्र**रू**प आहुँ.टी.एन.एस. -----

भायबार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा ০০৪ ধ (1) के बधीन सभना

### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज~3, नई दिल्ला नई दिल्लाे, दिनांक 24 सितम्बर 1984

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें एम्झे पम्बाह् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है) की धारा 269 ख के अधीन स्थाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार भूल्य 25.000 कि स्थावर से अधिक हैं

श्रोर जिसके. स० 101, ग्रान पार्क यूसफ सराय, नई दिल्लं। में स्थित है (ग्रीर इसने उपायब अनुसूच में पूर्ण रूप में पाणित है), रिजस्ट्राइन्ती अधिकार्यः के फार्यालय, अर्जन रेज-3, नई दिल्ला भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1961 के अधान. दिनांक फरवरें, 1984

को पर्वोक्त सम्पत्ति से उषित बाजार मून्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके ब्रथमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिन्निकिशन उद्देश्य से अवन अन्तरण किंग्नित में

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व भं कमी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों बारे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के धयोजनार्थ अन्सरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अना धाना साहिए था, खिवाने में मुब्धि के किया

( । ) र ्या । अार्य मेंट प्रा० लिं० आदिनाथ श्रास्तात्रस, अपोजिट सुपर बाजार, कनाट सर्कस नई दिल्ला ।

(अन्तरक)

(2) श्रो मुकेश जैन सुपुत्र श्रो एस० सी० जैन, 608, सेक्टर-5, आर० के० पुरम, नई दिल्लो।

(अन्तरितो)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप .--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीह में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियां कर दिनारा
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

### बन्स्की

101, पहलो मंजिल, ग्रोन पार्क, यूसफ सराय, नई विल्ली, तावादी 220 वर्गगंज ।

> जी० एस० गोपाला सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 24-9-1984

प्ररूप आर्द्ध, की. एत. एस - ---

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्लो
नई दिल्लो, दिनांक 24 सिनम्बर 1984

निवेश सं० आई०ए०मी०/एक्यू०/3/37ईई/2-84/379---अनः मझे, जी० एस० गीनाला,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहच्छे 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं 108, है तथा जो ग्रीन पार्क, यूसफ सराय, नई दिल्लो में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीफर्ती अधिकारों के कार्यालय, अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक फरवरी, 1984

को पूर्विकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृष्ट है और मुक्ते यह विश्वास फरने का कारण है कि सभापूर्विकत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे शृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुव किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दों के अस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य छारिनयों को, जिन्हों भारतीय आय-अर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर बीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृथिधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अभीत, निम्नितिसिन व्यक्तियों अर्थाट (1) आर० पीं० अपाटंमेट प्रा० कि० आदिनाथ श्री हाउस, अपोजिट सुपर बाजार कर्नांट सर्कस, नई दिल्ली ।

(अन्तरकः)

(2) मे॰ भण्डारी गुप्ता एडि एसीमिएट्स, जी-10, ग्रोन पार्क, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को <mark>यह सूचना जारी करके प</mark>ूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपा में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन भी अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखिन में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण:—हमर्मे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय २० क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

### बन्स्ची

प्रो० नं० 108 (पहली मंजिल) ग्रीन पार्क, यूसफ गर ।य नई दिल्मी, तादादी 205 वर्गफीट ।

> जी० एस० गोपाला सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक 24-9-84

प्रकप बार्ड, टी. एम्. एस.------

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्थालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्ष्ण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्लो, दिनाक 24 सितम्बर 1984

निदेण मं० आई० ए० मी०/एक्यू०/3/37ईई/2-84/380-अतः मुझे, जी० एस० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसका स० 203, है तथा जा ग्रोन पार्क, यूसफ सराय, नई दिल्ता में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूचा मे पूर्व रूप से विणत है), रजिस्ट्रीफर्ती अधिकारा के कार्यालय, अर्जनरें ज-3, नई दिल्लो भारताय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनाक फरवरी, 1984.

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिपाल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वाम करने का जारण है कि वधापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण जिलित में बास्तिक रूप से किया गया है दे—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त जिम्मित्यम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने यें सृविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी ६न या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक्षर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में मृतिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-च के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलीखत व्यक्तिला अर्थात्:— (1) आर० पी० अपार्टमेट प्रा० लि० आदिनाथ श्री हाउस, अपीजिट मुपर बाजार, कनाट सर्कस, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रोमती बिमला बता गुप्ता पत्नो श्री जे० एन० गुप्ता श्रीमती सन्तोष खन्ना पत्नी श्री बी० पा० खन्ना, निवासी—-जा-56, ग्रोन पार्क, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

की यह मुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविध जो भी अविध सद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सिकसी आक्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा ने धाहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए पा सकों ने।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही कर्य होगा को उन कथ्याय में फिला गवा ही।

### अनुसूची

प्रो० नं० 203, दूसरी मंजिल ग्रीन पार्क, (यूमफ सराय) नई दिल्ली नादादो 570 वर्ग फीट ।

> र्जाः० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

विनांक : 24-9-1984

मोहर

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 नई विल्ली

नई बिल्ली, दिनांक 24 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०३/37ईई/2-84/377--

अप्तः मुझे जी० एस० गोपाला

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुट से अधिक है

और जिसकी संख्या 201 है तथा जी प्रीन पार्क, यूसफ सराय, नई दिल्लो में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूर्वा में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-3 नई दिल्लो में भारतीय आयक्षर अधिनियम 1961 के अर्धान तारीख फरवरी 1984

को पूर्वितित सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अम्पितिगों) के नीच एस झन्तरण के विष तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित नंश्या से उक्त झम्बरण लिखित में वास्त-विक कप स कविन करों किए गया है ---

- (क) प्रश्तरण से दूर्व किसी धाय की बश्यत छक्त अधि-नियम के लंबीन कर देने के प्रश्तरण के वार्वित्य में कमी करने या क्ससे नवलें में सुविज्ञा के किए। कीर/धा
- (वा) एरेसी किसी बाय या किसी थन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जनहिए था, छिपारे में स्विथा के निए;

(1) श्री आर० पी० अपार्टमेट प्रा० लि० आदिनाथ श्री हाउस, अपोजिट सुपर बाजार, कनाट सर्कस, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री अणोक अग्रवाल सुपुत श्री ओ०पी० अग्रवाल, बी-7/107, एक्स० सफदरजंग इनकलेव, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना धारी करके पृवांकत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्सि के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में मुमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### नन्त्वी

प्रो॰ नं॰ 201, दूसरी मंजिल, ग्रीन पार्क, यूसफ सराय, नई दिल्ली, तादावी 220 वर्ग फीट

> जी० एस० गोपाला सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रेंज-3. नई दिल्ली

जतः सभ, उसत सिंपिनयम की भारा 269-ग के जनुसरण में, में, उसत सिंपिनयम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के जधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख: 24-9-84

मोहर.

# ब्रह्म कार्<u>ड</u>ा स्ट्री<sub>स</sub> स्व... एस .-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

### नारत वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज -3, मई दिल्ली: नई दिल्लो, दिनांक 24 सितम्बर, 1984 निर्देश सं० आई० ए० सी:०/एक्यू०/3/37ईई/2--84/335---अत: मुझे जी० एस० गोपाला

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पर्वात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 279 है, तथा जी टैगोर पार्क, नई दित्ली में स्थित है (और इससे उपावह अनुसूची में और पूर्व रूप से वर्णित है), रिजर्म्झ कर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961, के अर्धान तारीख फरवरी 84

को पूर्वेकित संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विषयास करने का कारण है वि यथापूर्वाक्त मंपत्ति का उचित बाजार मृत्या, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निर्मालिखत उद्यास्य स उद्या अन्तरण लिखित में वास्तरिक कम्प स कथित नहीं किया एया है —

- (का) जनतरण से हुई किसी आय की बावस, स्वथ्य विधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने या उसमें दवने में मित्रधा के निष्; बार/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी गर्न या बस्य आस्तियों की, बिन्हों भारतीय नायकार अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उनत अधिनियम, या अनकार अधिनियम, 1957 (1957 की 27) की प्रयोजनाथ नस्तिरती ख्वारा प्रकट गही किया गया का वा किया बाना चाहिए था, किया में मूजिया के लिए

जस जब, उक्त अधिनियम की वाश १६७-ग के अनसक्त में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ उपधारा (1) के अधीन, निस्तितिखस व्यक्तियों, अर्थास :--- (1) श्र<sup>े</sup> एस० आर० विश्वनोई सुपुत श्रें जेंग्० आर० विश्वनोई निवासी 322 वंग्० डींग्लए० (प्लैंट्स एस० एफ० एस०) होज खास, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमर्तः विमला अनेजा, निवासी सी:-11/27-28 मलभागज, दिल्ली

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी कारके पृता क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए फार्यजाहियां कारता हु।

डवत सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जनिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चान की तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्टिक्त व्यक्तियों में से किली व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर सम्पत्ति में हित सद्य किसी अन्य व्यक्ति हारा, वधांश्रम्ताक्षरी के पास निवित याँ किए जा सकाये।

स्पन्धीक रणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

### **मन्**स्ची

प्रो० नं० 279, टैंगोर पार्क, बंगाली हिन्दू को-आपरेटिय हाउसिंग सोमायटी लि० दिल्ली, तादादी 220 वर्गगज

> जी० एस० गोपाला सक्षम अधिकारी सहायक आयकर अध्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिस्ली

नारीख : 24--9--84 मो**हर :**  प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंग -3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांग 24 सितम्बर, 1984 निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु० 3/37ईई/2-84/381 --यत: मुझे, जी०एस० गोपाला

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी मंख्या 210, है तथा जो मिलन सिनेमा कमसियल कमप्लैक्स, विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्व रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के सार्यालय अर्जन रेंज-3/नई विल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख फण्यरी 1984

को प्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्र्यमान प्रतिफल का पन्न्नह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण सं हुइ किसी जाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशःजनार्थ अंतरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गयः भा या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुविधा के तिए;

नत. नन, उन्त निमित्यम की भारा 269-ए के अनुसरक मों, मों, उन्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसाँ, अर्थात्:— (1) मैं ० शिव लोक प्रोपर्टीज आदिनाथ श्राहाउस, अपो० सुपर बाजार कर्नाट सर्कस, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कुवरैनी आनन्द पत्नी कर० के० गुमान सिह, निवासी मन्तोश कुटीर रामबुल रोड, अजमेर

(अन्तरियो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो शकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बस्यी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मो समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों मो से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्पाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक में 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरण :--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमें. के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वनसर्वा

प्रो॰ तं॰ 210, तादादीं 500 वर्ग फीट, ए/2, मिलन सिनेमा कर्माशयल कमप्लेक्स, विल्ली

> जो० एस० गोपाला सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज−३, नई दिल्ली

नारोख: 24-9-84

प्ररूप बार्ष: दी. एन. एस. - - - ----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन मुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 24 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई० ए० मी०/एक्यु०/3/37ईई/2-84/334--अनः मुझे जी० एस० गोपाला

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके ज्ञान (जिसे जिसे वाकि का मिले का की आरा 260 ज के अधीन सक्षम पाधिकारी जो, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 र्-रा स अधिक है

और जिसकी संख्या की/6-7, भाग-1 है तथा जो भाषापुरी, नई दिल्ली में स्थित है। (और इससे उपावक अनुवर्ग में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली भारतीय आयक्य अधिनियम 1961 के अधीन तारीख फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति से उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विक्ता करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्व्यमान प्रतिकल से एसे स्वयमान प्रतिकल का पन्सत प्रतिकल का पन्सत प्रतिकत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण से लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आप की वाबता, उस्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में अभी करते या असमें सधने मा समिशा को लिए और/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन वा अन्य आस्तिवाँ को, जिन्हों भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उदन अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में म्विधा के नियः:

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुगरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निक्निनिष्ण काविनयों, अर्थान । (1) श्री गुरबधन सिंह मार्फेक मै० गोल्डेन इंजीनियरिंग वर्कस 99/5, मालबीय नगर, नई विल्ली ।

(अन्सरक)

2) श्री मधन लाल कुमार सुपुत्र श्री दिसामल कुमार और श्रीमती राने कुमार पत्नी श्री मदन लाल कुमार, निवामी 65/48 न्यू रोहतक रोड, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी अतक्षेप ----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान्य की लामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर नम्पत्ति में हिल् बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरण — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय भी विका वका हैं।

# अनु सूची

प्रो॰ नं॰ बी/6-7, भाग-1, माया पुरी, नई दिल्ली-64, तादाबी 296 वर्गगज

जी० एस० गोपाला सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली।

तारीख: 24--9--84

प्ररूप आईं. टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 24 सितम्बर 1984

निर्देश सं अर्धि ए० सी ०/एक्यू/3/37ईई/1-84/336 ---अत: मझे जि० एस० गोपाला,

आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मन्या 26/5 है तथा जो सम्प्रगढ रोड, नई दिल्ली में स्थित है और इससे उपाबद अनुसूर्वी में पूर्ण रूप से विज्ति है), रिकस्ट्रीमत्ती अधिदारी वे कार्यालय अर्जन रेप 3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है है से मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणिस बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रविश्वा के अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक एप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयफर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया भी जाना पाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) नेशतल केमि इल इन्डस्ट्री व लि०26-न नफगढ रोड नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) टिनको इन्डस्ट्रोज,
 ए-92/5, नरायणा दन्डस्ट्रोज एरिया,
 नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी वरके पूर्वेक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

जनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उदन स्थादर सम्पत्ति में हितबद्ध सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और ण्दों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, ब्रही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

# मनुसूची

प्रो०नं० 26/6 नजफगढ़ रोट, नई दिल्ली तादादी 134.27 वर्गगज

> जी० एस० गोपाला सक्षम अधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज 3, नई विल्ली

अतः अब, उक्त अधिनिगम की धारा 269 म्ब के अर्गरण में, में, उक्त अधिनिगम की भारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

तार्ज ख : 24-9~84

प्रस्य माई. दी. एत. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-व (1) के सभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक सायकार नामुक्त (किरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, नई विस्ली

नई विल्ली, दिनांक 24 सितम्बर, 1984

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिस्तास करने का कारण है कि स्थाव सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- ए. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या 105, है तथा जो ग्रीन पार्क, यूसफ सराय, नई विल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्व रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रर्जन रेंज-3, नई विल्ली में भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 के ग्रधीन नारीख फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विवनास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मृत्य पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतौरती (अंतरितियों) के बीच एतं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण स हुई किसी जाय की बावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर कोट के जल्टरक के दासित्य में कभी करने या उस्से बचने में सुविधा के लिये; बौर/वा
- (क) एंडी किसी जान का किसी धन कम्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ज्यारा प्रकट नहीं किया स्था भाषा किया जाना चाहिए था क्रियामें में स्विधा के विष्

जतः जन, उक्त निभिनियम, की भारा 269-ग के जन्सरक में, में, उक्त निभिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्निचित स्पिन्तमों, निभिन्न . 13—306 GI/84 (1) श्रार०पीं श्रपार्टमेंट प्रा० लि० मादिनाय श्री हाउग, ग्रपो० सुपर वाजार, कनाट सर्कस, नई दिल्ली

(मन्तरक)

(2) मैं ॰ जनजीखल बी ॰ एल ॰ (बी ॰ एल ॰ मरोड़ा) कर्ता 2/7 मंहारी रोड, दिल्ली

(अन्तरित )

को पह मुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारला हुं।

उनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ;---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त सब्यों और पवां का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया ही।

### नगत्त्रपी

प्रो॰ नं॰ 105, पहली मंजिल, ग्रीन पार्क, (यूसफ सगय) नई दिल्ली तावादी 220 वर्ग फीट

> जी० एस० गोपाला सक्षम श्रविकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज-3, नई दिल्ली

सा**रीय**: 24-9-84

# प्रक्य नाह .टी. एने .एस . -----

बावकर निधानियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सूचना

### भारत सरकार

कार्याक्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-3,नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 24 सितम्बर 1984

नायकर निर्मित्यम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात 'उक्तं विभिनियम्' कहा गया हैं), की भाष 269-च के नभीन संभाग प्राधिकारी को यह निश्नास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मून्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या 106 (एफ एफ) है तथा जो भीन पार्क, युसफ सराय, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप मे विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली भारतीय श्राम कर श्रधिनियम 1961 के अधीन तारीख फरनरी 1984

को पृथा के स्थापित के उचित बांबार मूंस्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि संभापवांकत संपत्ति का उचित बांबार मूस्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एक दृष्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (जन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिबित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिबित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अम्बर्ग ने हेंच्ये कियी नान की नागत, क्यत अधिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के वादित्व में कंमी करने वा उन्नचे नुमने में सुविधा के निष्, मोर/या
- (थ) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयु-कर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा अहें निष्,

नत नियम की भारा 269-ग के नित्सरण की, मी, अनत नियम की भारा 269-च की उपभारा (1) की नियम नियम अधिक अधिक मी, नियमित अधिक स्थान, नियमित स्थानित अधिक स्थानित स्थान

(1) श्रार० पी० प्रपार्टमेंट श्रादिनाथ श्री हाउस, श्रपो० सुपर बाजार, कनाट सर्कस, नई दिल्ली ।

(भ्रन्सरक)

(2) श्रीएस० के० बजाज सुपुत्र श्रीहंस राज बजाज, निवासी बी-3/7ए, माडल टाउन, दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) देस संचना के राष्पत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जिसीस या तत्सीचंधी व्यक्तियों पर स्चना की तासील से 30 दिन की असिंध, जा भी विश्व में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त स्वित्यों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन को तारीस 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी को पास निवित में किए वा सकींगे।

राष्ट्रीकरणः — इसमें प्रयुक्त कृष्ट्रों और पदो का, था उक्त कृष्ट्रिनियम, के जध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया बना है।

# वन्स्वी

प्रो० नं**० 1**06, पहली मंजिल, ग्रीन पार्क, (सफ यूसराय) नई दिल्ली, तादादी 220 वर्गफुट

जी० एस० गोपाला सक्षम द्राधिकारी ् सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज≁3, नई दिल्ली

तारी**ख :** 24-9-84 मोहर : प्ररूप आई .टी. इन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

#### भारत संस्कार

कार्यालय , महाग्रक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, न**ई दिल्ली** नई दिल्ली, विनांक 24 सितम्बर 1984 निर्दोण सं**० ग्राई० ए० सी०/ए**क्यू०/3/37ईई/2∸84/361— ग्रतः मुझे, जी० एस० गोपाला,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. में अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या 205 है तथा जो ग्रीन पार्क, यूसफ सराय, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-3 नई दिल्ली भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 के ग्रधीन तारीख फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के हर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके हर्यमान प्रतिफल में एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरिक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप में कथित नहीं कया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वर्षने में सूविधा दायित्व के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री झार०पी० भ्रपार्टमेंट प्रा० लि० प्रािष नाथ श्री हाउस, ग्रपी० सुपर बाजार, कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कवीता सोनी पत्नी श्री डी०पी० सोनी, निवासी 37, हनुमान रोड, . नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख स 45 विन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नन्स्वी

प्रो० न० 205, दूसरी मंजिल, ग्रीन पार्क, (युसक सराय) नई दिल्ली, तादादी 240 वर्गफुट ।

जी० एस० गोपाला सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज-3, नई दिल्ली

नारी**ख** : 24~9-84

प्ररूप बाहुँ, टी एन, एस -----

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा १६५ थ (1) के अधीन नचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनां क 24 मिनम्बर, 1984 निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/2-84/338 ---ग्रतः मुझे, जी० एस० गोपाला

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रास्त से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या 26/5 है तथा जो नजफगढ रोड, नई विल्ली में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप में विज्ञत है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम 1961 के श्रधीन तारीख फरवरी

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूक्षा से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का अगरण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से ऐसे क्रयमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको ) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वच्च से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तियज कप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबता, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे सचने में सुविभा के लिए; और/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनअर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

सत तक, तकत अधिनियम की धाण 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धाण 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिकित व्यक्तियों. अधीत :--- (1) नेशनल केमिकल इंग्डस्ट्रीज लि० 26-नजफ गढ़ रोड, नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमनी यिमल कथूरिया पश्नी श्री भेद कथूरिया, निवासी-ई/86, किनी नगर, नई दिल्ली

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अञ्चन के सबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीं से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विया जबा है ।

# वन्स्यी

प्रो० नं० 26/5 नजफ गढ़ रोड, नई दिल्ली, तादादी 97. 89 वर्गगज नई दिल्ला

> जी० एस० गोपाला सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्राथकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 24-9-84

मोहर 🛭

### प्रकल हार्ड , ती , एव , एव , \*\*\*\*\*

नायकर नियम, 1961 (1961 का 43) का धारा 269-म (1) के नभीन सुमना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) स्रर्जन रेंज-3, नई विल्ली

नई दिल्ली, विनांक 24 सितम्बर, 1984

निर्देश सं० श्राई० ए० सी॰/एक्यू०3/37ईई/2-84/342— श्रतः मुझे जी॰ एस० गोपाला

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या 728, है तथा जो जनकपुरी नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 के श्रधीन तारीख फरवरी 1984

का पृताक्त सम्परित के उचित बाजार मृख्य से कम क दरमान प्रतिकल के लिए जन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूबाँक्त संपर्तित का उचित बाजार मृत्य, उसके दरमान प्रतिकल से, एंसे दरमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एंसे अन्तरण के सिए तय पामा गया प्रति-दम निम्नीलिकत उद्वाद्य में उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तविक कप से किथत नहीं किया गया है --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जिस्सी धन या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर विविचन, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्यारा प्रकट नहीं किया नवा था था किया गना धाहिए आ, कियान अस्विधा के लिए;

(1) श्रीमती कृष्णा कत्याल पत्नी श्रीवीं०गी० कत्यान, निवासी-ए-7, श्रार०पी० बाग, दिल्ली-7

(अन्तरक)

(2) जैना प्रोपर्टीज प्रा० लि० श्रादिनाथ श्री हाउस, ग्रमी० सुपर बाजार कनाट सर्कस, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

का यह स्वाना जारी करके पृत्रा क्ता सम्प्रित के वर्जन के शिष् कार्यवाष्ट्रियां करता हुं।

# उनत सम्मृतित के वर्षन के सम्बन्ध में खोड़ें भी बाखेनू:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा को 45 दिन की जबधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की शवधि, जो भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में किसी व्यक्ति वृष्ठारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीय से 4 में नित के भार्त उक्त स्थावर सम्पादित में हितवधूष् किसी अन्य अयिकत स्वारा नथोहस्ताक्षरी के पास सिकित में फिए जा ककोंगे।

स्युक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, वा अवस् अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाष्ट्रि हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्त् ची

फ्लैट नं ० 720, प्लाट नं ० 3, **जनकपुरी, नई दिल्ली तादादी** 330 वर्गफ्ट

> जी ० एस० गोपाला मक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-3, नई दिल्ली

कतः जन, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के अनुसूरण मा, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के जभीन निम्मितिक व्यक्तियों जर्भात् क्र-

तारीख 24-9-84 मोहर: प्ररूप भाईं. टी ऐनं एस -----

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की ' धारा 269(घ) (1) के अधीन सचना

#### भारत प्रकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयृक्त (निरक्षिण) ग्रजंन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाकः 24 सितम्बर 1984 निर्देश सं० ग्राई० ए० सी॰/एक्यू०/3/37ईई/284/339---ग्रतः सुन्ने, जी०एस० गोपाला ,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधिन सक्ष्म प्राधिकार। को यह विक्वाम करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसाहा उचित बाजार मृज्य 25 (00) । से अधिक है

स्रोर जिसकी संख्या स्पेस नं० 2, है तथा जो जी 1-कौशस्या पार्क, होज खास, नई दिल्ली. मे स्थित है (स्रोर इससे उपायद्ध स्रनुसूची मे पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिन्द्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय सर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय स्रायकर स्रिधनियम 1961 के स्रिधन तारीख फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल नी, एमें रूप्यमान प्रतिफल नी पन्त्रह प्रतिषति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीचं एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथिल नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियंत्र के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्य में कमी करने मा उससे मचने में भृतिभा के लिए, और/मा
- (क) एसे किसी नाम या किसी भन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती विभाग प्रवट सही किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा क लिए।

बत धव उपत अधिनियम की धार 269-म के बन्सरण म, मै, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निस्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) श्री डीं० ग्रार० गुप्ता निवासी – 155, पनशीना पार्क, नई दिल्ली – 17

(म्रन्तरक)

(2) श्री ए०पी० सेहराल, निवासी 204, श्रकाण दीप विल्डिंग बाराखम्बा रोड, नई विल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परिस के अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भारतेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में त्रकाशन की दारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तयों पर सूचना को सामील से 30 विन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्योक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितब्र्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा गर्कोंगे।

स्पष्टीबरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दा और वंदो का, जां उक्त अभिनियस के अध्याध 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या ग्या है।

### अन् सूची

स्पेस नं ० २, तादादी २११. ७५ वर्कफिट, 1→कीशल्या पार्क, हौज खास, नई विल्ली

> जी० एस० गोपाला सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-3, नई विल्ली

तारीख: 24-9-84

मोहर 🏻

प्ररूप माइ. टी. ध्नं. एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन तुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आसकर अध्युक्त (निरीक्षण)
धर्जन रेंज-3, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनाक 24 सितम्बर, 1984

निर्धण सं० आई० ए० मी॰/एक्यू०/3/37ईई/234/386— শ্বন: মুদ্ধ জী০ एस० गोपाला

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उच्चित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिकं है

ग्रीर जिसकी संख्या की-3/411, है तथा जो पश्चिम विहार, नई दिल्सी, में स्थित है (भ्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्व रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय ग्रर्जन रेज 3, नई दिल्सी में भारतीय श्रायकर ग्रिधिनयम 1961 के ग्रिधीन नारीख फरवरी 1984

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसं दश्यमान प्रतिफल ता पर्द्रह प्रतिशत सा अधिक हे और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरिति यो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त बन्तरण लिखित मे वास्तिवक स्पार्थ कथित नहीं किया गया है:---

- (बा) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उअस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुनिधा के लिए; बार्ट/या
- (क) ऐसे किसी जाय या किसी धम या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, अपन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए:

खतः भव, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग की, जन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकिक व्यक्तियों, अधीत उ

(1) श्रीमती सुशील कौर श्रीर एस० गुरबचन सिह निवासी-एल-102, कीर्ति नगर, नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जोगिन्दर सिंह नश्ला, निवासी 27-सी, जानुदिन, मिस्त्री लेन चेत्ला, कलकत्ता-27

(ग्रन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उत्कत सर्पात क अर्जन के सबंध भे कोई भी आक्षेप .--

- (स) इस सूचना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया सत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्मिक्त ख्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी। अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ द्वोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मनुसूची

प्रो० नं० थी-3/411, पश्चिम बिहार, नई दिल्ली, तादादी 100 वर्ग गज

> जी० एस० गोपाला सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-3, नई दिल्ली

ना**रीख** : 24—9—84

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस्. -----

भाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 ह (1) के अधीन सुखना

### भारत सरकार

भायां नय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्रीक्षण)
प्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 24 सितम्बर 1984

निर्वेश सं० श्राई० ए० सी॰/एक्यू०/3/37ईई/2-84/376— श्रतः मुझे,जी॰ एस० गोपाला,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाप संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- 5. सं स्थिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या 107 है तथा जो ग्रीन पार्क, युसफ सराय, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यात्रय अर्जन रेंज~3, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रधिनियम—1961 के श्रधीन तारीख फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नितियों) विश्व विषय से उक्त अन्तरण मिषित में वास्तविक क्य सं कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय को बाबत उनत अधि नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय वा किसी धन या जन्य जास्तियों कां, जिन्हों भारतिय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रवोचनार्थ जन्तिहिती व्यार प्रकट वहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के जिए:

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीन,

(1) श्री श्रार०पी० भ्रपार्टमेंट प्रा० लि० धादिनाथ श्री हाउस, श्रपो० सुमर बाजार, कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(मन्तरक)

(2) भन्धारी गुप्ता एण्ड एसोसिएटस जी-10, ग्रीन पार्क, एयसटेंगन, नई विस्ली ।

(श्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उनत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाश्रंप:---

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीज से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सुजना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-विदेश किसी अन्य व्यक्ति वृकार अधोहस्ताकारी के पास निकास में किए जा सकती।

स्पद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

## अनुसूची

प्रो॰ नं॰ 107 (एफ॰ एफ॰) जैना ग्रीन पार्क, युसफ सराय; नई दिल्ली, तादावी 260 वर्ग फुट।

> जी० एस० गोपासा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारी**ख** : 2**4**—9—84

प्रस्य बाइं.टी.एन.एए

नायकर आंधनियम, 1961 (1961 का 43) का कारा 269-च (1) के बधीन स्वभा

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 24 सितम्बर, 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/2-84/340— ग्रत: मुझे, जी० एस० गोपाला

बायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या 384 है तथा जो 6-भीमका जी कामा प्लेस, नई दिल्ली मे स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुमूची में ओर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर ग्रधिनियम 1961 के ग्रधीन तारीख फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की 18 ही अंग मूक्त हि विश्वास करने का कारण ही कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल स, एस स्वयमान प्रतिफल स पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही जोर अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया, के बीद एसे बन्तरिण के न्त्रण तेच स्था गदा प्रतिक फल निस्नार किया ही किया गया ही ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी अस की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (अ) एरी फिसी आर्थ या किसी धन या अन्य अपिस्टिये हो, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनने अधिनियम, या प्रवेदन अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे पर्याचनार्थ बन्नियती इद्यारा प्रस्ट नहीं जिल्ला प्रवेप या किया जाना बाहिए था, क्रिणाने के सविधा के लिए;

अत. अ.ब., उक्त विधिनियम का धारा 269-ग के वनुसरण में,, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-ण की उपभारा (1) हे - के किस्पीरिका योजिया उध्यास (1) श्री कंवलजीत सिंह, मार्फत श्री एन० एस० सेठी, निवासी--पोस्ट बोक्स नं० 4692, सफत (कुवै**त**)

(अन्तरक)

(2) मैं ० निरन कर्माशयल कं ० लि ० 3-फैंड्स कालोनी, नई दिल्ली (वेस्ट)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

डक्ट सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नार्व में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाला हो, के भीता पूर्वाकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूर्वना के, राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त न्थायर सस्पत्ति में हिल बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षण के पास निष्ठित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत बीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जे उस अध्याय मा इया विश्वाहीं।

### बन्स्या

प्रो० नं० 304, तादादी 551 वर्गफीट, 6-भीकाजी कामा प्लेस, मई दिल्ली।

जी॰ एस॰ गोपाला सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-3, नई दिल्ली

तारीख: 24-9-84

मोदर :

14-306GI|84

प्ररूप आर्द्दा. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यात्तय, सहायक भाषकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 24 सितम्बर, 1984

निदेश मं अहि प्रमी० एक्य ०-3/37ईई/2-84-341--यम: मुझे, जीर एस अोपाला,

आग्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पब्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,900/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या 302/6, है तथा जो भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्व रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज— 3, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर अधिनियम 1961 के अधीन नारीख फरवरी 1984

को पूर्वेक्ति स्माति के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्यमान प्रतिगत को लिए अन्तरित की गर्ड है और मदो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) अपूर् अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निप्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाग्नीय आयकर अधिनियभ, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियभ, या धनकर अधिनियभ, या धनकर अधिनियभ, 1957 (1957 का 27) प्रगोजनार्थ अंतिगती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री हरमिन्दर गिह सेठी, मार्फत श्री एन० एस० सेठी, पास्ट बोक्स नं० 4692, सफत (कुवैत) (श्रस्तरक)

(2) मैं ॰ इन्डकवीप लीसिंग एण्ड फाइनान्स लि ॰ उ-फ़ेड्स कालोनी (वेस्ट) नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशना की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त घट्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>न</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मनसर्ची

प्रो०नं० 302, तादादी 859 वर्ग फीट, 6 भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली

> जीं० एस० गोपाला सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-3, नई दिल्लो

तारीख: 24-9-84

महिर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस 🔑 ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-व (1) के अधीन सृचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 24 सितम्बर, 1984

निर्देश मं० म्राई० ए० सी०/एक्यु०/3/37ईई/2-84/343— म्रातः मुझे जी० एस० गोपाला

आसकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गणा हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

म्रीर जिसकी संख्या 308/6 है तथा जो णाहजादा बाग, भ्रोल्ड रोहतक रोड, नई दिल्ली, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे पूर्व का मे व्याणत है), रिजिस्ट्रीकर्जा श्रिधकारी के कार्यालय भ्रजन रेज 3, नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर ग्रिधनियम 1961 के अधीन तारीख फरवरी, 1984

को पूर्वांक्त सम्परित के उचित बाजार मूक्तय से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वांक्त संपरित का उचित बाजार मून्य, असके स्वयमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निचित उच्चंध्य से उच्च बन्तरण निचित में बास्तियक कपू से कथित नहीं किया गया है दिन्त

- (कः) अन्तरण स हुद्रं किसी जाय की वायत, उसल अभिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या बस्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपल अधिनियम, या अन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविभा के लिए।

अत: अव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उपत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिसत व्यक्तियों, अर्थात् म्र— (1) श्रीमती शीला देवीं, निवासी ती० 23, डी० इ० एम० यू० कालोनी, जी० टी० रोड, दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राम लाल चावला निवासी 17/14, शक्ति नगर, दिल्ली

(ग्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सपरित क अगा कं लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी ज्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हिनबद्ध किसी जन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पच्छीकरणः ---- इसमें प्रयूक्त शाम्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

# **मन्**स्चीं

प्रो० नं० 308/6 शाहजादा बाग, श्रोल्ड रोहतक रोड, नई दिल्ली तादादी 68.5 वर्गगज

> जी० एस० गोताला सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख: 24-9-84

प्ररूप बार्ड .टी.एत.एस. -----

मायसःर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 26) प (1) के अधीन सुचना

### भारत शरकार

श्राविषय, स्हायक अध्यक्षण आयुष्य (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई विल्लो नई विल्ली, दिनांक 24 सितस्बर 1984

निदेश सं० ग्रांई-3/37-ईई/2-84/349--- ग्रत: मुझे, जी० एस० गोपाला,

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इससें अगरू पण्चात 'उकत अधिनियमं कहा गया है), की धारा '69-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को ग्रह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार भूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 306, है तथा जो, 11, मुमफ सराय, नई दिल्जी मे स्थित है (ग्रौर इसभे उपाबद्ध श्रमुसूची में पूर्ण रा से वर्णित है) रजिप्द्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, ग्रर्जन रेज-3, नई दिल्पा भारतीय प्रायकर प्रधिनियम ग्रधोन तारीखा 1961 फरवरी. 1984. को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुला से कम के दृश्यमान र्योक्षण के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करन कर हरण वैकि एआपूर्वीका संपरित का उचित याजार मुख्य सक रहस्यान प्रतिफल से, गुंसे इहसमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधिक है और अन्तरक (अन्तरका) मौर अन्तरिती कार्यालका है सर्च एस अन्तरक का लिए त्य एका गया प्रतिफल, । नम्नलिशित उद्देश्य से उक्त मन्तरण सिवित 🖈 गस्तियक रूप से कथित नहीं किया गवा 🗗 :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी जान की नावत, अक ा अभी करने गा उससे प्रचाने में मुख्यित के लिए, ो 12 ( के प्रधीत कर दाने के साजदात के लाजिल बीर/या
- (ख) एसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922

  (क) अधिकार की किसी आय कर अधिनियम, 1922

  (क) अधिकार किसी किसी किसी किसी किसी किसी अधिकार किसी की मुस्लिधा के लिए.

भतः अकः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) आर० पी० अपार्टमेन्ट प्रा० लि०। आदिनाथ श्री हाउस, ग्रपो० सुपर बाजार, कर्नोट सर्कस दई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रामता मधू गेरा, पत्ना श्री सुरिन्वर गेरा, नियामी सी-36, डिफींस कालोनी नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजेन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्तिः के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्ष्य .--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना कि तामील से 30 दिन की अवधि, सो भी अवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पर्वेक्ति व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास

स्पष्टिकाण --इसमा प्रयुक्त शक्दों और पदो का, प्रा उक्स अधिनियम, को अध्याय 20-क माँ परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मी जिया गमा कैं।

# अनुसूची

प्रो॰ 309/11 युमफ सराय, तीमरी मंजिल, नई दिल्लो तादादो 240 वर्गफीट ।

> जी० एस० गौपाला सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) भ्रजन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनास 24-9-1984

तक्य शृह्यं. टी. एन . एक ------

अविकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्**म**ना

#### भारत सरकार

क्रार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नर्ड दिल्ली, दिनां ४ 24 मिनम्बर 1984

रिर्देश नं अर्ह ए ए सी श्रीमान्य ०/3/37ईई/2-84/35/3--- अत: मझे विश्वस्थ गोराचा,

श्रायकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह धिष्त्राम करने का स्वारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- कि. से अधिक हैं

जीर िस ही परिवा 302 से 304, 308 है तथा जो गीन पार्क, युसफ सराग, नई (हरूनी के स्थल है (ऑर इयसे उपावक अनुसूची में पूर्ण स्पा के जींगा है), राज्यिकी, जी राधिकारी के रार्यालय, अर्जन रेंज-3, गई जाना भारताच नागाल अधिनियम 1961 के अधीन तारीख फणवरी 1984

भा गवां भी सम्पत्ति के उत्तित वाजार मृत्य से कम के स्वयमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गर्ध है और मृत्रे यह विद्वास अरन का कारण हां कि यभापृशींकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, स्मर्थ देवसमान प्रतिफल स गोम स्वयमान प्रतिफल का अन्तरह प्रतिभित्त से अधिक ही शेर अंतरक (अंतरका) जीर अंतरिती (अंतरितियों) के मीच गोम अस्मरण के लिए तम पामा गमा प्रतिक का निजनिनिश्चित स्वयूक्तिय में उच्या अंतरक कियान में मास्तीयक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अभ्यारण सं हुन्द्र किसी नाम को बाबत राजद किथा। नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी कारने या असम नवन में अधिना के देशप् और/या
- (१) श्री किसी बाय या जिस्सी धन सा अन्य बान्तिनों की, जिन्ही भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उभरा अधिनियम, सा धन- कार अधिनियम, सा धन- कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोखनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था सा किया जार साहिए था, कियाने में सुविधा के सिद्धः

अतः त्रबं, उक्त अधिनियम की धारा 26% ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 में की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री आर०पी० अपार्टमेंट प्रा० लि० प्रतिक्षनाथ श्री हाउस, अपो० सुपर बाजार, जनांट सकस, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मीनापूर निवासी मधुबन जिला करनाल (हरियाणा) (अन्तरिती)

को यह सूचना आरों करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए अर्थकाहिया शुरू करता हुं ।

## उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्याग अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त कधिनियम के बध्याम 20-क में परिभाषित ही, हही कर्म होगा जो उस अध्यास कें विका समा है।

## अनूसूची

प्रो० न० 302, 303, 304 और 308, तीसरी मंजिल ग्रीन पार्क, युगफ भराय, नई दिल्ली, तादादी 22, 235, 235, और 285 वर्गफीट

> जी० एस गोपाला सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 24-9-84

परूप बाड़ी, टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज 3, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनोंक 24 सितम्बर 1984

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/384/351— स्रतः मुझे जी० एस० गोपाला,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. सं अधिक है

और जिसकी नं० 305 है, तथा जो ग्रीन पार्क, युसुफ सराय, पर्ध दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध जनूसूची में और पूर्गक्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3 नई दिल्लो भारतीय आवकर अधिनियम, वः अधीन. तारीख फरवरी-84. को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से एसे इत्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के बायित्व मं कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत अध, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूरण भं, में, उन्नत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलीखत व्यक्तिसार्गे, अर्थात् :---

(1) आर० पी० आर्ग्डिमेन्ट प्रा० लि० आदिनाथ भी हाउल, अपो० मुपर बाजार, कनाट सर्कस, नई दिख्ली ।

(अन्तरकः)

(2) श्री राजीव अग्रवाल सुपुत्त श्री जे० एस० अग्रवाल, एस-178, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(अन्तिरिती)

को यक्ष सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या जत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरी।

स्पष्टिकरणः — इसमें अयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नमा है।

#### नग्स्की

जैना प्रो० नं० 305, ग्रीन गर्क युतुक सराय, नई दिल्ली, तावादी 255 वर्गफीट ।

(जी० एस० गोपाला) सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्ष आयक्स (निरीक्षण) धर्जन रेंज 3, नई दिल्ली

दिनां a . 24-9-84

मोहर ः

भाग Ш—खण्ड 1]

प्रसम् वाद". टी. एव. एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार। 269-भ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

नद्दी महली, दिनाय 24 सितम्बर 1984

निर्देश स० आई० ए० सी०/एक्यु०/3/37ईई/2--84/ 354---अन मझे, जी०एग गोपाल।

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आर्थ, कि प्रता अविता कि किया वाजार मृत्य 15 के007- के अधिक हैं

कोर जिसकी राग्या जी--4 और जी--5 है तथा जो 11 यसफ सराय, नई दिल्ली में स्थित हैं (आर इससे प्रावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप स्वर्णित हैं) प्रतिरही-तो शिष्यारी कार्यात्स अर्जन रेज-3, नई दिल्ली पार्तिए आगाएर अधिनयम, 1961 के अधीन तारीख फरवरी 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान पितफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वास से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियो के बीच ऐस अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निनिस्ति उद्देष्य से उक्त अंतरण लिसित में बास्टविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं ——

- (क) जन्तरण मं हुक् फिली जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के बायित्व में कमी करने या उसस वक्षने में सुविधा के लिए: और/शा
- (६६ एसी किसो आय या किसी धन या अन्य आसियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 11922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) प्राप्त की नियम, 1957 (1957 का 27) प्राप्त की नियम, प्राप्त की मुख्या या के किए:

अनः अब उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण में, मैं, उका अधिनियम की भाग 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्लिनिसत व्यक्तियों, अर्थात् .— (1) श्री आर० पी० अपार्टमेंट प्रा० लि० आदिनाथ श्री हाउस, अपा० सुपर बाजार, कनाट सर्कस नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) डा० ज"बीर सिंह मार्फत एच० एम० थाल, निवासी ए-1239, जनवपुरी, नई दिल्ली-58

(अन्तरिती)

की यह स्थान बारी करक पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्यकाहिया करता हुए।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस तं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा अकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदा का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय २()-क में प्रिमाधिक है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्रो० नं० जी०-4 और जी०-5, प्लाट नं०-11 युसफ सराय, नई दिल्ली, नादादी 470 वर्गफीट ।

> जी भारत गोपाला सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज -3, नई दिल्ली

नारील 24⊶9−1984 मोहर: प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज-3, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 24 सितम्बर 1984

निर्देश एं० आई० ए० मी०/एक्यु०/3/37 ईई/2-84/357 ---अतः मुझे, जी० एस० गोपाला,

अग्रिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्भित, जिसका उषित बाजार मृन्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 310, 317 है, तथा जो ग्रीन पार्क, नई हिल्ली, युमफ सराय, में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजिस्ट्री हर्ता अधिकारी के सार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली भारतीय आयार अधिनियम 1961 के अधीन तारीख फरवरी 84

को पूर्वावन सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंसरित की गई है और मुफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, ससके इश्यमान प्रतिफल से एमे दृश्यमान प्रतिफल का पल्ड़न प्रतिदात में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा वायित्व के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त आधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—- (1) श्री आप० पी० जपाटेमेंट प्रा०। ल० आदिनाथ हाउस, अपो० सुपर बाजार, यनाट सर्कस, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मीना सरवजीत मिह पत्नी श्री आप० पी० गपूर, निवासी ग्राम मञ्जूवत, अपनाल, हरियाणा

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचगा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-वव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधंहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुस्ची

प्रो० तठ० 310 और 317, तीलरी मजिल, ग्रीन पार्क, (युमफ मराय) नई दिल्ली तांदादी 260 और 40 तर्गफीट

> जी० एम० गोपाला सक्षम अधि गरी सहायन आगक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-3, नई दिस्ली

तारीख: 24--9-84

. प्ररूप आ**द**े.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/111/एस० आर०-111/2-84/493/सी---यत. मुझे-जी० एस० गोपाला,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् अधिनत्व अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या के-17, है तथा जो साउथ एक्सटेंशन भ ग-2 नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई हिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी 84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उच्चेश्य से उक्ष्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुईं किसी आय की धाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोदनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
15—306G184

(1) श्री गूरप्रीत सिंह सुपुत्र श्री तिरलोचन सिंह, नियामी 5/21 रूप नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुदर्णन शेहरावत पत्नी श्री आर० एस० शेहरावत, निवासी के-17, साउथ एक्सटेंशन, भाग-2, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंब में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों हो से किसी
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

दूसरी मंजिल के-17, एन० ठी० एस० ई० भाग--2, नई दिल्ली, एक ड्राइंग रूम, एक टाइनिंग रूम, ३ डिस्म, ३ साफ्टम वरान्डा एवं टेरेण, इन्सादि, तामादी २०० वर्ग गज ।

जी० एस० गोपाला महाबक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख: 28-9-84

HE HIE C. Que. TO . ....

काशकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के अधीन सुभा

#### धारह महक्र(र

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्ज । रे त-७, वई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनां र 24 सितायर 1984

निर्देश स० अ ६० ए० सी०/एन४०/3/एस० आर० 3/2-84/499---अन मुझे, जी० एस० रापेट ,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ध के अधीन मक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थापर गणिति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिन्ही संख्या 1, है तथा जो मृतिरमा नई (सल्ली में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची से और पूर्ण रूप से बणित है), रिजस्ट्रीकर्री अधिभारी के पर्याच जिल्ली में परतीय रिजस्ट्री-वारण अधिनियम 1908 (1908 है। 16) के अधीन तरीए फरवरी 1984

कां पूर्विकत संपितित के उधित बाजार मृत्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकत सपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल में, एसे द्रथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत स अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाम्तिकक रूप से किथन नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किया आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के अधिया के कमी करने या उमसे बचने से सुविधा के जिए: और/या
- (स) एसी किसी आय वा किसी धन या जन्य नास्तियों का, जिन्हीं न गर्तान जाय-न र जीविनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, वा पातर निर्मातिय, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया नया घटन वहाँ किया नया घटन वहाँ किया नया घटन वहाँ किया ने महिष्या में सुविधा में लिए;

अतः उब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निंसिखत व्यक्तियों, अधीत :--- (1) बर्मा सेल को-आपरेटिव हाउसिंग सोसाय टी लि ० ई-सी-ई हाउस, कनाट मर्कम, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री महाबिर चन्ध, निवासी सी-36, हो ग खास, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वों क्त संपत्ति के वर्षन के तिए कार्यनाहियां कारता हुं।

उक्त संपृत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेय अ--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की नविभ या तत्सम्बन्धी स्विक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी ग्रामील में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्विक्तयों में से किसी स्विक्त बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इतमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्ह अधिनियम, कं अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा

## लपुत्रकी

प्रो॰ नं॰ 1, नावादी 370 वर्ग गज, मुनिरका, नई दिल्ली।

जी एस ० गोपाला नक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, नई धिल्ली

तारीख : 24—9—84

प्ररूप नार्<u>दः,</u> टी., एत<u>.</u> एस.-----

नायकर वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के वृधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यासय, सहायक अायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, नई दिल्ली नईदिल्ली, दिनांक 24 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/3/एस० आर०-3/ 2-84/498--अतः मुझे, जी० एस० गोपाला,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को., यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- से बिधक है

और जिसकी संख्या 25, है सथा जो मुनिरका, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है,) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्री-कारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से बिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तब पाया ग्या प्रतिकल, निम्न्तिचित उद्वोद्य से उच्त बन्तरण सिवित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरम से हुई किसी बाय को बाबत उन्त अभि-शिवन के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के तिए; और/वा
- (ब) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम् या धनकर अधिनियम् ता धनकर अधिनियम् ता धनकर अधिनियम् , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती ब्वार्य प्रकट नहीं किया पया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभात ु⊶ (1) बर्मा भल को न्यापरेटिय इत्तर्यक्त सोप्ताईटी विक ई-सी--ई हाउस, बनाट नर्कस, नई धिल्ली ।

(अन्तर्भः)

(2) श्रीमती अमना देवी, निवासी-6-अन्डर हिल लैन दिल्ली-54

(अन्सरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त राम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में करेंद्र भी आक्षंप :--

- (क) इस मूचना क राजपत्र मां प्रकाशन की तारी सं सं 45 रिन की अविधि अ तरहाबधी त्यांदतयों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि भाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पृवांकत स्योकतयों भी से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हिल्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवाहस्ताअरी के नास लिखित में किए जा सकने।

म्बद्धीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का. को उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., यही अर्थ होना जो उस अध्याम में किया। गया हो।

## मन्स्ची

प्रो० नं० 25, खसरा नं० 1165, 1166/70, 933/68/71. साध्युदी 370 वर्ग गज, मुनिस्या, नई दिल्ली ।

> जीव एमव गोपाला सुझम अधियारी गह्या अधियार अध्यान (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, न**ई दिल्ली**

नारीख: 24--9--84

अस्य आद्दै.टी.एन.एस.------

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, नई धिल्ली

नई (दल्ली, दिनाक 24 मितम्बर 1984

निर्देश स० आई० ए० मी०/एक्यू०/3/एस० आर०--3/2--84,500--अत. मुझे जी० एस गोपाला,

कायकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समंत्ति, जिसका उधित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

(और इसमे उपाबद्ध अन्सूची में पूर्ण रूप से बणित है), रिजर्स्ट्री-कर्ती अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजर्म्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख फरवरी 1984

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मृल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए।

जतः जन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) बर्मा मेल को-आपरेटिव हाउसिंग मोसायटी लि० ई-सी-ई हाउस, कनाट सर्कस, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्री घमन लाल शर्मा, म्हालदिया चर्च कम्पाउन्ड, बाराणसी कैट, यू०पी०-221002

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि., जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए वा सकेंगें।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## बन्स्ची

प्लाट नं 24 ताबादी 370 वर्गं गज, ग्राम मुनिरका, नई दिल्ली।

> जी०एस० गोपाला सक्षम अधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन-रेंज 3, नई दिल्ली ।

तारीख: 24--9--84

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. - - --

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुबना

#### भारत सरकार

## कार्याल्य, सहायक जायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्लो

नई दिल्ली, दिनांक 24 सितम्बर, 1984

निदेश सं अाई० ए० सी०/एक्यू/3/एस० आर०3/2-84/501--अक्षः मुझे, जी० एस० गोपाला

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उम्रत अधिनियम' कहा गया है), का भार 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० 15, है तथा जो ग्राम मुनिद्या, नई दिल्ली. में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूब: में और पूर्ण रूप से विजित है) रिजिस्ट्रोकर्ता अधिकारा के हैंगार्थालय, दिल्ली में रिजिस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के सारीख फरवरी, 1984

को प्रांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के स्रयमान प्रतिफल को जिए अन्तरित की गई है और मूफी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृर्वीकत रापित का उवित बाजार मृत्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से एसे स्रयमान प्रतिफल का पन्तह (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उब्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखिन प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त वृधिनियम के अधीन कर पाने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; बौर/या
- (ख) एसं किसी आह कि जी धन या अन्य आस्तिया को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कुं अधीन, निम्मसिखित व्यक्तियों, अथित ह— (1) बर्मा मेल को-ओपरेटिय हाउसिंग सोसायटा लिमिटेड, ई० सी० ई० हाऊम, कनॉट सर्कस नई दिल्लो।

(अन्तरक)

(2) श्री नीरज कुमार गुप्ता, 157, संकटर 9-बी, जण्डीगढ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आपरी करके पृत्रोक्त सम्पत्ति क अजन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :- -

- (क) इस मूचन । कि राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की जबिध या तत्मंबंधी व्यक्तिओं पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हांती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपान में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहण्याक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्रापर्टी नं० 15, अदादी 370 वर्ग गज, खसरा नं० 1165-1166/70 - 933-71/68, प्राम मुनिरका, नई दिल्ली।

> जीव एसव गोपाला सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख ' 24--9-1984

प्रकप भाद . टी. एन. एस.----

शायकर बांधनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-घ (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (भिरोक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांस 24 सितम्बर 1984

निदेश मं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० आर०-3/ 2-84/502--अतः मुझे, जी० एस० गोपाला

शायकर श्रीभीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्रीधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 47 है तथा जो ग्राम मुनिरका, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपाबद अनुसूच: में और पूर्ण रूप से विंगत है) राजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में राजस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी, 1984

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तयू पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण मिचित में बास्तिक कप से कर्षिण नहीं किया नया है है——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त बिशिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बुधने में सुविधा के निए; बार्-या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

जतः, मज, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गृकें अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६-⋯ (1) वर्मा सेल को-ओपरेटिय हाउसिंग सोसायटी लि० ई० सो० ई० हाउस, कनाट सर्कस, नई दिल्ली ।

(अन्सरक)

(2) श्रोमर्तः क्षमला पी० नैयरं, भिवासी-डी-13, हौज खास, नर्षे दिल्ली।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वानां के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिंध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी मविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सर्कोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गयन है।

## धनुसूची

प्लाट नं॰ 47, तादादी 370 वर्गगण, खसरा नं॰ 1165-66/70 933-71/68, ग्राम मुनिरका, नई विस्ली।

> जी० एस० गोपाला सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्णक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिसांक : 24-9-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आहें, टी. एन, एस., ----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्म्बलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 24 सितम्बर, 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एस्यू/3/एस० आर०/3/2-84/519—अतः मुझे, जी० एस० गोपाला

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' वाहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-एड. से अधिक है

और जिसकी सं० 19, है सथा जो ओल्ड राजेन्दर नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कका के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निजिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवृत्त रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण के हुई किसी जाय की वावत, उक्त जिथिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हुं भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के सिए।

वतः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के बन्तरण मा, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात ६── (1) श्रोमती उमा नरला,
कुमारी अनिता नरला,
पत्ति और सुपुत्री स्व० श्री० एस० नरला,
निवासी—डी-39, हौज खास,
नई दिल्ली ।

(अन्तर्म)

(2) श्री सुरिन्दर पाल सिंह और
श्री राजिन्दर पाल सिंह,
सुपुत श्री प्रताप सिंह,
निवासी—वी—19, सामने का भाग
बाजार मार्ग, ओल्ड राजिन्दर नगर,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन् के लिए कार्यमाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तिसमाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की बविधा, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पृत्रीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्व व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्कोंगे।

स्थळकीकर्ण: --- इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पर्यों का, जो उक्त शिंधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## नम्स्वी

प्रो॰ नं॰ बी-19, एफ॰ पी॰ बाजार मार्ग, ओल्ड राजिन्दर नगर, नई दिल्ली, तादादी 420 वर्गगज।

> जी० एस० गोपाला सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, नष्ट विल्ली

दिनांक : 24-9-1984

प्ररूप आहाँ, टी. एन. एस.-----

अप्तफ़र अर्धभिवयम, 1961 (1961 का 43) की भारा ∠69-भ (1) को वभीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकार पाय्यन (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांग 24 सितम्बर, 1984.

ोंदेश मं∘ आई० ए० गाः/एक्पू/3/एस० आर०-3/2-84/ 493-ए--अनः मुझे, जी० एस० गोपाला

शास कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 24,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० हीं-29 है तथा जो साउथ एवसटेंगन-II, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इसमे उपाबद्ध अनुचस्ची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिक्स्ट्रीसर्ती अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 हा 16) के अधीन तारीख फरवरी, 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति क उचित बानार मृल्य स कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गर्ड हैं और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि संथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसं दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकार) और अन्तरिती (अंतरितिया) के बीध एसे अन्तरण के लिए तर पाया गया प्रति-क्त निम्निलिकित उद्देश्य में सक्त अन्तरण निम्निल में धामरिकक प्रतिकृतिक प्रदृष्टिक में सक्त अन्तरण निम्निल में धामरिक

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वावत उक्त जिथ-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे जचने में सुविधा के जिए; और/वा
- (ब) एंसी किसी बाय या किसी भन या बच्च ब्रास्नियाँ को, जिन्हों भारतीय आग्रकर ब्राधिनियम, 1920 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम या भन-कर ब्राधिनियम, 1957 (1957 का 27) के स्याजनार्थ बन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया या जा किया जाना चोहिए या जिल्लाने में सुविशा के लिए;

अतः अब, उक्त र्याधिनियम की धारा 269-म के वनुमरण प. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:--- (1) श्रामती शकुन्तला देवी (वेन्डर), श्री ओम प्रकाश गुप्ता और, श्री विकास मोहन गुप्ता, निवासी 4/276 बी, पारवती बंगला रोड़, कानपुर।

(अन्तरक)

(2) मैं० सचदेव टेक्सटाइल्स प्रा० लि० 23-वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्लं।

(अन्तरिती)

का यह स्थाना जारी करके पूर्वांयत सम्पत्ति के सूर्धन के तिह

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की सामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित मों हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विभिन्न मों तेला जा सकागे।

स्वभ्धाकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, श्री अवश्व अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा पता है।

## मन्स्यो

प्रो० नं० डो-29, साजय एक्सटेंशन, भाग-II, नई दिल्ली, तादादी गाउन्ड फ्लोर 2300 वर्ग फीट, पहली मंजिल 2300 वर्ग फीट, दूसरी मंजिल-500 वर्ग फीट।

> जी० एस० गोपाला सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांसः : 21-9-1984

## अथम् बाह् . टी. एव. एथं . प्रत्यान

## गायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के स्थीन स्वता

#### बारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई विन्ल्ली, दिनांक 24 सितम्बर 1984

निदेण सं० आई०ए० सी०/एक्यू ैं 3/एस० आर०—3/3—84/ 546——अत, मुझे, जी० एस० गोपाला

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-इ के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बी—119 है तथा जो मालवीय नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1984

को प्योंक्त संपर्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के क्यभाव प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मृत्य उसके रक्ष्यमान प्रतिफल से, एसं क्यबान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्बेच्य से उक्त बन्तरण किविट को बास्तविक रूप से किवत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबतः, उत्तर अधिभियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तरे बचने में सुविधा के विद्युः बाहु वा
- (क) एसी किसी बाब या किसी धन या बन्च बास्तियों करे, जिन्हें भारतीय बाय-कर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-व के अवृत्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिश्वित व्यक्तियों अभित् :— 16—306GI/84 (1) श्री करतार सिंह खुराना, निवासी-श्री-119, मालभीया नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तर्य)

(2) श्री गुलजारी लाल जैन और श्री अशोक कुमार जैन, निवासी-ए-21/बी, डी० डी० ए० फ्लेटस, मुनिरका, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 4.5 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितनद्भ किसी मन्य ज्यक्ति द्वारा वभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

न्यक्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त मधिनिक्म, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, जो उस स्थाय में दिया गया

## वन्स्यी

श्रो० नं० बी-119, मालवीया नगर, नई दिल्ली-17, तादादी 283 वर्गगज ।

> जी ० एस० गोपाला, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-3 नई दिल्ली

दिनांक 24-9-1984

प्रकृष् काइ . टी. एन. एस. ------

जायकर भौधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर भायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिस्स्थी

नई दिल्ली, दिनांक 24 सितम्बर 1984

निदेश सं अर्डि ए० सी । प्रम्थू / 3/एस० आर०-3/ 2-84/526-अत: मझे, जी० एस० भोपाल,

बालकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस् इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० के →62 है तथा जो हौज खास, नई दिल्ली में स्थित है (और अपसे उपाधक अनुस्थी में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीशर्ता अधिशारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीशरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अक्षीन नारीख मार्च, 1984

का पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफास सं, एंग दृश्यमान प्रतिफास का उम्मे प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय बाबा गया प्रतिफास निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में बास्टिविक कप से किथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जीधीनयज के जधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आसितयों को चिक्ह भारतीय आयकर अधिनियम, १०११ (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, १०११ कर विधिनियम, १०१४ कर विधिनियम, १९५० कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकारनार्थ अस्तिरित क्यार प्रकट नहीं किया गया था वा विधा जाना चाहिए था, कियान में सुविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निरिसित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री समयीत कुमार जौहर युपुल श्री एस०एग० जौहर, द्वारा अटानी श्री अनिल कुमार जौहर. निवासी—127, जोर बाग, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(3) श्री एन० के० भाटिया, पी० के० भाटिया, अनिल भाटिया और युनील भाटिया सुपुत्र श्री बी० आर० भाटिया, निवासी—डब्ल्यु/41, ग्रेटर कैलाश-1, नर्ष दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति को वर्णन के जिल्ला कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजंपन में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की जन्मि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की नन्भि, जो भी बन्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति में स्वाप्त स्वाप्त व्यक्ति व्य
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संवीत में हिस-बब्ध किसी मन्य स्थावत स्वारा वधोहस्ताक्षरी क गस सिवित में किए वा सकोंने ।

स्वकारिकण्याः --- इसमें प्रयोक्त सन्दों और पर्यो का, जो उत्पत्त विश्वित्यम के अध्याय 20-कं में परिभाषित हो, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में ब्रिका गया है।

#### and the

प्रो० नं० के-62, हीज खास इन्कलेख, तावादी 534 वर्षगज, नई दिस्ली ।

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयङ्ग्र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, नर्ष दिल्ली

दिनांक 24-9-19**8**4

प्ररूप नाइ.टी.एन.एस. -----

अध्यक्तर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अभीन सुनना

भारत सरकार

कार्याखय, सहायक आयकर आयुक्त (विरोक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई विल्ली

नई विल्ली, विनांक 24 सिनम्बर, 1984

निवेश सं० ऑई० ए० मी०/एक्यू/3/एस० आर०-3/3-84/532—अत मुझे, जी० एस० गोपाल,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वार करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1/25 है तथा जो शान्ती निकेतन, नई विल्ली में स्थित है (और इससे उपावक अनुमूची में और पूर्गका से विल्ली में रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय नई विल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाधार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विदयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वदेष से उक्त अन्तरण निम्नित में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से शुर्द कियी जाय की बाबत, उक्त विधितियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व को कभी करने वा उत्तसे क्याने में सूर्तिका के विष्रु;
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, ,1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मा मुजिधा के सिए;

बतः स्था, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण माँ, माँ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) को अधीर, निम्मलिखित व्यक्तिस्यों, अधीत् ा— (1) श्री अशोक मनालाल मेह्ना, श्रीमती चन्द्रलेखा मेह्ना, निवासी -36-ए. वनक्त विहार, वमक्त मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री अर्जुन असोक मेहता, निवासी-ई-13/11, वसन्त विहार, नई विल्ली, श्री अखिल रस्तोगी, श्री दीप रस्तोगी, श्री महेग रस्तोगी, निवासी-1/21,गान्ती निकेतन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के नर्जन के संजभ में काोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन की जबिध या तत्सं बंधी व्यक्तियों पर सृष्या की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्टी ते व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पाध्योकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों बीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

श्रो॰ नं॰ 1/25, सान्ती निकेतन, नई दिल्ली, नायादी साउन्ड फ्लोर 215 47 वर्ग मीटर, पहली मंजिल \$202 67 वर्ग मीटर।

जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3,नई दिल्ली

दिनांक : 24-9-1984

मोष्टर :

## भ्रक्मः बाद्द्रीः एकः एकः -----

कायकं विभिन्नियम्., 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-भ (1) की बधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिस्सी, दिनाक 14 सितम्बर 1984

निदेश मं० आई० ए० सी०/एक्यू/3/एस० आर०-3/ 2-84/518--अन: मझे, जी० एस० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 16/1346 है तथा जो गली नं० 19. नाइवाला करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजत है) रिजस्ट्रीकर्रा अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख फरजरी, 1984

को प्वोश्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलियित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बंतरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्स बिधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बाँड/बा
- (स) एसी कियी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के किया;

कतः कथ उक्त अधिनियम की धाग 269-ग को अनुसरण मंं, मंं, उक्त अधिनियम की धाग 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियाँ, अर्थात् :-- (1) श्रीमसी राज सती, पत्नी श्री इण्ण चन्द्र सचदेवा, सुपुत्री श्री दीवान चन्द, निवासी -- मकान नं० 918, भी० नं० 1, नाइवाला, करोल बाग, फीज रोइ, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री सामपुरन सिंह, गुरदेव सिंह और मनजीत सिंह, सुपुत्रगण एस० लाभ सिंह, निवासी-10/6768, देव नगर, करोल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई' भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तल्संबंधी व्यक्षितयों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किमी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में में किमी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में में किमी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति में में किमी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति में में किमी व्यक्ति व्यक्ति
- (क) न्द्रस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिस को भीतत्र उक्त स्थावर सम्बद्धि में हितजक्थ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए का सकेंगे।

स्मध्योकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नगत्त्वी

मजान नं० 16/1346, गली नं० 19, खसरा नं० 1303/816, तादाबी 131 वर्ग गज, नाइवाला दण्रीलंबाग, नई दिस्ली।

जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3,नई दिल्ली

दिनांक : 14 -9~1984

प्ररूप आर्च. टी. एन. एस.------

आयक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्**च**ना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-3, नई दिल्ली

<sup>\*</sup>नंई दिल्ली, दिनांकः 10 **अक्तूबर** 1984

निदेश मं० अर्ह० ए० मी०/एक्यू/3/एस० आर-3/ च-84/599--अतः मुझे, जी० एस० गोपाल, आयंकर ऑधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्तें अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 27,0(त) - ए में अधिक है

और जिसकी में० 39-40 है तथा जो ब्लाक जे०, करील बाग, नई दिल्ला में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूर्चा में और पूर्ण रूप में विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याल्य नई दिल्ला में रिजर्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल, 1984

को पूर्विक्त गम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित का गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल कर पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की नायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बीर्/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियाँ कां, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकार अधिनियम वा धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विभा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री गुरबक्क राज, कान्तं, सम्प और श्री जनक राज गर्मा, सभी सुपुत्र श्री अमार चन्द निवासी—मकान नं० 2177, नाइबाला 61, करोल बाग नई दिल्ले ।

(अन्तरक)

(2) श्री काका सिंह सुपुत श्री कल्यान सिंह छाबेरा निवासी-ओंक उन्हेसद्दीज काव्यी ही गेट, सजय पोपल सुपुत श्री सनीहर लाल पोपली. निवासी-1687, आर्थ समाज रोड, नई दिल्ली, श्रीमती राज मिनक, परिन श्री पोठ एनठ मिनक, निवासी-55 वेस्ट एवेन्यु, पोठ बाग, दिल्ली।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हो।

जक्त सम्पत्ति के राउन के सहत्त्व मो काई भी आक्षेप :--

- (क) इस गूचना का राज्य म प्रवाशन की तारीस सं 45 दिन की अवीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की ताल एक 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि नद्भ सं भागत होती हो, का भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों भागतिका व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य अकित द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा स्केगे।

स्पाक्रीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विधा स्था है।

## अनुसूची

प्लाट नं० 39-40, ब्लाक 'जे' खसरा नं० 1435/ 534, तादार्दः 266 वर्गगः, दारोल बागः न**ई दि**ल्ली ।

> र्जाः एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, नर्ष दिल्ली

दिनांश: 10-10-1984

#### प्रकृप आहे . क्षी . एम . एस . ------

भाराकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

#### शारत बरकार

आर्थासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 अक्तुबर 1984

निदेश सं **अर्थ** ए० सी०/ क्यू०/3/37**६ई**/2-84/364 अत: मुझे, जी० एस० गोपाल,

बाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/~ रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 104 है तथा जो ग्रीन पार्क, युसुफ सराय, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्वा में और पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अर्थान तार्राख फरवरी. 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कड़ दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे अभने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विया के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में,, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मैं आरं पी अपार्टमेंटस प्रा० लि ०, आदिनाथ श्री हाउस, अपो • सुपर बाजार, कनौट सर्वस, नई दिल्ली (अन्तरक)
- (2) मैं ० ताशखीर ट्रेड विगस,
  एम० अबिव/एम० साईन,
  560, पहली मजिल, गांधी मार्कीट,
  सवर बाजार, विस्ती-6।

(अन्तरिती)

क्तं यह स्वना वारी करके पृथाँकत सम्मरित के वर्षन के विवर कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

इंबर्स सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सुमान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुमान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताकारी के प्रस लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः ---- इसमें प्रयोक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा पीर-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### ननुसूची

प्रो० नं० 104, पहली मंजिल, जैना ग्रीन पार्क, (युसुफ सराय) नई दिल्ली, तादादी 240 वर्गफीट ।

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊶3, नई दिल्ली

दिनांक : 5-10-1984

प्ररूप बार्षः दी. एम. एस. :------

शामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-- थ (1) के अधीन स्थना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निर्देशिका) अर्जन रेंज-3, नर्ष किल्ली

मई दिल्ली, दिनांक 11 अक्सूबर 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० आर०-2/2-84/1566--अतः मुझे, जी० एस० गोपाल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम होलम्बी कलां दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1984

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ष्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिज्ञत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्विषय से उच्त अन्तरण निम्निलिखत उद्विषय से उच्त अन्तरण निम्निलिखत में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है क्रिक्त

- (क) अन्यरण वे हुई किसी नाम की बावत अवस बाँध-पिनम् के नधीन कार दोने के अन्तरक के बांबितन में कमी करने या अससे जनने में सुविधा के लिए; करि/वा
- (व) एरेती किसी नाम या किसी अन वा जन्म नारितयाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उचत निधिनयम या अन कर सिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ क्रितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ क्रितियम, वा पा पा पा पा किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः जब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के वधीन. निम्नीविधार व्यक्तियाँ, वर्षात् क्र— (1) श्रो राम कंबर एलियसराम कुमार सुपुत्र श्री हर्र्यस, निवासी ग्राम होलम्बी कलां, दिल्लीं ।

(अन्तरकः)

(2) श्री बैद्गा ाथ आयुर्वेद भवन लि०, वैद्यनाथ भवन रोड, पटना∼800001 ।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुन्।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो., के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्सि में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्मण्डीकरणः---इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विदा गया है।

### अम्सूची

कृषि भूमि तादादी 19 बिघे और 1 बिस्वा, खसरा नं० 32/9. 32/10, 33/6, 7, ग्राम होलम्बी कलां दिल्ली।

> जीव एसव गोपाल सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~3, दिख्खी

दिनांधः : 11-10-1984

. 4 EN ----

बायकर अधिनियम, 1961 ( 951 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन समना

#### भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक अध्यक्तर आयवस (निरीक्शण) अर्जन रेंग • 3. ाई दिल्ली:

नई दिल्ली, दिनास 5 अल्लूबर 1984

निदेश सं० आई० Do मे<sup>-</sup>ि/एनय्०/5/37ईई/2-84/ 344-अतः मुझे, जीरु एम् गोपाल शायकर अधिनियस, 196३ (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कडा गया है), की धारा 269-व को अधीन अध्या 🤭 😁 ाण विष्वास करने का

कारण है कि स्थावर सम्पत्नि जिएका उचिन वाजार मन्य 25.000/फ. मं अधिक हैं।

और जिसकी स॰ 102 है । या जो प्रान पार्क (युमुफ सराय) नई दिल्ली में स्थित है। अं.४ इससे उपाबद्ध अनुसूर्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) र्यानस्ट्री स्वार्या अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 में रिनिस्दोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख फरवरी 1984

को पुर्वाकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वे का सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल मे, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकारें) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एमें जना भ के जिल् तय पाया गया प्रति-फंस, निम्नलिस्ति उद्धोश्य में अक्त अन्तरण लिखित मी बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गवा है :---

- (क) अभारन से हर्द किसी भाग की भावत, उक्त अभिनियम को जभीन कार दोने को अन्तरक की द्वारित्य में अभी करने मा उससे स्थाने में सविधा को सिन्छ; अर्थिर/शर
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियनम, 1922 <sup>प्दार</sup> प्रीथनियम, **या** धन-कर अधिरीसम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ क्लोरती दलरा प्रकट नहीं किया गया **षा** या कि। २००१ किए या, खिएाने में प्रविधा कोलिए; '

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , में , उबन अधिनियम जी पार १६७-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) आर० पो० अपार्टमेंट्स प्रा० लि० आदिनाथ श्री हाउस, अपो० सुपर वाजार, क्ताट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्सरकः)

(2) श्री एस० एम० शाहिद स्पूत श्री ए० एम० कुरेशी, निवासी-7627-पी, दररोगा स्ट्रीट, क्रेरेश नगर, सदर बाजार, दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह स्थाना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्धन के लिए कार्यगहियां करता हूं।

## इक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की मामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (बा) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पात लिकित में किए था सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरणः --इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रो० न० 102, पहली मंजिल, जैना ग्रीन पार्क, (युसुफ सराय), नई विल्ली, ताबादी 205 वर्गफीट ।

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनायः 5-10-1984 मोहर :

प्रस्य बार्च टी. एन. एस. -----

शाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन ह्वनर

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3,नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 5 अक्तूबर, 1984

निर्देण स० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/2-84/ 381--ए---अत मुझो, जी० एस० गोपाल,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका टिचित माजार मूल्य 25.000/-रा. से अधिक है

ग्रीप जिस के स० 201ए/2 है तथा जो मिलन सिनेमा कर्माशयल कमप्लेकर, दिस्के में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से जिंगत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेज-3, नई दिल्ला में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख फरवरी 1989

का प्रॉक्त संपत्ति के उभित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का उभित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीथ एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिश्वत उद्वरेष्य से उक्त अन्तरण लिश्वित मे बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है....

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबन उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मित्रधा के निष्
- (भ) ऐसी किसी नाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अपना भाहिए भा स्थिन में सुविधा के लिए:

(1) शिवलोक प्रोपर्टीज,
 आदिनाथ श्री हाउस, ग्रपो० सुपर बाजार,
 कनाट सर्कस, नई दिर्ल्ला।

(अन्तरक)

(2) श्रोमतो राजिन्बर चावला श्रौर
 श्रो जसकोर सिंह चावला,
 निवासी—बी—23/331, गलो नं० 4,
 राजगढ, दिल्लो—31।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करना हैं।

सक्त सम्पत्ति को कर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप उन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 विन की अविधि या तत्स्विधी व्यक्तियों पर सूचना की सामीस से 30 दिन की अविधि, को भी सविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बच्च किसी नन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वृद्धां कर्णः --- इसमें प्रयुक्त सम्बागित पर्योका, को उत्त विधिनिवध, को मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ण होगा को उस अध्याय में दिया व्याहैं!

### जन्सूची

प्रो०न० 701ए,/2, मिलन सिनेमा कर्माणयल कम्पलेक्स, दिल्लो, तादादो 500 वर्गफोट ।

जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

विनोक : 5-10-1984

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. - - - -

बायकर मौंभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्चन।

#### भारत सर्कार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, धिनाक. 1 जून 1984

निदेश मं० जाँ।० आर० मं० एल०--44/एक्यू०---अतः मुझै, ए० प्रसाद, व

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसको स० एलाट नं० 752 है तथा जो फैजाबाद रोड, नियर उमराध सिनेभा, महानगर, लखनऊ में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूर्च में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है रिजस्ट्रोंकर्ता अधिकाराके। कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रोंकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधान नारीख 21-2-1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल में, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त उन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुद्दं िकसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कभी करने या उससे अपने में सुविधा के तिए, और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-त्रद अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अभिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया जा या किया जाना साम्हण था, छिपान में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) श्रीमती प्रतिमा अग्रवाल ।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्रीमती लक्ष्मी देवी
  - 2. श्रीमती यश शर्मा
  - 3. श्रां संजीव कुमार गर्मी
  - 4 श्री राकेश शर्मा।

(अन्सरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करना हु।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यवित द्वारा;
- (च) इस स्चना के राज्यय में प्रकाशन की तारींच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिकथणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## जन्मु चौ

खुली भूमि पैमाईमी 10860 वर्गफीट म्युनिसिपल नं० 752 िरा कैन र राड, नियर उमराब मिनेमा, महानगर लखनऊ (37-जो फार्म के अनुसार) जैसा कि फार्म 37जो सं० 1783 में विणित है, जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 21-2-1984 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

विनांक : 1-6-1984

## प्रकृप नाइ, टी, एन, एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बुधीन सूचना

#### भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज लखनऊ

लखनऊ, दनांक 29 सितम्बर 1984

निदेश मं० जी० आई० आर० मं० एल०-46/एन्यू० अनः मुझे ए० प्रसाद,

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रचाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भार 269- व के अधीन सक्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रोर जिमकी मं० प्लाट नं० 5 है सथा जो सिविल लाईन्स मुरादात्राद में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रोकर्रा अधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधोन तारीख 20-2-1984

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के इस्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गृह है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृन्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्सविक रूप से किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी आयं या किसी धन या अन्य अस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के शिए:

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-**ण की उपधारा (1)** के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थातु:—

- (1) 1. श्रां अनल कुमार खन्ना,
  - 2. कु० मन्जू खन्ना,
  - 3. श्रीमती सुमन तनेजा,
  - 4. श्रीमती बोना सयाल,
  - 5. श्रीमती कुसुम खन्ना।

(अन्तरक)

(2) श्री एल ॰ डी ॰ जैक बाल।

(अन्तरिती)

(3) ऋेता । (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

को यह सुपना पारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सपरित के अर्जन के संबंध में को इंभी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थिति ब्वारा स्थाहस्ताकारी के पास निवित में किए था सकेंचे।

स्पक्रीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों आहे पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं नुर्ध होगा, जो उस नुष्याय में विमा गया

## नगसर्थ

प्लाटन० 5 पैनाईमो 140.66 वर्ग मो० स्थित सिविल लाईन मुरादाबाद मीर सम्पति का सम्पूर्ण विवरणे जो कि सेलडोड व फार्म 37-जो सं० 763 में वर्णित है जिसका पंजोक्तरण रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारो, मुरादाबाद के कार्यालय में दिनांकर 20-2-1984 को किया जा चुका है।

> ए० प्रनाद सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 29--9-1984

प्ररूप भाइं. टी. एन. एस. -----

**मायकर मिश्रिमयम, 1961 (1961 का 43) की** धारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

#### आरत सरकाह

## कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निडिक्सिन) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 29 सितम्बर 1984 निदेश सं० जो० आई० आर० सं० पो-121/एक्यू---अतः मुझे, ए० प्रसाद,<sup>५</sup>

क्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्भ इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/-रु. सं अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० खमरा नं० 24, 36, 57, 58, 59, 60, 61, 69, 70 है तथा जो ग्राम बिजईपुर जिला लखनऊ में स्थित है (ग्रीर इमेसे उपाबद्ध अनुसूर्वा में ग्रीर पूर्ण कप से विणित है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तरिक्ष 20-2-1984

की पृथाकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम क दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य गया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण कि खित में बास्तविक क्य से किथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के ब्रायित्थ में कमी करने या उससं बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्क अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था कियाने में सुविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की भार। 269-ग के अनुसरण भा, मी, उक्त अधिनियम की धास 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्री विक्रम पुनवानी।

(अन्तरक)

(2) प्रोगेसिय को०भ्रोपरेटिव हाउसिंग सोसायटी णि० लखनऊ

> द्वारा सचिव श्री भगवानदास समतानी। (अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

## उक्त संपत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति त्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास न्लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 2.0-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा गया है।

#### नगस्थी

खसरा नं० 24, 36, 37, 58, 59, 60, 61, 69, 70 स्थित ग्राम बिजर्षपुर परगना तहसील व जिला लखनऊ (जैसा फार्म 37-जी) में विणित है जिसका पंजीकरण रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 20-2-1984 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक 29-9-1984

शक्य नाहाँ. टर्डे. एन. एस. -----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन सुणना

#### भारत तरकार

## कार्यालयः, सहायक भायकर बायुक्तः (निरीक्षण)

क्षर्जन रेंज, लखनऊ लखनऊ, दिनाक 29 सिमम्बर, 1984

निदेश सं० जी० आई० आर० सं० पी-122/एक्यू---अतः मझे, ए० प्रसाद ,

अभयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा से अधिक हैं

घौर जिसको सं० भूमि है तथो जो बिजईपुर घौर ईसमाईल गज, लखनऊ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाधन्न अनुसूर्च, में ग्रौर पूर्ण रूप से वणित है) रिजस्ट्रें,कर्ता अधिकारों के कार्यालय लखनऊ में रिजिस्ट्रेंकि ए अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 20-2-1984

क पूर्विस्त सपित्त के उचिन बाजार मृत्य से कम के एर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके एर्यमान प्रतिफल से, एसे एर्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिफल का पन्तह प्रतिष्ति से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निचित्त में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य झास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) ्या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थ अन्तरिती इजारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण क्रां, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों. अर्थात :---

(1) मेजर जो० आई० पुनवानो।

(अन्तरक)

(2) प्रोगेसिव सहकारी आवास समिति लिमिटेड, लखनऊ द्वारा सचिव श्री भगवान दास समसानी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपरित को अर्जन के लिए कार्यजाहियां करता हुई।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिली व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्थव्यक्तिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है। '

## अनुसूची

भूमि पैमाईसी 190829 वर्गफीट स्थित बिजईपुर धौर ईस्माईल गज, लखनऊ घौर सम्पति का सम्पूर्ण विवरण जो कि सेमडाड व फायर्म 37-जी सं० 12968 में वर्णित है जिसका पजाकरण सब-रिजस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय मे दिनांक 20-2-1984 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

विनांक: 29-9-1984

प्रकप जाहाँ, टी. एन. एस., ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सहकार

कार्यालय, सहायक भायकर वायुक्त (निर्क्षिण)

अर्जन रेंज, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 28 सितम्बर 1984 निदेण सं० जो० आई० आर० सं०पो-123/एक्यू०--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसको सं० भूमि है तथा जो बिजईपुर जिला लखनऊ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-2-1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त तंपस्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चे देय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुं इं किसी आय की बाबत उक्त विभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कमी. करने या अससे वचने में सुविधा के सिए। बाँड/या
- (व) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गता था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में सुविधा हो निए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात हिन्स

(1) श्री विक्रम पुनवानी।

(अन्तरकः)

(2) प्रोगेसिय महकारो आवास समिति लि० द्वारा सचिव श्रो भगवानदास समितानी । (अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें
  45 दिन कें भीतर उक्त स्थायर मंपस्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गमा है।

## अमृस्ची

भूमि पैमाईसो 160721 वर्गफोट स्थित ग्राम विजर्हपुर परगता तहसोल ग्रौर जिला लखनऊ ग्रौर सम्पति का सम्पूर्ण विवरण जो कि मेलडाड व फार्म 37-जो सं० 12969 में वर्णित है जिसका पजोकरण सब-रजिल्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 20-2-1984 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्न (निरोक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 28-9-1984

मोह्न 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

> भारत सरकार अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 29 सितम्बर, 1984

निदेण सं० जी० आई० आर० सं० पी-124/एक्यू०--अतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्ध्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 /-रा. से अधिक है

ग्रीर जिपकी मं० खमरा न० 50,67,68,72,88 है तथा जो विजईपुर, जिला-लखनऊ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ अनसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-2-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित जाजार मुल्य, उसके दरण्यान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाें) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्दोह्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह<sup>ा</sup> भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था विकास जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:---

(1) श्रीमती पुष्पा पुनवानी।

(अन्तरक)

(2) प्रोग्नेसिव सहकारी आवास समिति लि० द्वारा सचिव श्रो भगवानदास समतानी। (अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्मनाकी सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदध लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त घट्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## नन्स्ची

खसरा नं० 50, 67, 68, 72, 88 स्थित ग्राम-बिजईपूर परगना तहसील श्रौर जिला-लखनऊ श्रौर सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जो कि सेसेलडोड व फार्म 37-जा सं० 12970 में वर्णित है जिसका पंजोकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लखनऊ कार्यालय में दिनांक 20-2-1984 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 29-9-1984

## प्रकल नाइ", डी. एन., एस., ल - - ----

## भागकर निभिनियन, 1961 (1961 का 43) की याच 269-म (1) के नभीन सुमना

#### भारत सहकार

कार्यालय, सहायक मायकर भायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनोक 29 सितम्बर, 1984

निदेश सं० जी० आई० आर० सं० पो→125/एक्यू०---अतः महो, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि सेलडोड में विणत है तथा जी लखनऊ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम र्1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 23-2-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित भाजार मृख्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित्त में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उकत अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उत्तर्ध क्यमें में सुविधा के हिस्स और/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने मे सिक्षा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थत :---

- (1) 1. श्री राम नाथ
  - 2. श्रा ए केम (नाबालिंग)
  - 3 श्रामतो मधुरानी।

(अन्तरक)

(2) प्रोग्नेसिय सहकारी आवास समिति लि० द्वारा सचिव श्री भगवानवास समतानी।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपित के वर्षन के लिए कार्यवाहिया करता हुं:

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, ओ भी मंत्रीध बाद में समाप्त हांती हो, के मीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुनारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्षिकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नवा है।

## वन्त्रची

सम्पत्ति का मम्पूर्ण विवरण जोकि सेल्डोड व फार्म 37-जो सं० 13243 में विणित है जिसका पंजीकरण 23-2-1984 को रिजर्शानी अधिकारों के कार्यालय में किया जा चुका, है।

> ए० प्रमाद सक्षम श्रधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 29-9-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनउ

लखनऊ, दिनांक 29 मितम्बर 1984

निवेश सं० जी० आई० आर० सं० पी-126/एक्स् **यतः** मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या जैसा फार्म 37 व सैल्डीड में वर्णित है। तथा जो में स्थित है (और इसने उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक 23 फरवरी 1984

करे पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है. और मुक्ते यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिकात से अधिक ही और जन्तरक (अन्तरकारें) और अंतरिसी (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विषय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एैसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्रियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण

में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) 1 श्री राम नाथ
  - 2. श्री राकेश
  - 3 श्रीमती मधुरानी।

(अन्तरक)

(2) प्रोगेसिव सहकारी आवास समिति लि० द्वारा सचिव श्री भगवान वास समतानी । (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहयां शुरू करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (*को*) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद भें समाप्त हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही वर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

## अनुसूची

सम्पति का सम्पूर्ण विवरण जैसकि सेलडोड व फार्म 38 जो संख्या 13244 में वर्णित है जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 23 फरवरी 1984 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद, सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, लखनऊ

विनांच : 29--9-1984

## प्रकार वार्ष् ु टी । एन . एस . ----=-न्द्रश्चन

## नावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) में वधीन त्वना

#### भारत सरकार

कार्याल**ब, सहावक जायकर बावुक्त (निरक्षिण)** अर्जन रेंज, लखनऊ लखमऊ, दिलांक 8 अक्टूबर 1984

निवेश सं० जी० आई० खार० संख्या के-138/एक्यू--यतः मुझे ए० प्रसाद,

आवक्तर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्तम प्राम्काड़ी को वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापर संपत्ति, जिसका उचित गज़ार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या प्लाट नं० बी० 161 है तथा जो फुतुबपुर इरादत गनर, योजना, लखनऊ में स्थित है और इससे उपबाद अनसूची में और पूर्ण रूप से विणित है),रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनौंक 13-2-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाजार नृत्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विद्यास करने का कारण है कि सभान्वोंकत सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से एसे क्ष्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिखत से विभक्ष है और अन्तर्क (अन्तर्कों) और अन्तरितीं (अन्तरितीं) के बीच एसे अन्तर्य के लिए त्य वाया गया प्रतिकल, निम्निलिखत उच्चेक्व से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उत्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः जबः, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) अश्री राम प्रकाश

(अन्तरमः)

(2) श्रीमती कान्ता रानी

(अन्सरिती)

(3) फेता (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूत्रांना जारी करके पृत्रोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां भुरू क<u>र</u>ता हुं।ः

## उन्त तम्परित के धर्मन के तंत्रंथ में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में सवान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति स्वारा;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्व से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितवद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा तकांगे।

स्यव्यक्तिकरणः - इतमें प्रयुक्त कव्यों और पर्योक्त को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### **मनुसूची**

प्लाट नं० बी-161, पमाइली 7200 वर्ग फीट स्थित कुतुबपुर इरावतनगर योजना लखनऊ जिसका पंजीकरण रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी लखनऊ के कार्यालय में दिनॉक 13 फरवरी 1984 को किया जा खुका है।

> ए० प्रसाद, सक्षम अधिकारी (निरीक्षक) सष्ट्रायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनोक: 8-10-1984

## प्ररूप भाष्ट्री, दी , धुव , एस , हर्र वर्गाना नामक

## बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन सूचना भारत सरकार

कामान्य, सहायक **भायकर भायक (निरक्षिण)** अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाम 8 अक्टूबर 1984

निदेश मं० जी आई० आर० संख्या है:- 52/अक्यू/ यतः मुझे ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या प्लाट नं० 39, 3ए, व 39 बी, रैंडिचो रोड़, थाना हजरतगंज, लखनऊ में स्थित हैं(और इससे उपबाद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)के अबीन, दिनांक फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती रेखा भटनागर द्वारा अटार्नी श्री सुधीर पायसकर (अन्तरक)
- (2) श्रीमतो धीरा ए० जगत्यानी

(अन्तरिती)

(3) ऋता (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ससे 45 दिन की जविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्व ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे

स्पष्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### or and

प्लाट नं० 39, 39-ए और 39-बं। का हिस्सा, आन्तरिक नं० 6/4, पैमाईसी 2940 वर्ग फीट स्थित रैडिचा रोड, थाना हजरतगंज, लखनऊ जिसका पंजीवरण रिजस्ट्री.कर्ता अधिकारी लखनऊ के कार्यालय में दिनाक फरवरी 1984 को किया जा चुका है।

> ए० प्रमाद, सक्षम अधिकारा सहायक आयक्ष अायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ।

दिनांक 8-10-1984 **मोहर** ध प्ररूप नाहरू, दी. एन. एस., ---=--

# भाषकर नृत्रित्यम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आग्रकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रेंज, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 8 अक्टूबर 1984

निवेश सं० आ० जी० आर० संख्या वी-120/ एक्यू/ यतः मुझे ए० प्रसाद,

नामकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पस्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० एक किता आराजी है तथा जो अलीगंज, घाटो टोली लखनऊ, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकर्रा अधिनय 1908 (1908 का 6) के अधीन, दिनांक फरवरी 1984

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्यक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक हो और अंतरक (अंतरका) आर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के जिए तम पामा गया प्रतिकास निम्निजिय उद्देश्य से इक्त बन्तरण विश्वित में वास्तृतिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुइं किसी नाथ की बाबत , अक्छ नीधीनवस के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा काल्य, हैंद्र
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों को जिन्हा आरतीय आम-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त विधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में बुनिका के सिए;

नतः नम, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निकिष्टिक व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्रो राम पाल सिह

(अन्तरक)

(2) श्रोमतो विमला अवस्थो

(अन्तरिती)

(3)विकेता।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभीग मे सम्पत्ति है :)

को कृ कृष्णा बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के बिह्र कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अव्यिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यागः;
- (स) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशक्त की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त श्रीधीनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनु चची

एक किना आराजी, पमाईसी 6054 वर्ग फोट स्थित अलोगंश, घाटी टोला लखनऊ, और सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जोकि सलडोड व फार्म 37-जो संक्या 13068 में विणत है जिसका पंजीकरण रिजस्स्ट्रीकर्ता अधिकारी लखनऊ के कार्यालय में फरवरी 1984 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज लखनउ

दिनांस : 8-10-1984

ोहर :−

प्रकल भार्ष्, टी . एम् . एस् . ---- वट-- प्रवतन्त्रन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, विनांक 8 श्रक्टूबर 1984

निदेश सं० जी० म्राई० म्रार० संख्या बी-121/मन्यू---यतः मुझे ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम'क हा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या ग्राराजी भूमि है तथा जो जे० पार्क महानगरस्कोम, लखनऊ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीफर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनाक फरवरी, 1984 को पूर्णेक्स संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ब है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे ख्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्खरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन, निम्नलिखित उद्दर्ध से उक्त अन्तरण लिखित व बाक्तरण लिखित को बाक्त कर से साथ से साथ से साथ से साथ से उक्त अन्तरण लिखित को बाक्त कर से साथ साथ से साथ साथ से साथ साथ से साथ साथ से साथ साथ से साथ से साथ से साथ साथ से साथ साथ से साथ साथ से सा

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने की जन्तरक को वासित्व में काबी कारने या उससे बचने में सुविधा को लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा की लिए;

कतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्रीमती स्मृत्ति सिन्हा

(भ्रन्तरक)

(2) श्रो भान प्रताप सिह

(ग्रन्तरिती)

(2) विक्रोता

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है:)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्स सम्परित के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविध मा तत्सं लंधी क्या कि स्वाम के इस स्वता की तामील से 30 दिन की जविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों हों से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हों।
- (खं), इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः ---इसमें प्रयुक्त खब्बों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

श्राराजो भूमि नं० सो-46, जे० पार्क, महानगर स्कीम लखनऊ पैमाईसी 3240 वर्ग फिट ग्रीर सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जोकि मेलडोड व फार्म 37-जो सक्या 13047 में विणित है जिसका पजीकरण रिजर्ड़ीकर्ता ग्रिधकारी लखनऊ के कार्यालय में फरवरी 1984 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

धिनांक : 8-10-1984

## प्रस्प बाह्", टी., एन. एस.,- - - ----

बायकर अधिनिय्स, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुष्त (निरीक्षण) धर्जन रेज, लखनऊ लखनऊ, दिनाक 8 अन्द्रवर 1984

निवेश स० जी० श्राई० श्रार० सख्या श्रार-232/श्रक्यू० यत मुझे ए० प्रसाद,

काबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति ,जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रा. से अधिक है

भौर जिसकी सख्या मकान नं० 3 महानगर हाउसिंग स्कीम लखनऊ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाक फरवरी 1984

को प्योक्त सपत्ति के उचित याजार मृत्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्वास किंदिन का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपरित का उचित याजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेष्य से उचत अन्तरण निम्निलिखत उच्चेष्य से उचत अन्तरण

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाम की वावत, उक्त किंपिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्लारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

आतः अपने, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-घ के उपधार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियरें, अर्थाट --- (1) श्री रसूल

(अन्तरक)

(2) श्री राज कुमार गुप्ता

(अन्तरिती)

(3) विकेता

(बह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग मे सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (का) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्बो और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## प्रनुसूची

एक किता मकान न० डी-3, स्थित महानगर हाउसिंग स्कीम लखनऊ श्रौर सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जोकि सेल-होड व फार्म 37 जी सख्या 12706 मे वर्णित है जिसका पजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी लखनऊ के कार्यालय मे दिनाक फरवरी 1984, को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम स्रधिकारी सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज,लखनऊ

दिनाक : 8-10-84

भोहर 🛭

प्ररूप नाह<u>ाँ.</u> टी., एन<u>.</u> एस<u>.</u>----

नाक्ष्फर अधिनिन्म, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-≌ (1) के नभीन नुभना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 9 ग्रन्ट्बर 1984

निवेश सं० जी० ग्राई० ग्रार० संख्या ग्रार-231/एक्यू० गतः मुझ्रो ए० प्रसाद,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदेशस करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,00.3/-रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० मकान सम्पत्ति नं० 538 घ मौसम बाग, ग्राहबरनपुर, लखनऊ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनाक 2 फरवरी 1984

को पृवािंधत सम्पत्ति को उचित बाजार मृस्य से कम को स्त्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ये यह विश्वास करने का कारण है कि मभापृबािंक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिस्थत से अधिक है बौर जंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (बन्दरितिबाँ) को बीच एसे अन्तरण के सिए तब पाया गया प्रति-क्स निम्नीलिखत उद्देश्य से उन्त अन्तरण सिखित में बास्त-विक कम से किथत नहीं किया गया है है——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-दिनच् में नधीन कर दोने के कलारक के बादित्य में कभी करने ना उक्क क्यूने में मुन्धा के जिए; जॉर/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) फे प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः जब, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग को अवृत्तरक वें, में., उक्त विधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के विभीन, निम्नीविधित व्यक्तियों, अभारत हि— (1) श्री सत्य पाल सिंह चौहान

(ग्रन्तरक)

(1) श्री राम प्रकाश ग्रग्रवाल

(ग्रन्तरिती)

(3) विकेता

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है )

कों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में दित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वाकारण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पेवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अमुसुची

मकान सम्पत्ति नं० 538 घ मय भूमि पैमाईसो 3500 वर्ग फिट स्थित मौसम बाग, श्रहिबरनपुर लखनऊ श्रौर सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जोकि सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 11867 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब-राजिस्ट्रार नखनऊ के कार्यालय में दिनांक 2 फरवरी 1984 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखफऊ

विनांक : 9-10-84

प्ररूप नार्द्धः टी. एन. एस्. ० - - - --

मायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 3 प्रक्टूबर 1984

निवेश सं० जी॰ ग्राई० ग्रार० संख्या ग्रार-230/एक्यू०--यत: मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान प्लाट नं० सी-376 है तथा जो सेक्टर बी-महानगर, लखनऊ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूधी में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्याक्षय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 3 फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मुल्य से कम के ब्रुथमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विद्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मुल्य, उसके ब्रुयमान प्रतिफल से, एसे ब्रुयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्यात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाम गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदयों से उक्त अन्तरण निवित में बास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण संदुर्द िकसी बाय की वाचत, प्रक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निशिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् ह

- (1) स्क्वार्ड लीडर श्री ग्रोम प्रकाण कुपलानी । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री रहमानुल हक सिद्दीकी

(मन्तरिती)

(3) विक्रेता (सह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सक्पति है)

को यह स्थाना आरों करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यविहिमां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि माद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुनाय;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवास में किए जा सकोंगे।

स्पक्किरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा, ओ उस अध्याय में दिया नया है।

## वन्स्यी

मकान प्लाट नं० 376 पर निर्मित, स्थित सेक्टर "बी" महानगर लखनऊ पैमाईसी 3120 वर्ग कीट जिसका पंजीकरण रिजस्ट्रीकर्ता भिक्षकारी लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 3 फरवरी 1984 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, सखनऊ

दिनांक : 3-10-84

मोहर 🗓

प्ररूप आहार.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारतः सरकार

कार्यांलय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 29 सितम्बर 1984

निदेश सं० जी० आई० आर० संख्यापी—127/एक्यू----यतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000/- रा. में अधिक है

25,0007- रह. में आविक हैं
और जिसकी संज प्लाट नंज 1 है तथा जो सिविल लाइन्स मुगदाझाद में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूनी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के लार्थालय मुगदावाद में रिजस्ट्रीकरण अधिक्यम 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक 20 फरवरी 1984 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृज्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अंतरण लिखित म वास्तिक इप से किथन नहीं किया गया है :---

- (च) धन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने की अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और ∕या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विधा के निए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत, जिम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) 1. श्री अनिल कुमार

- 2. कु० मन्जू खन्ना
- 3. श्रीमशी सुमन तनेजा
- 4. श्रीमती बीना सयाल
- 5 श्रीमती कुसुम खन्ना।

(अन्तरका)

(2) श्री पियूष जैन

(अन्तरिती)

(3) ऋता (बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्धन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेत् :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धि व्यक्तियों पर सूचना कीं तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टोकरण : - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ग्या है।

#### नगत्त्रपी

प्लाट नं० 1, पैमाईसी 1451.63 वर्ग० मी० भूमि मय 118.14 वर्ग० मी० भवन का, स्थित सिविल लाइन्स म्रादाक्षाद और सम्पन्ति का सम्पूर्ण विवरण जोकि सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 762मे वर्णित है जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार मुरादाबाद के कार्यालय में दिनांक 20-2-84 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम अधिकारी महायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

विनांच : 29~9~84

मोहर:

19-306GT/84

## बक्त बाद". हाँ. एव. एव.....

नामकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नभीन सुचना

### भारत सरकार

कायंतिया, तहास्क बायकर बाम्का (निरीक्षण) अर्णन रेज, लखनऊ लखनऊ दिनांक, 8 अक्टूबर 1984

निवेश मं० जी० आई० आर० सख्या एम-201/एक्यू यत: मुझे, ए० प्रसाद,

कासकर क्रीधीनक्स, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त क्रीधीनस्स' कहा गया हैं) की धाद 269-च के क्थीन सक्स प्राधिकारी को, यह निक्तास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार सूक्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संज्ञाह नंज 6 है तथा जो रेडिचो रोड, लखनऊ में स्थित हैं (और इससे उपाबक्क अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीक्रण अधिनियम 1908 (1908 वा 16) के अधीन, दिनांक 2 फरवरी 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रांतफल के लिए बन्तिरत की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिशत से अधिक है जीर बंतरक (जंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रति-फस निम्निनिवत उद्योग्य से उक्त बसारण विविच्न में वास्त-विक स्थ से किवन नहीं किया स्था है है •--

- (क) वन्दरण वे हुई भिन्नी बाव की बावक क्षमत विध-विश्वम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायिल में कर्मी करने वा कच्ची व्युने में सुविधा के लिये; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय भायकर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिमाने में सृविधा के निए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ का उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--- (1) श्रीमती रेखा भटनागर द्वारा अटानी श्री सुतीर पावसरार

(अन्तरकः)

(2) श्रीमती मोहिनी चावला

(अन्तरिसी)

(3) कोता (बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष ह---

- (क) इस स्थान के राजवन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जबकि या तत्मम्बन्धी क्योंक्तयों पर स्वना की तामील से 30 दिन की जबिक, जा भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति इवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपन में प्रकांकन की तारीब है

  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
  पास लिबित में किए या मकेंगे।

स्पब्सीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क म परिभाषित हौ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या है।

## जन्त्वी

प्लाट नं० 6 (म्यूनिमिपल नं० 23/4 ग) पैमाइसी 4000 वर्ग फिट मय 90 वर्ग फीट निर्मित एरिया स्थित रैडिचो रोड', लखनऊ और सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जोहिः सेल डोड व फार्म 37-जो संख्या 11864 में वर्णित है जिसका पंजिकरण रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 2 परवरी 1984 को किया जा चुका है।

ए० प्रमाद, सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, **लखन**ऊ

दिलांक : 8-10**-**84

मोहरु 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अभीन स्थना

### ब्राइत इरकाड

कार्यालय, सहायक बायकर वायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 8 अक्तूबर 1984

निदेश मं० जी० आई० आर० संख्या ए-144/अक्यू यतः मुझे, ए० प्रसाद

नायकर मधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त निभिनियम' कहा गया है।, की भारा 269-क के नभीन सक्षम प्राधिकार का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० आराजी भूमि है तथा जो बजीर हसन भोड, लक्षनक में स्थित है (और इससे उपाबद जन्मूची) में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ मे रजिस्दीगरण अधिनियम 1908(1908 का 16) के अधीन दिनाक फरवरी 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उच्चित काशार भूल्य से कम् के उप्यज्ञान प्रतिपन्न के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य उसके रूपमान प्रतिफल मं, एसे ध्रममान प्रतिफल का पन्द्रह भित्रात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के सिए तक पाया नया प्रतिफल, निम्नसिवित उद्वेदगों से उस्त अन्तरण जिवित में वास्तविक रूप से करियत नहीं किया नवा है :----

- (क) बस्तरण से हुई किसी जाय का बाबत, अभिनियम के अभीन कर दिन के अन्तरक के वर्गायस्य में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के निए; जौर/या
- (ब) एंसे किसी बाय या किसी भन या अन्य जास्तियां कां, जिन्हां भारतीय बायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, या धन-कर गिभिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रमोजनार्थ असरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया जाना चाहिए भा, छिपाने में सुविधा बेसिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण , <sup>म</sup>, उक्त अधिनियम की धारा 269-**च** की उपधारा (1) को अधीन, निम्मलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) 1. श्री अभूप अग्रवाल
  - श्री जगदीश कुमार अग्रवाल

(अन्तरक)

(2) श्री आनन्द कुमार

(अन्तरिक्ष

को यह स्वना बारी करके प्रविक्त सम्पत्ति के वर्णन के निश कार्यवाही शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं इस 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ स्मना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्दभ किसी व्यक्ति द्वारा, अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकरी।

स्पट्टीक रण:---इम्म प्रयुक्त शब्दी और पदौ का, औ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, बड़ी वर्ष होगा जो उस बध्याय में दिला गया 🗗

# सम्बद्ध

आराजी भूमि पैमाइसी 3000 वर्ग फीट स्थित वजीर हसन रोड़ लखनऊ और सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जोकि सेलडोड व फार्म 37 जो संख्या 13626 में वर्णित है जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्शा अधिकारी लखनऊ के कार्थालय में पश्रवरी 1984 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (गिरीक्षण) अर्जन रेज, सखनऊ

नारीख : 8-10-84

प्ररूप भार्च. टी. एन ु एस. ---- ---

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रेंज, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 3 अक्टूबर 1984

निदेण सं० जी० आई० आर० संख्या एस-331/एक्यू ~-यतः मुझे, ए० प्रसाद

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 / - स्त. से अधिक **है** 

और जिसकी सं० खमरा नं० 28/2 हैतथा जो गोला गज, लखनक में स्थित है (और इससे उपाबर अनुसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीक्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 वर्ग 16) के अधीन दिनांक 21 फरवरी 1984

को पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के उदयमान प्रतिफेल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्नेयह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशक्ष से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिबित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरमासंहुइं किसी जायकी बाबत, उपत अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; गार/गा
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकटनहीं किया गया थायाकिया जानाचाहिए था, छिपानेमे सुविधा 🕏 लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधार्ण (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री उत्तम कुमार मैनी

(अन्तरक)

(2) सुभाष सहकारी आवास समिति लि० लखनऊ क्षारा सचिव श्री किणोरी दत्त णुक्ला

(अन्तरिती)

(3) ऋरा (बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप उन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति प्धारा;
- (स्त) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा तो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि खसरा नं० 28/2, पैमाइसी 9 बिस्वा स्थित गोलागंज, लखनऊ जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 21 फरवरी 84 गो किया जा अका है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 3 10-81

## प्रक्ष वाद् . टी . एव् . एक् . ------

जाधकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निद्रीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनक, दिनांक 3 अक्टूबर 1984

निदेश सं० जी० आई० आर० सख्या एस-332/एक्यू-यतः मुझे, ए० प्रसाद

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भाउ 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं:

और जिसकी स० भूमि नं० मिनजुमला 28/1 है तथा जो गोला गज, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान दिलाक 25-2-84

का पूर्वोक्त सपित्त के जीचत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का जिलत वाजि मृत्य, उसके दृश्यमान प्रितिकत से, एते दृश्यमान परिकात का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्योध्य से उवत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथात नहीं किया गया है।

- (क) कुलाहुण सं हुई किसी जान की नावत, उनसे किथीनुसम के नभीन कर देने के नमारक के दावित्व में केसी करने मा उससे वचने में सुनिधा द'लिए; करि/सा
- (क) एसी किसी भाय वा किसी धन या बस्य वास्तियों करें, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बधिनियम, दा धन-कर अधिनियम, दा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सर्विधा के सिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अधित्य (1) श्री स्वामी दयाल

(अन्तरक)

(2) मै॰ मुभाष सहकारी आवास समिति लि॰ लखनऊ द्वारा प्रैसीडेट श्री प्रताप बहादुर सिह

(अन्तरिती)

(3) विक्रोता

(बह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है:)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के सर्चन के संतभ में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित स्थितियों में से किसी स्थिति व्यक्तिया;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित के दिएए जा सकरिं।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

भूमि नं० मिनजुमला 28/1, पैमाइसो 32437 वर्ग फिट स्थित गोला गंज लखनऊ जिसका पंजीकरण रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 25-2-1984 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनाक : 3-10-84

महिर:

प्ररूप बार्च. टी. ध्न. एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 3 अक्टूबर 84

निदेश सं० जीर० आई० आग० संख्या एस-333/एक्यू--यतः मुझे ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 ′-रा. में अधिक है

और जिसकी सं० भूमि नं० मिनजुमला 28/2 है तथा जो गोला गंज, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में ऑर पूर्ण का से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वे कार्यालय लखनऊ में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक 25 फरवरी 84

करे पूर्व किस सम्पत्ति के उषित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं अन्तरक और (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वंदेय से उक्त अन्तरण लिखित में बाक्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुदं किसी आय का बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (पा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आध-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाज-नाध अन्तरिती व्वारा प्रकट महो किया गया था या किया जान। चाहिए था छिपाने में ृतिथा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण क, में उक्त अभिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के सभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु क्रम्म (1) श्री उत्तम कुमार मैनी

(अन्तरक)

(2) सुभाष सहकारी आसाव सिमिति लि० लखनऊ हारा सचिव श्री किशोरी दत्त शुक्ला ।

(अन्तरिती)

(3) केता

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, त्रों भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकों में।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिधम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि नं भिनजुमला 28/2, पैमाईसी 9 बिस्वा स्थित गोलागंज, लखनऊ जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 25-2-84 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

दिगान : 3-10~84

मोहर 🖫

# प्रस्य नाई. टॉ. एर. एस.---

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्<mark>ष</mark>ना

#### भारत शरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ दिनाक 3 अक्टूबर 1984

निवेश स० जिश्व आई० आर०सख्या एस-334/एक्यू --यत. मुझे ए० प्रसाद,

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके परवात 'उक्त मिनियम' कहा गया है, की भारा 269- ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाबार मूच्य 25,000/- सं संपत्ति जिसका उचित बाबार मूच्य 25,000/- सं संपिक है

और जिसकी संख्या भूमि न० मिनजुमला 28/1 है तथा जो गोला गज, लखनऊ में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुभूवीं में और पूर्ण रूप में विणित हैं ), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक 25 फरवरी 1984 की पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल सें, एसे ख्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से विपक्त है और ब्रह्ममान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से विपक्त है और ब्रह्ममान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से विपक्त है और ब्रह्ममान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से विपक्त है और ब्रह्ममान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से विपक्त है और ब्रह्ममान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से विपक्त है और ब्रह्ममान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से विपक्त है और ब्रह्ममान प्रतिकात का पन्त्रह प्रतिकात से विपक्त है और ब्रह्ममान प्रतिकात का पन्तिकात पन्ति का प्रतिकात से विपक्त वहाँ किया पना है रू—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत उक्त किंधि-निवन के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के किए; और/या
- (क) एंसी किसी श्राय या किसी धन या बस्य बास्तियों की, जिम्हुं भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का '11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अधीत् — (1) श्री स्थामी दयाल

(अन्त रक)

- (2) सुभाष सहकारी आयास समिति लि॰ ाखाऊ द्वारा श्री प्रताप वहादुर सिंह (प्रेमीडिन्ट) (अन्तरिती)
- (3) केसा (वह व्यक्ति जिसके अधिभोगमे सम्पत्ति है)

को मह स्थान जारी करके प्रशास्त सम्पन्ति के अर्जन क लिए कार्यवाहियां करता हुं। उकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेपश---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की बविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृयों कर ध्यक्तियों में म किसी व्यक्ति हुन, दे
- (ख) इस सूचना को राज्यक्ष मों प्रकाशन की तारीक में 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हिंद-बहुध किसी करण त्यक्ति वताण क्षारा के पास लिखित मों किए पा सकींगे।

स्पष्टीक रणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नन्त्र्ची

भूमि न० मिनजुमला 28/1, पैमाईसी 23437 वर्ग फिट स्थित गोला गज लखनऊ जिसका पजीकरण रिजस्ट्रीक्ती अधिकारी लखनऊ के कार्यालय में दिनाक 25-2-84 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकार्रः सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, लखनऊ

दिनांक: 3-10-1984

मोहर : 👔

## प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 3 अक्तूबर 1984

निदेश सं० जी० आई० आर० संख्या एस-335/एक्यू-यतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० भूमि नं० मिनजुमला 28/1 है तथा जो गोला गंज, लखनऊ में स्थित है (और उससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 25 फरवरी 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उतिस बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे इष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रयोजनार्थ अंसरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री स्वामी वयाल

(अन्तरका)

- (2) सुभाप सहकारी आवास समिति लि० लखशक द्वारा प्रेसी:डेन्ट श्री प्रसाप बहाबुर राह् (अल्सीरती)
- (3) त्रेता (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सृचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य विक्ति द्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि नं भिनजुमला 28/1, पैमाइसी 32437 वर्ग फिट स्थित गोला गंज लखनऊ जिसका पंजीकरण रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी लखनऊ के कार्यालय में विनोक 25~2~84 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 3-10-84

प्ररूप. आह. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 8 अक्तूबर 1984

निदेश सं० जी० आईं० आर० संख्या एस~336/एक्यू--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रा. में अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि नं० 232 और 233 है तथा जो अहिबरनपुर, लखदऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1984

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिश्वत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण निम्नलिस उद्देश्य से उस्त अन्तरण निम्नलिस में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है;—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (खं) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विषया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वा. हो, ज़ल्ला अधिनियम की धारा 269-व की वपधारा (1) अ कर्ता भिन्निक्ति व्यक्तियों, वर्षात् :— 20—306GI|84 (1) 1. श्रीमती सुशीला देवी 2. श्री डी० के० योग

(अन्तरक्र)

(2) श्री मुरेण चन्द्र

(अन्तरिती)

(3) विकेता (बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है.)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उक्त संपत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की समिप या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

न्यच्यीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-अप में परिभाषित ह<sup>3</sup>, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि नं० 232 और 233, पैमाईसी 6805 वर्ग मोटर स्थित अहिबरनपुर लखनऊ और सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जोकि सेलडीड व फार्म 37-जी० संख्या 13454 में वर्णित है जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी लखनऊ के कार्यालय में फरवरी 1984, की किया जा चुका है।

ए० प्रसाद, स**क्षम अधि**कारी सहायक आ**यक्**र आयुक्त (निरीक्षण) अ**र्जन रें**ज, ल**खन**ऊ

दिलांक : 8-10-84

मोहर 🧎

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 29 सितम्बर 1984

निदेश म० जी० ब्राई० ब्रार० स० 24/37ईई/एनयू०--ब्रत मुझे, ए० प्रसाद

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाम् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी स० म्राफिस नं० 1 स्रौर 24 है तथा जो 11, एम० जी० भागं, हबीबउल्ला कम्पाउन्ड, लखनऊ मे स्थित है(श्रीप इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, अर्जन क्षेत्र लखनऊ में आयकर भ्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन तारीख फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है '--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्सरक को दायित्व में कमी करने या उससे अवने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्बिशा के लिए,

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् -- (1) भेमर्म हत्रप्रशिषा क्षेत्र (पा ) वि हलवासिषा काट, इकरन कि लखनऊ ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती लितका मिशा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृश्वित सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अस्थ किसी अन्य व्यवित द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

स्राफिस न० 1 में 24 फोर्य प्रोर पर पैमाईसी 560 वर्गफीट कामर्स हाउस में स्थित 11 एम० जी० मार्ग हवीब— उन्ला कम्पाउन्ड, लखनऊ करारनामा जो कि कम स० 38 पर दिनाक 8-2-1994 को सक्षम प्राधिकारी लखनऊ द्वारा रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी उसहारक प्रायक्तर प्राप्तन (निरीक्षण) सर्वात देव प्रखनक

विनाक 29-9-1984 मोहर प्रस्प बाइं. टी. एन. एड.----

आयकर वाधानसन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्वनः

#### बारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर भागुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाक 29 सितम्बर 1984

निदेश सं० जी० श्राई० श्रार० सं० 25/37ईई/एक्यू०---श्रत. मुझे, ए० प्रसाद

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख की अधीन सज़म अधिकारी की यह निश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से निभक हैं

ग्रीर जिसकी सं० ग्रांकिस नं० 6 ग्रीर 7 है तथा जो -11, एम० जी० मार्ग, हवी उदस्ता कम्पाउन्ड, लखनऊ में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय प्रर्जन रेंज, लखनऊ में ग्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269क, एवं के ग्रधीन तारीख 8 फरवरी 1984

को पूर्वोक्त गम्पति के जीवत बाजार मूल्य के कम के क्रयमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का जारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमे अन्तर्म के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप में कथित नहीं किया गया है है

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त आभ-नियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सिविधा के लिए. अर्र/या
- (क) एसी किसी पाय था किसी भग या अन्य आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय अय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11). या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन, अ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्याने में स्विभा के लिए;

(1) मेसर्स हलवासिया प्रोपर्टीज (प्रा०) लि०. हलवासिया कोर्ट, हजरतगंज, लखनऊ ।

(ग्रन्तरक)

(2) 1. श्रीमती सुमन कोचर 2. मास्टर चयन प्रिय कोचर।

(ग्रन्तरिती)

को यह भूजना जारी करके पृथाँकत् सम्पृहित् के वर्जन् के दिए कार्यवाहियां सूक्ष करता हुं।

उक्त सम्पृतिस् के बुर्बर् के सम्बन्ध में कोई भी बासोप्≾⊸

- (क) इब् स्था के राथपन ने प्रकाशन की तारींश है 45 विन की नवींथ मा तत्सम्बन्धी स्थानतकों पर स्थान की तामींश से 30 दिन की संवधि, को भी वर्षीय वाद में संवाप्त होती हो, के मौतर प्यानिक स्मृतिस्तामों में से किसी स्थानित ब्वारा;
- (क) इस भूचना के राजपण में प्रकारण की ठारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल्लक्ष्यु किती अन्य व्यक्ति व्यारा अभोहस्ताकारी के पास लिशित में किए दा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

श्राफिस नं० 6 श्रीर 7 छटे फ्लोर पर पैमाईसी 537.12 वर्गफीट कामसे हाउस में स्थित एम० जी० मार्ग, हबीबउल्ला कम्पाउन्ड, लखनऊ करारनामा जो कि ऋम सं० 39 श्रर्जन क्षेत्र में सक्षम प्राधिकारी, लखनऊ द्वारा दिनांक 8-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

अत: शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-**ग की उपभारा (1)** को ब्रामीय, निम्नीविधि: कारिश्लायों, नुर्भात् क्र--

विनोक : 29-9-1984

मोहर 🗓

# प्रकृत् आई.टी.एन.एस.------

भारा २६९-म (1) के अभीन स्वना

### भारत् सुरकान

# कार्यस्य, सहायक आयकार आयुक्त (निर्देशिक)

श्रजंन रेंज, लखनऊ

लखनक, दिनांक 29 मिसम्बर 1984

निवेश सं० जी० आई० आर० सं० 26/37ईई/एक्यू--अतः मझे, ए० प्रसाद

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्ते अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम गाधिकारी को यह दिश्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं० आफिस नं० 11 है तथा जो 11, एम० जी० मार्ग, हबीबउल्ला कम्पाउन्ड, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय धर्जन रेंज, लखनऊ में आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन तारीख 8-2-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उाचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और मत-रिती (अतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, धक्त बीधनियम् के सधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे अवने में सुविधा कें निए; बीट/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं कियर ग्या था या किया जाना जाहिए था,, कियाने में स्विधा के सिष्ट;

क्षा नद, उस्त अधिनियम की धारा 269-ए के जनुसरण में, में, उस्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस न्यक्तियों, अर्थात ह---- (1) भेससं हसवासिया प्रापर्टीज (प्रा०) लि॰ हलवासिया कोर्ट हजरुतगंज, लखनऊ ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री धनुराग गुप्ता ।

(अन्तरिसी)

को यह युवना भारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के कुर्वन के निष् कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किये था सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया पदा हैं।

## मन्त्रची

माफिस नं० 11 फोर्थ फ्लोर पर पँमाईसी 380 वर्गफीट कामर्स हाउस में स्थित 11, एम० जी० मार्ग, हबीबउल्ला कम्पाउन्ड, लखनऊ, करारनामा जोकि सक्षम प्राधिकारी लखनऊ द्वारा कम सं० 40 पर दिनांक 8-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 29 -9-1984

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, विनांक 29 सितम्बर 1984

निदेश सं० जी० ग्राई० ग्रार० सं० 27/37ईई/एक्यू०— धनः मझे, ए० प्रसाध

शायकर विभिन्नम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उकत अधिनयम' कहा गया है), की धार 269-स के नवीन सक्षय प्रधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृश्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० ग्राफिस नं० 15 ग्रीर 21 से 24 है तथा जो 11, एम० जी० मार्ग, ह्वीबउल्ला कम्पाउन्ड लखनऊ में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ना ग्रिधकारी के कार्यालय भ्रजन रेंज लखनऊ में ग्रायकर ग्रिधनियम 1961 की धारा 269क, ज के ग्रधीन तारीख 22-2-1984

को पूर्वोक्त संपृत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपृत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण निम्निलिखत में कास्तिक रूप से काथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुए किसी जाय की बाबत, उनक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को वाधित्व में कमी करने या जससे बचने मां सुचिधा क लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अवं, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसहरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1), के अभीन विस्तिकित व्यक्तियों, जनाव ह—— (1) मेसर्स हलवासिया प्रोपर्टीज (प्रा॰िच॰) हलवासिया कोर्ट, हजरत गंज, लखनऊ।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स सलूजा एक्सपोर्ट, द्वारा श्री श्रमरीक सिंह, 16, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

का यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख खें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाध्य होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुशारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सर्वोगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्त्वी

श्राफिस नं० 1 से 5 श्रोर 21 से 24 थर्ड फ्लोर पर पैमाईसी 3450 वर्गफिट कामर्स हाउस में स्थित 11, एम० जी० मार्ग, हबीबउल्ला कम्पाउन्ड, लखनऊ करारनामा जो कि सक्षम श्राधिकारी लखनऊ द्वारा ऋम सं० 41 पर दिनांक 22-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिका ्रक् सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

दिमांक : 29-9-1984

प्ररूप बाइ.टी.एन,एस.-----

जायकर अधिभियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, विनांक 29 सितम्बर 1984

निदेश सं० जी० आई० आर० सं० 28/37ईई/एक्यू०---अत: मुझे, ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० आफिस नं० 1,2,3 और 21 से 24 है तथा जो 11, एम० जी० भाग, हवीबउल्ला कम्पाउन्ड,लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विभात है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय अर्जन रेंज, लखनऊ में आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख 8-2-1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान पितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है है——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृत्रिधा के लिए; और/या
- (थ) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः वन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निज़िम्ह न्मिक्तियों, अर्थात् अ--- (1) मेसर्स हलवासिया प्रापर्टीज (प्रा०) लि० हलवासिया कोर्ट, हलरत गंज, लखनऊ।

(अन्तरम)

(2) श्री एस० **६ १वर** सिंह सलूजा 7/154, स्वरूप नगर कानपुर ।

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के अूर्जन के लिए कार्यवाहियां सूरू करता हूं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति जो भी अविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यागः;
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उदत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक्ष हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## जन्सूची

आफिस नं० 1, 2, 3, और 21 से 24 सेक्टि फ्लोर पर पैमाईसी 2090 वर्गफोट कामर्स हाउस में, स्थित 11, एम० जी० मार्ग, हबीबउल्ला कम्पाउन्ड लखनऊ, करारनामा जो कि कम सं० 42 अर्जन क्षेत्र में सक्षम प्राधिकारी सखनऊ द्वारा दिनांक 22-2-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 29-9-1984

मोहर 🛭

पस्त्य बाहा.टी.एन.एस. ------

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 29 सितम्बर 1984

निदेश सं० जी० आई० आर० सं० 29/37ईई/एक्यू०---अत: मुझे, ए० प्रसाध

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है' कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क सं अधिक है

और जिसकी सं० आफिस नं० 19वीं और 20 है तथा जो 11, एम० जी० मार्ग, हवं/बउल्ला कम्पाउन्ड, लखनऊ में स्थित हैं (और इसमे उपाबद्ध अनुसूर्च, में और पूर्ण रूप से विजत हैं) रिजर्ट्रेक्ती अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज, लखनऊ में आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अर्धान सारिख 22-2-1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मभे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तर्विक रूप से किथत नहीं किया गया है है——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय वा किसी भन या अन्य आसित्यों की, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरनी द्वारा प्रकर नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के निए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग **के अगुसरण** में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अपीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) मेसर्स हलबासिया प्रापर्टीज (प्रा०) लि० हलवासिया कोर्ट, हजरन गंज, नावनक।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती दभनकेदी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्स सम्मिरित के अर्वन के तिरू कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजधन में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभीहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्ध्वीकरण:---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ क्षेगा जो अध्याय में दिया गया है।

#### ननसर्थी

आफिस नं० 19वीं और 20 सेकिंड फ्योर पर पैसाईसी 350 वर्गफीट लामसे हाउस ने स्थित 11, एम० जी० मार्ग, लखनऊ ह्वीबउफ्ला कम्पाउन्ड लखनऊ करारनामा जो कि कम सं० 43 पर दिनांक 22-2-1984 को सक्षम प्राधिकारी लखनऊ दारा रिजस्टर्ड किया गया है।

> ग० प्रमाद मक्षम प्राधिरारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

विनांक : 29-9-1984

मोहर 🕄

प्ररूप आइ. टी. एन. एस \_-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय. सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊं, दिनांक 29 सितम्बर, 1984

निदेश सं० जी० आई० आर० सं० 30/37ईई/एक्पू०----अतः मुझे, ए० प्रसाद

मायकर अितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उत्तत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसको सं० आफिम नं० 6 है तथा जो 11, एम० जी० मार्ग, हबीवउल्ला कम्पाउन्छ, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अनर्ज रेंज, लखनऊ में आपकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन तारीख 22-2-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य में कम के स्थमान प्रितिफन के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वस करने का उपित अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वस करने का उपित अन्तरित का प्रितिफन का उपित बाजार मृत्य, उसके दुरमान प्रितिफन हो, ऐसे दश्यमान प्रितिफन का शंद्र प्रितिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरिण के लिए तम पामा गया प्रितिफन, निम्नितिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है ----

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, स्रक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के राजिल्ज में कमी करने या उससे वचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा

अत: अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण कों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) की अधीन निम्निलिखिट व्यक्तियों, अर्थात् क्र— (1) मेसर्स हलवासिया प्रापर्टीज (प्रा०) लि० हलवासिया कोर्ट, हज्ञाप्त गज. लखनङ

(अन्यन्क)

(2) श्रीमती रोली बख्णी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अपिथ या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्पन्ति ह्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिसबद्ध किसी अन्य अपिक द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकींगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिभीनयम के अध्याय 20-क मे परिभाषिक्ष हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### ममुस्यी

आफिस नं० 6 सेकेन्ड फ्लोर पर पैमाईसी 290 वर्गफीट कामर्स हाउस में स्थित 11, एम० जी० मार्ग लखनक हबीबउरुला सम्पाउन्ड, सम्बन्ड करारनामा जो कि त्रम मं० 44 पर दिनांक 22-2-1984 को सक्षम प्राधिकारी लखनक द्वारा रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्दक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 29--9-1984

### इरूप आई. टी. एन. एस.-----

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अप्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 8 शक्तूबर 1984

निदेश सं० आर० ए० मी० नं० 583/84-85-अतः मुझे, एम० जगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तित बाजार गृज्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय परिसर है तथा जो काँद्राक्षाम्पलेक्स सिकंदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूर्वा में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकंदराबाद में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गईं है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल, से एोसे स्वयमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकारें) और अंतरिती (अंतरितियाें) के बीच एोसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आप की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, विव्यान में अधिका की सिए।

सत: सब, उक्त अधिनियम की धारा २69-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थात :----21—306GI/84 (1) मेसर्स काब्रा एण्ड को० 61, एम० जी० रोड़, सिकंदराबाद।

(अन्तरका)

(2) मेससं व्हीं एम काइनामसियल एण्ड लीजिंग को ०, 1-2-54/4 गगन महल, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-अव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त बन्दों और पवाँ का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

कार्यालय तं० 325 और 326 और 329,तीसरा मंजला, कामा काम्पलेक्स, एम० जी० रौड़, सिकन्वराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 64, 65, और 68/84 रजिस्ट्रीकर्सी अधिकारी सिकंदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 8-10-1984

मोहर

प्ररूप नाइ. टी. एन. एस. ------

आयकर ऑभिनियम, 1961 (1961 का 43) की 769-व (1) के नभीन स्वता

#### भारत बरकार

कार्यालय, सहायक बायकर भायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 8 ग्राक्तूबर 1984

निदेश सं० ग्रार० ए० सी ० नं० 584/84-85—ग्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिनका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी मं० फ्लैट है तथा जो मारेडपल्ली सिकंदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे विणत है) रिजस्ट्रीकर्ना ग्रिधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिपिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिप्तीन तारीख फरवरी 1984

को पूर्विक्स मध्यत्ति के उचित वाकार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वान्तिमक रूप से कृतिक मही किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अभीन कर धीन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तर ब्याने में सूब्धि के सिए; बीर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या कत्य जास्तिकों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या सक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट मही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कों, मीं,, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (१) की सभीन निम्नलिखिल क्यक्तियों, अर्थात् हु----  फेंसन किस्टर्स 10~2~267, वेस्ट मारेडपहली, सिकन्दराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के० कृष्णा नायक,
 4 भोले श्रपार्टमेटस,
 17य रोडमं खार,
 बस्यई-52।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हो।

उंक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताशीन से 30 दिन की संबंधि, को भी अविधि बाद में सभापत होती हो, के भीतर प्रांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रवारा;
- (का) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्साक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्थळकिरण १---इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्षों का, को उन्तर विश्वनिक्षम के अध्याय 20-क में परिभाषिक्ष हाँ, वहीं वर्ष होंगा को उस अध्यास में विका नवा हैं।

#### -

दुकान नं० 1, ब्लाक नं० ए, 10-2-267, र्फशन ध्रपार्टमेंटस, नेस्ट मारेडपस्ली, सिकन्दराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 347/84 रजिस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी मारेडपस्ली।

> एम० जगन मोहत सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

विनोक : 8-10--1984

मोहर 🚁

प्ररूप बाई. टी. एत. एस.-----

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के जभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

म्पर्जन रेंभ, हैदराबाद

हैदराबाद, दिवाक 8 ग्रक्तूबर 1984

निदेश सं० ए० श्रार० सी० नं० 585-84/85-श्रत मुझे, एम० जगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राविकारी को, यह जिल्लाम करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हो

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट है तथा जो बापू बाग सिकन्दराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है ) रिजिर्द्रीकर्ता भ्रिवकारी के कार्यालय रगारेड्डी जिला में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन फरवरी 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उम्रित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने की कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का मृत्यह प्रतिकत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्टिक रूप से कथित नहीं किया गया है दि—

- (क) मृख्यरण से हुई किसी नाम की बाबत, उपत मिनियम के नृभीन कर दोने के अन्तरक को सायित्य में कमी करने वा उससे अभने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) पुरेसी किसी आधु या किसी धून या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1.1) या उक्त अधिनियम या अनंकर अधिनियम या अनंकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए,

(1) मसर्स युनाइटेड इंजीनियर्स, 1-8-102 (134), पेंडरघाट रोड़, सिकन्दराबाद।

(घन्तरक)

(2) श्रीमती मावत बी०,
 66/2, ग्रार० टी० प्रकाश नगर,
 हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को बहु सूचना वारी करके पृत्रोंक्त सम्परित के जर्जन के निए कार्यवाहियों करता हुं।

जक्त सस्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबक्ष्म किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कांगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मन्त्री

फ्लैंट नं० 4, 1-8-132/61, बापू बाग, सिकंबराबाद रिजट्रकृत विलेख नं० 563/84 रिजस्ट्रकर्ता ग्रिधकारी रंगारेष्ट्री जिला ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्टर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज, हैदराबाद

अतः अब उन्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरम् स , मैं , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों , अधीत :---

दिनांक : 8-10-1984

प्रकृप नाइ. टी. एम. एस. - - - ----

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) को सधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अक्तूबन 1984

निरोश सं० श्रार० ए० सी० नं० 586/84-85-श्रतः मझे एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रोर जिसकी स० प्लाट है तथा जो ईस्ट मारेडपाल्ली सिकंदरा-बाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मारेडपाल्ली मे रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल् के लिए अन्त्रित की गई है और मुफे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार शृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उच्क अन्तरण निखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) नन्त्रण ते हुन्दं किसी नाम की नानत, उन्तर निभिन्यम के नभीन कर दोने के नन्तरक के यायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर् अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में सुविधा के लिए;

कतः कव, उक्त किंधिनयम की भारा 269-य के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिश्चित व्यक्तियों, अर्थाल ६—— (1) श्री गुजा सोहम्मद शरीफ,
 1--11-252/ये,
 प्लाट नं० 3 बेगमपेट,
 हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीपती श्रायेशा वाई, 6-1-198/13, पदमाराव नगर, सिकंदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त, सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तस्मध्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हां, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पृत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: ---इसमे प्रयूक्त शक्यों और पदो का, जो उक्तर कि अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुस्ची

्लाट नं० 210-3-3-3/2, पहली मंजिल में ईस्ट मारेडपाल्ली सिकदराबाद विस्तीण नं० 1028चौ० फुट रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी मारेडपाल्ली, रिकस्ट्रीत विलेख नं० 285/84।

> एम० जगन माहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैक्साबाद

षिनांग : 8-10-1984

प्ररूप आई.टी एन एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनाम 8 अन्त्वर, 1984

निदेश मं० आप० ए० मी० नं० 587/84-85-अतः मुझे एम० जगन मोहन

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जमीन है तथा जो पैगा शालोनी गिकंदराबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनूम्ची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीक्ती अधिकारी के कार्यालय मारेडपाल्ली में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 1908 (ता 16) के अधीन नारीक्ष फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाँजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रथमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखत में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती हणमातून्तिसा बेगम और अन्य 156-159 पैगाशीस एस ती० रोड़, सिकन्दराबाद ।

(अन्तर्क)

(2) श्री लक्ष्मीराम और अन्य 2-4-129, रामगोपाल पेट, सिकन्दराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नन्सूची

जमीन त्रिस्तीर्ण 533 चतुरगज पँगा बालोनी सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 366/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मारेडपल्ली ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैक्स्राबाद्य

दिनांबः : 8~10-1984

## प्ररूप , बार्ड . टी . एन . एस . ------

णायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सङ्घायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण)
अर्जन रेज; हैदराबाद
हैदराबाद, दिनाक 8 अक्तूबर 1984

निर्देश सं० श्रार ० ए० सी० न० 588/84-85--यतः, मुझे, एम० जगनमोह्न,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके नद्धात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० जमीन है, तथा जो पदमारावगर सिकंदराबाद मे स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनमूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधकारी के कार्यालय, हैदराबाद मे रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के के ग्रधीन फरवरी, 1984

को पूर्वाक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का विश्वह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया वया प्रतिफल निम्निचित उद्वर्षय से उक्त अंतरण निमिचत् में बास्तिक रूप से कीयत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की नायत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिल्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

लत: अव. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निस्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् ह—

- 1' फिन कोश्रापरेटिय हौिसग सोसाइटी लिमिटेड 5-8-499/502, चिराग ग्रालीलेन, हैवराबाद। (ग्रन्तरक)
- श्री एम० वी॰ रेगारेड्डी, 3-6-375/ए, हिमायतनगर हैदराबाद

(मन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहिया कुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों अर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस स्वान के गुजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगा।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदौं का, जा उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

## बन्स्की

जमीन विस्तीर्ण 380 चतुरगज पदमारावनगर सिकन्दराबाद रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1224/84 रिजस्ट्रीकृति ग्रिधिकारी हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 8-10-1984

प्रकम आई. टी. एम. एस.------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (दिनरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 ग्रक्तूबर 1984

निर्देश सं० म्रार ए० सि॰ नं० 589/84-85--यतः, मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- उ. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० जमीन है, तथा जो पदमाराव नगर सिकन्दराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद मे रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण ते हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अपने में स्थिधा केलिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करो, जिन्हा भारता। भाय उन आधिनयस, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या नग-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना जाहए था, छिपान में सूत्रिधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- फिन कोग्रापरेटिव हौिसग सोसाइटी लिमिटेड,
   5-8-499/502, चिरागग्रली लेन, हैदराबाद
   (ग्रन्तरक)
- 2. श्री बी० वी० मुब्बारेड्डी, 1-4-880/2/20, नया बाकाराम, हैदराबाद

(ग्रन्गरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि., जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वन्स्ची

जमीन विस्तीर्ण 405 चतुर गज पदमाराध नगर सिकन्दराबाद मे रजिस्द्रीकृत विलेख नं० 1225/84 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी हैषराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-10-1984 मोहर म प्रस्प बाइं. टॉ. एन. एस.------

भायकर मिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 श्रक्तूबर 1984

निर्देश सं० प्रार०ए० सी०नं० 590/84-85--यतः, मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का धारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. में अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० जमीन है, तथा जो तिरमालागिरी सिकन्दराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबछ धनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मारेडपाल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य उसके बश्यमान प्रतिफल से, एसे बश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाद की बादत, श्रांकत जिथिनियम के जधीन कह दोने के अन्तरक के वासित्व में कानी करने वा उससे बचने में सुविधा के सिए; बरि/वा
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्ह भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या के प्रयोजनार्भ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

 श्री जे० म्रार० रामेश, 3-18-86, पेछदा कामाला, मन राकरोड़, सिकल्दराबाद

(ग्रन्तरक)

2. श्री एग० एस० दी ननदानाथाना कोपापरेटिव हौसिंग मोसाइटी, श्रार० पी० रोड़, सिकन्दराबाद सिकन्दराबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्तित द्वारा
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अथोहण्ताक्षरी के पाम लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदौं का, जो उक्त विभानियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बड़ी अर्थ होंगा, जो उक्त अध्याय में विमा गया हैं।

## 

जमीन विस्तीर्ण 1/2 याकर तिष्माला गिरी सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 438/84 रजिस्ट्रीकर्ती ग्रिधिकारी मारेडपाल्ली ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित अयिकतयों, अधित् ——

नारीख : 8-10-1984

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) को नभीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिमांक 8 ग्रन्त्वर 1984

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 591/84-85--यत/, मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जमीन है, तथा जो तोकाट्टा गांव सिकन्दराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबक्क ग्रन् मूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, मारेडपाल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख फरवरी, 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निचित्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बलारण ते हुई किसी बाय की वाबर, उपस विभिन्नियम के अभीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व में कमी कारने या उत्तसे बचने में सुविभा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय भायकर जिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा की लिए:

 श्री के० बालरेड्डी ग्रीर श्रन्य, बोवनपाल्ली, सिकन्दरागाद

(भ्रन्तरक)

2. श्री एम०/एम० भावाना को श्रापरेटिव हौसिंग सोसाइटी 19~3~422, जाहानुमा, हैदराबाद ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति को कर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूभना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाश अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया हाँ।

### अनुसुधी

जमीन विस्तीर्ण 33 गुंटास तोकाट्टा गांव में सिकन्दराबाद रजिस्द्रीकर्ता ग्रिधकारी मारेष्ठपाल्ली रजिस्द्रीकृत विलेख नं० 515/84 ।

> एम० जगन मोहन. सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुवन (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अव, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—-

मोहर :

नारीख: 8-10-1984

22-306GI/84

## प्ररूप आहाँ, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्थन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 8 अक्टूबर 1984

निदेश स० आग० ये० सी० त० 592/84-85-यत मुझे, एम० अगन मोहन धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य '25.000/ र में अधिक हैं

और जिसकी स० स्मि है जो पदमाराव नगर मिंकदराबाद स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदरा-बाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक प्रस्विश 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य. उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एक दृश्यमान प्रतिफल का पन्नत प्रतिकास से प्रधिक है और अंतरक (अंतरको) और अतरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण वे लिए तय पाया गया प्रतिफल, निग्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है .—

- (क) इन्लरण में हुई िकसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपन अधिनियम, भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था फिरान ज सविधा के लिए,

जित: शव, उक्त अधिक्षियम की धार 269-ग के अनमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिलित व्यक्तियों, अर्थात --- (1) मैं ॰ फोन कारपोरेटिय हाऊसिंग सोसायटी लि॰, चीराग आली लेन, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री यस सत्यानारायणा, पलैट २० ४०२, धेडण्झास्ट शोड, सिकन्दराज्ञाद,

(अन्तरिसी)

को यह सृचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सब्ध में कोई भी आक्षंप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्रिकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### अभूसूची

प्लैट पदमाराव नगर, सिकन्दराबाद, विस्तीर्ण 623 चौ० गज रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1223/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम अधिकारी यहायक आयक्ष्य आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनाक - -10-84 मोहर श्रुक्त बार्ड्, टी . युन्, युनु . ------

बायकर बिभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-च (1) वो बभीन सुचना

#### भारत वरकार

कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अक्टूबर 1984

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 593/84-85-यतः मुक्ते, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कार्ण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संव भूमी है, जो तीरमलगीरी, निकंदराबाद स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री क्षती अधिकारी के कार्यालय, मारेडपल्ली, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के एक्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिबत उद्देश्य से उक्त अन्तरण चिकित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण ते हुई किसी जान की वावत, उचत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वार्डिय में कभी करने या उत्तरों वचने में सुविधा के विष्हु; करि/वा
- (क) ऐसी किसी बाव या किसी भन या जन्य जास्तियों को , विन्हें भारतीय जाय-कं निधिनयम , 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम , या भनकर अधिनियम , या भनकर अधिनियम , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया बवा वावा किया बाना वाहिए था स्थिन में स्थिभा के सिक्षः

बतः बय, उक्त बिभिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-- (1) श्री नेओसीर आर॰, मीस्त्री पिता जे॰ आर॰ मिस्त्री, सिकंदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) मैं ० कल्पत्तर को आपरेटिव हाऊसीग सोसायटी लि० बंजारा कस्टल रोड़ न० 12, बंजारा हीलस हैदराबाद -34 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जनधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अन्सूची

भूमि विस्तीर्ण 3एकर 44 गूठे, तीरुमलगीरी, सिकदराबाद, रिजस्ट्रीकर्सा विलेख नं० 263/84, रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी मारेडपरुली ।

एम'० जगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयवार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक. : 8–10–84

# प्रकप कार्यः, दीः, एवं । एक व्यवन्तर्वन

# नायकर निवित्यम, 1961 (1961 की 43) की भोड़ी 269-म (1) के अभीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरौंक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अक्टूबर 1984

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 594/84-85--यतः मुझे एम० जगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) ( जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुन्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० कार्यालय है, जो रानीगंज पिन स्टराबाद स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैद बाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी 1984

को पूर्वोक्स सम्मित के उचित बाजार मृत्यं से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्ति, ति की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्मित का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंत-रिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उन्त जिथिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ज्वने में सुविधा के लिए; जीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, धियाने जें स्विधा के लिए;

जत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीर निम्नितिखित व्यक्तियों, अधीत :---- (1) भैसर्स बाब्खान बिल्डर्स, 5-4-86 से 92 रातीगंज, सिनंदराबाद।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स धायासद्दीन, बीबूखान फमील ट्रस्ट,• खैरताबाद, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4/5 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत क्यांक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा तकारी।

स्यस्त्रोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, मही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नप्युची

कार्यालय नं० 701, और 702, 5-4-86 से 92, सिकंदराबाद, रिजस्ट्रीकृत वितेख नं० 643/83 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 8-10-84

मोहर 🖫

**प्रका बाइ**ं टी. एन. एस. -----

नायंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैंदराबाद, दिनांक 8 अक्टूबर 1984

निवेण सं० आर० ये० सी० नं० 595/84-85---यत: मुझे एम० जगन मोहन

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दूकान है, जो रातीगंज, सिकंदरावाद स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकरर्ता अधिकारी के दार्थालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी 1984

को पुर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तिबक क्ष से किथत नहीं किया ग्या है :---

- (क) अंतरण से हुई िकसी आय की आबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कहने या उत्तरे विभने में सृतिधा के सिए; और/या
- (च) एसी किसी नाम या किसी धन या जन्य नास्तियों को जिन्हों भारतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त निधिनयम, या धन-कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, जियाने में सुविधा ने हिए;

क्षतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, पैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मसमं बाबूखान विरुडंस 5-4--86 सं 92, रानीगंज, सिंकदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) मैससं बसीरूदीन खान फमीली ट्रस्ट बाई श्री मूनीरुद्दीन शेख इमाम, मलक्षेट ,हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्परित् के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वांक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वना के रावपृत्र में प्रकावन की तार्शंत है 45 विन के भीतुर उन्तर स्थान्य सम्पत्ति में वित्ववृष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पच्छोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही पर्ण होगा जो , उस ग्रध्याय में विया पंता है।

#### -

दूकान/कार्यालय 5-4-86 से 92 रानीगंज सिकदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 644/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 8~10~84

प्ररूप भाइं.टी.एन.एस. ------

कामकर स्पिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व् (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 8 अक्तूबर 1984

तिवेश सं० आर० ये० सी० नं० 596/84-85— यतः मुक्को, एम० जगन मोहन

नायकर निधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विदेवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० कार्यालय है, जो रानीगंज सिकंदराबाद स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णक्ष्प से विणित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19 फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्में यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिहात से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियस के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

(1) मैसर्स बाबूखान बिर्ल्डस, 5-4-86 से 92 रानीगंज, सिकंदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) मैंसर्स मेदुरी कंपीसीटार्स प्रा० लि०, बाई श्री एम० सूब्बाराव, 16-9-831/3 मलकपेट हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रीक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी ब्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं कर्भ होगा,, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वन्त्र्यी

कार्यालय न ० 643, 5-4-86 से 92, रामीगंज सिकंदराबाद, विस्तीर्णे 266 ची० फूट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1020/84, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

बता अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-प के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसमों, अर्थात् ः—

दनांक: 8-10-84

प्ररूप आर्द. टी. एन. एस.-----

**शायकर अभि**तिसम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-श (1) के अभीन मृथना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अक्तूबर 1984

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 597/84-85--यत: मुझे, एम० जगन मोहन

कायकर मिपिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० कार्यालय 642 है, जो रानीगंज, सिकंदराबाद स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबत्व अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप हे विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी 84

को पूर्विति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिकित उद्वेदम से उक्त अन्तरण लिखित में भारतिक कप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उन्तर विधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य वो कनी करने या उन्नसे वचने में स्प्रिका के लिए वीर/वा
- लं) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया किया जाना चाहिए था, कियाने में सरिवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग है अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैंससं बाबूखान विल्डर्स,5-4-86 से 92, रानीगंज,मिकंदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) था एम० सूक्बाराव, 16-9-831/3, मलकपेट, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह स्थना वारी करके पृयाँक्त सम्मृत्ति के वर्षन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

### उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि अब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति वृद्यार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पव्होकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं,, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### भनुसूची

कार्यालय नं 6 642, 5-4-86 मे 92, रानीगज, सिकंदराबाद, विस्तार्ण 266 चौ० फूट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 0 1021/84 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

एमः० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी (सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 8-10-84

प्ररूप आहु . टी . एन . एस . ------

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदरायाद, दिनांक 8 अक्तूबर 1984

निदेश सं० आर० ये० मी० न० 598/84-85--यत: मुझे एम० जगन मोहन

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० दूकान नं० 39 है, जो रानी गंज सिकंदराबाद स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूर्यः में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1 908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाम गया प्रतिफल निम्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नि में बास्तिक स्थ से किंवत नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उच्छ जीधनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के खासित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 192% (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के निए:

अतः अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मैसर्स बाबूखान बिल्डर्स, 5-4-86 से 92, रानीगंज सिकंदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्राः अब्दूल कासोम खान नदोया कीनारें, 37 ब्टलर रोड, लखनऊ, यु० पी०,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, खो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तित्यों में में किमी व्यक्ति देवारा;
- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहेस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, वो उपन्ध अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मनुसूची

दूकान नं० 39, 4-5-86 से 92, रानीगंज सीकंद-राबाद विस्तीर्ण 250 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकर्ता विलेख नं० 1024/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम अधिकारी महायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 8-10-84

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस . -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्याभय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अक्तबर 1984

निदेण सं० आर० ये० सी० नं० 599/84-85---यतः मझे एम० जगन मोहन,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राविकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० दूकान नं० 40 है, जो रानीगंज सिकंदराबाद स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्णक्ष्य से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1984 की पूर्णेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विख्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तर का पन्तर प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशस्य से उक्त अन्तरण कि सिलत में वास्तविक रूप से किसत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उपसा भीधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने या उपसमे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रसाजनार्थ अभिनियम, विद्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किए। भाग चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

(1) मैसर्स बाबूखान बिल्डर्स, 5-4-86 सं 92, रानीगंज; सिकंदराबाद ।

('अन्परक)

(2) श्रांमिता नमीत्र कौर 5-4-143, एम० जी० रोड़, सिकंदराबाद

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकने।

स्पद्धिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

दूकान नं ० 40, 5-4-86 से 92 रानीगंज, सिकंदराबाद, विस्तीर्ण 250 चौ० फुट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 1023/84, रजिस्ट्राकर्ती अधिकारी हैदराबाद।

एम० जगन मोहन, सक्षम अधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 8-10-84

प्ररूप बाईं.टी.एन, एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प(1) के प्रधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजंन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक ८ अक्तूबर 1984

निवेश सं० आर० ये० सी० नं० 600/84-85--यतः मुझे, एक० जगन मोहन,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पे बात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाग करने का कारण है कि स्थावर मध्यत्ति जिसका उधित बाजार मूल्य 25,0(0/- रुपए से अधिक हैं

और जिसकी सं० कार्यालय नं० 547 है, जो रानीगंज सिकन्दरा-वाद स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकृती अधिकारी के कार्यालय हैदरायाद में भारतीय रजिस्ट्रीकृरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अंतरण लिखित मे बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- 'क) जन्तरण से हुर्ज किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के वर्धीय कर वेंगे के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे बुचने में सुविधा के खिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या िकसी अन या अस्य आस्तियों की, विनह भारतीय जावकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त श्रीधिनियम, या अनकर विधिनियम, या अनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में. में,, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) प्रे अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित :--- (1) मैसर्स आबूखान बिल्डर्म, 5--4--86 में 92, रार्नागंज, सिकन्दरावाद ।

(अन्तरक)

(2) मेमर्स रंगा फाइनेंस और इनवेस्टमेटस प्रा० लि०, बाई श्रा सुकुमार रेड्डी, आफिस नं र्ैं, 547, रानीगंज, सिकन्दराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- वद्धा किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, वो उस बध्याय में दिवा गया है।

### नग्स्वी

कार्यालय नं० 547, 5-4-86 से 92, रानीगंज, सिकन्दराबाद विस्तीर्ण 266, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1025/84, रजिस्ट्रीकृति अधिकारी हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रेंन, हैदराबाद

दिनांकः : 8-10-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भं (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 8 अक्तूबर 1984

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 601/84-85--यत. मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्सि, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं वर 18-9-29 और 30 है, और 30 चित्तूर स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्णरूप से विणन हैं), रजिस्ट्रीकरण अधिनायम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 2/84,

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल को पंद्रह प्रतिकात में अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण सं हुद्दं किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; जॉर/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां कां, जिन्हें भारतीय अयक्षर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए,

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (।) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री एम॰ ए॰ कंदास्वामी और अन्य, नं॰ 11-ए, तिल्लार, नगर, येरोड, पोस्ट, येरोड टाउन, तमिलनाडु ।

(अन्तरक)

(2) श्री टी० वेलूस्वामी और अन्य पार्टनर इन, मेसर्स एम० के० घइला मूडालीमार एण्ड सन्स, सं० 519, विग नाजार, नीचन्नपल्ली।

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इस सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्यारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख पं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितंबबुध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टींकरण:---इसमो प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

## **म**नुसुची

घर , मावाकोहल स्ट्रीट, चित्तूर घर नं० 18-9-29 और 30, रजिस्ट्रीफृत विलेख नं० 973/84, रजिस्ट्रीफृर्ता अधिकारी चित्तूर ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

विमांक : 8-10-84

## प्रकम् आहे. टी. एन. एस.

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सुमना

#### भारत करकार

कार्यासय, सहायक जामकर भाग्यत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अन्तुबर 1984

निवेश सं० आए० ये० सी० नं० 602/84-85---यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृल्य 25 000/रु. से बीधक है

और जिसकी सं० फ्लैट है, जो हिम यतनगर हैदराबाद स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णस्प से सणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चीककडपल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 2/84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिहात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिवित उथ्वरिय से उक्त अन्तर्ण निम्नसिवित उथ्वरिय से अक्त अन्तर्ण निम्नसिवित अन्तर्ण निम्नसिवित उथ्वरिय से अक्त अन्तर्ण निम्नसिवित अन्तर्ण से अक्त अन्तर्ण निम्नसिवत अन्तर्ण से अक्त अन्तर्ण निम्नसिवत से अक्त अन्तर्ण से अक्त स्था से अक्त से

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिविद्य में अपीय कर दोने में अन्तरक के दावित्य में कभी करने वा उससे बचने में सुनिधा में विद्यु कोट/वा
- '(स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) मा उन्त विधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिशी द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था वा किया थाना थाहिए था, छिपाने में स्टिंगधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-न के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निमनलिखित व्यक्तियों, अधीत :-- (1) श्रीमती जैनाब खाटून, जीव पीव श्री आली खाजा, बंजारा कॅस्टल, रोड नंव 12, बजारा हिल्स, हैदराबाद ।

(अन्तरक

(2) श्रीमती जानकी नन्दूरी केयर आफ श्री वानी ट्रांसपोर्ट वेगम बाजार, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारों कारके प्यक्ति संपत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उनस सम्परित क अअन क सम्बन्ध सा काई भी आक्षोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब व 45 विन की अवधि या तत्संबधी क्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अवधि जो भी खबीच बाव में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ज) इस स्थान के राजयत्र में प्रकाशन की सारीत में 46 दिन के भीतर उसत स्थावर सपरित में हिताबूर किसी अन्य व्यक्ति क्वारा, सथोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जां उसत बिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह्<sup>1</sup>, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मन्स्पी

प्लैंट , बंजारा सदन , हिमायतनगर, हैदराबाद, विस्तीणं 795 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 267/84, रजिस्ट्रीकृती अधिकारी चिक्कअपल्ली ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, हैदराबाद

दिनांक: 8-10-·1984

प्राथ्य आहुरे.टी एम. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

MICH ARATT

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अजंन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अक्तूबर 1984 निदेश सं० आर० ये० मी० नं० 603/84~85---यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है") की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृन्य 25,000/- रा. मं अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, जो मेडीकोंडा विलेज जिला वरंगल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्णस्प से विजित है), रिजिस्ट्रेंकिर्ता अधिकारी के कार्यालय, वरंगल में भारतीय रिजिस्ट्रेंकिरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 2/84,

को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रहं प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निसिकत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिचितों में बास्तीवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितयों कर्त, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अर अधिनियम, या धन-अर्थ अधिनियम, या धन-अर्थ अधिनियम अस्ति व्यारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा वे लिए;

अतः अध , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन , निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात् :--- (1) श्री यत्तर मुख्तीधर और अन्य । मेडीकोंडा, बरंगल ।

(अन्तरक)

(2) श्री टी० रमेशकुमार केयर श्राफ यन मुरलीधर, कादीकोंडा विलेज, वरंगल ।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी कारके पूर्विक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीख के 45 बिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वाना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथीं कर स्पिक्तयों में से किसी व्यक्तिस इवारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध लिखित मं किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### मन्त्रची

भूमि, मादीकोंडा विलेज, विस्तीर्ण 4 एवः इ. 20 गूंठे, राजद्रीवृत विलेख नं ०. 441/84, रिजस्दोक्षती अधिकारी वरंगल ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांका :8-10-1984

मोहरः

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थं (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) जअर्जन रेज. हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अक्तूबर 1984

निदेण मं० आर० ये० सं१० नं० 604/84-85--यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृस्थ 25,000/- रा. में अधिक है

श्रीर जिसकी स० फ्लैट है, जो बजारा हिल्स हैदराबाद स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णक्य से वर्णित है), रिजस्ट्रीकरण कर्ता अधिकारों के कार्यालय, खैरताबाद में भारताय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, दिनांक 2/1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण की लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिखित में वास्तविक रूप न किया नहीं किया गया है .--

- (क) अस्तरण से हुई किसी बाग की गायत उक्त अधिनियन के अधीन कर दोने के जन्तरक कें दासिरण में कमी करने या उससे बजने में सुविधा क लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आसित्वों की, किहां भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं, उस्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अधीत :---

(1) मेसर्स सूनं। कन्स्ट्रक्शन्य को० रोड नं० 4, बंजारा हिल्स, हैवराबाद ।

- (अन्तरक)
- (2) श्री एम० के० रामानन्द फ्लैट नं० 604, सुरिता अपार्टमेंट्स, रोड नं० 4, बंजारा हिल्म, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हिल्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विया गया है,

## नन्स्ची

फ्लैट नं ० 604, सरिता अपार्टमेंटस, बंजारा हिल्स, हैदराबाद विस्तीर्ण 1325 ची० फुट, रिजस्ट्रीकृत विलेख न० 56/84, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी खैरताबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्स (निर∂क्षण) अर्जन रेज, **हेदराबा**⊱

दिनांक : 8-10-1984

मोहर 🖫

प्ररूपु आहे. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्क्षिण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांफ 8 अक्तूबर 1984

निदेश सं० आर० ये० मी० नं० 605/84-85--यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट 603, है, जो विजया अपार्टमेटस, हैदराबाद स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचे। में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक 2/84,

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिए में वास्तविक रूप से किथा गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बायत उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के मिए; और/मा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य कारितयों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए;

भतः जब, जक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिकित व्यक्तियाँ, अर्थात् :---

- (1) मेरास विजया बिल्डर्स 7--1-70/बि॰/1, यन० सा० एच० रोड, अमीरपेट, हैदराबाद । (अन्तरक)
- (2) श्रोमित एम० कन्तामा पित एम० मोहन रामी रेड्डी, पलैट त० 603, श्रिजया अपार्टमेटस, 7-1-70/बि०/1, एन० सी० एच० रोड, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू ।

#### उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्लाक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकने।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त राज्यों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## ग्रनुसूची

फ्लैट न ० 603, विजया अपार्टमेंटस, हैदराबाद, विस्तीर्ण 947, चौ० फुट, रिजस्ट्रीकृत यिलेख नं० 1138/84, रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, हैदराबाद

दिनांक 8-10-1984

महिर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 8 अक्तूबर 1984

निदेश सं० आर० ये० मी० न० 606/84-85--यत मुझे, एम० जगन मोहन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समित्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी स० फ्लैट है, जो बजारा हिल्स, हैदराबाद स्थित है (स्रीर इससे उपाबड अनुसूच। में स्रीर पूर्ण रूप में बर्णित है), रिजस्ट्रोक्ती अधिकारों के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक फरवरी 84,

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इरममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यैथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से ऐसे इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरित्वों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिकित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) एंसी किया आय या किसी भन या उन्से अधिन्यम को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सूविधा के लिए।

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में-, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) था आला खाजा, 1, बजारा कॅरटन, रोड न० 12, बजारा जिल्स्---हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० ए० नयीम अफरोज, 5-7-220, आगापूरा, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे कोई बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी त्यिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निर्मित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरण ——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्स्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नन्स्यी

फ्लैट नं० ए-1, बंजारा गार्डनस्, बंजारा हिल्स, हैदराबाद, विस्तीर्ण 664 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत तिलेख नं० 447/84:, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनाच : 8-10-1984

The Control of the Co

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धरा 269 च (1) के अधीन स्चरा

मारत सरकः

कार्यासय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज. हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 8 अक्तूबर 1984

निदेण मं० आर० ये० मी.० नं० 607/84-85---यनः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 19% (1961 का 43) (जिसे इस) इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धार 269-स के अधीन सक्षम पाधिकारी को यह विकास करने वा कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मृत्य 25 000/- रा से अधिक हो

घौर जिसकी सं० पत्रीट है जो बंजारा हित्स हैदराबाद में स्थित है (घौर इसमें उपाबद्ध अनुसूच में घर पूर्ण हुए से विणित है), रिजस्ट्राकर्ता अधिकारा के पार्यालय, हैदरावाद में भारतीय रिज-स्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी 84.

- भां गर्वाका गर्यास के उसित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रीतफाल के लिए अन्तरित की गर्ड ही सीर असे यह विक्वास करने का कारण है कि यथीपूर्वोक्त सम्पत्ति का उसित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय याया गया प्रतिफल निम्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सम्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया ही '---
  - (क्ष) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के शन्तरक के दासिका में कमी करने या प्रकस तक ने में सर्विधा र निवार, और/धा
  - (का) होती किसी काश था किसी पन पा अने आणित्यों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1900 (1920 का 11) या उक्त अधिनियम, यह भन-कर अधिनियम, यह भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पर्योजनार्थ जन्हिती दक्षारा प्रकट नहीं किशा गया था या किया जाना चाहिए था, किशाने में सनिया के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण भाँ, भाँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) १ प्रभीत निम्हितिसित त्यक्तियों स्थान कि क्यांति स्थान व्यक्तियों स्थान (1) श्री आलो खाजा1, बंजारा कॉस्टल रोड नं० 12, बंजारा, जीलस, हैदराबाद ।

CARREST TO THE CONTRACT OF THE CARREST AND THE

(अन्तरक)

(2) श्रोमता द्वापा माथुर पति अजीत चन्द, 5-बि०, सुभोदया अपार्टमेंटस, हैदराबाद । (अन्तरितो)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कार्ड भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक . 4.5 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जा को अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविका स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिन- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाप निरक्षित में किए ना सकोंगे।

स्पच्छीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जा उकत अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही मधं होगा जा उस अभाग में नगा पदा हाँ।

#### अनुसुची

फ्लैट्स सी०-11, बंजारा गार्डनस् , बंजारा हिल्स, हैदराबाद विस्तीर्ण 664 चौ० फुट, रजिस्ट्री क्रुन विलेख नं० 446/84. रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन मक्षम प्राधिकारः सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, हैदराबाद

दिनांक : 8-10-84

मोहर ः

## प्ररूप भार्". टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आ<mark>यकर आयुक्त (निरीक्षण)</mark>

अर्जन रेंज, हैदराधाद

हैदरावाद, दिनाफ 8 अक्तूबर 1984

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 608/84-85---यतः मुझे ए.स० जगन मोहन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात 'उक्त अधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करन का निष्य के कि स्थानर सपित, जिसका उचित बाजार मल्य के 7000 '- रा. में अधिक हैं

ग्रौण जिसको स० फ्लैट है, जो आवर्णनगण हैदणबाद स्थित (ग्रीण इसमे उपाबद्ध अनुसूचो मे ग्रीण प्रणेक्य मे वर्णित है), एजिस्ट्रो-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदणबाद मे भारतीय एजिस्ट्री-वरण अधिनियम 1903 (1908 का 16) के अर्थान, दिनाक फरवरी 84,

को पर्वोत्त्व सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, अभके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतरितियो) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निमालिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण दिखित में वास्नविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व भी कभी कारने या उससे उक्षने भी भारिष्धः किए अरि/या
- (स) एसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिल्हों नारतीय आयकर अधिनियम, 19?2 (1922 का 11) या उप्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अला चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

तन अस्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---- (1) श्रामती बि० सरोजिनी देवापति वि० रामस्वामी, रोड न० 5, बजारा हिल्स, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रामता मोना एम० पटेल, पति जगत किशोर, 5-9-22/76/1, आदर्श नगर, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी क्रारक्षे पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हा।

## बक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई जाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधार संपत्ति में हितब्ब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोह्स्ताक्षरी के पान निश्चित में किए जो सकरेंगे।

स्पद्धीकरण'--इसमे प्रयाकत शब्दा और पदी जा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे प्ररिभाषित है वही अर्थ होंगा जो उम अध्याय में दिया गया है।

#### नगस्यी

फ्लंट आदर्शनगर, कालोना, हैदराबाद, विस्तीर्ण 587 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1082/84, रजिस्ट्रीकृती अधिकारी हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन मक्षम प्राधिकारः महायक आयकर आयुक्त (निर्रक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक : 8-10-1984

प्रस्य बार्ड . टी . एन . एस . ------

**बायकर बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ** भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर बाय्क्त (निरीक्षण) : अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अक्तूबर 1984

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 609/84-85---यतः मुझे, एस० जगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 - रा. से अधिक ही

और जिसकी संव भूमि है, जो आवंतानगर, बसीरबाग, हैदराबाद स्थित है (और इससे उपाबच अनुसूची में और पूर्णक्ष से वर्णित है), रजिस्ट्राश्वर्ता अधिकारी के कार्यीलय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक 2/84,

को पूर्विवित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल सं, एसे इश्यमान प्रतिफल के उद्दूर प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और संतरिती (अन्तरितियों) के वीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल,, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त कन्तरण लिखित मे बास्त-विक रूप से करियत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण तं हुई किसी आय की बागत, अक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कामी करने या उससे अपने में सूबिधा कं निए, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, क्रिपाने में सुविधा के लिए;

क्षतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिखित स्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री पी० रिव कुमार मूत्तपर्ली विलेख अदिलाबाद तालुक और जिला ।

(अन्तरका)

(2) श्रीमतो यस० लक्ष्मा पति लेट ये ० ह्वी० नरसिह्या रेड्डी, मलकाजगीरी, वल्लभनगर, तालुक श्रीर जिला रंगारेड्डी । (श्रन्तरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पृत्रों क्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपर्णि के अर्थन के समध में काइ मी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन है भीतर उक्त स्थातर सपत्ति में हितबद्ध किसी अल्ड प्रक्ति द्वारा अधाहरूत।क्षरी के प्रभ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याप 20-के मां परिधालिया है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्स्ची

खुली जमीन, ग्राबंतीनगर, बसीरबाग, हैदराबाद, विस्तीर्ण 473 चौ० गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं व 1124/84 रजिस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 8-10-1984

प्रकष बार्ड.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कारकर झार्ज्य (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनाक 8 भ्रक्तूबर 1984

निदेश सं० भ्रार० ए० सी ० नं० 610/84-85—श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा

269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/- रह से अधिक है

25,000/-स संआध्यकहा प्रतीय जिसकी सुरु भूमि वैतया

श्रौर जिसकी स० भूमि है तथा जो बंजारा हील्स हंदराबाद में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूचों में श्रौर पूर्ण रूप से वणित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारों के कार्यालय खैरताबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख फरवरी 1984

की पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृष्ट हैं और मुभ्ने यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का निम्ह श्रीसक्षत म अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है ---

- (क) बंधरण से हुई फिली बाय कर्ष बाबस, उक्स अधिनियम के अभीन कर दोने के बंसरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्थिपा के लिए; और/या
- (अ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितयी की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, कियाने में श्विभा के विद्य;

अस अस अस्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के कार्यन, निम्मितिकत स्थितियों, संभीत् :----

(1) श्रोमतो डा० ६क्मीनो देवी,
 पति लेट श्री डी० ह्वो० राव,
 1-7-1073,मूसीराबाद,
 हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमतो तायबा बंगम, 16--6-190/बी०, उस्मानपुरा, हैदराबाद

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति क अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप .--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त नहीं में स किसी व्यक्ति द्वाराः
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पान लिसित में किये जा सकींगे।

स्वव्यक्तिकरण:----इसमा प्रयुक्त शक्या और पदा का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिष हैं, वहीं कर्भ होगा जो उस अध्याय में विया मुवा है।

#### नन्त्रभी

भूमि रोड़, न० 2, बजारा होल्स, हैदराबाद, विस्तीर्ण 400 चौ० गज, रजिस्ट्रोक्टत विलेख नं० 435/84, रजिस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी, खैरताबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारः महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) भ्रजन रेज, हैदराबाद

दिनांक 8-10-1984 मोहर प्ररूप बाई.टी.एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, विनाक 8 ग्रन्तुबर 1984

निदेश स० ग्रार० ए० सो० नं० 611/84-85--- ग्रत: मुझ, एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसका त० ग० १२० मना है ोड, हैदराबाद म स्थित (प्रांग इसन उराबड श्रामुबो म प्रीर पूर्णे रूप से बणित है) रिजस्ट्रोकर्ता श्रीधकारों के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्राकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य सं कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्बदेय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अधितः— (1) श्रो शानूदर्दान श्रीर श्रन्य मेसर्स डायमंड बिल्डर्स. जे० एन० रोड़, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सलामबिन सयीद श्रीर श्रन्य, मल्गी नं० 4, डायमंड कम्पलेक्स, 4-1-824, जे० एन० रोड़, हैदराबाद ।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारो करकं पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मनुसुची

मत्नी नं० 4, डायमंड कम्पलेक्स, जे० एन० रोड़, हैदराबाद, विस्तीर्ण 310 ची० फुट, रिजस्ट्रीकृत विलेख न० 685/84, र्राजस्ट्रीकृति अधिकार्र। हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, हैदराबाद

•का∉. दिनांक : 8−10−1984

भाइर :

## प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैरराबाद दिनाक 8 श्रवत्बर 1984

निदेश म० आर० ए० सी० न० 612/84-85--अत मुझे, एम० जगन मोहन
आयकर बिधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु से अधिक है

म्रौर जिसक. स० फ्लैंट है जो होमायतनगर हैदराबाद में स्थित (श्रीर इससे उपाबड़ धनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है) रिजस्ट्रोकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय चीक्ष्मडपर्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख फरवरी 1984

को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिष्ठल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिष्ठल से एसे दृश्यमान प्रतिष्ठल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिष्ठल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म्ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म्ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान् — (1) श्रा प्रालि ध्वाजा, न० 1, बंजारा कस्टल रोड न० 12, बजारा होल्स, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमंती नफीस श्रफजल, 3-5+783/60 कींग कोठो, हैदराबाद ।

(भ्रन्त रिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुए।

उक्त सपत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

फ्लैंट न० 407 बजारा सदन, हीमायतनगर, हैदराबाद विम्तीर्ण 795 चौ० फुट, रस्जिट्रीकृत विलेख न 266/84 रस्जिस्ट्रीकर्ता म्रधिकारी चीक्कडपल्ली।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेज, हैदराबाद

दिनांक : 8-10-1984

मोहर .

प्ररूप आईं.टी.एन.एस, ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अक्तूबर 1984

निदेण मं० आए० ए० मा० नं० 613/84-85--अतः मृझे, एम० जगन मोहन,

अग्रवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ध्रीर जिसका सं० पत्रैट है, जो हीमायननगर हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबड़ अनुसूचा में ध्रीर पूर्ण रूप मे विणित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय, चिक्कडपल्ली, में भारतं य रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 2/84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से एसे रूप्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (य) एसी किसी आय या किसी थन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सविधा के लिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की लपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री आला खगाजा,
 नं० 1, बंजारा कॅस्टल, रोड नं० 12,
 बंजारा हील्मं, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रो इब्राहीम हुशनी, फ्लैट नं० 406, बंजारा सदन, स्ट्रीट नं० 14, हिमायतनगर-4, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जकत सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

पर्लेट नं ० ४०६, अंजारा सदन, हिमायतनगर, हैदराआव, ब्रिस्तोर्ण 795 चौ० फुट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं ० २६५/८४, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकार: चीक्कडपल्ला ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारः सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज हैदराबाद

दिनांक : 8-10-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अभ्तूबर 1984

निदेण सं० आर० ये० सी० नं० 614/84-85---अतः मुझे. एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-त के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास काने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसका सं० फ्लैट है, जो मलकपेट, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड अनुसूचा में श्रीर पूर्णक्य में वर्णित है), रजिस्ट्रीक्तां अधिकारा के कार्यालय, आजमपुरा में रजिस्ट्रोक्स्ण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, दिनांक फरवरी 84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्र: नालकंटराव इनामदार,
 3-4-376/24,
 लिंगमपल्लो, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री ए० चन्द्रशेखर नायडू,
 16-2-705/1/9,
 प्रोफेसरर्स कालोनी, मलकपेट,
 हैवराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक लें 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोतृस्ताक्षरी के पास निविक्त में निरुष् आ सकोगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया

## ममुसुची

फ्लैट , प्रथम तल, ब्लाक नं० 7, घर नं० 16-10-27/ 192, मलकपेट, हैदराबाद, विस्तीर्ण 700 चौ० फुट, रजिस्ट्राकृत विलेख नं० 671/84, रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारा आजमपूरा ।

> ्म ऽ जात मोहन सक्षम प्राधिकार महायक आयक्त आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, हैदराखाद

दिनांक : 8-10-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराजाद, दिनांक 8 अक्तूबर 1984

निवेश सं० आर० ये० सी० नं० 615 | 84-85 -- यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० घर नं० 8-2-268/ए/1/एफ, है, तथा जो बंजारा हिस्स, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्यः में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुझे यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, किस अपार्थ कर प्रकार कर प्रकार कर किसी समित्र के 1922 की 11) या उन्नत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था, अधिपाने में सिवधा के लिए;

- (2) श्रोमती लड्डा फरझाना पति डा० एम० अ० फरझाना, 10-3-304/12, हुमायूनगर, हैदराबाद (अन्तरक)
- (2) श्रो मोहम्मद आरशद ग्रौर अन्य प्लाट नं० 9; रामगोपालपेट, सिफन्दराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लि कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (सं) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरी।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक्ष हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अमुस्ची

घर नं० 8-2-268|v|/1|vफ, अली बाग, बंजारा हिस्स, हैदराबाद रजिस्ट्रीकर्सा विलेख नं० 1221/84, रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक, आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

विनोक : 8-10-1984

## प्रकार सहर् . द्वी . एक . एस . ------

# बायकार विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के संधीन स्वना

#### भारत बदमाद

कार्यालय, सहायक जायकर सायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदरासाद

हैक्राबाद, विक्षा 8 अवतूबर 1984

निर्देश सं० आर० यें० सी० नं० 616/84~85—यतः मुझें, एव० जगन वेक्ट्रनः,

जाबकर अधिनित्रस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वकात 'उक्त अधिनिकम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारों को, यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृज्य 25,000/-स. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैंट है, जो हैदरगूका, हैदराबाय में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चीनकुद्धपल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी 1984,

का पृथित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्मे यह विद्यास करने का कारण है कि बभाप्नोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके द्रायमान प्रतिकाल से, ऐसे द्रायमान प्रतिकाल का पन्त्रह प्रतिकाल से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

अतः जब उक्तः अधिनियम की भारा 2,69-गं को अनुसरक्त को. मी. अक्त अधिनियम की भारा 2,69-वं की उपभारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) मालुर्आः इंजोनियर्स किल्डर्स प्रा० लि०, 3-5-873, हैदरगूडा, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० सी० मोती बि-204, मातृश्री अपार्टमेंटस, हैवरगुडा, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवस्थित कुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप अ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45, दिनं की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीका से 30 दिस की खनीभ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (क) इस सूचना को राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमैब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अथोहस्ताक्षारी को पास लिखिता में किए का सकोंके।

स्पक्किरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उपल अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही क्य होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं '।

## बपुसुची

पलैट नं विश्-204, हैदरगूडा, हैदराबाद, विस्तीर्ण 845 चौ॰ फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख निं 234/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विस्थाउपस्ली।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 8-10-1984

## अस्य आहें .टी ध्वे एस . ------

# कार्यकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की नारा 269-व (१) के नधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अक्तूबर 1984

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 617/84-85--- पत. मुझे, एम० जगन मोहन,

कावकर अधिमियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा क्या हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25 000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी मं० भूमि है, को बंजाण हिस्स, हैदराबाद स्थित है (और उससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण ब्लप से घणित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी 1984,

को प्योंकरा संपरित के खिला नाजार मृस्य से कम के स्थ्यवाय प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्तित का उचित नाजार मृस्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यकान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियों) के नीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण तिखित में वास्तिवक स्प से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) जन्सरण से हुई किसी बाव की बावत , अवस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के सिए; बॉर/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अभ्य कास्त्यों को, रिजम्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 14) या उक्त अधिनियम, गा धन तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिख्ति व्यक्तियों अर्थात् ध्र— (1) प्रिन्स मुफाखानजाहां बहादुर और अन्य, ज्यूबिली हिल्स, हैवराबाद ।

(अन्तरक)

(2) डा० वाय० यस० राजमेखर रेड्डी और वाई० एस० सुधाकर रेड्डी, 8-2-598/2, रोड नं० 10, बंजारा हिस्स, हैदराबाद ।

(बन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां भूक करता हुई।

अवस सभ्यरिक के वर्षन के सम्बन्ध में कीई भी नामीय :---

- (क) इस स्वना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 फिन की मंत्रीय मा सत्त्रम्थानी व्यक्तियों पर स्वना की ताशीस से 30 दिन की वर्षी , वो की अविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में वे किसी व्यक्ति स्वारा;
- (च) इस स्थान के राज्यन में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन के बीतर उक्त स्थानर संपरित में हिएबह्स निसी कन्य व्यक्ति ध्वाप वश्रीहरताक्षरी के यस सिचित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विकास भया हैं।

## मन्स्ची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 1815, चौ० गज, राष्ट्र न० 2, बंजारा हिल्प, हैदराबाद, रजिस्ट्रोकृत विलेख नं० 760/84, रजिस्ट्रीवर्ता अधिकारी हैदराबाद।

> एम० चेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांस : 8--10-1984

मोहर ू

प्ररूप वार्दः, दी. एन., एस.,-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

**कार्यालय,** सहायक आयकर आय्**क्त (निरीक्षण)** अर्जन रेज, **हैद**राबाध

हैदराबाद, दिनाक 8 अक्तूबर 1984

निर्देश सं० अगर० ये० सी० नं० 618/84-85-यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिस्का उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुपये से अधिक है

और जिसकी सं बुकात है, जो हिमायतनगर हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतिय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी 84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कंम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उब्दोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्थियों को, जिन्हों भारतीय आगकर श्रीधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, था धन-कि अधिनियस, 1957 (1997 के 27) के प्रयोजनार्थ अंगरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए;

कृतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के के अधीन, निम्नेलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—- (1) मैसर्भ तीरुमला सन्स्ट्रवशन को॰ 3-6-20 हिमायतनगर, हैदराबाव।

(अन्तरक)

(2) डा॰ यू॰ गोपीनाथ राव,  $2-2-1105/37/\Re10$ , तिलकनगर, हैदराबाद-44।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में कियो जा सकरो।

स्थव्यक्षिरण :---इसमें प्रयूक्त शब्धों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वनसर्वी

दुकान नं० 1, 2, तीरुमला, अपार्टमेंटस, हिमायतनगर, हैसराबाद, विस्तीर्ण 696 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत निलेख नं० 1038 और 1062/84, रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक्ष आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, **हैदराधाद**

दिनांक : 8-10-1984

## भ्र**क्प काइ**. टी. एन. एस<sub>.----</sub>

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निर्धिण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांश 8 अक्तूबर 1984

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 61 श/84-85--यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रिकारी को यह जिस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट है, जो हिमायतनगर, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चिक्कडपल्ली, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 2/84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृष्ट प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितिमों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक क्य से क्शित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी नाय की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अंतरक के वायित्व में कमी कर्तुने या उसते बचने में सुनिभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री आली खाजा, नं 1 बंजारा कॅस्टल, रोड नं 12, बंजारा हिस्स, हैदराबाद । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती नयीमून्नीसा बेगम, 16-6-190/1, ऊस्मानपुरा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी अयक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त अयक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति युवारा;
- (ज) इस स्थान के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 किन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितनबुध किसी अन्य स्थानत ब्वारा, अधोहस्ताकरी के पास सिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीभीनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

## नन्त्र्यौ

फ्लैट नं० 106, बंजारा सदन, हिमायतनगर, हैदराबाद, विस्तीर्ण 840 चौ० फुट, रजिस्ट्रीफृत विलेख नं० 264/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चीक्कडपल्ली ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 8-10-1984

मोहर 🛭

प्ररूप भार्च. धी. एत., एस. -----

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाध

हैदराबाद, दिनांक 8 अक्तूबर 1984

निर्वेश सं० आर० ये० सी० नं० 620/84-85--यतः मुझे,

एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट है, जो गोलकोंडा रोड्स, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रोक्तर्ता अधिकारी के कार्यालय, चीक्कडपल्ली में भारतीय रिजस्ट्रोक्तरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 2/84,

को पूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गांधीनगर में धारा 269 ए बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मृख/पास रिजस्ट्री-कृत किया गया है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतर्रक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उच्चरेय से उसत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयुक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रअजिनार्थ अन्तरिती बुकारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

कतः अधः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मः, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री कें ० के ० श्रीमिवासन, फ्लैट नं० 24, थर्ड फ्लोअर, टी० टी० सी०, गोलकोंडा—-रोड्स, हैदराबाध ।

(अन्तरक)

(2) श्री सी० एस० एन० मूर्ति,
पर्लैट नं० 24, थर्ड फ्लोअर,
तिरुमला टावर कत्स्ट्रक्कन्म्, गोलकोंडा---रोड्स,
हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिकों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अकोहस्साक्षरी के पास लिखित को किए जा सकर्ण।

स्पन्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

#### बन्सूची

फ्लैंट नं० 24, तीसरा मंजला, टी० टी० सी० गोलकोंडा--- रोडस्, हैदराबाद, बिस्तीर्ण 1140 चौ० फुट, रिजर्स्ट्राकृत- विलेख नं० 200/84, रिजस्ट्रीकर्ला अधिकारी चिक्कडपर्ला ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनाक : 8-10-1984

प्ररूप बाइ ुटी, एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (व) (1) के नधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यक्षय , सहायक कायकर आयुक्त (निर्देशिण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 ग्रस्तूबर 1984

निर्वेष सं० ग्रार० ये० सी० नं० 621/84-85---यतः मुझे, एम० जमन मोह्नन,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसको सं० दुकान है, जो दोमलगूडा, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारों के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्री-करण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 2/84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्यमान प्रतिफल को पानुह प्रतिकृतः से विश्वक है और बंतरक (बंतरकों) और अंतरित रिती (बंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाग गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तीमक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बंशरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; बार/या
- (क) एने किसी अगय या किसी धन या अन्य आसित्यों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (19.22 का 11) या जन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

नतः अव, उक्त विधिनयन की भाग 269-ग के बन्दरम में, में, उक्त अधिनियम की भाग 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित अधिनत्यों, वर्षात्:---- (1) मेमर्स स्वस्तीक बिल्डर्स, 1-2-524/3, दोमलगूडा, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमति एस० लिंता पति डा० एस० नागेश्वर राव, एम० ह्वी० श्रग्रहारम, नेलीर । (श्रन्तरिती)

को। यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिमा करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिट बच्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

निक्यिकरण:---इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हो।

## नन्स्ची

दुकान नं० 54, 1-2-524/3, दोमलगूडा, हैदराबाद, विस्तीणं 300 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०1097/84, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रोंज, हैदराबाद

विनोक : 8-10-1984

प्ररूप जार्षं .टी .एन .एस . ------

# बायकर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) कौं भारा 269-व (1) के सभीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 8 प्रक्तूबर 1984

निवेश स० भ्रार० ये० सी० नं० 622/84-85--- एतः मझे, एम० जगन मोहन,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसें इसमें इसके पक्जात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० पलैट है, जो दोमलगुडा, हैवराबाद में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन, दिनांक 2/84,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास अपने का कारण है कि यथाप्टांक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य उसके रूपमान प्रतिफल से एमें रूपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्ं) और अंतरिती (अतिरितियों) के बीच एक अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत हो साम निम्मलिखित बद्दोस्य में उसते अन्तरण लिखित में बास्तिवर्क कर में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तारण संधुर्द किसी आय की बाबस, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उसमे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उत्थत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के इयोचनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया मवा था वा किया बाजा चाहिए था कियाने में स्विधा के लिए;

बत: बत, उक्त अभिनियम की पारा 269-म के अनुसरण गं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मेसर्स सागर कन्स्ट्रक्शन्स,
 1-2-524, दोमलगूडा,
 हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती मनसूर सुलताना जाविद पति जाफरमोही उद्दीन जावेद, 16-2-145/8, मलकपेट, हैदराबाद

(म्रन्तरिती)

## की शृह कृष्ट्या जारी करके पृत्रों वर्ष कृष्टीत्त के वर्षन के तिहर कार्यगाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्रीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा तकोंगे।

स्यब्दिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## नगरा ची

फ्लैट नं० 407 चौथा मजला, सागर ग्रपार्टमेंटस, वोमलगूडा, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1000 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1095/84, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज; हैदराबाद

दिनांक: 8-10-1984

प्ररूप भाइ. टी. एन. एस. - - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म (1) के अधीन सुचना

#### मारत सरकार

कार्यां तथ, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 8 भन्तूबर 1984

निदेश सं श्रार थे ० सी ० न० 623/84-85-यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया है), की धारा 269-क तो अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट है, जो दोमलगुडा, हैदराबाद में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध श्रंनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारों के कार्यालय, हैदराबाद में भारते। या रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधोन, दिनांक 2/84 की पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्त्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विष्वास करन या थारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार पूल्य, उसके दश्यमान श्रीतफल से, एसे दश्यमान श्रीतफल का पन्त्रह श्रीतकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अन्तरितयार) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्थ पाया गया श्रीत-श्रव जिम्मितिवार उद्देश्य से उपत अन्तरण में कि मिन नाज्यकिक रूप में किथित नहीं किया गया है '——

- (क) जन्तरण से हुई निक्की नाम की बावत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे नचने में सुविधा के लिए; दौरू/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्नियों कां, जिन्हों भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) ह प्रसाजनार्थ अन्योग्यों क्यारा प्रस्त नहीं जिला गया का या जिल्हा जाना बाहिए था छिपाने हो मृजिधा के लिए:

(1) मेसर्स सागर कन्स्ट्रनशन,
 1-2-524, दोमलगूडा,
 हैवराबाद ।

(प्रन्तरक)

(2) श्री सूर्यकांत सो० पटेल, पलैट नं० 303, सागर ग्रपार्टमेंटस, दोमलगूडा, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत त्यान के राजपण में प्रकाशन की तारीज से 45 विन के मीटर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितनव्थ किसी शन व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिजित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्रियः — इसमें प्रमुक्त सन्धों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया ववा है।

#### अनुसूची

फ्लैट नं० 3, तीसरामजला, सागर ध्रपा टेंमेंटस्, दोमलगूडा, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1000 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1094/84, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिष्ठकारी हैदराबाद ।

> एम० गजगन सोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायंकर भ्रायुक्त) (निरोक्षण भ्रजेन रेंज, हैदराबाद

विनांक: 8-10-1984

प्ररूप आई टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेज, हैदराबाद

हैदरावाद, दिनाक 8 अक्तूबर 1984

निदेश म० ग्रार० ये० सी० न० 624/84-85--यत

मुझे एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी में ० फ्लैंट है, जो दोमलगुडा, हैदराबाद स्थित है (श्रीर इससे उपाबब अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणित है) रिजस्ट्री किरी श्रीबकारों के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाक 2/1984.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिएत मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है.——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिशा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने म स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपध्रारा (1) के शशीन, निम्नलिस्ति व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मेमर्स सागण कल्स्ट्रक्शान्स,1-2-524, दोमलगुडा,हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एम० के० गुरुनाथ पिता श्री कृष्णा स्वामी, 1 माने चन्द्रनगर, चेम्बूर, बम्बई--400089।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां धुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति स्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वोगे।

स्थळीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

#### अनुसूची

फ्लैटन ० 108, सागर प्रापार्टमेटस, 1-2-524, दोमलगुडा हैदराबाद विस्तीर्ण 970 चतरफीट राजस्ट्रीकृत विलेख न० 1096/84 राजस्ट्रीकर्ता मधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी म**हायक ग्रा**यकर **ग्रा**युक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज, हैदराबाद

दिनाक: 8-10-1984

प्ररूप माइं.टी.एन.एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 क (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, हैपराधाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अक्तूबर 1984

निदेश मं आर ये०सी नं० 625/84-85--यत. मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जिक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का लारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट है, जा दोमलगुड़ा हैदराबाद में स्थित है (और इमसे ज्याबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के व्यायिक्य, चिवकाडपर्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिकियम, 1908 (1908 व्या 16) के अधीन, दिनाक 2/1984.

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गईं और मूओ यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसित्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निसित में बास्तिक रूप से किया गया है :---

- (ख) जनतरण संहुद्दं िकसी जात की वाबस, जक्त जिथानियम के जधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियाँ करें, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रयोज-नाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) एम । एस० एस० के० एसोसियेटन,
 1-2-24 और 24/1 दोमलगुङ्ग,
 हैदराबाद ।

(अन्तरका)

(2) श्री ये० नेणागिरिः राव, 2-1-303, बल्लाकुन्टा, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तिया में म किमी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मा हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास सिसित मों किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरण: --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पद्मों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा. को उस अध्याय में दिया गया है।

#### समस्त्री

ण्लाट नं क्रमंजिल में नं ० 1-2-24, दोमलगुड़ा, गगन महल रोड, हैदराबाद में बिस्तीर्ण चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 625 रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी चिक्काडपली ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आदकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदगबाद

दिनाक : 8-10-1984

मोहर 🏗

## प्रकृत बाह् .टी.एन.एड.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनाक 8 अक्तूबर 1984

निदेश १० आर० ये सी० नं 626/84-85--यतः मुझे, एम जगन मोहन,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वक्ष्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/- राज्य से अधिक है

और जिसकी मं प्लाट है, दानलगूडा, हैंपराजाध में स्थित है (और इमले उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के जार्यालय, चिक्कडपाली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाज 2/84,

कां प्योंकत सपित के उचित बाजार मृष्य से कम के इस्पमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है जीर मृश्वे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंकत संपत्ति का उचित बाजार मृष्य, उसके इदयमान प्रतिफल को पत्यह प्रतिशत अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोस्य से उक्त अन्तरण लिखिल में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण स हुई किसी बाव की वावत., अक्स् व्याधिनयम के बधीन कर दोने के बन्तरक के शांवरव में कमी करने या उत्तक ज्ञान में सुविधा के लिए; शाँर 'सा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा पकट नहीं किया ध्या था किया जाना चाहिए था छिपाने में अफिशा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निस्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) एम/एस एम के० एमोसिएटस,
 1-2-24 और 24/1
 वोमलगुडा,
 हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती चाकाली सन्यावाती, पति अवाधाबी, घर नं 6-3-596/47, वेशटरामाणा कालीनी, हैंदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वा कत सम्परित के अर्थन के सिष् कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उत्सत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख दें 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्कीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का जो जबस अधिनियम, के अध्वाय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यस है।

## बनुसूची

प्लाट नं बौथा मिजल में नं 1-2-24, दोमलगृडा गगन महलरोड, हैदराबाद में विस्तीर्ण 985 चतुर फीट रिजस्ट्रीकृत विलेख नं 210/84 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी चिक्काडपली ।

> एम जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयक्तर आयुक्त) निरीक्षण अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 8-10-1984

मोहार

## प्रस्य नाइ.टी.एन.एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के सभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 8 अक्तूबर 1984

निदेश म आर० ये० मी० नं० 627/84-85---यत मुझे एम० जगनमोहन,

नायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्पी इसके पश्चास् 'उक्स अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269-स के अभीन सक्षत्र प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह से श्रीधक ही

और जिसकी सं ० पर्लंट है, जो गोलकोड़ा कास रोड हैदराबाद स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिवारी के वार्यावस, चिकाड्यल्ली में भारतीय प्रतिस्ट्रीकर्ण अधिनियम, 1908 (1908 रण 16) के अधीन दिनाक 2/84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पदह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती रिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पामा प्रमा प्रतिफल निम्मलिखित उद्देष्य से उच्या बंतरण लिखित को बास्तिक रूप से कामत नहीं किया गया है:---

- (क) सन्तरण से हुई किबी जाय की वाबता, उजल सिंपियन के स्थीन कर दोने के संतरक के दायित्व में कभी करने या उसने वचने में न्विधा के लिए; बरि/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ असरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियमं की भारा 269-त के अनुस्यणं में, में:, प्रथत अधिनियमं ती भारा 260 व की उपधारा (1) व अधीय, निम्नीविक्त व्यक्तियों, वर्षात् क्ष--- (1) नेसर्स तीरुमला ट.वर्स वन्स्ट्रक्शन्स, को०, गोलकोडा--- क्रास रोड, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री ह्वी० आरुण कुमार न० 15, तीरुमला, टावर्स, नन्स्ट्रकणन्स को० गोलगकोडा, कास रोड्स, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए स्नार्केसिहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में काई भी आक्षंप:---

- (क) इस सूचना के राचपत्र में प्रकाशन की तारींच धे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तापील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में छिल बद्भ किसी अन्य स्पर्वित द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

## वनुसूची

पर्लैट नं ० 16, तीरमना टायर्स कन्स्ट्रक्शन्स को० गोलकोंड। कास रोड्स हैदराबाद विस्तीर्ण 1140 चौ० फुट रजिस्ट्रीइत विलेख न 223/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी (चनकड्रपल्ली ।

एम जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी (सह।यक आयकर आयुक्स) निरीक्षण अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनाक : 8-10-1984

मोहरू १

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, हैपराबाप

हैदराबाद, दिनांक 8 अक्तूबर 1984

निदेश सं आर० ये० सी० नं० 628/84-85-यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयेंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संब प्लाट है. जो दोमलगूड। हैदराबाद में भारतीय रिजय्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, पिनांक 2/84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथिश नहीं कया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा दायित्य के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अंत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) एम०/एम० एम० के० एसोसिएटस,
 1-2-24 और 24/1, दोमलगूडा,
 हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री आर० कें ० णिन<sup>ा</sup>य, 405, चौथी मंजिल, 1--2--24 और 24/1 दोमलगूडा, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मनुसुची

प्लाट नं० 405, 4 मंजिल में नं० 1-2-24 बोमलगुडा, गगन महलरोड, हैदराबाद में विस्तीर्ण 600 चतुर फीट रिजस्ट्री-इत विलेख नं० 158/84 रिजस्ट्रीकर्ती प्रधिकारी चिक्काडपाल्ली ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर अध्युक्त) निरीक्षण अर्जन रोंज, हैदराबाद

दिनांक : 8-10-1984

प्ररूप आई.टी /एन.एस. -----

भायकर गॅंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सङ्घायक आयकर नायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 8 अक्तूबर 1984

निदेश मं० आर० ये० मी० न० 629/84-85---यसः मुझे, एम० जगन मोहन,

कायमर प्रतिनगर, १८८१ (10-1 का 43) (जिस इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विज्ञाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी स्व फ्लैट है, जो हैदराबाद स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूच, मे और पूर्णरूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चिक्कडपर्ल्ल में भारतीय रिजर्स्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक 2/1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करण को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल में, एसे स्थमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत्ति कि विस्तिस्ति उद्धास्य स उक्त जन्तरण निस्तित में बास्तविक क्य में काश्तत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बीधिनियम के जरीन कार दोने के बन्तरक के बास्तिक के कनी कारने वा बच्चे वचने में सुविधा के सिए; क्षेक्र/वा
- (क) ऐसी किसी बाय वा किसी भन या बन्य बास्तियों कां, चिन्हें भारतीय बाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 1.1) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अन अब, उन्त विधिनियम की भारा 269-म की अनुतरक मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) की अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

- (1) मेसर्स तीरुमला टावर्स कन्स्ट्रक्शन्स को० गोलकोंडा कास रोड, हैंदराबाद । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती के० श्यामला चक्रपानी पति डा० चक्रपाणी, नं० 23, तीरुमला टावर्स कन्स्ट्रक्शन्स को०, गोलकोडा कास रोड्स, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पृथेक्ति सम्परित के अर्जन के लिए राप्याहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इस स् 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि लोख में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में सांकिसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख़ लें 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हिलबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिकित मों किए जा सकोंगे।

स्थवीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्दों भीर पदों का, जो अवत वीचनियम, से बच्चाय 20 का में परिभावित इं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा गया है।

#### वन्त्रकी

प्लैट नं ० 23, तीश्मला टावर कन्स्ट्रवजन्स, को ० गोलकोडा काम रोड, हैदराबाद विस्तीर्ण 1140 चौ ० फुट, रिजर्स्ट्र, गृत विलेख न ० 222/84, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी चिक्कडपल्ली ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

विनाम : 8-10-1984

प्ररूप बाहु . टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च् (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अक्तूबर 1984

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 630/84-85- -यतः मुझे, एस० अगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाण करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट है, जो दोमजगूडा हैदराबाद स्थित है (और इसते उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधि पर्ने के शार्यालय चिक्कडपल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिमांक 2/84,

कां पूर्वेकित सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य उसके शश्यमान प्रतिफल का पन्प्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य गास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:—— (1) एमं०/एस० एस० के० एसोसियेटस,
 1-2-24 ओर 24/1 दोमलगूडा,
 हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) मिस सुलोचानापाइ, प्लाट नं० 406, 4 मजिल, 1-2-24, गगन महल रोइ, हैदरावाद-।

(अन्सरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्विक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारत;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हिसबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पक्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उथत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित/ हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियं. गया हैं।

## अनुसूची

प्लाट नं० 406, 4मंजिल है नं० 1-2-24, दोगलगुडा, गगन रोड, हैदराबाद में विस्तीर्ण 600 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 72/84 रजिस्ट्रीकरता अधिकारी विलकडमल्ली ।

एम० जगन मोहन मक्षम प्राधिकारी सहायस आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैक्साबाद

विनोमा : 8-10-1984

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

शायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैधराबाद, दिनांक 8 अक्तूबर 1984

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 631/84-85—यतः मुक्ते, एम० जगन मोहन,

बायकर मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर स्थापित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं जो गोलकोंना रोज्य कैन्द्रातात

और जिसकी सं० फ्लैंट है, जो गोलकोंड़ा रोड़स, हैदराबाद स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में विश्वत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चिक्कड-पस्ली, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसांक प्राप्तारी 1984

का 16) के अधीन दिमांक फरवरी 1984
को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का
भन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निचित उच्चेष्य से उन्त बंतरण निचित में बास्तिविक
क्ष से किंधित नहीं किया गया है ;——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के धारित्व में कभी कारने या उम्नुस कचन में सिविधा के निष्ण और/या
- (क) एरेती किसी आव या किसी भन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1930 वा 11) या उक्त अधिनियम, 1937 (1937 वा 27) कें प्रयोजनार्थ अतियम, 1937 (1937 वा 27) कें प्रयोजनार्थ अतियम, वातिए था, हिस्साने में मुविधा औ सिए;

कत. अब, उच्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निभनौलिखित व्यक्तिमों, अर्थात् :--- 27—306GI 84

 (1) मैं सर्स तीरमला कन्स्ट्रवणनस को० 1-1-593/मी गांधीनगर, हैदराबाद

(अन्तरक्)

(2) श्री जानकी वैदेस्वरन, नं० 27, तीकमला कन्स्ट्रक्षणन, गोलकोंडा रोडस, हैदराकाद ।

(अन्सरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहयां झ्रूक करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ज्वधि, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (व) इस स्थान के राषपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 वित्र के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पादीकरण: — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त वीधीनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया भया है।

## अमुसुची

फ्लैट नं० 27, गोलकोंडा रोडम, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1500 चौ० फूट, रजीस्ट्रीकृत विलेख नं० 131/84, रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी चीक्कडपत्ली ।

> एम० जगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 8-10-84

मोहर ः

## प्रकृष आहु . टी . एम . एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

#### भारत सरकार

कार्याच्या, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक अक्तूबर 1984

निदेश सं० आए० ए० मी० नं० 632/84-85--यतः मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं),, की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्यास करने का कारण है कि रधावर सम्मित्त, जिसका उविष्य बाजार भूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं घर है, जो नल्लाकंटा, हैदराबाद स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणिष्त है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वर्ण 16) के अवीन फरवरी 1984

कां पृष्टिक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के ध्रयमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उमर्वा दश्यमान प्रतिफल से, एंसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशान से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एंसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उवत अन्तरण निस्तित वे बागतिक स्प में कथिन नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण म हुई किरोी आय की बाबत, उक्स कांधारप्रभ, के अभीत कर दीन के अन्तरक क वायित्व में कभी करने या उसमें अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों रा, फिल्ह भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या ध∓न अधिनियम या र-बर ऑगिनियम, 1957 (1957 को 27) क घोजवार कार्यित स्वाप प्रकट नहीं किया गया था या किया चाना चाहिए था. जिल्लाने का

ब्राप्त ब्राब्द, सक्त कां कां उपम की कारा 269-स के अनुमरक में, में उन्त अधिनियम का अध्य 269-य की स्पर्धारा (1) के अधीन 15 की वि । कां कायों, कार्याल --- (1) श्रो एत० अरजून राज,घर नं० 2-1-460/1 नल्लाक्टा, हैदशवाद,

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एल पूप्पा
पति एल अर्जून राव,
2-1-460/1, नल्लाकूंटा,
हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अवन्त को निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कीइ' भी आक्षंप ----

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ में 45 दिन की खबिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिश, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स श्वित्यों में स किसी व्यक्ति ध्वारा,
- (क) इस सूचना को राजपत्र में त्रकाशन की दारीच से 45 विन् के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवह्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वशोहस्ताक्षरी के शब्द निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, मही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा भवा है।

## नन्स्ची

घर त० 2-1-460/1, नल्लाक्टा, हैवराबाद, रिजस्ट्रीधृत विलेख तं० 991/84, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

> एम जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक अध्यक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदशाबाद

दिनांक : 8-10-84

## त्रस्य बाइं. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्माजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 9 अवतूबर 1984

निदेश सं० आर० ए० सी० न० 633/84/85— यतः मुझे एम० जगन मोहन

मानकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), जो कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

स्रौर जिसको स० घर है, जो दोलसूखनगर, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूचों में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिष्ट्रकर्ता अधिकारों के कार्यायल, अझमपूरा, में भारताय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908का 16) के अध न फरवरों 1984

कां पूजीकत सम्पति के उचित नाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित क। गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूजींकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तदृह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित मे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अस्तरण से हुई किसी आव की बावक, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक कें बायित्व में कमी करने या उससे अधने में सविधा के सिए; बॉर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्सियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर ब्राधिनियम, या धनकर ब्राधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था खिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अअ, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :'- (1) श्रोमता के० दमयंतो पति रगार राव,
 16-11-511/1/ए,
 दोलसूखनगर,
 हैदराबाद.

(अन्तरक)

(2) श्री ब्हो० हनूमत राव, एडवोकेट, पिता वो, मोमप्पा, अविलाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु ।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र भे प्रकाशन की तारील न 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जहें भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृक्रीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति मा हितयह्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के अस् लिखिल में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त राज्यो और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं वर्थ होगा, जो उस अध्याय में क्लिफ गया है।

#### भन्त्वी

घर सपती, न० 16-11--477/6/3, दीलसूखनगर, हेदराबाद, रजिस्ट्रोकृत विनेख न० 766/84, रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारो अक्षमपूरा ।

> ्म० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज, हैदराबाद

दिनाबः : 9-10-84

माहरः

## प्रकष् आहें, बीट एन्ट पुरु ,------

भायकार मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के गुभीन सूचना

#### **जारत स्रक्ष**

भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 9 अक्टूबर 1984

निवेश सं० आर० ए० सी० न० 834/84-85---यतः मुझे एम० जगन मोहन,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि है, जो गड्डीअन्नारम, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूक्षी में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमगपूरा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित् बाजार मृत्य से कम के स्वयमान वितिक्त के सिए बन्तरित की गई हैं बौर मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिस्त से विधिक है बौर बन्तरक (बन्तर्कों) बौर बंतरिती (बन्तरितियों) के बौच एसे बन्तरण के सिए तय पाया ग्या प्रतिक कल निम्निसित उद्देश्य से उन्त बन्तरण किस्त में बास्तिक स्थ न कथित नहीं किया नवा है ह—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त विभिन्नियम के अभीम कर बेने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आहु/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिसी ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

कतः कव, उकत् अभिनियम की भारा 269-ग के जनसरण मो, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) को अधीन, निम्नितिस्थित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री पी० बी० के० मूर्ता,
 6-3-1218/6/ए,
 जमानगर, बेगमपेट,
 हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) अं के कृष्णा मूर्ती, मलकपेट, हैदराबाद ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाकाप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्चों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ द्वांगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

#### वन्तुची

खली जमीन, विस्तीर्ण 400 चौ० गज गङ्डीअन्नारम, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 756/84, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी अझमपूरा ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक अग्रयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 9-10-84

मोहर 🛚

प्ररूप् भाई.टी.एन.एस्.-----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मभीन स्मान

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर कायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 अक्टूबर 1984

निदेश सं० आर ए० सी० नं० 635/84-85--यतः मुझे, एम० जगन मोहन

भायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हों), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक ही

म्रीर जिसकी मं० प्लाट है, जो गड्डोअनरम, हैदरांबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित का उचित बाजार मृत्य, असके रहणमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तो पाया गया प्रतिफल. निम्निचित उप्रति र निम्निचित अस्तरित के सास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुइ फिसी आय की बाधत उक्त अधि-शिवम के बृधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में किमी कुरने वा उत्तुद्धे बृचने में सृष्ट्रिया के जिए; बार/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्हिनिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् ः--- (1) श्रो के० एस० आर० मूर्ती
 1-1-746/ए,
 गाधानगर,
 हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एन० नरमीम्हाराव पिता एन० हनूमंतराव, अकबर बाग, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी व्यक्ति भाद में समाप्त होती हो, के श्रीतर पूर्वोक्त भ्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को शीतर जक्त स्थाबर संपर्तित मों हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के एस किस्त मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्त्रची ।

प्लाट न० 5, एस० नं० 274/1, 284/1, 284/3, गङ्डीग्रन्नारम विस्तीर्ण 484 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1080/84 रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन, सक्षमं प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैदराबद

दिनांक :- 9-10-84 र मोहर :-

## प्रक्य बाइं.टी.एन.एस. -----

# नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के विभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय. महायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 8 श्रास्ट्रबर 1984

निदेश स० आर० ए० मी० न० 213/84-85--यतः मुझे एम० जुगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके पण्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह त्रिश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रु में अधिक हैं

ग्रौर जिसकी स० घर है, जो काकिनाठा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय कारिनाटा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्थीन दिनाक फबररी 1984

का पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित्त का उचित जाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्च हेम में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी अाय की यावत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भा पा वत्य शिस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के निए।

(1) वी० कोडालाराव, राजानगर कालोना, काकिनाडा ई० जो० जिल्ला ।

(भ्रन्तरक)

(1) श्री एम० हनुमताराव,घर न० 64-3-1-1-1,काकिनाडा ।

(ग्रन्सरिती)

का यह सूचमा जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

्का सपति क अर्जन के सबध में काई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्तितं द्वारा;
- (स) उस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः--इसमा प्रमुजन शब्दों और पर्वो का, आसी उचस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

घर सपतो, घर न० 64/3/1/1/1, काकीनाडा, राजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1532/84 राजस्ट्राकर्ता श्रधिकारी काकीनाडा ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीन ह—

दिनांक . 8-10-84 मोहर :

## प्रकृष बार्ड . टी. एन. इस . ----

## नायकर निधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्कार

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर बायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 9 अक्तूबर 1984

निदेश म० आ२० ये० मी० न० 214/84-85--पत मुझे, एम० जगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों का यह जिक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्री भूमि है, जो राजमूर्ड स्थित है (श्रीण इसमें उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, राजमुद्दी में भारतीय रिजम्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अश्रीत, दिनाक 2/81, को पूर्वोंकर संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के क्याणान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्डों ही शीर गर्फी यह फिलाम हर्यों का कारण है कि यथापूर्वोंकर संपत्ति का उचित नाजार मन्य उसके द्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकात से बिथक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया विफल, निम्मिनिवित उब्बेक्सों से उक्त अन्तरण कि बिल में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) बस्तरण वे हुई किसी नाम की बावत, डक्प सिधिनियम के सभीन कर दोने के बन्तरक के द्यायित्य के कभी करने या उसके बचने में स्विधा के ल्यिए, आर्थित्य
- (थ) एसी किसी भाव वा किसी भन या बन्स जास्तियों की जिन्हों भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम गा धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) व प्रयोजनार्थ अन्तरिली व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में प्रविधा के सिए;

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 260-ग के अनमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसिन व्यक्तियों, अशांत — (1) श्रा एम० वारा राजू साजवगीया राजमुङ्ग, ईस्ट गोदावरी जिला ।

(अन्तरक)

(3) श्रा एन० मुब्रमन्यस्थरः पति वेग्स्टराज्, डा० न० 27-1-1 जामपूटा, राजमङ्गः ।

(अन्तरिती)

को यह स्थमा बारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिर् कार्यवाहिया शुरु करता हो।

उनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की बविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन कि तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरि के पास लिकित में किए जा सकींगे।

#### मन्सूची.

भूमि निस्तोणं 90 सेटम् राजमृद्री, ईस्ट गोदावरी जिला, रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1196/84 रजिस्ट्रीफर्ता अधिकारी राजमृद्री ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकार्ग, सहायक आयक्ष्य आपुल्ल (निर्रक्षण) अर्जन रोज हैवरापाद

दिनाक 9-10-1984 मोहर **शस्य बाइ.** टी. एन. एस.-----

अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-ण (1) के अभीन स्चना

### भारत सरकाष्ट्र

# कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराद्वाद

हैदराबाद, द्विनांक 9 अक्तूबर 1984

निदेण मं० आर० ये० मो० न० 220/84-85--यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी म० प्लैट है, जो बैझाग में स्थित है (श्रीर इसमे उपावद्ध अनुभूची में श्रीर पूर्णच्य में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकार, के कार्यालय, वैझाग, में भारतीय रिजस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अबोन दिनाक 2/ 1984.

को पूर्वों कत संपरित के उचित बाजार मृस्य से कम के दरयमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित यात्रार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल सं, ऐसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है :—

- (क) जनतरण से हुई किसी आव की शवस, उच्च जीभीनयम के जभीन कर दोने के अंतरक के दायित्थ में कमी करने या उससे व्यने में स्विधा के लिए; जीर/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-फर अधिनियम, 1957 (1957 वा 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विवया जाना चाहिए था, शिपाने में सविधा के लिए;

बृत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की गरा 260 न की उपधारा (1) की कथीन रिस्तिनिक्षण ज्याधिनया कथीन ---

- (1) मेमर्स पैरामाऊंट कल्स्ट्रक्शन्स बाई मैनेजिंग पार्टनर, श्रामतो वि० लक्ष्मा बाई जा० पी० ए० श्रो वि० प्रभात कुमार, , दासपल्लो हिल्स, विशाखापटनम । (अन्सरक)
- (2) श्रो जा० व्हो० अन्तपुरतारामा राव, पति जा० व्ही० रामा राव, टो० एस० कालोनी वैझाग । (अन्तरिसो)

को यह सूचना जारी करुके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उपन सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है 45 दिन की अवेधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से विसी व्यक्ति द्वारा;
- (वं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितव्यूच किसी अन्य व्यक्ति वृवारा, अधोहस्ताक्षरी के पाद लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्हीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, औ अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिष्ट है, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया भया है।

#### शन्स्ची

पत्रैट महारानोपेटा वार्ड, त्रिणाखापटनम. विस्तीर्ण 1100 चौ फुट, डी.० न० 16-1-वि०-3, रजिस्ट्रोक्कृत धिलेख न०18189/ 84, रजिस्ट्रोकृती अधिकारी वैद्याग ।

> एम० जगन मोहन सथम प्राधिकारो सहायक आयकर आयक्त (निर्राक्षण) अर्जन रोज, हैदराक्षाद

दिनांक 9-10--1984 मोहर प्ररूप बाईं. टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-घ (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

# कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 9 अक्तूबर 1984

निदेश म० आप् ० ये० मी० न० 216/84-85;--यन मुझे, एम० जगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- छपये से अधिक है

राय से अधिक हैं और जिसकी मं० घर है, जो अलोपुरम वार्ड वैझाग स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूत्रों में ग्रीर पूर्णक्ष्म से अणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, वैझाग, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक 2/84, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचिन बाजार मृत्य से कम के एक्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है '----

- (क) अस्तरण से हुई किती जाय की वाबत उक्त जीध-अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ज्या धन-कर अधिनियम, विकास प्राप्तियम, विकास को लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 260-व की उपधारा (1) के अभीत निम्नलि**डित व्यक्तियों, वर्षात्**:—— 28—306GI/84 (1) श्री कें नागेम्बर राव, वैद्याग ।

(अन्तरफ)

(2) श्रो के० एल० राजेश्वर राव, डा० न० 31→15→26, 'आलीपुरम वार्ड, विशाखापटनम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सबध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख सं 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबच्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टोकरण:---हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्च अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### जनसङ्गी

घर सम्पति, आलीपुरम, वार्ड, विशाखापटनम, रिजस्ट्रीकृत विलेख न ० 1606/84 रिजर्ट्रीकर्ता अधिकारी विशाखापटनम ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

दिनाक 9-10-1984

# प्ररूप आर्घ. टी, एन .' एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अप (1) के अधीन सूचना

### भारत तरकार

# कार्यासय, सहायक वायकर श्रायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज, हैक्ष्राद्याद

हिंदराबाद, दिनार १ अन्त्रूबर, 1984 निदेश संब आर० ए० सी नि 217/84-85--अनः

मृहो, एम० उनन मोहन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य

25,000/- रा से अधिक हैं
और जिसकी सुन भूनि है जें। वैज्ञान में स्थित हैं (ऑर इसक्ष उपाबद्ध अनुसूचा में ओर जों पूर्ण रूप ने विज्ञत हैं) रिजर्ट्रीव नी अधिक री के विप्त के प्रायित्य वैज्ञान में आरतीय 'जिस्ट्रीव नी अधिक री के विप्त के प्रायित्य वैज्ञान में आरतीय 'जिस्ट्रीव रूप अधिनियम, 1908 (1908 वर्ग 16) के अधिन दिनाक 2/84 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिकास के लिए अन्तिरत की गई हैं और मुक्ते यह विद्यास करने के वारण हैं कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य सक्से बच्चमान प्रतिकास से एस दृष्यमान प्रतिकास का पन्यह प्रतिकात से अधिक हैं जीर अन्तरन (अंतरकों) भी अतिरित्ती (अन्तिरित्यों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास विम्निलिखित उद्याय से उक्त अन्तरण सिकित के बास्तिथक रूप से कथित नहीं किया गया है है

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/बा
- (क) एसी किसी अय या किसी धन या अन्य आस्तिओं को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवाय प्रकट नहीं किया गया था किया जाना बाहिए था, छिपाने में स्थिध के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) डे डधीन, निम्निचित्त स्यक्तियों, अर्थाह !—— श्री क्ष० चट्टो बाबु, चौधरी और अन्य
 27-11-82, स्प्रीग रोड, वैझाग

(अन्तरक)

2 दी मावश्री को-अप्रेटिव हाअसिंग बिरुडिन्ग सो गायटी तिथि 26-1-96-1 बन्दर रोड विशासापटनम

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उद्यंत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबधि दाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ,द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्मध्यकिरण:—इसमें प्रयुक्त शन्थों और पर्वो का, भी उन्त अभिनियम, के अभ्याय 20-क में परि-भावित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अभ्याय में दिया गया है।

# **मन्**स्ची

भूमि, विस्तीर्ण 5 एकर, .07 मेंट्स, **विभाग, र**जिस्ट्रीकृत विलेख नं 1157 और 1158/81, रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी वै**क्षाग**।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अध्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, हैदराबाद

दिनाब: 9-10-1984

मोहरः

प्रकृत बार्ड . सी . सन . एस . ------

भावभार अभिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन सुचना

#### भारत तरकार

# कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाध

हैदराबाद, दिनांक 9 अक्तूबर 198

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 218/84-85---अतः मुझे, एम० जगन मोहन

नायकार निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निद्वाध करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. स अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो नादराधा थिलक, ईस्ट गोदावरी जिला में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काकोनाडा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 2/84

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की पर्द ही और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एस ४०थमान प्रतिफल का पंक्र प्रतिस्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्वा) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिस्त उद्वेष्य से उक्त अन्तरण दिनिस्त में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बास्तरक संहुद कियों अप की वायता, उनके बाधितयन को नपीन कर दोने की नन्तरक की खिल्ल में कनी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बीर/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी थन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

श्तः , श्व , उक्त विधिनियम , की धारा 269-ग के अनुस्र्स् वै , में , उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के वधीन , निम्निसिस व्यक्तियों , वधीस् :--- अश मार व्ही सूर्या सन्नामन्या राम सस्यनारायण वगेष, रामचन्द्रापूरम, तालूक, ईस्ट गोदावरी गिला।

(अन्तरक)

2. श्री ए० पापाजी चौद्यरी, पिता वेंसटा राध, तंपायाथा विजेत, राजमुंबी तालूक, इस्ट गोदावरी जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जन्म संपर्तित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधाय :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति .
- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीलें रू 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति र में हिरू-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरण:---इसमो प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मों परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

### भनुसुची

भूमि, विस्तीर्ण 10-74, एकर, नंदाराद विलेष, गोदावरी, जिला, काकीनाडा, रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1296/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी काकीनाडा।

> एम० जचन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, हैदराबाद

दिसांकः 9-10-1984 ुमोहर: प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्वन्त

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 9 अक्तूबर 1984

निवेण सं० आ२० ए० सी० नं० 219/84-85--अतः मुझे, एम० जगन मोहन

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का शरण हैं कि स्थावर समित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी संव घर है, जो वैशाग, में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के प्रायालय वैशाग में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 को 16) के अधीन विनाक 2/84 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उपात बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्स सम्पत्ति का उपात बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्वेष ये से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (का) अन्तरण ते हुई किसी आय की अधत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धाय 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मीनेवित व्यक्तियों, अर्थात् ः—  श्री पी० स्वामीनाथन, जनन्तपुरम, बैझाग ।

(अन्तरक)

श्री ए० सुब्बारायडु,
 डी० नं० 13-2-1/और 1/सी, माहारानीपेटा,
 विष्याखापट्टनम ।

(अन्सिंग्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

. उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास विक्रित में किए जा सकींगे।

स्वव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **मन्**ज्**यी**

धर संपत्ति डी० नं० 13-2-1 और 1/सी, माहारानीपेटा, विशाखापटनम, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1847/84 रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी वैद्याग ।

> एम० जगन मोहनं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, **हैदराबा**द

**दिनां**क : 9-10-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भागकर वापिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भा(1) के जभीन सुभमा

### भारत संरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, मद्रास मद्रास, दिनांक 24 सितम्बर 1984

जिदेश सं० 9/2/84—अत मुझे प्रेम मालिनि वासन भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के उधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी मं० भूमि है तथा जो ओमलुर, में स्थित है (और इसक्ष उपाबद्ध अनुमूची में और जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के नार्यालय एस० आग० ओमलूर, दस्तावेज स० 288/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीक दिनाक फरचरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्सि के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्राप्त कल के लिए अन्सरित की गई हैं आर मूक यह विद्यास करन का कारण है कि यथाप्ताक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एस दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रात्वात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अतरिती (अन्तरितयां) के बीच एसं अतरण के लिए सब पाय म्या प्रतिकल, निम्निलिलित उद्गद्ध से उक्त मंतरण लिखित में कास्सिक क्य से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बंदरण ते हुई ज़िती बाव की बाबता, उक्त जिभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व वा कनी करने या सबसे बचने में सुविधा के सिए; काँद्र/वा
- (भ) एसी किसी नाव या किसी भन या नन्य नास्तियों की, जिल्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर निभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया का या किया बाना थाहिए वा खिपाने जें सविधा के सिए,

अत. धव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिथित व्यक्तियों, अर्थात् ध—

1 श्री हष्णन,

(अन्तरक)

2. श्री एम० दौरे स्वामी, नायडू

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उक्त बम्पीरत के वर्जन के बम्बन्ध में कोंड़े भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से As दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत कतित्रया में से किसी क्यों कत द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4: दिन क भीतर उक्त स्थालर सम्पास मा हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति दुशारा, अधोहस्ताक्षरी के गाम लिखित में किए जा तकींचे।

### नगुसूची

भूमि सर्वे मं० 155/2ए-4, अमिन ओसलूर गांव, सेलम। दस्तावेज सं० 288/84 है।

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, मद्रास

ां≪तांक 24-9-1984 मा**हर** ⊑ प्ररूप बाइं. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्मना

### भारत बरकार

कार्यास्य, सहायक भायकर मायुक्त (निरोक्तन)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनाक 25 सितम्बर 1984

निवेश सं० 17/2/84—अतः मुझे, प्रेम मालिनि वामनं नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गण हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्यन्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

और जिसकी स० पल्लम पारे गांव है, तथा जो में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस आर० मेन्द्रमंगलम, दस्तावेज सं० 309/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 में 16) के अधीन दिनाक फरवरी, 1984

को पूर्वा कर संदक्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्रे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निम्नल में बाम्नलिक कप से किथन नहीं किया गया हो —

- (क) अन्तरण चे हुई किसी जान की नावत उच्छ अधि-निवस के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के जिये; और/या
- (का) एसी किसी आय वा किसी धन या अस्य आस्तिबाँ की, जिन्हाँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11 ना उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अस्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण वें, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) कें अभीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अभीतः — 1. सूम्बराजी

, अन्धरमः)

2 श्री मुभरमणि

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के वर्षन के सिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध वें कोई भी वासी :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्सम्भूत्भी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृशींक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (व) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन के भीतर उक्त स्भावर संपत्ति में हित-बब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हूँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा। गया है।

# नग्त्री

भूमि 199/2, पल्लमपारै, गांव (दस्तावेज सं० 309) 84) ।

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्रधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, मदास

दिनांक : 25-9-1984

मोहर

प्रकर बार्ड .टी .एस .एस .-----

मायकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मधीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज, -1 मद्रास
मदास, दिनांक 29 सितम्बर 1984

निदेश सं० 26/2/84——प्रतः मुझे, प्रेम मार्लिन वासन वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० पुत्तूर स्ट्रीट है, जो कुमारपालयम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध भनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय एस० प्रार० कुमारपालयम वस्तावेज, सं० 333/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनिवम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक फरवरों, 1984 को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त तम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का प्रमुख (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशों से उक्त कन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गमा है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर टांने के अन्तरक क दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्/बा
- (क) एंसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिल्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अर्बुधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान म स्विधा के सिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंबत स्थीक्तयों, अर्थात् :---- 1. श्रो • एल० प्रारम्गम

(घन्तरक)

2. श्री कनख संबापित

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारा करके पूर्वाक्त सपित्त के बर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हो,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, श्रो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो दस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि 122-ए, ग्रग्रहारम गाव, कुमारपालयम, नामक्कल दस्तावेज सं० 333/84 ।

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर द्राधिका (निरोक्षण) द्राजैन रेंज-I मद्रास

दिनाकः 29-9-1984 मोहरः प्ररूप बाइं.टी.एन्.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1. मद्रास

मद्रास, दिनाक 24 सितम्बर 1984

निदेश सं० 28/2/84—श्रतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन आयकर प्राविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/ रा भे अधिक है

स्रीर जिसकी मं० जुमारपालयम गांव है, जो नामक्कल में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप मे बाँगत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय एस० श्रीर० कुमारपालयम, दस्तावेज सं० 352/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम; 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन दिनाक फरवरी 1984

को प्रवेशित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य असके दृश्यमान प्रतिफल में एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निसिश्त उच्देश्य से उक्त बन्तरण विश्वित में बास्तरिक रूप से किथत नहीं किया गया है :----

- (का) अन्तरण से हुई किसी आय की आअत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बार्यित्व में कमी करने या उसतें अभने में तृत्रिभा के लिए; और/मा
- (थ) एती किसी आन या किसी धन या अन्य अपित्यों को जिन्हें नारतीय आयश्रण अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तन अधिनियम, या शत-वर्ण अधिनियम, या शत-वर्ण अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए.

ज्ञत अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अधीत्:— 1. श्री एन० कुष्णराजन श्रीर श्रन्यों

(श्रन्तरक)

2 श्री कें बाल्

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वाना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितक्ष्य किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जा उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ क्रोगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# प्रनुसूची

भूमि श्रीर निर्माण: नई सब सं० 101/2, सारयग्रम नगर कुमारपालगम, दस्तावेज स० 352/84 ।

> प्रेम मालिनि वामन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-I, मद्रास

दिनांक: 24-9-1984

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1 मधास

मद्रास, दिनाक 22 सितम्बर 1984

निदेश सं० 33/2/84— अतः मुझे, प्रेम मृालिनि वासन नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 260- क के अधीन सक्षम पाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रह. स अधिक है

ग्रौर जिसकी स० भूमि वेलूर है तथा जो नामक्कल, सेलम में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध पन्मूचा में ग्रीर जो पूर्ण एन से बागत है) रिजिट्टी कर्ता श्री का विलय संव 243/84 में भारतीय रिजर्टी करण ग्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधी। दिनांक फरवरी. 1984

को पुनाबत सम्पत्ति के उण्जित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति, सम्पत्ति का उण्जित काशार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उथन अतरण निभित्त के बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दन के अतरक वे दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सिविधा के लिए; जौर/बा
- (क) एमी किमी आय या किसी धन या कन्य आम्तियो को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने भें सविधा की लिए:

भत: अथ., उन्त अधिनियम की भारा 269-ण के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :--29-306---GI/8

1. श्री के ० मुरुकेसन ग्रीर ग्रन्यों

(भ्रन्तरक)

2. श्री पी० वीर्प्पन

(श्रन्तरिनी)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्सि के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शास्त्र करता हुँ।

# जनत संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप :--

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुधारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में क्रिक बक्ष किसी जन्म स्थिक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जम्सकेंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमे प्रयूक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, अही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनु सूची

नूमि एस० स० 315/5, नामक्कन, (बेल्र), (दस्ताबेज मं० 243/84)।

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारो महायक श्रायकर श्रायुक्त (िरोक्षण) ग्रजीन रेजि-I मद्रास

**दिनाक**: 22-9-1984

भोहर.

प्रकृप आई टी एन एक -----

**भागकर मणिनियम, 1961 (1961 का 43) की** भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

#### मारत सरकार

कार्यालय सष्टायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)

प्रार्जन रेज-I, मद्रास

गद्रास, विनाक 24 सितम्बर 1984

निरंश स० 37 2-84-- अत मुझे; प्रेम मिलिन वासन कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्रवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार सुल्य 25,000 ∕- रु से अधिक हैं

श्रीर जिपको स० सुमि पोहिरेट्टिपडि है, तथा जो नामक्कल तालुक में स्थित है (श्रीर इसमें उपावत अनुस्चा में श्रीर जा पूर्ण रूप से वणित है) रिजय्द्रोकर्ता प्रधिक रो के कार्यालय एस० म्रार० एहमैपड़ि, दस्तावेज स० 261/84 मे भारतीय र्राजग्दोकरण ग्रंधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रंधीन फरवरी 1984

को प्रधावत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के कस्मान प्रतिकल को लिए अतिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सपरित का उचित भाजार मुल्य, उनके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्दह प्रतिशात से अधिक है और बसरक (अंतरकाँ) बौर अंतरिती (बतरितियों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रति-का निक्तितिक उददेण्य से एकन अन्तरण सिचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण तेहुई किमीसाम की शावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के सम्बन्ध के दायित्व में कमी करने या उससे क्याने में सनिका नो मिए, और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में मुतिथा के लिए;

वतः अध, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनसरण में भें शक्रम प्रीर्थान्यम जी भागा १६० में की उपभारा (1) को साधीर, रिज्ञानिस्कित व्यक्तियों, अर्थात 🖫 🛶

। श्रीपी० दलनियापि

(ग्रन्तरक)

2 पलियम्प गौडर

(श्रन्तरितो)

को यह सुचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिध् कायबाहिया करता हु ।

# उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इ.स. सूचनाके राजपत्र में प्रकाशन की **सारीख** से 45 दिन की अवधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सुचना की तामील स 30 दिन का अवधि, जा भी अविधि बाद मा समाप्त तातो हा, के शीतर प्रावित म्यांक्सयों में से किसी व्यक्ति ध्वारा,
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील मे 45 दिन क भीतर उत्रत स्थावर सपत्नि मा हिराबद्धध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाष्ट्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पच्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का. जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क म परिभाषित हैं वहां अर्थ हागा जा उस अध्याय म दिया गठा है।

# अनुसूची

भूमि एस० स० 292, एरमें पट्टि, पोड़ि रेट्टि पट्टि गाव नामक्कल क्षाल्क सेलम, (दस्तावेज स० 261/84)।

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) श्रजंन रेज-I, मद्रास

दिनाक 24-9-1984 मोहरः

प्ररूप बाह<sup>4</sup>., टी. एत. एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

पर्लन रेप्र⊱ा. सद्राग

मद्रास, दिनांक 24 सितम्बर 1984

निदेश सं० 41-2-84—-ग्रनः मृत्ते, प्रेम मालिनि वासन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्ति वाजार मूल्य 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रापये स अधिक है

और जिल्लो मं० नामकरूल, है, तथा जो तिरुच्च गोड में स्थित है (श्रीर इससे उपावद अपूचा में श्रीर जो पूर्ण का से विणित है) रिज दूर्ण का श्रिक्त कार्यों के कार्यात्रय एप० आर० तिरुच्च गोड दस्तावेज स० 590/84 में भारतीय रिज दीकरण प्रधितियम,

1908 (1908 का 16) के अधान दिनाक फरवरा, 1984 का पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम क दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वाक्त सपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिशत स अधिक हें और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल, निम्निजिखत उद्योध्य से उक्त अन्तरण जिसित में शास्ताबक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (अ) अन्नरण से हुई किसी बाय की बाबन, उक्ल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायत्व में कमी करन या उष्ठस बचन में सुविधा के लिए, और/बा
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया घा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविजा की जिए।

। श्रो एम० सीनिवासन ग्रीर मन्यों

(भ्रन्तरक)

2 श्री पी० मारिमुलु शौर श्रन्यों

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

# उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाम निखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरण:——हममं प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि घौर निर्माण दस्ताबेज नं० 590/84

प्रेम मालिति वामन सक्षम <sup>-</sup> **धिक री** यहायक ग्रायकर भ्रापुतन **'निपी** रा) श्रजीत टेंज-, मश्रास

अतः अब. उच्नत अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्नत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

विनाक 24-9-1984 मोहर : प्ररूप बार्ड . टी . एन् . एस . ----

1. श्री पी० के० रामलिंगम

(भ्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन मुबना

2. श्री सी० सुन्धरम

(ग्रन्तरिती)

### भारत सम्भार

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 सितम्बर 1984

निदेश स॰ 43/2/84—श्रतः भुमे, प्रेम मालिनि वासन आध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), भी धारा 269-स के अधीन सभम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्ण 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसको स० है, भूमि तिहस्तंगोड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध शनुसूचो में श्रीर जो पूर्ण कप से विणत है) रिजम्झे कर्ता श्रीधकार के कार्यालय एम० प्रार० तिहुच्चगोड, दस्तावेज मं० 670/84 में भारताय रिजस्झोकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठान दिनांक फरवरा, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से क्षम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्षोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिस्ति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिं समों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्निलियत उद्योगों से उक्त अन्तरण सिचित में जास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आध की बायत, उक्त अधिनियम के सधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें अचने में सविधा के लिए, और/वा
- (च) एसी किसी बाय वा किसी धन या बन्ध आस्तियों क्य जिम्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था गा किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा से बिए;

को यह सूचका जारी करके पूर्वोक्स सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्दत्त्व में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुगरा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाद लिखित में किए या सकीये।

### वन्स्ची

भूमि (वस्तावेज मं० 670/84)।

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेज-४, मद्रास

उत्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिसित व्यक्तियों, अर्थात :---

दिनांक: 28-9-1984

माहर 🕄

शक्य वार्धे दी एन एस : ------

बायकर मिशिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यात्रय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-! महास

मद्रास, दिनांक 26 सितम्बर, 1984

निदेश सं० 49/2/84— प्रतः मुझे, प्रेम मालिनि वापन बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का प्रारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिज्ञको सं० एस० सं० 172/4 है, जो तिहस्वाो 'ड़ नामकतल, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबज्ञ श्रापुता में श्रीर जो पूर्ग रूप से वणित है) रिजस्ट्रोकर्जा श्रीध ह.र: के कार्याज्ञय एस० श्रार० नामक्कल, दस्तावेज सं० 200/84 में भारतीय रिजस्ट्रोकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रवीन दिनांक फरकर:, 1984

को पूर्वाक्त सम्पत्ति क जाजत बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विद्यास करन का कारण है कि यथापुर्वाक्त सपरित का जीजत बाजार मृल्य, उसक दृश्यमान प्रतिकल से, एस दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) शार अंतरिती (अन्तरित्यां) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकस निम्नलिखित जब्द क्य से जक्त अन्तरण मिखित कें बास्तिकक रूप से किथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई फिसी नाय की बाबत, डक्त ब्राधिनियम के अधीन कर दान के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे स्थान में सूर्यिधा के सिए; बार्/या
- (थ) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय भाग-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजमार्थ अन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना काहिए था. कियाने में मृतिका के लिए:

गतः नव, सन्त निधिनियम की भारा 269-ग की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अधीत्:---- 1. श्रो पी० ग्रारुमुगम, सेट्टियार,

(भ्रन्तरक)

2. श्रो पो० मनि भौर प्रन्यो

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लि - कार्यवाहियां करता हुं।

# इन्स संपत्ति के अर्थन को संबंध में कोई भी आसंप्र :-- --

- (क) इस अपूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या हत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की हामील से 30 दिन की अविधि, ओं भी अविधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूजों कर व्यक्तियों में से किसी अपिक्त द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारील से 4.5 दिन के भीतर उचन स्थाधर संपत्ति में जिल्लाहरू किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीगं।

स्वक्रीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्ह अधिनिधमः के अध्याय १०-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियर गया है।

### बन्सूची

भूमि एस० नं० 172/4, तिरुच्सगोड, नामक्कल, (दस्तानेज सं० 200/84)।

> प्रेम भार्लिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निराक्षण) ग्रर्जन रेंज-∡, मद्रास

विनांक: 26-9-1984

प्ररूप आहु". टी. एन. एस. -----

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269-व(1) के मंत्रीन नूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज मद्रास

मदास दिनांक 24 सितम्बर 1984

निदेश सं० 57/2/84--अतः मुझे प्रेम मालिनि वासन बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उसते अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन संधार प्रतिप्रकारी को यह विदयाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जितका स० भूमि ग्रीर निर्माण नामकल गांव सेलम में स्थित है (ग्रीर इपने उपाबद्ध में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णि। है), रिजिन्द्र किरा अधिकारा के कार्यालय, एस० आर०प्रो० नामकत्त दसा ग्रेज सं०: 344/84, में भारत य रिजिन्द्र करण अभिनेतम, 1908(1908 का 6 के अधान 16 कांबरा 1934।

का पूर्विकत सम्पत्ति के उपित वाजार मूल्य से कर के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल को, एसे स्थमान प्रतिफल का यंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त स्नतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (4) बस्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिल में कभी करने या उससे बसन में सूबिया के सिए; और/या
- (आ) एंसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आरिस्तवी अग्ने, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ जन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना वाहिए था, खिपाने में स्थिभा के निए;

(1) भाः उन्नामली अम्माला ।

(अन्तरक)

(2) श्रां एम० सिन्नमाल।

(अस्तरिती)

को यह सूधना जारी करके पृत्रेक्सि सम्पति के अर्जन के लिए कायवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वै 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबाद साह में समाप्त हाती हा, के भीतर पूर्वोक्स जानित्यों में में किसी क्यांकर बुधारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसा बन्य व्यादल द्यारा अधिक एवा स्किम ।

स्पष्टीकरणः ---इसमे प्रय्क्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, तहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया एया हैं।

# अन् सूची

भूमि श्रौर तिर्माग : सर्व सं० : '451/2, डरे०न०-ए . 40-ए ०र गगेत पुरम चर्छा रोड, नामक्ष्मल गांव, संसेलम स्टिइड्ड (वस्तवोज सं० : 354184)।

> अर्जन रेंज-I मशस प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारो महायक आयकर अध्यक्ष्त (निरक्षण)

अन् अन्त्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-क के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारंख: 24-8-84

माहर 🕹

प्रक्रम आहे. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I मद्राम

मद्रास दिनांक 24 सिनम्बर 1981

निदेश सं० 61-2-84 अतः मुझे, प्रेम माहिः निशासन बायत्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उधित बाजार मूस्य 25 000/- रु से अधिक हैं

स्रोर जिनक स० जार व शतम गात्र सेलम है, जो में स्थित है (स्रोर इसने उपाबड़ में स्रोर पूर्ण रूप से विणित्त है), रिजिस्ट्र कर्ना अधिकार के कार्यालय, एस०आ ० स्रो० इस्ट दस्तावेज स० . 47/84 में भारत स रिजिस्ट्र न ण अधिनियम 1908(1908 का 16 के अब न 16 फरवर) 1984।

को प्रोंकन सम्पान के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विववास करने का कारण है कि यथाप्योंकत सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रितिफल से, ऐसे स्वयमान प्रितिफल का पेम्नह प्रतिजत से अधिक ही और अन्तरक (अनरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरए के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्यवस्य में उक्त अन्तरण लिचित में बास्तिमक रूप से काथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं को बाबत उपस अधि-जिसम के अधीन कर दान के अन्तरक के दायित्व में अभी करन या उससे अधन में मृविधा के लिए; मीर/या
- (ख) एसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को. जिन्हें भरतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धल-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयाजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकर नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुनिधा को स्वार;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, विकल्पिकन व्यक्तियों, अधीत:— (1) श्रा जाः जेयकुमार

(अन्तरकः)

(2) श्री ए० जीविन्दन

(अन्तरिते )

को यह सुचना जारी करके प्वाक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

# उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप .---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पात्त में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहम्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हागा, जा उस अध्याय में विया गया है।

#### मसची

भूमि सं० 241, जारी विरानम गाव, सेलम, दस्तावेज सं०: 497/84।

> प्रेममालिनि व सन सक्षम प्राधिकार। सहायकः आयक्कर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज-!-मक्कास

तारीख 24-9-1984 मोहर प्ररूप् आर्थः टी. एन . एन . ------

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास $-{
m I}$ 

मब्राम, विनाक 24 सितम्बर 1984

निर्देश स० 63/2/84—अतः मुझे, प्रेममालिनि वासन भायकर अभिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके क्यात 'उक्त अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि: स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिनकः सं० सहादेव पुरम एक्सडण भण प्लाट 24 सेलम है, जो में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध में पूर्ण रूप से वर्णि। है), रिजिल्ह्र कर्ता अधिकार के कार्यालय, जे॰एप्त॰श्रार० I सेलम दसाविज सं० 246/84 भें भारत य रिजिल्ह्र करण अधिनियम, 1908(1908) का 16 के अधान 16 फावर 84।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके एश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अतरकों) और अंत-रिसी (अंतरित्यों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया मिलल निम्निविश्वस उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्वित में बास्तिकक रूप में कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) जंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उसस अधिनियम के अधीन कर दोने के अतरक कें दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (श) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अतिरती क्वारा प्रकट नहीं किया गया भारा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

हर. सब. उवत प्रधिनियम की धारा 269-म के अनमरण मीं, मीं, उक्त अधिनियस की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिकत व्यक्तियां, स्थात् :- - (1) श्राटाञ्जाञ पलना खनक सभापति ।

(अन्तरकः)

(2) श्रा के०विः विभक्तिंगम ग्रीर अन्यों।

(अन्तरितः)

को यह सुचना जारी कारके पूर्विक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उबद सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी ब्याक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति म हितबद्व कि सी जन्म व्यक्ति द्वारा., जभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# बन्स्ची

भूमो मीर निर्नाग : 7वो आई०, चेररो रोड, सहादेव पुरम तुन्ध्वराज, प्लाट सं० : 24, अबुण स्वं सं० : 1182, कुमारस्वामिपडि गांव सेलम दस्ताविज सं० : 246/84!

> प्रेम मालिनि बासन सक्षम प्राधिकारा महायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज, I–मद्रास ।

तार ख: 24-9-1984

प्रकृप जाहाँ. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सचना

### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज. 1-मदास

मद्रास, दिनांक 27 सितम्बर 1984

निदेश सं० 75/2/84—अतः मुझे, प्रेंम मालिनि वासन भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुपये मे अधिक हैं

स्रीर जिसकी सं िडि॰एस॰सं॰: 64 ब्लाक 8 भूमि स्रौर निर्माण डि॰एस॰सं॰: 58/3 है, जो पल्लपट्टि गांव, सेलम में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे॰एस॰आर॰-]]], सेलम दस्तावेज सं॰ 133/84, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन 16 फरवरी 1984।

को पूर्भोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के खायमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके खर्यमान प्रतिफल से एसे ख्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दुष्टिय से उक्त अन्तरण लिखित के वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायिस्य में कमी करने या उससे अधने में सविधा के लिए और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था., छिपाने बें सिवधा के लिए:

जतः वज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण मैं, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपभारा (1) के भधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 30—306 GI/84 (1) के० राज् ।

(अन्तरक)

(2) श्री आर० रूखारत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पृवांकत सम्मिति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधियाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह ते 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुभ किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकों गे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

### मन्स्ची

भूमि भौर निर्माण: पल्लपट्टि गांव, सेलम, दस्तावेज सं० 133/84)।

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारोः सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, 1–मद्रास

तारीख: 23-9-1984

भोहर 🤉

प्रकृप लाइ<sup>3</sup>. टी. एग एस...... भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, 1-मद्रास

मद्रास, दिनांक 24 सितम्बर 1984

निदेश सं० 77/2/84—अतः, मृझे, प्रेम माणिनि वासन सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाघर मृल्य 25,000/- रुट. में अधिक है

ग्रौर जिसकी सं आई०एल० ब्लाक 3 डि०एस०सं० 92, सेलम में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० सेलम दस्तावेज सं०. 356/84 में भारतीय रजिस्ट्री- करण अधिनियम, 1908(1908 16) का के अधीन 16 फरवरी 1984।

को पूर्वीयत सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम दृष्यमान प्रतिश्वस के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह बिएवास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीवक है और बन्दरक (अन्तरकों) और बन्दरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्दरण के लिए सय पाया गया प्रतिश्वत, निम्नक्तियत रहेष्य से उच्त प्रन्तरण निश्चित में बास्तबिक छप से कवित नहा किया गया है:—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे वचने में कृषिशा के सिए; और/या
- (ख) एसे किसी जाए या जिसी जन या अन्य मारितयों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आंश्रनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए; और/या

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन। निस्निलिमित क्यिक्त में, लर्थात १---

(1) श्री आए०पी० विस्वनात सेष्ट्रियाण।

(अन्तरक)

(2) श्री एस०पी० बालरामस्वामा श्रौर अन्यों।

(अन्तरितो)

को यह सुष्पना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकींग।

स्पद्धीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या है।

# मन्स्ची

भूमि ग्रीर निर्माण आई०एल० ब्लाक 3 डी०एस०मं० 92 सेलम, दस्तावेज सं०: 356/84।

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, 1-मद्रास ।

तारीख: 24-9-1984

प्रक्ष बाह्र . टी . एन . एस . ------

श्रीयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-श (1) के प्रजीत सुभना

#### भारत तरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, 1-मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 सितम्बर 1984

निदेश सं० 82/2/84—अतः, मुझे, प्रेम मालिनि वासन आग्रमस् प्रिमियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० में अधिक है

ग्रौर जिसको सं० भूमि श्रौर निर्माण विण्डुक्कल है, जो में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे०एम०आर०-1 विन्डूक्कल, वस्नावेज 50/83 में भारतीय रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अश्रीन 16 फरवरी 1984।

को पूर्वोक्त लंपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पण्डल प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीए अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधितियम के प्रधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व म कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसीं आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर मिल्रिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिल्रिनियम, या धन कर मिल्रिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया चाना चाहिए चा, कियाने में सुविद्या के निए ;

जतः अव, उक्त अभिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अभीन निम्नलिचित व्यक्तियाँ, संचित क्र— (1) श्री कें नोहनधास।

(अण्तरक)

(2) श्री जा० नीवन्दराजुनायडू।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्या सम्पत्ति के वर्षन् के विष् कार्यवाहियां जुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाझेप :--

- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कड़ स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्परित में हिंत-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वास, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्पब्दीकरणः ----इसमें प्रयुक्त सम्बों और पवों का, जो उक्त जभिनियम, के जध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **अम्स्ची**

भूमी डी॰एस॰सं॰: 1720/3बा), बालक्कशनपुरम, दिन्छु-क्कल, दस्तावेज सं॰: 50/83)।

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रेंज, 1-मद्रास

तारीख: 7-9-1984

मोहर 🕄

प्रकृष्ट आहें. टो. धुन. एम.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारां 269-म (1) के जभीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, 1--मद्रास

मद्रास दिनांक 24 सितम्बर 1984

निदेश सं० 85/2/84—अतः, मुझे, प्रेम मालिनि वासन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रहः से अधिक है

प्रौर जिसकी स० भूमि नागल नाथक्कन पटडी, दिन्हुकल है, जो में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद में प्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारा के कार्यालय एस०आर० नागल नाथक्कन पट्टा दस्तावेज स०: 127/84, में भारतोय रजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन 16 फरवरों 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्र प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन, निम्मलिखित उद्देष्य से उस्त अन्तरण लिखिस में वाम्विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्ते जिथिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के सिए; भीर/या
- (ध) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विभा के लिए;

कतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन , निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थासु :---

- (1) श्री दिन्दुक्कल उनुण नाथ्डु महाजम द्रस्ट ।
  - (अन्तरक)
- (2) श्री के०के० नटराजन श्रीर अन्पों।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

**उक्त सम्मति के वर्षन के सम्बन्ध में कोड' भी बा**क्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवित्त व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उकत अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में विशा गया हैं।

# नन्स्ची

भूमि और निर्माण: आडं सं०: 6, नोतू तेरू, डी०एस० स०: 1005, दिन्डुनकल, दस्तावेज सं०: 127/84।

> प्रेम गालिनिवासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज; I-मद्रास

तारीख: 24-9-1984

प्ररूप आहाँ.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्जालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, I-मद्रास

मद्रास, दिनांक 25 सितम्बर 1984

निदेश सं० 86/2/84—अतः, मुझे, प्रेम मालिनि वासन सायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269--स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्यः 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसको स० भूमि तनडिक्कुडि, तिणडुक्कल है, जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्राकर्ता अधिकारा के कार्यालय, एस०आर० कोडिक्कानल दस्तावेज स०: 59,60,-61-62-84 में रिजस्ट्राक्रियण अधिनियम, 1908(1908 का 16 के अधीन 16 फरवरी 1984।

को पृथेकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृशेकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिचित उत्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आअत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अत: जुब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हे— (1) श्रो बं ० नडराजन ग्रीर अन्यों।

(अन्तरक)

(2) श्रांकृणण मूर्ति।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्या किता में से किसी क्या कित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सक<sup>3</sup>गे।

स्वच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा,, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### नन्स्ची

भूमि : एस०सं० : 321-322,, तंडि कुप्पम गांव कोडै-क्कामल, दस्तावेज सं० : 59,60,61 व 62/84 ।

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी राहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, I--मद्रास

तारीख : 25→9-1984

नोहरू 🛭

प्ररूप बाह् .टी. एन. एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, 1-मद्रास

मद्रास, दिनांक 26 सितम्बर 1984

निदेण म० 87/2/84—अतः, मुझे, प्रेम मालिनि वसना आयकर अधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसका में स्थात है (ग्रांर इसमें उपाबद्ध में ग्रांप्र पूर्ण क्य में बिणत है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय, एस०आप०ग्रो० कोडैक्कानल दस्तावेज सं०: 94/84 में रिजस्ट्रोक्तरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 फरवरों, 1984 को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूझे यह विश्वाग करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अक्त अन्तरण विलिख में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एरेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

जतः अब, उक्त जिभिनियम की धारा 269-ग्य के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मैंसर्ज कमला एक्षिनेजर।

(अन्तरक)

(2) श्री डो०एम० कंस्ट्रकशन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपन्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगस् चा

भूमि : वस्तावेज सं० : 94/84 ।

प्रेम मालिनि <mark>वासन</mark> सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजंन रेंज, 1–मद्रास

सारी**ख**: 26-9-1984

प्रकल आहाँ. टी. एन. एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 1-मद्राम

मद्रास, दिनांक 24 सितम्बर 1984

ज निवेण मं० 90/2/84---अृतः, मृझे, प्रेम मालिनि वासन कायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु में अधिक है

श्रीर जिसकी स० भूमि श्रीर निर्माण मदुरै है, जो में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप में वरिर्णत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे०एस०आर०-1 मदुरै दस्तावेज स० 197/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन 16 फरवरी 1984।

को पृथा कर सम्परित को उपित बाजार मृस्य से कम के क्रयमान प्रित्तिल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृथों कर सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, इसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उथ्योगों से उक्त अन्तरण लिखित के बास्निक कप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी अ। की बावत, उपल जिमियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दाजित्व में कमी करने या उससे बचने में जुनिभा के लिए; मीर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के प्रधीन, जिस्तीलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---- (1) श्री वो० जिखलाडेस्वर अएँयर।

(अन्तरक)

(2) श्री जे०एस० मुख्तु होन साहिब।

(अन्तरिता)

को यह स्वनो जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में काई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

. पट्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्रधों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

# अनुसूची

भूमि ग्रीर निर्माण : आई स० : 5, नई आई सं० : 29 सुब्रायर अगरहारम डोर स० : 6, डो०एस०सं० : 521 व 523/1, मदुर दुस्तावेज सं० : 197/84।

> प्रेम मालिनि वाासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, 1-मद्रास

तारीख . 24~9-1984

मोहर 🛪

प्ररूप शाई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 1-मद्रास

मद्रास, दिनांक 26 सितम्बर 1984

निदेण सं० 91/2/84—अतः, मुझे, प्रेम मासिनिवासन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25'.000/- रु. से अधिक हैं श्रीर जिसकी मं० भूमी श्रीर निर्माण चित्तरकार स्ट्रीट हैं, जो में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, जे०एस०आ२०आई मदुरें बस्तावेज सं०: 790, 791, 792 व 793/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन फरवरी 1984
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरममान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दरममान प्रतिफल से, एसे दरममान प्रतिफल का
पंद्रष्ट प्रतिशत में अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
भास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है: ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/याँ
- (भ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

उत्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अथित्:—— (1) श्रां क्रुमणण ।

(अन्तरक)

(2) श्री सोणं कांति अम्माल।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना कि तामील से 30, दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ॥

### अनुसूची

भूमि और निर्माण:सं०: 10व 11, चित्तिरकार स्ट्रोट डो॰एस॰मं०: 257, 258 मदुरै, दस्तावेश म०: 790, 791, 792 व 793/84।

> त्रेम मालिनि वासन गक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, 1-मद्रास

तारीख : 26─9─1984

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.------

कायंकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्थना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज. 1-मद्राम

मद्रास, दिनांक 26 सितम्बर 1984

निदेश स० 103/2/84--अत , मुन्ने, प्रेम मालिनि वासन अग़ाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का *व्या*रण है कि स्थावर **सम्पत्ति, जि**सका उचित **बा**जार सूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं श्रीर जिसको स० 7, तमिल चंगम रोड, मदुरै है, जो में स्थित है (ग्रांर इससे उपाबद्ध में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टाकर्ता अधिकारो के कार्यालय, एस०आर० पूनुमंद्रपम दम्तावेज मं० : 365/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम. 1908(1908 का 16 के अधीन 16) फरवरी 1984 को पूर्वीवस सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान पतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यभान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिकी (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त भन्तरण लिसित मे शास्तविक रूप से कथित नहीं किया गवा है :----

- (क) अन्तरण सं हुई भिन्ती जाय की शावत, कत्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तसे वचने में सुंविधा की लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की. जिन्हों भारतीय आय-कर आधानणम. 1922 (1922 का 11) या उक्त आधानणम. या धन-कर आधानणम. 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना माहिए था, छिपान मी मावबा के लिया

जन अब, उबन अधिनियम की धारा 269-ग के अनमरण को. में उपन जिथिनियम की धारा 269-च को उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिश व्यक्तियों, अधाँत :——
31-306GI/84

(1) श्रा बा०के०मा०एम० रित्तनवेल श्रीर अन्यों।

(अन्तरक)

(2) श्राराधा अम्माल।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के अर्थन के जिए कार्यमाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारित से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियां रूप स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अभोष्ट्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदीं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिला गया हो।

### मग्सची

भूमो श्रीर निर्माग: 7, तमिल चंगम रोड, डं॰०एस० 1188, मदुरै, दस्तावेज सं०: 365/84।

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, 1-मद्रास

तारी**ख**ः

भोहर 🛭

प्ररूप भाइ<sup>2</sup>. टी. ऍन. एस.-----

नायकर सीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 1-मद्राम

मश्राम, दिनांक 24 मितम्बर 1984

निदेश सं० 104/2/84 -- अन, मुझे, प्रेम मालिनि वासन

कायकर बौधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उधित बाजार 25,000/- रह. से **अधिक है** 

और जिसकी सं० तमिल चंगम रोड, मदुरै है, जो में स्थित है (और इससे उपाबद में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्दीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस०आर० पूनूमध्यम दस्तायेज मं० 366/84 में भारतीय राजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन 16 फरवरी 1984

का पूर्वेक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के उदयमान धौतफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सांपरित का उपित बाजार **इस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का** प्लिक्स प्रतिकात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और इन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्निसिखित उद्वेषय से उक्त अन्तर्ण लिखिन में पास्तविक रूप से कथित नहीं किए। गया है ,--

- '(क) बन्तरण से हुई' किसी अाय की बायत उक्त अधिनियम के जधीन कार दोने के अन्तरक ध दायित्य मो कभी कारत या उससे बचने मो सिविध के सिए: और/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त किश्रियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजमार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में राजिधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनिय्म की भाग 269-ग के अनसरण रे गै. जकत अधिनियम की भाग 260-घ की उपधास (1) 🕏 अधीन, निम्ननिसित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्री बी०के०भि०एम० रसिन्देल्।

(अस्तरक)

(2) श्री एन० तिस्थलगनातन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुएं।

# उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सार्राख 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति देवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की टारीन में 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित्तबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए प्रासकीं।

स्यक्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>‡</sup>, व**ही अर्थ होगा जो** उस अध्याय मे<sup>-</sup> दिया गया है।

# यन्यम्

भूमि और निर्माण आई सं० 7, 56, तमिल चं**गम** रोड हि०एम० सं० - 1188, मदुरै दमनायेज सं० 366/84

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी

महायर आयहर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 1--मद्राम

नारीख 24-9 1984 मोहर

पक्रम काइ. टो. एन. एस.------

# बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

प्राप्त स्टालान्

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 1--मद्रास

मद्रास, दिनांक 22 सितम्बर 1984

निदेश सं ० 105/2/84--अतः, भुसे, प्रेम मालिनि वासन

बायकर अधिनिरम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); को भारा 269-ध के अधीन सक्षाप्र आधिकारी थां, पह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उभित वाजार मृत्य 25,000 / - रु. से अधिक 🗗 और जिसकी सं० भूमि और निर्माण है, जो मदुरे में स्थित है (और इपसे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्दी अधि शारी के कार्यालय, एस० आर० पूनमंटपम दस्तावेज 367/84 में कारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 फरवरी 1984 को पर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मुल्य **से कम के पर**यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्तींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके इत्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) गौर अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तयभ्याया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण स हुई किसी जाय की भावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने को अन्तरक के वायित्व न कमी करन या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 1922 का 11) या उप्तत अधिनियम, का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रेकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के भविधा के निए;

अतः एवं , उथत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें , में , उथत अधिनियम की धारा 269-ग की उपधादा (1) के अधीन , निम्मिणियत व्यक्तियों , अधीन , निम्मिणियत व्यक्तियों , अधीन , निम्मिणियत व्यक्तियों ,

(1) श्री बी ब के ब सि व एम व रिल न वे लु।

(अन्तरक)

(2) श्री के० अंभुजमा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चुना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स्व में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति वृवाराः
- (खं), इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास रिर्ताशक्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीक एण :--- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याव में दिया गया है।

# मन्सूची

भूमि और निर्माण: तमिल चंगम रोट ठोर सं०: 56 आहे सं०: 7 टी॰एस०सं०: 1188 वरस्तावेज सं०: 367/84

> श्रेम मालिनि वासन सक्षम श्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, 1-मश्रस

तारीख: 22-9~1984

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-च (1) के स्भीत सुचना

### शारत सरकार

# कार्यासद, सहायक जायकर आयुक्त (रिनरीक्षण)

अर्जन रेंज, 1-मद्राम

मद्रास, दिनांक 26 सिहम्बर 1984

निदेश स० 107/2/84---अतः मुझे, प्रेम मालिनि बासन भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है'), की भाग 269-इ के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 7, निमल चंगम रोड टी०एस० 1188 मदुरे है, जो में स्थित है (और इससे उपाबक्ष में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, एस०आर०ओ० पृतुमर्टगम दस्तावेज सं० 0442 443/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 द्या 16) के अधीन 16 फरवरी 1984

को प्वोंक्स सम्पिट्स के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान
अतिफल के लिए अन्हरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपित्त का उचित बाजार
मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का
पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ् पाया गना प्रतिकन निम्नासिचित उद्वेष्य से उक्त अन्तर्ण सिचित में वास्तिक
कम से किशत नहीं किया गया हैं:--

- (क) नलरण वे हुए किसी बाब की बाबब, बन्द बाबितियम के जभीत कर बोर्न के नलारक के बाबित्य में कमी अक्ट्रने वा बन्दों अवने में सुनिका से बिद्ध; बीट्/वा
- (क्ष) एसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को चिन्हें भारतीय आय-कर श्रीभनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिकी ब्वाराप्रकट नहीं सिक्सा गया या या किया जाना जाहिए था कियाने से स्विभा के लिए;

कतः अबः, अक्त अधिनियम की धारा 269-ा के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निकित त्यस्तियाँ. अर्थात् :--- (1) श्राचा ०के०सि०एम० शणनुगर्वेल कीन ।

(अन्तरिक)

(2) श्री सारधा देशी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वानित स्म्मृतित् के धर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं ।

उक्त संपरित के वर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप र---

- (क) इस स्थाना के राज्यम में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाम की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतैर उक्त स्थावर संम्यास में हितबद्व किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंसे।

स्थादिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसते अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विशा नुसा है।

### मनुस्ची

भूमि और निर्माण: सर्वे आर्ट 7 56, प्लाट भि तमिल धंगम रोड मदुरै, (दस्तावेज सं०: 442, 443/84) डब्स्यू० 841

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण )

नारीख: 26~9-1984

त्ररूप मार्च. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

### सारव सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, 1-मद्राम

मद्रास, दिना 24 सिनम्बर 1984

निवेण स॰ 119/2/84—अत, मुझे, प्रेम मानिनि वागन नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचान् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यान करने का कारण है कि स्थावर सपरित, जिनका उचित बाबार मृस्य 25,000/-रु से अधिक है

और जिसकी स० भूमि और निर्माण तिम्मरम नायक्षमूर गाव है, जो में स्थित है (और इससे उपावक्ष में और पूर्ण रूप में निर्णत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधियारी के वार्यालय, एस० आर० आटिप्पट्टि वस्नावेण स० 186/84 में भारतीय रिजस्ट्री-रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 क्या 16 के अधीर 16 फरवरी 1984

को प्वांकत सम्पत्ति के उचित शाकार मृत्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करों का कारण है कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अनरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिस्ति उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित मे अस्तिवन रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) इस राजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक की दासित्व में कमी करने या उससे बचने में ब्रिया के निए, और/वा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विशा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) को अधान, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थातुः—— (1) श्री एम० नारयणन।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० नारायणस्वाभी।

(अन्तर्ररति)

का यह सूचना जारी करके पूर्णीकत सन्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हू

रक्त सम्पत्ति के क्वन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षप ---

- (क) इस मुबना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबधी व्यक्तियों पर सृष्यना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकृत स्थितयों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्यारा, मधोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किस

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हं, वहीं अर्थ झोगा. जो उस अध्याय में दिया गया है।

### भन्स्की

भूमि और निर्माण: सर्व स० 2172/3, निम्मरेस नाय-क्कनूर गांव, दस्तावेज स० 186/84।

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर औयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेग, 1-मद्राम

तारीख.24-9-1984. मोहर: प्रस्प आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन मूचना

### भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक बायका बायका (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 1-मद्रास

मदास, दिनांक 24 सितम्बर 1984

विदेश मं०: 121/2/84--अतः, मुझे, प्रेम मालिनि वासन टायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 37, कोर्ट पट्टी गांव विरुद्धनगर टावुन है, जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे॰एस॰आर०-1 महास नार्थ दस्तावेज स० 464/84 में भारसीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16 के अधीन 16 फरवरी 1984

का पूर्यांक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ह है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत- रती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में अस्तिक रूप से कृथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिमिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य बास्तियों को, जिन्हुं भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या नकर अधिनियम, या नकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था जिपान में सुनिभा ने सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीत, निम्निलिखित व्यक्तियों, मुर्भात्य— (1) श्री मेज्रा खोट्स लिमिटेड।

(अन्तरकः)

(2) श्री वैंगे विन्बेस्टमेन्ट्स लिमिटेड।

(अन्तरकः)

को यह स्वना जारी करके प्रांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यपाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्पना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीक दुण: -- इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नम्स्ची

भूमि: प्लाट सं० 4, टबुण सर्वे सं०: 69 (भाग) सं०: 37, कोट्टे पट्टि गांव बृतुनगर, (वस्तावेज सं०: 464/84)

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, 1-मब्रास

तारीख: 24-9-1984

मोहर 🗵

प्ररूप आइ. टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ्रिअर्जन रेज-1, मद्राम

मद्रास, दिनाक 24 नितम्बर 1984

निदेश स० 122/2/84—अत., मृझे, श्रेम मालिनि वासन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिनकी सं० दस्तायेज सं०. 372/84 हैं, जो में स्थित हैं (और ६मसे उपाबड़ में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधितारी के कार्यालय, जे०एस०आर० - यृतुनगर दग० 372/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 द्या 16) के अधीन फरबरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिका) और अन्तरिक (अन्तरिका) और अन्तरिक (अन्तरिका) की लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निमित्त में बान्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बेने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (त) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-र अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजरार्थ अन्तरिती तृतारा प्रकट नहीं विजया गया भा या जिया जाना बाहिए था, कियाने में मृतिथा है निया।

अा अर्व, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को जनसरण मा, मी उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नितिखित व्यक्तियों, अधीत्:— (1) श्री टी० गमचत्रंन।

(अन्तरक)

(2) श्री स्री जय विलास मेलियभल खस्टिय (पि) लिमिटेड

(अन्तरिती)

को यह मुखना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कर्ण्याहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर स्चना की तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) ६स मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहन्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसधी

मेशिनरी श्रीर निर्माण दस्तावेज सं० 372/84

> पेम मार्किन वामन नक्षम आधि परी सहाय र आपपर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, 1-मद्राम

तारीख - 24--9-1984 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

### भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निर्जाक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास . मद्राप. दिवाल- 24 सितम्बर 1984

निदेश म० 123/2/84— ग्रातः मुझे, प्रेम मालिनि वासन, क्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे धरमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि, स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और (14की स० विस्वान्तम गाव शिवकाशी है तथा जो एस० आर० निवाणियों में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीशतीअधिभागी के ए। यिनय दसाविज स० 341/84 में रिजस्ट्रीशरण अधि-नियम 1908 (1908 हा 16) के अधीन तारीख फरवरी 1984

को पूर्विकन संम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है बरि मुभे यह विश्वास, करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पहु प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्कन, निम्तिलिमत उद्वेष से उक्त अन्तरण कि बित में बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी आयं की शावत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसमें अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या बन्ध बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा किए,

अतः, अवः, उक्त अधिनियमं कौ धारा 269-**ग कै जन्मरण** भौ, भौ, जक्त अधिनियमं की धारा 269-**न की** उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थातः :—— (1) श्री केठ एप० क्षांतिसप्पन और अन्य (अन्तर्ः)

(2) श्री एम० आभन्दराजन।

( 312-1f2-4f1)

को बह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपश्र में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिकित में किए आ सकींगे।

स्थलकिरण :---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनते / अधिनियम को अध्याय 20-क में गरिभाषित हों, बही अर्थ होगा जो उस अध्याग में दिया गुया हैं।

# मनुसूची

भूमि और निर्माण विवसातम गांव सिवनाणी दस्तावेज सं० 311/84)।

श्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयटार आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रेंज-I मद्रास

दिनांक : 24-9-1984

प्ररूप आई. डी एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

### बारक संस्कार

कार्यालयः, सहायकः आयकर आयुक्तः (निरीक्षणः) अर्थनः रेंः-1, मदास

मद्राप, दिशाङ 24 मितम्बर 1984

निदेश सं० 124/2/84 - अतः मुझे, प्रेम मालिति वास्त.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें नसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्बद्धित, जिसका उचित गांधार स्वयं 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी संवित्याणी है तथा जो एस आगव शिवकाशी में कियत है (और इसरे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणत है) रिजस्ट्री इसी अधिकारी के अधितिय दस्तावेज संव 525/84 में रिजस्ट्री गण अधितियम 1908 (1908 का 16) के अधीत शारीण फरवरी 1984

का पूर्वाक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यभाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पादा गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उद्ध अन्तरण निक्षित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी अपने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्/या
- (क) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर जिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, खियाने भी सविधा के लिए

भतः अंदा, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अन्सरणं मों, मां, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीनः निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—
32—306GI/84

(1) पी० पी० सी० आर० चिधमरम।

(अन्तरक)

(2) श्री ३० ए० तंगराजन।

(अन्तरिती)

को बहु सुबना बारों करके पृशींक्त सम्पत्ति को कर्बन को लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की ताणील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किमी अन्य व्यक्ति द्वाग अधोहस्ताक्षरी क पाम लिखिन में किए जा सकेशे।

स्थल्दीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त विधितियम, के बन्धाव 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा, जो उस अध्याय में दिया ववाहै।

# अनुसूची

भूमि और निर्माण ठोर मं० 27 पेरिय पहिल वासल सिवकाशी

दस्तावेज सं० 525/841

श्रेम वासिनि वागन - मक्षम प्राधि परी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्ज रेंज-1, मद्रास

दिनांक : 24--9--1984

प्ररूप आई. टी एन. एत. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

# कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (गिरीक्षण)

अर्जन लेज-1, मद्रान

मद्रास, दिनाक 24 मितम्बर 1984

निदेश मं० 125/2/84 →अतः मुझे, श्रेम मार्तिनि वासन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की धारा 269-थ के अधीन नक्षत्र प्रधिकारों को यह पिरवास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु में अधिक हैं

और जिसकी सं० श्री विलियपुरत्र, नार्थ खार स्ट्रीट है तथा जो श्रीविल्लीपुत्त्र में स्थित है (और ध्रमपे उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्री हतीं अधिनारी के कार्यालय एस० आर० श्रीविल्लिपुरत्र्य दस्तावेज सं० 186/84 में रिजस्ट्री क्रमण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख फरवरीं 1984

की पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्फ यह रिया मा करने का कारण है कि यथापूर्वान्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एंसे रूप्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाथा गया प्रतिफल, निम्नितिखित उच्देश्य में उसत अन्तरण लिखिश में वास्तविक रूप में किथा गया है :——

- (क) इस स्चान के राजपण में प्रकाशन की तारील में अधिनियम के अधीत कर दोने के अन्तरक कें दायित्व में कमी करने या उससे अधने में मौजात के लिए; और/या
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ के की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (192? ता 11) या उकत अधिनियम, या धर कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया राना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए

कतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीत, निम्निलिसिस व्यक्तिस्तां, अर्थातः

(1) श्री आर० अप्पन श्रीनिवासन।

(अन्तरक)

(2) श्री अलगर स्वामी नायधू।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

# जनत संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्वक्कीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त नियम के अध्याय 20-क में परिभाषिल हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया वया हैं॥

#### an di

भूमि और निर्माण ठोर सं० 19 नार्थ खार स्ट्रीट, टी०एस० सं० 2912 श्रीनिल्लिपुत्तूर (वस्तायेज सं० 186/84)

> श्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधाि <sup>प</sup>ी सहायकः आथकर ाआयुक्त (निरीक्ष अर्थन रेंज∼1, मद्रास

विनांक : 24-9-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, विनांक 24 सितम्बर 1984

निदेश सं० 126/84/2→-अतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमं इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं विरमलापुरम श्री विल्लि पुत्तूर रामनाथ डिस्ट्रिक्ट है तथा जो रामनाथ डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (और उन्मे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिरारी के अर्थालय एस आर श्रीविल्लिपुत्तूर इस्तावेज सं 309/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1984

को पूर्विति सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य सं कम के स्थमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वित सम्पत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल सं, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप सं कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अहे प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सुविधा के लिए।

(1) श्री अधनाक्छल राज और अन्य।

(अन्तरक)

(2) अस्त मेरि राजा और मि० अन्तोमि राजा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरण: ---इसमे प्रयंक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित ही, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मन्त्रकी

भूमि गं० 995, विभुष्पानगर, वित्तेज श्रीविल्लि पुन्तूज (दस्तावेज स० 309/84)।

> श्रेम सालिति बासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयशर आयुक्त (निरी ण) अर्जन रैंज~1, मद्रास

अतः अस उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) असे अधीन, निम्निजिसिक स्यक्तियों अर्थातः :---

दिनांच : 24-9-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 सितम्बर 1984

निदेश सब 129/2/84---अतः मुझे, प्रेम मालिनि नासन

आयकर अधिनियम, 1961 (1.961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थ्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी संव पाणटवर मंगलम गांव है तथा जो कोबिलप ही में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीक्षण अधिकारों के कार्यालय एमव आरंव कोविलपट्टी दस्तावेज संव 323/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) कोयम्ब्रतूर श्री कुप्पुस्वामी नायशु ट्रस्ट फार एजुक्कशण और मेडिकल रिलीफ।

(अन्तरकः)

(2) श्रो के० रामस्यामी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जां उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

# **अमृस्**ची

भूमि पाणडवर मंगलम गांव सं० सं० **538व** 539 (दस्तावेज सं० 323/84)।

श्रेम गालिनि वासन क्षिम श्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1; मद्रास

दिनांक : 17-9-1984

प्ररूप. बाह. टी. एन. एस. -----

(1) श्री रोसन वर्ग।

(अन्तरक)

नायकार निधित्यमं, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के नधीन सुनना

(2) श्री ए० तेथ्वनायगम ।

(अन्तरिती)

# भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जावकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 1-मद्रास

मद्रास, दिनांक 24 सितम्बर 1984

निवेश सं० 133/2/84---अतः, मुझे, प्रेम म≀र्लिनि वासन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० मेल विद्वम है, जो गांव, चिषम्बर नगर में स्थित है (और इमसे उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से बाँगत है), रजिट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आरत मेलूर (टि टि एन) दस्तावेज सं०: 292/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन 16 फरबरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धरमान प्रितिफ ल के लिए अंतरित की गई है और मूम्ने यह बिश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बावत उक्त कि-नियम के अभीन कर बोनें के अन्तरक के वायित्व में अभी करन या उत्तमें अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आग या किसी अन वा अन्य आस्तिकों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

की यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन क्री सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपण में प्रकासन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अवधि. जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वाराः
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वस्थीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

### नगत्त्रकी

भूमि और निर्माण : एस०सं० : 494/ए 3वी प्लाट सं० बो/58 (धस्सावेज सं० 292/84)।

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयक्त(निरीक्षण) अर्जन रेंज, 1-मद्रास

बत: बब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिमों, अर्थात् :---

सारीखा : 24-9-1984

प्ररूप आहूं.टी.एन.एस.-----

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजंन रेंज, 1-मद्रास

मद्रास, तारीख 24 सितम्बर 1984

निदेश सं० 136/2/84---अतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उभित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पुंच्धा भूमि है, जो तिरुवेंगंढ राधा पुरम तिरूने-लवेलि में स्थित है (और इसक्षे उपायद्ध में और पूर्ण क्रिप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जैं०एस०आर०-1 तिरूनेलवेलि दस्तावेज (110/84), आईएच 119/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन तारीख 16 फरवरी 1984। को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धर्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः असः, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीयः, निम्निलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--- (1) श्री कें ० महादेव ऐयर और अन्यों।

(अन्तरक)

(2) श्री एन० नागप्पन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य विक्त द्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि : एस० सं० 15/1, 15/2/15/3, 14/4,, 95/2 तिरूनेलवेलि मेल तिरूवेंगठ राधा पुरम गांव, तिरूनेलवेलि । वस्तावेज सं० 110/84, 111/84, 119/84।

प्रेम मालिनि वासन मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,1-मद्रास

तारीख: 24-9-1984

मोहरः

प्ररूप आहे. टी. एन. एस.-----

बाथकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

# भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षणं) अर्ंन रेंज्र-1,-मद्रास

मद्रास, दिनाक 5 सितम्बर, 1984

निवेश सं० 150/2/84—अतः, मुझे, प्रेम मालिनिधःसन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह में अधिक है

और जिसकी सं० भूमि आर०एस०सः 4317/7 और तीपट-गाएपेट गांव है, जो में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-लय, एम०आर० रामपुरम दस्ताविज मं०: 303/84 में भार-तीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908का 16) के अधीन 16 फरवरी 1984।

को पूर्वोक्स सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के रहंभमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल में, एमे दश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखिन में बास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में, कमी करने या उससे अधने में सृविधा के सिए; बार/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन मा अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर आधानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्तियों अंतरिनी दवारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

बतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निस्कीलिखत व्यक्तियों, अर्थात :—— (1) श्री जी० मल्लीकेस्थरन ।

(अन्तरक)

(2) श्री उमेश नारायण सिंह

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकासन की तारी है दें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि भाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधाहरूताक्षरी वं पास लिखित में किए जा सकींगे ।

स्पच्छीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय न दिया गया है।

# अनु सूर्च ।

भूमि : आर०एस०सं० 4317/7 और 4319/7 तोणट्यार पेट मदास । (दस्तावेज सं० : 303/84) ।

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्रर आयुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रेंज-1,-मद्रास

तारीख: 5−9-1984

प्रकप आईं.टी. एन . एस . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मुभीन सुमना

# शारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 24 सितम्बर 1984

निदंश मं० 160/2/84—ग्रतः मुझे, प्रेम मालिनि वानस, अग्रयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमं' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं ग्रीर जिसकी मं० तम्बु सेट्टी वीति, मद्राम-7 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप में विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे० एस० श्रार०-गि, मद्रास नार्थ, दस्तावेज मं० 400/84में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनांक फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इदयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकास अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतोरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पासा गया प्रति-कस, निम्नितिश्वत उद्वेश्य से उचत अन्तरण सिश्वित में बास्त्यिक रूप से कश्यित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्त, उक्त अभिनियम के अभीन कर योगे के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उसने बच्ने में सुविधा के सिए; बाँड/वा
- (थ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से स्विधा के किए;

जल: शक्ष, उक्त जीभीनजम् की भारा 269-ग के अनुम्रुक्ष मों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1\*) में अधीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :—— श्री सी० नागराजन,

(भ्रन्तरक)

2. श्री एम० पी० ग्रार० नरसिंहराव,

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना बाड़ी करके पृवांक्त सम्पत्ति के अर्जन के हैंब्र् कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्ति व्यक्तियों में संकिसी व्यक्ति द्वारा;
- (न) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकों।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उपल अधिनियम, के अध्याय 20-क में लिरभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

# सप्तानी

भूमि श्रौर निर्माण् 168, तम्बु सेट्टी, स्ट्रीट, मद्रास-७ दस्ता वेज्ये सं ्री 400/84

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) मूर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक: 24-9-1984

मोदरः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दीक्षण)

भ्रजन रेंज 1. मद्रास

मद्रास, दिनांक 24 श्रगस्त 1984

निदेश स० 176/2/84— ग्रतः मुझे प्रेम मालिनि वासन बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाय करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० भूमि ग्रीर निर्माण एगमीर है, तथा जो मद्रास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री हर्ना श्रिधक री के कार्यालय एस० ग्रार० मद्रास, पेरियमेट, दस्तावेज सं० 83 एंड 84/84 में रजिस्ट्री-करण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक फरवरी, 1984

को पूर्वोंक्स सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिकी (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया भया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्ति में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) जन्तरण संहुई किसी बाय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/मा
- (च) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्यरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

अत. अब, उक्त बाधिनियम की थारा 269-श की अन्सरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :-----33—306GI|84 1. श्री टी० एच० बी० ग्रध्वानी

(भ्रन्तरक)

2. श्री ढिपिलयु के० सरोजनी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थार के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्रस् स्चना की तामील स 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पन्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास कि निज में जिए जा रहीता

स्पव्हीकरपाः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है. वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया मया है।

# नन्त्रची

भूमि प्रौर निर्पाग 16, विष्टोरिया खरमेनट रोड. मद्रास-105, यस्तावेज सं० 83 + 84/83 है

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज 1, मद्राम

दिनांक 24-8-1984 मोहर प्रकृपः भार्यः, टी., एत्., एसः. -----

श्री ए० ग्रार० ध्यागराजन.

(भ्रन्तरक)

श्री मालक्कर, क(रुन्निसा

(धन्तरिती)

कासकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

# भारत सरकाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 सितम्बर 1984

निदेश सं० 177/2/84—ग्रतः मुझे प्रेम मालिनि वासन नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269-ख के अधीन सक्षण प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिल्हा निच्त बाजि मूल्यः 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि श्रौर निर्माण सं० 9/१, बृत्तुकाट्टमवीति, है, तथा जो पेरियमेट महात्त-3 में स्थित है (ग्रौर इस से उपाबढ़ अनुसूची में श्रौर जो पूर्ग रूप से विणित है) रिजिट्टी हती श्रीधकारी के कार्यालय एस० श्रार० पेरियमेट, दस्तावेज सं० 85/84 में रिजिट्टी हरण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक फरवरी, 1984

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापृद्धोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारें) और अंतरिती (अतिरित्तियों) के बीच एमें अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उदद व्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है द—

- (क) अंत्ररण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दाधित्व में कभी करने या उससे बचने में सृथिधा के सिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन ए सन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

अन्त: अन्न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, अक्न अधिनियम की कारा 260-ध वर्त उपधारा (१) के प्रभीत, निम्नलिक्ति अधिकतर्गों, अर्थात् :— को यह स्चन जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्मबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वागः
- (स) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त म्थावर मम्पत्ति मों हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार्च लिखित मो किए जा सकोंगे।

स्वष्टोकरण:---इसमें प्रयक्त बद्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में दिसायित है, वहीं अर्थ झागा जो उस अध्याय में दिसा गया है।

#### बन्सची

भूमि श्रौर निर्माण सं० 9/ए, बूत्तूकाट्टाम वीति, पेरियमेट दस्तावेज सं० 85/84 ।

प्रेम मार्लिन वासन सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज , मद्रास

िदिनांक 1*7*-9-1984 ∤मोहर : प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज-1. मद्राक्ष

मद्रास, दिनांक 22 भ्रगस्त 1984

निदेश सं० 179/2/84—प्रत. मुझे प्रेम मालिनि वासन, आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ष्रौर जिसकी सं० पुरावाक्ष्म है, जो मद्रास में स्थित है (ग्रांर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण च्या में वर्णित है) रिज ट्री-कर्ता श्रीधकारी के कार्यालय एउ० धार० पेरियमेट दस्तावेज सं० 103/84 में भौरिशिय रिजस्ट्री हरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी, 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्निलिखित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण निलिख में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .— 1. श्री एस० गंगेश भौर भ्रन्थ

(भ्रन्तरक)

2. श्री ए० किणिण ग्रीर ग्रन्य

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# जनुसूची

भूमि क्रौर निर्माण रीं० सर्वे नं० 91/1, फ्रलगप्या नगर, पेरम्ब्र, मद्रास, बस्तावेज मं० 103/84

प्रेम मालिनि वा न सभ्रम प्राधि ो सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन **रेंग** I, मद्रास

दिनाक: 22-8-1984

# प्ररूप नाइं.टी.एन.एस. ------

नामकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन सुवना

# भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिका) ग्रर्जनरेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 सितम्बर 1984

निदेश सं० 185/2/84—अतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25.000/- रा. से अधिक है:

ग्रौर जिसकी सं० भूमि ग्रार० एस० सं० 91/75, एगमोर गाव है तथा जो मद्रास में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे ग्रौर जो पूर्ण रूप मे वर्णित है) रिजस्ट्री हर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, एस० ग्रार० पेरियमेट दस्तावेज सं० 150/84 मे रिजस्ट्री हरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्इ है और मुक्ते यह विश्वास हरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार कृष्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल के स्वय प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और प्रतिपति (अंतरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया चया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उसत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में बुविधा के लिए; और/या
- (वा) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सूविधा के सिए।]

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के जधीन, निम्निसिक व्यक्तियों, सर्थात् :---

- 1. के० गोपाल कृष्णन
  - (ग्रन्तरक)
- सी० चोक्कलिंगमः

(चन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हों।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील स 30 दिन का अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अंन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकोंगे।

स्पत्रहाकिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# प्रवची

भूमि घार० एस० सं० 91/75, एगनोर गाव, मद्रास दस्तावेज्यसं० 150/84।

> प्रेम मालिनि वासन [सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज I, मद्रास

दिनाकः . 1-9-1984

प्रस्प बाई. टी. एन. एस.-----

भायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-ण (1) के अभीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यास्य , सहायक वायकार आयुक्त (निरक्षिण)

प्रर्जन रिंज-I. मद्रास

मद्रास, दिनांक 22 ग्रगस्त 1984

निदेश सं० 190/2/84—म्प्रतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसकें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धार 269-ख के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उभित बाजार मूल्य 25 000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 3230 है तथा जो श्रन्ता नगर, मद्रास, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुस्ची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्री जिता श्रिधकारों के कार्यालय एस० आर० श्रन्ता नगर, वस्तावेज सं० 320/84 में भारतीय रिजस्ट्री करण श्रीधिनियम 1908 (1908 गका 16) के अधीं। दिनांक फरवरी, 1984 का पृवांकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृष्य से कम, के ब्ल्यमान श्रीतफल के लिए अंतरित को गई है और मक्ते यह विण्यास करने का कारण है कि अधापवोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान श्रीतफल स, एस दृश्यमान श्रीतफल का वन्त्रह श्रीतमात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अतरिती (अतरितियों) के बीच एस अतरण के लिए तय पाया गया श्रीतक्त कल निम्नलिकित उद्वर्ष स्थ से उक्त अंतरण निम्नलिकित में वास्तिवक रूप से कथिस नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आप की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उसते वचने में सुविधा के लिए; अरि/धा
- (क) ऐसी किसी बाय का किसी धन मा अन्य बास्तियों की, जिन्हीं भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गंभा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अप: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण धं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन. निम्प्रलिकित व्यक्तियाँ, अधात : ~ 1. श्री एम० म्रब्दुल रहीन

(श्रन्तरक)

2: श्री टाख० के० ग्रब्दुन सनार

(भ्रन्तरिती)

को बहु सचना कारी कारके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उन्स सम्मति के अर्जन के सम्बन्ध मी कोई भी जाक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को नी अविधि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में अन्य किए जा सका।

स्थध्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हु<sup>0</sup>, वहीं कर्थ हागा, जा उस अध्याय में दिया गया है ।

# मन्सूची

भूमि ग्रौर निर्माण प्लाट सं० 3230, पेरियक्टल गाव, टी० एस० सं० 5, प्लाट ग्रौर प्लाक मं० 14, श्रन्ना नगर, मद्रास (दस्तावेज सं० 320/84) ।

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायक्तर भ्रायुन्त (निरोक्षण) ग्राजैन रेजे-1, मद्रास

दिनॉक: 22-8-1984

मोहर

श्रारुप बाईं.टी.एन.एस.-----

अध्यक्षार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुमना

# भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्राप्त, विनांक 22 अगस्त 1984

निवेश तं० 192/2/84---अतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विक्तास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जित्तक. सं० अमिझ करे है, तथा जो मद्रास में स्थित है (श्रीर इपने उपाबद्ध अनुसूर्वा में श्रीत जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रात्ती अधि गरा के कार्यालय म्ह आर० अन्ता नगर में (दस्तावेज सं० 346 एंड 347/84) के भारत य रिजस्ट्रान्करण अधिनियम, 1908 (1908 का 10 के अधान दिनोक फरवर, 1984

को पूर्वीयत सम्पित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वीवत सपित का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिशी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय माया गया प्रतिफल, निम्निलित उद्वश्य से उनते अन्तरण सिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उर्थ्स आधानसम क सभान कर दान के अन्तरक की वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा की सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धर या अन्य आस्तियाँ का जिन्हा भारतीय बायकर बाधानयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहा किया गबर पा या किया बाना चाहिए था कियान मं सूरक्धा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम को धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात :--- 1. श्रा ए० कोतगदम,

(अन्तरक)

2. श्री बी० राज

(अन्तरितः)

को बह स्वाना जारी करके पृत्रों कत सम्परित को अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता ह**ू**।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख में 45 विन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास । किसत में किए जा सकता ।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

# **यमुम्**वी

भूमि श्रोर निर्माण प्लाक स० 6, अमैंदकरें, टी० एस सं० 21/3, IV, खराप रोड, णेगायनगर, मद्रास, (दस्तावेज मं० 346 एंड 347/84)।

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारो सहायक आयक्षर आयुक्त (तिर क्षण) अर्जन रेज-I. मद्रास

दिनांक : 22-8-1984

प्ररूप आर्द. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन समना

श्राः पाः० विश्वताथनः,

(अन्तरफ़)

2. श्रों के० वीरेस्वामंः,

(अन्तरितः)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, महास

मद्रान, दिनांक 22 जगस्त 1984

निदेश सं० 195/2/84—अत. मुझे, प्रेम मालिनि वासन प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसें इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का का ण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/-55. से अधिक है

स्रोर जिज्ञको सं० भूमि स्रीर निर्माण अपनावरम है जो मद्रास में दिशा है (पीर १मी उनाबद्ध अनुप्ता में प्रीर जो पूर्ण रूप से विगा है) पित्र हुएती अजिज्ञार के कार्यालय एस० आर० अन्तावगर, वसाविज सं० 445/84 में भारत य रजिस्ट्र क्रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान दिनांक फरवरा, 1984

कां पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के इत्यमान प्रिक्ति के लिए, अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दत्यमान प्रतिफल से, एस दत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्म प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है ;—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उन्नय ब्राधिनियम के बचीन कार बाने के बन्तरक वे वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्तम अधिनियम; दा धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विभा को निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- की यह सुभवा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिं कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित क अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, आरं भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीय स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबस्थ किसी अस्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी अप्रास् लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वकारणः -- इसमें प्रयक्त शस्तों और पदों का जा उपन अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ हांगा जा उस अध्याय में खिया गया है।

# वनसूची

भूति श्रार निर्धाग .'ब्लाक सं० 50, सर्वे न० 30/ भाग अध्यत्तवरम गात्र, ब्लानगर, मद्रास दस्तावेज सं० 445/ 84।

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारो महायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज-I, भद्रारा

विनांक: 22-8-1984

प्ररूप नाइ. टी. एन. एक.------

1. डाक्टर के० रघुनाथ राय

(अन्तरक)

2. डाक्टर क्षामस अकेरिया

(अन्तरितो)

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

भद्रास, दिनांक 1 सितम्बर, 1984

निवेश स० 201/2/84—अनः मुझे प्रेम मालिनि बासन, शायकर सिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िण्से इसमें इसके विश्वात उत्तर अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उच्चित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिन्हा संव हाउप संव प्लाट सव 4931, अन्ता नगर है. तथा जो मद्राप्त में विया है (श्रीर इपसे उपाबद्ध अनुसूच में स्मीर जो पूर्ण रूप से विणा है) रिजियू पूर्णा अधिगार के कार्यालय एसव आरव अन्ता नगर, वस्तावेज सव 403/84 में भागत य रिजियू प्रण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अपन दिताह फरवर, 1984

की पर्धाक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के स्वयमान प्रतिफाल की लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके स्वयमान प्रतिकल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्वे) अप अंतरिती (अन्तरितिगी) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण के लिस में वास्तयिक रूप में कथित नहीं किया गया है:-

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/बा
- (स) ऐसी किमी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः मब, उन्नत अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण माँ, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) क अधीत, निम्निनिश्चत स्पक्तियों, अधीत 👓 को यह सृचना पारी कारके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिख कार्यवाहियां कारता हुः ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोड़ भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अविध या तत्मम्बन्धी अविक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी बबिध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त न्यित्रयों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (स) इस संघना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षर) ह पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्यक्टीकरण: -- हम्म प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विका गया हैं।

# ग्रनुसुनी

भू<sup>C</sup>न प्ताट म० 4931, अन्तानगर, मद्राप्त-40, दस्तावेज स० 403/84

> त्रेम मालिनि वासन, सक्षम प्राधिकारो यहायकः आयक्तर आयुक्त (निर**क्षण**) अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनाकः ' 1-9-1984 मोहरः प्राक्ष्य आर्धः दी एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

#### मारल सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-J, मद्रास

मद्रास, विनांक 17 सितम्बर, 1984

निदेण मं० 202/2/84—यतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन, जायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुपात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रूट. से अधिक हैं

स्रोर जिसक सं विल्लिवाक्सम, है, तथा जो मद्रास में स्थित है स्थित इससे उपावद अनुसूच में भ्रोर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्र कर्ना अधिकारों के कार्यालय एस० आर० अन्ना नगर (दस्तावेज स० 457/84) में रिजस्ट्राक्षरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधान दिनांक फरवरीं, 1984

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के एश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके ६२०मा प्रतिफाल से, एसे इच्छमान प्रतिफाल के पन्द्रह प्रतिषाद से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की गावत, अक्त जिमिनियस के जधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिध। के लिए; भौर/या
- अ) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य बास्तियाँ को, जिन्हाँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधिन, निम्नीलिकिन स्विक्तियों, अर्थातः— ा. था के० शीरम्म अल्लम

(अन्तरकः)

2. श्री ए० पी० कन्ना

(अन्तरिनं)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा सभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्थव्यक्तिकरण: ---इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, वो उच्च किंपिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या ग्या है।

# नगत्त्री

भूमि प्रौर तिर्माण सं० 175/2, विल्लबाक्कम, मद्रास. (दस्तावेज सं० 457/84) ।

प्रेम मालिनि वासन सञ्जम प्राधिकारो महायक आययकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्राम

तारीख: 17-9-1984

मोहर.

प्ररूप आई टी. एन. एस -----

1 थाँ हा० लक्ष्मा नामीरण

(अन्तर्भः)

2 र्था एम० राधा

(अन्तरिती)

**शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की** भारा 269 घ (1) क अभीन मूचना

भारत भरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, मद्राय

मद्रास, दिनांक 24 अगस्त, 1984

निदेश स० 203/2/84---अर मुझे प्रेम मालिनि वासन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-न के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उन्नित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ूर्श्रीर जिमको स० प्लाट स० 4821, टी० एस० 94, अन्तानगर है, जो मद्रास-40 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूचा में श्रीर जो पूर्ण का से वर्णित है) रिजिस्ट्राक्कर्रा अधिकारों के कार्यालय एस० आर० अन्ता नगर, (दस्तावेज सं० 575/84) में रिजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान विनांक फरवरा, 1984

को प्रांचित सम्पत्ति के उचित बाजार मृह्य से कम के स्रयमान प्रतिपार के लिए कार्याच्या है गई है और मफे यह निक्ताय करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके स्रयमान प्रतिफास से, एमे स्रयमान प्रतिफाल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अनरक (अंतरका) और असारिती (अन्तरिनियाँ) के बीच एमे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्तित में बास्तीयक रूप में कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सवित्या के किए, और/था
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

धत जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, मी उथत अधिनियम की धारा 269-घ की प्रधारा (1) को अधीर, निम्निलिनन व्यक्तियों, अधीत :-- को यह सूमना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्केंगे।

स्थळाकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्यास 20-क मे परिभाषित है बही अर्थ होगा, जो उस अध्यास मे दिया गया है।

# **मन्**स्ची

भूमि श्रौर निर्माण प्लाट सर्व 4821, दी० एस० सं० 94, नठुवक्करै, अन्तानगर, मद्रास-40, (दस्तावेज, स० 575/84)।

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर अग्नुक्त (निर्रक्षण) अर्जन रेज-रू, मद्रास

तारीख: 24-8 1934

मोहर ६

प्ररूप काइ .टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन स्**चना** 

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर भायक्त (निर्काण)

अर्जन रेज-I, मद्रास

मद्रास, दिनाक 22 अगस्त, 1984

निदेश म० 204/2/84—अतः मुसे प्रेम मालिनि वासन, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

धीर जिसका सं प्याट सं 4894, है, तथा जो अन्ता नगर में महास, में स्थित हैं (और इससे उपाधक अनुसूचा में धीर जो पूर्ण रूप से विजत हैं) रिजस्ट्राकर्ता अधिकार। के कार्यालय एस० आर० अन्ता नगर, में भारताय रिजस्ट्राकरण अधिनियम 1908 (1908 गा 16) के जारान दिनाक फरवरा, 1984

को पूर्वीपत सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिपाल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्यात से अधिक है और अतरक (असरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिशित उद्योदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण प हुई किया जाय की गावल, उक्त जिथिनियम के अधीन कर होते हैं जन्तरक की वासित्य में कमी करन या उससे बचने में स्विधा के सिए; जांद्र/मा
- (ल) एसी किसी आय मा किसी अन या अन्य असिता को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में सविधा के बिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिसित व्यक्तियां, अर्थात् :---- 1 श्रो बी० नारायण

(अन्सरक)

2. श्री डी० तिस्तायुक्करसु

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पृवांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य- वाहिया करता हुं।

उक्त संपर्तित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि गा तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से कि मी ध्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उत्रत स्थानर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिशा गया है।

# नगृत्वी

भूमि श्रीर निर्माण प्लाट सं० 4894,टी० एस० सं० 15, अन्ना नगर, मद्रास-40 (दस्तावेज सं० 588/84)।

> प्रेम मालिनि वासन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक : 22-8-1984 मोहर:

प्ररूप आह<u>ी.</u> टी<u>.</u> एन<u>.</u> एस<u>.</u>। -----

श्रो जैं० टो० एबिनेजर,

(अन्तरक)

2. थो एस० सिर्वालगम

(अन्तरिती)

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वमा

# भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त ([नरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनाक 21 अगस्त 1984

-निदेश सं० 206/2/84--अतः मुझे प्रेम मालिनि वासन, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसको सं व प्लाट सं व 77, बी, III, रूरास स्ट्रीट, ईस्ट शेणायनगर, है, जो भद्रास-30 में स्थित है एस० आर० (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में घौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारा के कार्यालय एस० आर० अन्नानगर दसवेज सं० 614/84 में रजिस्ट्राफरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान दिनांक फरवरा, 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य सेकम को दृश्यमान प्रक्तिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का डाचन बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे एरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिश्वित उत्वादेय से उत्कत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, धावत अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में भूविधा के सिए; ६९१/सा
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियाँ को जिन्ही भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नही किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को किए:

को यह सूचना जारी काउके पूर्वीक्त संपरित के अर्थन के लिएँ। कार्यवाहियां करता हा।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अथिथि या तरसम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की सामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावार संपर्तित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी क पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो टक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस उध्याय में लिया गया है।

# मन्सूची

भूमि श्रौर निर्माण प्लाट सं० 77-बा श्रष, खरास स्ट्रीट, ईस्ट शोणाय नगर, मद्रास-30 (दस्तावेज सं० 614/84)।

> प्रेम मालिनि वासन, सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयक्त (निर:क्षण) अर्जन रेंज-ा. मद्रास

दिनांफ : 21-8-1984

मोहर .

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) 🐝 अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

प्रस्म नाहै \_ टी. एन. एस. -----

9--- 4004 (4004 <del>---</del> 40) <del>--</del>9

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

# भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 22 अगस्त 1984

निदेश स० 207/2/84——अत. मुझे श्रेम मालिनि बासन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)।, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूह्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

स्रोर जिसका स० प्लाट सं० 850, विल्लियाक्फम, ह, जो मद्रास में स्थित ह (स्रोर इसक उपायद्ध अनुसूचा में स्रोर जो पूर्ण रूप सं विणत है) रिजस्ट्रान्ति अधिकारा के कार्यालय एस० आ४० अन्ता नगर, (वस्तावेज सं० 627/84) में रिजस्ट्रीफरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक फरवरी, 1984

को पूर्वेक्षित सम्परित के उचित वाजार मूल्य से कम के उर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने, का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य,, उसके उर्यमान प्रतिफल से, ऐसे उर्यमान प्रतिफल का पद्रष्ट प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीम ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रति-पद्ध, निम्निलिखित उद्योद्ध्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्त-विक रूप से कथिस नहीं किया गया है हि—

- (क), अन्तरण, सं हुई किसी आग की बाबल, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के वायित्थ में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; आर्/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अत्य आस्तियों कर, जिन्हों भारतीय काय कर अत्यानयन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकार किया गर्भा या किया आना आहिए था, कियाने में सृषिभा के हिए हैं

अतः अबः, उक्त अधिनयम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तितयों, अर्थात् :— 1. था जी० रंगनायम

(अन्तरक)

2. श्री मोरा सबंत

(अन्तरिनी)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति कं अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के मर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क्षं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध .
  किसी अन्य व्यक्ति द्रारा अधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखि में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदौं का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ग्या है।

# मन्सूची

भूमि श्रार निर्माण प्लाट सं० 850' आर० एस० सं० 141, भाग के विल्लिबाक्कम, अन्तानगर, मद्रास-40 (दस्तावेज स० 627/84)।

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निर्दक्षण अर्जन रेंज़ I, मद्रास

दिमांक | 22-8-1984 मोहर :

# प्ररूप नाहं, टी. एन. एस्. —

श्री सी० आप० गोविन्बराजन

(अन्तरक)

2. श्री सी'० त्री० जगतीसन,

(अन्तरिती)

भारत सिंभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के अभीन सुमना

# भारत सहस्राज

कार्यासय, महायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज ए, मद्रास

मद्रास, दिनांक 21 अगस्त 1984

निदेश सं० 208/2/84—अतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार हस्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संवनदुवकार, है, जो मद्रास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक अनुसूच। में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्र कर्ता अधिकार। के कार्यालय एसव आरव अन्नानगर में रिजस्ट्र करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अध न दिनोक फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिंशित से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिंशित में कि बीच एसे अन्तर्ण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण कि शित में बास्तिक एप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कभी करने वा उससे व्याने में सुदिशा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिया के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निस्निसिसत व्यक्तियों, अर्थीत् :--- को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोड् भी वाक्षेप ं---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचका की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत् आंकियों में से किसी व्यक्ति खुवारी;
- (क) इस स्भना के राजपत में प्रकाशन की तारील ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थल्दीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पश्चे का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि श्रीर निर्माण ब्लाक सं० 1-वो०, तटुवक्करै, गांव आर० एर० सं० 74 भाग, टी० एस० सं० 153, मद्रास, (वस्तायेण सं० 642/84)

> प्रेम माल न वासन गज्जम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त निरक्षिण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक : 21-8-1984

प्ररूप बाई. टी. एन, एस., ≈ - - ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायकत (निरीक्षण) अर्जन रेज, II मद्रास

मद्राम, दिनाक 10 अभ्तूबर 1984

निदेश स० 305/फे-84/रेंज-II--अत मझे श्रामती एम० सामुवेल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया, है), की धारा 269-ख क अधीन सक्षम प्राधिकारा का, यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृल्ये 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिनका स० 1, रामकुष्णा स्ट्रंट, (०1) 25, माम्बलम रोड, है, जो टा० नगर, मद्रास-17 में स्थित है (ग्रीर इससे उपानद्ध अनुसूचा में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्र कर्ता अधिकारा ने कार्यालय मद्राम माउथ, 245, 246, 247, 248, 249, 250, 251, 252, 253, 254, तथा 255/84 में रजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरा, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त मणीम का उचित नाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण निस्तित में अस्तिक रूप से कथित मही किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन अर दोरें के अन्यक्त के दायिक में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए, औड/या
- (प) एंसी किनी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के सुविधा के लिए:

अतः । तब, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी. उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीग, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाह् :--  रामकुष्ण भिशन, बेल्लूर गठ, हौरा डिस्ट्रिक्ट, बेस्ट बंगाल ।

(अन्तरकः)

2 श्री एम० बल्ला, ई०पमुगम, फल्याणि फिल्मस, श्री एम० सुब्बाराम रेड्डि, मगुण्टै, सुदाकर रेड्डि मगुण्टे, श्री नियासल् रेड्डि, कृष्णावेणि एन्टरप्राइनेम, श्रीमता आर० कमलन, कुमारा, राधा, एन० कुमारन (मैजर), सुपुत्र एम० नंदगोपाल, एन० नटराज, मैनर मुपुत्र एम० नंदगोपाल।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धों व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी, व्यक्ति द्वारा.
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की नारी है है 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए पा सकेंगे।

स्यष्टिकरण --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसुची

भूमि ग्रीर मकान 1, रामकृष्णा रोड, (Or) 25, माम्बलम, रोड, Eि नगर, मद्राम, लेखा सं० 245/84, tO 255/84 मद्राम साउथ ।

एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारः महायक आयाःर आयुक्त (निरःक्षण) प्रजेत रोज II, मद्रास

दिनाफ 10-10-1984 मोहर प्ररूप बाई. टी. एन. एस. ----

**गाय**कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा ुत्त-ध<sup>1</sup>1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यौलय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मक्षास

मद्रास, दिनंत 10 अक्तूबर 1984

निदेश सं० 315/एफ०/34/रेंज-H --पतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल ,

बायक र श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रा. से अधिक है

और जिन्दी सं० सर्वे नं० 135/2,110, सालिग्रामम गांव है, जो गैदारिंठ तालुइ, येौलपठ डिस्ट्रिइट में स्थित ई (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में कीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीएती अधिकारी के वार्यालय, मझम साउथ लेख में० 232/84 में भारतीय रिजस्ट्रीइरण अधिनियम 1908 (1908 भा 16) के अधीन दिनांदा 16 फरवरी 1984

को एथों कत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिकान के निए अंतरित की गई है और स्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वों कर संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसारे हरणमान पनिकान से, गेसे दश्यमान प्रतिकान का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिकान, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित से बास्तिक रूप में किथा गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मों अभी करने या उससे बचने में सविधा के नित्, और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या बन्क आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के एउटेजनार्थ अन्तिरियों द्वारा प्रकट नहीं किया गणा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृबिधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री जी कपाली और प्रत्यों

ॄ (अन्तरकः)

(2) श्रीमतो कें ुप्रेंमा

♪(अन्तरिंगी)

को ग्रह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिस्-कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भीं अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोष्ठस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उगा अध्याय में दिया। ग्या हैं।

# अनुसूची

भूमि और मकान 110. सालिग्राममगाव शैदापेट ताल्क येंगलपट डिस्ट्रिकट मश्रास साज्य (लेख सं० 232/84)

> एम० साम्बेत, सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयका (निरीक्षण) अर्जन रेंग-II, सक्षास,

विनां रु 10-10-84

बायफर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारत 269-भ (1) के ब्योन त्यना

#### नारत तरकार

गायनिय, सहायक गायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I[, मतास

मद्राग, दिनांक 10 अस्तृबर 1984

निर्देण मं० 314/के०/84/रेंज-ग्रा-स्यतः मझे, श्रीमती एम० नामवेल,

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पर्वात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्णास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रा. से अभिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट नं० 272 टी० एस० नं० 269/ 18 है, जो सब डिस्ट्रिकट विख्गवाककम में स्थित है (और इससे उपाबक्क अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास भाउथ 212/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिकत्त निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण सिचित में बास्तकिक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संशुर्ध जिली बाव की शावत , स्वस् अभिनिद्यं की सबीय कर योगे के बस्तरक की वाक्ति में कभी अपने वा उन्नाचे वचने में स्विधा की सिक्ष; और/वा
- (क) ऐसी किसी नाथ या किसी धन या अन्य आस्तियां का, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया भया जा या किया जाना वाहिए था कियाने में सुनिधा के बिय;

कतः अव, उकत विधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मों, मौं उकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भीत, निम्निजिसित व्यक्तियों, अधारा :--- 35 --- 306 GI | 84

(1) श्री एम० गीविदस्वामी

(अन्तरक)

(2) श्री ए० रामदुरै

(अन्तरिती)

सांबह सूचना जारी करको पुर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

# उक्त सम्मत्ति के कर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वालेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यादर;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितवड् किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगर जो उस अध्याय में विया गया है।

# नसभी

भूमि और मकाद प्लाट नं० 272 टी॰ एस॰ नं० 269/18, विक्रोबाक्कम/औष मद्राम /लेख सं० 212/84

एम० सामुवेल, सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11,11 मद्रास

दिनांक : 10-10-84

प्रकृप आहं.टी एट.एम. -----

आयकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) की भाग 260 ए (1) के अभीत समान

#### भारत मरकार

कार्याक्षय, महायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, महास<sup>म</sup>ं

मद्राम, दिनोंक 10 अक्तबर 1984

निदेश सं० 318 फे॰ 84/रेंज़-[]---अतः मुझें, श्रीमती एम॰ साम्बेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्नात 'सकत अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 260-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह फिल्लाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिनको स० 23, यिम स्ट्रीट, ट्रिंग्लिकेन महास-5 है, जो महास-5 में स्थित हैं (और इससे उपाबक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित हैं), प्रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ट्रिंग्लिकेन लेख सं० 76/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिदियम, 1908 (1908 को 16) के अधीन दिनांक फरवरी 1984

का पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करन का कारण है कि स्थापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्र प्रतिशत स अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में वास्तिविक रूप से क्रियत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्तर अधि-नियम के अधीन कर दोनेके अन्तरक के दायित्य भी कभी कारने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1930 को 11) या राजा अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री भैनर जें० श्रीनियासन, गाड़ियन श्रीमनी गोविदम्माल

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ए० मीनाक्षी आस्चि

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहिया शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाओप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो और अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवेंकिस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किखन में किए जा सकती।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त प्रस्यों और पदों का, ओं उंक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित • हैं,, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

#### वसमाची

भूमि और महान -23 बिग स्ट्रीट, द्रिप्लिकेन महास-5 लेख स० 76/84

> एम० सामुवेल, सक्षम प्राधिकारी सहाया आयक्ष आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, सदास

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हैं, मैं, उबन अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्हलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:---

传讯 : 10 10 84

प्रकृष नाहाँ. टी. एम. एव.-----

नायकड निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नभीन स्वना

#### भारत सुरकार

# कार्यात्रय, सङ्घायक वायकर वायुक्त (विद्रीक्षण)

अर्जन रेंज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 अवत्यर 1984

निर्वेश सं० 319/फे० 84/रेंज-∏—-अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुलवेल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्धात् 'उक्त अधिनियम' कहा, गया हैं), की भारा 269-क के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 14, बीररागव मुदिलियार रोष्ठ, ट्रिप्लिकेन है, जी मद्रास-6 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ट्रिप्लिकेन लेख सं० 44/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक 16 फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृहय से कम के स्थमान प्रित्यस के जिए बन्तरित की पद्दे हैं और मृद्धे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्कोंक्त संपत्ति का उचित साजार बृह्म, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पद्दह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न्सिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिचित में बस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) क्लरण ने हुई किसी नान की नानत उपस् मिनियुत के सभीत कर दोने के जन्तरक के समित्य में कभी करने या उससे वजने में सुविधा के सिए; नार्/मा
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कद अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मंं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिमित व्यक्तियो, अर्चीक :--- (1) श्रां एस० ए० बानरो जोहरा और दूसरा

(अन्तरक)

(2) श्रां एस० एम० एम० रियास अलि

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सञ्चरित के अर्थन के जिए कार्यवाहियां सुक करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी बाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का 45 दिन की अवधि मा तत्सम्बन्धी स्पित्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवासित व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्ष्य किसी बन्य व्यक्ति द्वार अधिहस्ताक्षरी के यान 'विकिट में किए का पर्योगे।

स्थाळीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्तों जीर पर्वी अब की उसत अधिनियम के अध्याय 20-क ने पॉर-भाषित ही, वहीं अर्थ होगा, को उसे अन्याय में दिया गया है।

# धनुसूची

भूमि और मकान 14, वीररागब मुद्दलि स्ट्रीट, ट्रिप्लिकेन ट्रिप्लिकेन /लेख सं० 40/84 महास-5 ।

> एम० साम्वेल, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (किंग् क्षण) अर्जन रेज-11, मद्रास

विनांक: 10-10-84

प्ररूप काइं.टी.एन.एस.-----

# भायकर करिपनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन स्वना

भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मंद्रास

मद्रास, दिनांक 10 अक्सूबर 1984

निदेश सं० 320/फे॰ 84/रेंज-II---अतः मुझे, श्रीमती एम॰ सामुबेल,

नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उथत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सकाम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 22, तुर्लासगपेरूमाल कोइल फस्ट लेन है, जो द्रिप्लिकेन, मद्रास-5 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय द्रिप्लिकेन लेख सं० 101/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19 फरवरी 1984

को पूर्वोक्त संपर्तित को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार बूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के देने दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिक्ति उद्वेश्य से उक्त बतरण निवित में शास्त्रिक क्य से किंगत नहीं किया गया है क्ष्रे—

- (क) बन्तरण वं हुइं फिबी बाव को बावकु, क्या अधिनियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के बाजित्य में कमी करने ना सबसे बचने में बृद्धिमा के के लिए; मीर/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य कास्तिया का, जिल्हों भारतीय आयकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ ज्लारिती ब्वारा प्रकट नहीं किया व्या था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में स्विभा के सिए;

जत: जब, उक्त जीधीनवज की धारा 269-ग के अनुसरण क्रं, में उक्त जीधीनयम का धारा 269-म की उपधारा (१) क्रेजधीन,, निम्नलिसिस स्मिक्तवहैं, अविति :--- (1) श्री के॰ श्रीनिवासन और अन्य

(अन्तरक)

(2) श्री टी० हिमयवल्लि और अन्य

(अन्तरिती)

न्त्री यहं सूचना पाड़ी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्षन् के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हु।

# उन्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षय :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 विन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की नर्बाध, जो भी अविभ बाद में सभाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मस्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पृष्णीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत विश्विम के बच्चाय 20-क में परिभाधित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

#### प्रतस्त्र की

भूमि और मकाम 22 तुलिसगपेश्माल कोइल फस्ट लेन, द्रिप्लिकेन, मन्नास-5 द्रिप्लिकेन /लेख सं० 101/84।

> एम० सामुबेल, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास-6

विनांक : 10-10-84

भारत सरकार

कार्यामय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षक)

अर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 अक्तूबर 1984

निदेश सं० 197/फे० 84/आर०II---अत. मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

आयंकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व को अभीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० टी० एस० नं० 12, ब्लाक नं० 63 है. जो कोडम्बाक्कम् गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है). रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोडम्बाक्कम् लेख सं० 458/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी 1984

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिश्वित उद्वेश्य से उक्स अन्तरण लिश्वत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई जिसी नाय की नावत अन्त निध-नियम के जभीन कर देने के जन्तरक के दायित्व में कमी कटने या उससे वचने में सुनिधा के सिए; नीट्/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या कत्य आरितयों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिणाने में सुविधा खे लिए;

सतः सा, उस्त अभिनियम, की भारा 269-ग सी अनुसरण मा, मी, अस्त अभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिसित स्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री टीं० झी० एन० डोरैस्वामी चेट्टियार और की० गोपालकृष्णन्

(अन्तरका)

(2) श्रीमती सरस्वित बाबु

(असरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

भूमि और मकान टी० एसः नं० 12, ब्लाक नं० 63 कोडंबाक्कम गांव । कोडम्बास्कम लेख सं० 458/84

> ्म० सामुबेल, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-- मदास-6

दिनांका : 8-10-84

प्ररूप बाइ .टी.एन.एस.-----

आयाक्षर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

# भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण). ग्रजन रेंज-11, मद्रास

मद्रास, दिनाक 10 श्रमतूबर 1984

निदेश सं० 114/फे-84/रेंज-II—ग्रत मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 68, मौन्नेस रोड, ग्रालवारपेठ, मद्रास है, जो श्रालवारपेठ में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय मैलापूर लेख सं० 111/84 में भारतीय रिजस्ट्री-करण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक फरवरी 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम क रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे रश्यमान प्रतिफल का जंबह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया ज्या प्रतिफल निम्नलिखित उत्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बंतरण से हुइ किसी आय की शबत, अवत प्रीभिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों भी, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपानं में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अधीत्:— (1) श्री टी॰ नरसिम्हन ग्रीर भ्रन्य ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एस० महादेवम्मा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की क्विंधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिस्यः :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के जध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **जन्**त्वी

भूमि श्रौर मकान 68 मौत्रैम रोड, श्रालवारोठ, मद्रास मैलाप्र/लिख सं० 111/84 ।

एम० सामुबेल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-11, मद्रास

दिनांक: 10-10-84

प्रकृप आर्ड्, टी. एन. एस. - - - --

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकारु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेज-11, मद्राम

मद्रास, दिनाक 10 ग्रक्तूबर 1984

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उकति नाजार मूल्य 25,000/- र से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० 20, चौथी मेन रोड, ग्रार० ए० पुरम है, जो मद्राम-28 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ ग्रानुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है) रजिस्ट्रीकर्रा ग्रिधिकारी के कार्यालय, मैलापूर, लेख म० 138/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन दिनांक फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के श्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मुक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके शश्यमान प्रतिफल से, एसे शश्यमान प्रतिफल के पन्तृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अतरकों) और अतरित (अतरितियों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) नंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अवरिती देवारा प्रकट नहीं किया गया सा वा किया जाना साहिए सा, डिपाने में सुविधा के लिए,

बत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में. में, रक्त अधिनियम की पारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मीलि**वत व्यक्तियों, अर्था**त्.— (1) श्रीमती नीला।

(प्रन्तरक)

(2) श्री पी० वासुदेवन

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद म समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हित-बद्ध किमी अन्य व्यक्ति दवारा अवोहस्ताक्षणी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# الاستراتي

भू और मकान 20 ,चौथी मेन रोड, श्रार० ए० पुरम मैलापूर/लेख म० 138/84 मद्रास-28

> एम० सामुवेल, मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज-II,मद्रास

दिमाक : 10-10-84

प्रक्य गाई. टी. एन. एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सचना

भारत सरकाद कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-ाI, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 धक्तूबर 1984

निवेश सं० 120/फै० 84/रेंज-11—-श्रत मुझे, श्रीमती एम० साम्बेक्ष,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 75,000/- रु से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 33 ए/6, ग्रिभिरामपुरम III स्ट्रीट, मब्रास है, जो मब्रास-18 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर, लेख मं० 162/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकत सम्पन्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के निए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्न अधिनियम, या जन-कर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के भयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा किट नहीं किया भया था या किया जाना चाहिए ता छिपाने में स्विधा कै सिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात :—

(1) कुमारी ग्ररिगपुठि पदमा

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सरोझा रंगनाथन

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (₹) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिकि। में किए जा सकेंगे।

स्थव्यकिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### au a di

भूमि और मकाम कोर नं० 33 ए/6, झिभिरामपुरम III स्ट्रीट, भन्नास-18, लेख सं० 162/84 मैलापुर ।

> एम० सामुबेल, सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-11, मद्राम

विनांक : 10-10-84

प्रकृप बाइ". टी. एन. एस.----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के दधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रजीन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 सितम्बर 1984

निदेश सं० 248/फें84/ रेंजII,—-ध्रत मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० ब्लाक नं० 21, ठी० एस० 3 लेख सं० 1005/84 की णेड्रल में टी है, जो दी हुई सम्पत्ति में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ट्रिंच्ची लेख सं० 1005/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल स, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और जंतरिती (अन्तरितियों) के बीध एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में शास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जनतरण से हुई किसी नाय की बाबत, उचत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने भें दुविधा के सिए; आर्/या
- (ब) एसे किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया या यो किया जाना गहिए था, छिपाने में स्विधी के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :— 36—306GI/84

(1) कविता राममूर्ति ट्रिज्वी ठौन सिको मीटर वैक्टरी रोड

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मुत्तुरामन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पृत्ति को अर्जन को निए कार्यवाहियां करता हंू।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इ.स. स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे

रपट्टोकरण:—-इसमं प्रयुक्त जब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# नग्त्वी

भूमि:---क्लाक नं 21 टी एस० नं 3 लेख सं 0

एम० साममुदेल, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज•ाा, मद्रास

दिनांक : 29-9-84

# असप बार्ड. की त एत<sub>ा</sub> द्श<sub>ा सन्नव</sub>प्र

कायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

फार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-∏, मद्रास

मद्रास, दिनाक 29 सितम्बर 1984

निदेश सं० 239/फे 84/रेंज-1<sup>1</sup>,—अत:, **मुझ**े, श्रॅन्मतः एम० साम्बिन्न,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात् 'उन्त को धारा 269-का का अधीन सक्ष्म प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थापर संपति, जिसका रचित बाबार मूल्य 25,900/-रन. से अधिक ही

भीर जिसका स० लेख स० 368/84 की सेड्न में दी हुई सम्पत्ति है, जो में स्थित है (भीर इसमें उपाबद्ध भ्रमुसूची में भीर पूर्ण रूप में विज्ञान है), रजिस्ट्रीयर्ती अधिकारी के कार्यालय, मेट्टुपालयम् लेख सं० 368/84 में भारतीय रजिस्ट्री-क्रिण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरबरी 1984

को पूर्वीक्त सरपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रितिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकित समपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल सं,, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्नह प्रतिवान से विश्व है कि अनारक (अन्तर्यों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रति-फाल निम्निसिंग उद्धार्य से उक्त अन्तरण कि विश्व में वास्तविक रूप से किथात नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, इक्त जिथानियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को बायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (१५०० वा ११) या जलन अधिनियम, धा अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

नतः सथ उक्त शिधिनियम की भाग 269-ग की अनुतरक कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री श्रोनिवास प्रभाकर।

(अन्तरक)

(2) श्रो पो० षण्मुगसुंदरराजन ।

(ब्रन्तरिती)

श्चा यह सूच्या कारी करके पूर्वोंक्त सम्परित को कर्चम् के लिए कार्यवाहियां करता हु⊤।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की वनिध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तानीज से 30 दिन की सविध, जो भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्कर स्थावर सम्पत्ति में हितवप्र किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अथोहन्साक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्थळकोकरणः — इसमें प्रवृत्त वन्दों नीट वदों का, को वन्द्र अधिनियम्, को सभ्याम 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया मुया है।

# क्राचरी

मूमि लेख सं० 368/84 की गेडुल में दी हुई संपत्ति मेट्टुपालयकर/लेख म० 368/84।

एम० सामुबेल, मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 29--9--1984

मोहर 🌣

प्ररूप बाई. टी. एत., एस. ------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाय 269-म (1) के अभीन तुम्ता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निर्दाक्षण)

मब्रास, दिनाक 29 सितम्बर 1984

निदेश सं० 30 फरबरी 84/रेंज-II---अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेस,

भाजकर शिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पृति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसको सं० 1/56, सोमसुंदरपुरम् है, जो भवानि में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भवानि लेख सं० 253/84 में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1984

को पूर्वोक्त संपरित के उपित बाजार मूस्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उपित बाजार बृष्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रश्च प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित / कन्तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निक्निलिसित उद्देश्य से उस्त बन्तरण सिचित में बास्त्र विक्

- (क), ब्रुचरुण् सं हुद्दं किसी जाय की बाबत सक्तु जिथिनियम के अभीन क्राप्ट दोने के अन्तरक की बायित्व में केसी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; बाँड/या
- (व) एसी किसी नाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, खियाने में स्विभा के लिए;

जतः अन, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को.. ती, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, निस्नसिक्ति के क्तर्यों, अर्थात् ६(1) श्री बा० आर० मारियणान भ्रीर अन्य।

(अन्तरक)

(2) श्री जै०ए० मुत्तुवामा।

(अन्तरिती)

क्यों यह सूचना भारी करक पृत्रा क्त सम्पत्ति के अर्थन के ट्रिल्प् कार्यवाहियां करता हुए।

जनत सम्मृतित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के नीतर पूर्णिक व्यक्तियों में किसी त्यां कर सूथारा;
- (ख) इस भूचना क्षं राजपत्र मं प्रकाशन की ताराख छ 45 दिन क नीतर उत्रत स्थावर सम्मन्ति मं हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास रिजासन मा जिल्हा स्थारण

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों की (पदी का, अ) उक्क अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया नगा है।

# अमृस्ची

भूमि ग्रीर मकान 1/56, सोमसुन्दरपुरम भवानी लेख स० 253/84

एम० सामुवेल; सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

सार्ख: 29-9-1984

मोहर अ

प्ररूप. बार्ड. टी. एन्. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेंज-II, मब्रास

मद्रास, दिनाक 29 सितम्बर 1984

निवेश सं० 46/फरवरो 84/रेंज-II--अतः मुझे, र्श्वामतो एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपर्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० लेख सं० 776/84 के गेंडुल में दी हुई संपत्ति है, (ग्रीर इसमे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रोकर्ती अधिकारों के कार्यालय, कीयंबसूर लेख सं० 776/84 में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1984

को प्कोक्स संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सभे यह विश्वास भारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्विदेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया वया है;—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की वाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अभ्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री कें रामचंद्रन की पत्नी श्रामती पी० सरस्वती,

(अन्तरक)

(2) श्री के० हरिराम ग्रीर अन्य।

(भन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपित्त के अर्जन को लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकरेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीधीनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विषया गया है।

#### मन्त्रूपी

भूमि--लेख सं० 776/84 का शैडूल में द। हुई सपत्ति कोयम्बस्रूर/लेख सं० 776/84।

> एम० सामुवेल, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास-6

नारीख : 29-9-1984

प्रकप आहाँ टी. एन. एस.-----

जायकर अभि<u>नि</u>यम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

# भारत स्रकार

कार्यान्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-11, गद्रास

मद्रास, दिनांक 29 सितम्बर, 1984

निदेश स० 263/फेब 84/रेज II--अतः मुझे, श्रामती एमण सामुबेल

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसको म०, डॉर 36 रेबिन्यू बाई l, मुनिसिपल वार्ड 8, ब्लाक न० 27, डॉ॰एस॰ 60 है, जो ईरोउडौन (लेख स० 610/84) में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्राकर्ता अधिकारा के कार्यालय ईरोड लेख सं० 610/84 में भारताय रिजिस्ट्रा-करण अधिनियम, 1908(1908 का 16 के अधान फरवर्रा 1984

को प्वॉक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे उत्तपमान प्रतिफाल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तर्क ते हुई किती जाय की वाब्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या एका अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया गयः भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

शतः अब्, अन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविश्वित व्यक्तियों, अधीत :---- (1) श्री एम० रामसामि।

(अन्तरक)

(2) श्री एस०पा० कार्मा विश्वनाथन।

(अन्तरिती)

को यह सुचना भारी करके पुनांक्त संपरित के वर्षन के बिए कार्यनाहियों करता हूं।

सकत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपभ में प्रकाशन की तारी स से 45 बिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 बिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रापः;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हिंतबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निजित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया स्था है।

# वन्स्ची

भूमि श्रौर मकान—डोर नं० 36 डो 0 एस० 60, इलाक त० 27, न्यू वार्ड सा, मुनिसिपल वार्ड 8, रेविन्यू वार्ड 1, **ई** रोड सठौन लेख सं० 610/84/ईरोड ।

एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, मद्रास 6

तारीख:29--9--1984 मोहर . प्ररूप आर्द . टी . एव . एस . ------

मायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्वना

# शास्त वरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, महास

मद्रास तारीख 29 सितम्बर 1984

निदेश सं० 48/फेब 84/रेंजा --अतः मुझे, श्रोमती एम० सामवेल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मुन्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसको सं०६ मध्यकारलु रोड, आर०एस० पुरमं में है, जो कोयम्बलूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोक्तरी अधिकारों के कार्यालय, कोयम्बलूर लेख सं० 581/84 में भारतोय रजिस्ट्रोक्षरण अधिनियम, 1908(1908 का 16 के अधीन फरवरी 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रच्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मूओ यह विक्शास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से एसे रूप्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिचत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त जिथिनियम के सभीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए! और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के शिए;

नतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् ध--- (1) श्रो बोर गौडर।

(अन्तरक

(2) श्री मैनर झेबिन्यु—पिता
ग्रीर गाडियन् श्री एच० जयराम—
नं० 64,
रेस कीर्स रोड,
कोयम्बसूर,
ठौन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त खब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मनुज्जी

भूमि — सैठ नं० 6, बाष्यकारङ् रोङ, आर०एस०पुरम, कोयम्बतूर (लेख स० 581/84/कोयबसूर)।

एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज 2, मद्रास

तारीख: 29-9-1984

मोहर ।

प्ररूप आर्फ्.टी.एन.एस.-----

(1) श्रो आर० लक्ष्मीवाय शर्मा।

(अन्तरक)

(2) श्रो आ०सु०अ०मु० अर्डैयन चैदिटयार।

(अन्तरिती)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2 , मद्रास मद्रास, दिनांक 29 सितम्बर 1984

निवेश : सं० 54/फे० 84/वेंज II ---अतः मृह्गे, श्रीमती एम० साम्बेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्तं अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उिचित बाजार मृल्य 25,000/-एत. से अधिक हैं

<mark>श्रीर</mark> जिसकी सं० दूसरा वार्ड कामाठचि झोसियर् स्ट्रें₁ट, है, जो कुम्बकोणम् तत्झावूर, डिस्ट्रक्ट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची भें भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोक्ता अधि-कारी के कार्यालय, कुम्बकोणमं लेख सं० 199/84 में भार-तीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के फरवरी 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इदयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ए`से दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है;--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत, उक्त अधिनियम को अधीन कर देने के अन्तरक दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी अग्य या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 26/9-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन को लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं !

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि श्रौर मकान :--दूसरा वार्ड, कामाच्चो भोसियर स्ट्रीट जुम्बकोणम ठौन, टान्झूर डिस्ट्रिक्ट, लेख सं० 199/84/ कुम्बकोणमं ।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज 2, मद्रास-6

तारीख: 29-9-1984

प्ररूप बार्ड .टी .एन .एच ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुवना

#### धाउत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मब्रास मब्रास, दिनांक 29 सितम्बर 1984

निदेश : सं० 2८ 9/फेब्स् 84/रेंज II—यत. मुझे, श्रीमतो एम० सामुबेल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इरामे इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25 000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसको सं० मेलराजवोदी है, जो 'पुदुक्कोई टाउन मे स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रोफर्ती अधिकारों के कार्यालय, पुदुक्कोई लेख मं० 225/84 में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 फरवरी 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इध्यमान प्रतिफल से ऐसे इध्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति से वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आंध-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने भें स्विधा के लिए: और/या
- '(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 हा 11) या जक्त अधिनियम, या धनक र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के व्यवस्थण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-व की उपधारमं (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थातः :—— (1) श्री अब्दुल मुतालिफ रौतर।

(अन्तरक)

(2) मैंनर वशोर अहमद को भाता श्रीर गाडियन फरोदा बोबो, श्रीर दुसरा।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविध या तत्संक्री व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिन में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

# -म्स्ची

भूमि और मकान--मेलराजवीदी, पुदुक्को टाऊन (लेख सं० 225/84 (पुदुक्कोही)।

एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज II, मद्रास 6

तारीख: 29-9-1984

प्रकप नाइ.टी. एन. एस. -----

नायकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीत सूचना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, 11, मदास-6

मद्रास, विनांक 29 भितम्बर 1984

निदेश सं० 51/फरवरी 84/रेंज-ll---यतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल

कायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका जीवत बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं तेलुंगपालयम है, जो तेलुंगपालयम में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, कोयम्बलूर लेख सं 636/84 में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन फरवरी 1984 को को पूर्वोक्त संपरित के जीवत बाजार मृत्य से कम के दूरगमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापृष्वित्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरगमान प्रतिफल से एसे दूरगमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत विधक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्री प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में भारतिक रूप से कार्य गया ग्री प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में भारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायत, उथत अधिनयम के अधीन कर बोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाच या किसी भन या अस्य शस्तियों को जिन्हों भारतीय शायकर विभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती क्वारा उक्त नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था (क्वान में स्विधा के लिए।

अत: अब, उक्तः अधिनियम की धारा 269-भ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, कर्थात्ः--- (1) मैनर बानुरेखा के पति श्रीर गाजियन एम० नंदगोपाल

(अन्तरक)

(2) डा० माध्यू सेबस्टीना, अरमनी

(अन्तरितो)

का यह सूचना चारी कारके पूर्वोक्स संपरित के अर्जन के लिख कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ते 45 किन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन को अवधि, जो भी अवधि बाद में समाध्य होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच दें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहु अध होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

#### नन्त्र

भूमि तेलुंगुपालयम गांव। लेख सं० 636/84। कीयम्ब-टूर।

> एम० साभुवेल मक्षम प्राधिकारी महायक द्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-ार्, मद्रास

तारीख: 29-9-84

मोहर:

37-306GI/84

त्रक्य बाह्र". टी. एन. एस.------

(1) श्री पोन्नम्माल

(अन्तरक)

कायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्वना

(2) श्री एम० रामराज

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, राहायक आयकर आयुवत (निरीक्षण)

अर्जा नेजा।, मद्रास

मद्राम, दिनाक 29 सितम्बर 1984

निर्देश म० 1.4/फरवरी 84/रेज-IJ—-ग्रत मुझे, श्रीमती ए.भ० सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार बाय 25,000/- रु. से अधिक है

ष्रौर जिसकी सुरु महलेग्गिलयम गाँव है, जो कोयम्बन्त्र ताल्क में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध प्रनुसूची में धौर पूर्ण मा ने पणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, तिरुपूर नेख सुरु 470/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) ह अबोन तारीख फरवर।

का पूर्वेक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफान के लिए अन्तरित की गई है और मृत्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांवन गर्मित का अवन वाजार मृत्य उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अनरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय ग्रामा गया प्रतिफल निम्निलिखिल उद्देश्य से उक्त अनरण निवित में बास्तियक रूप से किशन महीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाद की बादत, उकता अभिनियम के अधीन कार दान के अन्तरक के दायित्व में केमी करने या उससे बचने में सुविधा भें लिए और या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमिनया करें जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम । । (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनियम (विद्यार प्रकट नर कि । । गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

भात अवा, उसर अभिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निगमिलियन व्यक्तियों, अर्थान —

को वह सूचना बारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को वर्जन के किए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच सें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की जबिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा,
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहम्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकेंगे।

स्वध्यक्तिरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ हरेगा जो उस अध्याय में दिया गुबा हैं।

अनमुर्जा।

भूमि मङ्लेरिपालयम गाय, कोयम्बल्र ताल्ह लेख स० 470/84/जिन्पूर।

> ण्म० सामुबेत सक्षम प्राधिकारी सह।गक आवशय अत्यास्य (निरीक्षण) अति रेज-II, मब्राम

न,रोख: 29-9-1984

मोहर

प्ररूप आहू . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 सितम्बर 1984

निर्देश गं० 140/फरवरी 84/रेंज-11--अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

टी० एस०नं० 11/1295 जी० एस०नं० 210 है, जो गाधीपुरम कोयम्बसुर में स्थित हैं (ऑर इसमें उपाबद जनूसूनी में और पूर्ण रूप संवर्णित है, (रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के वार्यालय, गाधीपुरम लेख सं० 351/84 में, भारतीय रोजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) का अधीन तारीख फरवरी 84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिज्ञात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सूर्यिका के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्यिशाके लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थातः— (1) श्रो एस० सी० राम महिन

(अन्तरक)

(2) कोयम्बत्तुर आटो कारेज, पार्टनर श्री आर० मूरूगैयन, श्री आर पत्रनिस्वामी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जकत रूपांता के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

# बन्**स्**ची

भूमि । गाधीपुरम/लेख मं० 351/84

एम० क्रोमुन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अन्युक्त (क्रिशक्षण) अर्जन रेंज-11, मद्रास

न(रीख: 29-9-1984

# प्ररूप बार्ड्, टी. एन्, एस------

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-घ (1) के अधीन स्थना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्राम

मद्रास, दिनार 29 सितम्बर 1984

निर्देण सं० 296/फरवरी 84/रेंज-II--अतः मुझे, श्रीमती

एम० सामुबेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी स० पट्टा स० 40, पोरूर, चेट्टिपालयम गाव है, जो कोयम्बत्तुर ताल्लुक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध असूनुची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, कोयम्बत्तुर लेख सं० 325/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उत्यमान प्रतिफल से, ऐसे उत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती (अंतरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य वैगस्सियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री सी० वसंता रागवन, सी० आर० षण्मुगम सुन्दरम और अन्य

(अन्तरक)

(2) कोयम्बत्तुर कोआपरेटिव मिल्क डिस्ट्रीन्युटर्स युनियन लिमिटेड

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज़पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए आ सकेंगे।

स्पष्टीकरण. -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मनुस्ची

भूमि और मकान चेट्टिपालयम गांव, पट्टा नं 40, लेख नं 325/84कोयम्बत्तुर तालूक कोयम्बत्तुर।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अध्यक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-11, मद्राप्त

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुपरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

वारीख: 29-9-1984

मोहर ः

प्ररूप बाह्यं हो , एत्, एस ..-----

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

## भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-11, मब्रास

मद्राम, दिनाक 29 सितम्बर 1984

निर्देश सं० 138/फरवरी 84/रेंज-II---अतः भुझे, श्रीमनी एम० कामुबेल

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-स्त. से अधिक है

और जिसकी सं० व्लाट नं० 492, जी० एस० 176 और 177, टी० एस० नं० 11/731 है, जा संगनूर गांव में स्थित है (और इससे उपायक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यात्य गांधीपुरम लेख सं० 285/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 रा 16) के अबीन जारीक फरवरी 1984

1908 (1908 पा 16) के अजीन जारी के फरवरी 1984

- को पूर्वे कित संपरित के उचित बाजार मूल्य स कम के इस्प्रमान
प्रतिफल के लिए अन्ति जित की गई है और मूक्ते यह विश्वास
करने का फारण है कि यथापूर्वे कित संपरित का उचित बाजार
मूल्य उसके इस्प्रमान प्रतिफल से, एसे दस्प्रमान प्रतिफल का
पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय
गाया गया प्रतिफल, निम्निसिंख उद्विषय से उक्त अन्तरण
किवित में अस्तिकक कप से किथित महीं किया गया है। ---

- (क) जन्तरण से हुई किसी शाय की बायत, उक्त जिथिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के बिए; कौर/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय भायकार मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा से सिए।

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) भी अधी न जिल्लामित व्यक्तियों, अर्थात लें— (1) श्री जे० बी० पिठो और डा० फान्स पिन्ठो

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एम० मेय्यम्मै

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोड् भी माक्षेप :---

- (क) अतरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्स 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) एेसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तिया 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त कव्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## प्रनुसूची

भूमि और मकान प्लाट नं० 492, संगनूर गांव गांधी-पुरम लेख सं० 285/84।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी राहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास-६

नारीख: 29-9-1984

मोहर 👸

प्ररूप बाई ० टो० एन० एस०

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्पना

#### भारत चरकाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास-6

मद्रास, दिनांक 29 सितम्बर 1984

निर्देश सं० 286/फरवरी 84/रेंज-II—श्रतः मुझे. श्रीमतीः एम० माम्बेल,

अगयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धार 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह निश्वाम करने के कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० ग्रार० एस० न० 1476/1, 1477/1, 1475, 1474 हैं, जो लेख सं० 298/84 में स्थित हैं, (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कूनूर लेख सं० 298/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 190/8 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख फरवरी, 1984

का पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य म कम के स्थमान श्रीसफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके स्थमान प्रतिफल से ऐसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिवित उद्यक्त से उक्त अन्तरण लिबित में बास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती ब्वारा पकट नहीं किया गदा भा या किया जाना आहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम कौधारा 269-ए के अनगरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीर, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री ईश्वरदास मिठ्ठल

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सी० देवराज ग्रांर श्रीमती वी० सुब्बुलक्ष्मी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निर्वेखत में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को जक्त अभिनियम, के मध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बहा अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया हो।

#### बसमध्ये

भूमि लेखा सं० 298/84/कूनूर।

ग्म० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी यहायक शायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-11, मद्रास-छ

तारीख: 29-9-19\$4

माहर 😗

प्ररूप बार्ड.टी एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्थाना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनाक 29 सिनम्बर 1984

निर्वेण मं० 73/रेंज-II/फरवरी 1984—प्रात. मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह निस्ताम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25 000/- रु से पिधक है

स्रौर जिसकी सं० 25, टी० एम० 23/1-ए, पोल्नाच्ची है, जो पोल्लाच्ची में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ती ग्रिविकारी के कार्यालय, पोल्लाच्ची लेख स० 227/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख फरवरी 1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल स एस इश्यासन प्रतिफल के दल्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश स उदन अन्तरण कि बित में वास्तियक रूप से किशा गया ही कर्ना कर्नरण

- (क) अन्तरण म हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन म सुविधा के लिए; जोर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अतिमान की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छियान से स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के, अमृसरभ के, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के जर्जान, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात '—— (1) श्री नारायणन

(ग्रन्तरक)

(2) सैकिल एम्पोरियम पार्टनर्स—— श्री एस० पी० पलनियप्पा एम० श्रार० मृब्बैय्य चेट्टियार

(भ्रन्तरिती)

को यह मूचना जारो करके पूर्वोक्त सपित्त के अर्जन के निए कार्यवाहिया शुरू करता हु।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत वरित प्रांग में कि सी व्यक्ति हुवारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख त' 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाम निक्त में किए जा सकरें।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्राव्तत शब्दों और ददों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मन्सूची

भूमि ग्रौर मकान 25, टी० एस० 23/1ए, टी० एस० वार्ड नं० 5, महालिगपुरम, पोल्लाब्बी। लेख म० 227/ 81/पोल्लाब्बी।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेज-11, मद्रास

तारीख . 29-9-1984 मोहर प्ररूप आहें. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियमे, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्राक्षम रोड कार्यालय, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनोक•17 सितम्बर 1984

निदण सं० जी० भ्रार० नं०  $2996/\sqrt[3]{3}$  -भ्रतः मुक्के, जी० के० पंड्या,

अत्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के सभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का बारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

धौर जिसकी सं० वार्ड नं० 1, मोर्थ नं० 3268 है तथा जो गोपीपुरा, सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनु-सूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 9-2-84

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने जे मृथिका के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी गाय या किसी धभ या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय भाव-कर अधिनियम, 102. (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा की लिए;

जतः जब, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण मैं मैं, उक्त जिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री नजमुत्तीशा हैवरगुलाम श्रासीन ग्रीर अन्य गोपीपुरा सुरत।

(भ्रन्तरक)

(2) ''चरत लेण्ड उवलोपर्स जाजुभाई मूलचन्द शातीलाल जी० मरचंट 710, मोती सन्स ग्रसारी रोड, मूरत।

(ध्रन्तरिती)

को यह तृष्णता चारी करके पृत्रों कत् सम्पत्ति से वर्जन के दिए कार्यवाहियां भूरु करता हूं।

उसत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप:--

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्परित में हितमब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकेंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और नदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस कंध्याय में दिया गया है।

### **मन्स्**ची

मिलिकियत जो गोपीपुरा सूरत में स्थित है। सब रिज-स्ट्रार, सूरत में 1065 नंबर पर तारीख 9-2-84 को रिजस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर घायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 17-9-1984

प्ररूप आहाँ, टी. एन. एस.-----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, ग्राश्रम रोड कार्यालय, ग्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 17 सितम्बर 1984

निर्वेश सं० पी० श्रार० नं० 2997/-II-श्रत: मुझे, जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख फे अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रह. से अधिक है

न्नौर जिसकी संव वार्ड नंव 1, नोध नंव 696 हैं तथा जो बिराट ग्रपार्टमेंट, सूरत में स्थित है (ग्रौर इससे छ्या-बद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तराख 28-2-1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अतरकों) और अतरिती (अतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षा, निम्निलिंक्त उद्धाष्ट में असरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षा, निम्निलिंक्त उद्धाष्ट में असरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षा, निम्निलिंक्त उद्धाष्ट में असरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षा, निम्निलिंक्त उद्धाष्ट में असरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षा, निम्निलिंक्त उद्धाष्ट में असरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षा, निम्निलिंक्त उद्धाष्ट में असरण के लिए तय पाया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुन्द किसी आय की वाबस, उक्ट अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अभने में मुनिधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन मा अन्य आस्तिया को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 1;) या उक्त आधीनयम, या शनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहां किया भया था या किया जाना चाहिए दा छिपाने में सावधा के लिए;

बतः अस्, उक्त आंधिनियम की धारा 269-ग के बनसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् :----38—306GI 84 (1) श्रीः दिलीन एस. मेहता 501, विराट श्रपार्टमेंट दी तलीमें.गं. सूरत।

(भ्रन्तरक)

(2) सेपा पिरार महतो उपरा मकाव नाका सुरत।

(भन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहिया करता हूं।

उन्नस सम्पत्सि के मर्जन के सम्बन्ध में काइ भी वास्तेष ६-

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवीध या शत्सम्बन्धी व्याक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवीध, जो भी अविध बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर क्याक्तयों में सी किसी व्योक्त क्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यावत व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास रिलक्ष में निष्णु जा सकागे।

स्पद्धतोकरण :— इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ हांगा, जो उस अध्याय में दिया गय्य है।

## अनुसूचा

मित्रियत जो बाउं नः । म बिराद श्रार्टमेंट, सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, सूरा में 1568 नम्बर पर तारोख 28-2-84 को रजिस्टर्ड की गई है।

> जा० के० पड्या 'सहायक आयकर श्रायुक्त (निरोज्जण) श्रर्जन रेंज-I<sup>I</sup>, ब्रह्मदावाद

तारीख 17-9-1984

अरूप बाइ. दी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) भूर्जन रेज  $I_{
m I}$ , भ्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनाक 14 सितम्बर 1984

निर्देश सं० पी० श्राप्य नं० 2998/II—श्रतः मुझी, जी० के पडया,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पहचात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति. जिसका उचित भाजार मून्य 25 000/रा से अधिक है

स्रीर जिमकी प० दुकान न० एफ 3031 है तथा जो सूरत टेक्सटाईल मार्केट, सूरत मे स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे स्रीर पूर्ण रूप से व्णित है), रजिन्द्री हर्ता स्रधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्री हरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीर 6-2-84

को प्यांजिय संपतित को उधित बाजार मृत्य से कम क इत्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मृत्य उसके रुग्यमान प्रतिफल से, ऐसे रुग्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) सन्तरण से हुई किसी भाग की बाबस, सक्स अधिनियम में अभीन कर बोने के अस्तरक के वामित्य में कमी करने या उसते बुचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ल) एमी किसी आय या फिसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथं अन्तिरियों द्वारा प्रकट नहीं किया गण धा या किया जीना चाहिए था. कियाने म स्विभा के निष्

शा वस प्रकार अधिनियम की भारा 269-स के अनसरण में, मैं, जक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के शधीन, निम्निलिशित व्यक्तियाँ, अधीत :---

(1) श्री राजेन्दरिसह 3/3 माफत राइम, वित्ली 9 कुलमार्नासह 4/26 रूपनगर दिल्ली – 7

(श्रन्तरक)

(2) श्री मुसराजी मुकंशकुमार नवरुजन सारिया सूरत प्रेमकुमार— नानपुरा, सूरत

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति को सर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की शरीय दें 45 दिन की अविभि सा तत्सम्बन्धी ब्दंश्तयों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र मो प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पान्त में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण .--इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्य होगा जो उस अध्याय में दिख्य दवा हैं।

# अनुसूची

मिलका जो भूरत टंक्पटाईल मारकेट में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, सूरत में 962 नम्बर पर ता० 6-2-84 को रिजस्टर्ड की गई है।

> पी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजनरेज II, श्रहमदाबाद

नारीख : 14-9-84

प्ररूप बार्ड, टी एन . एस - - - - ≖

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहाय्क आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज II, स्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 14 सितम्बर 1984

निर्देश नं० पी० स्रार० नं० 2999/II—स्रतः मुझे, जी० के० पंडया

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-% के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारण है कि स्थावर मधानत, जिसका जीवत अभार मुल्य 25,000/- रा. से अधिक ही

स्रोर जिनकी सब्दुकान नंब 2189 हे नया जा रिसं रोड, सूरत में स्थिन है (स्रोर हमसे उनावर सन्पूची में और पूर्ण रूप से विभिन है); रिजिस्ट्रो हो सिक्तिसी के नार्यालय सूरत में रिजस्ट्रो हरण श्रिधिनियम, 1908 (1908) का 16) के अधीन 23-2-84

का प्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मृल्य, उभक इश्यमान प्रतिफल में, एस इल्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरित (अंतरोकों) और अंतरिती (अन्तरित्या) के बाच एम अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में आस्तिकक रूप म कार्याभा नहां किया गया है:---

- (क) अंतरण में हुई किसी आय की बाब्स, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लए, आर/या
- -(ख) ऐसी किसी बाय या किसी अन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (192? वा 11) या अपन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति वे द्वार पर्य नहीं किया गया था या किया बात काहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्री जुगलिक्शोर केवलराम नंदवाणी जमनानगर, सुरत

(ग्रन्तरक)

(2) श्री करमचन्द केवलराय नंदवाणी योगा प्रया सोसाइटा, सूरत

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पृत्रोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं"।

उबत सम्पत्ति के अर्जन के यम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अर्वाभ या तत्सवधी स्पिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अर्थि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रविक्त स्विक्तयों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भातर उक्त स्थावर सम्पत्ति मा हत्वब्ध किसी अन्य व्यक्ति हवारा अगहस्ताक्षरी के पास निवासन में किए जा सकती।

स्पष्टीकरणः - इसमे प्रयावत शादों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कः में परिभाषित है, वहीं अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मिनकत जो सूरा डेप्पडाइन गारकेट सूरा मे स्थित है। सब रिन्ट्रार, सूरा में 1469 नम्बर पर ता० 27-2-84 की रुजिस्टर्ड की जई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी महायक धायकर स्रायुक्त (तिरो नण) स्रर्जन रेंज II, सहमदाबाद

तारीख: 14-9-84

# इक्स बाइ'. टी. एन. एत.----

नामकर सोधानियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के वधीन स्चना

### नारत सरकार

कार्यानग, महायक आपकर आपुक्त (मिरीक्षण)

ग्रर्जन रेज II, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, विनांक 14 सितम्बर 1984

निदेश नं० पी० द्वार० न० 3000/2—यतः मुझे, जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43): (जिसे इसमें स्थक पश्चात 'उक्त अधिनयम बहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विज्ञास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० गोशाउन न० 65 मूरत है । तथा जो सूरत में में स्थित है (और इसमें उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908) का 16) के श्रिधीत 15-2-84 की प्रबंक्स सम्पत्ति के उचित श्राजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूमें यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का वंद्र प्रतिकात स अधिक है और अतरण (अतरका) और अतरिती (अतरित्या) के बीच एसे अतरण के लिए तथ पादा गया प्रतिकाल निम्नलिखित उद्धवस्य से उकत अतरण लिखित के बाजार क्या से के श्रिक नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दीन के अन्तरक के द्यायत्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, जौर/बा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अध्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतियधा के लिए;

कतः अब, जन्मत अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में तक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) क अधीन, निम्निसिक व्यक्तियों, अधीत अस्त (1) श्री कोटूराम टकनदास नारंग 405 सतगुरु अपार्टमेंन मजूरागेट गूरन

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गोपीबन्द एघ० मार्फत जी० एच० टेक्सटाईल श्राम्ब लाईन्स मुरत

(भ्रन्तरिती)

क्षे यह स्थाना जारी करक पृवांक्त संस्थित के वर्जन के सिम्भ कार्यवाहिया करता हूं।

जनत् सम्मारत की अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी मार्कप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सचनी की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर नकत स्थावर संपन्ति में द्वितः बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकनें।

स्थाब्दीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया चया है।

## वन्स्ची

मिलकत जो सूरत टेक्सटाईल मान्केट स्रा में स्थित है। सब रजिन्द्रार सूरत में 1243 नम्बर परता० 15-2-1934 को रजिस्टर्ट की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर भायुक्त (निरी∴ण) श्रर्जन रेंज-∐, श्रहमदाबाद

तारीख: 14-9-84 \_

### प्रकार बाई'.टो, एत . एए -------

वामकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) को मधीन सूचना

### **मारह दरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भूर्जन रेज II, ग्रहमदावाद

ग्रहमदाबाद, दिनाक 14 सितम्बर, 1984

निर्देशन० पी० ग्रार०न० 3001/2--- ग्रत मुझे, जी० के० पंडया

शायकर भौधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269 व के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण हैं कि स्थावर सपित्त जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी न० दुकान न० 2159, सूरत है तथा जो सूरत मारकेट में स्थित हैं (श्रीर इसमें उराबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजर्ट्री ति श्रीधक री के वार्यीलय सूरत में रिजर्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1208 (1908 का 16) के श्रधीत 15-2-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का धन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतिरती (बतारात्या) क बीच एम अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का, निम्नलिखित उद्वेशय से उक्त बंतरण लिखित में वास्ति-विक क्ष्य स क्षित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधि-नियम के अधीन कर वाने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उसस बचन में सुविधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आयकर आधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरम में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों अधीत् :—— (1) श्री बहादुर हीरानन्द चोनरा श्रम्बा लाईन्स सुरत

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जगदीशचन्द जमनादान 10, घनण्यामनगर सूरत

(अन्त∂र†ा)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायनाह्या करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भीतर प्वेकित व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति व्यक्त
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

### अमुची

मिलकत जो सूरत में स्थित है। सब रिजिस्ट्रार सूरत में 1242 नम्बर पर तारु 15\*2-84 को रिजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर घ्रायुक्त (निरोजण) ग्रर्जन रॅज, II श्रहमदाबाद

तारीख: 14--9--8 मोहर:

# प्रकृप बार्ड. टी. एम. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के प्रधान सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय , नहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, श्रहमवाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 14 सितम्बर 1984

निदेश नं० गी० भ्रार० नं० 3002/2—अतः मुझे <mark>जी०</mark> के० पंडया

द्याय कर पश्चितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चित्र पश्चित्र पश्चित्र पश्चित्र पश्चित्र पश्चित्र पश्चित्र कहा गया है), की धारा 269-ख के अञ्चल सक्षय पश्चिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वापर नस्ति, जिल्हा उतित वाजार मृहण 25,000/- ४० स पश्चिक है

भौर जिसकी गं० दुकान नं० डी 1019 है तथा जो सूरत टेक्न-टाईल, सूरत में स्वित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिन्द्री हर्ना अधिक रो के कार्यानय सूरत में रजिस्ट्री हरण अधिनियम, 1908 (1908) का 16) के अधीन 3-2-1984

का प्यांक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के राश्मार प्रांतफल के लिए अन्तरित की गर्र है और मृत्रे नह विश्वास करने की कारण है कि यथाप्यांक्त संपत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यभान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से उधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरित्या) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शासाविक रूप स कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भा या अन्य आस्तिया कर जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्कत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अक्त अब, उजन अधिनियम की धारा 260-ग के अनमरण में, मैं, उकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री किरिट कुमार धारुमाई देसाई सुरत

(श्रन्तरक)

- (2) मैं ० श्रनिलकुमार सोमाभाई एण्ड कम्पनी भागी गर
  - --बन्तो नाम चुन्नी नाल
  - --गेरोलाल ताराचन्द
  - --मागी राल मोहन लाल मोडो को ग्रेडो

संग्रामगुरा सूरत

(ग्रन्तरिती)

को यह सृचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना को राजधन में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की गामान से 30 जन की प्रवाध, जा भी अविध बाद म समाप्त हाता हो, के भीतर पूर्वीक्त ध्यक्तियों में ने किसी कर हेर द्वारा.
- ♣(ख) इस सूचता : राजरत मं प्रकाशत की तारीख ने 45 दत के भीतर तका स्थानर सम्मत्ति में हिनबाद किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रेधोहस्ताक्षरी के पांस लिखित में किए जा सकीयें।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रामित्रव के ग्याप 20-त में परिभाषित है बही प्रार्थकोगा, जो उस श्रद्यान में विद्या गया है।

## वन्स्वी

मिलकन जो सूरन में स्वित है जिन का दुक्तन न० डी > 1019 है। सब रिजिप्ट्रार, .सूरत में 893 नम्बर पर ता० 3-2-84 को रिजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर ग्रापुक्त (निरोज्जण) श्रर्जन रेंग्र 11, घहमदाबाद

तारीख: 14-9-84

मोहर 😘

प्ररूप भाइ<sup>र</sup>. टी. एन. एस.----

\_\_\_\_\_

आदकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 260-ए (1) के अधीन स्चना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

पर्जन रेज-2, श्रह्मदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 14 सितम्बर 1984

निदेश नं ०पी ० म्रार०न ० 3003/2—म्रात मुझे, जी ० के० पंडया

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 296-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारण ही कि भाग समान , जिल्ला नावा बाकर मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी सं ० दुकान नं ० ट-2191 है। तथा जो टेक्सटाईल मारकेट, सूरत में स्थित है (भीर इससे उपाबक श्रनुर की में भीर पूर्ण रुप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ना ग्रिधकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 28-2-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान गीतफल के लिए अर्जारत का गर्ड ही और मभे यह विश्वास स्ट्रने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्प्रोत्त का राचित बाजार पत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में उधिक ही और अतरक (यनरका) और अतरिती (अन्तरिशियो) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाणा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दाियत्व में कमी करने या उसमे बचने में मृविधा के लिए, और/या
- (क) एपी बिली आप पा किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयण र शिविस्या, 1922 (1922 को 11) यो राज्य अधिनियम, या राज्य की निराम कुला (1925 को 12) के प्रयोजनार्थ अंतियों काला काहिए था कियाने में स्विधा के लिए:

असः अद्ध, उक्कम अधिनियम की धारा २६०-ग के अनस्पण मों, मों, उक्कस अधिनियम की धारा २६०-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीस् :--- (1) श्री म्रिभिप्रकाश लाला, सदर बाजार भटीका,

(भ्रन्तरक)

(2) श्री देवेन्द्रकुमार श्रीराम म्नानन्द सूरत

(अन्तरिती)

का यह मृजना जारी करेक पूर्वावत सम्मत्ति के अर्जन क लिए कार्यत्राहियां करना हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन वी तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तासील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी अविधि बाद में समाप्त हानी हो, के भीतर पूर्वोक्स त्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दराया,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधाहुस्ताक्षरी के पास लिसित में दिये जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दा और पदा का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित है, वही अर्थ होंगा, जा उर अध्याय में रिका ग्या है।

## नम्सूची

सिलकन जो सूरत टेक्सटाईन मारकेट में 2-2191 नवर पर स्थित है। सब रजिस्ट्रार, सूरत में 1560 नमार पर नारीख़ 28-2-84 को रजिस्टर्ड की गई है।

> ज ० के० पडया सक्षम प्राधिकारी पहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षक) ग्रजन रीज-2, ग्रहमदाबाद

तारीख: 14-9-84

माहार ८

## प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - -

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा धारा 269-घ (1) के अधीन स्थाना

#### भारत सरकार

कार्योत्रयः सहायक सायकर भाष्ट्रक (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 2, ग्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 14 सितम्बर 1984

निदेश न० पी० ग्रार० नं० 3004/2:—ग्रन: मुझे, जी० के० पंडया

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे . इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि रक्षावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000 - रह. से अधिक हैं

श्रीर जिपकी सं व दुकान नं ० ए० 3334 है। तथा जो सूरत टेक्सटाइल, मारकेट सूरा में श्रिग है (प्रीर इससे उनाबद्ध अनु-सूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिज द्वीहर्ती श्रिष्ठकारी के कार्यालय सूरत में रिज द्वीहर श्रिष्ठनियम, 1908 (1908 का 16) के द्रशीन 23-2-84

को प्रशंकत सम्पत्ति के उचित आजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफेल के लिए अन्तरित की गर्इ हैं और स्में यह विश्वास वर्ण का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मृत्य तमने इव्यमान प्रतिफल में, एमें इव्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अन्तारात्या) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्भवेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक हम में कथिन नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय करें बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक खें शायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धार 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्री मोहमद ईस्माइल असुल रहीम मर्शन स्कूल, मुरत

(भ्रन्तरक

(2) श्री सीमासिल्क मिल्स
—-मुमताज जानु
—-जुलख सनु एम० यूसफ
रानीतलाब
सुरस

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायनाह्या करता ह

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के सजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्तों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### मन्स् ची

मिलकत जो सूरत टेक्पडाइल मारकेट, सूरत में स्थित है। सब रजिल्ट्रार, सूरत में 1464- नतरपर ता० 23-2-84 की रजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंड्या सक्षम पाधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, श्रहमदाबाद ।

तारी**ख**: 14-9-84

परूप आर्ड. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यां लय, सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण श्रर्जन रेंज-2) श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 14 सितम्बर 1984

निदेश सं० पी० म्रार० नं० 3005/II— म्रतः मुझे पी० के० पंडया.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जिक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० दुकान गं० ए कस 2152 है। तथा जो सूरत टेक्सटार्टन मारकेट, सूरत में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिल्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिल्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 22-2-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिषत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उिषत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्म्रह प्रतिशत से अधिक है और उन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्वित उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी झाम या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में स्विधा के निया:

ात: अब, इत्त अधिनियम की धारा 269-**य के अन्सरण** में, में, उब्द अभिनिषम की धारा 269-**य की उपधारा** (1) के अधीन, रिस्टिलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 39—306 G1/84 (1) श्री चपनलाल सोनालात कोट-मिकल रोड मर्दानियां बाड सूरत

(ग्रन्तरक्)

(2) श्री हरसन्यलाल श्रविनाशराम साहनी 802, वेनी श्रपार्टमेन्ट नानपुरा, सूरत

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य विक्त द्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनुसूनी

मिलकत जो सूरत टेक्मटाईल मारकेट में स्थित है। सिब रिजिस्ट्रार, सूरत में 1430 नम्बर पर ता० 22--2--84 की रिजिस्टर्ड की गई है।

> पी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षक) श्रर्जन रेंज-2, श्रहसदाबाद।

तारीख: 14-9-84

प्रकथ शहर दी तुन एसी,-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 कर 43) की भारा 269-प (1) के अधीन सुमना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-2 ग्रहमदाबाइ

श्रहमदाबाद, दिनाक 14 सिंग्म्बर 1984

निवेश स० पी० ग्रार० न० 3006/II—--ग्रत मुझे पी० के० पंड्या,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य \_\_>,000/- रु. से अधिक हैं

ग्राँर जिसकी स० दकान नं० जेड - 3193 है। तथा जो सूरत टेक्सटाइल मारकेट, सूरत में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनु सूची मं ग्राँर पूर्ण रूप संविणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 21-2-84

को प्रविधत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास रूरन का कारण है कि यथाप्रविक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान पितफल से, एमे इष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्रत से अधिक है और अतरक (असरका) और अतरित (अन्तरितयां) के वीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उव्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जनसरण में हुई किसी नाम की बाबत, उच्च विधिनियम के अधीन कर दान के बस्तरक के दाखित्व मा कामी करने या उद्देश वचने में मृविधा के सिए; धरि/वा
- (च) एमी किसी आय या किसी भन या नत्य आस्तिय! को, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपक्त अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किए। रहा भा या किया जाना वाहिए या, स्थित या निर्धा से सिए;

अतः अव. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिस्त्रि व्यवितयों, अर्थात् :--- (1) डीवेन्ट सित्क फेजिबस श्री नूरमुहम्मद्र हाजामुहम्भद भागापताब, सूरल

(अन्तरक)

(2) श्री किस्ता गोपाल टायन राम अरोडा टेक्सटाईल मिल, रिंग रोड मुरत

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पुकायत संपत्ति क कर्जन के निष् कायनाहिया कारता हूं।

THE RESERVE OF THE PERSON OF T

उक्त संपरित के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्नंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर अक्त स्थावर मंपित मों तिहरजब्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसिव मों किए जा सकांगे;

स्यष्टीकरण.—इसर्ने प्रमुख्त शब्दों और प्यों का, को उक्त अधिक्षिम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, जहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया प्रमाहाँ॥

## अनुसूची

मिलका जो सूरत टेक्पटाइल मारकेट मे स्थित है। सब रिजस्ट्रार सूरत में 1384 नम्बर पर ता० 21-2-84 को रिजस्टर्ड की गई है।

> पी० दे० पड्या सक्षम प्राधिकारी सङ्घः कापदार प्राप्ता (निरीक्षण) शर्जन रेच-2, श्रह्मदाबाद ।

तारीख 14-9-84 **मोहर्ड** ७ प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

शर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाक 21 सितम्बर 1984

निदंश सं० पी० प्रार०नं० 3008/II श्रतः मुझे पी० के० पंड्या,

आग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रतिधकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उत्तित बाजार मूल्य 25,000/- रा. में अधिक है

ग्रीर जिसकी सं ० 136, 137, प्लाट नं ० 55 है। तथा जो सुभाष नगर, सूरत मे श्यित है (श्रीर इससे उनवद्ध श्रनुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), रिज ही। क्री श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), रिज ही। क्री श्रीर प्राप्त के कार्यालय सूरत मे रिज ह्रीकरण प्रिजितिसम, 1908 (1908 का 16) के श्रीर 20-2-84

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल स एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्म्रह प्रतिशृत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियिक रूप सं किथत नहीं किया गया है: --

- (क) अन्तरण स हुई िकसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य मो कमी करने या उससे बचने मो सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-गृ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीसिखत करिकतयों, अर्थात् ६-- (1) श्री लताबैन बच्चू भाई देसाई श्रुनगर सो० उमरा जकर नाका सूरन

(भ्रन्तरक)

(2) श्री महेन्द्रकुमार घेपरचन्द शेखजी गोपीपुरा, सूरत

(भन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: ---- इसमे प्रयुक्त क्षड्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मिलकत जो सुधाषतगर को॰ श्रो०सो॰ में स्थित है। सब र्राजस्ट्रार, सूरत में 1338 नम्बर पर ता॰ 20-2-84 की रजिस्टर्ड की गई है।

> पी० के० पं**डया** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद।

तारीख: 21-9-84

प्रकण नाइ. टी. एन. एस. -----

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वधीन स्वना

#### भारत सरकार

· कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 21 सितम्बर 1984

निदेश सं० पी० झार० नं० 3009/–II– झतः मुझे, पी०के० पं**ड**या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाग 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 41/8, प्लोट नं० डी०, उयटा है तथा जो सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 3 फरवरी, 1984

को पूर्वोच्छ सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास फरने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस दृश्यमान प्रतिफल का क्ष्म्प्र प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बासाविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, जक्त बाधितयम के बधीन कर बने के अन्सरक के वाधित्व में कमी करने या उससे मचने में सुविधा के सिए; बीर्/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

कतः जय, उक्त अधिनियम का धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्मीजिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती प्रतिभा बहुन भगनलाल मोदी, जून भरालत गोपीपुरा, सूरत।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती विमला देवी श्रार० तापड़िया, श्री रामेश्वर भाई हीरा लाल तापड़िया, सालबतपुरा, सुरत ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तंत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाबन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मिलिकियत जो उमरा गांव में स्थित है जिसकी क्रम सं० 41/8 है। सब रिजस्ट्रार, सूरत में 880 नं० पर तारीख 3 फरवरी, 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> पी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाव।

तारीख : 21-9-1984

व्यक्ष्यात्वरः । त व्यक्षाः २०६ मान् अववयास्त्रप्रशास्त्रात्वरः १ व वर्षः व्यवयास्त्रात्वरः अकृषः आर्षः दी. एनं. एस्. - - - - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्वया

### भारत सहस्रह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 21 सितम्बर 1984

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3010/II—श्रतः मुझे, पी० के० पंडया,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह बिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० डी-3010 हे तथा जो सूरत टेक्सटाइन मारकेट, सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रमुमूची में श्रीर पूर्ण इप संविणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रजीन, तारीख 28 फरवरी, 1984

को पूर्योवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स बम के द्रश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ए'से द्रश्यमान प्रतिफल का प्रवृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तर्गित्या) के बीच एम अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिश्वित मे वास्तिक रूप से कथिस नहीं किया गया है हि—

- (क) बन्तरण से हुन्द किसी बाय की बावत , उक्त बीधित्यम के अधीन कर दोने के जुन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उससे बुक्ते भी सुविधा के सिए: बॉट/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

शतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-न के अनुसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपभारा (1) के अधीत, निम्निलिखित व्यक्तित्यों, अर्थात्ः— (1) मै० जी० सी० डावर एण्ड सन्स, प्रोप्नाइटर, श्री गुरबचन लाल पी० डावर, 27, शक्ति नगर, श्रठवा लाइन्स, सूरत ।

n name alieu i

(ग्रन्तरक)

(2) मैं ० गुलशन र्राध कुमार, सूरत।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त करिकत्यों में से फिगी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बङ्गी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **मन्स्**यी

मिलकियत जो सूरत टैंक्सटाइल मार्केट सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, सूरत में 1601 नं० पर तारीख 28 फरवरी, 1984 ।

> पी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद।

नारीख : 21-9-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अर्धान सुधना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, श्रष्टमवाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 22 सितम्बर 1984

निवेश सं० पी० भार० नं०  $3011/\!\!/ I^{\!\!\! 1}$ —श्रतः मुझे, पी० के० पंडया,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० बोर्ड नं० 8, नीव नं० 1854 है तथा जो गोपीपुरा, सूरत में न्यित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे भौर पूर्ण रूप से वर्णिन है) रिजस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2 फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूरा में अब के दायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्तिबद, हप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण संहुक् किसी जाय की बाबत., उक्त अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्य बास्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजभार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना वाहिए था, कियाने में मृतिया के लिए:

चतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1), के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

(1) श्री रींगू मल गजन मल वरीयनी, गोपीपुरा, सुरत ।

(भन्तरक)

(2) श्रीमती सुधा बहन गुणवन्त लाल खती, 48, हरी नगर नं० 1 उधना, सुरत।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां सूक्ष करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों प्रस् स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यागः;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में सिए जा सकींगे।

स्थाकरण:--इसमें प्रयुक्त पत्थों और पदों का, थो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>क</sup>, बहरी अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया ह<sup>क</sup>।

## अमृत्युची

मिलकियत जो गोपीपुरा में स्थित हैं । तब रजिस्ट्रार, सूरत में नं० 837 नम्बर पर तारीख 2 फरवरी 1984। पी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद।

तारी**ख :** 22-9-1984

मोहर क्ष

प्ररूप आर्घ. टी. एन एस.------

**भायकर कांभीनयम, 1961 (1961 का 43) की** भारा 269-य (1) के अधीन सुचना

भारत संग्कार

# कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-2, ग्रहमबाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाक 22 सितम्बर 1984

निवेश सं० पी० ग्रार्थ नं० 3012/II—-गतः मुझे. पी० के० पंडया

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० वार्ड नं० 7, नार्थ नं० 2283 है तथा जो नमपुरा, सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, नारीख फरवरी, 1984

को पूर्वेक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंदृह प्ररिशास से अधिक है और एसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्स अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) ब्रुतरण से हुई किसी बाब की बाबत, उसत जिथिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक की टायिन्स मो नामी करते या उससे बचने मो सरिवधा के निए; अदि/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्मिन्दी द्वारा एकट नहीं निया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अन्सरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधार (1) को अभीन. निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्री उत्तम भाई मगन भाई पटेल. उभल. ना० कामरोज।

(घन्तरक)

(2) श्री नसीर श्रहमद युगसख,
 6/694-95,
 रूम न० 29,
 हरीपुरा, भवानी,
 सूरत।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सृचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दंश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्यास 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिशा भया है।

## **अनुस्**षी

मिलिकियत जो सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, सूरत में 830 नम्बर पर तारीख 3 फरवरी, 1984 को रजिस्टर्ड की गई है।

> पी० के० पढ्या सक्षम प्राधिकारी गहायक प्रायकर स्रागुब्द (बनरीक्षण) सर्जन रेज-2, स्रहमदाबाद

तार्राख . 22-9-1984

प्रकृष प्राप्ते . टी , एव , एस , -----

आयक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन स्थान

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंद्र-2, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 22 सितम्बर 1984

निदेण सं० पी० श्रार० नं० 3013/II—श्रतः मुझे, जी० के० पंडया

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- प म अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० वार्ड न० 3, नार्थ नं० 940 है तथा जो सूरत में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री इर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, सूरत में रिजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीत, तारीख 5 फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्व कित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरिनिगाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया बातिफल, निम्नतिवित उद्देश्य से उन्त अन्तरण विवित में बालनीयक क्य से किथा नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुद्दं िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्त्र में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारणीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, विश्वास (1957 की 27) अर्थे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए; और/या

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) शी उत्राहीस एफ ल और भन्य बस्बई।

(अन्तरक)

(2) दावन पापटीं ट्रप्ट डा० सैयदाना ग्रहमद, जाम्पा क्षाजार, सुरता।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृषेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

सक्त सम्पत्ति के अर्थन के सबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त आधिज्यम क अध्याय 2(५-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया चया है।

## भनुस्ची

मिलिकित जो सूरत में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, सूरत में 972 नं पर तारीख 6 फरवरी, 1984 को रिजस्टर्ड की गई है।

पी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायक्स (निरीक्षण) शर्पन रेग-2 प्रहमदावाद

नारीख: 22-9-1984

प्ररूप आई. टी. एन एस. ....

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 22 सितम्बर 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 3014/II—श्रत मुझे, जी० के० पंडया

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- इसके अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 र

श्रीर जिसकी सं० श्राफिस नं० 343, तीसरी मंजिल है तथा जो श्रजन्ता शापिग सेन्टर,सूरत सहायक श्रायकर श्रामुक्त ग्रहमदाबाद में स्थित है (और इसस उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 37 ई० के श्रधीन, तारीख फरवरी, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्योदय से उक्त अन्तरण सिकत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत. उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व मैं कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना श्वाहिए था, हिर्णाने में सविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 260-घ के अन्सरण र्-, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ंत्र की उपधारा (1) के अधीन निव्वतिवित व्यक्तियों, चर्यान 40--306/84 (1) मै० शांति बिल्डर्स,ग्रजन्ता शांपिंग सेन्टर,सूरत ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ग्ररविन्द भाई सी॰ चम्पोनिरिया, ब्लाक नं॰ 11, पुष्पाकुंज सोसाइटी, सुरत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यधाहियां शुरू करता हुई।

क्रमद शम्परित के ज्यान के सम्बन्ध में कोई भी नाकांप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किश्वित में किए जा सकोंगे।

स्पव्हीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, उहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अन्सूची

फार्म नं० 37 ईई० जो निम्नयुक्त कार्यालय में तारीख 18 फरवरी, 1984 को पेश किया गया है।

> पी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण प्रश्नेन रेंज-2, ग्रहमदाब/द

**ोख**: 22-9-1984

भोहर:

प्ररूप आर्च.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-च(1) के अधीन स्थमा

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-2, ग्रंहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 22 सितम्बर 1984

निदेश सं० पी० घ्रार० नं० 3015/2—- घ्रतः मुझे जी० के० पंडया

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० ग्राफिस नं० 536. ग्रजन्ता शापिंग मेन्टर है तथा जो सूरत से स्थित है (ग्रीरइससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजम्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख फरवरी, 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उक्क दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का जन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रिक्कल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक लप में कथित नहीं किया गया है '---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की दावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के निष्; और/या
- (क) एँसी किसी आयं या किसी धन या अन्य अस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रवट नहीं किया गया था या किया जानी चाहिए था, छिपाने में स्विथा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) मैं० णांति बिल्डर्स, मूरत ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीदीपक कुमार के० गांधी, गोपीपुरा, सुरत ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुः।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—
(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियाः

(ख) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति मों हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्यध्वीकरण '— इसमें प्रय्क्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे पी।भाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### **मन्**सूची

फार्म मं० 37 ईई० जो इस कार्यालय में ३ फरवरी, 1984 को पेश किया गया है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रंजन रेंज-2, श्रहमदाबाद

तारीख : 22-9-1984

प्रक्ष आहें . टी . एवं . एस . -----

जायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के विधीन सुमना

भारत - ग्ररकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-2, ग्रहमवाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 22 सितम्बर 1984

निदेश सं० पी० म्नार० नं० 3016/2-- म्रातः मुझे, जी० के० पंडया

नाथकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त जिथिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्नौर जिसकी सं कम नं 2147, 4350 चौ मी है तथा जो चकलासी में स्थित ता जडीयाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नडीयाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 का (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख 23 फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अम्लरण निम्नलिचत में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिंधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृचिधा के निष्; और/धा
- (का) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय जाय-कर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीभिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में वृद्धिश की सिए;

शत: सब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में,, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन मिम्नसिखित स्पक्तियों, अभितु :— (1) श्रीमती तक्ष्मी सरत जी० पटेल, नडीयाद।

(ग्रन्तरक)

(2) णालीमार कॉ० श्रापरेटिव हार्कासग सोसाइटी, करीम भाई ग्रार०, नडीयाद ।

(भ्रन्तरिती)

न्त्रे सह सूचना नारी करके नृत्रों भर सम्मरित को अर्थन के तिए अर्थवाहिया करता हुं।

बन्ध सम्पत्ति क बर्बन क सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस मुक्ता के रावपन में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति मों हित-बद्दभ किसी अन्य न्यांकित द्वारा, अभाहस्ताक्षरा के पास लिखित में किए का सके गे।

स्पष्टोकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, धही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

## अनुसूची

मिलिकियत जो चकलासी में स्थित है । जिसका सर्वे नं० 2147 है, 4350 चौ मी० का कुल क्षेत्रफल है ।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन .रेंज--2, ग्रहमदाबाद

तारीख : 22-9-1984

प्रस्प आहाँ. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के नधीन स्वता

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जामकर जायुक्स (निर्दाक्षण)

भ्रजींन रेज-2, भ्रह्मदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 22 सितम्बर 1984 निदेश स० जीं० श्रार० नं० 3017/2—भ्रत: मुझे, जीं० के० पंडया

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले बसमें इसके पृथ्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 4405, चकलासी है तथा जो नडीयाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नडीयाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 23 फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम क दश्यमान दिफल के दिए अन्तरित को गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एस अन्तर्ग के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उव्वेष्य से उक्त अंतरण सिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा अन्तरे वचने में सिन्त्रभा के सिए; बॉर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हा भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना ि हिए था, छिपाने में सुविधा के सिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुक्ररण मा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-स की उपधार्य (1) के अधीन, निम्निजिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती सूरज सरन जी॰ पटेल भीर श्रन्य, नडीयाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री करीन भाई रहीम भाई, शालीमार को० ग्रापरेटिव हार्ऊसंग सोसाइटी, नडीयाद।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचन। जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी बाक्षप

- (क) इस स्चना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारी स स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियां में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख में 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींचे।

स्पव्यक्तिरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जा उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूचा

जमीन जो चकतासी में स्थित है जितहा क्रुत क्षत्रफल 44.05 ची० मी० है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

तारीख: 2⊿ 9-1984

प्ररूप बाइ , टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 22 सितम्बर 1984

निदेश सं० जी० श्रार० नं० 3018/2-श्रतः मुझे, जी० के० पंडया

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं० कणजरी, का 264 है तथा जो तार्व श्राणंद में स्थित है (भौर इसमे उपावड श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, भ्राणंद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के 23 फरवरी, 1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरवमान प्रतिफल के लिए कलारित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य,, उसके दूरवमान प्रतिफल से एसे दूरवमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त, निम्निसिखित उद्योध्य से उच्त बन्तरण सिखित में बास्त- (बक्त रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण में हुए किसी नान की नावत अवत व्योध-नियम के नृत्रीन कर दोने के मृत्युक्त के शामित्य में कमी करने ना उद्दे बचने में शृतिया के सिने; जॉर या/
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अल्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्तार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं० श्रमकर प्रा० लि०, श्री भ्ररूण भाई पुरुषोत्तम दास पटेल, नडीयाद।

(भ्रन्तरक)

(2) मै० नडीयाद टफन ग्लास प्राइवेट लिमिटेड, नेयरमैन: श्रीधीरज भाईसोमा भाई, नडीयाव।

(भ्रन्तरिती)

को यह बुधना कारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के अर्थन के स्थि कायवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बच्च किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरो के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वकाकिरणः — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ववा है।

# मन्स्यो

मिलकियत जो कणजरी में स्थित है। जिसका 1 एकड़ 18 गूंठा का कुल क्षेत्रफल है।

> जीं० के० पडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, ग्रहमवाबाद

तारीख: 22-9-1984

प्ररूप बाह्र ही. एम. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारतं बरकाव

कार्यासय, सहायक वायकर वायुक्त (निराक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अष्टमदाबाद, दिनांक 22 सितम्बर 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 3019/11——अतः मूझे, जी० के० पड़ाया,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राध्मिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बन्जार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी से टीं० पीं० स्कीम नं० 3 ओ० पीं० ने० 253 हैं तथा जो अमद में स्थित हैं (और इससे उताबस्न अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित हैं), रिजस्ट्रीकिर्ता अधि-यारी के कार्यालय, आणद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-2-1984

का पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूर्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल में, एसे दूर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अतरकों) और अंतरिती (अतरितियों) के बीच एमें अतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलित उद्देष्य से उच्त अंतरण सिचित में बास्तिक रूप से अधित नहीं किया नया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियस के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एमी किसी आय भा किसी बाय अस्य आस्तिका का जिल्हा भारतीय अध कर राष्ट्रांत्रम कर विकास किसी विकास किसी विकास किसी विकास किसी का प्राप्त कर किसी किसी भाकर विकास किसी क्यारा प्रकट नहीं किसी गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में क्रिया के लिए;

नतः भवा, उच्त अधिनियम की धारा 269-ग के नन्सरण मी, मी, उच्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के सधीन निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् क्र-- 1 श्री युसुक भाई अहमद बोरा आणंद्

(अन्तरका)

2. श्री दिशीप कुमार जणभाई पटेल 7 ए०, रिव सोसायटी, आणंद।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन क लिए कायबाहियां करता हु।

डक्स सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबध्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का महन्य ।

स्थव्हांकरण:--इसमा अयुक्त शब्दा और पदा का, ओ उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया हैं।

# बनसूची

मिलकत जो आणंद में स्थित है जिसका टी० पी० एस नं० 3 ए० है और फा प्लाट नं० 253 है जिसहा कुल क्षेत्रफल 4448 चौ० मीटर है।

> पी० है० पंड्या सक्षम प्राधिनारी सहायक भ्रायकण भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज II, प्रहमदाबाद

तारीख: 22--9--1984

## प्ररूप आह<sup>4</sup>. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्पना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, जहनदाबाद

अहमदाबाद, दिनाः 22 सितभ्बर 1984

निदेश यं० पी० आए० नं० 3020/H—अतः मुझे, जी० वें० पर्यंग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

अोर । जसकी सं० 7.44/1+2+3 है तथा जो जाणद में विश्व हैं (और इसर उपाबक अनूसूची में और पूर्ण रूप से विश्व हैं), जिल्ड्रोकर्ता जिल्ड्रोकर्ता जिल्ड्रोकर्ता कि व्यक्तिया, आणद में रिजिस्ट्रीकरण अधि नियम, 1908 (1908 प्रा 16) के अधीन, तारीख 18~2~1984

को प्वेंकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रूरयमान प्रितिकाल के लिए अहरित की गर्ड हैं और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे रूर्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अन्तरका) और अंतरिती (अतिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्त- विक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंतरणं स हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (६) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय अधकार, अधिनियम, 1922 (1952 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) को अधीत, निम्नितिसित व्यक्तियों, अधित :---

- (1) श्री मणीबहुन शामलभाई पटेल
  - (2) जनावतीबहन
  - (3) रश्मीकुमार
  - (4) चनश्यामभाई शामलभाई पटेल पावर अटानीं पलानों में।० नडीयाद।

,,

- (2) कमनासरन रणछोड़भाई काश्रीभाई षनश्यामभाई , ,, किरीटभाई ,, ,, विनोद चन्द्रभाई रणछोड़भाई पत्राना, ता० नडीयाद। पी० ए० होल्डर घनश्यामभाई कुबेरभाई पटेल गाव (अन्तरक)
- वांचासनवणी निवासी श्री अवसर पुरुषोत्तम संस्था द्रस्ट, विद्यानगर रोड छान्नालय, आण्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना घारी करके पृश्विक्त सच्यत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त मम्परित के.अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा, मधोहस्ताक्षरी के वास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पव्हीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## **ग्रनुसूची**

मिलकात जो आणंद में स्थित है जिसका न०  $744/1 \pm 2 \pm 3$  है और क्षेत्रफल 13 गू० 41 ची० घर है। सब रजिस्ट्रार, आणंद में ता० 18-2-84 की 706 नंबर पर रजिस्टर्ड की गई है।

जी० के० पड़ेगा ं मक्षम प्राधिवारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख: 22--9-1984

प्ररूप भार्चः टी. एन. एस्.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमधाबाध, दिनांक 22 सितम्बर 1984

निदेश सं० पी० आर नं० 3025/11—अतः मुझे, जी० ने० पंड्या.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25.000/- रह. सं अधिक है

और जिसकी संव आणंद सव नंव 1363 है सथा जो आणंध सीध में स्थित है (और इमसे उपाबंड अनुसूर्वा में और पूर्ण रूप से बणित है), रिजस्ट्रीवार्ता अधिकारी के कार्यालय, आणंध में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-2-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के वीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने के अन्तरक को बागिरय में कमी कर्नो या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन न्दर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

बतः बदः, उक्त अधिनियम की धारा 269-य क बनुसरण भा. मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अभीग, धनमनिचित्त व्यक्तियाँ, अधीत् ∷—  मै॰ अलुकापुरी को॰ ओ॰ हा॰ सोसायटी श्री जयभारती मारेनभाई पटेल, आणंध।

(अन्तरक)

2. मैं० अतक्षापुरी को० आ० हो० सोसायटी, जयेशभाई सरसा रजनी कान्त शाह, सारसा बाजार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कायवाहियां करतः हो।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी अयिक्तयों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकारो।

स्पच्छीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्तः अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

### नमृत्यो

मिल्कत जो आणद में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 591.37 चौ० मी० और 241 चौ० मी० है। रजिट्रार आणद में 455 नंबर पर मा० 14-2-84 को रजिस्टर्ड की गई है।

जी० के**० धंड**या सक्षम प्राधिकारी स**ह**्यक अध्यक्त प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-ग्रा, अ**ह**मदाबाद

तारीख: 22--9-1984

मोद्द 🚜

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नभीत सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 सितम्बर 1984

निवेश सं० पी० आर० नं० 3022/11—अतः मूझे, जी० के० पंडया,

भायकर सभिनिवस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वणात् 'उक्त अधिनियस' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० 155/9 है तथा जो चकलासी ता० आणंद में स्थित हैं (और इ.स.से उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आणद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-1-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उभित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान इतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उभित बाजार बृल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पत्थह प्रतिकत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के मिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उसके अधिनियम के अधीन कर देने ुके अन्तरक के खबिरच में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को सिक्; आर्ट्र/बा
- (च) एसी किसी बाय वा किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त मधिनियम बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किया स्विभा के लिए;

नतः अव, उक्त अभिनियन की भारा 269-ग के अनुसरण बाँ, बाँ उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, अथित हु---  श्री कन्भाई गोरध नभाई देसाई और अन्य, देसाईवागो, नडीयाद।

(अन्तरक)

श्री मनुभाई शेख;
 अलकापुरी,
 नडीयाद।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यगाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर अक्स स्थावर सम्पत्ति में हित-- बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटकीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस सध्याय में दिया गया हाँ।

## अभूत्यी

मिलकत जो चकलासी में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 1517 ची० मी० है और सं० न० 155/9 हैं।

> जी० के० पाइया सक्षम प्राधिकारी सह।यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 22-9-1984

मोहर ।

41-30 6GI 84

# मुक्य बाइ .टी.एन.एस. -----

नायकार मधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के नुधीन सुमना

#### बारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयक्त आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-Ш, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 सितम्बर 1984 निदेश सं० पी० आर० नं० 3023/II—अत मुझे, जी० के० पंडया,

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार भृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी प्लाट नं० 3688, सं० नं० 71 है जो सिद्धपुर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, सिद्धपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-2-1984

की पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल को लिए बन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके क्षयमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्विध्य से उक्त अन्तरण सिक्ति बै वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बावत उक्त वॉचिनियम के ज्योग कर दोने की सम्तरक के बायित्य में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के किए, बॉड/बा
- (क) एंसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविभा के किए;

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथात्:--

- 1. (1) श्री मणीलाल शीवराम पटेल
  - (2) श्री जीवरामभाई शीवराम पटेल
  - (3) श्री मगनलाल शिवराम पटेल उन्जा।

(अन्तरक)

- 2 (1) पटेल दशरथलाल ग्रम्धाराम ग्रीर ग्रन्य, सुजाणपुर
  - (2) पटेल काशीराम हरगोदनदास, क्योरा।
  - (3) पटेल रामभाई मीरारदास, साक्षरजाग।
  - (4) पटेल मणीलाल करवनदास, राजपुर-सिद्धपुर चिला महसाना। · (अग्तरिसी)

को बह सूचना चारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के वृत्रन् के किए कार्यवाहियां करता हूं।

्वक्त सम्मृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासोद्ध-- ,

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वों कर म्यास्त्र में से किसी न्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवत्र्य किसी बन्य व्यक्ति व्वाय अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकोंगे।

स्यच्छीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दी और पर्दों का, जो उक्त विधिनियम के वध्याय 20-क में वृरिभाविक हैं, बहू अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नदा है।

### जन्त् ची

मिलकत जो सिद्धपुर में स्थित है जिसका स० न० 71 है और कुल क्षेत्रफल 37 गूंठा है। सब रिजिस्टार सिद्धपुर में 159 नम्बर पर ता० 18-2-84 को रिजिस्टड की गई है।

> जी० के० प्रया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जून रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख 22-9-1984 मोहर प्ररूप मार् : दी. एन\_ एस . -----

भागकर मिथिनयस्त 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन स्वना

### शारत सरकार

कार्यालयः, सहायकं भायकंद्र भायुक्त (निर्देशिका)

अजन रेंज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 सितम्बर 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 3024/II—अतः मुझे, जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 33, नोर्थू नं० 2213 है तथा जो कलोल में स्थित है (और इससे उपाबक्क अनुसूची मे और पूण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलोल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तर्रय से हुइ किसी जाय की वायत उपत अधि। निवम में अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी कर्म या उस्से अचने में स्निधा के लिए। बीर्/वा
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के तिए;

 श्री रणछोड़दास भाईचन्य दास पटेल शेरथा, ता० गांधीनगर।

(अन्तरक)

 डा० किरीटकुमार अजलाल पटेल, कलोल।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी कर्के पूर्वीक्त स्म्यत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उथत सम्पत्ति के वर्षन की सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिकां पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्रीकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिविवस, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, अक्षेत्र अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### पग् प्राप

जमीन जो कलोल में स्थित है जिसका प्लाप्ट नं० 33 है और नोथ नं० 2213 है और कुल क्षेत्रफल 525.44 चौ० मी० है।

> जी० के० **पंड**या सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज-II, ग्रहमवाबाष

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसूरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तिसीं अर्थात् ह्य--

तारीख: 22-9-1984

मोहरः

प्रकथ आहें.. दी, एन... एस...-----

श्रायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269~व (1) के ध्रधीन सूचना

#### श्रारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाव, दिनांक 22 सितम्बर 1984 निदेश सं० पी० आर० नं०3025/II—अतः मुझे, पी० के० पंडा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाख 269-च के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मस्ति, विसका उचित बाबार मून्य 25,000/- एउ. से अधिक है

और जिसकी सं० 1995/51 है तथा जो महेसाणा में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, महेसाणा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-2-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) वन्तरण से हुई किसी नाव की नावत बक्त विश्व हिनदम के व्योग कर देने के बन्दरक के शियत्व में अभी कहने वा बत्तसे वजने में सुविधा में सिए; ब्रह्मिना
- (क) ऐसी किसी आव वा किसी वन ना अन्य आस्तिकी को जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, डिपाने में सुविधा खें सिए;

वतः जब उक्त अधिनियम का धारा 269-व को अनुसरक को, की, अवत अधिनियम की धारा 269-व की उपभारत (1) को अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—-  श्री भानुशाली शान्ता बैन गोविदभाई विवेकानद सोसाबदी, महैसाणा।

(अन्तरक)

2. श्री भानुशाली रामजीभाई तेजपाल थाणा, सम्बद्ध।

(अन्सरिती)-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन की सिंह कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप 💵 📲

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्यार;
- (च) इस ज्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच कें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहत्साक्षरी कें गस सिचित में किए था सकी गै।

### नग्वरी

जमीन जो महेसाणा, विवेकानन्द सोसायटी में स्थित है जिसकी स० नं० 1995 है। सब रिजस्ट्रार, महेसाणा में 370 नम्बर पर ता० 6-2-1984 को रिजस्टर्ड की गई है।

पी० के० पंडा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 22-9-1984

प्ररूप आई ु द , एत , एस . - - ---

# नायकर मिनियम्, 1961 (1961 का 43) कर्षे भाडा 269-म (1) के नभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 सितम्बर 1984 निदेश सं० पीर आर० नं० 3026/II-अतः मुझे, पीर के० पंड्या,

जायकर विभिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त विभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं 1995/37 है तथा जो महेसाणा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, महेसाणा में रजि-स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-2-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके स्वयमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से किथित महीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से शुद्द किसी जाव की शावत उक्त जीभ-नियम के बधीन कार दोने के अन्तरक के शायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीद्र/वा
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ जन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के जभीन् निम्निः विक्ति व्यक्तियों मु अधीत्:-- श्री शारदा बेन लालजीभई भोजक,
 छिपवादे,
 ता० महेसाणा।

(अन्तरक)

 मनहरलाल गोपालवास नायकः, महेसाणा।

(अन्तरिती)

कौ यह सुबना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्णन की सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वाम के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वें पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धींकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विषय गया है।

# नगुसूची

जमीन जो महेसाणा में स्थित है जिसका सं० नं० 1995/37 है, और कुल क्षेत्रफल 87.22 चौ० मी० है। सब रिजस्ट्रार, महेसाणा में 376 नम्बर पर ता० 7~2-84 को रिजस्ट्राई की गई है।

> भी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रेंज-४, अहमदाबाद

तारीख: 22-9-1984

# प्रकप् जार्द ्रो एप एप ान्यानामध्यानाम

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत बरकांड

कार्यालयः, सहायक आयकर् आयुक्त (निर्देशिक्)

अनर्जं रेंज-II, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 22 सितम्बर 1984 निदेश सं० पी० आर० नं/II——अत मुझे, जी० के० पंडया,

शायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिमकी सं० 130/1/9 है तथा जो सिक्कपुर में स्थित है (और इससे उपाबब अनुचनी में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिध्यपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-2-84

को पृथिक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुमें यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके छ्यमान प्रतिफल से, एसे छ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) जन्तरण संहुद किसी जाव की बावत । उचन विधिनवम के वृथीन कर दोने के अन्तरक खे वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा से किए; अदि/वा
- (क) एती किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था,, कियाने में सविधा को लिए।

अतः अस , उक्त अधिनियम की भारा 269-म की अपुसरण में , में , उक्त अधिनियम की भारा 269-म की अपभारा (1) के अधीन , निम्निलिखत व्यक्तियाँ , जर्मात् क्ष्म

 श्री नूजीभाई बाबूभाई मोमीन और अन्य, सिद्धपुर, डायमङ सोसायटी।

(अन्तरक)

2. श्री सतपाल मंगलवास सूद और अन्य गोविन्य भाषवनगर, सिकपुर।

(अन्तरिती)

का वह स्वता जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्षन के तियु कार्यवाहियां करता हूं।

बक्त तम्पृत्ति के वर्षन के तम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राष्ट्राण में प्रकाशन की तारी ब्रु से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, बो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों करा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित्स में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उत्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वृद्धी वर्ध होंगा को उस अध्याय में दिया ग्या

# नगृत्यी

जमीन जो सिद्धपुर में सं० नं० 130/1/37 पर स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 2 और 13 गुंहा है। सब रिज-स्क्रार सिद्धपुर में 140 नंबर पर ता० 10-12-84 को रिजस्टर्फ की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारी**ख:** 22-9-1984

प्ररूप बाई.टी एन एस .-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजीन रेंज, प्रहमदाबाद

**प्रहमदाबाद, दिनांक** 25 सितम्बर 1984

निर्वेश सं० पी०म्रार०नं० 3028/U—यतः मुझे, जी० के० पंड्या,

आमकर विधिनियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके पश्चात् 'उन्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विध्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित विसका उचित् बाबार मृश्य 25,000/- के से विधिक हैं

भीर जिसकी सं० सयाजीगंज है। तथा जो बडौदा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजत है); रजीस्ट्रीकर्ता श्रिषकारी के कार्यालय, बडौदा में रजीस्ट्री-करण ग्रिधिनियम; 1908(1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 18 जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास कर ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिज्ञात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निज्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के सामित्य में कमी करने या उससे वचने में सविधा के निए; बीड/वा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्त आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्त विभिनियम, या जनकर विभिनियम, या जनकर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः वय, उक्त विधिनयम की भारा 269-ग के वनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अधीत्:-- (1) श्री छगनलाल मायालाल पटेल, बडोदा, भकोटा रोग।

(श्रग्तरक)

(2) श्री महेन्द्रकुमार फुलाभाई पटेल, बी॰ बडौदा, चेतन सीसायटी।

(ब्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यजाहियां करता हूं।

# उन्त सम्परित के नर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोप ह---

- (क) इस स्वाग के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाग की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वोच्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यादा;
- (च) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में द्वित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिचित में किए वा सकेंगे।

#### मग्स्पी

मिलकत जो सायाजीगंज बडीवा में स्थित है, जिसका संबनंब 475-बी/2 है श्रीर चेतन को-श्रोपरेटिव सोसायटी रजिस्ट्ररी में ग्रायी है। सब रजिस्ट्रार बडीवा में 1444 नंबर पर तारीख 28-2-1984 को रजिस्टर्ड की गई है।

> जी०के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीख: 25-9-1984

प्रकप् बाइं. टी. एन्. एस.. ----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्वा

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-II, ध्रहमदायाय

श्रहमदाबाद, दिनांक 25 सितम्बर 1984

निर्देश सं० पी॰ग्रार० नं०  $3029/\Pi$ —यतः मुझे, पी॰ के॰ पंडया,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्थात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रविधकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट है तथा जो बडौदा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बडौदा में रजीस्ट्रीकरण श्रधिनियम; 1908(1908) का 16) के श्रधीन दिनांक 10 फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण किखित के शास्त्रिक रूप से किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जान की वान्त, सन्त जभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के स्वीयत्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री रावजीभाई सामलभाई पटेल, बडौदा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सुखाडि, प्रभुताल सुखाडिया, मयामलगंज रोड, वडीवा।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मस्ति के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, खों भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक कें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरणः इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, को अवत नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अ्षे होगा को उस अध्याय में दिया नेया हैं [8]

#### प्रमुख्यी

मिलकत जो बडौवा कस्वा में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, बडौवा में 8684 नंबर पर फरबरी 1984 में रिजस्टर्ड की गई है।

> जी०के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जम रेंज-I<sup>I</sup>, **शह**मवाबाद

बतः बद उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थीन ह

तारीख : 25-9-1984

प्रकृष बाइ'. टी. एन्. एत.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 25 सितम्बर 1984

निर्देश सं० जी० ग्रार० सं० 3030/II—यतः मुझे, जी०के० पंडया,

नायकर निर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'छक्त निर्मित्यम' कहा गया है"), की भारा 269-च के निर्मान सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से निधक हैं

मौर जिसकी सं० बी 17, भागीरथ सोसायटी है तथा जो निजामपुरा बडेंदा में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है); रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, बडौदा मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिलांक 7 फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह धितशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्) और अन्तरिती (अन्तरितियार) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देष्यों से उक्त अन्तरण लिसित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आप की बाजउ, उत्तर किमिन्यम के अधीन कर बोने के अन्तरक क बायित में कभी करने या उसस अभन में सूर्षिका के निए; बीट्/बा
- (क) एसी किसी जाय या किसी भग या अन्य बास्तिकों को जिन्हों भारतीय जाय-कर जिभिनेत्रभ, 1922 (1922 का 11) या उक्ता अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ जन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भी स्विधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीतः, निम्निसिस व्यक्तियमों, अर्थात्:——
42—3051/84

(1) श्री पनालाल छगनलाल मोदी, जानी गोरी, धडीयाली पोल, बर्डीदा।

(अन्तरक)

(2) श्री शंकरराव जेरम जासुद, छानी नाका, बर्डेदा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र से प्रकाशन की नारीस से 45 दिन की अवधि या तत्प्रस्वनंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हां, के भीलर पूर्वों कर स्थानतवाों में से किसी व्यक्तिय द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्त व्यक्ति इतास अधिहस्ताक्षरी के पास चिखित में निष्णु अस्तिकंगी।

स्यद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुस्ची

मिलकत जो निजामपुरा, बडोबा में स्थित है। सब रिज-स्ट्रार, बडोबा में 879 नंबर पर तारीख 7-2-84 को रिजस्टर्ड की गई है।

> जीं० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज~II, भ्रहमदाबाद

तारीख: 25-9-1984

मोहर ∄

प्ररूप बाई .टि.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

**प्रह**मदाबाय, दिनांक 25 सितम्बर 1984

ं निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० 3031/11—यतः मुझे, जी० के० पंड्या,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

25,000/- र. सं अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 412, सं० नं० 20-41 है।
तथा जो सयाजीगंज, बड़ दा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध
धनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है); रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बड़े दा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम;
1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 17 फरवरी 1984
को पूर्वोक्त संपत्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्त का उचित बातार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितयों) है जिएसे अन्तरण के लिए तय पाया गया ग्रीनफल निम्नलिखित है दृश्यमें उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक
रूप से किथित किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधालें लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात्:---

(1) श्री दीपकसिंह शरदचंड चवान, सयाजीगंज, बडोदा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री नवनीतलाल मनीलाल पारीख, शरद श्रपार्टमेन्ट, सयाजीगंज, बडौदा।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त रुम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुस्धी

प्लैट जो सयाजीगंज, बडौदा में स्थित है। सब रिजस्ट्रार बडौदा में 1201 नंबर पर तारीख 17 फरबरी 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहीयक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख : 25-9-1984

प्ररूपः बार्दः, टी. एतः एतः ----

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के नधीन भूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजेंन रेंज-II, प्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 1 प्रकट्बर 1984

निदेश सं० पी०ग्रार० नं० 3033/एक्यू 23/II/84-85--यत: मुझे, जी० के० पंडया',

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मरित का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी संव वार्ड नंव 3, नोघ नंव 821 है। तथा ओ सूरत में स्थित है (भौर इससे उपावद्ध अनुमूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम; 1908(1908 का 16) के श्रिधीन 3 फरवरी 1984 /

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अतरक (अतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे जतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिसित में बास्तिविक रूप से अधित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अस्तार नियम नियम (वास प्रकट नहां किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—— (1) सतमुखलाल जेठालाल ग्रौर अन्य, नानपुरा, सूरत ।

(भ्रन्तरक)

(2) मरीयमबीबी साहेब सयदाना ग्रीर ग्रन्य, जाम्पा बाजार, सुरक्ष।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पन्ति के अर्धन के लिए कार्यवाःहरां शुरु करता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकी।

स्पव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, सो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# वन्स्ची

प्रापर्टी को सूरत में स्थित है जिसका वार्ड नं० 3 है। सब-रिजस्ट्रार, सूरत में 903 नं० पर तारीख 3 फरबरी 1984 को रिजस्टर्ड की गई है।

> जी ० के ० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीख: 1-10-1984

प्ररूप वार्ड. ट<u>ी.</u> एन<sub>ः</sub> एस<sub>...</sub>=---=-

स्रायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन स्थान

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 1 धन्टूबर 1984

आयक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परचात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसको सं० फ्लैट नं० 101, टैक्सटाईल मारकेट है। तथा जो रींगरोड, सूरत सहायक आयकर आयुक्त में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणत है); राजस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय, श्रहमदाबाद में राजस्ट्रोकरण श्रधिनियम; 37 ईई के अधीन 1 फरवरी 1984

कां पूर्व वत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफास के लिए अंतरित की गई है और मुर्फे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, अके द्रयमान प्रतिफाल स, एसं द्रयमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रं क्षयत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तावक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) वितरण वे हुई किसी वाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्यने में सुनिभा के लिए; और/या
- (१) ऐसी फिसां आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्निल्खित व्यक्तियों, अभीतः :—

(1) मैसर्ज संजोव बिल्डसं, सूरत ।

(भ्रन्तरक)

(2) मैंसर्ज एम॰के॰ जरीवाला, 3/2392, सलाबतपुरा, सुरत।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पर्तित के जर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (का) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (था) इस स्पना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वही अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

## अनुसूची

फार्म् नं० 37 ई०ई० जो यह कार्यालय में 1 फरबरी 1984 को पेश किया गया है।

> जो० के० पंडया सक्षम प्राधिकारो सहायक मायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज-II, महमदाबाद

तारी**ख: 1-10-1984** 

मोहर 🛚

प्ररूप आई टी एन एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की; धारा 269-घ (1) के अधीन सुधना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक बायकर बाय्क्त (निर्दाक्षण) प्रज्ञन रेंज-II, प्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनाकः 1 श्रक्टूबर 1984 निदेश स० पी०श्रार० स० 3035/II—श्रत. मुझे, जी० के० पड्या

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा १69-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वाम करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 - र में अधिक है

श्रौर जिसकी म० पलैट न० 94-95, गैंड न०-ए० है तथा जो जी०श्राई०डी०सी०, मून्त में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रमुस्चों में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), राजस्ट्री-कर्ता सहायक श्रायुक्त श्रायकर श्रिधकारों के कार्यालय, श्रह्म-दाबाद में रजीस्ट्रोकरण श्रिधनियम, (37 ई०ई० का 16) के श्रधीन फरवरों 1984।

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि दथापयोंक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अत-रिती (अतिरितियों) के बीच ऐसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अतरण लिखित में पास्तिबक म्प से किश्त नहीं किया गया है :---

- (क) अन्सरण से हुई किसी जाव की बाबत, उत्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अर्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गये। भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री सजय ट्रेडर्स, प्रो०श्रीमती वासुमति एम० गाजीवाला, सूरत।

(भ्रन्तरक)

(2) मैंजर्स सुपर टेक्सटाईल, 122-की, गज्जर चैम्बर्स, रिंग रोड, सुरत।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं हैं 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, धो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में में फिसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्थे क्स्ताक्षरी ये पास लिखिश में किए जा सकीगे।

स्पट्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्क जिमिन्यम के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा ग्या है।

## वन्तुची

फोर्म नं० 37-ईई जो यह कार्यालय में तारीख 21 फरवरी 1984 को पेग किया गया है।

जी० के० पड्या
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 1--10-1984 मोहर: प्ररूप वाइं.टी.एन.एस.-----

नायक द मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में मधीन स्पना

#### भारत सरकार

# कार्यासव, तहायक नायकर नायम्ख (गिराँकाण्) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमसावाद

धहमदाबाद, दिनांक 1 धनतुबर 1984

निदेश सं० पो०झार० सं० 3036/II—-ग्रतः मुझे, जी० के० पंडया

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रापसे से अधिक हैं

ग्रीर जिल्ला सं० शैंड नं० 5-ए०/2, जील्ग्राई०डी० सी० है तथा जो पांडेसर, सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणत है); रजीस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रिजिस्ट्राकरण ग्रिधिनयम; (37-ईई का 16) के ग्रिधीन फरवरी 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एोसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रहें प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण वं हुई किसी नाय की बाबत, उपक अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के निए; चौर/वा
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों का, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ जन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सृतिथा के लिए:

(1) मैसर्ज कोसी-कुला प्राइवेट लिमिटेड, जोगेण्यरी, बम्बई।

(बन्तरक)

 (2) श्री गोपाल इन्टरपाईजेस, श्रार/2, रतन चैम्बर न० 2, मुख्य मार्ग, सुरत।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तरिक्ष से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए घा सकाँगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का., जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

फोर्म नं० 37 ईई जो यह कार्याजय में 9 फरबरी 1984 को पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

जतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-म की जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) व वधीन, निम्नसिकित व्यक्तितीं मर्थात् ३——

तारीख: 1-10-1984

मोहर 🕹

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961. (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- , श्रहमवाबाद

श्रिहमधाबाद, दिनांक 1 श्रक्टूबर 1984

निवेश सं० पी०ग्रार० सं० 3037/II—प्राप्तः मुझे, जी० के० पंडया

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें एसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है')., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्ञास करने का क्रारण है कि स्थायर सम्मिन, जिनका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं कि क्लैट नं 3 दि तथा जो अनजानी टावर्स अंडवा लाईन्स, सूरत में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है); रिजस्ट्रीकर्ता सहायक आयकर आयुक्त अधिकारों के कार्यालय, अहमदाबाद में रजोस्ट्रीकरण अधिनियम; (37 ईई का 16) के श्रधोन फरवरी 1984

को पृत्री पत सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिनियों) के बीच एक अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक एक से किया गया है :--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उत्ता अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे भचने में सुविधा या लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी याय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के निए;

अतः प्रथा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं अक्त आधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) ज्वेलर्स ग्रपार्टमेन्ट,
 को-ग्रोपरेटिय हा० सोसायटी,
 नानपुरा,
 सूरत ।

(भ्रन्तरक)

(1) श्री ठाकोरभाई जी० शाह, 8, किरण एपार्टमेन्ट, न नपुरा, सुरत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूजपत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास द्विश्वित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पौरभाधित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है.

#### अनुसुची

37 ई॰ई॰ का फार्म जो यह कार्यालय में 24-2-84 में पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया संक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज-II, झहमदाबाद

तारोख : 1-10-1984

मोहरः

## प्ररूप आहें.टी.एन.एस -----

भायकर आंधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहाय्क आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 1 ग्रक्टूबर 1984

निवेश सं० पी०श्रार० सं० 3038/II--श्रतः मुझे, जी० के० पडया

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का आरण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 124/1, ब्लीक नं० 169 है तथा जो सचीन, सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण का से वीणन है); रजिस्ट्रोकर्ना सहायक श्रायकर श्रायकत श्रीधकारों के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रोकरण श्रीधिनयम; (37ई०ई० का 16) के श्रश्लीन तारीख 24/2/84 को पूर्वेक्त संपत्ति के जीचत बाजार मृल्य से कम के ध्रयमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विध्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिक (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिक में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; आर्र/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) है अभीन, निम्नीनिधिन स्थितियों, अर्थात्:---

(1) श्री परवाज जमशेदर्जा सकीन, स्रत ।

(भन्तरक)

(2) सीदोमोहसद रजाखान, मजुरा गेट, सुरत ।

(बन्तरिती)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी ज्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भविष्य बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्धीकत क्याक्तयों में से किमी क्याक्त द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फोर्म नं० 37 ईई जो यह कार्यालय में तारीख 24 फरवरी 1984 को पेश किया गया है।

> जी० के० पडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 1-10-1984

प्रकृष् बाइ . टी. एन्. एस ,-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन स्पना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 29 सितम्बर 1984

निवेश नं० पो० ग्रार० नं०  $3039/\Pi$ —ग्रत मुझे, जी० के० पढंया

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पठचात 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित साजार मृस्य 25,000/- रा. में अधिक है

श्रोर जिसकी संव बंगला नंव 2, जयगंगेशर कोव श्राव मोव है। तथा जो सुरत में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रोर पूर्ण क्य से विणित है); रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, सुरत में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम; (37 ईईका 16) के श्रीचा 28 फरवरी 1984

को प्वांक्त सम्पन्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मृत्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वांक्त सम्पन्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक है से से स्वार्थ है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए, और या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिर्दा द्दारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने भें निवास के निरा,

शतः अव, ज्वत अधिनियम की धारा 269-म के अन्यरण में, में, ज्वस अधिनिय की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।——
43—306G185

(1) श्री मुरेन्द्रभाई ठाकोरभाई कगाडिया मुरत ।

(धन्तरक)

(2) श्री हेमलता**बे**न उमेद्यसिन ठाकारे वराच्छा रोड, सुरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुई।

#### जनत संपत्ति के वर्जन संबंध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाबन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्षत स्थावर सम्बन्ति में हितबब्ध- किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः —-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया हैं।

## अमुस्ची

मिलकत जो बराच्छा रोड, सूरत में स्थित है। सब राजस्ट्रार सूरत में 1564 नंबर पर नारीख 28 फरबरी 1984 को राजिस्टर्ड को गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारा सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-17, जहफदाबाद

तारीख: 29-9-1984

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस.,-----

भायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुभना

## भारत सरकार

कार्यालय, महासक आयकर आस्वत (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाइ 29 सितम्बर 1984

निदेश सं० पी० आप० नं० 3040/II---अन: मुक्षे, जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)। (जिसे इसमें इसके परकान् 'उदत अधिनियम' कहा गया है), की धारा '269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों की यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य '25,000'-एउ. में अधिक है

और जिसमी सं 1231, वार्ड न 1 है तथा जो नानपुरा, सूरत में म्थित हैं (और इमसे उपाबद्ध अनुसूकी में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिष्टिश निर्मा अधिवाशी के कार्यालय, सूरत में शिक्टिश रण अधिनियम. (37 ई ई का 16) के अधीन, दिनांव 28-2-1984,

को पूर्वोक्त सुस्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेवित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नतिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण निचित में बास्तिमिक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) बलारण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त ऑफिनियम के अधीन कर बन के अउरक के दासिल्य में कभी करने या उससे बचने में मुखिशा के निष्: और/वा
- (ख) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उत्तर अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीत, हिन्द्र विभिन्न व्यक्तियों अधीत् (1) श्री मनाजरे निरीतीनांग ताचे अति अस्या, नानपुरा, सूरल ।

(अन्त्रवः)

(2) श्री माणेजनात विराधो जातत . सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 विन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीन से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्पिक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस सूचना की राजपत्र में अकाशन ट्यों कारीय में 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकींगी।

स्पष्टीकरण :---इसमे प्रयुक्त शब्दी भीर पदों का, जो उक्त जीभीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, नहीं अर्थ होगा औं उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनस्ची

मिलकत जो नानपुरा, सूरन भे स्थित है। भव-रिजस्ट्रार, सूरत में 1606 नम्बरपर दिना २ 21-3 81का रिनस्टर्डकी गई है।

भीकि ते**० प्रा**या भाग प्रति भागी गडायण स्थाग प्रतिस्थ (स्थिक्षण) अर्थन केट II, प्रतम्बाबाद

विनोप : 29·9·19**8**4

मोहर

प्रस्प आ**र**ं. ट्री. एव . युस् , -----

भायकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमवाबाद

अहमदाबाद, दिनाझ 29 सिसम्बर 1984

निवेश सं० पी० आर० म० 3041/॥ -- अतः मुसे, जी० के० पश्या,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 व के ज्यान तालम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु., से अधिक हैं

और जित्तकी संव प्ताट कर 21, तीलम कोरुओरहार सोसायटी, सूरत है। तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजन है), रिजस्ट्रोक्त अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रोक्टरण अधिकियम, (37 ईईका 16) के अधीन, दिनांक 21--2-1984,

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उपित बाजार भूल्य से कम के सम्यान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूवाकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के गैच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफान, रेगमितिशत उपदेश्य में उपत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण संसूर्य किसी आय की वावत, उपत् अधिनियम का अधीन पार दोने के अन्तरक भी शिपत्थ में कमी कारने या तससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों का जिन्हों भारतीय आयकार आधीनयम, 1922 (1922 का 11) या अवत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तिरती द्यारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सूनिभा के निए;

 श्रीमती निर्मलाबेन प्रकाश बेन भाई पटेल नटराज अपार्टमेंट, सुरत ।

(अन्तरमः)

(2 श्री राजाराम प्रसम्नदवन पारेख आठवा लाईन्स, सूरत ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यनाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप हिन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश स 45 दिन की अमीभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की लगीभ, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीशर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियाँ
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पाका करना: — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उनता अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसक गया है।

# अनुसूची

मिलकत जो सूरत में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, सूरत में 1367 नम्बर पर दिनौक 21-2-84 को रिजस्ट हैं की गई है।

> जी० के० **पंदया** सक्तम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-II, अहमदाबाद

अक्षः अधः, उक्तः अधिनियम का धारा 269-ग के वनुसरकः भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् ह----

दिनांक : 29-9-1984

प्रकल बाहरे, टाँ. एन. एस..----

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### शारत जरकार

# कार्यासय, सहायक मायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 29 सितम्बर 1984

निदेश सं०पो० आर० नं० 3042/II---अतः मुझे, जी० के० पंडया,

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहां गया हैं), की धारा 269 क अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० जमालगोर नवसारी है नथा जो नवसारी में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजय है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रिजस्ट्रीकरण अधिकियम, (37 ईई का 16) के अधीन, दिनांक 22-2-84,

को प्वंक्ति सम्पत्ति के जीवत बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बंबह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अविकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में बास्तिक हम से किथत नहीं किया गया है ;—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर बने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

शत: सम, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री अहमद ईताव जोगी और अन्य नवसारी।

(अन्तरक)

(2) श्री हतमुखलाल चिमतलाल जानी, के/आफ रमणलाल डी० पंडया, नवसारी ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

### उन्त संपरित के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जों भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, यो भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रणुक्त शक्षी और क्ष्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ हारू। या तम अपाय में क्षिणः गया है।

#### मन्स्ची

मिनकत जो जमालपोर नयतानी मे स्थित है। सब-राजिस्ट्रार नवसारी में 468 नम्बर पर ना० 22-2-84 की राजिस्टर्ड की गई है।

> ाो० क० पडवा ाक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेजि—II, अहमदाबाद

दिनांक : 29-9-1984

प्ररूप भाइ . टी. एन. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्पना

#### माहर परकाड

भार्याजय, सहायक भायकर वाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 सितम्बर 1984

निदेश सं० पी० आर० सं० 3043/∏,--यतः मुझे जी० के० पंडया,

वायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमे इसके पश्चात् 'अक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाबार मृस्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 46, हिस्सा नं० 2 प्लाट नं० 12, 13, 14 है तथा जो भीलाङ ता० पारशी में स्थित है (और इससे उपायक्ष अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्द्रीवर्ता अधिकारी के कार्यालय, पारबी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक्ष 14-2-1984

को पूर्वित्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के उर्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई हैं जीर मूझे यह विद्यास करने का कारण हैं कि यथापूर्विक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एते दृष्यमान प्रतिफल का नन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरिक (अन्तरका) जीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिबत उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है :~~

- (क) अन्तरण स हुइ किसी नाय की बाबत उन्त अधिन नियम के अधीन कुद दोने के नन्तरक के बायित्व में कमी करने या छतले जवने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिमाने में सूविधा के लिए;

अतः अव, उक्त जिथिनियम, की भारा 269-ए के वमुसरण मं, मं, अक्त अभिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिसिस अमुक्तियों, अभीत् ह— (1) श्री अतिल वामन वासवपार, वस्वई—92 ।

(अन्तरक)

(2) श्री भारमल लोका, बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं. 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-क्ष्म किसी जन्य व्यक्ति युवारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्थब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम्, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याद में दिया गया है।

## मन्स्यी

मिलकत ओ भीलाड, ताठपारकी में स्थित है सब रिजस्ट्रार, पारकी में 215, 217 नम्बर पर ता० 14-2-84 को रिजस्टर्क किया गया है।

> शी० के0 पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निगीक्षण) अर्जन रेंज−।।, अहमदाबाद

दिनांक : 29~9-1984

मांहर 🛭

प्रकृप नाइ . टी. एन. एस. ----

नायुकार आधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के नधीन सूचना

#### MINE HYENY

कार्यालम् , सहायकः आयकार आय्वतः (निरोधण) अर्जन रेज-II, आश्रम रोड, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांः १ शिलम्बर 1984

निवेश सं० पी० आर० नं० 3044/।।---अतः मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर बिनियम, 1961 (1961 का 43) (श्विम इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धार 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उच्चित बाजार मृत्य 25,000/-रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 46, हिस्ता, भोलाइ है सं० तथा जो ना० पार ही में राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 14 -2-1984,

की पूर्वितत संपरित के उपित माआर मृथ से कम के दब्यमान अतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथाप्वींकत संपत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल के, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह मितात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिसित में सास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण सं हुन् किसी बाय को बन्तर, उबल बिधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के साबित्य में कमी करने या उद्दर्श वकन के सुविधा के निष्ठ; बीर/या
- (क) एसी किसी भाग या किसी भग या अन्य अस्तियों को भिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गुमा भा या किया जाना जाहिए था, स्थिनने में सुविक्षा के लिए।

कतः अब उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भाग 269-भ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात ह—-- (1) श्री अनील वामन वासवकर बम्बई ।

(अन्तरक)

(2) मे० टैक्पटाईल इण्डस्ट्रीज । शम्बर्ड ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्पन के सम्बन्ध में कीई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस स्थान के राजपश्रमें प्रकाशन की सारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहरताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, बहु अर्थ होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

मिलकत जो भीलाइ ता० पारधी में स्थित है। सब राजिस्ट्रार, पारडी में 218 से 221 नम्बर परता० 14-2-84 को राजिस्टर्ड की गई है।

> जीं० के० पांडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-॥, अहमदाबाद

विभाग : 29-9-84 मो**हर्ज ॥**  The Contract of the Contract o

# प्रकल काइ दी. एन् . एस . ....

कारफर ऑपल्यक्स, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-व (1) के बारीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय. सहायक जायकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II आश्रम रोड अहमवाबाद अहमदाबाद, दिनाक 29 सितम्बर 1984

निवेश सं० जी० आ२०२० ३०४5/॥---अनः सुझो, जी० के० पंडया

भागक्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्यात (उपत अधिनियम) कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने अप्र कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रो से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 44, 43, 41, 45 म० नं० 46 है। तथा जो भीला हता । पारेडी में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनेंसूची में और पूर्ण स्प ने बांगत है) रिजस्ट्री उत्त अधिकारी के कार्यालय पारडी में रिजस्ट्री करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाल 14-2-1984

को पूर्वों कत सम्पत्ति के जिनत बाजार मृह्य से कम के स्वयमान प्रितिफल के और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का जीवत बाजार मृह्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ए'से स्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिश्तिल उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) उत्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त शिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्यायित्व में कमी करने या उसमे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐनी किसी आय या किसी धर्म या अस्य जारितयों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा ने लिए:

अन् ४२ १३ विधिनियम की धारा २६९-ग के अनुसरण
 भी, भी, उन्तत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
 अं प्रधीन निम्नितिषित व्यक्तियों, अर्थाट :----

(1) श्री अनिल नामन वासवकार। निनोद आर० पंचाल बोरीबली वम्बई।

(अन्तरका)

(2) मं० फाईन फाईबर्स क्वीन्स रोड बम्बई ।

(अन्तरिंसी)

को यह स्थाना भारी करके पृत्रिक्त अधिस्त के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविश्व या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों घर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जांभी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्व की व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वादा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवास में किए का सकें में।

स्यव्योकरण:---इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, जो उपसे . अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषि हैं, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिए ग्या हूं।

#### ममुस्ची

भिलक्ष को की लाइ मारु पारकी से स्थित है। सब-रिजस्ट्रार पार**ही में 238 से** 241 जम्बर पर तारु 14-3-84 की रिजस्टर्ड की गयी है।

> जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिनारी नहायवः आयवार जासुका (निरीक्षण) र्जनरीज-11,अहमदाबाद

विनोक † 29~9~84 मोहर ३

## प्ररूप बाइं. डी. एव. एच.-----

भायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के नभीन सुमृता

#### भारत सहस्रह

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, आश्रम रोड अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 सितम्बर 1984

निदेश सं० जी० आर० न० 3046/एक्यू०-23/II/84-85-अत, मुझे, जी० के० पंडया

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी स० 46 हिस्सा नं० 2 है। तथा जो प्लाट नं० 37, 36, 35, 34, 39, 40, 42, भीलाड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णस्थ से विणत है); रिजस्ट्रीकर्रा अधिनारी के नार्यात्य पारशी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांग 14 फरवरी 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरफ (अन्तरकों) और अन्तरिक्य (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, जिम्मिलिक उद्वर्षिय से उच्छ अन्तरण किला मां वास्तिक रूप से किथा नहीं किया नवा है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नायत, उक्त आधारियम के वधीन कर दने के अन्तरक के वायित्व में कसी करने या अवने व्यव में पृथिया के निए; बार्/ना
- (थ) ऐसी किसी जाय या किसी धन या बन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-किन आर्थानयम. 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिये था, किया में सविभा के सिए;

अतः अध, अकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को. मी, उकत अधिनियम की भारा 269-ग की अधुभारा (1) को अधीन, निस्मलिखित अधिवतयों, अधीत्ः— (1) श्री विनोद आर० पचाल बम्बई ।

(अन्त्र्व)

(2) मैं० दागा फाईबर्स प्रा० लि० सम्बर्दाः

(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उत्कत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्यक्षीकरणः — इसमें प्रयुक्त अन्यों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

## जन्स्ची

मिलकत जो भीलाड में स्थित है । सब रजिस्ट्रार पारकी में 231 से 237 नम्बर पर ना॰ 14-2-84 को रजिस्टर्ड की गयी है।

ी० के० पडरा एक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनारत 29 -9**-198**4

मोहर

प्रकृष आहे. टी. एन्, एस.----

भारतकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्मान

#### शारत् सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-II, आश्रम रोड अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 29 सितम्बर 1984

निदेश और आर. नं 3047/। ----एक्यू 23/II/84-85 अतः म्झे, और के व्यंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी मं० 46 हिस्सा नं० 2 प्लाट नं० 24 से 25 है। तथा जो भीलाइ ना० पारडी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्णरूप से विधिन है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के भाषांत्रय पारडी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीत दिनांक 14-2-1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरिति की गई है और मभो यह विद्वास करने का कारण है कि

यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण सं हुई किसी जाय की वायत जनत जिभिनियम को जभीन कर दोने के अन्तरक की वासित्य से कमी करने या उसने जलने में सविभा को लिए; भीर/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी भन या जन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया यवा था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के सिक्;

बंद श्रंब, उक्त विधिनिक की घारा 269-श की जनसरण के, में उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :——
44—306GI/84

(1) श्री अनिल वामन वासवकर बम्बई ।

(अन्तरक)

(2) मैं० शीया ट्रेडिंग कार्पोरेशन वस्त्रई ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्मिति के अर्थन के सिध कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में करेड़ों भी बाक्षोप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारी वा में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किस जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, सहीं अर्थ होगा जो उत अध्याय में दिया गया है।

#### मन्सूची

मिलकत जो भीलांड में स्थित है। गब-रजिस्ट्रार पारङी में 225 से 229 नम्बर पर ता० 14-2-84 को रजिस्टर्ड की गयी है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज -III, अहमदाबाद

दिनांक 29-9-84 मोहर: प्रकप बाह्र : दी. एत : एत : -----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, आश्रम रोष्ट, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 गितम्बर 1984

निदेश सं० भी ० आए० नं० 3048/एक्यू० 23/II/84-85---अतः मझे, जी० के० पंडया

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० आफिस नं० 426 अन्जता सॉपिंग नेण्टर है तथा जो सूरत सहायक अध्यक्षर आगुक्त में स्थित है (और असमे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीवर्ता अधिकारी के बार्यालय अहमसाबाद में रिजस्ट्रीकरण

अधिनियम 37ईई का 16 के अधीन दिनांक 8-2-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यां नय बसवनगृडि में धारा स्ट्रीकृत किया गया है और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके ख्रयमान प्रति-फल का पंत्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिस्त उद्विष्यों से अक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उत्तर जिभिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; जीर/या
- (ह) एसी किसी गय या किसी धन या अन्य शास्तियों की, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिराी द्वारा प्रकट गृही किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा की लिए;

(1) मै० शान्ती शिल्डमें, रिगरोष्ट, सूरत ।

(अन्तरक)

(2) श्री रमेश कुमार मालपानी रिंग रोड, सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह स्चना आरी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए-कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीच से 45 दिन के भीगर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्धध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पक्रीकरणः — इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो जबस अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मा दिया गया है।

अनुसूची

3 7ईइ का फार्म परकायिनय में ता० 18-2-84 को पेश किया गया है।

> जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

कतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को अनुसरण को, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---

বিলাক: 29-9 84

प्ररूप कार्ड . टी . एन . एम . ~~~~~~

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, आश्रम रोड, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनाक 29 मितम्बर, 1984

निदेशनं पी० आर० नं० 3049/एक्यू 23/II/84-85---अत: मुझे, जी०केट पंडया,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इस ने अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह निध्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मून्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आफिन नं० 625 है तथा जो रिंग रोड, सूरत सहायक आयक्षर आयुक्त में स्थित है (और इसमें उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है); रिजस्ट्रीक्स अधिकारी के दार्थालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 37ईई का 16 के अधीन, दिनांक 18-2~84

कारे पूर्वोक्त सपरिस के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकास के लिए जन्तरित की गई है और मूक्षे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से एसे दृश्यमान प्रतिकाल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा कें सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अप्तः अवः उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण आ\*, अ\*, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों अर्थात् ≟— (1) मैं ० शान्ती बिल्डर्स, जजन्ता टैक्सटाईल, मूरत ।

(अन्तरक)

(2) श्री अशोक कुमार तिथवाला, हा**ब**डा, कलकर्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

## अवतः सम्परित में अर्थम् के सम्बन्ध में श्रोई भी बाक्षपे?--

- (क) इस स्थाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं नर्थ होगा, जो उस सध्याय में विया गया है।

## वन्त्यी

फार्म नं 37ईई जो यह कार्यालय में पेश किया गया है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- , अहमदाबाद

दिनोक : 29-9-84

मोहर 🛭

# प्रकृष बार्ड, डी. एन. एस.-----

# भारत विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के नभीन स्वना

#### नारत ररकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, श्राश्रम रोड, ग्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 सितम्बर 1984

निदेश सं० पी० श्रार्० नं०  $3050/\Pi$ —श्रतः मुझे, जी० के० पंड्या,

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रहन से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं श्राफिस नं 429 है तथा जो श्रजन्ता, शापिंग सेण्टर, सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है); रिजस्ट्रीकर्ता सहायक ग्रायकर श्रायुक्त श्रीकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 37ईई के श्रीविन दिनांक 18-2-84

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करों का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्प्रीत्त का उचित बाजार मून्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिग्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ।

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के जन्तरक के श्रीयत्व में कमी करने मा उससे बचने में स्विधा से लिए; क्रीर/बा
- (च) ऐसी किसी भाग मा किसी भन या अन्य जास्तियों की, जिन्ही भारतीय मायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था जिपाने में सुविधा जी निए;

नतः व्यव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1)

हो मधीन, निय्नसिवित व्यक्तियाँ, अर्थात ह----

 मे० शान्ती बिल्डर्स, सूरत ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री क्रिज रतन तपारिया और श्रन्य पोस्ट—नोखा, जिला—वीकानेर ।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचन। बारी करके पृशाँक्त सम्मत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत् बुम्पील के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकर्ण

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के नध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा जो उस वध्याय में दिया नया है।

### नग्रुची

37ईई का फार्मयह कार्यालय में ता० 18-2-84 की पैश किया गया है।

> जीं ० के ० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-II, भ्रष्टमवाबाद

विनाक : 29-9-84

मोहरः

पकर शही ११ (स्व एस . ------

बावकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुवना

#### HISE COURS

कार्यासय, सहायक मायकर मायुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज, -II ग्राश्रम रोड, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 29 सितम्बर 1984

निदेण सं० पीं० ग्रार० नं० ३०५1/П—श्रतः मुझे, जीं० के० पंडया,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का आरण हं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य २१,000/- रा. से अधिक है

प्रार जिसकी सं प्राफिस नं 424 है तथा जो सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से बिणत है), रिजस्ट्रीकर्ता सहायक श्रायकर श्रायुक्त ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 37ईई के श्रिधीन, दिनाक 18-2-84,

को पृथों क्स सम्परित के उिचत बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापृजों क्त संपर्ति का उिचत बाजार मृत्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, होसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्त निम्नलिखित उद्विष्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्त-

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाय की नावत, उक्त विभिनियम के सभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसते वचने में मध्यभा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अधिनियम, विश्व के प्रयोजनार्थ अन्तिरित वृत्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया पत्ना पाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हु--- (1) मे० शान्ती विल्डर्स, सूरत ।

(भ्रन्तरक)

(2) सुरेशकुमार मालयानी सूरत ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिल्क कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्स सम्पत्ति को कर्जन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, जे भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकी।

स्वव्यक्तिरणः—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को अवव्य अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभाजित हैं. वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्यस्थ

फार्म नं० 37ईई पर कार्यालय में ता० 18-2-84 की पेश किया गया है ।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-11, ग्रहमदाबाद

दिनांक : 29-9-84

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस. - - -

नायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 भ(1) के जभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज्—ा।, आश्रम रोड, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 5 ग्रन्तूबर 1984

निदेश संज पी० श्रार्वा उ052/1---श्रतः मुझे, जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमें इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विदेशास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० वार्ड नं० 9,641 है तथा जो नवसारी में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 18-2-84

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेंश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की वाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय अयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

बतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) हेमन्तकुमार बाबूलाल गाह श्री उमेश बाबूलाल गाह, टावर के पास, नवसारी ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ग्रयेसा ईन्नाहिम कोला, लाजपुर, ता० चोर्यासी जिला-सुरत ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक से .45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमे प्रयाकत शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

## अनुसूची

मिलकत जो नवसारी में बोर्ड नं० 9, ब्लाक नं० 24 पर स्थित है। सब रिजस्ट्रार, नवसारी में 436 नम्बर पर ता० 18— 2—84 को रिजस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

विनांक : 5-10-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
प्रर्जन रेज—II, भ्राश्रम रोड, श्रहमदाबाद
श्रहमदाबाद, दिनांक 5 अक्तूबर 1984

निदेश सं० जी० श्रार० नं० 3053/11—श्रतः मुझे, जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकार् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी स० 219, ब्लाक नं० 510, है तथा जो जि० भरुच मे स्थित है (स्रीर इसमें उपावक श्रनुसूची मे स्रीर पूर्ण-स्प से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, ग्रकलेश्वर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक 23-2-84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा वायित्व के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

(1) वीपक मेटल इण्डस्ट्रीज । गुरत ।

(ग्रन्तरक)

(2) टी॰ एम॰ टैक्सटाइल भ्यारच । जिला---भक्ष ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधितियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिया गया है।

#### अनुसूची

मिलकत जो खरच, जि० भरुच में स्थित है। सब-रिजस्ट्रार, श्रंकलेश्वर में 341 नम्बर पर ता० 23-2-84 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज--11, ग्रहमदाबाद

दिनांक : 29-9-84

## प्रकृष ब्राइं. टी. इन. एस. ------

# भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)
भ्रार्जन रेंज-II, भ्रहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 5 अक्त वर 1984

निर्देण मं० पी० श्रार० नं० 3054/II—यतः मुझीः जी०के० पंडया,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का है अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह निक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित; जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० टी० पी० एम० 5 है तथा जो सूरत में स्थित है (श्रौर इसने उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णम्प में विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता सहायक श्रायकर श्रायुक्त श्रिधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में 37ईई के श्रधीन दिनांक 13-2-1984

की पूर्वेक्स संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रसिद्धल को लिए अन्तरित की गई है और अन्ते गई विश्वास करने का फारण है कि सभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित आचार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच सुसे अन्तरण के सिए तम पामा गमा प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के वास्तिक क्य से कथित नहीं किया गमा है:---

- (क) अन्तरण संहुदं किसी बाय की बाबत, उक्त मधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी कर्रणे वा उससे वच्छी में सुविधा के लिए; बीर्/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 1!) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपान सँ सुविधा के सिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा-269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—— (1) श्री विण्यास चन्द्रनाल पटेल, पूना ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जगदीशचन्द्र द्वेवाभाई पटेल, गोपीपुरा, मुरत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संगत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप .

- (क) इस स्वना के राज्यव में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों कर सूचना की तामील से 30 दिन की खब्धि, जां भी मन्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित बुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्भ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विकास में किए जा सर्कांगे।

स्वव्यक्तिरणः इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, वो उनत व्यथितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित-हैं, वहीं अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिशा गया है।

#### नन्त्यी

फार्म नं० 37ईई जो इस कायलिय में 13-2-84 को पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रज्न रेंज–II, ग्रहमदाबाद

दिनांक : 5−10−84

प्ररूप आई.टी.एन.एस------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-!! ग्रहमवाबाद

अहददाबाद, दिनांक 5 अवतूबर 1984

निर्देश सं० पी० म्नार० नं० 3055/ — यतः मुझे, जी०के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ष्मौर जिसकी सं० 194 छापरा है तथा जो ता० नवसारी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 28-2-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके हरयमान प्रतिफल सं, एसे हरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निखित में वास्तिक क्ष्म से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्या था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्री मोहम्मद इक्राहीम बारगु नवसारी ।

(ग्रन्तरक)

(2) एमं० बी० पोलिशिंग वर्क्स, बम्बई ।

(ग्रन्तरिती

को यह सूचना आरी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्व से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मिलकत जो छापरा में स्थित है जिसका स० नं० 194 है। सब-रजिस्ट्रार, नवसारी में 568 नम्बर पर ता० 28-2-84 को रजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिश्वित व्यक्तियाँ, अर्थात्:—

45---306GT/84

विनांक: 5-10-1984

मोहर 🖫

# अरूप काई, टी., एन., एस.,- - # ----

# भायकर जभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-च (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11 आश्रम रोड, श्रहमदाबाद

• ग्रहमदाबाद, दिनांक 5 ग्रक्तुबर 1984

निदेश मं० पी॰ श्रार० नं० 3056/—II—श्रतः मुझे,, जी० के० पंडया.

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम शाधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० बोर्ड नं० 11, नोंध नं० 2442 तथा 2443 है तथा जो सूरत में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनांक 16-2-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है ।

- (क) जनतरण से इन्हें किसी बाय की वाबत, उक्त वृधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अं प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सविधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण जो, जो, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) शाम मिनोप्या खानसाहेब सूरत ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विद्युल केशवलाल शाह, सुगम सोसायटी, सूरत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हु।

जनत सम्पत्ति को भर्जन को सम्बन्ध में कार्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों ।र सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थिकत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

# अनुसूची

मिलकत जो सूरत में स्थित है। सब-राजिस्ट्रार, सूरत में 1263 नम्बर पर ता० 16-2-84 को राजिस्टर्ड की गयी है।

जीं० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज-II, ग्रहमदाबाद

दिनांक : 5-10-84

प्ररूप मार्च .टी . एन . एस . ------

# नायकार निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) की भाउर 269-म (1) के नभीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 अक्तूबर 1984

निदेश सं० पी०आर० 3057/II---अतः मुझे, जी० के० पंड्या

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- उ. से अधिक है

25,000/- हर से अधिक हैं श्रीर जिसकों सं बार्ड नं 3, नोंध नं 105/बी, 106, 107, 108 है तथा जो सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपा-बद्ध अनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है); रजास्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय, सूरत में रजोस्ट्राकरण अधिनियम; 1908 1908) का 16) के अधान तासीख 17 फरवरी 1984 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का उचित्त बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान श्रितफल से एसे दृश्यमान श्रितफल का पन्त्रह श्रितकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रितफल निम्नसिचित जब्द स्थ से उक्त बन्तरण निम्नसिचित चंद देश से उक्त बन्तरण निम्नसिचत नहीं कि वा गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय का वाबत, उक्त शिवय के अधीन कड़ दोने के बसारक के दाधित्व में कनी कड़ने ना उत्तर व्यूने में वृत्तिभा के सिए; नोर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन था अन्य नास्तियाँ को, जिल्हें भारतीय जायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिर्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, जिलाने में सुविधा के सिए?

अतः, अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री बो॰एस॰ अग्रवाल, सूरत।

(अन्तरकः)

(2) श्रा बल्लभभाई एम०, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथानत संपत्ति के नर्धन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वासेंच :---

- (क) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की वर्वांध, को भी वर्वांध वाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के वास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हरू बिधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## मन्त्र ची

मिलकत जो बार्ड नं० 3, सूरत में स्थित है। सब-रजिस्ट्रार, सूरत में 1284 नंधर पर तारीख 17 फरवरी 1984 को रजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पं**डवा** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज- , अहमदाबाद

नारो**ख**: 5-10-1984

# भ्र**रूप कार्ड**्ट<u>ी.</u> एत . एस . ------

भागकर मांभनियम, 1961 (1961 का 43) का भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर गायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज <sup>II</sup>, अहमदाबाद . अहमदाबाद, विनाक 5]अक्नूबर 1984

निदेश म० पो०आर० 3058/ ~-अतः मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रु. से अभिक है

ग्रौर जिसको सं० टोका न० 93, 4609 है तथा जो लुन्सीकुई, नवसारो में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाधद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणिन है) रजोस्ट्रोकर्ता अधिकार। के कार्यालय, नवसारो में रजेस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13 फरवरो 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रूश्यमान प्रतिफल के पन्सूह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उथत अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाता चाहिए था, लियाने में सुविधा के लिए:

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, विकासित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) बैंक औफ वड़ोदा डो० आर० डाब्रू द्रस्ट नवसारी ।

(अन्तरक)

(2) मजदा एस्टेट फाईनान्स लिमिटेड, नवसारी।

(अन्तरिती<del>')</del>∡

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यधाहियां करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 बिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उभत स्थायर संपत्ति में हितबद्धप किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उसस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## ननुस्ची

मिलकत जो लून्सकुई, नवसरी में स्थित है। सब रजिस्ट्रार नवसारी में 397 नंबर पर तारीख 13 फरवरी 1984 को रजिस्टर्ड की गई है।

> जी ० के ० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज- $I^{I}$ , अहमदाबाद

तारीख: 5-10-1984

प्ररूप. नाइ. टी. एन. एस्., - - - -

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 अकट्बर 1984

निदेश मं० पी०आर० 3059/II—अतः, मुझे, जी० के० पंडया

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं जमीन 9 एकड़ 18 गूठा हैं। तथा जो सोनाली, बगोडोया, जिला बड़ौदा में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में बणित है); रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बाबोडीया में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 था 16) के अधीन 1 फरवरी 1984

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एंसे रूपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिग्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशित उद्देश्य से उभत अन्तरण लिखित में बालाबिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वोने के अम्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; अहिः/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

सत: सम्, उत्थल मि.ेनमम, की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त मधिनियम की धारा 269-म की जाधारा (!) के मधीन, निम्नलिकिस स्पिक्समें स्वीद्ध क्रिक्ट (1) बसोर ए० मेमन, नपरा, नहसील वाघोडोया।

(अन्तरक)

 (2) मोहमद पुनुस हाजीलतीफ, संचालक धरतीनगर कोग्रोपरेटिव हाउसिंग सोसायटी, केयर श्राफ लक्ष्मी स्टुडियी, वडीदा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या ततस्म्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्विभित्यों में में कि की व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्यव्हीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

#### नग्स्ची

जमीन जो धरतीनगर को०श्रो० हा० सोसायर्ट। बड़ौदा में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 10 एकड़ 34 गूंठा है।

> र्जी०के० पंडया गक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, अहमदाबाद

नारीख: 5-10-1984

प्ररूप नाइ<sup>क</sup>. टी., पुन., पुस., ------

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन स्वना

#### भारत चरकार

# कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 5 अक्टूबर 1984

निदेश सं० पो०आर० 3060/11--अतः मुझे, जी० के० पंडयाः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पहचास 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), अने भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसको स० जमोन 10 एक, सनोलो मे है नथा जो तहसील, बाघोडीया, जिला बडौदा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है); रजोम्ट्रीकरण अधिकारों के कार्यालय, बाघोडाया में रजोस्ट्रीकरण अधिकियम 1908(1908 का 16) के अधीन तारीख 1 फरवरी 1984

को प्रांधित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से-कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्तींकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरका) और अंतरिती (अतिरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के यायित्य में कमी करने या उससे बजने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (क्ष) एमी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- अन्य अधिनियम, या धन- अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अने प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

(1) श्रा मयूर जयन्तालाल, श्रो नवीन चंद्र दह्याभाई, गणपतपुरा, तहसील वाषोडीया,

(अन्तरक)

(2) धरतोनगर को०भ्रो० हा० सोसायटा, संचालक अब्दुलरजाक हाजीलतीफ 110 लक्ष्मो स्टूडियो, बडौदा।

(अन्सरिती)

को यह स्चना जारी करके पृथींयत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन कर समय मा कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति दवारा अथाहरूनाक्षरा के पाम सिसास में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-- इसमे प्रयुक्त कब्दो और पदों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### **गन्स्**ची

जमीन जो धरतीनगर, को०म्रा०हा० सोसायटी जो बडौदा में स्थित है, जिसका कुल क्षेत्रफल 10 एकड़ 34 गूंठा है।

> जी०के० पडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-II, अहमदाबाद

तारीखा: 5-10-1984

## प्रकप नार्द्रा, दी. एन. एस.------

नासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीत सुचना

#### भारत सरकार

# कार्धांक्रय, सहायक कायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहनदाबाद, दिनाक 5 अक्तूबर 1984

निवेश स० पा०आप्र०न०  $3061/\Pi$ ——यतः, मृझे, जी०के०पड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु से अधिक है

श्रीर जिसको म० 14 एकड, 34 गूठा है नथा जो सनाली तहमाल बाघोडोया में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजीस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बाघोडोया में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1 फरवरी, 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अतरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिचित उक्चेश्य से उक्त अन्तर्ण शिचित में नास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई िकसी आय की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के तिय; नौद्र/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1907 (1922 का 11) या उक्त आधिनियम भा बन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान मा सिद्धा के सिए;

अत अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-घ के अन्धरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) अधि विम्लिनियम व्यक्तिस्यों अर्थात् :-- (1) बसीरभाई ए० मोमन, गवोनचद्र डाह्याभाई पटेल, गणपतपुरा, तहमोल वाघोडोया।

(अन्तर ४)

(2) सप्रालक—-श्रः अञ्चलमजीद हाजा लसीफ, धरतीनगर को०-ग्रो०ह्ना०मो०लि०, बडौदा।

(अन्मरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मस्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य स्थावत व्वारा भंभोहस्ताक्षरी के वास जिल्हा में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिका गया और

#### वनुसूची

जमीन जो धरतीनगर को०झो० ह० मोसायट। द्वारा लक्ष्मी स्टुडिया बडौदा में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 14 एकड़ 33 गूठा है।

> जी० के० पडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-11, अहमदाबाद

तारीख 5-10-1984 मोहर : प्ररूप जार्ह. टी. एन. एस. -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-[1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, धिनांक 5 अक्तूबर 1984

निर्देश सं० पा०आर० नं०  $3062/I_{I}$ —अतः मुझे, जी० के० पं**ड**या,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहच्चे 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का भारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उच्चित वाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 11 ऐफड़ 11 गृंठा—स्तोलो है तथा जो तहसील बाधोडोया; स्थित है (ग्रीर इससे उपाग्रद्ध अनुसूचा में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है); रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बाघोडोया में रजोस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1 फरवरो, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह यिष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अतिरती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तारण सं हुई किसी नाय की वावत, उक्त जिभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; जौर/या
- (का) एसी किसी आय या किशी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अधितः :--- (1) श्रं। नवे नचन्द्र डाह्याभाई पटेल, गणपतपुरा, तहसील वाघोडीया।

(अन्तरक्)

(2) संचालकः श्री—णानित्तालाल डाह्याभाई पटेल, गणपतपुरा, द्वारा लक्ष्मी स्टुडियो, तहसोल वाघोडोया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियां में से किमी व्यक्ति द्वास;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

# **अनुस्**चीं

जमान जो धरतीनगर को०-मो०हा०सो० लि०, में स्थित है, जिसका कुल क्षेत्रफल 11 ऐकड़ 11 गूंठा है।

> जा० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 5-10-1984

प्रकल कार्युः दी , एत , एस , = - - ----

नायकर निधित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नधीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 11,आश्रम रोड, अहमदाबाद अहमदाबाद, विनाक 5 अक्तुबर 1984

निदेश सं० पी०आर०नं० 3063/11---अत, मुझो, जी० के०पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 6 एकर 12 गूंठा, सनोली है। तथा जो तहसील वाघोडीया में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है); रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, में रजीस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन वाघोडीया।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्षयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विवशास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे छ्यममान प्रतिफल का पन्दक्ष प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण छे लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निसित्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) करारण से हुई जिसी बाब की बाबता, उक्त बीधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें कचने में मिसिभा के लिए कोड/बा
- (क) ऐसी किसी अय वा किसी धन या अन्य आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के सिए:

मत: मब, उक्त मधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिस व्यक्तियें अधीन, निम्निलिस व्यक्तियें अधीन, निम्निलिस

(1) श्री वसीर अहमद मेमन, नवानवह दहीयाभाश्री पटेल, गनपतपुरा, तहसील वाघोडीया।

(अन्तरक)

(2) श्री धरतीनगर को०स्रो०रा०मी०, मुख्यसंचालक : जवाहरभाग्री दहीयाभाश्री पटेल, गनपतपुरा, तहसीस---वाघोडीया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पित्त में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन जो घरतीनगर को०ग्नो०रा०सो० में स्थित है जिसका कुल क्षेत्र ल 6 एकड़ 12 गूंठा है।

> जी ० के ० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज 11, अञ्चमदाबाद

तारीख: 5-10-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्थाना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज 11, आश्रम रोड, अहमदाबाद

अहमवाबाद, विनांक 5 अक्तूबर 1984

निदेश सं० परे०आर०नं० 3064/11—अतः, मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुट. से अधिक है

ग्रीर जिसको स० जमीन धरतीनगर को०ग्रो०सो०रा० लि०, गनपतपुरा है। तथा जो बडौदा में स्थित है (भीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है); रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वाघोडीया में रजीस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908) का 16) के अधीन 13 फरवरी 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अक्टिरितियों) के कि एस अन्तरण के सिए एस पाया गमा प्रतिफल, निम्नकिखित उद्देश्य से उस्त अक्टरण लिखित में बास्त-विक रूप से कांचा की स्थान में बास्त-

- (क) अन्तरण स तुई किसी पाण की अध्यत चनत यक्ति-शियम के सक्षीन कर देने के अन्तरक के सामित्व में कभी करने या लखसे बचने में सुविद्या के लिए। पीप/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतियध के लिए;

- (1) श्री भोमाभाग्री कान्तीभाग्री, सनोलो, तहसीस वाघोडीया। जिला बड़ौदा (अन्तरक)
- (2) श्री नवीनचन्द्र डहीयाभाग्नी पटेल, भै/ग्री० लक्ष्मी स्टुडीयी, बडौदा।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पृषाँक्त सम्परितृ को अर्जन् के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय स्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-सव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्यष्यीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्सूची

जमीन जो घरतीनगर को०ग्रो०रा० सोसायटी के नाम पर 12 फरवरी 1984 को दस्ताखत कीया गई है। जो सनोली, तह० वाघोडीया में स्थित है।

> जी० फै० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 11, अहमदाबाद

अतः अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--

तारीख: 5-10-1984

मोे≵र :

# प्रकद कार्च, टी. श्रृ , एत.-----

नायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक आयकर बायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II आश्रम रोड, अहमदाबाद अहमदाबाद, विनांक 5 अक्सूबर 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 3065/II—अतः, मुझे, जी०के० पंडया,

बायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसमें परवाद 'उसत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रूठ. से अधिक है

मीर जिसकी सं ० जैतलपुर, बड़ौदा है। तथा जो वीपमंगल सोसायटो में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण-रूप से विज्ञत है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय, बड़ौदा में रिजस्ट्रोक्ररण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक 10-2-84,

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान इतिफश्च को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास 'करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त संपरित का उचित बाजार सूक्य,, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रति-फस, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (गः) जन्तपुत्र से शुर्द कियों बाद की वायस , कन्नद्र कींचीन्त्रम् के म्पीन् कपु दोने के मृत्युरक से वाजित्य में कमी कपुते या उत्तरे व्यूने में स्वीत्या के निष्: क्ष्रुं/शः
- (अ) एंसी किसी बाय या किसी अभ या बन्य आस्त्यों की, जिन्हें भारतीय बायकार विभिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा के लिए

(1) श्रामता ससोनभाई जयन्ताभाई पटेल सलाटवाड, बडौदा,

(अन्तरक)

(2) श्रो विनोदचन्द्र रामलाल माह ग्रौर अन्य, 2, दिपमंगल सोसायटी, जैतलपुर, बड़ौदा ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना चारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के सर्वन के ज़िल् कार्यवाहियां करता हूं।

उसत सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप है-

- (क) इस स्थान के राजधन में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की जनभिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्पिक्तयों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 जिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

अपकारिकरणः — इसमें प्रयुक्त कान्यों और पवां का, को अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ द्वारेग को उस अध्याय में दिया वस है।

#### अनुसूची

मकान जो दीपमंगल को० घो० हा० सो०, जोतलपुर, बड़ौदा में स्थित है।

> र्जा० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

कतः स्थ, उक्त निर्धान्यम की थारा 269-म के अनुतरम में, में उक्त अधिमियम की धारा 269-म उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिकों, अधीतः :---

दिनोक : 5-10-84

प्ररूप आहुर, टी. एन. एस. -----

आयक्द अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्पना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, आश्रम रोड, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 5 अक्तूबर 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 3066/।।--अतः, मुझे, जी० के० के पंडया,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रत. से अधिक है

ग्रौर जिसको सं० रावपुरा है। तथा जो बड़ौदा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाद्ध अनुसूच। में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है); रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारो के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, दिनांक 8-2-84,

का प्रवोक्त सम्पत्ति के उचित बाज़ार मृल्य से कम के कायमान प्रतिफल के जिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करुमे का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मुख्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, एसे दश्यमान प्रतिकाल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी अगय की बाबत उक्त अधिनियम को अधीन कर धोने के अन्तरक के दायित्व मी कमी करने या उससे बचने मी स्विधा के लिए; नौर/या
- (स) एोसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं फिला गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्री भालटीवे गोपोनाय दातार बम्बई--67।

(अन्तरक)

(2) श्रोमती लीलावती मधुसुदन टेलर बड़ीया ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

# उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति दवारा,
- (क्ष) इस स्थाना को राजपत्र में प्रकाशन की सारी स्थ 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बबुध किसी अन्य व्यक्ति बुवारा अधोहस्ताक्षरी अं पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पड्डीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम . के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अभ्याय में दिया नया है ।

मकान जो रावपुरा, बड़ौदा में स्थित है। सब-रजिस्ट्रार, बड़ीदा में 934 नम्बर पर ता० 8-2-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> जी० कें। पंक्रया प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अतः सम, उक्त लिभिनियम की भारा 269-ग के ननुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)

के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--

धिनांक: 5--10--1984

प्ररूप आई. दी. एन. एस. -----

# नास्कर विधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के वधीन सुणना

### भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II आश्रम रोड, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनाक 5 अक्तूबर 1984

निदेश स०पो० आर० न० 3067/II---अत मुझे, जा० वे० पडया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धार 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करन का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी स॰ वडौदा, कसबा 883-1-908 है। तथा जो बड़ौदा में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुमूच। में प्रार पूर्ण-रूप से विणित है), रजिस्ट्रोक्षर्ता अधिकारी के कार्यालय, बडौदा में रजिस्ट्रोक्ररण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, 7-2-84

को पूर्वोक्त सम्परित से उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित म

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किस आना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के किस

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निमनलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रामता स्नेहलता रमेशचन्त्र शाह, 48 ए दुधेश्वर सोसयटा, बडौदा ।

(अन्तरक)

(2) श्री कन्तीलाल मोहनलाल पारीख जाम्बु, जिला—बडीदा ।

(अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन् के निए कार्यवाही शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अवधि था तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अदिधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्यु स्पर्णिक्तयों में से किसी व्यक्तित दवारा;
- (क) इस सूक्ता के राज्यक में प्रकाशन की सारीय हैं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त विभृतियम के वश्याय 20-क में परिभावित हूँ, वहीं वर्ध होगा थी उस वश्याय में विया ग्या है।

### अमुसुची

मकान जो दुधेश्वर सोसायटी जाम्बु में स्थित है। सब रजिस्ट्रार बड़ौदा में 882 नम्बर पर ता० 7-2-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> जीं० के० पडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-॥, अहमदाबाद

दिनांक : 5-10-1984

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--11, आश्रम रोड, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 अक्तूबर 1984

निदेश सं०पो० आर० नं०  $3068/I_{I}$ —अतः मुझे, जी० के० पंडया,

आयकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इ.समें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269--स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसको सं० बापोड है। तथा जो बडीदा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्राकर्ता अधिकारों के कार्यालय, बड़ीदा में रजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान दिनांक 7-2-84,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उच्चि बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से ऐसे इश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) श्री शांताबेन रामनलाल शाह श्री कुष्णाकान्त अभ्वालाल बड़ौदा ।

(अन्तरक)

(2) श्री धीरजलाल गोविंदलाल ठक्कर 78, दुधेश्वर सोसायटी, बडौवा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन की किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पव्यक्तिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

# यमुसुची

मकान जो बापोड़ गांव में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, बड़ौदा में 8893 नम्बर पर ता० 7-2-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

विनांक: 5-10-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

**अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा** 269-घ (1) के अधीन स्<del>थ</del>ना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, आश्रम रोड, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांफ 5 अक्तूबर 1984

निदेश सं० पी०गाप० नं० 3069/H—अतः मुझी, जी० के० पंड्या.

कायक र अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसको सं० जैतलपुर, बड़ौदा है। तथा जो प्लाट एरिया 277 चौ० मो० में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूचः में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है); रजिस्ट्रंकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रंकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 3-2-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य ने कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय शिवाजीनगर में धारा 269 ए. बी. के बंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मूज/के पास रिजस्ट्रीकृत किया गया है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्तः अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर लिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनस लिभिनियम, या भनकर लिभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियें अर्थात् :-- (1) क्षः विणावती हरिप्रसाद, चिकोर मेन्शन,

(अन्तरक)

(2) श्रोमतो रोटा भंडारो संद्राणो, 16, सूर्यनगर, को० भ्रो० हा० सोसायटी, बडौदा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को वर्जन का लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निर्माल में किए जा एक गं।

स्पर्व्हाकरण: ---- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्वो का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

#### **न**न्स्ची

मकान जो जैतलपुर, बड़ौदा में स्थित है जिसका स० नं० 16 है। सब रिजस्ट्रार, बड़ौदा 1290 नम्बर पर दिनांफ 2-2-84 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> पी० के० पंडया शक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-IJ<sub>E</sub> अहमदाबाद

विनांक : 5-10-1984

प्ररूप बाह . टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्भन रेंज-II, श्रहमदाबाद

श्रह्मदाबाद, दिनांक 8 श्रक्त्वर 1984

निदेश सं० पी० घ्रार० नं० ३०७०/∏----- ग्रतः सुझे, जी० के० पंडया.

आयकर अधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 757, 36472 चौ० मी० है। तथा जो बेहगाम ता० देहगाम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, देहगाम में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनांक 15-2-1984

को पूर्वोक्त समासि के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---\*

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिप्पाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म्य के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म्र की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्रीमती विसलाबेन हीमतलाल देहगाम ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री भ्रजीय कृमार केदारलाल देहगाम ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उवत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूजना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन वो भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है हो

### **अनुस्**चीं

जमीत जो देहगाम गांव में स्थित है जिसका स० नं० 754 है। सब-रजिस्ट्रार देहगाम में 150 नम्बर पर ता० 15-2-84 को रजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) घर्जन रेंज–II, घ्रहमदाबाद

दिनांक : 8-10-84

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

शायकर मिश्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) में मधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेज-II, ग्राश्रम रोड, ग्रहमदाबाद
ग्रहमदाबाद, दिनांक 8 श्रक्तूबर 1984
निदेश सं०पी० ग्रार० नं० 3071/II—ग्रतः मुझे, जी० के०
पंडया.

भायकर आँधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सेक्टर नं० 28 है। तथा जो गांधीनगर में स्थित है (श्रीर इससे उपावड़ श्रनुसूषी में श्रीर पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 24-2-1984

को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यायान म्यातिकल के लिए अन्तिरित की गई है और मुभी यह विश्वास करेने का कारण है कि यथापृत्रोंक्त सम्पित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ्य पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है है----

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दर्शियल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ता अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में बृविभा के सिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात (\*\* (1) श्री बाबूलाल भोगीलाल मेहता वाङीगाम, ग्रहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रमो**षीनीवेन सदन भाउरा**राव निम्बालकर गांधीनगर, प्लाट नं० 492 ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्परित के शूर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकड्रण्:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है। मुद्रा हैं॥

#### जन्सूची

मकान जो गांघीनगर, प्लाट नं० 492 में स्थित है। सब-रिजस्ट्रार, गांधीनगर में 1289 नम्बर पर ता० 24-2-84 को रिजस्टर्ड किया गया है।

तीं० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोंज-, ग्रहमदाबाद

दिनांक : 8-10-1984

मोहर 🛭

प्रस्य बाइ. टी. एन. एम. -----

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च् (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-II, ग्राश्रम रोड, ग्रहमदाबाद
ग्रहमदाबाद, दिनांक 8 ग्रक्तूबर 1984

निदेश सं०पी० म्रार० नं० 3072/II--- प्रत: मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 टा 40) (जिसे ह्ममें हसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह त्रिरनास करचे का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित दाजार प्रत्य 25,000/- रा. से अधिक ही

स्रौर जिसकी सं० जमीन स० नं० 570 है। तथा जो चांदखे हा में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्ननुसूची में स्रौर पूर्णरूप से विजत है) रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर मे रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, विनांक 9-2-1984

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सर्गी को को का कि कि विश्वास करने उसके दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर येने के उत्पारण के दायिस्व में कमी करने या उपसे बचने मा सुविधा के लिए: और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) जे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट रहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा वै तिए ।।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, भें, उक्त अधिनियम को धारा 269 व की व्यंकरण (!) के अभीत. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् म (1) श्री गंगाराम जीणाभाई पटेल श्री बाबूभाई ग्रात्माराम पटेल साबरमति, ग्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री चेयरमेन, चन्दुलाल माधवलाल नारायणकृषा सोसायटी, चांदखेड़ा, ता० गांधीनगर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) .इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो चांदखेड़ा में स्थित है, जिसका कुल क्षेत्रफल . 37 गुंठा है ।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज—II, ग्रहमदाबाद

दिनांक : 8-10-1984

मोहर 🛭

प्रकार वार्षं हो. एन. एस.-- ....-

**बायकर अभिनियम,** 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्चर्णन रेंज—II/,श्राश्चम रोड, श्रहमदाबाद
श्चहमदाबाद, दिनांक 8 श्रक्तूबर 1984
निदेश सं०पी० श्चार० नं० 3073/II—श्चतः मुझे, जी० के०
पंडया.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिने इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कार्ण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार ज्ल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 864, सेक्टर नं० 21 ते तथा जो गांधीनगर में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची म प्रार प्ल रूप से विज्ञत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 24-2-84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दूरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है आर मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मपस्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का प्रकृष्ठ प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के नीच एसे अन्तरण के लिए उथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिंबित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है

- (का) अंतरण से हुन्हें किसी जाय की बाबत, उदश अभिनियम के अधीन कर दोने के अहरक की बायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूचिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का ?7) के प्रयोजनार्थ अतिरिता द्वारा प्रकट नहा किया गरा था या किया जाना शिहए था, छिपान में सुविधा के जिए;

(1) श्री मूलचन्दभाई भगतलाल मिस्त्री ज्यान्ट चौक, मनीनगर ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री श्रजनाल छमनलाल ईगनपुर, ग्रहसदाबाद ।

(अन्तरिती)

धा यस नृष्टना आर। करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप .----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीर सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्विध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन् के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध अर्थि अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में विद्यु आ सकेंगे।

"पट्डांकरण:--इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं. वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मनसंची

प्लाट जो मेक्टर नं० 21, गांधीनगर में स्थित है। सब-र्णजस्ट्रार, गांधीनगर में 1186 नम्बर पर दिनांक 24-2-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> जीं० के० पडवा सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण क अनगरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ल की उपल्यास (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ए—

विभांक : 8-10-1984

प्रारुप बा**र्**., टी., एव., एस.,-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बाय्क्स (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-II, ग्राश्रम रोड धहमवाबाद

श्रहमदाबाद दिनांक 8 श्रक्तुबर, 1984

निदेश सं०पी० भ्रार्०नं० 3074/II—श्रतः मुझे, जी० के० पंड्या,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० सेक्टर नं० 21 है। तथा जो गांधीनगर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूत्री में ग्रौर पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 21-2-1984,

का पूर्विक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त स्रिभिनयम के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में में उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) श्री पीयुषकुमार श्ररविदकुमार पटेल, बडुचराजी, जिला—मेहसाणा ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विजयकुमार खाड़ीदास शाह वडाला, बम्बई—31 ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- ं(क) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सा से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकन।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्धों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया सवा है।

# **ध**न्स्**ची**

प्लाट जो गांधीनगर सेक्टर नं० 21 में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, गांधीनगर में 1164 नम्बर पर ता० 21-2-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जीं० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

विनांक : 8-10-1984

प्ररूप आई. टी, एन, एस,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-ा. ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाक 8 श्रक्तूबर 1984 निदेश सं पी० श्रार० नं० 3075/II—श्रतः मुझे, जी० के० पंडया.

आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० कुंडासन गांधीनगर है तथा जो जि ० गांधीनगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण व्य से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 18-2-1984

फो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्निसिक्षत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित लिखित में वास्तीविक रूप से कथित नहीं, किया ग्या है :—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी आव की शवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; जौर/या
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम या भन कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए.

धतः अन्न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:---- (1) श्री गाभाजी मोहनजी श्री मंगाजी मोहनजी कुंडासण, ता०—गांधीनगर।

(भ्रन्तरक)

(2) बोहरा इण्टरनेशनल स्टूडीयो प्रा० लि० प्रभादेभाई बंसीधर त्रिवेणी श्रपार्टमेंट, नवरंगपुरा, श्रहमवाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

### उक्त सम्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की व्यक्ति या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति को भी व्यक्ति वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यागतः
- (च) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीब बे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए वा सकोंगे।

स्पर्वेकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# प्रनुमूची

जमीन जो कुंडासण ता० गांधीनगर में स्थित है, जिसका कुल क्षेत्रफल 3 एकड़ 3 गृंठा है।

> जीं० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमवाबाद

दिनांक : 8-10-1984

मोहर 🖫

# प्रकृष महाँ हो , प्रमृत प्रमृतकारण

# भागकर भीभीनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के स्थीन स्पना

#### भारत सुरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)
प्रार्जन रेंज-II, ग्राश्रम रोड, ग्रहमदाबाद
प्रहमदाबाद, दिनांक 9 प्रक्तूबर 1984

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3076/II—-ग्रत: मुझे, जी० के० पंडया,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्ं 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25.000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्राकोला स० नं० 87 है। तथा जो बड़ौदा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 16-2-84,

को प्यों क्त सम्पत्ति के उचित याजार मृस्य से कम के ध्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया भया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर विभिनियम के वधीन कर दोने के अन्तरक में दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सृविधा के सिए; बार/या
- (ब) ऐसी किसी बाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनंकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए:

बतः सव, उस्त मिनियम की भाग 269 न के बम्बरम में, मैं, उस्त अधिनियम की भारा 269 न की उपभारा (1) के सभीन, निम्नलिखित स्पवितयों, सभीत :--- श्री राकेण णिवभगवान ग्रग्नवाल
 ग्राम्प्रकुंज सोसायटी,
 बड़ौदा ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री रामलुभाया रामदीयालमल मल्होत्रा मु० कालोल,

जिला-पंचमटाल ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना बारी करके पृशाँकत संपृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास . लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही वर्ष होगा, जो उस मध्याय में विधा गया

#### जनसङ्गी

जमीन जो भ्रकोटा बड़ौदा में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 5372 चौ० फुट है ।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद।

विनोक : 9—10—1984

मोहर 🕴

# प्रकृष बाइं.टी.एन्.एस.------

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नधीन स्वृता

## BIZE EZERS

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज,II प्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद दिनांक 9 म्रक्टूबर -1984

निदेश नं० पी'० श्रार० नं० 3077/Ilभ्रतः मुझे जी'० के० पंडया

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे छुसमें इसके पदभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्सि, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० श्रकीय सं० नं०-87 है तथा जो बडोदा मे स्थित है (श्रीर इससे उपावक श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बडोदा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 फरवरी 1984

को वृजीक्त संपरित के उचित नाजार मृत्य से कम के दश्यमान पितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृश्ने यह निष्वाम करने का कारण हैं. कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित नाजार पृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का अन्तर प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के नीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए बौर/या
- (भ) एसी किसी आय या किसी भने या अन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, पार्क कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) वे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अधाँत :--- श्री पी० भ्रार० अग्रवाल
 भ्रामकुंज सोसायटी
 रेसकोर्स,
 बडोदा ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रशोक रामलाभया मलहोत्रा कालोन, पी० ग्राई० डी० सी० जि० पंचमहल ।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुएं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अवधि था तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी जबिध नाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्धारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विक्रित में किए जा सकेंगे।

स्पर्वेकरणः—इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है अधिनियम के अध्याय 20-क में दिया

# अनुसूची

जमीन जो स्नकोय बदौदा में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 5428 चौ० फूट है।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज II, ग्रहमदाबाद

दिनांक : 9-10-84

मोहर 🛭

### प्रकप बाइंटी. एन. एस.----

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) काँ बारा 269-ध (1) के अधीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना। पटना, विनांक 12 अक्तूबर, 1984

निवेशक सं०  $\Pi^{I_{m}}$ 963/अर्जन/84—85——अप्तः मुझे पी० के० वृत्ते,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मीत्स, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु से विधिक है

और जिसकी मं० खता नं० 30, मौजा धनसार, जिला धनबाद होलिंडिंग नं० 137, वार्ड नं० 16 है, तथा जो धनबाद में स्थित है (और इससे उपात्रद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय धनबाद में रिजिस्ट्रीकरण इधिनियद 1908 (1908 का 16) के इधिन तारीख 13-2-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्नलिखित उख्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक कप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे व्यमें में सुविधा के निए; बीर/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को , जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम , 1922

  (10-2 को 11) या उस्त अधिनियम , या बन-कर अधिनियम , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था , छिपाने में मृविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निस्निलिखित व्यक्तियों, अधीतः : ——

(1) मैं श्वनतार इंघातियरिंग कम्पनी (प्रा०) लिमिटेड 24 नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता

> द्वारा डायरेक्टर श्रं। ग्रजमोहन अग्रवाल वस्य लक्षमी नारायण अग्रवाल,

> > (अन्सरक)

(2) मैं० चान्द्रमत प्रोपरटोज (प्रा०) लिमिटेड 36 इजगरा स्ट्रीट, कलकत्ता द्वारा महेन्द्र कुमार अग्रवाल (अन्तरिती)

कों यह सूचना चारी करके पृशाँक्त मम्पत्ति के वर्जन के क्रिय कार्यवाहियां करता हुं।

### बन्त सम्पृतित् के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियां वर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियां में से किसी व्यक्ति हुवारा:
- (वा) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन को ताराव सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा बधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्पत्किरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बड़ी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया चंचा हैं 1.

### **मन्त्र्यी**

जमीन मय मकान जिस्ताम रक्तवा 64 एकड़ है तथा जो धनसार, जिला धनबाद में स्थित है एवं पूर्ण रूप से बसीका संख्या 1457 दिनांक 13-2-84 में विणित है तथा जिसका जिला खनर निबंधक में पदाधिकारी धनबाद के द्वारा पंजीवृत्त है।

> प्रबोध कु**मार दूवे** सक्षम प्राधिकारी <sup>\*</sup>सहायक खायकर आयुक्त (निरीक्षक) अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख: 12-10-**198**4

भग लोक सवा भाषाग

#### नोटिम

गष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा, मर्द्र, 1985

नर्ड दिल्ली, दिनांक 3 नवम्बर, 1984

सं का. 7/4/84-प -1-(क)—-राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के भल सेना, नौ सेना तथा वाय मेना स्कन्धों में प्रयोग होत्, जनवरी, 1986 से आरम्भ होने वाले 75 वें सत्र के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 16 महा, 1985 से एक पर्रीक्षा आयोजित की आएगी।

इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्सियों की अनुमानित संख्या 300 (थल सेना के लिए 195, नौसेना के लिए 39 और वाय सेना के लिए 66) हांगी ।

विशेष भ्यान — उम्मीदबार को आवेदन पत्र के कालम 7 में यह स्पष्ट रूप से बतलाता होगा कि वह किन सेवाओं - को लिए धरीयता कम में विचार किए जाने का इच्छुक हैं। उसे यह भी सलाह दी जाती हैं कि वह अपनी इच्छानुसार जितनी चाह उतनी वरीय-ताओं का उल्लेख कर ताकि योग्यता कम में उसके रैंक को भ्यान में रखते हुए निय्क्ति करते समय उसकी भरीयताओं पर भनी भांति विचार किया

उम्मीदयारों को ग्यान रक्षना श्वाहिए कि क्षेत्रन उन्हीं सेवाओं पर उनकी नियुक्ति होते विश्वार किया आएगा जिन के लिए वे अपनी बरीयता व्यक्त करते हैं अन्य सेवा या सेवाओं पर नहीं उम्मीदयार द्वारा अपने आवेदन प्रपत्र में पहले निर्विष्ट व्हीयता में विद्ध/परिवर्तम के अनगेध का आयोग स्वीकार नहीं करेगा।

आयोग इवारा आयोजित लिखित परीक्षा तथा उसके बाद सेवा भयन बोड इवारा लिखित परीक्षा में योग्यता प्राप्त उम्मीदवारों के लिए अग्योजित बौद्धिक और व्यक्तित्व परीक्षा के परिणाम के आधार पर उपर्यक्त कोर्स में प्रवेश दिया जाएगा। (क) परीक्षा की प्रणाली, स्तर और पाठ्यक्रमों, (ख) अकादमी में प्रवेश होते शारीरिक क्षमता स्तर तथा (ग) राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रयेश पाने वाले उम्मीदवार की सेवा आदि की सिक्षप्त सूचना के सम्बन्ध में कमशा परिशिष्ट ।, ।। और ।।। में विस्तार से समकाया गया है।

टिप्पणी :---परीक्षा के सभी विषयों के प्रश्न-पत्रों में कैंबल बस्तूपरक प्रश्न ही होंगे । नमूने के प्रश्नों सहित बन्य विवरण के लिए कृपया परिशिष्ट में ''उम्मीदयारों को स्थनार्थ विवरणिका'' दोस लें।

2. परीक्षा के केन्द्र. अगरतल्ला, अहमदाबाद, एंजल, इलाहाबाद, वंगलीर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, चण्डीगढ़, कांचीन, कटक, दिल्ली, दिसपुर (गोहाटी), हदिराबाद इम्फाल, इंटानगर, जयपुर, जम्मू, जोरहाट, कौहिमा, लबनउत, मद्रास, नागपुर, पणजी (गोआ), पटना, पोर्ट ब्लंबर, रायपुर शिलांग, किमला, श्रीनगर, तिरुपित त्रिवन्द्रम, उदयपुर और विशालापत्तनम ।

आयोग विद चाहे तो उक्त परीक्षा के उपर्यक्त कैंक्षों नथा तारीकों में परिवर्तन कर सकता हैं। क्षणि उम्मीत्यारों कैं। उपत परीक्षा के लिए उनकी पसन्द के केन्द्र दोने के सभी प्रयास किए जाए में नो भी आयोग परिस्थितिका किसी उम्मीदवार की संपनी ाजवदार र अदान किन्तू दें सकता है। जिन उम्मीववारों की इस परीक्षा में प्रविध दे दिया जाता है उन्हें समय सारणी तथा परीक्षा स्थल (स्थलो) की जानकारी दे की जाएगी। (नीच पैरा 11) देखिए 1

उम्मीदशारों को ध्यान रखना चाहिए कि केन्द्र में परिवर्तन से पम्बद्ध अनुराध की सामान्यसया स्वीकार नहीं किया जाएगा। जिन्तू जब जिए उम्मीदबार अपने उस केन्द्र में परिवर्तन चाहता है का उसने उक्त परीक्षा होतू अपने आवेदन में निर्विष्ट किया था तो उसे सिचिव, मंघ लोक सेवा आयोग को इस बात का पूरा शीधन्य बतात हुए एक पत्र रिजस्ट डाक से अवस्य भोजना चाहिए कि वह केन्द्र म परिवर्तन क्यों चाहना है। ऐसे अनुराधों पर गूणवत्ता के आधार पर विचार किया जाएगा किन्तू 16 अप्रैल, 1985 के बाद प्राप्त अनुरोधों को किसी भी स्थित में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

### 3 पात्रसा की शर्ते हैं

(क) राष्ट्रीयता ·

उम्मीदनार या लो ---

- i. भारत का नागरिक हो, या
- ां. भुटान की प्रजा हो; या
- til. नेपाल की प्रजाही; या वह
- iv- भारत में स्थायी रूप से रहने के इराव से 1 जनवरी, 1962 से पहले भारत वाया हुआ तिब्बती शरणाथी। हो; या

भारतीय मूल का व्यक्ति हा जो भारत में स्थायी रूप में रहने के उद्देश्य से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका पृत्री अफ्रीकी दोश जैसे कीनिया, उगांडा तथा तंजनिया संयुक्त गणराज्य (भूतपूर्व टांगानिका और जजीबार), जाम्बिया, मलावी, जेरे तथा इथोपिया और वियतनाम से प्रवृजन कर आया हो।

परन्तु उपर्युक्त वर्ग मा, 10 और v के अन्तर्गत आने आला उम्मीववार एसा व्यक्ति हो जिसको भारत सरकार ने पात्रता प्रमाण-पत्र प्रदान किया हो।

पर नेपाल को गोरका उम्मीदवारों को लिए यह पात्रता प्रमाण-पत्र आगर्थक नहीं होगा।

(त) <u>श</u>ाय सीमाएं, लिंग **शार वैवाहिक स्थिति केंद्रल के** ही अविवाहित पूराष उम्मीदवार पात्र है जिनका जन्म, 2 जुलाई, 1967 से पहले का तथा पहली जनवरी, 1970 के बाद का न हो।

टिप्पणी ---जन्म की तारील क्षेत्रल वहीं मान्य होगी जो मीट्र-कुलेशन/हायर-सैकण्डरी या समकक्ष परीक्षा प्रभाग यत्र में लिखीं गर्द हो।

(ग) शैक्षिक योग्यताएं । राज्य शिक्षा शोड या मान्यता प्राप्ट विश्वविद्यालय की हाएँ स्कैण्डरी गरीक्षा या समकक्षा वे उम्मी-इतार थी पात्र है जिन्होंने स्कूली शिक्षा की 10-1-2 प्रणाली जै राज्यकी 11यी कक्षा की परीका गास कर ली है।

एसे उम्मीदवार भी आयेदन कर सकते हैं जिन्हें अभी हायर के कर या सभक्त प्रकार या स्काली (शक्ता की 10 के प्रणाली **में जैतर्गल 11नी परीका पास करने हैं।**  संवा चयन बोर्ड के साक्षारकार में महाता प्राप्त करने काले उम्मीववारों को 27 विसम्बर, 1985 तक अपने मैदिक ने जान एवम् या हायर सैकेण्डरी या समकक्ष प्रमाण-पत्र मूल स्प में सेना-मूख्यालय रिकृटिंग 6 (एस. पी.) (ए.), बेस्ट ब्लाक, 3 जार. के. पूरम, नहीं विल्ली-110022 को प्रस्तुत करने होंगे। एसा न करने पर उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी। एसे मामलों में पहां बोर्ड विश्वविद्यालय के द्वारा अभी तक प्रमाण-पत्र जारी नहीं फिए गए हों, जिक्षा संस्थाओं के प्रधानाचार्य के द्वारा विए गए मूल-प्रमाण पत्र भी जायोग का स्वीकार होंगे। एसे प्रमाण-पत्रों की प्रमाणित सरय प्रतिलिपियां/फोटोस्टेट प्रतियां स्वीकार नहीं की जाएगी।

अपवाद की परिस्थितियों में आयोग किसी एसे उम्मीद्धार को इस नियम में निर्धारित योग्यताओं से युक्त न होने पर, भी शैक्षिक रूप से योग्य मान सकता है बरात कि उसके पास एसी योग्यताएं हो आयोग के विचार में जिनका स्तर, उसे इस परीक्षा में प्रवेश देना उचित ठहराता हो।

टिप्पणी 1 :--वे उम्मीदवार जिन्हें हायर सैकेण्डरी या समकक्ष परीक्षा में अभी अहंता प्राप्त करनी है और जिनकों संघ लोक सेवा बायोग ने परीक्षा में बैठने की अनुमति दे दी हैं, नोट कर लें कि उनकों दी गयी यह विशेष छुट है। उन्हें हायर सैकेण्डरी या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रमाण निर्धारित तारील तक प्रस्तृत करना है और बोर्ड/विश्वविद्यालय परीक्षा के देर से बायों जित किये जाने, परिणाम भोषणा में विलम्ब या अन्य किसी कारण से इस तारील को और आगे बक्काने से सम्बद्ध किसी भी अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जायेगा।

- टिप्पणी 2 :--जों उम्मीदवार रक्षा मंत्रालय द्वारा रक्षा सेवाओं में किसी प्रकार के कमीशन से अपवर्जित हैं, वे इस परीक्षा में प्रवेश के पात्र नहीं हो गे। अगर प्रवेश के विया गया तो उनकी उम्मीदवारी रव्द की जाएगी।
- 4. जावेदन के साथ देय शुल्क क रा. 28.00 (अट्ठाइ से रापए) अनुसूचित जातियों अनुसूचित जनजातियों के लिए रा. 7.00 (सास रापए)]। जिन आवेदन-पत्रों के साथ यह निधारित शुक्क नहीं भेजा जाएगा, उनको एकदम अस्वीकार कर दिया जाएगा।
- 5. शुल्क से छूट:—(1) कायांग, यदि चाहें तो निधारित सुल्क से छूट दे सकता है जब उसको इस बात का आश्वासन हो कि आवेदक भ्रापूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से वस्तुतः विस्थापित व्यक्ति है जो 1-1-1964 और 25-3-1971 के बीच की अविध में भारत में प्रयूजन कर आया था या भृतपूर्व पिष्ट्यमी पाकिस्तान का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है तथा पहली जनवरी, 1971 और 31 मार्च, 1973 के बीच की अविध के बौरान भारत प्रयूजन कर जूका था या वह वर्मा से वस्तुतः प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति है जो 1-6-1963 को या उसके बाद भारत में प्रयूजन कर आया था या वह श्रीलंका से वस्तुतः प्रत्यावर्तित मारतीय मूल कर आया था या वह श्रीलंका से वस्तुतः प्रत्यावर्तित मुलतः भारतीय व्यक्ति है जो अप्तूबग, 1964 के भारत-श्रीलंका समभारतीय व्यक्ति है जो अप्तूबग, 1964 को या उसके बाद भारत में बाया था या अपने वाला है और निधारित शूलक दोने की स्थिति में नहीं है।
- (2) थल सेना के जूनियर कमीशण्ड अफसरों, नान-कमीशण्ड अफसरों तथा अन्य रीकों और भारतीय नौसेना तथा भारतीय वायुसेना के समकक्ष रीकों के बच्चों और यससेना के भृतपूर्व जूनियर कमीशण्ड अफसर, भृतपूर्व नान-कमीशण्ड अफसरों तथा

भूतपूर्व अन्य रोकों और भारतीय नौ सेना तथा भारतीय साम् सेना के समकक्ष रोको के अण्यों को उस स्थिति मे निधारित शुक्क दोने की अरूरत नह, हागी अब वे निम्निलिसित शर्ती पूरी भूर दोते हैं, अर्थात् :---

- (i) वं मिलिट्री स्कूलों (पहले किंग आर्थ के स्कूलों के नाम से ज्ञात) सीनिक स्कूल सोसायटी द्वारा चलाए जा रहे सीनिक स्कूलों में शिक्षा पा रहे हैं, और
- (ii) उनके आवेदन सम्बद्ध स्कूल के प्रिंसिपल द्वारा इस अनुशंसा के साथ अग्रेषित कर दिये जाते हैं कि उनके लिखित प्रश्न-पत्रों में कूल अकों के कम से कम 30 प्रतिशत अंक प्राप्त करने की आशा है।

टिप्पणी:—-मिलिट्री स्कूलों /सैनिक स्कूलों के उम्मीदवारों के सम्बद्ध स्कूलों के प्रधानाचार्यों द्वारा अग्नेषित अवदेन-पत्रीं की संबीक्षा आयोग के कार्यालय, में यह निरुषय करने के लिए की आएगी कि क्या एसे उम्मीदवार उपयुक्त नोटिस के पैरा 5(2) के अभ्रार्गत शुक्त में छूट के हकदार हैं। किन्तु मिलिट्री स्कूलों /सैनिक स्कूलों के प्रधानाचार्यों को अपने स्कूल के बिद्धार्थियों के आवेदन पत्र आयोग को अपने स्कूल के बिद्धार्थियों के आवेदन पत्र आयोग को अग्रोषित करने के महले संतृष्ट हो लेना शाहिए कि वे नोटिस की उक्त ध्यवस्था की बपेक्षाओं को प्रा करते हैं। आयोग प्रधानाचार्यों के कृताकृतों के लिए उत्तरवायी नहीं होगा।

- 6 बाबेदन कैमे किया जाए:—कैंगल राष्ट्रीय रक्षा बकादमी परीक्षा मर्च, 1985 के लिए निर्धारित प्रपत्र में छपे हुए शबंदन-पत्र ही लिए जाएंगे जो इस परीक्षा के नेटिस के साथ लगे हुए हैं। बाबेदन-पत्र भर कर सिश्वन, संघ लोक सेवा बायोग, धौलपुर हाउस, नर्च दिल्ली-110011 को भेजे जान चाहिए। बाबेदन प्रपत्र और परीक्षा के पूरे दिवरण निम्न स्थानों में प्राप्त किए जा सकते हैं:——
  - 1. संख लोक सेवा आयोग के सचिव को भी रुपए मनी-आर्डर या नई दिल्ली प्रधान डाक्कप्ट पर दोग रेखां-कित भारतीय पोस्टल आर्डर द्वारा भेज केंद्र सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धीलपुर हाउस'; नई दिल्ली-110011 के यहां से डाक द्वारा;
  - दो रापए नकद दोकर बायोग को कार्यालय को काउण्टर पर:
  - 3. निकटतम भर्ती कार्यालय, मिलिङ्गी एरिया/सब्यु एरिया मृख्यालय/जाय सीनिक थयन केन्द्रॉ, एन,सी. सी. एकक तथा नौ सेना प्रतिष्ठानों से निशस्का

आवेदन प्रपन्न तथा पावती कार्ड उम्मीदवार अपने हाथ से ही स्याही या बालपैन से भरो। सभी प्रविष्टियां शुक्रो में होती चाहिएं, रेखाओं या बिन्दुओं में नहीं। अधूरा या गलत भरा ह्या आवेदन पत्र रदद कर दिया आएगा।

उम्मीदवार यह ध्यान रहे कि आवंदन पत्रों को भरते समय भारतीय अंकों के अन्तरराष्ट्रीय रूप (अर्थात् 1, 2, 3, आदि) का ही प्रयोग किया जाना है। बाहे माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण पत्र या इसके समकक्ष प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख हिन्दी अंकों में लिखी हो तो भी उम्मीदवार यह स्निविच्यत कर ले कि वह जो आवंदन-पत्र प्रयोग में लाता है उसमें इसकी प्रविष्टि करते समय भारतीय अंकों के केवल अन्तरराष्ट्रीय रूप का ही प्रयोग करे। वे इस बात का विशेष ध्यान रखें कि आवंदन-पत्र में की गई प्रविष्टियां स्पष्ट और स्पाट्य हों, यदि प्रविष्टियां अपाट्य या भामक होंगी तो उनके निर्वचन में होने वाले भूम तथा संविष्टियां स्वे उम्मीदवार उत्तरवायी होंगे।

उम्मीदवारों को ध्यान रसना चाहिए कि आक्षाम् व्यारा आवेषन-पत्र में उनके द्वारा की गई प्रिकिटियों की बरलने के लिए कोई पत्र आदि स्वीकार नहीं किया जाएगा। इसलिए उन्हें आवेषन-पत्र सही रूप में भरने के लिए विशेष सावधानी बरतनी चाहिए।

सभी उम्मीदवारों को आयोग को सीधे आवेदन-पत्र भेजने बाहिए। अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन-पत्र अपने नियोक्ता क द्वारा भेजा हो और वह संघ लोक सेंवा आयोग में दोर से पहुंच तो उस आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा, भने ही वह नियोक्ता को आखिरी तारीख के पहले प्रस्तृत किया गया हो।

लोक उपक्रमों में संवारत व्यक्तियों से यह अपक्षा की जाती है कि उन्होंने अपने कार्यालयाध्यक्ष/विभागाध्यक्ष को लिखित रूप में सूचित कर दिया है कि उन्होंने परीक्षा के लिए गावेदन किया है।

उम्मीदनारों को यह नोट कर लेना चाहिए कि यांच आयांग को उम्मीदनारों को नियोक्ताओं से कोई पत्र उम्मीदनारों को परीक्षा हते आवेदन करने/प्रिक्षिष्ट होने से रोकने के लिए प्राप्त होता है तो ऐसी स्थिति में उनके आवेदन-पत्र को अस्वीकृत कर दिया जाएगा/उम्मीदनारी रद्द कर दी जाएगी।

जो उम्मीदवार सवास्त्र सेना में सेवारत हैं, उन्हें अपने आवेदन-पत्र अपने कमांडिंग आफिसर को प्रस्तूत करने चाहिएं जो पूष्ठां-कन (आवेदन-पत्र के भाग ''क'' के अनुसार) को पूरा करके आयोग को अग्रेषित करों।

टिप्पणी:--भारतीय नौ संना के नाविक (बाल या कारीगर प्रशिक्ष सहित) पहली तरजीह भारतीय नौ संता की दै। उनके बाबेदनों पर तभी विचार होगा जब वे कमान अफसर द्वारा विधिवत अनुशंसित कर दिए पाते है।

राष्ट्रीय इण्डियन मिलिट्री कालेज (पहले सैनिक स्कूल के नाम से शात) देहराबून के कडिटो, मिलिट्री स्कूलों (पहले किंग आर्ज के स्कूलों के नाम से शात) तथा सैनिक स्कूल सोसायटी व्याप चलाये जा एहे सैनिक स्कूलों के विद्यार्थियों को कालिज स्कूल के प्रिंसिपल के माध्यम से, अपने आवेदन-पत्र भेजने बाहिए।

7. भरा हुआ आवंदन-पत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ सिखब, संघ लोक संघा आयोग, धौलपुर हाउस, नद्द दिल्ली-110011 को 31 दिसम्बर, 1984, 31 दिसम्बर, 1984 से पहले किसी तारीख से असम, मंघालय, अर्ज्जाचल प्रवेश, मिजोरम, भिणपुर नागालंग्ड, त्रिपुरा, सिक्कम, जम्मू और काल्मीर राज्य के लव्दाख प्रभाग, हिमाचल प्रवेश के लाहौल और स्पीति जिले, जम्बा जिले के पांगी उपमन्डल, अण्डमान और निकाबार द्वीप समृह या लक्षद्वीप और निवदेशों में रहने वाले और जिनके आवंदन-पत्र उपयुक्ति में से किसी भी क्षेत्र से डाक व्वारा प्राप्त होते हैं उन उम्मीदवारों के मामलों में 14 जनवरी, 1985 तक या उससे पहले अक द्वारा अवश्य भिजवा दिया जाए या स्वयं आयोग के काउण्टर पर आकर जमा कर विया जाए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवंदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

ससम, मेघालय, अरुणाचल प्रवेश, मिथारेम, मणिपूर नागालैंग्य, त्रिपूरा, सिक्तिम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लब्बास प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले, चम्बा जिले के पांगी उपमण्डल, अण्डमान और निकाबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप और विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों से आयोग यदि चाहु ता हम बात का लिखित प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 31 विसम्बर, 1984 सं पहले की तारीख से असम, मेघालय, अरुणाजल प्रवेश मिजोरम, मिणपुर, नागालेण्ड, त्रिपुरा, सिक्किम, अम्मू और कश्मीर राज्य के लव्दाख प्रभाग, हिमाचल प्रवेश के लाहील स्पीति जिले, चम्बा जिले के पांगी उपमण्डल, अण्डमान और निकाबार द्वीप समूह या लक्षवनीप या विद्योगों में रह रहा था।

टिप्पणी 1 : जो उम्मीदवार एसे क्षेत्रों के हैं जहां के रहने वालें ब्रावेदन की प्रस्तुति हेतू अतिरिक्त 'समय कें हकदार है उन्हें आवेदन-पत्र के संगत कालम में अपने पतों में अतिरिक्त समय के हकदार इलाके या क्षेत्र का नाम (अर्थात् असम, मेंचालय, जम्मू तथा कम्मीर राज्य का लद्दाल मभाग आदि) स्पष्ट रूप में निर्दिष्ट करना चाहिए अन्यथा हो सकता है कि उन्हें अतिरिक्त समय का लाभ न मिले ।

टिप्पणी 2: उम्मीदवार को सलाह दौ भाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र की स्वयं सं. लो. सं. आ. के काउण्टर पर जमा कराएं अथवा रिजस्टर्ड आक द्वारा भेजें। आयोग के किसी अन्य कर्मचारों को दिए गए आवेदन-पत्रों के लिए आयोग उत्तरक्षयी नहीं होगा।

8. प्रलेख जो आयदन-पत्र के साथ प्रस्तृत किए जाएं :---

# (क) सभी उम्मीदवारों व्वारा:---

(i) रा. 28.00 (अट्याईस रापए) अनुस्चित जातियाँ / अनुस्चित जनजातियों के उम्मीदनारों के लिए रा. 7.00 (सात रापए) का श्लक जो सिचय, संघ लोक सेवा आयोग को नहीं विल्ली प्रधान डाक घर पर विय रोखांकिस भारतीय पोस्टल आर्डर के जिरिये या सिचय, संघ लोक सेवा आयोग के नाम भारतीय स्टेट बैंक, मुख्य शाखा, नहीं विल्ली पर देय भारतीय स्टेट बैंक की किसी भी शाखा से जारी किए गए रोखांकित बैंक डप्ट के जिरिए भेषा आए।

टिप्पणी:--- उम्मीदवार को अपने जाबेदन-पत्र प्रस्तृत करते समय बैंक ड्रापट की पिछली ओर सिर' पर अपना नाम तथा पता लिखना चाहिए पोस्टल बार्डरों के मामले में उम्मीदवार पोस्टल बार्डर की पिछली ओर इस प्रयोजन, के लिए निर्धारित स्थान पर अपना नाम तथा पता लिखें।

विद्येश में रहने वाले उम्मीदवारों की चाहिए कि वे अपने यहां के भारत के उच्च आयुक्त, राजदृत या विद्येश स्थित प्रतिनिधि जैसी भी स्थिति हो, के कार्यालय में निधिरित शृल्क इस अन्-रोध के साथ जमा कर जिससे वह "051 संघ लोक सेवा आयोग परीक्षा शृल्क" के लेखा शीर्ष में जमा हो जाए और उसकी रसीद लेकर आवेदन-पत्र के साथ भेष दै।

भागू का प्रमाण पत्र : — आयोग जन्म की वह तारी सं स्वीकार करता है जो मैंद्रिक लोगन या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण पत्र या किसी भारतीय विद्यविद्यालय द्वारा मैद्रिक लोगन के समकेक्ष माने गये प्रमाण पत्र या किसी विद्यविद्यालय द्वारा अनूर-क्षित मैद्रिक लोगे के रिजस्टर में दर्ज को गई हो और वह उद्धरण विद्यविद्यालय के समृष्ठित प्राधि-कारी द्वारा प्रमाणित हो।

ाम्मीदवार प्योक्त मीट्रिक लेशन या समकक्ष प्रमाण-पत्र करे को अनुप्रमाणित/प्रमाधिगत प्रतियों अवस्य प्रस्तृत करें। किन्स जिस उम्मीदवार ने हायर सैकेण्डरी परीक्षा या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है वह हायर सैकेण्डरी परीक्षा प्रमाण-पत्र या सम-कक्ष प्रमाण पत्र की वो अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियां प्रस्तृत कर सकते हैं।

जामु के सम्बन्ध में कोई अन्य दस्तावज जैसे जन्मक पहली, शपथ पत्र, नगर निगम के सेवा अभिलेख से प्राप्त जन्म सम्बन्धी उत्थरण, तथा अन्य एसे ही प्रमाण-पत्र स्वीकार नहीं किए जार्यों।

जनुबन्धों के इस भाग में आए हुए ''मैर्ट्रिक् लेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र'' वाक्यांश के जन्तर्गत उपर्युक्त वैकाल्यिक प्रमाण-पत्र सम्मिलित हैं।

कभी-कभी मॅद्रिक लेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूर वर्ष या वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। एसे मामलों में उम्मीदवारों को मॅद्रिक लेशन/उच्चतर माध्यमिक प्ररीक्षा प्रमाण-पत्र की अनु-प्रमाणित/प्रमाणित/प्रमाणित/प्रमाणित/प्रमाणित/प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी बाहिए जहां से उसने मॅद्रिक लेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की हों। इस प्रमाण-पत्र में उस संस्था के दाखिला रिजस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म तारीख बास्तिबक आयु लिखी होनी चाहिए। उम्मीदवारों को चेतावनी वी जाती कि यदि आवेदन-पत्र के साथ इन अनुदेशों में यथा- निर्मारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन-प्रपत्र अस्थीकार किया जा सकता है।

- टिप्पणी 1: जिस उम्मीक्यार के पास पढ़ाई पूरी करने के बाव प्राप्त माध्यमिक विद्यालय प्रमाण-पत्र हो, उसे केंग्रल बायू से सम्बद्ध प्रविष्टि वाले पृष्ठ की अनुप्रमाणित/ प्रमाणित प्रतिलिपि भोजनी चाहिए।
- टिप्पणी 2: उम्मीदवार यह भ्यान में रखें कि आयोग उम्मीदवार की जन्म की उसी तारीख को स्वीकार करेगा जा कि आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने की तारीख को मैट्रिक लेशन/ उभ्वतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र या समकक परीक्षा के प्रमाण-पत्र में दर्ज है और इसके बाद उसमें परिवर्तन के किसी अनुरोध पर न तो विचार किया जाएगा और न उसे स्वीकार किया जाएगा।
- टिप्पणी 3: उम्मीदनार यह भी नोट कर लें कि उनके द्वारा किसी
  परिक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारित एक बार
  घोषित कर दोने और आयोग द्वारा उसे अपने अभिलेख में दर्ज कर लेने के बाद उसमें बाद में या
  किसी बाद की परीक्षा में परिवर्तन करने की अनुमित
  नहीं दी जाएगी।
  - (iii) शैक्षिक योग्यता के प्रभाण पत्र की अनुप्रमाणित/
    प्रमाणित प्रतियां:— 'उम्मीदिवार को इस आश्य के
    प्रमाण-पत्र की दो अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियां
    भवस्य प्रस्तुत करनी भाहिए कि उसके पास पैरा 3(ग)
    में विहित योग्यताओं में एक योग्यता है या उम्मीदवार द्यारा उसके इस प्रकार अजित कर लेने की
    संभावना है कि पैरा 3(ग) में विहित तारीच तक
    इसको उत्तीर्ण करने का प्रमाण विया जा सके। जो
    प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया आए वह वहाँ हो को योग्यतः
    विद्यालय या अन्य परौक्षा निकाय) द्यारा आरो किया
    गया हो । परि एसे प्रमाण-पत्र की अनुष्पाणित/
    प्रमाणित प्रतियां प्रस्तुत नहीं की आती है तो

तम्मीदवार का उमके प्रस्तुत न करने की बजह बसानी माहिए और एसे जन्य प्रमाण प्रस्तुत करने चाहिएं जा बह अपेक्षित योग्यता रखने के दावे के समर्थन में प्रस्तुत कर सकता है। आयोग इस प्रमाण पर गूण-वता के आधार पर विचार करेगा पर इससे पर्याप्त मामले के लिए बाध्य नहीं होगा।

- (iv) उपस्थिति पत्रक (बाबदेन पत्र के साथ संलग्न) विधिवत् भरा हुआ।
- (v) उम्मीदनार के हाल ही के पासपोर्ट नाकार (लगभग 5 से. मी. × 7 से. मी.) के फोटों की एक पैसी तीन प्रतियां जिनके उत्परी हिस्से पर उम्मीदनार के हस्ताक्षर विधिवत बंकित हों।

फोटो की एक प्रति आवेदन पत्र के प्रथम पृष्ठ पर और ब्रूसरी प्रति उपस्थिति पत्रक पर निर्धारित स्थान पर जिएका देनी जाहिए।

- (vi) लगभग 11.5 सें. मी. × 27.5 सें.मी. आकार के दो बिना टिकट लगे लिफाफे, जिन पर आपका पता लिखा हुआ हो।
- (स) अनुसूचित जातियों /अनुसूचित जन जातियों के उम्मी-दवारों द्वारा: — अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का होने के दावे के समर्थन में जहां उम्मीदवार या उसके माता पिता (या जीवित माता या पिता) आमृतौर पर रहते हों, उस जिले के किसी सक्षम प्राधिकारी (प्रमाण-पत्र के नीच उल्लिखित) परिशिष्ट IV में (क) पर दिए गए प्रपत्र में लिए गए प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/ प्रमाणित प्रतिलिप ।

जो उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का होने का दावा करता है तथा जो एक राज्य/संघ राज्य क्षेत्र से अन्य किसी राज्य/संघ राज्य क्षेत्र में अव्जन कर चुका है उसे अपने दावे के समर्थक में परिशिष्ट IV में (ख) पर निर्विष्ट प्रपत्र में प्रमाणपत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति प्रस्तुत करनी है।

- (ग) शुल्क से छूट चाहने वाले उम्मीदवारों के द्वारा:---
  - ं िकसी जिला अधिकारी या राजपित अधिकारी या संसद या राज्य विधान मण्डल के सदस्य से लिए गए प्रभाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि जिसमें यह प्रमाणित किया गया हो कि उम्मीदवार निधारित शुल्क दोने की स्थिति में नहीं है।
  - ii. बस्तुतः विस्थापित/प्रत्यावर्तित व्यक्ति होने के वार्व के समर्थन में निम्नलिखित प्राधिकारियों से लिए गए प्रमाण पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
  - (क) भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्ति ः
  - (i) दंडकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों या विभिन्न राज्यों के राहतु विविदों का जिलिस कर्मां है ।

#### सभवा

(11) उस इलाकों का जिला मिकस्ट्रेट कहां पर वह फिलहाल रह रहा हा ।

#### **संब**

(iii) अपने जिले के शंरणाधी पुनर्वास, का प्रभारी अति-रिक्त जिला मजिस्ट्रेट 1

#### नपना

(iv) सब् विवीधनुल अफसर अपने अभीनस्थ सब दिवीधन की सीमा श्रम 🏗

#### वयका

- (ए) शरणाची प्रवास उपामुक्त, पविश्वम वृंगात/निविद्यस्य (पृत्वसिन), कलक्ताः ।
- (ब) श्रीलंका से प्रत्यावर्तित :---

श्रीलंका में भारत का उच्चायांग ।

(ग) वर्भा से प्रत्याविततः :---

भारतीय राजद्वावास, रंगृन या उस इलाक का जिला मजिस्ट्रेट बहुर्ग पर वह रहा हा।

- (घ) तत्कालीन परिचम पाकिस्तान में विस्थापित व्यक्ति
- (i) विभिन्न राज्यों में ट्रांजिट करेन्द्रों मा सहत शिविसी के शिविस कमांडीट ।

मथवा

(ii) जिस इलाके का वह फिलहाल निवासी है वहां का जिला मिजिस्टोट ।

#### मथवा

(iii) अपने जिले में शरणाथीं पुनर्जास का प्रभारी कति-रिक्त जिला मजिस्ट्रोट ।

#### मध्व

(iv) अपने प्रभार को अन्तर्गत सब-डिवीजन को अन्वर सब-डिवीजनल अफसर ।

#### संच्या

- (v) उप शरणाधीं—पुनर्जास—आमुक्त ।

  टिप्पणी :--उम्मीववारों से यह अपेक्षा की जाती हैं कि वे

  आवेदन-पत्र के साथ भेज जाने वाले प्रमाण-पत्रों की

  अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियों पर अपने हस्ताक्षर
  करके भेजें तथा उस पर तारीक भी लिखें।
- 9. शान्क की बापसी:— आवेदन के साथ आयोग को अदा किया गया शुक्क बापस करने के किसी अनूरीध पर नीचे की परिस्थितियों को छोड़कर विचार नहीं किया था सकता और न वह किसी दूसरी परीक्षा या चयन के लिए सुरिक्षत रक्षा आ सकता है:—
  - (1) जिल उम्मीवनार ने निभित्ति शुल्क वे विया है, पर जिसको आयोग ने परीक्षा में बैठने नहीं दिया, उसको रु. 15.00 (पन्त्रह रुपए) जिनुस्चित आतियों/अनुस्चित जनजितयों के उम्मीदशरों के मामलं में रुपए 4.00 (चार रुपए)] बापस कर विया जाएगा । परन्त अगर कोई आवेदन यह सूचना प्राप्त करने पर अस्थीकार कर विया गया हो कि उम्मीदशर हायर सैकेंग्डरी या समकक परीक्षा में अनुसीण हुआ है या हायर सैकेंग्डरी या समकक परीक्षा में अनुसीण हुआ है या हायर सैकेंग्डरी या समकक परीक्षा में उत्तीण होने का प्रमाण निभित्ति तारी सक प्रस्तुत नहीं कर पाएगा तो उसके लिए शुल्क की वापसी मेजूर नहीं की जाएगी !
  - (ii) जो उम्मीदवार महं, 1984 या विसम्बर 1984 में बायोजित राष्ट्रीय रक्षा अकावमी परीक्षा में बैठा हो और इन परीक्षाओं के परिणाम के आधार पर किसी, कोर्स के लिए उसका नाम अनुशीसत हुआ हो तो उनके मामले में रु. 28.00 (अट्ठाइंस रुपए) [अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के मामले में रु. 7.00 (सात रुपए)] का शुल्क भापस विया जा सकता है, पर यह जरूरी है कि महं, 1985 की राष्ट्रीय रक्षा एकावमी परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी रहुद कराने और शुल्क

भापस पान के लिए उस उम्मीदेवार का मनुराध मायाग के कार्यालय में 31 अगस्त, 1985 या उससे पहले पहर्ण जाए।

10. बाबेदन-पत्र की पावती:— बायोग के कार्यालय में प्राप्त प्रत्येक बाबेदन-पत्र की जिसमें दर से प्राप्त बाबेदन-पत्र सिम्म-लित है, पावती दी जाती है तथा आवेदन-पत्र की प्राप्त के प्रतिक को रूप में उम्मीदवार को बाबेदन पंजीकरण सस्था जारी कर दी जाती है। यदि किसी उम्मीदवार की उक्त परीक्षा के बाबेदन-पत्र प्राप्त करने के लिए निर्धारित बन्तिम तारीं से एक माल के अन्दर पावती नहीं मिलती है तो उसे तत्काल बायोग से पावती होतू संपर्क करना चाहिए।

इस तथ्य का कि उम्मीदवार को आवेदन पंजीकरण संस्था जारी कर दी गई है अपने आप यह अर्थ नहीं है कि आवेदन-पत्र सभी प्रकार पूर्ण है और आयोग द्वारा स्वीकार कर लिया गया है।

- 11. बाबंदन का परिणाम: जगर किसी उम्मीदिकार की अपने बाबंदन के परिणाम की सूचना परौक्षा शूरू होने की तारीस से एक महीने पहले तक बायोंग से प्राप्त न हुई तो उसे परिणाम की जानकारी के लिए बायोंग से तत्काल संपर्क करना चाहिए। अगर इस बात का पालन नहीं हुआ, तो उम्मीदिवार अपने मामले में विचार किये जाने के बिधकार से बंचित हो जाएगा।
- 12. परीक्षा में प्रवेश:—-िकसी उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के संबंध में संघ लोक सेवा आयोग का निर्णय अन्तिम होगा। आयोग से प्राप्त प्रवेश प्रमाण-पत्र के बिना किसी भी उम्मीदवार को परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया आएगा।
- 13 क्षाचार के दांधी उम्मीदिवारों के खिलाफ कार वाई:—
  उम्मीदिवारों को चेतावनी ही जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते सम्य काई गलत विवरण न दे और न किसी महत्वपूर्ण सूचना को छिपाएं। उम्मीदिवार को यह भी चेतावनी ही जाती है कि उनके द्वारा प्रस्तुत किसी प्रलेख या उनकी अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि में किसी भी हालत में वे किसी तरह का संशोधन या परिवर्तन या काई फरे-बदल न कर और न फरे-बदल किए गए/जाली प्रलेख को वे प्रस्तुत करों। अगर इस प्रकार के दो या अधिक प्रलेखों में या उनकी अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियों में कोई अश्द्धि या असंगति हो तो इस असंगति के बारे में स्पष्टी- करण प्रस्तुत करना चाहिए।

जो उम्मीदवार आयोग द्वारा निस्नांकित कदाचार का धोषी धोषित होता है या हो चुका है :----

- (i) किसी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी का समर्थन प्राप्त करना; या
- (ii) किसी व्यक्ति के स्थान पर स्वयं प्रस्तृत होना; या
- (iii) अपने स्थान पर किसी दासरों को प्रस्तुत करना; या
- (iv) जाली प्रलेख या फरे-बदल किए गए प्रलेख प्रस्तृत करना; या
- (v) अज्ञूद्भ या असत्य वक्तव्य दोना या महत्वपूर्ण सूचना की छिपा कर रचना: या
- (vi) परिकार के लिये अपनी उम्मीदवारी के सम्बन्ध में किसी अनियमित या अनुचित लाभ उठाने का प्रयास करना: या
- (vii) परीक्षा के सभय अनुधित तरीके अपनाना; या
- (viii) उत्तर पृस्तिकाओं पर असंगत बातें लिखना जो सहलील भाषा या अभव साध्य की हों; या
  - (ix) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का बूर्व्यवहार व्यरना∦ मा

- (x) परीक्षा चलाने के लिय आयाग इवारा नियुक्त कर्म-चारियों को परेशान करना या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षांत पहुंचाना; या
- (xi) उम्मीद्यारों का परीक्षा दोने को जनुमति दाते हुए प्रोचित प्रयोग प्रमाण-५३ के साथ जारी किसी अनुदोश का उल्लाबन करना; या
- (xii) उत्पर के बढ़ों में उल्लिकित सभी या किसी कवाचार को करने की कोशिश करना या करने के लिए उकसाना।

यह अपने को दण्ड-अभियोजन का शिकार बनाने के अति-रिक्स:---

> (स) आयांग की जिस परीक्षा का उम्मीदवार है उसके लिए आयोग द्वारा अयोग्य ठहराया जा सकता है।

#### मधवा

- (खं) () आयोग द्वारा अपनी किमी भी परीक्षा या चयन के लिए,
  - (1<sup>i</sup>) कन्द्र सरकार द्वारा उनके अधीन किसी नियुक्ति को लिए स्थायी रूप सेया कर्छ निविष्ट अवधि को लिए अपवर्जित किया जा सकता है;

किन्तु शर्त यह है कि इस नियम के अधीन कोई शास्ति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक—

- (1) उम्मीदवार को इस सम्बन्ध में लिखित अभ्यावेदन, को बह दोना चाही प्रस्तृत करने का अवसर न दिया गया हो, और
- (11) उम्मीदवार द्वारा अनुमत मभय में प्रस्तृत अभ्याधेदन पर, यदि कोर्ड विचार न कर लिया गया हो।
- 14 <u>गृल प्रमाण-पत्रों</u> का प्रस्तृतीकरण जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा के परिणामों के आधार पर से. च. बोर्ड के साक्षात्कार में अर्हाता प्राप्त कर लेते हैं उन्हें साक्षात्कार के तूरन्त बाद अपनी आय तथा हौिक्षक योग्यताओं आदि के समर्थन में अपने मूल प्रमारण-पत्र मूख्यालय, बार. टी. जी. 6 (एस. पी.) (ए.) बेस्ट ब्लाक III, बार. के. पूरम, नर्ड दिल्ली-110022 को प्रयत्त करने होंगे।
- 15. आयोदन के सम्बन्ध में पत्र-व्यवहार :--आवोदन के सम्बन्ध में सभी पत्र-व्यवहार सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के पते पर करना चाहिए और उसमें निम्नलिखित विवरण अवस्य होना चाहिए :--
  - (१) परीक्षा का नाम
  - (2) परीक्षाका वर्ष और महीना
  - (3) आवेदन पंजीकरण संस्था/रोल नम्बर या जन्म की शारीख (अगर आवेदन पंजीकरण संस्था/रोल नम्बर मही मिला हो)
  - (4) उम्मीदवार का नाम (पूरा और माफ लिखा हा्आ)
  - (5) पत्र-व्यवहार का पता, जैसा अपनेदन-पत्र में दिया ह<sup>3</sup>।
- विक्षेष ध्यान :--- (i) जिन पत्रों में उत्पर का ब्यौरा नहीं होगा, हो सकता है, उन पर कोई कार्यवाई न हो।
  - (॥) यदि किसी परीक्षा की समाप्ति के बाद किसी उम्मीदवार को पत्र/पत्रादि प्राप्त होता है तथा इसमें उसका पूरा नाम और अनुकर्मांक नहीं दिया गया है तो उस पर ध्यान नहीं दिया आएगा और

उस् पर कोर्ड कार्रवाद्यं नहीं की जाएगी।

16. प्रां में परिवर्तनः — उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उनके आवदन-पत्र में दिए पते पर भेजे जाने वाले पत्र आदि आवश्यक होने पर उसके नीचे परे पर भिजवा दिए जाए। पतों में जो भी परिवर्तन हों उसे उज्यर के पैरा 15 में उल्लिखित विवरण के साथ आयोग को यथाशीष, सचित कर देना चाहिए।

सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिए आयोग द्वारा अनु-. शिसत उम्मीदवारों ने अगर परीक्षा के लिए आवेदन करने के बाद, अपना पता बदल लिया हो तो उनको चाहिए कि परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम घोषित हो जाते ही अपना नया पता तत्काल सेना मृख्यालय, ए. जी., ब्रांच रिक्तूटिंग 6 (एस. पी.) (ए.) वेस्ट ब्लाक II विंग-1 रामाकृष्णापुरम, नर्ड दिल्ली-110022 को सूचित कर देना चाहिए। जो उम्मीदवार इन अनुदेशों का पालन नहीं करोग वह सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिए सम्मन-पत्र न मिलने पर अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से वेचित हो जाएगा।

यद्यपि प्राधिकारी इस प्रकार के परिवर्तनो पर पूरा-पूरा ध्यान दोने का प्रयत्न करते हैं, फिर भी इस सम्बन्ध मे वे अपने उत्पर कोई जिम्मोदारी नहीं ले सकते ।

17. लिखित परीक्षा में योग्य उम्मीदवारों के साक्षात्कार के सम्बन्ध में पूछताछ ——जिन उम्मीदवारों के नाम सेवा खयन बोर्ड के साक्षात्कार होतू रिपोर्ट करने के लिए अनशंमित हैं उनकों अपने साक्षात्कार के सम्बन्ध में सभी पूछताछ और अनुरोध सीधे सेना मृख्यालय, ए. जी. बांच रिफटिंग 6 (एस. पी.) (ए.) केस्ट ब्लाक 3, विंग-1, रामाकृष्णाप्रम, नई दिल्ली-110022-के पते पर लिखने चाहिए।

उम्मीदवारों को भेजे गए सम्मन-पत्र व्वास सृष्यित तारीख को सेवा चयन बोर्ड के समक्ष साक्षात्कार के लिए पहुचना है। साक्षात्कार को स्थिति करने से सम्बन्ध अनुरोध पर केवल अपवादात्मक परिस्थितियों में और प्रशासनिक सृविधा को ध्यान में रखकर ही विचार किया जाएगा जिसके लिये निर्णायक प्राधिकरण सेना मुख्यालय होगा।

जिन उम्मीदवारों के नाम संघ लोक संवा आयोग द्वारा जारी की गई अंतिम योग्यता सूची में हूँ यदि उनके दइले दिए गए पते में कोई परिवर्तन हूजा हो तो उनको अपने नवीनतम पते की सूचना मूख्यालय, ए. जी. बांच रिक्ट्रिंग 6 (एस. पी.) (ए.) वेस्ट ब्लाक 3, विंग -1, रामाकृष्णापुरम, नई दिल्ली-11002? को दे देनी शाहिए ताकि सेना मृख्यालय द्वारा जारी किए गए कार्यभार सम्भालने के अनुदेश उन्हें समय पर मिल सकों। यदि एसे नहीं किया गया तो कार्यभार सम्भालने के अनुदेशों के न मिलन की जिम्मदारी उम्मीदवारों की होगी।

18. लिकित परीक्षा के परिणाम को घोषणा १—-गंग्यताप्राप्त उम्मीप्तारों का साक्षात्कार—वंतिम परिणामों की घोषणा
और अंतिम रूप से योग्य पाए गए उम्मीदवारों का प्रशिक्षण कोसे
मे प्रवेश:—संघ लोक संवा नायांग लिकित परीक्षा में आयोग
के निर्णय पर निर्धारित न्यूनतम महाँक प्राप्त नक करने वाल
उम्मीदवारों की एक सूची तैयार करणा। ये उम्मीदवार बौद्धिक
तथा व्यक्तित्व परीक्षणों के लिये सेवा भयन बोर्ड के सामने हाजिर
होंगे जहा थल सेना—नीसेना के उम्मीदवारों की निर्धकारी क्षमता
तथा वायुसेन के उम्मीदवारों का पाइलट एस्टीच्यूट परीक्षण तथा
आंधकारी क्षमता का निर्धारण किया जाएगा। इस परीक्षण में
अधिक सं अधिक 900 र्जक प्राप्त टैंकए जा सकते हाँ॥

उम्मादवार सवा चयन बार्ड को सामने हाजिर होकर अपनी हा जािसम पर यहा को परीक्षणा में जािमल होंग और सेवा खयन बार्ड में उनका जो परीक्षण होता है उनको दौरान या उसके फलस्वरूप अगर उनको कोई चोट पहुंचती है तो उमके लिए सरकार की जोर स कोई क्षितिपुर्ति या सहायता पाने के वे हकदार नहीं होंगे चाहे वह किसी व्यक्ति की लापरवाही से हो या दूसरे किमी कारण म हों। उग्मीदवारों के माता पिता या अभिभायकों को इस बाश्य के एक प्रमाण-पत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे।

\_ स्वीकृति होत् थल सेना/नौसेना के उम्मीदवारों को (i) लिखित परीक्षा तथा (1) प्राधिकारी क्षमता परीक्षणों में अलग-अलग न्यसतम अहाँक अंक प्राप्त करने होंगे जो कि आयोग द्वारा उनके निर्णय के अनुसार, निष्यित किए जायेंगे और बागु सेना को अम्मीद्रवारों को (i) लिखित परीक्षा, (ii) अधिकारी क्षमता परीक्षण, (iii) पायलट एप्टीच्यूट परीक्षण मे अलग-अलग न्यून-सम बहुक अंक प्राप्त करने होंगे जो कि बायोग दवारा उनके निर्णय के अनुसार निष्चित किये जायेगे। इन शर्ती पर अर्हता पाप्त उम्मीदवारों को उनके दवारा लिखित परीक्षा तथा मेवा चयत बोर्ड के परीक्षणों में प्राप्त कुल बकों के आधार पर योग्यता के अतिम कम मे दो अलग-अलग सुचियों में --एक थल सेना तथा नौसेना के लिये और दूसरी वायु सेना के लिये—रखा जाएगा। जो उम्मीदबार सेवा के सभी अंगों के लिये अर्हता प्राप्त कर लोले हैं उनका नाम दोनों योग्यता सृष्टियों में होगा। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के थलसेना तथा नौसेना के निंगों में प्रवेश की नियं अतिम चयन थल सेना तथा नौसेना की योग्यतासची में म रिक्तियों की मंख्या की दोन्स हुए योग्यता के कम से किया जाएगा और बायसेना विंग में प्रवेश के लिए अंतिम धयन वायसेना की योग्यता सुची में में रिक्तियों की संख्या को देखते हुए मोग्यता के कम से किया जाएगा जो जारीरिक स्वस्थता और अन्य सभी बार्तो में उपयक्तता के आधार पर होगा। जिन उम्मीद-वारों के नाम बोनों योग्यता सचियों में हैं उन पर बोनों समियों में चयन होत विचार उनके बरीयता क्रम की दोसते हुए होगा और उनके एक सूची से अंसिम रूप से चन लिये जाने पर दुसरी भूजी में उनका नाम रदद कर दिया जाएगा।

विशेष ध्यान :—वाय सेना के प्रत्येक उम्मीदवार का पायलट एटिन्यट परीक्षण केवल एक बार किया जाता है। जतः उसके द्वारा प्रथम परीक्षण मे प्राप्त ग्रेक वाय सेना चयन बोर्ड के सामने बाद में होने वाले प्रत्येक साक्षास्कार में स्वीकार किया जाएगा। को उम्मीदवार पायलट एटिन्यट के प्रथम परीक्षण में असफल हो जाता है वब राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा के वाय सेना विंग या जनरल इयटीज (पायलट) बांच या नेवल एयर आर्म में प्रवेश के लिए आवीदन नहीं कर सकता।

जिन उम्मीदवारों का किसी पिछले रा र अकावमी कोर्स में पायलट एप्टीच्यूट परीक्षण हो गया हो और उन्हें उसमें अहाता भाषा कर नेने की मुखना मिल गर्ड हो तो उन्हें इस परीक्षा की क्षेत्रस वाय सेना विंग को लिए ही अपना आयोदन करना चाहिए।

अलग अलग नम्मीदवारों को परीक्षा के परिणाम किस रूप में और किस प्रकार सूचित किये जायो इस बात को निर्णय आयोग अपने आप वरोगा और परिणाम के सम्बन्ध में नम्मीववारों से कोइं ५%-त्यवहार नहीं करीगा।

परिक्षा में रूफल होने मात्र से अकादमी में प्रथेश का कोई अधिनार नहीं मिलेगा। उम्मीदवार को नियंक्ति प्राधिकारी को संतर्द करना होगा कि यह अकादमी में प्रवेश के लिए सभी तरह से अध्यक्ष हो।

19. प्रशिक्षण कीर्म में पर्वश के लिए अनहाँताए — ओ न्निनिवार राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के किमी पहले कोर्स में प्रवेश

ा चूक थ पर अधिकारी मूलभ विशेषताओं के अभाव क कारण या बन्हासनिक आधार पर वहां संनिकाल विये गये थे, उनकी मकावसी में प्रक्रंश नहीं दिया आएगा।

िकन्तु जिन उम्मीदिवारों को अस्वस्थता के आधार पर पहले राष्ट्रीय रक्षा अवादमी में वापस से लिया गया हाँ या जिन्हों ने— अपनी इच्छा में उक्त अकादमी छोड़ दी हो उन्हें अकादमी में प्रवंश मिल सकता है वशर्तों कि वे स्वास्थ्य तथा अन्य निधारित शर्तों पूरी करते हों।

- 20. राष्ट्रीय रक्षा अकादमी या अफसर ट्रॉनिंग स्कूल में प्रशिक्षण के बीरान विवाह पर प्रतिबन्ध :— उम्मीदवारों को इस बात का वचन दोना है कि जब तक उनका सारा प्रशिक्षण पूरा नहीं होगा तब तक वे शादी नहीं करेंगे। जो उम्मीदवार अपने आवेदन की तारील के बाद शादी कर लेता है उसको प्रशिक्षण के लिए जुना नहीं आएगा। चाहें वह इस परीक्षा में या अगली किसी परीक्षा में भले ही सफल हो। जो उम्मीदवार प्रशिक्षण काल में शादी कर लेगा उसे वापस भेजा आएगा और उस पर सरकार ने जो पैसा सर्च किया है वह सब उससे वस्त किया आएगा।
- 21. सघ लोक सेवा नायोग ने ''संघ लोक सेवा नायोग की वस्तुपरक परीक्षाओं होतू उम्मीदवार विवरणिका'' शीर्षक सं. एक समूत्य पुस्तिका छापी है इसका यह उद्देश्य है कि इससे मं लो से. आ. की परीक्षाओं या षयनों के भावी उम्मीतवारों के महायता मिल सके।

उनत पृस्तिका प्रकाशन नियंत्रक, सिविल लाइन्स, दिल्ली 110054 के कार्यालय में बेची जाती हैं। इसे वहां से सीधे मेंल आर्डर द्वारा या नकद भगतान पर लिया जा सकता है। यह पृस्तिका केवल नकद भगतान पर (1) किताब महल, रिवोली सिनेमा के सामने, एम्पोरियम बिल्डिंग, सी ब्लाक, बाबा खड़क सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001 (11) उद्योग भवन, नई विल्ली-110001 पर प्रकाशन शासा के बिक्री काउण्टर और (111) गवर्नमैन्ट बाफ इण्डिया बुक डिपो, 8 के. एस राय रोड कलकता-700001 से भी मिल सकती है। उक्त मेनजल (विवरणिका) भारत सरकार के प्रकाशनों के विभिन्न मृफस्सिल शहरों में स्थित एजेन्टों के पास भी उपलब्ध है।

एमः बालकृष्णनः, उप सिषव

### परिशिष्ट---1

(परौक्षा की योजना और पाठ्य विवरण)

# (क) परीक्षाकी योजना

1. लिखित परीक्षा के विषय नियत समय तथा प्रत्येक थिथय के अधिकतम अर्थक निम्निलिखित होंगे हु--

विचय	समय	चविकतम चंक
1. मंग्रेजी	. ३ चंत्रे	250
<ol> <li>गणित प्रश्य थका ।</li> </ol>	2 चेटे	124
प्रमन् प₩ 2	2 पंडे	' 24
असमान्य जानप्रश्न पकः । (विज्ञान) प्रश्न पकः 2 (सामाजिक क्षेत्र्ययम, कृषोक्षः	2 च∄	40
तवा सामयिक मामले)	३ चरं	200
		900

- 2. सभी विषयो को प्रका पत्रों में औवल वस्तुपरक प्रका ही होंगे। नमूने को प्रकाों सिहत अन्य विवरण को लिए कृपया परिशब्द प्रमें उम्मीदिवारों को सुचनार्थ विवरणिका दोन लों।
- 3 प्रकृत पत्र में जहां भी आवश्यक होगा, कैंवल ताल बार माप की मीटरी पद्धति से सम्बन्धित प्रकृतों को ही पुछा चार्या।

- 4. उम्मीदवारा का प्रश्न पत्रां के उत्तर अपने हाथ स लिखन बाहिए। किसी भी हालस में उन्हें प्रश्न पत्रां के उत्तर लिखने के लिए लिखने वाले की सहायसा सुलभ नहीं काँ बाएगी।
- परीक्षा के एक या सभी विषयों के अष्टैंक बंकों का निर्धारण आयोग की विवक्षा पर है।
- 6. उम्मीदवारो कां वस्तृपरक प्रश्नपत्रो (प्रश्न पृस्तिकाशो) के उसर लिखने के लिए केलक लेटर प्रयोग मे लाने की अनुमित नहीं है। अतः उन्हें केलक लेटर परीक्षा भवन मा नहीं लाने चाहिए।

# (क) परीक्षा का पाठ्य विवरण

अंग्रेजी:—अंग्रेजी का प्रकृत पत्र इस प्रकार का होगा जिससे उम्मीदवार की अंग्रेजी की समक्त और शब्दों के क्रांशल प्रयाग का परीक्षण हो सके। पाठ्यक्रम मे विभिन्न पहलू समा-हित हैं जैसे व्याकरण और प्रयोगिविधि, शब्दावली तथा अंग्रेजी में उम्मीदवार की प्रवीणता की परस हेतू विस्तरित परिच्छे की बोधगम्यता तथा सम्बद्धता।

#### गणित

### प्रक्त-पत्र----1

### अंक गणित

संस्था प्रव्यतियां— धनपूर्ण संस्थांक, पूर्णीक परिमेय और वास्तिविक संस्थाएं, मृल संक्रिया— ओड, बटाना, गृणा और विभाजन, वर्ग मृल, दशमलव भिन्न।

एकिक विधि---समय तथा दूरी, समय तथा कार्य, प्रति-शतता--साधारण तथा चक्रवृद्धि ध्याज, में अनुप्रयोग, लाभ तथा हानि, अनुपात और समानुपात विवरण ।

प्रारम्भिक संख्याएं सिष्भांत——विभाजन की कलन विभि, अभाज्य और भाष्य संख्याएं 1,2,3,4,5,9 और 11 द्वारा विभाज्यता के परीक्षण अपवर्ष और गृणन, गृणन/खण्डन, प्रमेय । महत्तम समापवर्तक तथा लघुत्तम समापवर्ष, युक्लिक की कलन विधि ।

आधार 10 तक लघुगणक, लघुगणक के नियम, लघुगणकीय भारणियाँ का प्रयोग ।

#### बीच गणित

आधारभूत प्रक्रियाएं: साधारण गृणनखण्ड । शेष फल गमय, बहुपदों का महत्तम समापवर्तक और लघुत्तम समापवर्यक दिवधात समीकरणों का हल, इसके मूल और गृणांकों के बीच सम्बन्ध (केवल वास्तिवक मूल विचार किया जाय) दो बजात गिरायों में यूग्पत समीकरण—विवलेषण और ग्राफ सम्बन्धी हल । प्रायोगिक प्रक्त जिनसे वो चरों में दो यूग्पत रोखिक समीकरण बनते हैं या एक चार में दिवधात समीकरण तथा उनके हल समुच्चय भाषा तथा समुच्चय अंकन प्रवृधित, परिमेय, व्यंजक तथा सप्रतिबन्ध तत्समक धातांक नियम ।

क्रिकोणमिति !

ज्या ×,कोटिज्या×, स्पर्ध रैका अच × 0° ६ × ≥ 90°। ज्या×, कोटिज्या×, स्पर्ध रैका का मान व्योक्ति × 0°, 30°, 46°, ⊣0°, प्रोर 90° सरस क्रिकोणमितीय सत्समका। बिकोणमितीय मारणियों का प्रयोग। कवाद्व्यों ग्रीर दूरियों के सरल कोण।

### प्रध्य-पत्र 2

### च्यामित

रेका और कोण, समतल और समतल आकृति। निम्नलिखित ग्रुपयेय ---

- (1) किसी बिन्दु पर कोणों को गृण-ध्याँ,
- (८) नमान्तर रचाए,

- (3) किसी त्रिभुष की भूजाए और कॉन ।
- (4) त्रिभुजों की सर्वागसमता ।
- (5) समरूप त्रिभुण ।
- (6) माध्यकाओं और शीर्ध लम्बां का संगमन,
- (7) समांतर चतुर्भुजी, आयात और वर्ग के कोणी, भुजाओं के विकर्णी के गुण धर्म,
- (8) शृक्ष और उसके, गुण धर्म जिसमें, स्पर्श <u>रचा तथा</u> अभिलम्ब, भी शामिल हैं।
- (9) स्थानिक संघक ।

### बिस्तार कलन

वर्गों, आयतों, समांतर चतुर्भुओं, विभूओं और बृतों के क्षेत्र-फल उन आकृतियों के क्षेत्रफल जो इन आकृतियों में विभाजित की जा सकती हैं। (क्षेत्रवाही) घनामों का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा आयतन/लम्ब, वृत्तीय शंक्ष्णों और बेलनों का पाइव-पृष्ठ तथा आयतन/गोलकों का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा आयतन।

सांस्थिकी तथ्यों का संग्रहण तथा सारणीयन । आलेबी निरूपणवारम्बारता बहुभूज, आयत चित्र, शलाकाचाट, पाई चार्ट आदि। अपुरिष्कृत और समृहित आंकड़ों का परिकलन माध्य।

#### सामान्य ज्ञान

# को प्रश्न-पत्र हॉने।

प्रका-पत्र (1)——इसमें भौतिकी, रसायन बार सामान्य विज्ञान होगा; और

प्रश्न-पत्र (2)---इसमें सामाजिक अध्ययन भूगोल और सामायिक मामले हाँगे 📳

इन प्रश्न-पत्रों में शामिल किये गये विषयों का क्षेत्र निम्न-लिखित पाठ्य विषरण पर आधारित होगा। उल्लिखित विषयोगों को, सर्वाग नहीं मान लेना चाहिए तथा इसी प्रकार के ऐसे विषयोगों पर भी प्रश्न पूछे जा सकते हैं जिनका पाठ्य-विवरण में उल्लेख नहीं किया गया है। उम्मीदवारों के उलरों से प्रश्नों को बोधगम्य ढग से समक्षने की मेवा और ज्ञान का पता चलना चाहिए।

### प्रस्त-पत्र--- 1 विज्ञान

सामान्य विकान प्रश्न-पत्र 1 मे निम्नलिखित पाठ्यविवरण शामिल होगा ६--

> (क) द्रव्य के भौतिक गूण धर्म तथा स्थितियां, संहति भार, जायतन, धनत्व तथा विशिष्ट गुरुत्वाकर्षण । आर्कोमिडीण का नियम, दाब, वायुवाव मापी ।

बिब की गति । वंग और स्वरण । न्यूटन के गित नियम । बल और संवेगों। वल समान्तर चतुर्भूज। पिंड का स्थायिस्त्र चौर संत्वन । गुरुत्वाकर्षण कार्य, शक्ति और उन्जों का प्रारम्भिक जान ।

उज्ञा का प्रभाव। तापमान का नाम और उज्ञा। स्थित परिवर्तन और गृप्त उज्ञा। उज्ञा अभिगमन विधियां।

ध्वनि तरगें और उनके गुण धर्म। सरल वाद्य यंत्र।

प्रकाश का ऋतुरसीय घरण। परावर्तन और अपवर्तन गोलीय दर्गण और लेन्सेस, मानव नेत्र [1]

प्राकृतिक तथा कृतिम चुन्वक। चुम्बक को गुणधर्म। पृथ्वी। चुम्बक को रूप में भ

रधैतिक तथा धारा विद्युत । भालक और अजालक ।) आमि नियम—-1, साधारण विद्युत परिषथ । धारा के तापन, प्रकाश, तथा भूम्बकीय प्रभाव । वैद्युत शक्ति के माप '।) प्राथमिक भीर गींग सेल।' एक्स्ट्र के उपयाग ॥ निकारतिथित क काय समान्य में सोमान्य सिन्धित ह

सरल जानकः भरत विरनी, मध्का, उत्तालक, गृष्कारा, प्रभः हाइग्रीभीटर, प्रणर प्रकर, धर्मल प्लास्क, ग्रामोफान टेलीग्राफ, टालीफान, परिस्काप टिलिस्काप, माइक्रोस्काप, नाइक दिकस्चक ताणित चालाक स्रक्षा प्रमुख।

(क्ष) भौतिक तथा रसायानक परिवर्तन तत्व। मिश्रण तथा गौनिक। प्रतीत सूत्र और सरण रासायनिक समीकरण। रासाय-निक संयोग के नियम (समस्यःऔं को छोड़कर) वायू और जल के रासायनिक गृण धर्म।

हाइड्रोअन, आक्सीजन, नाइट्रोजन, कार्बन-डाइडेआक्साइड की रचना और गुण धर्म । आक्सीकरण और सपचयन ।

बम्ल, क्षारक बौर लवण 🕆

कार्धन--भिन्न रूप।

उर्वरक---प्राकृतिक और कृत्रिम ।

साबुन, कांच स्थाही, कागज, सीमेंट, पेंट, दियासलाइ बार गन पाउडर, जैसे पदार्थी को तैयार करने के लिए प्रयुक्त सामग्री।

परमाण की रचना, परमाण तुल्यमान और अणुभार अनुभाग मंयोजकता का प्रारम्भिक शान ।

(ग) जड़ और चेतन में अन्तर । जीव कोशिकाओं, जीव इव और उन्तकों का आधार । वनस्पति और प्राणियों में वृद्धि और जनन । मानव शरीर और उसके महत्वपूर्ण अंगों का प्रारम्भिक ज्ञान। सामान्य महामारियां उनके कारण तथा राकने के उपाय।

सामान्य महामारिया उनक कारण सथा राकन क उपाय। साच--मन्ष्य के लिए ऊर्जा का स्रोत। साच का संघटन । संत्रित् बाहार ।

सौर परिवार। उल्का और पुमक्तेतु । प्रहण । प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों की उपलिक्ष्यां ।

### प्रकर-थर्ष-।"।

(सामाजिक अध्ययन, भूगोल और सामयिक मामले)।

सामान्य ज्ञान प्रश्न-पत्र में निम्नलिखित पाठ्यविवरण कामिल ष्टोगा ह—--

> (क) भारतीय इतिहास का मोट'-तौर पर सर्वोक्षण तथा संस्कृति और सभ्यता की विशेष चानकारी । भारत का स्थलन्त्र जानदोसन ।

भारतीय संविधान और प्रशासन का शारीक्षक कथ्ययल । भारत की पंचवर्षीय योजनाओं, पंचायती राज, सहकारी सर्भिन तियों और साम्वाधिक जिकास की प्रारम्भिक जानकारी।

भूदान सर्वोदय, राष्ट्रीय, एकता और कन्याणकारी राज्य। महारमा गोधी के मृत उपदोश ।

जाधुनिक विश्व करे प्रमाणित करने वाली शाँधतथी, पुनर्जागरण । अन्योषण और सांज : अभरीका का स्वाधीनका संग्राम । फ्रांसीसी फ्रांसि, पौद्योगिक कार्ति, रूमी क्रांसि, समाज पर विज्ञान और अद्योगिक का प्रभाव:

एक विदय की संकल्पना, संयुक्त गर्न्छ। पंचदील, जाकतत्र, समाजवाद, साम्यवाद वर्सभान विद्य में भारत का योगदान ।

(स) पृथ्वी, इकसा आकृति और आकार, वक्षांक और रेखांक। समय । संकल्पना। जन्तर्राष्ट्रीय सारीक ऱोचा। पृथ्वी की 49---306GI/84 ्रार्भा भाष्ट्र उपान्त्र अभाग । भून्यो कर उष्ट्रश्राम **व्यक्तिया । वास उनका** वर्गीकरण ।

अपक्षात्र-रासायनिक और भातिक। भूजात तथा ज्यालाम्सी । भहासागर भारए और ज्यार मार्ट ।

शायुमंडल मरि इसका संघटन। तापमान और शायुमंड्डलीम दाब भू-मंड्डलीम पवन, कक्तमात और प्रतिकक्रवात शाविता । इत्याम जीपु वर्षण कल्यायु में प्रकार ।

विदय के प्रमुख प्राकृतिक क्षेत्र है

भारत का क्षेत्रीय भूगोल— अलगाय, प्राकृतिक, नगस्पति, विनिष्ण और शिक्त साधन, कृषि और बौद्योगिक कार्यकलापों औ स्थान और वितरण। महत्वपूर्ण समुद्री पतन, भारत के मुक्य समुद्री भू और वागु मार्ग। भारत के आयात और नियंति की मुक्य मुद्री भू

(ग) हाल ही कै वर्षी में भारत में हुई महस्वपूर्ण घटनाओं की जानकारी । सामयिक महस्वपूर्ण विश्व घटनायें ।

महत्वपूर्ण व्यक्ति—भारतीय और अन्तर्राष्ट्रीय इनमें सांस्कृतिक कार्यकलायों और खेल-खूद से सम्बन्धित महत्वपूर्ण व्यक्ति औं शामिल हैं।

टिप्पणी :--इस प्रश्न पत्र को बीधकतम अंकी से सामान्यसमा या भाग (क), (ख) और (ग) को लिए कमणा: 40 प्रतिकात, 40 प्रतिकात और 20 प्रतिकात अंक हाँगी:

बृद्धि तथा व्यक्तित्व परीक्षण

उम्मीववार की बृनियावाँ बृद्धि की बांच करने में लिए साकारकार में मतिरिक्त मीसिक तथा लिखित बृद्धि परीका ली जाएगी। उनके ग्रुप पराँक्षण भी किये जायोंगे, बैसे ग्रुप परिचर्चा, ग्रुप योजना, बहिरांग्रुप कार्यकलाप तथा उन्हें निर्विष्ट विषयों पर संक्षिप्त व्याख्यान दोने के लिए कहा जाएगा। में सभी परीक्षण उम्मीदवारों की मेधाशिक्त की जांच के लिए हैं। मौटे लौर पर ये पराँक्षण वास्तव में न केंबल उसके बाँव्धिक गुणों की जांच के लिए हाँ विपित् धनसे उसकी सामाजिक विशेषताओं तथा सामयिक धटनाओं के प्रति दिलचस्पी का भी पता चलेगा।

# परिशिष्ट-≀ ।

राष्ट्रीय रक्षा वकावमी में प्रवेश के लिए उम्मीदवारों के शारीरिक मानक की मार्गदर्शक संकेत

टिप्पणी ह -- उम्मीदवारों को निधारित शारीरिक मानकों के अनुसार शारीरिक रूप से स्वस्थ होना आवश्यक हैं। स्वस्थता सम्बन्धी मानक नीचे विष् हैं ह

बहुत से बहुतात्राच्य अन्योवनार बाद में स्वास्थ्य वी आधार पड़ बहुतीकृत कर दिए आते हैं। जतः उत्मावनारी करे उनसी अपने दित में सलाह को आती हैं कि में जीतम अधस्था पर निराका में अधने के लिए कार्यवनपत्र भोजने से पहले अपने स्वास्थ्य करीं बांच करा से ।

सेना अग्रन बोड ब्वारा बन्सिसत उम्मीदवार का सेवा बे विवाह साम अग्रेस अग्रेस की बोड ब्वारा स्वास्थ्य परीक्षा करानी होती। अक्रादमी मा प्रिविश्वणकाला में अवल उन्हीं उम्मीदवारों को प्रवेश दिमा आग्रेमा को विकित्सा बोड व्यारा, स्वस्थ घोषित कर विए जाते हो। व्यक्तिस्मा बोड का कार्यवृक्ष गोपनीय होता ही जिसी की नहीं विखाया आग्रेमा। किन्त अग्रेम्य/अस्थायी कप सं अग्रेम्य धोग्य उम्मीदवारों को उनके परिणाम की जानकारी चिकित्सा बोड के अध्यक्ष द्वारा दे वी जाएगी तथा उम्मीदवारों को विकित्सा बोड के अध्यक्ष द्वारा दे वी जाएगी तथा उम्मीदवारों को विकित्सा बोड से अग्रेस करने की प्रक्रिया भी बना भी आग्रेमी उम्मीदवारों बी लिए सारणे कप में विष्

गए निर्धीयत शार्रीरक भानको नै भन्तार स्वस्थ हान। नावक्यक हैं ॥

- (क) उस्मीदवारी का भारीरिक तथा नागीसक श्वास्थ्य ठीक होना चाहिए तथा उन्हें ऐसी बीमारी बशक्ता से मुक्त होना चाहिए जिससे उनवी कृष्लतापूर्वक कार्य करने में बाधा पड़ सकती हो।
- (स) उममें कमजोर शारीरिक गठन/देहिक क्षेष या नजन की कमी महीं होनी जाहिए ।
- (ग) कद कम से कम 157.5 से. मी. (नीसेना की लिए 157 से. मी. तथा बायू सेना के लिए 162.5 से. मी.) का हों। गोरबा और भारत के उत्तर पूर्व कोत्र के पर्वतीय प्रदोशों गढ़वाल तथा क्रूमायूं के व्यक्तियाँ का 5 से. मी. कम कद स्वीकार्य होगा। सक्षद्वीय के उम्मीदवारों के मामले में न्यूनतम कद में 2 से. मी. की कमी भी स्वीकार की वा स्कती है। कद और बजन को मानक मीचे दिए वाले हैं है—

· **क्य धीर बजर के मायक** 

वेंदीवीबरों में कथ (विका ज्ता)					क्यित	ाम 🖣	रपर
				15-16 44	3 8 1 7 वर्षे	17-18	
152 .					41.0	42.8	44.0
165					42.0	49.5	45.6
157					43.6	45.0	47.0
160					45.0	48.5	48.0
162					46.5	48.0	80.0
165					48.0	50.0	52,0
167					49.0	51.0	53.0
170					51.0	52.5	55.0
173					52.5	54.5	57.0
175					54.8	50.0	59.0
178					56.0	58.0	61.
180					58.5	60,0	63.
183					61.0	62.5	65.

उपर्युक्त सारणी में विष् गए असितन वजन से 10 प्रतिकात कम ज्यादा (नीसेना के लिए 6 कि. ग्रा. कम ज्यादा) वजन सामान्य सीमा के अन्दर माना जाएगा । किन्तु भारी हडिडयों वाले लम्बे चौड़े व्यक्तियों तथा पतले पर अन्यथा स्वस्थ व्यक्तियों के मामले में गुणवत्ता के नाभार पर इसमें कुछ छूट दी था सकती हैं।

टिप्पणी 1:-- एसे भावसों में वहां विश्वकरसा बोड यह प्रमाणित कर बोता है कि उम्मीववार प्रशिक्षण प्रा होने तक बक्कर बपेक्षित मानक तक हो सकता है कब में 2.5 जें.. बी. की खूट वी वा सकती है है

टिप्पणी 2:---बायु सेना में पायलट के रूप में विकोष अपेक्षाओं की पूर्ति होतु टांग की सम्बाद खंबा की सम्बाद तथा बैठे हुए सम्बाद की स्वीकार्य माप निम्स मकार होगी.,---

	_	 •्यू वतम	क्षिकतम
कांग की शरकाई	 •	. 99,00	120 कैंश्मी•
र्ववा की सम्बाई	<b>y</b> '		04,00 वें • पी+
की हुए सम्बार्ट .		. ,81.50	មាន ១០ 🖥 ហើង

राष्ट्रीय रक्षा जकावनी के उम्मीतवारों की कम उस के कारण 5.0 सें. मी. तक उत्पाई में 2.5 में. मी. (त्युनतम) तक विके हाए डांग की लम्बाई में बार 1.0 से मी. (त्युनतम) तक विके हाए उत्पाई में गुजाइश दी का सकती ही क्यारों कि चिकित्सा बोडे से समाजित कर दिया हो कि उम्मीदनार को सक्कोत्तर हुई ककाली

- हैं और राष्ट्रीय रक्षः वकादमी में श्रोणकाण प्राहान तक यह भगेकित स्थर श्राप्त कर सकता हैं।
- (अ) छाती भली प्रकार विकसित होनी चाहिए तथा पूरा सांस लेने के बाद इसका न्यनतम फौलाव 5 सें. मी. होना चाहिए। माप इस तरह फौता लगा कर की जाएगी कि इसका निचला किनारा सामने जूचक से लगा रहे और फीते का उत्पर भाग पीछे स्कन्ध फलक (शोल्डरबलेड) के निम्न कोण (लोयर एन्गिल) को छूते रहना चाहिए । छाती का एक्सरे करना जरूरी है इससे यह चानने के लिए किया चाएगा कि छाती को कोई रोग तो नहीं।
- (क) शरीर में हिड्डियों और बोड़ों का कोई ट्रोग नहीं होना चाहिए उम्मीदबारों की रीढ़ की हड्डी का एक्स-रे नेमी तौर पर नहीं किया चाएगा किन्तु नैदानिक संकेत मिलने पर सर्जरी विशेषक्ष की सलाह पर किया जाएगा, ऐसे जन्मजात बोध गुणबत्ता पर स्वीकार किए जा सकते हैं जिनमें सेना कर्तन्यों औं निव्यादन में बाधा पडने की संभावना न हो।

# बाय सेना के लिए मेरांवण्ड की हालत

- (च) नीचे लिका पिछला स्वास्थ्य मृत वायु सेना ची जिए। अयोग्य ठहराने वाला हैं॥
  - (1) मेरज्यन्य या हितरक्ष्णे जोड़ों की एरेसी जीमारी आहे उसके शस्ति[क्क लक्षण हो या न हों— चिसकी वजह से अम्मीदवार शारीरिक रूप से सिक्य जीवन सफसता-पूर्वक वृत्रिता सकता हो के
  - (2) प्रोसंप्स अन्तराक सेराक विस्थ तथा उस जनस्था की लिए शस्य जिकिस्सा ११
- (छ) मरजवण्य की पूरी नैवानिक जांच की जानी है प्रैंससमें उसकी आकृति स्थानिक कांमलता, यदि कांचे हैं, मरजवण्य की हरकत आदि शामिल हैं केंग्रल हवाई कमी के कार्य के बास्ते उम्मीववारों के लिए किटिंगिक केंग्रज का एक्स-रे (ए.) पीं, तथा पार्थिक कर्यता किया जाना है।
- (अ) हमका काइ फोसिस या लोकोसिस जहां विरूपता मूरिकस से विसाई वेती हैं जहां दर्व की वह हरकत में रुकावट की शिकायत नहीं हैं, स्वीकृति में बाधा नहीं बनेगा।
- (श) विचार पड़ने वाले स्कोजिओंसिस के या भून्य किसी तरह की भसामान्यता या भेरत्वण्ड की विरूपता का को मामूलों से अधिक हां—संबोह होने पर मेरुवण्ड का उपयुक्त एक्सरे लिया जाना है और परीक्षार्थी को विद्योजन की सनाह होतू प्रस्तुत करना है ।
- (अ) एकस-र परौक्षा के बाद पाइ' गई निम्निलिखित जबस्वाएं बाय सेना में प्रयोग होतु अयोग्यता का कारण मानी जाएंगीः
  - 🏌 मेरावण्ड की प्रैन्यलोमेटस बीमार्खें
  - 2. बार्थराइटिस/स्पोन्डिलोसिस
  - 3. कावपव्भति से यथामापित स्कार्रीलयोसिस वा 15 सं
  - 4. माम्ली से ज्याचा काइफारिसर/लोडोरिस
  - 5. स्पेरिडलोसथॅसिस/स्पेरिडलिससिस
  - तः । **हरनिष्**टिक (न्युक्तिसम्पलपोसस)
  - क्षेत्रकाक्ष का संगढन निर्मं। >
  - २ व्यर्भन कर बीवारी ।
  - अध्योतीय त्रिकोय या शांत्रसंचारों अभाव वा साथ १७ पश्कित ।
  - मेरुदण्ड सम्बन्धी अन्य असामान्यता यदि विशोधक का प्रेसा भ्त हो ।।
- (ट) अभीववार भागीसक विकाम मा बारी प्रका भा प्रकाश भागित सहात क्रांकित क्रांकित क्र

(ठ) उज्मीदवार शामान्य अप सं सूत सर्वे । उज्मीदवाइ क्ष्रे इस योग्य होना वर्षेहर कि वह सांत कलर में प्रत्येक कान सं 610 संः मी. की बारी से बोर की कानाजासी सूत सर्वे । कर्णनिस्का की पिछली या नवकी बीमारी का कोई प्रमाण स हो।

बाबू सना भी लिए अध्यतामितिक पराक्षण किए बावार्ण के 250 एक. जैंड. 400 एक. जैंड. के बीच की बावर्तियों में अध्यतामितिक कमी + 10 डॉसबल से अधिक नहीं हो ।

- (ड) हुवय था रक्तवाहिकाओं से सम्बन्ध में कोई कियारनक या मांगिक रोगुनहीं होना चाहिए । रक्त वाव सामान्य हो ।
- (इ) उदरपेशियां सुविकसित हो तथा जिगर या तिल्ली बढ़ीं हुई न हों । उदर के आंतरिक अंग को कोई जीमारी होने पर उम्मीदवार अस्त्रीकृत कर दिया आएगा ।
- (ण) यदि किसी उम्मीवनार को होनिया है और उसको शल्य चिकित्सा न की गई हो, तो वह उम्मीवनार जनुपयुक्त होगा । यदि होनिया की शल्य चिकित्सा हो गई हो और वह वर्समान परीक्षा संकम संकम् एक वर्ष पहले हुई हो और उसका जन्म भी पूरी तरह ठीक हो खुका है।
- (त) हाइब्रॉसिल, वॅरिकॉसिल या पाइल्स का डाँग नहीं होना जाहिए क
- (म्), मूत्र कर् परीक्षा की आएगी और स्वि इसमें औह' नसमान्यता निलती हैं तो इस पर उम्मीदवार बस्टीकृत हो डाएगा ।
- (द) अज्ञानताता साने मा आकृषि विगाइने माले अमें, रोग औ होने पर उम्मीदनार सस्मीकृत [कमा जाएगा ।
- (ध) उम्मीदवार को वृर बिट बार्ट में प्रत्येक बांब से एनेक सिहत या एनेक बिना नौसेना के लिए एनेक बिना 6/6, 6/9 और वायू सेना के लिए क्वेल एनेक बिना 6/6 पढ़ने में समर्थ होना वाहिए । मायोपिया 2.5 की. तथा हापरमेट्रॉपिया 3.5 की. (एस्टिंगमेटिंजम सिहत) से अधिक नहीं होना वाहिए । यह जानने के लिए बांच में कोएं रोग तो नहीं है बांच की बान्तरिक परीक्षा अपधलमोस्कोप से की जाएगी । उम्मीदवार के बानों नेत्रों की दिख्य अच्छी होनी वाहिए। वर्ण दिख्य का मानक सी. पी. स्थल सेना के लिए सी. पी. 111 होगा । उम्मीदवार में लाल व हरे रंगों को पहचानने की क्षमता होनी वाहिए । नौसेना उम्मीदवारों के लिए एम. एल. टी. द्वारा सी. पी., तथा रात्रि बिट की तीक्ष्मता सामान्य होनी वाहिए तथा उनकी दत्त आध्य का प्रमाण पत्र दोना होगा कि उसे या उसके परिवार के किसी सक्स्य की जन्मजात रतीं थी जाने का रोग नहीं हुआ है ।

नौसेना के सम्मीववारों का बीच्ट जानक— बूर की बीच्ट—6/6, 6/6 तक शोध्य 6/9, पास की बीच्ट—शरबेक बांच् एन.—5 वर्ष कीच्ट—एम, एल. टी. बुबारा सी. पी. 1 ह

अपेक्षाकृत अच्छी आंख में मायोपिया 0.5 बावोयोस्ट्रेस से बक् नहीं और हायपर मट्रोपिया 1.50 धायोप्ट्रेस से अधिक न हो और अपेक्षाकृत सराव आंख में 2.50 बायोप्ट्रेस से अधिक न

et in

दृष्टि सम्बन्धी पेशी सन्तुलन—मेडाक्स रोड टैस्ट के साथ हुँट्रोफोरिया निम्न से अधिक विल्कुल न हो ः——

- (1) 6 बीडर १२ -एनसोफोरिया 8 जिल्ला सायोग्ड्रेस एसोफोरिया 8 जिल्ला सायोग्ड्रेस सासूपरफोरिया 3 जिल्ला सायोग्ड्रेस
- हैं a है 30 बैं॰ बो ॰ पर धननो सीरिया 16 शिक्त कारोप्येस धंकीसीरिया

💰 विश्व साम्राप्तकोर्देशका दिश्यक्त 🗿 ।

बाबू छेता के भ्रिष् विकासिक्ति धावसम्ब 📳

पूर की वृश्चि 6/6, 6/6 तक कुबार बोग्च 6/3
पास की वृश्चि करे थे थे की वृद्ध 3
वर्ष वृश्चि की वृद्ध 3
सबी की वृद्ध 4 की वृद्ध 3
सबी की वृद्ध 4 क

ग्रेडडोबस रोड डेस्ट के साथ हैडरोफोरिया निश्वतिश्वित से अधिक हो:-

- (1) 8 भोदर पर एक्सोफारिया 8 प्रिष्म बायोप्ट्रेस एसोप्टोरिया 8 प्रिक्म बायोप्ट्रेस हाइप |हाइपो-फोरिया 1 प्रिक्म बायोप्ट्रेस
- (2).35 स० मी० पर

  एक्सफोरिया 6 त्रिश्म हायोप्ट्रेस

  एसोफोरिया 6 त्रिश्म हायोप्ट्रेस

  एसोफोरिया 6 त्रिश्म हायोप्ट्रेस

  श्रूक्षपर शृङ्गो-फोरिया 1 त्रिश्म हायोप्ट्रेस

  हिनेस दृश्य प्रकार स्था प्रकार होना

  प्रतिवार्ग है (प्रकार स्था स्थाप्त) स्था श्रीम व बहुनता
- (न) (iii) उप्मीदवार के पर्याप्त संस्था में कृदरती व मजबृत वांत होने चाहिए । कम् से कम 14 वांत विन्यू वासा उप्मीदवार स्वीकार्य है । चथ 32 वांत होते हैं तब कर्स 12 वांत होते हैं।

जम्मोददार को तीद पायरिया का रोग नहीं होना चाहिए ।

(प) बायसेना के उम्मीबबारों के लिए राटीन हैं. सीं. थी. तथा हैं. हैं. जी. सामान्य सीमा में होने करूरी हैं ।

# परिकिष्ट-श्वाः। (सेवा जादि का संकिप्त विवृद्ग)

- अकावमी में भती होने से पूर्व माता-पिता मा संरक्षक की निम्निलिखित प्रमाणपत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे है—
- (क) इस आशय का प्रमाण-पत्र कि वह यह समभता है कि किसी प्रशिक्षण के वरिन या उसके प्रिणामस्वरूप गृवि उसे कोई जोट लग जाये या उत्पर निर्विष्ट किसी कारण से या अन्यभा वावद्यक किसी सर्जिकल आपरोशन या संवेदनाहरूक दवाओं से पिरणामस्वरूप उसमें कोई शारीरिक मुखनता ना जाने या उसकी मृत्यु हो जाने पर वह या उसके वैध उत्तरिकारी को सरकार के विराव्ध किसी मुनावर्च या जन्य अकार की राहत का अवा करने का हक न होगा ॥
- (ख) इस बाशय का बंध पत्र कि मृषि किसी एसे कारण से जो उसके नियन्त्रण में समभे जाते हैं उम्मीदवार पाठ्यक्रम पूरा होने से पहले वापस बाना बाहता है या कमीदान बस्वीकार कद देता है तो उस पर शिक्षा गुल्क, भोषन वस्त्र पर किस् १ए व्यय तथा दिए गए वेतन घर भत्ते की कृत राशि या उतनी राशि को सरकार निविचत कर उसे वापस करनी होगी ।
- 2. भावास, पुस्तकों, ववीं, बोर्डिंग और जिसित्सा सहित प्रियासण के खर्च को सडकार वहन कड़िंगी। उम्मीदवार के माता-पिता या संरक्षक से यह भाषा की जाती हैं कि उम्मीदवार का जेब सर्थ में खूब बदस्ति करेंगे। सामान्यतया इन द्वारी के 75.00 रुप्प से अधिक होने की संभाषना नहीं हैं। पृष्टि किसी कौडट के माता पिता या संरक्षक इस खर्ज को भी प्रा या संक्षिक रूप में बर्वाहत कुडने में असक्ष हों तो पहुनी स्टि मुझ्स हो

बूच भी लिए एक 75.00 तक और राष्ट्राय रका बकायमी म सीसाई वर्ष को प्रशिक्षण भी लिए एक 80.00 जोड़ कर्क संगा/ नौ/वायू बेना प्रशिक्षण प्रतिकार्यों में बागे अधिक्षण के 90.00 तक सरकार ब्वारा वित्तीय सहायता की जा सकती है। लेकिन जिन उम्मीदवारों की माता विता या संरक्षक की भासिक आय एक 500.00 था इससे जिथक हो ने इस वित्तीय सहायता पान नहीं होंगे। वित्तीय सहायता की पात्रता निधीरित करने के लिए अचल सम्पत्तियां और सभी साथनों से होने वाली आय का भी भ्यान रहा जाएगा ।

यदि उम्मीदनार के माता पिता संरक्षक सरकार सं किसी प्रकार की विसीय सहायता प्राप्त करने के इच्छुक हाँ तो उन्हें अपने पुत्र संरक्षित के राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रशिक्षण के लिए अंतिम रूप से खूने जाने के तुरन्त बाद अपने जिले के जिला मजिस्ट्रेंट के माध्यम से एक आयदेन-पत्र देना चाहिए जिसे जिला मजिस्ट्रेंट अपनी अनुशंसा सहिता राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, सड़कवासला पूर्ण (411023) के कमांडेट को अग्रेंचित कर देना।

- 3. बकावमी में प्रशिक्षण के लिए बंतिम रूप से भूने गए, उम्मीदवारों को जाने पर कमांडेंट राष्ट्रीय रक्षा बकावमी में पास [नम्नलिक्स राशि भमा होगी:——
- (क) प्रतिमास 75 00 to के हिसाब से पांच महींने का 90 कि बार्च वार्च 375 00 (ब) बस्ब शया उपस्कर की मधी के लिये 850 00 (ग) I सिमस्ट के दोगल प्रास्तिक व्यय 150.00

1175.69

सम्मादवारी को जिलीय सहायता नचुर हो कारी पर स्वयुक्त राष्ट्रि-वे छ पांचे तिथी राशि वायस क्य दी बाएवी:--

- 4. राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में निम्नलिशित अनव्हिसां उपलब्ध हैं है—
- (2) कर्नल कॉडिस फ्रींक सेनोरियस छाभव्सि:— यह छात्र-वृत्ति है जो मूतपूर्व सीनक का पृत्र हो। यह छात्रवृत्ति सरकार संप्राप्त वित्तीय सहामता के जितिरकत होगी।
- (3) कार सिंह मेमोरियल छात्रवृत्ति शा छात्रवृत्तियां उन वां काँबटों को प्रदान की जाती है जिन्हों बिहार की उम्मीदवारों मे उचवतम स्थान प्राप्त हो। प्रत्येक छात्रवृत्ति 37.00 रा. प्रति मास की है तथा कथिकतम बाह्य वर्ष से सिए राष्ट्रीय

रक्षा अकावमी, बड़कबासला में प्रशिक्षण के दौरान तथा उसके बाद शारतीय संगा अकावमी, बहुराबून तथा वायू सेना पलाइण कालिक तथा गरिना जकावमी, काचीन में वहां करेंडेट की शिक्षण के जिए राष्ट्रीय रक्षा ककावमी प्रशिक्षण पूर्ण करने पर अंका वाएगा, दी वाली रहेगी। छाजबृत्ति तभी मिलती रहेगी बाद के केंट उपयुक्ति संस्थाओं में अच्छी प्रगति करता रहें।

- (4) असम सरकार अत्रवृत्तियां :— दो अत्रवृत्तियां असम औ किंडिटों को प्रदान की जाएंगी। प्रत्येक अत्रवृत्ति 30.00 रु. प्रति मास की रहेगी। तथा जब तक अत्र राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में रहेगा उसे मिलती रहेगी। आत्रवृत्ति असम के दो सर्वोत्तम किंडिटों को उनके माता-पिता की आय पर ध्यान दियं जिना प्रदान की जायंगी। जिन किंडिटों को यह अत्रवृत्ति प्रदान की जाएगी उन्हें सरकार की ओर से अन्य विश्लीय सहायता प्रदान नहीं की जाएगी।
- (5) उत्तर प्रविध सरकार छात्रवृत्तियां:—वां छात्रवृत्तियां 30.00 रु. प्रति मास की तथा 400.00 रुपये की परिधान वृत्ति उत्तर प्रविध सरकार के वां कंडटों की योग्यता तथा भाय के बाधार पर राष्ट्रीय रक्षा ककावमी में संतोषजनक प्रगति करने पर तीन वर्ष के लिये दी जाएगी। जिन कंडटों को तीन छात्र-वृत्तियां मिलेंगी, उन्हें अन्य प्रकार की वित्तीय सहायता सरकार सं नहीं मिलंगी।
- (6) करेल सरकार छात्रवृत्ति ह-पूर' वर्ष के लियं 480 छ. की एक यांग्यता छात्रवृत्ति छ. अकादमी मे प्रशिक्षण की पूरी अयांच के लिए करेल राज्य इनारा उस के इंट का दी जाती हैं जो करेल राज्य का अधिवासी नियासी हां और जो रा. रा अकादमी हत् अखिल भारतीय सं. ला. सं. मा. प्रश्यक प्रयोग परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त कर लेता हैं भले ही उसने वह परीक्षा राष्ट्रीय भारतीय सना कालिज से या भारत भर मे किसी सीनक स्कृत से उत्तीर्ण की हां। एसा करत समय के इंट के पिता सरकाक की आधिक स्थित पर कोई ध्यान नहीं दिया जाता है।
- (7) बिहारों लास मदािकती पुरस्कार:—वह 500.00 रापयं का नकद पुरस्कार सर्वोत्तम बंगाली लडके का अकावमी से प्रस्थेक कोर्स की लियं मिलता है; नावेदन प्रपत्र कमार्डट, राष्ट्रीय रक्षा नकावमी से मिलतो है।
- (8) उबौसा सरकार छात्रवृत्तियां तीन छात्रवृत्तियां एक निर्मात स्था थायू सेना जा काँबेट की लिए प्रत्येक छन्। एक निर्मात स्था थायू सेना जा काँबेट की लिए प्रत्येक छन्। एक एक एक हैं की देवा काँबेट की लिए प्रत्येक छन्। एक अंदिर का को कांबेट का कांबेटी कांबेटी कांबेटी कांबेटी कांबेटी कांबेटी कांबेट का की कांबेटी का
- (क) वर्ष 1 ा कामबृत्तियां (भक्ष सेना, नीसना तथा भाग सेना की लिए एक-एक) 360.00 रुपये प्रति वर्ष पहले और ब्रुवर वर्ष के लिए और अकादमी में तीसरे वर्ष के लिए श्वार विश्वय प्रशिक्षण संख्या में धाँधू वर्ष के लिए 480 00 रा. सभा इसकी अतिरिक्त 400.00 रापये परिभाग वृश्या यह उम कि दोटों क्ष्में वो आएगी भी अकावयी में काई अन्य काज्यति यम की पाम नहीं हैं 10

- (क) वर्ग 2:--तीन छात्रवृत्तिया 100 रुपये प्रति वर्ष एक मृश्त सरकारी वित्तीय सहायता को जीतिरक्त दी जाएगी ।
- (10) पायलट अफसर गुरनीत सिंह बेवी मैगोरियल छान्।
  वृत्तिः—रंत. 420 प्रतिमास की एक छानवृत्ति एसे कवेंद्र का
  वो जाती है जो नाय सेना कवेंद्रों के जामें सन में अन्त में
  योग्यता में सर्वेत्तिम होगा। यह एक वर्ष की अवधि के लिए
  होगी। पांचवों और छठ सन के वरितन यह छानवृत्ति बंद कर
  बी जायेगी। यदि प्राप्तकर्ता रेलीगड कर दिया गया हो। जो कवेंद्र
  प्रसार करने की अवधि में छोड़ कर जा गया हो। जो कवेंद्र
  इस प्रकार का पहले स हो कोई योग्यता छात्रवृत्ति या विसीय
  सहायता ले रहा है, उसे छात्रवृत्ति नहीं वी जाएगी।
- (11) हिमानल प्रवेश सरकार छात्रवृत्तियां क्ष-हिमानल प्रवेश की कर्डटों को नार छात्रवृत्तियां प्रवान की नाएंगी । प्रशिक्षण के प्रथम दो वर्षों के लिए छात्रवृत्तियां 30.00 रुपयं प्रतिमास तथा प्रशिक्षण के तीसरे वर्ष के लिए 40.00 रुपयं प्रतिमास मिलेगी। यह छात्रवृत्ति उन कर्डटों को मिलेगी जिनके माता-पिता की मासिक बाय 500.00 रुपयं प्रति मास सं कम होगी। जो कर्डट सरकार से वित्तीय सहायता ल रहा हो उसे छात्रवृत्ति नहीं मिलेगी।
- 12. तमिलनाड सरकार की छामवृत्तिः तमिलनाड सरकार ने राष्ट्रीय रक्षा अकावमी में प्रति कोर्स 30 रु. प्रति भास की एक छात्रवृत्ति तथा साथ में 400 रु. सथा भाषा (कैटंट के प्रतिक्षण की पूरी अविधि के दौरान केवल एक बार) विना शुरू किया ही जा उस कैटंट को दिया आएगा जा तमिलनाड राज्य का हो तथा जिसके अभिभावक सरक्षक की मासिक आय 500 रु. स अधिक न हो। पात्र कैटंट अपना बावेदन कमांडेंट राष्ट्रीय अकादमी वहां पहुंचाने पर प्रस्तुत कर सकते हैं।
- (13) कर्नाटक सरकार की छात्रवृत्तियां हिन्सिनंदक सरकार में प्रित वर्ष 18 (कठारह) छात्रवृत्तियां—9 जनवरी, से शृक्ष होने वाले कोसी के लिए और 9 जुलाइ से शृक्ष हाने वाले कोसी के लिए कर्नाटक राज्य के उन कर्किटों का वी है जो सैनिक स्कृल, बीजापूर या राष्ट्रिय इंडियन यिलिट्री कालेज, यहराबान से कपनी शिक्षा पूरी करके राष्ट्रीय रक्षा अकावमी में आते हैं। इन अग्र वृत्तियां की राश्चि 480.00 रुपय प्रांत अर्थ है में
- कि न 480.00 प्रति वर्ष की चार (4) और छात्रकार के प्रति कि सिकार की कार्य के उन छात्रा को वी गई है को कि कि स्कूल बीजापूर राष्ट्रीय इण्डियन मिलिट्री कालिज बहराबून औं मलावा अन्य सस्थानों पर अपनी शिक्षा पूरी करके राष्ट्रीय रक्षा ककावमी में आते हैं।
- (14) एलबर्ट एक्का अत्रवृत्तिः बिहार सरकार ने शब्द्रीय रक्षा सकादमी में 50/-रु. प्रतिमास की 25 योग्या शाल-वृत्तियां राष्ट्रीय रक्षा सकादमी में छः समयाविधियों के पूरे समय की वास्ते एक बार बार 650/-रु. बस्त्र तथा उपस्कर की वास्ते दोना शुरू किया है। जिस कैबट को उपर्युक्त योग्यता छात्रवृत्ति मिलती है वह सरकार से कोई अन्य छात्रवृत्ति या विसीय सहायता का पात्र नहीं होगा। पात्र कैबट राष्ट्रीय रक्षा बकादमी में आने पर कमान्बट को आवेदन प्रस्तृत कर सकते हैं।

इन छात्रवृत्तियाँ काँ कर्ते शब्दाँय सकादर्सी, श्रक्तशायलः, पूर्ण (411023) से प्राप्त की जा सकती हाँ।

- 5. चुनं हुए उम्मीदवारों के मकावमी में भानं नौ आप तत्काल उमके लिए निम्नलिसित विषयों में एक प्रारंभिन परीका होगी !
  - (क) अंग्रेजी
  - (व) गृणित
  - (ग) विभान
  - (व) हिन्दी
- (क), (क) तथा (ग) औं लिए परौंका का स्तर, भारतीय रैंबच्यां नया सामर संकेष्टरी जिला बांडे की हायर संकेष्टरी यदीका के स्तर से उन्जा नहीं हागा। (क) पर लिचित विवय की परीक्षा में यह जांचा जायेगा कि उम्मीदवार को जकावसी में भती होने के समय हिन्दी का कितना ज्ञान है।

सत अम्मीदवारों को सलाह दी चाती है कि प्रतियोगिता। गरीका औं उपरान्त अध्ययन के लिए उवासीन न हो चाएं ।

### श्रीशक्षण

- 6. तीनों सेनाओं सर्थात् यल सेना, नौसेना और वायु सेने। के निल्य कुन गए उम्मीदवारों को तीन वर्ष के लिये शैक्षिक तथा शारीरिक दोनों प्रकार का प्रारम्भिक प्रशिक्षण राष्ट्रीय रका। बकादमी में दिया जाता है जो एक सर्व सेना संस्था है। पहलें छाई वर्ष का प्रशिक्षण तीनों सेनाओं के लिए समान है। सफल शाने पर कीडटों को जवाहर लाल नेहरू विश्विधालय, विस्ली इशाय थी. एस. सी./बी. ए. विशी प्रवान की जाएगी।
- 7. राष्ट्रीय हक्षा बकावमी में पास होने के बाव बल सेना किंडिट भारतीय सेना जकादमी, प्रेहराबून, में निताना किंडिट/किंडिटों के प्रशिक्षण पोस में और वायु सेना किंडिट, ही. एफ, एस. विदार नायों ने ।
- 8. भारतीय सेना अकावमी में सेना कैडिटों को 'जेन्टलमेंन कैडिट' कहा जाता है और उन्हें एक वर्ष तक कड़ा प्रशिक्षण दिया भाता हैं। ताकि वे इन्फीन्ट्री के उप यूनिटों का नेतृत्व करने भोग्य अफसर बन सकी। प्रशिक्षण सफलता से पूरा करने के हाव केन्टलमेंन किडिटों का उन्हें। की प्रशिक्षण सफलता से पूरा करने के हाव से योग्य होने वर लेकिंड लीफ्टनेन्ट भी प्रद पर स्थामी कशीशन दिया काला हैं।
- 9. नीमेन अंडिटों के राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में पास होने पर उन्होंनीस्मेंना का कार्यपालक इजीन्यियों, बिजली और शासाकों के लिए भुना जाता है; उन्हें छः महीने के लिये केंडिट प्रशिक्षण पात पर समुद्री प्रशिक्षण दिया जाता है। जिले स्कारणपूर्वक पूरा करने पर उन्हें मिडिशिपमेंन रैंक में पर निनेत किया अला है। संबंध्ध शासा में 6 महीने तक जागे प्रशिक्षण पाने के याद उन्हें कार्यकारी तथा लेपिनेन्द्र के रैंक में परान्नत किया जाता है।
- 10 वायु मेना काँडोटों को ध्वाइं उड़ान का ठेड़ वर्ष का प्रशिक्षण दिया जाता है। तथापि उन्हें एक वर्ष का प्रशिक्षण पूरा होने पर अनिन्तम क्ष्य में पायलट अफसर के रूप में कमीशन अवान किया जाता है। उसके बाद छः महीने का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने पर उन्हें एक वर्ष की अवधि के लिये परिविधा पर स्थानी रूप से कमीशन अफसर के रूप में ममाहृत अर दिया काल है।

म्यूचतम सेवा धीमा

### सेवा की गर्दे

### 11, बच हैवा अधिकारी

(i) विचय

रेंक		वेततमारु
		चेपम
से किथ्य सैथिश्रमेन्स		760~790
<b>्देशिसमे</b> ग्द		. 830-950
<del>ई गा</del> र		. (100-1550
मे अ		. 450-1800
वेश्वर (चयन ग्रेस)		1800-50-1900
<b>वैदिश्तरेन्द्र कर्वेल</b> (नयस हारा)		1750-1950
वीपिसनेन्य कर्वस (चयन वेस वेतन)		2800~ 30-2104
कें फिल्मेन्स कर्पस (समय नेतरमाम)		1900 <b>विक</b> श
हरंद		1950-2175
विवेधिवर .		. 2200-2400
केवर वनरक ,		= 803-128/2750
<sub>था</sub> 'श्रिक्तेश्व सवरक		. 3000 ninun
थ। <sub>वैकि</sub> पेश्व जनरस (सेना कमोडर)		12.69 प्रशिव्हरम्

# (li) या यता वेतन भौर मनुवान

लिफ्टनेस्ट के निल बाँड उससे नीचे को रौक को कुछ निथारित् बार्यक्ता रचने बाक कि अधिकारों अपनी योग्यताकों के बाधार पूर 1600/- रा. 24६१०/- रा. 4500/- रा. अधवा 6000/-रा. को एक मुद्दत अनुवान को हकदार है। उद्दान प्रशिक्षक (वर्ग 'ख') 70/- रा. दर पर योग्यता बतन अधिकारी होंगे।

### (iii) भत्त

बेतन के बातिरिक्त सफसरों का इस समय निम्निनिवित भूत हैमलते हैं :---

- (क) सिविलियन राजपितित अफसरों पर समय-समय पर लागू दरों और शतों के बनुसार ही इन्हें भी नगर प्रतिकर तथा महंगाइ भत्ते दिये जाते हैं।
- (च) रह. 75/- प्रतिमास की वर स किट अनुरक्षण
- (ग) भारत के बाहर सेवा करने पर ही प्रवास भला मिलेगा। यह विवास भले की तदनुरूपी एकल दर की 25 प्रतिशत से 46 प्रतिशत तक होंगा।
- (भ) वियुक्ति भक्ता । जब विवाहित अफसरों को ऐसे स्थानों पर रौनात किया जाता है जहां परिवार सहित अही रहा जा सकता है तब अफसर 140 रा. प्रतिमास दर से वियुक्ति भक्ता प्राप्त करने के हकदार होते हैं।
- ( फ) सज्जा भत्ता । प्रारम्भिकं सज्जा भत्ता रु. 2100 प्रथम कमीशन की तारीच से रु. 1800/- की दर चे प्रत्येक सात वर्ष के बाद एक नये सज्जे के दावें का मुखान किया जा सकता है।
- (घ) थल 'सेना में कर्नल स्तर तक मृफ्त राशन दिया जाता है ।

#### तनाती

थल सेना अफसर भ. परत में या विद्या में कहीं भी तैनाल अंकए जा सकते हैं।

- (v) प्रयोनितियाः .
- (क) स्थायी पदान्नित

(i) समय वेतनमान से

जन्मत्य द्वांकों पर स्थानी पृद्योलित में लिए निम्नलियात सेना सीमाएं हु ---

डेपिडमेण्ड .			. 2 वर्ष कसीधाय श्रान्त पेवा
<del>वे</del> ध्य .			. ६ वर्षं कमीशव प्राप्त केवा
वेजर .			. 13 वर्षे कमी शत । 10a <sup>- क्र</sup>
पेजर है वैपिटनेन्स	क्रमेख वरि	प्रमुख	श्रापा
रबोग्नसि सहुई हो			. 25 वर्ष कमोबस बार्फ सेबा
(ii) वय <b>व</b> ∎	ीरा -		<b>'युन्दाम सेवा सीमा</b>
संपिरवेश्य क्ष्पंच			. 16 वर्ग क्योश्वय शास्त्र सेवा
<b>हर्वस</b> .			. 20 वर्षे क्रमी सन प्राप्त सेवः
विवेधियः .			. 23 वर्ष कमीसन जान्त देवा
येवस्य वयस्य .			. 28 वर्षे क्रमीयव आक्ष वेदा
भेषियांग्य सर्वेष			. 28 दर्भ क्षतीयन बाफ देवा
<b>z</b> ut <i>a</i>			, कोषै अस्तिबन्य बही।

विश्वविधित स्थातम देवा श्रीमावं हूरी करवे वर वक्षसर श्रक्ततर रेकों वर कार्यकारी प्रवेकति के सिसे पाण होने वक्कों कि रिक्तिया कर-सम्भ हो।

वेपास .	·					3 📢
-	•	•	•	•	•	•
देवर .		•	•			6 वर्ष
वैधिरुवेन्द्र क	40 .	•				8 🛊 वर्ष
कर्षच .	•	•	•	•		8 । पण
विगेषियर .	•	•	•	•		12 वर्ष
मेजर जनरस		• •	•	•		20 🕶
श्रीपिठने स्व क	•	•	•			2 8 <b>वर्ष</b>

### 12. गौसेना शक्सर

(1) वेतन

<b>€</b>		•	<b>ग</b> तनम्	I <b>T</b>
			सामान्य सेवा	बीसेना विमानन जीर पतबुखी
			7+	€0
<b>मिश्राक्षपर्वेश</b>	•		590	540
कार्यकारी सब वैपितनेश्व		-	750	,825
सबसैप्डिनेग्ड .			83 <b>0</b> - 878	910-950
संपितने म्य			1100-1450	1200-1550
र्क्षांक्टनेन्द्र समित्र			1450-1800	1450-1800
सैपिटने स्ट कमीवर (चयन ग्रेंव)	•	•	1850-1900	1850-1900
क्षमीवर .			1750-1950	1759-1950
कमोचर (समय देतनमा	9)		1900(नियत्त)	- 1900(शियत)
क्रमंडिर (चयन ग्रेड)	•		2000-2100	2000-2100
<b>बेदा</b> च े .	•	•	्योमोडोर को ब	1850—2400 विवेतन मिसता विकेटसम्बद्धाः
			इक्वार है।	. out o might
रियं वृष्टमिर्व	Ä	ŗ	2500-125/2-	2780
शाइक एडमिरच	je j		3000 अस्मित	

वाह्स <u>प्र</u>मिरण (वा॰ ता॰ पत॰ पत॰ /एक ॰ घो०सी ॰ इन ॰ छो ) 3 2 5 0 प्रतिमास/-

मांच्यता वंतन/सन्वान भी निस्निसिस्त को प्राह्म है

कृष्ठ निर्धारित गाँग्यताएं रखने वाले कर्मावर वर्गर उसके नौकें भी राज्य के वफसर की वपनी भोग्यतावां के वाधार पर 1600/व रह., 2400/- रह., 2500/- रह. या 6000/- रह. मैं एकभूवत वनुवान के हकदार हों। फ्लाइंग इन्स्पेक्टर नेवीपेटर केवी क और व कमवा: 100 रुपये और 70 रुपये प्रतिमास की वृह्क वेतन के हकदार ।

# (2) uti

- (क) प्रश्तिपूरक (नगर) भ्रता जीर महणाई भ्रता उसी दर जीर उन्हों क्सों पर कास्य हैं को सम्य-सभन पर सिह्मितियम राज्ञपत्रित अधिकारियों पर सागृ हैं।
- (क) किंद्र अभूरकाण श्रता 75 रु. प्रति भास की दर पर।
- (ण) अब क्षारक्ष सं आहुर समृत्य सट पर था कुछ वैद्यान्तरीय और अक्षांशीय सीमाजों में पार कहाच थर हों को निर्वासन भत्ता। दर्ग टीक में अनुसार 50 राज्य प्रत् मान से लेकर 250 राज्य प्रति भास तक अक्षण-जलग हों।
- पूँभी सहाज यस र्गमाश्वर विकासित स्थितकारियों की उनन्दें सहाज भी क्षेत्र कार्यकाल में बाव होंगे की स्थित मेंद्रे बरिशम 140 कार्य हैं है साक्ष कर बस पर सिम्हिक भ्रमा
- (क) पहली बार अधीक्षण जिल्ला पर 2400/- रुपये परिसच्या कृता जीर प्रभावी सेवा में प्रत्येक सात वर्ष में बाद 2100/- रुपये नवीकरण परिसच्या मसा।
- (भ) मीसीना मी क्षिप्टल स्तर तक मृप्त राखन दिया जातःहै।

नीसंगा की उद्देश्यन जीभकारी मासिक दर पर जीर वासुसंगः कांभकारियों की स्वात रान्कों पर जागू कर्ती में कृषीन उदान वेराल की हकदार ही।

उपर्युक्त में अंतिरिश्न नौसेना अधिकारों कुछ विकोच रिया-यतों के भी हकवार हाँ को उनमें साथ लगी वार्ती पूरी कर बोने पर वी आएंगी चीसे हार्ड साइंग मनी, सबमेरार्टन एसाउन्स्,, सबमेरार्ड न पे, डाइचिंग पे और सब्दें बाउण्टीं।

# (3) प्योमितियाँ

### (क) मूल पदांग्यांत

उच्चतर रोक्कों पर कार्यकार्य पद्योग्वतियों में लिए निम्न-रिमक्ति सेवा सीमार्थ के किल्ल

<b>ऐंअक्ति सेमा सीमाएं</b>	f*		
समय वेत्रवसाय सारा			
सव ने विश्ववेत्राः 😲			1 क्वं
र्रेक्टियम	•	•	s वर्ष (वरिष्णतः सामः) कावनी के समीध)
क्षीपडवेग्य क्षम् <b>था</b> च	•	٠	वेशियोग के क्या है से प्रव की वरिकाता।
दमोवर ं	•	•	24 वर्षे की कवीश्वय कात वैका (विकि चयथ हारा विकेशित वर्षी हुई है)
क्यन हारा			
समोकर कार्वेशसक सामा	•	•	वेशियोग्स क्यांकर के का क 2-8 वर्ष की वरिष्ठता
क्यांकर इंजीनियर वाका	ι,	•	वैष्यिकेक क्षमंत्रिक के क्ष में 2-10 वर्ष को परिच्छा।

	1 44 C R M M C B M C R
	રે 1.6 જઈ, જાઈ જરિય⊕લાક
केंपास	इस'धर क्ष क्षण 🔻 👔 वर्ष
	को परिश्वता।
रियर एक मिरल	कार्ड मिलिवन्स भवी।
बा∉स एकस्मिरख	का <b>र्ड</b> ∡ितवस्य वक्षीः

### त्**क) कार्यकारी प्रान्ति**क्ष

लैपिटनेन्ट कमंद्रर के रैन्क की छांड़कर जिसके सिये किसी अफसर को लैपिटनेन्ट के रूप में 6 वर्ष की वरिष्ठता होनी चाहिये शैसेना की कार्यकारी प्रकोन्निट के लिये कोर्ड सेवा सीमा नहीं हैं।

# 10. बाबु वेचा वर्णवर

(1) वितय

*	वेत्रथमाव
_	74
ना इंद्रां अपना र	825-965
क्यार्थं अध्ययः	910-1030
स्वादंव विविधियम्	1300 1550
कारापुर क्षेत्र	1650-1800
चप चमस्टर (चनव)	1750-1950
विव फनीवर (छंचव नेत्रवनाव)	19 <b>8</b> 0 विकास
<sub>[</sub> २ <b>पं</b> चाय	1989-2176
<b>श्वर क्रमोबर</b> ,	8200-2400
६४९ <b>व</b> ा∉म मार्थक	2500-2750
<b>१व</b> ९ मार्थे <b>छ</b>	3000
इयर मार्शेख (बी० सी० ए० एस० फीर ए० सी० 🛫	
थ्म० बी॰ (इस बी॰))	3250
(यर चीच मार्जन्स (सी० ५० ६२०)	4000

(ii) **पर्व** 

(क) सहात बेतन :-- तहात आथा के श्रीधंशारी (पाइसर तथा तेथि। बेटर) निम्नसिक्षिण पर पर प्रहान बेतन पाने के पाक हैते !--

	र० इट सा०
<b>पाइक्क भफ़रूर छ विग क्रमाध्य एक</b>	750,00
मुन चैंप्तत से एवर कोशोडोर तक	666,00
स्यः पाध्य मार्थेक तया इतमे अपर	800.0h

(च) प्रद्वात वाक्षा के तुक विश्वरित वोन्यता रक्षके वाले प्रशिकारी विश्वविद्यालया वर वर कोच्यता केतव शक्याव के बाक है।

_			४० ≡• मा०
कोन्धवः	वेशस		100/-
			ध्यका ७०/
भोष्यतः प्रमुखाम	do o o/-		
			सम्बा 4500/-
			2400/-
			ध्य <b>य</b> । 1600/-

- (य) किट मन्रक्षण भरा 75/~ रापए प्रतिमास की वर य जिलता हैं।
- [क] तैनथर्तन भत्ता '— किसी वेश में वहां शय सेना किसकारियों के लिए दूप के बंग ये रूप में वास्त्र अपिकारियों के लिए दूप के बंग ये रूप में वास्त्र अपिकारियों हों, सेना कर रहे एकल तृतीय सचिव/विवास किया प्रतिकार की ब्राह्म्य विवास भर्त कि 23 प्रतिकार में लेकर 30 प्रतिकार शक्त (शारित रोका के जनुसार):
- (क) यिगुवित भक्ता :--परिवार के लिये अनुपयुक्त केन्द्र गरकार इवारा उक्त प्रयोजन होते इसवो सक्ता बोजित इनाको, जहां विधिकारियों को साथ प्रतिवार की रहने की अनुमति नहीं हैं है. वहां पुनिद्रों/पीर्मिकन

भौ तैनात निमान्ति अधिकारियो की 140/- रह क्षतिमास भिष्यभितः व्यस्त भेजालेकाः

- कि परिसक्ता प्रका हु--- भिकारों की था वर्षी/उपस्कर अपने पास रक्ष १८० 🗱 उन्हा नागल में लिए शुक भी १८५१। 🗘 रहणके भाषा समय प्रथ स्था सामोसिताई Myst the thin as of his said said statement of the first 1800, 'n 1970'S
- **क्षिकी जान, जीमा के हैं के इंडर असार सम्बंध भगरा राजन जिल्हा** CONTRACTOR

### **8148 पहारेश स्थित**

# THE THE REPORT OF

PROME LINE DI LA ं ं 🏋 हिंसक नियमणिकित सेंध्य 

### श्रवय वेद्ययाच हारा

स्ट <b>िस्य राज्य</b> य	1	ay¥	ची	क्षीवर	<b>হা</b> ত্ত	<b>T</b> T
क्षानिहर विभिन्नविष्ट	<b>3</b>	미네	W)	क्वीसर	वाप्त	विवा
क्कापुत्र श्रीवर	11	<b>T</b>	477	प्रयोधन	वाप्त	tri
THE WEIGH	₽.4	747	rar p	गरा क्वो	चति व	<b></b>
	(	) fi	1	क वर्ष	की क	मीबंद
	,	N FIRE	₫Ų.	प्र <b>म</b> ्	<b>4</b> 4 d	i fg f

#### मध्य श्राप

বিৰ ভগতিৰ	18 वर्षे छुक समीसाथ	ब्राप्त	<b>वे</b> वा
	்க்கி கூராரி ப		

नुष क्षेत्रक aa वर्षे हुच क्सीश्चन प्राप्त **प्र**का

विभी भाग्यी।

स्य वर्ष कृषा कमीश्चन प्राप्त सेवा क्षत्र समिद्र

ंगली काय्नी।

थियो जाएंबी ।

श्वथ बादक मार्केक ते हैं को कुछ काथीयन प्राप्त हैवा निर्णेत कार्युची ।

स्वत् वार्थेष क्षेत्र कार्य क्षेत्र कार्य केर

(6) सार्वकाची प्रवोधीय

सक्यां की कार्यकारी एक्षेत्रांत रू सिवे सर्वेसित म्बूबराम देवा बीमा

स्थि **बकार है** ं~∽ इसोहर देवियरेन प्रकार्य बीचर

हे पूर्व

বিৰ কৰাবৰ

५ वर्षे (क्समानुष बीक्रर 🖢 रॅक में पुत्र वर्ष भी देश के शाव)।

क्ष्मर जोबोधीर

1.1-1/2 धर्मे (विश कमीवर क्रीप शुद्ध केन्द्रक के कर के 3 बचे

की ऐसा के बारों:

ीत्र शासित तात्र्य

29 वर्षे (विश्व क्षमंदिर, **पुर केंब**क ः । ध्वार कोबोसोस के रीज़ी हैं

ा अवस् और अवार के बाव े।

SAA MAGA

विश्वविक स्वविक्त स्था स्थाप्ति स्थाप्ति ।

हिंद्र सेमा निम्हित भाभ

जीवन, अन्वर्ग की प्रभाष्ट्र अवादी समय समय पर् क्ष्युर निममी में बनुसार स्वीकार्य होगे।

# 15- **5725**

हासप-समय पर नाफ नियम में अस्मान अहूटी स्वीकार होगी 🕱

### परिशिष्ट

भारत सरकार के अधीन पदों पर नियुक्ति होतु मार्वदन करने नाले अनुसुचित जातियों और अनुसुचित अन जातियों 📽 उम्मीय-नार दुवारा प्रस्तुत किये जाने वाले प्रभाण पत्र का कार्य।

'(क) प्रमाणित किया जाता है कि श्री 🖟 🙉 🖂 🖂 🥴 💆 र्र्णी, रेर्ड्ड र पर्र जिला/मण्डल 🦫 🖂 😥 रहुनु 🚉 🥞 चाड्यं/संब" राड्य क्षेत्र क 👝 👝 क क क क 🗗 निवासी 🚌 😕 👝 🙃 चार्रित/जन "जारित से ह" जिसे निम्नलिकित 📑 अभीन अनुसुजित जाति/अनुसुजित जन जाति 🖷 रूप में मान्स्ताः र्षी गद्दी हैं 🤃

\*संविधान (अनुस्चित वार्तियां) आदेश, 1950\*

संविधान (अनुस्चित जन जातियों) आवेश, 1950

संविधान (अनुस्रुचित जातियां) (संव राज्य क्षेत्र) आवेश्व 'ŧ 951°

संविधान (अनुसूचित जन धाति) (संघ राज्य क्षेत्र)) आवश्याहा 4951

शिनुस्चित जातियां और जनुस्चित अन जातियां स्डियाँ जाकोधन) बादोग, 1956, बस्बाई पुनर्गठन जीधनियम<sub>णः</sub> १९६०, पंपाय पुनर्गठन विधिनियम, 1966, हिमाचल प्रवेस<sub>णे</sub> राज्य मिप्रिनियम, 1970 मीर उत्तर पूर्व क्षेत्र (पुनर्गठन) मिथ्र नियम, 1971 और अनुसुधित जातिया तथा अनुसुधित जन-ख़ातियां \* जावोस (संशोधन) अधिनियम, 1976 \* बुवारा थजा शंबोरियत]।

संविधान (जम्म और कश्मीर) जनुस्तित जातियां जादेश ल [1956\*

संविधान (अव्डप्रान और तिकोबार द्वीप समृह) वनुस्चित 🎉 पातियां आदोस, 1959 म्नुस्चितः पातियां तथा अनुस्चितः জন पारियां नाव श (संकोधन) निधानियम, 1976 धुवारा दृशा र्शकोधित\*

सीमधान (धावरा नीर नगर हमेली) क्रन्स्क्रिक आहितक **भाष**ेश , 1962 <sup>™</sup>

संविधान (दावरा और नगर हवेली) अनुसूचित क्रम जातियाँ नावेश, 1962<sup>\*</sup>

संविधान (पार्रिंग्डचेरी) बनुसूचित चातियां आवेश , 1964\*

सैविधान (अनुस्चित अन जातियां) अत्तर प्रवेश आदेख<sub>ा</sub> ኝ 967**\*** 

संविधान (गोबा, वमन और विय्) अनुस्चित जातियां आदोग,

सीवधान (गोवा, वसन और विय्) अनुसुचित जन आदिन्ही **अधिया, 1968**\*

संविधान (नागालण्ड) अनुसूचित जन जातियां आदंभ, 1970\*

र्शनिधान (सिक्किम) बनुसूचित जाति आदशे 1978\* संविधान (सिविकाम) बनुस्चित जन जाति बावचा, 1978\*

2 - អ៊ី ភែលសក្សុសស្ក្រមាទ សភព**ភព <sup>ពើ</sup> /មា<sup>ម</sup>** असका पर्रीपनाय नामतीय से गाँव/करना है है है है है है है है है

जिला मण्डल के राज्य/सम राज्य क्षेत्र में रहता हैं।
राज्य/*संघ राज्य क्षेत्र
<b>हस्ताकार</b> ., -,
्ष्यां । विकास की नेपार के स्थाप
(फामालय का माहर का साथ)
<b>পারি</b> পূর্বতার কলার মান্তি
িশিবিভিনি নত ১০০ চনত <del>তেতি</del> হয়
"(पो रुख भाग न हो उसे कृपया काट वी)
टिप्पणी:यहा ''आम तौर से रहता है'' का अर्थ बही होगा जो रिप्रजेन्टाशन आफ दि पिपृक्ष एक्ट, 1950 की भारा 20 में हैं।
(ख) अनुमुचित जाति या बनुस्चित जनजाति के ए'से उम्मीदवार द्वारा त्रस्तृत किए जाने वाले प्रमाणपत्र का प्रपत्र जो एक राज्य/संघ राज्य क्षेत्र से किसी अन्य
राज्य /संघ राज्य क्षेत्र में प्रवृजन कर चुका है।
प्रमाणित किया जाता है कि श्री/शीमती/क मारी <sup>क</sup> सपूत्र/सध्त्री <sup>क</sup> औं
राज्य/संघ राज्य क्षत्र*
रोज्य/संघ राज्य क्षत्र
कें/कां है जो निम्निनिष्यत के अंतर्गर्स बनुसूचित जाति/जन- जाति के रूप में ही मान्यता प्राप्त है।
मंत्रिधान (अनुम्बित जातिया) बादेश, 1950*
संविधान (अनुसूचित जनजातियां) आक्षेत्र, 1950
संविधान (अनुसूचित आतिया), (संघ राज्य क्षेत्र) आहेश 1951
संविधान (अनुसूचित जनआतिया) (सघ राज्य क्षेत्र) आदेश,
1951
अनुस्चित जातियां और अनुस्चित जनजातियां सूची (आशोधन)
काद से, 1956 बम्बई पूर्वाठन अधिनियम, 1960, पंजाब
पुनर्गठन अधिनियम 1966, हिमाजल प्रदोश राज्य अधिनियम,
1970 और उत्तर पृत्री क्षेत्र (पूनर्यक्रन), अधिनियम, 1971 और अनुसुचित आहियां सथा अनुसुचित अनुआदियां आहे।
(संशोधन) अधिनियम, 1976, द्वारा तथा संशोधित]
<del></del>
_ <u>सॅसिधान</u> (जम्मू क्षौर कश्मीर) अनस्चित जातियां आदशे, 1966 संधिधान (अंडमान और निकाबार द्वीप समृह्) अन्-
स्थित अनजातियां आवरेश, 1959 <sup>क</sup>
· <del> </del>
संविधान (जम्मू और कण्मीर) अनसचित जातियां
आवोश, 1956* संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीप समृहु) अनुसूचित जनजातियां आवोश, 1959*
संविधान (पांडिकोरी) अनुसचित जातियां आवोश, 1964*
संविधान (अनृस्चित जनजातियां) (उत्तर प्रदेश) जादका, 1967 <sup>क</sup>
संजिधान (गोवा दमन और दिय) अनुसुचित जातियां आदेश,
1968*
50—306GI 84

मौबधान (गाया, दमन और वियू) अनुसूचित जनजातियां **आद** श , 1968\* संविधान (नागालैण्ड) अन्स्चित जनजातियां बादश 1970 संविधान (सिविकम) अनुसुधित जातियां आदेश, 1978\* संविधान (सिक्किम) अनुस्थित जनजातियां बादश, 1978 2. यह प्रमाणपत्र श्री/श्रीमती/क्रुमारी . . . . . के पिता/माता\* श्री/श्रीमती\* . . . . . गांव/कस्वा\* . . . . . . . . जिला/मंडल\* . . . . . . . राज्य/ संघ राज्य क्षेत्र\* . . . ∕ . . . . . . . . को जारी अन्-सुचित जाति/अनुसुचित जनजाति "प्रमाणपत्र के आधार पर जारी किया गया है जो . . . . . . अनुसूचित जाति/जनजाति के हैं जिसे. . . . . . . . . . . . राज्य∕संघ राज्य क्षेत्र कें में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के रूप में मान्यता प्राप्त (विहित प्राधिकारी का नाम) द्वारा ह"ै। . . . को अंतर्गत जारी किया गया। उनकी संख्या . . हस्ताक्षर . . . . . . . . . \*\*पदनाम 41 PAR 17 A (कार्यालय की मृहर सहित) स्थान . . . . . राज्य/संघ राज्य क्षेत्र तारीख . . . . . . <sup>क</sup> आ देश ब्हार कार कि नहीं उन्हें क्**पया काट क**ै। \*जाति/जन जाति का प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम

- (i) जिला मजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट/कलैं-क्टर/डिप्टी कमिक्नर/एडिशनल किप्टी कमिक्नर/ डिप्टी कलैक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाइएँण्डरी मजिल स्ट्रेट/सिटी मजिस्ट्रेट/\*मख डिबीजनल मजिस्ट्रेट/ ताल्ल्क मजिस्ट्रेट/एक्जीक्य्टिल मजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा प्रीमस्टेन्ट कमिक्नर प्रथम श्रेणी के स्टाइपेन्डरी मजिस्ट्रेट संकम ओहब का नहीं।
- (ii) चीफ प्रेसीड न्सी मजिस्ट्रेट/एडीशनल चीफ प्रेसीड न्सी मजिस्ट्रेट/प्रसीड न्सी मजिस्ट्रेट।
- (iii) रेबेन्यू अफसर जिसका ओहवा तहसीलवार से कम न
- (iv) उस इलाके का सब दिवीजनल अफसर अहाँ उम्मीदवार और/मा उसका परिवार आम तौर से रहता हो।
- (v) गडिमिनिस्ट्रेटर का सीजव/इवलप-प्रेन्ट अफमर (लटा दवीण)।

प**रिक्षिक** 

### उम्मीदवाराँ को स्चनार्थ विवरणिका

क. वस्तुपरक परीक्षण

मीधकारी :---

अप जिस परीक्षा में बैठने वाले हुँ बह 'बस्त परक परी-क्षण' होगा। इस प्रकार की परीक्षा (परीक्षण) में आपका उत्तर लिखने नहीं होंगे। प्रत्येक प्रदन (जिसको आगे प्रदन्द कहा जायेगा) के लिए कई सफाए गये उत्तर जिसको आगे प्रत्येक प्रदा कहा जायेगा) दिये जाते हीं। उनमें से प्रत्येव परवां के लिये आपको एक उत्तर खुन लेना है।

इस निकरणिका का उद्दर्शक बाएको इस प्रशिक्ष के बार से कुछ जानकारों वाना है जिससे कि प्रशिक्ष के स्वरूप से परिचित न होने के कारण आपको कोई हानि न हो।

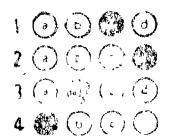
### सः. परीक्षण का स्थरूप

प्रकृत पत्र "प्रदम प्रितिका" के रूप में होंगे। इस प्रितिका में क्रम संख्या 1, 2, 3—आदि के क्रम संप्रदमाश होंगे। हर प्रदमाश के नीचे 2. b. c. d. चिह्न के साथ सफाए गये प्रत्मत्तर लिखे होंगे। आपका काम एक मही या यदि आपको एक से अधिक प्रत्मूत्तर सही लगे तो इनमें से सर्वोत्तम उत्तर का चुनाव करना होगा (अत में दिये गये नमूने के प्रदनाश वेखे ले) फिसी भी राजित मां प्रत्मत पहलाश वे तिया आपको एक ही मही प्रत्यत्तर का चुनाव करना होगा। यदि आप एक में अधिक चुन लेते ही तो आपका प्रत्यूत्तर गलेत माना जाएगा।

# ग. उत्तर दोने की विशिष

परिक्षा भवन में बापको बन्न एक उसर पश्रक दिया शायेगा। जिसकी एक नमना प्रति आपको प्रवेश प्रभाण पत्र की मार्थ भेड़ी बाबगी । आपको अपने प्रत्युसर इस उसर पश्रक में लिबने होंगे। परीक्षण प्रित्यका में या उसर पश्रक को छाड़कर अन्य किसी कागज पर लिबने गये उसर नहीं जांचे शायोगे।

उत्तर पश्रक में प्रवनाशों की संख्यायें 1 से 160 तक धार खण्डों में छापी गई हैं। प्रत्येक प्रवनाक के सामने a,b c.d. किहन बात बत्ताकार स्थान छए होते हैं। परीक्षण पुस्तिका के पत्येक प्रवनांक का पह तीने सीर यह निर्णय कर लेने के शह कि कान सा प्रत्येक्ट सही या सर्वोक्तम ही अपको उस प्रत्येक्ट के अब कि कान सा प्रत्येक्ट सही या सर्वोक्तम ही अपको उस प्रत्येक्ट के अक्षर बात्र बत्त को पेंसिल से पुरी तरह काला बना कर उस अक्तिक कर दान। ही बैसा कि (अपका उत्तर द्यान के लिये) नीच विकास प्रयाही की उत्तर प्रवक्त के बृह बा काला बनाने के लिए स्याही का स्थान महीं करना बाहिये।



यह जरूरी है कि :----

- 1. प्रधनाधारे को उसरों के लिए कोबल अच्छी किस्म की एक बी. पैसिल (पेसिल) ही लाए और उन्हीं का परोग कर ।
- 2. गलस् निशान की बदलने के लिये उसे प्रा मिटाकर फिर स महा उत्तर पर निशान लगा है। इसके लिये आप अपने साथ एक रज़ड़ भी लायें।
- 3. उत्तर पत्रक का प्रयोग करते समय कोई गासी समानभानी में हो जिस्से बह फट जाये दा उससे बाद स सिलवट अदि पद बाये या वह सराम हो बाये ।

# भा. कुछ महत्वपूर्ण विनियम 🛊

- आपको परीक्षा बारम्भ करने के लिये निर्धारित मन्नय है 20 मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुल्लना होगा और पहुल्ले ही अपना स्थान ग्रहण करना होगा ।
- 2 परीक्ष्म कारू होने के 3() मिनट बाद फ्रिसी बर्ल परीक्ष्य में प्रवेश नहीं दिया आयोगा ।
- परीक्षा ग्ररू होने के बाद 45 मिनट तक किसी का परीक्षा भवन छोड़ने की अनुमित नहीं मिलेगी।

- 4 परीक्षा समाप्त होए क नाथ परीक्षण परिनका सीर इस्तर प्रथम १००० हो नाथ हो। का भोष दो । क्रांपणो परीक्षक पुस्तिका प्रशिक्ष भाग में बाहर से नाम की समाप्ति नहीं हैं। इस नियम का उन्तका फरमें है कहा दण्ड दिया जायगा।
- 5. ब्रापचा परीक्षा अवन में उत्तर पायक पर इ.३ विश्वास करना होगा, बापको उत्तर पायन पर काळ विवयण कारवद्ध भी करना होगा। इसके बाग के अनुदार बाएक करीए प्रभाग पत्र की गाए। में के दिला हाए।
- 6 परीक्षण परितका में दिये गये मभी अनदोश आपकारे सावधानी से पतन है। इन अनदोशों का सावधानी से पालन न करने से आपके नम्बर कम हो सकते हैं। अगर उत्तर पश्क पर कोई प्रविधिट संदिश्य है, ता उस प्रवनाश के प्रत्यत्तर के लिये आपकों काई नम्बर नहीं मिलेगा। पर्यविश्वक के अनदोशों का पालन करों। जब पर्यविश्वक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को आरम्भ या समाप्त करने को कहें तो उनके अनुदेशों का तरकाल पालन करों।
- 7 आप अपना प्रवेश प्रमाण-पत्र साथ नायें, आपका अपने साथ एक एच बी पेंसल, एक रजड़, एक पेंसल शार्षनर और नीली या काली स्थाही वाली कलस भी लानी हीगी। आपको सलाइ दी जाती है कि आप अपने साथ एक-एक क्लिय बोर्ड या हार्ड बोर्ड या कार्ड वोर्ड भी नाये जिस पर करह लिखा न हो। आपको परीक्षा भवन से कोई खाली कागज या कागज का टकड़ा या पैमाना या आरखन उपकरण नहीं लाने हैं क्योंकि उनकी जरूरत नहीं होगी। सांगने पर कल्खे कास के लिये सापको एक अलग कागज दिया जायेगा। आप कल्ला काम श्रम् करने के पहले उस पर परीक्षा का नाम, अपना रोह नम्बर, और परीक्षण की तारीख निल्कें और परीक्षण समापन हाने के बाद उसे अपने -अपने उत्तर पत्रक के साथ पर्यवेक्षक को वापिस कर दें।

#### ङ विशोध अनद्देश ।

परीक्षण भवन में अपने स्थान पर बैठ जाने के बाद अधीक्षक आपको उत्तर पटक दाँगे। उत्तर पत्रक पर प्रीक्षित मचना भर वाँ। यह काम परा हाने के बाव अधीक्षक आपको परीक्षण प्रितका दाँगे। परीक्षण प्रितका लिखने पर आप यह अठह्य दाँच लो कि उस पर प्रितका की सम्या लिखी हाई है या अन्यथा, उसे बदलवा तों। प्रक्र प्रितका को सांनने से पहले उसके प्रथम पट्ठ पर अपना अनक्षमांक लिख दो आपको प्रकृत प्रितका तब तक खोलने की अनुमति नहीं है जब तक प्रयंक्षक एमा करने के नियान कही।

# च.\_क्छ उपयोगी\_*यज्ञा*ः\_

यहापि इस परीक्षण का उन्होंक्य आपारी गिति की अपेक्षा शब्धना को आधान है, फिर भी यह जरूरी है कि आप अपने समय का यथासभव दक्षता सं उपयाग करों। सन्तलम के माथ आप जितनी जल्दी काम कर सकते हैं, करों पर लापरवाही न हो। आप सभी प्रकां का उत्तर नहीं दो पाने हों तो चिन्ता न करों। आपकां जो प्रका अन्यन्त किन मालभ पड़ों उन पर समय उपर्ध न करों। दासरों प्रकां की आरे वहाँ गो। उन करिन प्रकां पर बाद मो विचार करों।

सभी प्रकाशों के अंक ममान होंगे। तन सभी के उत्तर थे। आपके द्वारा अफित मही प्रकारों की संख्या के आधार पर ही आपकों अक दियें जायोगे। गलत उत्तर क लिये अक नहीं काटो जायोगे।

### <u> उ्परोक्षण का समापन</u>

जैसे ही पर्यवेश्यक रूपाकों लिखना बंद करने को कहा, स्नाप लिखना बंद कर दैं। साप अपने स्थान पर तब तक बैठे रहाँ जब नमून के प्रश्नाश (प्रश्न)

(नोट -- \*सही / सर्वीत्त म उत्तर विकल्प को निर्विष्ट करना है)

### 🔰 : सामान्य मध्यपन

अहत उचाई पर पर्वनारो हियो के नाक तथा कान से निम्न-लिखित में स किस कारण स रक्त सात्र हाता है?

> रयत का दाव वायमण्डल के दाब से कम होता है। रक्त का दाब वायमण्डल के दाव स अधिक हाता है।

- (c) रक्त बहिकाओं की अन्दरूनी तथा बाहरी शिराओं पर दाव समान हाता है।
- (d) रक्त का दाव वायुमण्डल के दाव के अनुरूप घटता बकता ह<sup>3</sup>।

#### 2. (English)

(Vovabulary---Synonyms)

There was a record turnout of voters at the municipal elections

- (a) exactly known
- (b) only those registered
- (c) very large
- \*(d) largest so far

### ३. कृषि

अपरहरके कृषों वाद्यवन। निम्नलिखिन में से किसीएक ज्याय से कम कियाजामकताहै।

- \*(a) पृक्ति नियवक द्वारा छिस्कास
- (b) दूर पूर वीश लगाना
- (c) नहीं ऋलू भ पीछ लगाना
- (d) बाहे बाह कामन पर पौधे समाना
- 4 रसायन विभान

H3VO4का एनहाड़ाइड निम्नतिखित में से क्या होना है ?

- (a) Vo3
- (b) Vo<sub>4</sub>
- (c) V.O4
- \*(d) V205

#### 5 प्रथमा€स

श्रम का एकाधिकार गोषण निस्तिनिकात में से किस स्थिति में बोला है?

- \*(a) मीमास्त । अस्व न्याद से माधूरी क्रम हो।
- (b) मजदूरी तथा जीमाल राजस्य उल्पाद क्षेत्रीय शबर हो।
- (c) मजदूरी सामान्त राजस्य उत्पाद में प्रधिक हो।
- (d) मनदरा नीमान भौतिक उप्पाद के बराबर हो।
- 6 वैद्युत इति। नियर)

एक समक रेखाओं सारिकिक परार्थे युनीक एक परार्वे युन ने सम्पृतिक क्रिया गया है। यवि C सक्त अन्तराल में सचरण वेग देशीना ता साइन में संचरण का वेग क्या होगा ?

- (a) JC
- (b) C
- •(c) C/3
- (d) C/8

७ म्,-विशाल

वसास्ट में प्लेजियायलेप ग्या होता है ?

- (a) भारतग**ल**मः
- \*(b) लेकोशाराइट
- (c) एखाइट
- (d) एनायाईट

८ गणित

मुख विरुद्ध में गुजरने काला और dvdy समाकरण d×24v

को सगत रखने वाला वक्र-परिवार निस्तालाखन मं सं क्रिस सं तिर्विष्ट है।

- (a) y = ax + b
- (b) yeax
- (c) y = aox + bo x
- \*(d) y+acx---a

### 9 भौतिकी

एक यावर्ण करमा इजन 400° के छोर 100° के तापक्रम के मध्य कार्य करता है। इसका अपना निस्तानाक्षक में में क्या हाता?

- (a) 3/4
- \*(b) (4—3<sub>11</sub> s
- (c) 4/(3+4)
- (d) 3/(3+1)

#### 10. सांख्यिकी

यवि द्विपट विश्वर का माध्य ४ ई हो इसका प्रसरण निम्नलिखित में थे क्या हाना है

- (a) 4"
- \* (b) 3
- (c) a
- (d) e

#### ।। भूगोल

वर्मा के विक्रणा भाग का प्रत्योजक समोद्ध का कारण निम्नालाक्षव में के क्या है?

- (a) यहां पर चानिक साम्रमी का विपूज धन्तार है।
- (b) बर्मा की धांत्रकाम नवियों का बेल्टाई माग 📳
- (c) यहां श्रीफ बन समक्रा 🖁 ।
- (1) इस ह पश्चिकाम तेल खेत पत्ती माथ में 🛊 🛊

#### 12. बारतीय इतिहास

श्वाह्याणवाव के सम्बन्ध में लिस्निसिश्वात में है क्या साम नहीं है ?

- (a) बीख समें के सरकर्ष काल में भी बाह्मणबाद के प्रमुखायियों की संस्था बहुत प्रसिक्ष था।
- (b) शाह्यणवाद बहुत प्रांघक कमेकांत्र ग्रीर प्राडम्बर से पूर्ण धर्म वा।
- (C) बाह्यणवाद के सभ्यूदय के साब, बॉल सम्बन्ता यज्ञ कथ का सहस्व कम हो गया।
- (d) क्यक्ति के जीवन विकास की विभिन्न बसाची को प्रकृत करने के लिये शामिक संस्कार निर्मारित थे।

### 13, दर्भम

निम्नविश्वित में स निर्दाश्वरणाती वर्शन समझ कौन सा है?

- (a) बीब, म्याय, बाबांक, मीमासा
- (b) न्याय पंश्राणिक, शैन और श्रीह, पार्टीक
- (c) प्रवेत, वेदान्त, शांक्य, बार्धाक, योग
- (d) बोड, नाड्य, मीमामः पार्डाक

#### 1.4. राजनीति विज्ञान

"श्रातगर प्रतिनिधान" का धर्म निष्नलिश्वित में है स्या 🖁 🖰

- \*(3) ध्वयस्त्रं के साम्राण्यं पर विद्वातसम्बद्धतः में प्रतिनिधियो का विका वसः।
- (b) किसी समृह या किसी काषसाधिक समुदाद के पक्ष का रूपक्ष
- (८) किसी रीजगार सम्बन्धी संगठन में प्रतिनिधियों का ब्वाजः
- (वं) थांमक सभो द्वारा ६५त्यक प्रतिनिधित्व।

#### 15. संबंधिकार

चंद्रय 🖷 प्राप्ति भिम्नलिक्ति में से किस को निर्वेक्ति करता है?

- \*(a) संस्थ सम्बन्धी स्थायम. ८९। में ब्रुक्षि ।
- (b) प्रत्तर्गीद प्रवस्था में भानता।
- (c) व्यावद्वारिक विवास।
- (d) पक्षपात पूर्व अधिकमः

#### 16. समावशस्त्र

भारत में वंशायकी राज संस्थाओं की देन निम्न में से कीव नी हैं।

- (a) ग्राम संस्थार में महिलाओं तथा कमजोर वर्गो को त्रीयचारिक प्रीतनिधित्व प्राप्त हमा है।
  - (b) क्याक्त कम हुई है।
  - (c) बंचित बर्गों के लोगों को मृत्यामितक का बाक मिका है।
  - (d) बन साधारण में शिक्षा का प्रशार हुया है।

हिप्पची। अम्मीववारी को यह स्थाव रचना चाहिये कि चवर्षुका नमून के प्रकान (प्रका) केवल अवाहरक के लिय दिया गये है और सह अकरी नहीं है कि ये इस परीका की राज्यक्या के अनुसार हों।

#### SUPREME COURT OF INDIA

#### New Delhi, the 8th October 1984

No. F. 6/84-SCA(I).—Shri A. K. Chakravertty, Assistant Registrar, has retured from the service of the Registry of the Supreme Court of India with effect from September 30, 1984 (A.N.).

H. S. MUNJRAL Dy. Registrar (Admu.J.)

# UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 24th September 1984

No. A-19014|8|84-Aum.I.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Chakrabarti, an officer of Indian Postalj Service as Under Secretary in the office of the Union Public Service Commission, with effect from the forenoon of 21st September. 1984, until further orders.

M. P. JAIN
Under Secy. (Admn.)
Union Public Service Commission

### CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 12th October 1984

No. A|19036|21|76|AD,V.—Shri Anis Ahmed Khan (No| D-I|137) an Officer of the Delhi Police on deputation to the Central Bureau of Investigation|Septial Police Establishment as Deputy Superintendent of Police expired on 5th October, 1984.

K. CHAKRAVARTHI Dy. Director (Admn) CBI

#### New Delhi, the 11th October 1984

No.K-2|69-AD.V.—Shri K. S. Mathai relinquished the charge or Office Supermendent|CBI GOW Bombay Branch with enect from the afternoon of 30th September, 1984, on superannuation.

R. S. NAGPAL Administrative Office: |CBI

# DIRECTORATE GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the October 1984

No. E-320154(4)|58|84-Pers.—President is pleased to revert surf R. C. Brownick, Assistant Commandati (Au-noc) Cloff Unit HEC Ranchi to the rank of Inspector|Executive wan enect from the atternoon of 1st September 1984. On reversion as Inspector Executive he has been posted to CISF Unit Boll Bokaro.

#### The 10th October 1984

No. F-28013|3|84-Pers.II.—On his retirement from Govt. service on attaining the age of superannuation, Snri R. S. Negi, relinquished charge of the post of Accounts officer in Cash Hyrs.. New Dethi on the forenoon of 1st October, 1984.

No. E-28017[3]84.Pers.II.—Consequent on retirement from Govt. service on attaining the age of superannuation, Lt. Col. M. C. Singh (Retd) relinquished charge of the post of Group Commandant, CISF, Patna on the afternoon of 31st July, 1984.

No. E-16013(1)|11|84-Pers.I.—President is pleased to appoint Shri S. V. Singh, IPS (PB: 67) on promotion as Deputy Inspector General in the Central Industrial, Indu trial Security Force in the pay scale of Rs. 2000-2250|- on tenure deputation basis with effect from the afternoon of 17th September 1984.

No. E-32015(3)|12|84-Pers.—President is pleased to appoint Shri R. P. Bube, on promotion as Deputy Commandant

CISE On Maruti Udyog Landed Gurgaon with effect from the afternoon of 28th August, 1984 on purery author basis and comporary for a period up to 20-3-84 or thi such time regular appointments are made, whethever is eather.

No. E-32015(4)|84|84-Pers.L.—President is pleased to appoint and in. V. Indiastian, on promotion as Assistant Commendant Clar Unit and a centre with enect from the location of 47th August 1784 on purely ad-noc basis temporary for a period of six months or the such time regular appointments are made whenever is educer.

No. E-32015(4)|88|84-Pers.L.—President is pleased to appoint Shiri P. K. K. Nair, on promotion as Deputy Commandant CISF ECL with effect from the forenoon of 1rm September 1984 on putery ad-not basis and temporary 10, a period up to 26-9-84 or this such time regular appointments are made whichever is earlier.

No. E-32015(4)|129|84-Pers.—President is pleased to appoint Shri Syed Yakuo, on promotion as Assistant Commundant in Clor Unit Maruti Udyog Limited Guigaon with effect from the forenoon of 5th September 1984.

No. E-32015(4)|134|84-Pers.I.—President is pleased to appoint Shri R. K. Nagar, on promotion as Assistant Communication in close our necessity with enect from the torenoon of 7th September 1984.

A. K. SAXENA Asstt. Inspector General (Pers.)

### New Delhi, the 12th October 1984

No. E-28013|3|83-Pers.II.—On his retirement from Govt, service on attaining the age of superannuation, Snri B. Lal, IPS (Raj: 1953) relinquished charge of the post of Inspector General, CISr HQrs. New Delhi on the afternoon of 30th September, 1984.

S. ANANDARAM Director General Clos

# OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT), MADHYA PRADESH

Gwalior, the 27th August 1984

No. O|E|XI|Gr.I|AO|PF|200|960.—Shri R. P. Shuvastava (01|85) Audit Officer of The Office of The Accountant General (Audit): I. Madhya Pradesh will retire from Central Government Service on 31st August, 1984 Afternoon, on his attaining the age of superannuntion.

#### The 10th October 1984

No. O. E. XI/Gr. II-A/AAO/SO/1984-85/12/254.—The Accountant General (Audit) I Madhya Pradesh, Gwalior has been pleased to promote the following Section Officers As Asstt. Audit Officers in an Officiating Capacity in the scale of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040 with officet from the dates noted against each.

S. No Name		Pormanent No.	Date of joining as A.A.O.
1	2		4
S/Shr 1. M. L. 2. D. P. 3. C. S.	. Tyagi Guota	02/2101 . 02/1961 . 02/1606	13-9-84 3-9-84 2-7-84

M. DEENA DAYALAN

Dy. Accountant General (Admn )

# MINISTRY OF COMMERCE (DEPARTMENT OF TEXTILES)

# OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 8th October 1984

No. C.L.B. I/1/6-G/84/7.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 34 of the Cutton Textiles (Control) Or ler, 1948 and with the previous sanction of the Central Government, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No CLB. I/1/6-G/71 dated the 13th January, 1972—

In the Table anneaded to the said Notification against S. No. 9 (i) for the exerting entries in c lumis 2, 3 and 4 the following shall be substituted namely:

-				
1	2		3	4
" 9 (i)	The Addition of Industries merce Govt.	and Com-		
	tak +		Karntataka	12 (6), 12 (6A),
			1:	2 (7A), 12 (7AA),
				12 C, 12E''

No. 18(1) 77-84/CLB 11/8 -In exercise of the powers conferred on me by Clause II of the Textiles (Production by Power-looks) Control or ler, 1956, I hereby make the following further amountment to the Textile Commissioner's Notification No. 15(2)/6/-CLB. 11/B dated the 13th January, 1972, namely --

In the Table appended to the said Notification against S. No. 9 for the existing entries in columns 2, 3 and 4 the following shall be substituted namely —

1	2	3	4
" 9	The Additional Director Industries and Cormerce Government Kurnataka	n- of	6, 6C, 7A, 8 and 8A."

SURESH KUMARı Additional Texale Commissioner

# OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (HANDICRAFTS)

New Delhi, the 11th October 1984

No. 58|22480 Admn I.—On attaining the age of superannuation Shri Baldev Singh, Vigilance Officer, in the Office of the Leve opin no common on (Hana crafts), New Delhi, retired from Government Service with effect from the afternoon of 30th September, 1984.

SHIROMANI SHARMA Development Commissioner for Handicrafts

# MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 10th October 1984

No. A-19018(599) 82-Admn (G).—The President is pleased to appoint Shi Dibeyendu Baidya as Asstt. Director (Gr. I)

(G|C) at SISI, Nagpur w.e.f. the forenoon of 22-8-84 until further orders.

S. K. PURKAYSTHA Dy. Director (ADMN)

#### DIRFCTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delni-1, the 29th September 1984

No. A-1/1(1250).—Snii C. S. Sneshadii, Superintendent in the office of Director of Inspection, Midias is appointed to Ometate as Assistant Director (Author) (Grade II) on purely author basis in the office of Director of Supplies & Disposais, Madras, with enect from 6-9-84 (Forenden) vice Sni. V. K. Sankaratingam. Adv. (Admn.) (Gr.I) proceeded on leave.

RAJBIR SINGH Deputy Dir. (Adma.)

# ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KJAN VIBHAG)

#### GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA,

Calcutta, the 29th September 1984

No. 6916B|A-19012(1-MSKB|83|19A.—shri M. S. K. Bhagvau, resolution Georgesi, Geological Survey of India felinguished charge of the post of Associant Geologist in the Geological Survey of India on resignation with effect from the nationoon of 12-4-1984.

No. 6928B|A-19012(1-SNK)|83|19A.—Shri S. N. Kumar is appointed by the Director General as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of ks. 000f- per Inform in the scale of pay ks. 600-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000 EB 40-1200|- in an officiating capacity wan enect from the forenoon of the 30-7-84, until further orders.

# The 1st October 1984

No. 6976B[A-19011(2-MKI)[81]19B.—Md. Khalid Iqbel Asstt. Geophysicist, G.S.I. has been released w.e.f. 16-7-83 (Apr) on recention of hen for two years for joining the post of Geophysicist (Surface) in O.N.G.C.

A. KUSHARI Dir. (Personnel) Geological Survey of India,

#### INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 11th October 1984

No. A. 19011 (344) 34-Estt.A.—The President is pleased to appoint on the recommendation of the Union Public Service Commission, Shri Bitaur Prasad Tatukdar, Scientific Officer (Coem.), National Test House, Western Region, Bomb. y to the post of Asis and Ore Diessing Officer, Indian Bureau of Mines, Ajmer in an officiating capacity with offect from the forenoon of 10th September, 1984.

#### The 12th October 1984

No. A.19011(158) 83-Esst.A.—The President is pleased to appoint Shri P. Swamimurthy, Permanent Deputy Controller of Mines to the post of Regional Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines on ad hoc basis with effect from the forenoon of 25th September, 1984, for a period of 6 months.

P. P. WADHI, Administrative Officer for Controller General Indian Bureau of Mines.

#### NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-110 001, the 16th October 1984

No. F.20(C-12)-11/74-A.1.—The Undersigned hereby appoints Shri A. R. Singh, Permanent Assistant Librar an. as Librarian (Group 'B' Gezetted) in the National Archives of Iniia, New Delhi, in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000 EB-40-1200-on temporary basis with effect from 15th September, 1984, until further orders.

P. K. PAL Director of Archives, Government of India.

# DIRECTO: ATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

AL 22 1 C C T 2 1

livew Delai-1, the 12 Oct. 1984

FARLEST \_ .. PARENTALLY

No. 4(55 Med 51.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Vanneihluanea as Programme Executive, All India Radio Stillong in a temporary capacity with effect from 4th September, 1984 and uptil further orders in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200.

H. C. JAYAL, Dy. Director of Administration for Director General

# MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING FILMS DIVISION

Bombay-26, the 12th September 1984

No 6|50|55-Fe I.—Consequent on Attaining the age of Suprunnunt in Shi 4. Vis anothern Relinquiched the charge of the Post of Chief Record's in Firms Division, Bombay in the afternoon of 31st August, 1984.

#### The 9th October 1984

No. A-32014/184-RC.—On the recommendations of the Dengremental Promotion Committee the commetent authority hereby appoints Shri T. A Inpungthen Permanent Recordist in the Films Division Office at Pombay to officiate as Chief Recordist in the same office on a ray of Rs. 1030/per month in the scale of nay of Rs. 840-40-1000 PR-40-1200 with effect from the forenoon of 19-9-1984 until further orders.

N. N. SHAPMA.
Administrative Officer
Ton Director of Administration

AND MARKS WITH THE PART HE PROPERTY TO THE PROPERTY PROPERTY.

# DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICE

New Delhi the 12th October 1984

No. A-1901911178-NMTPIAdmn IPH(CD&I) —The Director General of Health Services is pleased to appoint this B. B. Unnal, in a substantive capacity to the permanent post of Assistant Molaria Engineer in the National Malaria Engineering the National Malaria Engineering

NAPAIN SINCH, Deput, Director Administration (N)

# MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridebad, the 9th October 1984

No. A 1902313179-A-TIT.—Smt. S. I. Chandharv. ad-hoc Marketino Officer (Group II) has been appointed to the same nost nursly on officiating basis until further orders, by the Agricultural Marketing Adviser to the Govt. of India.

J. KDICHNA.
Director of Administration

# DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF FURCHASE & STORES

Bombay-400 001, the 9th October 1984

No. Ref. DPS[P-21|Est.]1209.—Shri N. Probh karan, a permanent Purchase Asstt. and officialing Asstt. Purcha e Officer. Madras Regional Purchase Unit of the Directorate of Purchase and Stores, expired on February 2, 1984.

#### The 10th October 1984

Ref. No. DPS[11]183-Adm.[1214.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shil P. N. Unnikrishnan Nair, permanent Purchase Assistant to officiate as an Asstt. Purchase Office on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40 1200 from 9-4-1984 (FN) to 29-9-1984 (AN) in the same Directorate Vice Shil S. S. Pradhan, APO granted leave.

P. GOPATAN, Administrative Officer

#### NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 29th August 1984

#### ORDER

Ref. No. NFC|PA.V|2606|2111|1138,---WHEREAS it was tleged that:

Article I: "Shri B. Viswanadham while employed as H|B, SMP, NFS is remainting absent from duty uncathorisedly from 12-4-83 onwards and thereby committed an act of miscon uct in terms of Rule 3. (1) (ii) and 3 (1) (iii) of CSS (Conduct) Rules, 1964";

Article II: "Shri B. Viswanadham, H[B. SMP has not given any proper address to the department for corresponding with him and his whereabouts are not made known to NEC and thereby committed an act of misconduct in terms of Pule 3 (1) (iii) of CSS (Conduct) Rules, 1964";

AND WHEREAS the sold Shri Viswanadham was informed of the charge and of the action proposed to be taken against him vide Memo No. NFC|PA.V|2606|2111|143 dated 4-2 84;

AND WYDREAS the Pood A.D. covers bearing No. NYC] PA V12606121111143 deted 4-2-84 sent to him at all given addresses were acturned undeligered by the nestal authorities with a remark 'Addressee left Hence R|Sender';

AND WHEREAS it was considered that an inquity should be held into the charges and accordingly on Inquity Officer was appointed vide order No. NFC[PA.V[2606]2111]418 dated 19-3-84;

AND WUPDEAS the Inquiry Officer submitted his report dated 11-8-84 holding both the articles of charge as proved;

AND WHEREAS the undersigned efter cheefully using through the records of the case including the inquiry (convendence), holds the characters moved and has come to the conclusion in service and that the nepalty of removal from service should be imposed on him;

NOW THEREFORE the undersigned in exercise of the rowers conformal under clause (h) to sub-rule (2) of Pule 12 of CCS (CC&A) Rules, 1965 lead with DAE Order

No. 22(1) 68-Adm.II dated 1-7-79 hereby removes the said Shri Vıswanadnam trom service with immediate effect.

> Sd- ILLEGIBLE Admin strative Officer

Encl: One

Shri B. Viswanadham Shri B. Viswanadham,

H. No. 3-10-10, Ch nta ameraka, Christian Peta, Tirumalgıri Village.

Mumm divaram PO, Amalapuram Tq.

Secunderabad.

l'ist Godavari Dist.

3-15-545, Tirumalgiri, Secunderabad.

Shri B Viswanadham, Shri B. Viswanadham, 3 15-546,

Trumalgin Village, Trumalgin PO, Secunderabad.

#### RAJASTHAN ATOMIC POWER STATION

Anushakti-323303, the 15th October 1984

No. RAP\$ |04627<sub>1</sub>1(349)|84|S|Admn 44.—Shrimati J. kar, Matron in the Hospital of Rajasthan Atomic Power Station of the Department of Atomic Energy retired on the after-noon of 31st August, 1984, on superannuation.

> A. D. BHATIA, Administrative Officer-II

### TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Famp-401504, the 28th September 1984

No. 7 APS[1]22<sub>1</sub>(1)[76-R—The Chief Superientdent, Taraput Atomic Power Station, Department of Atomic Fnergy, appoints Shri E. N. Iver, a permanent Scientific Assistant (A) and officiating M mager (Hostel) on ad-hoc basis, as Manager (Hostel) on regulor basis in the scale of pav of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960- in the Tarapur Atomic Power Station with effect from the forenoon of September 21, 1984 until further orders.

Shi' Iver will be on probation for a period of one year from the date of his appointment as Manager (Hostel),

> D. V. MARKATE. Chief Administrative Officer

# DEPARTMENT OF SPACE ISRO: SHAR CENTRE PGA DIVISION

Stiharikota, the 27th September 1984

No. SCF , PGA : ESTT : III , 1, 72 -The Director is pleased to appoint the following officials to the post of Sci/ Engineer-SB in the SHAR Centre, Srib riketa in an officiating endicity/with effect from the dates indicated against each and until further orders :

Sl. Nyme No. S/Shri/Kum.	Designation	Date of appoint-
I. R. Srinivasa Desikan	Sci. Engineer-	17-04-84
	SB	
2. Mithew Diniel	11	25-05-84
3. V. S ibba Rao	"1	18-06-84
4. B. Codinayigus	**	20-08-84
5. S. Տերի ա լ	*1	30-07-84
6. B. Shvla .	••	30-07-84
7. D. Kateswara Rao	**	05-09-84
8. D. R vin frיתיth	71	17-09-84
9. Rijondri H Thiniwala	7.7	17-09-84
10. J. Good krishna .	**	26-09-84

RAJAN V. GEOGRE Head, Personnel & Gen. Admn For Director

# MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 11th October 1984

No. A.32013 (DDGM) |2|83-E.I.—President is pleased to appoint Shri N Seshadri, Director, India Meteorological Department to officiate as Deputy D'rector General of Meteorology in the same Department with effect from 5th September, 1984 and until further orders

> S. K. DAS Director General of Meteorology

## (BHARAT MAUSAM VIGYAN VIBHAG)

New Delhi-3, the 16th October 1984

No. E(I)|07044.-Director General of Meteorology regret notify the death on 22-7-1984 of Shri S. K. Sinha, an offiof In ian Meteorol gical Service Group 'B' Gazetted. posted as Assistant Meteorologist in Meteorological Centre, Patna.

> S. D. S. ABBI, Director (Establishment) for Director General of Meteorology

# OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 29th September 1984

No. A. 12025 2 83-EI.—The President is pleased to appoint Dr. S. Bhatt, Dy. Director Air Transport to the post of Director Regulations & Information w.e.f. forenoon of 29th September, 1984 on a regular basis, until further order.

> G. B. LAL, Asstt. Dir. Adm. for Dir. Genl. of Civil Aviation

New Delhi, the 26th September 1984

No. A.32013 12 83-E1.—The President is pleased to appoint Shri T. C. Ahluwalia, Dy. Director of Aeronautical Inspection to the post of Director of Airworthiness on an adhoc basis for a period of six months from 26-9-1984 (FN) or till the post of Director of Airworthiness is filled on a regular basis whichever is earlier.

> O. P. AGGARWAL, Asstt. Dir. of Administration

### FOREST RESEARCH INSTITUTF & COLLEGES

Dehra Dun, the 9th October 1984

No. 16/333/79-Ests-I.—The services of Shri Dhujam Vir Singh on deputation as Assistant Instructor, N.F.R.C., Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun are replaced at the disposal of the U.P. Lorest Department with effect from 9-7-1984 (FN)

> G. S. GROVER, Registrar F.R.I. & Colleges

#### MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

# (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

#### OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Ms. Purchasing Services Private Itd.

Bangalore-9, the 8th October 1984

No. 2079|560|8485.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of MIs. PURCHASING SERVICES PRIVATE LTD, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M|s Sales & Demonstrations Private Ltd

Bangalore-9, the 8th October 1984

No. 2080|560|84-85.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s SALES & DEMONSTRATIONS PRIVATE LTD unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M|s. Super Dynamic Consultancy Systems Private Ltd.
Bangalore-9, the 8th October 1984

No. 4760|560|84-85.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. SUPER DYNAMIC CONSULTANCY SYSTEMS PRIVATE LTD unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd- ILLEGIBLE Registrar of Companies, Karnataka, Bangalore

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Loke Nath Minerals Company Private Limited Calcutta, the 9th October 1984

No. 28863|560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the LOKE NATH MINERALS COMPANY PVT LIMITED, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Jadee Company Private Limited
Calcutta, the 9th October 1984

No. 28780|560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the JADEE COMPANY PRIVATE LIMITED, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Safar Engineers Private Limited

Calcutta, the 9th October 1984

No. 29567 560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof name of the SAFAR FNGINFERS PVT. Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Allied Metallurgical Industries Ltd.

Calcutta, the 9th October 1984

No. 26825|560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the ALLIED METAIT URGICAL INDUSTRIES LTD., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

H. BANFRJEE Asstt. Registrar Companies, W. Bengal

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Jaminu & Kashmir Brothers Corporation Private Limited.

Srinagar, the 11th October 1984

No. PC|256|4084.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the JMMU & KASHMIR BROTHERS CORPORATION PRIVATE LIMITED unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd- ILLEGIBLE Registrar of Companies J&K.

# OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX, COCHIN

# Coch n-682016, the 3rd October 1984

C. No. 1(A)/ESTT/84-85.—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 124 of the IT Act 1961 (43 of 1961), Section 8 of the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957), Section 8 of the Gift-tax act 1958 (18 of 1958) and all other powers conferred in this behalf under the said Acts and consequent on the abolition of E-Ward, Trichur Circle, vide Notification C. No. 1 (209)/GL/84-85 dated 25-9-1984, the Commissioner of Incometax, Cochin, hereby directs the Incometax Officer specified in column 2 attached to the Incometax Circle specified in column of the Schedule appended here to exercise the functions of an Incometax Officer/Wealth-tax Officer/Gift-tax Officer in respect of the areas, persons, classes of income, cases or classes of cases mentioned in column 3 of the said Schedule.

## **SCHEDULE**

Name of Circlo	Designation of the Incometax Officer	Jurisdiction
(1)	(2)	(3)
Incometax Office, Survey Circle, Trichur.	Incometax Officer, Survey Circle, Trichur	1. (i) All persons within the Revenue Taluk of Thalappil-

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
Incometaxe Officer.	Incometaxe Office	ly in Trichur			
Survey Circle,	Survey Cire[e,	District other	Incometax Office,	Incometax Officer,	F-Wards, Tri-
Trichur.	Trichur,	than those as-	SurveyCircle,	Survey Circle,	chur vide order
		sessable by	Trichur.	Trichur.	C. No. 517/
		the ITOs,			GL/82-83 Dt.
		A, B, C, D			4-4-83 of IAC
		and F-Wards,			of 1T, Trichur
		Trichur, vide			(iv) All new cases
		order C.No.			including
		517/GL/82-83			those enlisted
		dated 4-4-83			as a result of
		of IAC of IT,			Survey opera-
		Trichur.			tion except
					those assess-
		(ii) All personss in			able by ITOs
		Trichur Town			A, B, C, D
		other than			and F-Wards,
		those assess-			Trichur, vide
		able by ITOs			order C.No.
		A, B, C, D			517/GL/82-83
		and F-Wards,			dated 4-4-83
		Trichur, vide			of IAC of IT, Trichur.
		order C.No.			Tricnur.
		517/GL/82-83			2. All other cases
		dated 4-4-83			specifically assig-
		of IAC of IT,			ned to the Income-
		Trichur,			tax Officer under
		(iii) All cases of			section 124, 126,
		partners of			and 127 of the IT
		firms within			Act, 1961.
		the purview of			ŕ
		para (i) and		<del></del>	<del></del>
		(ii) above, ex-	2. This order	shall take effect from	1-10-1984.
		cept those as-			
		signed to ITOs			M. J. MATHAN
		A, B, C, D &		Commission	er of Incometax, Cochin

#### FORM I.T.N.S .--

(1) Ms Dhansar Engineering Co. (P) Ltd at 24 Netajee Subhas Road, Calcutta Through Its Director Sri Braj Mohan Agarwal So Lexmi Narain Agarwal.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Chadmal Properties (P) Ltd Regd Office at 36 Ezra Street Calcutta Through its Director Mahendra Kumar Agarwal.

# GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

ACQUISITION RANGE, PATNA-800001

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-30 days from the service of notice on the pective persons, whichever period expires later;

Patna, the 11th October 1984

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. III-963 Acq. 84-85.—Whereas, I,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/exceeding Rs. 25,000/- and bearing
bearing Khata No. 30 of Mouza Dhansar holding No. 13/.
Ward No. 16 situated at Mauza Dhansar, District-Dhanbad
(and more tully described in the schedule anunexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhanbad on 13-2-84 for an apparent consideration which is less than the fair

P. K. DUBAT,

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesuid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer,

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land measuring-61 Acres with house situated at Dhansar District-Dhanbad and morefully described in deed No. 1457 dated 13-2-84 Registered with D.S. R. Dhanbad.

> P. K. DUBAT Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-10-84

# FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHUBANESWAR (ORISSA)

Bhubaneswor, the 10th September 1984

Ref. No 1AC| $\Lambda$ cq|84-85|1150 —Whereas, 1, R C SETHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-ta xAct, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

730 situated at Nayapalli

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bhubaneswar on 8-2 84

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liabilitity
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Bhagyalata Routray W|o Col Basudev Routray, At|Post-Garujanga PS-Khurda (Dist-Puri) Ortssa

(Transferor)

(2) Smt Suickha Sundari Jaysingh Wo Shri Sahadev Jaysingh, At-Sunakhala PO-Bhatpada, PS-Bramhagiri (Dist-Puri) Orlssa

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi cation of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHIDULE

Free hold land—Plot No 1284 Khata No 816—Area AO O 194 dec out of AO O 460dec, in Mouza—Nayapalli PS-Sahidnagar, Bhubaneswar Dist-Puri (Orissa).

R C SETHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Orissa.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 10-9-84 Scal

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 23id August 1984

Ref. No. A-267[84-85]TEZ[137-38.-Whereas, I, E. J. MAWLONG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Patta No. 179 664 (new) Dag No. 30 (old) 446(new) situated at Tezpur Town, Mouza-

Mahabhairab

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tezpur on 28-2-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and or AI 副羽

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957): (1) Smt. Hena Prova Saikia, Wo Sri Manik Ch. Saikia, Perbatia Road, Tinsukia.

(Transferor)

(2) Sii Biswa Ranjan Kalita, Slo Lt. D. N. Kalita, L.B. Road, Tezpur Town, Tezpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The land measuring 1 Bigha 6 Lessa and bearing Patta No. 179(old) 664(new) D.No. 30(old) 446(new) is situated at Tezpur Town, Mouza—Mahabhairab.

Location-Near Railway Gate, Tezpur. Boundary—North—Road
South—M.C. Saikia
East—Bibek Agarwalla
West—Mahendra Goswami

> E. J. MAWLONG Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Shillong.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 23-8-84

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 23rd August 1984

Ref. No. A-260|84-85|TEZ|143-144.-Whereas, I. E. J. MAWLONG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000[- and

bearing No. Patta No. 35(old) 43(new) Dag No. 31(old) 445(new) situated at Tezpur town, Mouza—

Mahabhairch

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in Office of the Registering Officer at Tezpur on 28-2-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri Manik Chandra Saikia, So Late D. N. Saikia, Parbatia Road, Tinsukia.

(Transferor)

(2) Smt. Kalpana Kalita. Wo Sri Biswa Ranjan Kalita, L.B. Road, Jezpur Town.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said propermay be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The land measuring 1 Bigha 14 Lassa with an old house thereon, bearing Patta No. 35(old) 43(new) Dag No. 31(old) 445(new) is situated at Tezpur Town, Mouza—Mahabhairab.

Location-Near Railway Gate, Tezpur. Boundary—North—Hena Prova Saikia South—Holla East-Bibek Agarwalla West-Mahendra Nath Saikia

> E. J. MAWLONG Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Shillong.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 23-8-84

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

# ACQUISITION RANGE II, CALCUTTA

Calcutta, the 5th September 1984

Ref No AC-76 Acq R-II CAI 84-85 —Whereas, I, S K BANERJEE

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R<sub>5</sub> 25 000|- anid

bearing No Word No 75 situated at Taiatala Road at Naskaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at

S R Alipore on 13-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the wealth tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the ssue of the notice under subsection (1) of ection 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) M|s Rolls Print Company Pvt. Ltd of 6, Jawaharlal Nchru Road, Calcutta-700 013 (Transferor)
- (2) M/s Rolls Print (Packaging) Ltd of 1/2, New Taratala Road Calcutta-88 (Transferee)

Objection if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

3 Bighas 2 Cottahs 8 Chittacks land with Building and Factory shed situated at south side of Taratala Road at Naskarpur in Ward No 75 of the Corporation of Calcutta, PS South Division Port Police, More particularly described in Deed No 672 of SR Alipore of 1984

S K BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Calcutta

Date 5-9 84 Seal.

#### FORM ITNS -- -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, CALCUITA

Calcutta, the 28th September 1984

Ref. No. AC-77|Acg.R-II|Cal|84-85.—Whereas, I, S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000|- and

bearing No. 25C situated at Alipore Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A. Cal. on 28-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Khagen Bala Dassi of 20; Kedar Bhattacharjee Lane, Calcutta. (Transferor)

(2) Seemashree Construction Co. of 35A, Lake Avenue, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the paid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHFDULE

6 Cottahs 9 Chittacks 5 Square feet land with Building situated at 25C, Alipore Road, P.S. Alipore, Calcutta, More particularly described in Deed No. I 2434 of S.R.A. Cal. of 1984.

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisit.on Range-II, Calcutta

Date: 28-9-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, COCHIN

Cochin-662 016, the 8th October 1984

Ref. L.C. 697|84-85.—Whereas, I, B. RAVIBALAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Koppam Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Palghat on 16-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

52-306 GI|84

(1) 1. Smt. A. Mahaboob,

2. Shameena,

3. Alemmabi,

4. Sh. S. Jalaludheen and

5. Smt. Kamilabanu

13]1077, Mettupalayam Street, Palghat-1.

(Transferor)

(2) Smt. A. Sara Umma, 24|292, B.O.C. Road, Palghat-14.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

11-3|4 cents of land with a residential house in Sy. No. 2436 of Koppam Village, registered in SRO Palghat as per document No. 695 84 dated 16-2-1984.

> B. RAVIBALAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ernakulam

Date: 8-10-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, COCHIN-662 016

Cochin, the 24th September 1984

Ref. No. L.C.696|84-85.-Whereas, I, B. RAVIBALAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the

Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and

bearing No.

Sy. No. as per Schedule situated at Kottayam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

as per deed registered under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kottayam on 6-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) S|Shri Baby Philip, Bijoy Philip. 3. Thomas Philip, 4. Jacob Philip Pallathra House, Kurichi, Changanacherry Partners of Mis. Pallathra Tourist Home, Kottayam
5. Smt. Biju Joseph, Wo Sujith Joseph,
Modacheriyil House, Vellanad,

(2) Ms. Hotel Lakshminivas, By Sri K. Narayana Bhattar, Managing Partner, Lakshminivas Buildings, Sastri Road, Kottayam.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein a. are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SHEDULE

15 cents of land with a three storeyed building K. No. IX|117A, in Sy. No. 20|1|1 of Vijayapuram Village, registered in SRO., Kottayam, Doc. No. 381|84 dated 6-2-1984.

B. RAVIBALAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under aubsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 24-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 11th September 1984

Notice No. 799|84-85.-Whereas, I, R. BHARDWAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing T.S. No. 480 situated at

at Bellary with the competent authority under Section 269AB, in his office at Bellary document No. 4566|83-84 on 17-2-1984

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Officer at Bellary document No. 4566 83-84 on 17-2-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair property that the fair market when the fair believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Thayi Kottur Shetty alias Kotresh So Late Thayi Mallaiah Setty, Landlord Ro Comming Road, BELLARY. (Transferor)

(2) 1. Sri M. Anand 2. Sri M. Sadanand both So Sri Mitte Mellappa door No. 36, in Weaver's Street, Bellary. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHLDULE

(Registered Document No. 4566 dated 17-2-1984)

The property is a commercial having shop building Measuring 46 Sq. Metis. 60 Sq. Metis.

Situated at: House No. 43, TS No. 480 Block No. 2, Ward No. XI, Car Street, Bellary.

> R. BHARDWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 11-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

 M|s Kudpi Srinivasa Shenoy & Co., 12-305, New Field Street, Mangalore.

(Transferor)

(2) M|s A. J. Sc Repd. by M: G.G. Road, Mangalore-3.

(Transfe

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 24th September 1984

C.R. No. 62|42463|83-84|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. RS 173-A2, TS No. 15-A2 situated at Attawar Village of Attawar ward, Mangalore City.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Mangalore city on 3-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1583|83-84 dated 3-2-1984)

Property bearing No. RS. 173-A2, TS No. 15-A2, situated at Attawar village of Attawar ward, Mangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 24-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 12th October 1984

Ref. No. Rej[IAC(Acq.)|2487.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Plot No. B-1 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Jaipur on 12-2-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Ghanshyam Slo Sh. Laxminarayan Rlo Namyanpur, District Alwar.

(Transferor)

(2) Sh. Sushil Kumar Soo Sh. Deendayal Sharma, Plot No. D-16, Meera Marg, Bani Park, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. B-1 situated in Sanjay Colony, Nehru Nagar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jaipur vide Registration No. 317 dated 12-2-1984.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :-

Date: 12-10-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 12th October 1984

Ref. No. Rej|IAC(Acq.)|2488.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of he Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. 4B4 situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 25-3-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, a hereby initiate proceedings for the acquisition of he aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely -

(1) Sh. Giriraj Sharan Goyal, HUF Ladli ji ka Khurra, Chowkri-Ramchandraji, Jaipur.

(Transferor)

(2) Sh. Jaishree Totuka S|o Sh. Sunil Totuka R|o 34, Raul Building, Balkeshwar Road, Bombay-400006.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 4B4 situated on Govind Marg, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jaipur vide Registration No. 522 dated 25-2-1984.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-toAcquisition Range, Jaipur.

Date: 12-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING

ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 12th October 1984

Ref. No. Rej|AC(Acq.)|2489.--Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

Plot No. D-96 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Ac,t 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jaipur on 28-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Kailash Chand Mittal, So Shri Kanhaiyalal Mittal, Ro Λ-8, Shastri Nagar, Jaipur.
   (Transferor)
- (2) Shri Babu Lal, So Shri Gyarsilal Agarwal, Ro Plot No. C-3, Amba Bari, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. D-96 situated at Amba Bari, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jaipur vide Registration No. 599 dated 28-2-1984.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 12-10-1984

(1) Shri Rawat Man Singh, Slo Rawat Arjun Singh, Rlo Kotharia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**≻** 

(2) M/s. Gagandeep. 24-C-Madhuban, Udaipur. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 12th October 1984

Ref. No. Rej[IAC(Acq.|2490.—Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot situated at Udaipur

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Udaipur on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot situated outside Delhi Gate, Udaipur and more fully described in the sale deed registered by The Sub-Registrar, Udaipur vide Registration No. 235|344 dated 2-2-1984.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 12-10-1984

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,

3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 10th August 1984

Ref. No. IAC-Λcq.|66[14]84-85.—Whereas, I, M. C. JOSHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Agri. Land at Mouza Madgaon Tq-Dist. Yeotmal (and more fully described in the Schedule aunexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Yeotmal on 27-2-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269(D) of the said Act, to the following persons, namely:—
53—306 GI|84

(1) Shri B. Bele Wadgaon Tq-Dist. Yeotmal.

(Transferor)
(2) Trimuty G. N. S. Sautlo through Shri V. D. Thakare,
Yeotmal.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agri. Land at Wadgaon Tq. Dist. Yeotmal S. No. 37|2 3 acres.

M. C. JOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Nagpur

Date :4-8-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE

# Shri Ramchandra Shalikromji, Malviya Post & Tal. Morshi, Distt. Amravati.

# (Transferor)

# INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Prathmesh Tulsiramji, Malviya Post & Tal. Morshi, Distt. Amravati. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE 3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 4th August 1984

No. IAC-Acq.|25|18|84-85.-Whereas, I.

M. C. JOSHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Field S. No. 12|1, 6 H, 28 R at Mauja Yerala Post & Tal.

Morshi Distt. Amravati

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Amravati on 24-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of suck apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Field S. No. 12.1, 6 H 28 R at Mauja Yerala Post & Tal. Morshi, Distt. Amravati,

> M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Nagpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :---

Date: 30-8 1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 @F 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,

3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 10th August 1984

Ref. No. IAC-Acq.[18]14]84-85.—Whereas, I, M. C. JOSHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

House at Survey

No. 13-31, 3 and 13-31, 8 Municipal Plot No. 418 N. Sheet No. 56 at Ward No. 2 Wardha Tal. & Distt. Wardha Area of Plot 2000, sg. ft.

of Plot 2000 sq. ft.
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer

Wardha on 15-2-1984

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Usha Chandrakant Pandhare, Behind Lingi Temple, Ward No. 2, Wardha.

(Transferor)

(2) Shri Shiwaji Dharmraj Kedar R|o Sant Jagnade Road. Ward No. 2, Wardha.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereing as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House at S. No. 13-31, 4 and 13-31, 8 Nazal Sheet No. 56, Plot No. 416, Ward No. 2 Sant Jagnade Road, Wardha, Plot Aren 2000 sq. ft.

M. C. JOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Nagput

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-8-1984

Scal ;

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 26th June 1984

No. IAC Acq. 1111384-85.—Whereas, I, M. C. JOSHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

Agricultural Land situated at Walgaon Tal. & Distt. Amravati (Four Acres)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Amravati on 23-2-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Nara Deoraoji Sonar, R|o Walgaon Business: Agriculturist, Tal. & Distt. Amravati.

(Transferor)

(2) M|s. Sudhir Enterprises, Partner: Shri Omprakash Kodumalji Khemchandani, R|o Ambika Nagar, Amrayati.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressons used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agricultural land at Mouja Revasa Tal. & Distt. Amravati bearing Survey No. 89|3-A. Four Acres of Agricultural land.

M. C. JOSH)
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Nagpur

Date: 26-8-84

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

THE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE.
3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 4th August 1984

No. IAC-Acq.]15]14]84-85.—Whereas, I, M. C. JOSHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Nazul Plot No. 6, Shed No. 69 Layout Plot No. 3 Areas 9800 sq. ft. at Akola

(and more fully described in the schedule annexed herto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Akola on 10-2-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreel to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Purijirao Sukhdeo Lawahle, Ro Amravati.

(Transferor)

Shri Madanlal s¦o Bansilal;
 Shri Kishanlal Laddha;
 R|o New Radhakrishan,
 Plot Akola.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Nazul Plot No. 6, Street No. 69, Layout Plot No. 3 at Akola. Area: 9800 sq. ft.

M. C. JOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Nagpur

Date: 10-8-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th September 1984

Ref. No. A.P. No. 5635.—Whereas, 1, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. as per schedule situated at Bathinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

of 1908) in the office of the registering contest at Bathinda on February 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

 Shri Jugraj Singh So Thakur Singh, Chandsar Basti, Bibiwala Road, Bathinda.

(Transferor)

(2) Shri Pritam Singh Slo Bachan Singh, Vill. Jamarai, Distt. Amritsar; Ardas Kaur Wdlo Doola Singh, Near New Bus Stand, Bathlada.

\* (3) As per Sr. No. 2 above.

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

(4) Any other persons interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to

be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale Deed No. 4426 of Feb 1984 of the Registering Authority, Bathinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 14-9-1984 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th September 1984

Ref. No. A.P. No. 5636,—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000]- and bearing No. as per scheduled situated at Rampuraphul

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rampuraphul on Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 2600 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Daya Wanti wo Bachna Ram, Vill. Phool.

'(Transferor)

(2) Shri Gurcharan Singh, Balkaran Singh, Slo Kartar Singh,

Vill. Phool.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other persons interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the unidersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale Deed No. 3169 of Feb. 1984 of the Registering Authority, Rampuraphul.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date . 14-9-1984 Scal :

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th September 1984

Rs. 25,000|- and bearing No. as per Schedule J. L. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. as per schedule

situated at Rampuraphul

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Rampuraphul on Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the llability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shrimati Nabi Kaur Wd|o Inder Singh, Pal Singh, Hardev Singh, Bhola Singh, Ss|o Inder Singh, Vill. Phool Now Aundhkalan, Teh. Patran.

(Transferor)

(2) Shri Krishan Dev, Narain Dev, Sukhdev, Beant Singh, Satnam Singh, Sslo Maghar Singh, Vill. Phool, Distt. Bathinda.

(Transferec)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid crsons within a criod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale Deed No. 3241 of Feb. 1984 of the Registerng Authority, Rampuraphul.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date . 14-9-1984 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

GEFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE 141 ANDHAR

Jalandhai, the 14th September 1984

Ref No AP No 5638 -- Whereas, I, J. L. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No is per Scheduled situated at Rampuraphul

Lui -. -- --

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). ha, been transferred

registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Officers of the Registering Officer

at Rampuraphul on Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the lan market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in sespect of any income arising from the transfer; and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

54-306 GI|84

(1) Shu Narinder Pal. So Malla Ram; Jaspal S o Kasturi Lal; Ashok Kumai Sjo Hem Raj, Rio Rampuraphul.

(Transferor)

(2) Shii Pritam Singh, Gurdev Singh, Sslo Geja Singh. Vill Phul,

(Transferee)

(3) As per St. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other persons interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this not/ce is the Official Gasette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale Deed No No. 3323 of Feb. 1984 of the Registering Authority, Rampuraphul.

> J. 1. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Jalandhar

Date . 14-9-1984

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 8th October 1984

Ref. No. A.P. No. 5640.- Whereas, 1, J. I. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing

No. as per Scheduled situated at Phillaur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur on Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such appearent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shrimati Tarsem Kaur. Do Thakur Singh, Boparai. Teh. Phillaur.

(Transferor)

(2) Shri Mehar Singh

Banta Singh Vill, Budhalars.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other persons interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property),

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (h) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

FYPTANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given a that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale Deed No. 2828 of February, 1984 of the Registering Authority, Phillaur.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Runge, Jalandhar

Date: 8-10-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, **JALANDHAR**

Jalandhar, the 8th October 1984

Ref. No. A.P. No. 5641.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

No. as per Scheduled situated at Phillaui

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the otilice of Registering Officer at Phillaur on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 61 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(I) Shri Darshan Singh Sio Kishan Singh, Mukhtiaream, Pritam Kaur (Sister self), Poparai Teh. Phillaur.

(Transferor)

(2) Shri Mehai Singh, So Banta Singh, Bundala.

(Transferce)

(3) As per St. No. 2 above, (Person in occupation of the property)

(4) Any other persons interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:  $\longrightarrow$ 

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale Deed No. 477 of May, 84 of the Registering Authority. Phillaur.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 8-10-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOML-FAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAI ANDHAR

Jalandhar, the 8th October 1984

Ref. No AP No 5642 -- Wherens, I, J. 1. GIRDHAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fin market value exceeding Rs 25,000]-and bearing No as per Schedule situated at Bhitinda

(and more tully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of of 1908) in the Office of the Registering Officet at Bhatinda on Leb 1984

for an apparent consideration which is less than the fau market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the nability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) f tellitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income ta<sup>-</sup> Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Ac., I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Kamlesh Rani Wo Rakesh Kumai Sadar Bazai, Bhatinda

(Transferor)

(2) Shii Sukhmandar Singli slo Surjan Singh, Vill Kahan Bungan, Teh Ganganagar

Tch Ganganagar
(3) As per Sr No 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other persons interested in the property
(Person whom the undersigned knows to
be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte

EXPLANATION — The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property and pe sons as mentioned in the Registered Sale Deed No. 4480 of Feb. 1984 of the Registering Authority, Bhatinda

J L GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Jalandhar

Date 8-10-1984 Seal.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhai, the 8th October 1984

Ref. No. A.P. No. 5643 —Whereas, I. J. I. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No. as per Schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the full market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and lor

(b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

(1) Shii Rajesh Kumar, Raj Kumar Ss o Chranji Lal, Sadai Bazar, Bhatinda

(Transferor)

(2) Shri Bakshish Singh S|o Ganda Singh, Vill Wazid Ke Kalan, Distt. Sangiur.

(Transferec)

(3) As per St. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)
(4) Any other persons interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale Deed No 4481 of Feb. 84 of the Registering Authority, Rhatmda.

J. I. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 8-10-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 8th October 1984

Ref. No. A.P. No. 5644.—Whereas, I, J. 1. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. as per Schedule

situated at Talwandi Sabo

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Talwandi Sabo on March 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the. consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liablity of the transferor to pay tax under the said Act, in - respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee by the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Hari Chand, Goldsmith Sto Ganga Ram, Vill. Malkana, Feh. Talwandi Sabo, Distt. Bathinda.

(Transferor)

(2) Shrimatı Balbir Kaur, Wo Jaswant Singh, D.S.P. Hoshiarpur.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property) (4) Any other persons interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning -- gives is that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale Deed No. 2757 of March 84 of the Registering Authority Talwandi Sabo.

> J. L. GJRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 8-10-1984

### FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 8th September 1984

Rs. 25,000:- and bearing No. as per Schedule J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 6 as per schedule situated at Mithapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on February, 1984

to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasen to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initia e proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Mohinder Kaur, Wo Malkiat Singh Mukhtiaram of Malkiat Singh So Assa Singh Ro Mithapur Teh. Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shrimti Gurdesh Kaur Dio Gopal Singh Rio V. Hussainpur Dulowal, Teh. Sultanpur Distt. Kapurthala.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above, (Person in occupation of the property)
- (4) Any other persons interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

FXPI ANATION: -- The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

### THE SCHEDULE

Property land area 4142 Sq. ft. situated in V. Mithapur and persons as mentioned in the registered sale deed No. 6724 of February '84 of the Regis ering Authority, Jalandhar,

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 8-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-IAX,

ACQUISITION RANGE, JAI ANDHAR

Jalandhai, the 8th September 1984

Ref. No. A. P. 5646. -- Whereas, I, J. I. GIRDHAR

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No as per Scheduled situated at Mithapur

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under registration Act. 1908 (16 of 1908) in he office of the

Registering Officer at Jalandhar on February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ajit Singh S o Assa Singh R<sub>i</sub>oVillage Mithapur Teh, Jalandhai,

(Fransferor)

(2) Shri Major Mohan Singh Slo Dhian Singh Rio I-South Colony, Pathankot,

(Transferee)

(3) As per St. No. 2 above,

(Person in occupation of the property)

(4) Any other persons interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property land area 4142 Sq. ft. situated in V. Mithapur & persons as mentioned in the registered sale deed No. 6725 of February 84 of the Registering Authority, Jalandhar.

I. I. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Julandhar

Date: 8-9-1984

teal:

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE. **JALANDHAR**

Jalandhar, the 8th September 1984

Ref. No. A.P. No. 5647.—Whereas, I, I. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) ) hereinaf er referred to as the 'said Act'), has reason to beleve that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. as per Scheduled situated at Muktsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Muktsar on February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of '-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
  - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.:--55-306 GI|84

 Shrimati Rajbans Kaur, Wo Jagdev Singh C'o Mls. Kehar Singh Jagdev Singh, Muktsar.

(Transferor)

(2) Shri Raminder Singh. Parminder Singh, Sslo Gamdoor Singh and Amandeep Singh So Bhupinder Singh, Ro House No. 6115, Patti Tamboo Sahib. Muktsar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other persons interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :-- The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property House N.o 6116 situated near Gordwara Tmboo Sahib, Muktsar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 3566 of February '84 of the Registering Authority Muktsar,

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 8-10-1984

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 8th October 1984

Ref. No. A.P. No. 5648.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tix Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

As per Schedule situated at Garha (and more tully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acqui ition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the rollowing persons namely:—

Shri Puran Singh
 Slo Labh Singh Slo Bhola Singh,
 Rlo Garha Teh. Jalandhar.

(Transferor)

(2) Smt. Mohinder Kaur Dlo Bawa Singh Slo Raja Singh Rlo Kothi No. 3, Roop Nagar, Garha Teh. Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the unders gn'd knowsto be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person in rested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property area 1 kl. situated in Roop Nagar, Garha and persons as mentioned in the registered sale de d No. 6527 of February, 1984 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 8-10-1984

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

-OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 8th October 1984

Ref. No. Λ.P. No. 5649.—Whereas, 1, J. L. GJRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reteried to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000]—and bearing No.

As per Schedule situated at Khurla

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respective of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jagdish Singh Slo Bhola Singh Rlo Model House, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Kuldip Singh S|o Kishan Singh R|o 36|9, Central Town, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the unders gn'd knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expures later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this ntice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property area 111 MIs. situated in V. Khuria and persons as mentioned in the registered sale deed No. 6455 of February, 1984 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 8-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 8th October 1984

Ref. No. A.P. 5650.—Whereas, I.

J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per Schedule situated at Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Jalandhar in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the ato said p operty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Harkewal Singh Slo Gurdarshan Singh Rlo ER-13, Pucca Bagh Ialandhar

(Transferor)

(2) Shrì Balwant Singh Johal S|o Bawa Singh Johal & Smt. Ranjit Kaur Johal W|o Balwant Singh R|o Jandiala, Distt. Jalandhat.

(Transferee) -

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property area 1 Kl. 12 Mls. situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registered sale deed No. 6655 of February, 1984 of the Registering Authority, Jalandhar. Jalandhar.

J. 1. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely "- "

Date: 10-8-1984

#### FORM ITNS ---

 Smt. Rajinder Kaur Dlo Buta Singh Rlo ER-13, Pucca Bagh, Islandhan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, IALANDHAR

Julandbar, the 8th October 1984

Ref. No. A.P. No. 5651.--Whereas, I, J. L. GIRDHAR. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. as per schedule situated at Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparatus consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and on
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-123 Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Balwant Singh Johal Slo Bawa Singh & Smt. Ranjit Kaur Wlo Balwant Singh Rlo V. Jandiala, Distt, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the unders gn<sup>2</sup>d knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the aid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property area 10½ Mls. situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registered sale deed No. 6712 of February, 1984 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pulsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-10-1984

#### PORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1361 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

falandhar, the 8th October 1984

Ref. No. A.P. 5652.—Whereas, 1, J. L. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

as per schedule situated at Kingra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jalandhar in February, 1984

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——

- Shri Balbir Singh S|o Sh v Singh R|o V. Deharian Teh. Nakodar, Distt. Jalandhar (Through Special attorney Shri Vijay Kumar).
   (Transferor)
- Shri Santa Singh So Amar Singh & Ajit Kaur Wo Santa Singh Co Sub. Sadhu Singh So Mota Singh Ro Mohalla Sher Garh. House No. B-26/52, Kapurthala.

(Transferce+1-

(3) As S. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)

 (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the unders gn'd knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 4.5 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property area 22 Mls. 126 sq. ft. situated in V. Kingra and persons as mentioned in the regist red sale deed No. 6675 of February. 1984 of the Registering Authority,

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 10-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 264D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 8th October 1984

Ref. No. CHD|156|83-84.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

Being the Competent Authority under 1100n 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

House No. 16,

situated at Sector 19-A Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Chandigarh in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Lajja Wati Wo Late Shri Purshottam I al Kei tha Rlo No. 3, Sector 13 A, Chandigarh.

(Transfer ::

(2) Smt. Satya Wati
Wo Late Shri Vishaw Bandhu Singhal,
Sanjay Singhal and Sunil Singhal
So Shr Vishaw Bandhu Singhal (deceased)
Ro House No. 16, Sector 19A,
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 10 day on the service of notice on the respective persons whichever period expires 1 ter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 16 Sector 19-A Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1150 of Fabruary, 1984 of the Registering Authority, Chandigarh).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incomretax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 8-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, CLNTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 8th October 1984

Ref. No. CHD|4|84-85.-Whereas, I, IOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. SCO sife No 810 (61 20 acre Development Scheme) situated at U.T. Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transf med under the Revistra i n Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in February 1984 for n arrated consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeanid exceeds the apparent consideration therefor by more that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability o me transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1927 (27 of 1957);

(1) Shri Sukhdev Singh Slo Shri Ishar Singh Sun Sukhdeep Singh and Shri Amardeep Singh Slo Shri Sukhev Singh Rlo 3048, Sector 21-D Chandigarh and V. & P.O. Arnoli Via Patiala, Punjab.

(Transferor)

(2) Shri Inderjit Singh Chima S|o Shri Hazara Singh Smt. Shaminder Kaur W|o Shri Inderjit Singh Chima Shri Jat'nder Singh Sho Shui Inderjet Singh Chima Shri Navinderjit Singh Chima S|o Inderjit Singh Cheema Smt. Kamlinder Kaur W|o Shri Navinderjit Singh All r|o H. No. 1534 Sector 34-D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

f xPUANATION

The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

SCO site No. 810 6121 acre Development Scheme)
Manimajra U.I. Chandigarli.
(The property as mentioned in the sale deed No. 11 of
April, 1984 of the Registering Authority, Chandigarli.)

JOGINDER SNGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incom-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 (1) Capt. Man Mohan Singh Kahlon So Shri Lachmun Singh Ro 505 Sector 18-C, Chandigath.

(2) Master B. P. Singh and Master K. P. Singh Minor Sons of Shri Sarvjit Singh R o 541 Sector 35-A, Chandigarh.

(Transferee)

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL RÉVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana the 8th October 1984

Ref No. CHD 9|84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25.000|- and bearing

Plot No. 1354

situated at Sector 33-C. Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigath in April, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property an dI have resoon to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely:—

56—306 GL|84

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned; —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1354 Sector 33-C, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 46 of April 1984 of the Registering Authority, Chandigarh.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 8-10-1984

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE.

CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 8th October 1984

Ref. No. CHD<sub>1</sub>155<sub>1</sub>83-84.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No. Plot No. 1690

situated at Sector 34-D, Chandigarh

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chindigarh in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shii Puran Biaham Parkash S o Shii Sham Sunder Bhargo Rio H. No. 2076 Sector 27-C Chandigath Through his general attorney Mr. Anil Sharma, Advocate S o Shri Hukum Singh Sharma R[o H. No. 2259, Sector 19-C, Chandigarh,

(Transferor)

(2) S|Shi) Sat Paul Kapoor So Ram Parkash Kapoor mt. Meenu Kapoor Wo Shii Sat Paul Kapoor Shri Sham Sunder Kapoor Slo Ram Parkash Kapoor Smt. Neelam Kapoor W'o Shri Sham Sundei Kapoor R|o H, No. 3114 Sector 20-D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Plot No. 1690 Sector 34-D, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1148 of February, 1984 of the Registering Authority, Chandigarh.)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 8-10-1984

#### FORM LT.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

FOLLICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CLNTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 8th October 1984

Ref. No. CHD[161]83-84.—Wheras, I,

JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land measuring 23 Kanals situated at Villago Manimajra, U.T. Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of Registering Officer at Chandigarh in February, 1984 for an appaient consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has no been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

(1) S. Haidarshan Singh Grewal Slo Shri Chanan Singh Grewal Ro Kothi No. 38, Sector 4, Chandigarh.

(Iransferor)

(2) M<sub>1</sub>s. Gopal Fastners Private Limited, Through its Director, S. Iqbal Singh Gill, 434. Industrial Area, Phase II, Chandigath.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 23 Kanals in village Manimajra, U. T. Chandigath.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1171 of February, 1984 of the Registering Authority, Chandigarh.)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 8-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, D. L. F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 9th October 1984

Ref. No. GRG<sub>1</sub>174|83-84.--Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs 25,000|- and bearing Land 1 Bighd 4 Biswas

situated at Village Nathur, Distt Gurgaon

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Registering Officer

Guigaon in February, 1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-iax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1 Shri Rahul Kabir Bhandari & 2. Shri Chetan Bhandari Sons of Shri Ranjeet Bhandari, R\o 8-9, Padmini Enclave, Hauz Khas, New Delhi

(Transferee)

(2) Smt. Trishla Lain W.o Shri Mahender Kumai Jain, Rlo D-1-A, Green Park, New Delhi.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: ---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being 1 Bigha 4 Biswas situated at village Nathupur Distt. Guigaon and more fully described in the sale deed registered at No 4425 dated 3-2-1984 with Sub Registrar, Guigaon.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Robbak

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the sand Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 9-10-1984

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, D. L. F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 9th October 1984

Ref. No. GRG 175 83-84.—Whereas, I, R, K BH \YANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000[- and bearing No.

Land 16 Biswas

situated at Village Nathur, Distt. Gurgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gurgaon in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the follo ing persons, namely:—

Shri Rahul Kabit Bhandari &
 Shri Chetan Bhandari
 Sons of Shri Ranjeet Bhandari
 R<sub>1</sub>o 8-9. Padmini Enclave, Hauz Khas,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Iqbal Singh
 S|o Shri Dharam Singh
 C|o S. Harinderpal Singh,
 R o N-3, South Extension, Part-1,
 New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 16 Biswas situated at village Nathuupr, Distt Gurgaon and more fully described in the sale deed registered at No. 4426 dated 3-2-1984 with Suh-Registrar, Gurgaon.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 9-10-1984

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOM9-TAX

> ACQUISITION RANGE, D. L. F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 9th October 1984

Ref. No. GRG 176 83-84.—Whereas, 1, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Rs. 25,000|- and bearing No.
Land 1 B 15 B
situated at Village Nathur, Distt. Gurgaon
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Gurgaon in February, 1984

For an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) 1 Shri Rahul Kabir Bhandari & 2. Shri Chetan Bhandari Sons of Shii Ranjeet Bhandari, R.o. 8-9, Padmini Inclave, Hauz Khas, New Dellin.

(Transferor)

(2) 1. Shri Sohan Singh Slo Harbans Singh Anand

2. Harinderpal Singh 510 Sohan Singh

3. Smt. Nirupam Kaur WioHarinderpal Singh and

4. 8mt. Kuldip Kaur Wo Sohan Singh Ro N-3, South Extension Part-I, New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land measuring 1B 15B situated at Village Nathupur, Distt. Gurgaon and more fully described in the sale deed registered at No. 4427 dated 3-2-1984 with S.R. Corgaon.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Runge, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 9-10-1984

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) 1 Nand Ram So Iawahara and 2 Mawasi So Iawahara Ro Village Begampur Khatola, Tch & Distt Gurgaon

(Transferor)

(2) Ms JMA Industries Itd, 29 Community Centre, Fast of Kailash, New Delhi

(Transferce)

OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE D L F COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 9th October 1984

Ref No GRO 177 83 84 — Whereas, I R K BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinarter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing No

Land 14K 6M

situated at V Begampui Khatola Teh & Disti Guigaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

as per deed registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guigaon in February 1984

for an appaient consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appaient consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .---

(a) faculitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) faculitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which sught to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 ef 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 4K 6M situated at Village Begampur Khatola T/D Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at No 4452 dated 6-2-1984 with Sub-Registrar, Gurgaon

R K BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 9-10-1984

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, D. L. F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 9th October 1984

Ref. No. GRG<sub>1</sub>178<sup>1</sup>83-84 —Whereas, I, R. K. BHAYANA,

R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Land measuring 12K 11 M stuated at V. Narsinghpul Teh. & Distt. Gurgaon (and more fully described in the schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act. 1908

hus been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andior
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) 1. Sardara, (2) Banwari & (3) Lal Chand Sons of Shii Ramji Lal S|o Hatsahat, R|o Village Narsinghpur, Tehsil & Disit, Gurgaon,

(Transferor)

(2) Mis. J.M.A. Industries Itd., 29, Community Centre, East of Kailash, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation. - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land measuring 12K 11M situated at village Narsinghpur, Tehsil Gurgaon and more fully described in the sale deed registered at No. 4453 dated 6-2-1984 with Sub-Registrar Gurgaon.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Runge, Rohtak

Date: 9 10-1984

Seel:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# - OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE DIF COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 9th October 1984

Ref. No GRG|61|84-85.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land 9 K 14 M situated at Village Begampur Khatola, Teh.

Gurgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gurgaon in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(1) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which outht to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) (i) Nand Ram & (ii) Mawasi sons of Shri Jawahara, rlo Village Begampur Khatola, Teh. & District Gurgaon.

(Transferor)

(2) M/s. J. M. A Industries 1 td., 29-Community Centre, New Delhi-65.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land measuring 9 K 14 M situated at village Begampur Khatola, Teh. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at No 1714 dated 9-5-1984 with Sub Registrar, Gurgaon.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Robtak

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 9-10-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, D.L.F COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 8th October 1984

Ref. No. SPT 80 83-84.—Whereas 1, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000'-and bearing No.

Land 2 Bigha 10 Biswas situated at Patti Musalmanan, Sonepat

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sonepat in February. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (n) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Harbans Lal s|o Hovna Ram r|o Bhagat Motor Store, G. T. Road, Ghaziabad (U.P.).

(Transferor)

- (2) (1) Arian Dev, s/o Raghunath, r/o Jiwan Nagar, Sonepat,
  - (ii) Hazari Lal slo Kalyan, rlo Arva Nagar, Sonepat.
  - (iii) Smt. Santosh Kumari wo Kishan Kumar, ro Model Town, Sonepat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

In Manation:—The terms and expressions used herein as herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Property being 2 Bigha 10 Biswas situated at Patti Musal-manan, Sonepat and more fully described in the sale deed registered at No. 5175 dated 842-84 with S.R. Sonepat.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rontal

Date: 8-10-1984 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX:

ACQUISITION RANGE, D.L.F COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 8th October 1984

Ref. No. SPT[81|83-84.—Whereas, J. R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

Land 2 Bigha 10 Biswas situated at Patti Musalmanan.

Sonepat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Sonepat in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the aforesaid property by the issue of this notice under subparties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Suresh Kumar Bhagat woo Hovna Ram. roo K.B-72, Kavi Nagar, Ghazlabad (U.P.).
(Transferor)

(2) (i) Smt. Bimla Devi wlo Daya Nand, rlo Sikka Colony, Sonepat.

(ii) Shii Mahender Kumar sio Murari Lal, ro Juan, Teh. & Distt. Sonepat.

(nii) Shri Gurmeet Singh slo Kesar Singh,rlo Housing Colony, Sonepat.

(Transferes)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land 2 Bigha 10 Biswas situated at Musalmanan, Sonepat and more fully described in the sale deed registered at No. 5176, dated 8-2-1984 with S.R. Sonepat.

R. K. BHAYAN '.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tag.
Acquisition Runge, Robink

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-10-1984.

#### FORM I.T.N.S .-

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, D.L.F COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 8th October 1984

Ref No. SPT<sub>1</sub>82|83-84.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable 1964 (2001) property having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing No. Land 2 Bigha 10 Biswas situated at Patti Musalmanan,

Sonepat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been uansferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Sonepai on February, 1984

at sonepar on rectuary. 1994
for an apparent consideration which is less than the fau
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fau market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therfor by more than inficen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely :---

(1) Shri Ashok Kumar so Hovnka Ram Bhagat, rlo K.B. 72, Kavi Nagar, Ghaziabad (U.P.).

(2) (i) Shri Sheo Chand so Sumer Chand, 110 Alva Nagar, Sonepat.

(Transferor)

(ii) Smt. Om Wati wo Ram Kanwar, ro village

Bayapur, District Sonepat. Kumari Indrani soo Gopal Dass, roo Gari Gasita District Sonepat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days. from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land 2 Bigha 10 Biswas situated at Musalmanan, Sonepat and more fully described in the sale deed registered at No 5177, dated 8-2-1984 with S R. Sonepat.

> R. K. BHAY 'ANA Competent Aut hority Inspecting Assistant Commissioner of Incom 1e-tax Acquisition Range, R. ohtak

Date: 8-10-1984.

#### FORM ITNS----

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Ram Singh so Lal Chand so Jot Ram, rlo Murthal, District Sonepat.

(Transferer)

26341

(2) Shri Siri Ram slo Puran Chand, rlo 428, College Road, Ludhiana (Pb).

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, D.L.F COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 8th October 1984

Ref. No. SPI 83 83-84.—Whereas, I,

R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair Rs. 25,000 and bearing No. market value

Land 11 K 16 M situated at Murthal, District Sonepat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Sonepat on February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fan market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said intrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land 11 K 16 M situated at Murthal, District Sonepat and more fully described in the sale deed registered at No. 5201, dated 10-2-1984 with S.R. Sonepat.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Roht .

Now, therefore, in pursuance of section 269C or the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of thi snotice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 8-10-1984.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, D.L.F COLONY, ROHTAK

Rohfak, the 8th October 1984

Ref. No. SPT 84 83-84.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000'- and bearing No.

Land 14 K 8 M situated at Murthal. District Sonepat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on January, 1984
Sonepat on February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Duli Chand so Dharma, ro Murthal, District Sonepat.

(Transferor)

(2) Shri Amar Nath slo Harjasmal, rlo Cycle Market, Mill Road, Ludhiana (Pb.).

(Transferos)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land 14 K, 8 M situated at Murthal, District Sonepat and more fully described in the sale deed registered at No. 5202, dated 10-2-1984 with S R. Sonepat.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-10-1984.

(1) Shei Duli Chand so Shri Dharma,

(2) Shu Jai Gopal so Shri Puran Chand,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THF INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

> H. No. 103A, Shashtri Nagar, Ludhiana (Pb.).

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, D.L.F COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 8th October 1984

Ref. No. SPT 85 83-84.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

l and measuring 14 Kanal 18 Marla situated at Murthal, District Sonepapt

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sonepat on February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said matrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the eforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land measuring 14 Kanal 18 Marla situated at village Murthal, District Sonepat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 5203, dated 10-2-1984 with Sub Registrar, Sonepat.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtal.

Date: 8-10-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## rlo 428, College Road, Ludhiana (Pb.).

(1) Shri Bhim Singh so Shri Lal Chand.

rlo Murthal, District Sonepat.

## (Transferor)

(2) Shri Siri Ram sto Shri Puran Chand.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

### ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 9th October 1984

Ref. No SPT|86183-84.--Whereas I, R K. BHAYANA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to ar the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

Land 6 K 13 M situated at Murthal, District Sonepat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Sonepat on February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persone within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Properpty being land 6 K 13 M situated at Murthal District Sonepat and more fully described in the sale deed registered at No. 5204 dated 10-2-1984 with S.R. Sonepat

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Robtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Sestion 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date 9-10-1984. Seal:--

(1) Shri Bhim Singh slo Shri Lal Chand, Rlo Murthail, District Sonepat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Suraj Parkash s|o Shri Karam Chand, r/o 498, Nirankari Bhavan, Ludhiana.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, D.L.F COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 9th October 1984

Ref. No. SPT 87 83-84.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. Land measuring 2 Kanal 14 Marla situated at Murthal,

District Sonepat

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Sonepat in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than liften percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPI ANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Land measuring 2 K 14 M situated at Murthal, District Sonepat and more fully described in the sale deed registered at No. 5205, dated 10-2-1984, with S. R. Sonepat.

R. K. BHAYANA Competent Authorst Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
58—306 GI|84

Date: 9-10-1984.

(1) Shri Bhim Singh so Shri Lal Chand, Ro Muthal, District Sonepat.

(Transferor)

(2) Shri Jai Gopal slo Shri Puran Chand, rlo 103-A, Shashtri Nagar, Ludhiana (Pb.).

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACOUISITION RANGE, D.L.F COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 9th October 1984

Ref. No. SPT|88|83-84.—Whereas, I, R. K BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land 6 K 13 M situated at Murthal, District Sonepat (and more fully tescribed in the schedule annexed hereto),

has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at of the Registering Officer at Sonepat on February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the mability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, thall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land 6 K 13 M situated at Murthal, District Sonepat and morefully described in the sale deed registered with S. R. Sonepat at Sr. No. 5206, dated 10-2-1984.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 9-10-1984,

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

#### FORM TINS-

(1) Shri Dalel Singh slo Shri Dharma, rlo Murthal, District Soneput.

(Transferor)

NCTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Chiman Lal so Shri Chhajju Ram rlo 119-A, Shastri Nagar, Ludhiana (Pb. (Trans(erce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, D.L.F COLONY, ROHTAK Rohtak, the 9th October 1984

Ref. No. SPT|89|83-84.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

Land 10 K 12 M situated at Murthal, District Sonepat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sonepat on February 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income

any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Property being land 10 K 12 M situated at Murthal, District Sonepat and morefully described in the sale deed registered at No. 5207, dated 10-2-1984 with S. R. Sonepat.

> R. K. BHAYAN ' Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 9-10-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, D.L.F COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 8th October 1984

Ref. No. SPT 90 83-84.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land 10 K 12 M situated at Murthal, District Sonepat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Sonpeat in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per ceut of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Dalel Singh so Dharma, ro Murthal, District Sonepat,

(Transferor)

(2) Shri Triloki Nath slo Shri Jati Ram, and Shri Ravi Kant slo Tirloki Nath, rlo 265, Shashtri Nagar, Ludhiana (Pb.)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land 10 K 12 M situated at Murthal, District Sonepat and morefully described in the sale deed registered at No. 5208, dated 10-2-1984 with S.R. Sonepat.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Robtesk

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-10-1984.

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY, ROHTAK Rohtak, the 8th October 1984

Ref. No. SPT|91|83-84.—Whieas, I, R. K. BHAYANA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing No. Land 10 K 12 M

Situated at Murthal, D|Sonepat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

at Sonepat in Feb., 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Dalel Singh s o Dharma,

rlo Murthal, D|Sonepat.

(Transferor)

(2) Svs. Roop Chand & Tarshem Chand s o Sadhu Ram,

rlo Lakshman Nagai. Ludhiana (Pb.)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land 10 K 12M situated at Murthal, D Sonepat and more fully described in the sale deed registered at No. 5209 dated 10-2-84 with S. R. Sonepat.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range

Date: 8-10-1984.

#### FORM J.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, D.L F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 9th October 1984

Ref. No. RWR|37|83-84.—Whreas, I, R. K. BHAYANA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land measuring 29K 1M Situated at village Kapriwas, Tehsil Rewari (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rewari in Feb., 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Account Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M]s. Canvas Craft & General Co., 9-10]3, Laxman House, Asaf Ali Road, New Delhi through Shri Naresh Kumar Gupta slo Shri Madan Lal Gunta.

(Transferor)

(2) M/s. Cecil Webber Engineering Ltd., 109, Ansal Bhawan, 16 Kasturba Gandhi Marg, New Delhi-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the aid Act, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 29 K 1M situated at Village Kapriwas, Tehsil Rewari and as more mentioned in the rale deed registered at No. 2889 dated 13-2-1984 with Sub Registrar, Rewari.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Rohtak

Date: 9-10-1984.

Scal;

#### FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE iNCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY, ROHTAK Rohtak, the 9th October 1984

Ref. No. RWR|39|83-84.—Whreas, I, R. K. BHAYANA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Land measuring 10K 8M

Situa:ed at village Kapriwas, Teh. Rewari (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Rewari in Feb., 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the garties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '--

(1) M|s. Tarpolian India, 264-Azad Market, Delhi through Shri Vinod Gupta 8 o Shri Girdhari Lal.

(Transferor)

(2) M|s. Cecil Webber Engineering Ltd., 109-Ansal Bhawan, 16, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land measuring 10K 8M situated at village kapriwas, Tehsil Rewari and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2892 dated 13-2-1984 with Sub Registrar, Rewari.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Rohtak

Date: 19-10-1984

#### FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TA!

ACQUISITION RANGE, D.L F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 9th October 1984

Ref. No. RWR|38|83-84.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

Land measuring 23 K 17 M situated at village Kapriwas. Tehsil Rewari

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rewari in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 M|s. Jainsons Engineers, 8637-East Park Road, New Delhi through Shri Arun Jain s|o Shri J. L. Jain.

(Transferor)

(2) M|s Kamdhenu Enterprises Ltd., C-312. Defence Colony, New Delhi-24.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of, the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 23 K 17 M situated at village Kapriwas, Tehsil Rewari and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2891 dated 3-2-1984 with Sub-Registrar, Rewari.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 9-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. I.. F. COLONY

Rohtak, the 9th October 1984

Ref. No. RWR|40|83-84.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No.

Land measuring 24 K 7 M situated at village Kapriwas, Tehsil Rewari

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rewari in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
59—306 GI|84

(1) M/s. Canvas Craft & General Co., 9-10/3, Laxman House, Asaf Ali Road, New Delhi through Shri Naresh Kumar Gupta s/o Shri Madan Lal Gupta.

(Tian feror)

(2) M|s. Kamdhenu Enterprises Ltd., C-312, Defence Colony, New Delhi-24.

(Transferse)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being land 24 K 7 M situated at village Kapriwas. Tehsil Rewari and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2893 dated 13-2-1984 with Sub Registrar. Rewari.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Robtak

Date: 9-10-1984

(1) M/s. D.L.F. Universal Ltd., 21-72, Narendera Place, Parliament Street, New Delhr.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

# SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 9th October 1984

Ref. No. DLI|69|83-84.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

II (No. D-15 situtated at Sector-II, L. L. F. Fandabid (and more fully described in the schedule annexed nereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in February, 1984

Deihi in February, 1984 for an apparent conside

for an apparent consideration which is less than the fair fifteen per cent of such apparent consideration and that the believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and our

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) (i) Shri Kirpa Ram so Gobind Ram and (ii) Sh. Raj Kumar so Shri Jai Narain co Ms. Kanhiya Lal Jai Narain, Sodal Road, Jullundur City (Pb.).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being Plot No. D-1|5 situated at Sector No. 11, D.L.f., Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at No. 222 dated 25-2-1984 with Sub Registrar, Delhi.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-138
Acquisition Range, Rohtal.

Date: 9-10-1984

Se(B)

(1) Shii Mohan Lal soo Shri Teju Ram, ro Rattan Gaiden, Gurgaon.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. The Panchsheel Cooperative House Building Society Ltd., Faridabad.

#### GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONLR OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Rohtak, the 9th October 1984

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Ref. No. BGR|217|83-84.—Whereas, I,

publication of this notice in the Official Gazette

R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

EXPLANATION:—The terms ond expressions unsed herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Land 8 Kanal situated at Ismilepur, Tehsil Ballabgarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in February, 1984

for an apparent considering which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reoson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Property being land 8 Kanals situated at Village Ismilepur, Tehsil Ballabgath and as more mentioned in the sale deed registered at No. 12801 dated 14-2-1984 with S.R. Ballabgath.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Date: 9-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 9th October 1984

Ref. No. BGR|218|83-84.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 137, Sector 24 (area 9555.55 sq. yds.) situated at Faridabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Ballabgath in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M|s. Bhasin Construction Co., (P.) Ltd., 13|24, Faridabad.

(Transferor)

(2) M/s. Faridabad Gas Gadgets Pvt. Ltd., Plot No. 369, Sector 24, Faridabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EMPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being Plot No. 137, Sector 24 (area 9555.55 sq. yds.) situated at Faridabad and more fully described in the sale deed registered at No. 12511 dated 8-2-1984 with S.R. Ballabgarh.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 9-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 8th October 1984

Ref. No. BGR|223|83-84.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Plot No. 49, Block J (area 500 sq. yds.) situated at DLF Model Town, Sector 10, Faridabad (Sihi)

(and more fully described in **the** Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgath in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparen consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evanion of the liability of the transferor to pay the under the said Act, in respect of any income alsing from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Suresh Kumai Kakkar s|o Shii Daigai Dass, r|o E-20, Greater Kailash Enclave-2. New Delhi through Shii A. P. Sehgal s|o Ram Saran Dass, i|o B-5, Greater Kailash Enclave-2, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shii Surjeet Singh Sethi so Late Shri Kuldip Singh Sethi, roo 3, Chouranghee Square, Calcutta-72.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being Plot No. 49, Block 'J', area 500 sq. yds., DLF Model Town, Sector 10 Faridabad (Sihi) and more fully described in the sale deed registered at No. 13299 dated 23-2-1984 with S.R. Ballabgarh.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:

Date: 8-10-1984

(1) Smt. Krishana Chopra wlo Shri V. D. Chopra, E-325, Greater Kailash-2, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Chander Mohan Chandok s|o Shri K. L. Chandok, r|o 84-D, Park Street, Calcutta.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, ROHTAK
D. L. F. COLONY

Rohtak, the 9th October 1984

Ref. No BGR|227|83-84.--Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing

H. No. 1306-C area 1083.33 Sq. Yds. situated at Sector 14, Faridabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Ballabgarh in February, 1984 for an apparent consideration which is less fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Property being House No. 1306-C, area 1083.33 sq. yds., Sector 14, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at No. 13323 dated 23-2-1984 with Sub Registrar, Ballabgarh,

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely :-

Date: 9-10-1984

#### FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME JAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

CIFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

#### ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rehtak, the 9th October 1984

Ref No PNP|133|83 84 -- Whieas, I, R K BHAYANA

teing the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No 37B area 28 11 sq vds Situated at Bata Bazai, GT Road, Panipat (and more fully described in the Schedule annxed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Panipat in Feb 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the maid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely —

The National Textile & General Co (Estate Dealer)
 Sh i Pradee Butra
 671, Model Town, Panipat

(Transferor)

(2) Shri Booth Ram slo Shri Dewan Chand Dua son of Shri Munshi Ram residents of Bharat Wool Trading Co resident of 489, Ginak Road, Khadukhet Baniyan Badi, Tamil Nadu

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULI

Proper() being Plot No. 37B measuring 28.11 sq. ydssituated at Batra Bazai, G. T. Road. Panipat and more fully described in the sale deed relistered at No. 4796. dated 1.2-1984 with S. R. Panipat.

R K BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range
Robitak

Date 9-10 1984 Seal :

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVFRNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-, ROHTAK

Rohtak, the 9th October 1984

Ref. No. PNP|134|83-84.—Whereas, I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Plot Measuring 511-33 sq. yds. (1|4th share) Satua-ed at Industrial Area, Panipat

cand more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Panipat in Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than sifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Smt. Sarla Devi wlo Shri Yogesh Kumar slo Shri Chhaju Ram Gupta, rlo Civil Lines, Vijay Mohalla. Karnal.

(Transferor)

(2) Smt. Necraj Guglani wo Shri Suresh Kumar Guglanl, 10 576, Model Town, Panipat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 tays from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person which are period across later: whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being Plot measuring 511.33 sq. yds., (1)4th share) situated at Industrial Arca. Panipat and more fully described in the sale deed registered at No. 4898 dated 1-2-1984 with sub Registrar, Panipat.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Robtak

Date: 9-10-1984.

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 9th October 1984

Ref No. PNP|137|83-84.—Whreas, I, R. K BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No. Land 7B 9B

Situated at Asandh Road, Panipat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Panipat in Feb., 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

60---306 G1|84

 Smt. Roopsi wlo Shri Naveen Kapoor, rlo Randhir Lane, Karnal

(Transferor)

(2) 1. Ram Niwas so Ram Kanwar 2. Rajinder s o Sat Parkash 3. Harbilas s o Ram Chand 4. Prem Chand s o Baru Ram Mukandi Lal sjo Lalji Mal 6. Subhash Chand s|o Ram Dhari. 7. Krishan Lal s|o Jagan Nath 8. Ram Charan slo Lahri Mal. clo Hand Tax India, Agarwal Street Gohana Road clo M/s. Harbilas Prem Chand Liquor Contractor, opposite Bus Stand, Panipat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being agril. Land measuring 7 Bigha 9 Biswas situated at Asandh Road, Panipat and as more fully described in the sale deed registered at No. 4915 dated 10-2-1984 with Sub Registrar, Panipat.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.
Rohtak

Date: 9-10-1984.

(1) Smt. Lajwanti Devi urf Lalwanti wo Barkat Ram, rlo H. No. 45, Anaj Mandi, Jagadhri (D-Ambala)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sudesh Rani wlo Shri Bharat Parkash, rlo 423|A|2, Gali Raja Sahib, Jagadhri, D|Ambala.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of thet said property may be made in writing to the undersigned :-

### ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Roh(ak, the 9th October 1984

Ref. No. IDR|115|83-84.—Whereas, I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to an the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 of the Registering Officer at Jagadhri in Feb., 1984 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Jagadhri in Feb., 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of . ransfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of thie said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act or the Wealth-max Act, 1957 (27 of 1957);

Property being single storey shop & store situated at main Devi Bhawan Bazar, Jagadhri and as more mentioned in tthe sale deed registetred at No. 6201 dated 6-2-1984 with the Registrar, Jagadhri.

THE SCHEDULE

R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Rohlak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the afcresaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following versons namely :--

Date: 9-10-1984,

Scal:

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE SECTION TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 9th October 1984

Rec. No. JDR|116|83-84.—Whreas, I, R. K. BHAYANA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. 1/2 share of single storey shop & store situated at Main Devi Bhawan Bazar, Jagadhri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jagadhrı in Feb., 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andjor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1947 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

(1) Shri Hari Chand s o Sbri Barkat Rai, r o 45, Anaj Mandi, Jagadhri.

(Transferor)

(2) Shri Narender Kumar slo Ram Chander, rlo 624, Muhalla Choralian, Jagadhri, Ambala

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given to that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being 1|2 share of single storey shop & store situated at Main Devi Bhawan Bazar, Jangadhri and as more mentioned in tthe sale deed registered at No. 6200 dated 6-2-84 with Sub Registrar, Jagadhri.

R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Rohtak

Date: 9-10-1984.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 9th October 1984

Ref. No. JDR 117 83-84.—Whreas, I, R. K. BHAYANA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing House No. 795, Unit No. B-5-716 measuring 225.80 sq. vds. situated at Prem Nagar, Yamunanagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhri in Feb., 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of me liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) (i) Chander Mohan Rai Nanda (ii) Smt. Surinder Nath Nanda son & wife of Smt. Kashmiri Lal, rlo H. No. 795, Prem Nagar, Yamunanagar. (Transferor)
- (2) Smt. Sudesh Rani do Harish Chander, ro Village Jathlana, Teh. Thanesar, D Kurukshetra.

(Transferee)

Objectitons, it any, to thte acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being House No. 795 measuring 225.80 sq. yds., situated at Prem Nagar, Yamumanagar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 6318 dated 8-2-1984 with S. R. Jagadhri.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Rohtak

Date: 9-10-1984.

\_\_\_\_

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 9th October 1984

Rcf. No. AMB]94[83-84.—Whreas, I, R. K. BHAYANA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

Plot measuring 420 sq. mtr. (502 sq. yds.) situated at Vikas Vihar, Improvement Trust Colony, Ambala

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala in Feb., 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transferred with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursunace of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Shri Mohiner Pal Gupta s o Shri Rulia Ram slo Shri Panna Lal,

rlo Garonda, D|Karnal.

(2) Shri Jagbhushan Gupta slo Shri Bishan Dass, rio 121-J.K.E., Lines, Ambala Cantt.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being Plot measuring 420 sq. mt. (502 sq. yds.), situated at Vikas Vihar, The Improvement Trust Colony, Ambala City and as more mentioned in the sale deed registered at No. 6620 dated 2-2-1984 with Sub Registrar, Ambala.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Robtak

Date: 9-10-1984. Seal:

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 9th October 1984

Ref. No. JDR 112 83-84.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable, propertly having a fair market value exceeding Rs. 25,000l- and bearing No. 1 share of plot situated at Industrial Area, Jagadhri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Jagadhri in February 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Hind Timber Industries, W-3, Industrial Area, Yamunanagar.

(2) Shri Ashok Kumar Kalra Slo Shri Ram Chand Kalra, Yamunanggar. (Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being 1|2 share of Plot situated at Industrial Area, Jagadhri and as more mentioned in the sale deed registered at No. 6139 dated 1-2-1984 with S.R. Jagadhri.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-rection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 9-10-1984

#### FORM ITNS- ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 9th October 1984

Ref No. JDR|111|83-84.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property baying a fan market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. 1/2 share of Plot situated at Industrial Area, Jagadhri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jagadhri in Feb., 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of im-

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M|s. Hind Timber Industries, W-3, Industrial Area, Yamunanagar.

(Transferor)

(1) Shri Bhushan Lal Kanwar s|o Shri Desh Raj of Yamunanagar

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any othr person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being 1|2 share of Plot situated at Industrial Area, Yamunanagar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 6138 dated 1-2-84 with S. R. Jagadhri

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 9-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 9th October 1984

Ref. No. BGR|264|83-84.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the competent authority under Section 269D of the income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Shop-cum-Residential Property No. 8|133 situated at Main

Bazar, Old Faridabad.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ballabgarh in Feb., 1984. for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Raja Ram s|o Hira Lal. r|o Shop No. 8|133, Main Bazar, Old Faridabad.

(Transferor)

(2) Smt. Shakuntla Devi Wo Shri Radha Krishan Sharma, ro Govt. Quarter No. 1013, Lakshmi Bai Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being shop-cum-residential No. 8|133, Main Bazar, Old Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at No. 14897 dated 15-2-1984 with S. R. Ballabgarh.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

## TIFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE. D. L. F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 11th October 1984

Ref. No. BGR|228|83-84.—Whereas, L. R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 162, Block 'J' area 528 sq. vds., situated at Sector 10, Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Ballabgarh in Feb., 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of cransfer with the object of ....

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Krishan Baldev Kher slo Shri Sita Ram Kher, Rlo 1293, Sector No. 7D Faridabad now rlo 1159, Sector No. 36-C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) 1. Kumari Anuradha Gupta, 2. Kumari Rachna Gupta & Kumari Seema Gupta, Ds. of Shri K. K. Gupta, r|o N-21, N.D.M.C. or N.D.S.I., Part-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later; -
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Property being Plot No. 162, Block 'J' (area 528 sq. yds.) situated at Sector 10, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at No. 13141 dated 20-2-1984 with Sub Registrar, Ballabgarh.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rang, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of said Act to the following persons namely:— 61-306 GI|84

Date: 11-10-1984

#### FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

J.A.C. ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTLL, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delni, the 24th September 1984

Ref. No. IAC|Λeq|III 37LF|2-84|355.--Whereas, I, G. S. GOPALΛ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 309, 312 and 316, situated at Green Park, Yusuf Sarai, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

in the Office of the Registering Officer at IAC Acq.III N.D. in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe, that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the phiect of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Aar Pee Apartments (P) Ltd., Adinath Shree House, Opp. Super Bazar, Connought Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Hareshwar Dayal, Ro Madhuban (Karnal) Haryana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

309, 312 and 316, Green Park (Yuusf Sarai), New Delhi Mg 205, 100 and 50 sq. ft.

G. S. GOPALA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi|New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this nótice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 24-9-1984

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Aar Pee Apartments (P) Ltd.,

Connought Circus, New Dhli.

#### (Transferor)

1) Sh. Mukesh Jain, Sto Sh. L C. Jain, Rlo 608, Sector-5, R. K. Puram, New Delhi.

Addinath Shree House, Cpp. Super Bazar,

## (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

I.A.C. ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 24th September 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|2-84|37EE|378.-Whereas, 1,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and beiring

No. 181(FF) situated at Green Park (Yusuf Sarai) New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the registering Officer

at IAC Acq.-III N. D. in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

181(FF) Green Park (Yusuf Sarai) New Delhl. Mg. 228 sq. ft.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assit, Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 24-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL, 4/14-A, ASAF ALI ROAD. NEW DELHI

New Delhi, the 24th September 1984

Ref. No. IAC[Acq. III]37EE[2-84[3]9.--Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 108 situated at Green Park, Yusuf Sarai New Delhi and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

in the iffice of the Registering Officer at IAC|Acq.III|New Delhi on February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limitity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-inx Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-secsection (1) of Section 296D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Aar Pee Apartments (P) Ltd., Adinath Shree House, Opp Super Bazar, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Bhandari Gupta & Associates, G-18, Greon Park Extension, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

180 (FF) Jaina's Green Park (Yusuf Sarai), New Delhi Mg. 285 sq. ft.

G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex, Acquisition Range-III, New Delhi

Date: 24-9-1984

Scal:

(1) Aar Pee Apartments (P) Ltd., Adinath Shree House, Opp. Super Bazar, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mrs. Bimlawati Gupta, Wo Sh. J. N. Gupta, Mrs. Santosh Khanna, Wo Sh. V. P. Khanna, rlo G-56. Green Park, New Delhi. (Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 24th September 1984

Ref. No. IΛC|Acq.-JII|37EE|2-84|380,—Wherens, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing

No. 203 situated at Green Park, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

in the office of the Registering Officer at IAC|Acq.-III|New Delhi on February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

203 Green Park (Yusuf Sarai), New Delhi Mg. 570 sq. ft.

G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 24-9-1984

(1) Aar Pee Apartments (P) Ltd., Adinath Shree House, Opp. Super Bazar Connaught Circus, New Delhi,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

26374

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Ashok Agarwal S|o Sh. O. P. Agarwal, R|o B-7|107, Extn. Safdar Jang Enclave, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 24th September 1984

Ref. No. IAC|Acq -III|37EE|2-84|377.--Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. 201, 2nd Hoor situated at Jaina's Green Park (Yusut Sarai), New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the Registering Officer at

IAC Acq.-III New Delhi on February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property No. 201 on 2nd floor, Jaina's Green Park (Yusut Sarai), New Delhi. Measuring 220 sq ft.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 24-9-1984

Scal:

(1) Sh. S. R. Bishnoi So Sh. G. R. Bishnoi, Ro 322 DDA Flats (SFS) Hauz Khas, New Delhi. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Vimla Aneja, rlo C-II|27-28, Malka Ganj, New Delhi. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, **NEW DELHI** 

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

New Delhi, the 24th September, 1984

Ref. No. IAC|Acq. III|37EE|2-84|335,--Whereas, I, G. S. GOPALA,

> Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the movable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No. 279 situated at Tagore Park. New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the

has been transferred in the office of the Registering Officer at IAC|Acq.-III|New Delhi on February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Prop. No. 279 Tagore Park, New Delhi. Measuring 220 Sq. yds.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, New Delhi.

Date: 24-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 24th September 1984

Rcf. No. IAC|Acq.-III|37EE|2-84|381.- Whereas, I. G. S. GOPALA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing

No. 210 at A/2, situated at Milan Cinema Commercial Complex, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred in the office of the Registering Officer at

IAC Acq.-III New Delhi on February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mls. Shiv Lok Properties, Adinath Shree House, Opp. Super Bazar, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Kuwrani Anand Kunwar, Wo Col. K. Guman Singh, Ro Santosh Kutir Ramble Road, Ajmer. (Rajasthan).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter NVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 210 in A|2, Milan Cinema, Commercial Complex Delhi, Measuring 500 Sq. ft.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, New Delhi.

Date: 24-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## (2) Sh. Madan Lal Kumar S o Sh. Ditamal Kumar, Smt. Rani Kumar, Wo Sh. Madan Lal Kumar, Rlo 65/48 New Rohtak Road, Delhi.

(1) Sh. Gurbachan Singh, Clo Mls. Golden Engg. Works, 90/5. Malviva D. 19ar. New Delhi.

(Transferce)

(Transferor)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL, 414-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Dehi, the 24th September 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|2-84|334,—Whereas I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. B|6-7, Phase-I situated at Mayapuri, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

in the office of the Registering Officer at IAC Acq.III New Delhi on February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. B|6-7, Phase-I, Mayapuri, Rewari Line Indl. Area, New Delhi. Mg. 296 Sq. yds.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—62—306 G184

Date: 24-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

I.A.C. ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROAD, VAY HOTEL, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Dehi, the 24th September 1984

Ref. No. IAC|Acq.|III|37EE|2-84|336.--Whereas, I, G. S. GOPALA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No.

No. 26/6 situated at Najafgarh Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred in the office of

the Registering Officer at IAC|Acq-3, N. Delhi in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-lax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notion under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) National Chambal A. Problem 1. 4, 26 Najafgurh Pond New Odan.

(Transferor)

 Tinco Industries, A-92|5, Naraina Industrial Area, Physe I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE CCREDULE

Prop. No.  $26^{\dagger}6$  Najafgarh Rond, New Drlhi Mg. 134.27 Sq. yds.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range 10 Defai'New Della

Date: 24-9-1984

Sen1;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

I.A.C. ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL, 414-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Dehi, the 24th September 1984

Ref. No. IAC|Acq.3|3/EE|2-84|363.-Whereas, 1, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable and bearing

No. 105 situated at Green Park, Yusuf Sarai, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the Registering Officer

at IAC Acq.-3, New Delhi in February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

transfer with the object of :-

- a) facultaing the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Aar Fee Apartments (P) Ltd., Addinath Shree House, Opp. Super Bazar, Connought Circus, New Delhl.

(Transferor)

(2) Mis. Janjikhel B. L. (HUF). 2|7 Ansari Road, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the saw Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

105, (FF) Jaina's Green Park, Yusuf Sarai, New Delhi, Mg. 220 Sq. ft.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 24-9-1984

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

I.A.C. ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 24th September 1984

Ref. No. 1AC|Acq.|III|37EE|2-84|362.—Whereas, I. G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
No. 106 (FI) situated at Green Park (Yasuf Sarai,

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

in the office of the Registering Officer at IAC Acq.-III, N.D. in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ufteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Aar Pec Appartments (P) Ltd., Addinath Shree House, Opp. Super Bazar, Connought Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. S. K. Bajai, Slo. Sh. Hans Rai Bajaj, rlo B-3 7A, Model Town, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the amso meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULL

Prop. No. 106, (FF), Jaina's Green Park, Yusuf Sarai, New Delhi. Mg. 220 sq. ft.

G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi New Delhi

Date 24-9-1984 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

FFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

I.A.C. ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 24th September 1984

Ref No. IAC|Acq.III|37EE|2-84|361.--Whereas, I, G. S. GOPALA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing

No. 205 Second Floor, situated at Green Park, Yusuf Sarai. New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the

in the office of

the Registering Officer at

IAC Acq.III, N. D. in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Aar Pee Apartments (P) Ltd., Addinath Shree House, Opp. Super Bazar, Connought Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Kavita Soni, Wo Sh. D. P. Soni, roo 37 Hanuman Road, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

205, IInd Floor, Jaina's Green Park, Yusuf Sarai, New Delhi. Mg. 240 Sq. ft.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi New Delhi.

Date: 24-9-1984

(1) National Chemical Industries Ltd., 26, Najafgarh Road, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Vimal Kathuria, Wo Sh. Ved Kathuria, rlo El86, Kirti Nagar, New Delhi.

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

I.A.C. ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL, 414-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 24th September 1984

Ref. No. IAC|Acq.Ht|37EE|2-84|338.--Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing

No. 26|5 situated at Najafgarh Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the in the office of the

Registering Officer

at IAC|Acq.-III|N.D. in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proprty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, iwthin 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Prop. No. 26 5, Najafgarh Road, New Delhi. Measuring 97.89 Sq. yds.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 24-9-1984

Scal:

(1) Mrs. Krishna Katyal, Wo Sh. V. P. Katyal, ro A-7, R. P. Bugh, Delhi-7.

(Transferror)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-T \X ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Jaina Property (P) Ltd., Addmath Shice House, Opp. Super Bazar, Connought Circus, New Delhi

#### GOVERNMENT OF INDIA

(Transfer ec)

SIONER OF INCOME-TAX,

I.A.C. ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN
NEAR BROADWAY HOTEL, 4|14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said proparty may be made in writing to the undersigned:—

New Delhi, the 24th September 1984

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

Ref. No. IAC Acq UI;37EE 2-84 342.--Whereas, I,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta

G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and No. 728 situated at Jaina Tower, Janakpuri, New Delhi

EXPLANATION:—The terms and expressions used hersin as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

No. 728 situated at Jaina Tower, Janakpuri, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under in the office of the

Registering Officer

at IAC Acq.-III, N.D. in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the aparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) tachinating the reduction or evasion of the habitity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 728, Jaina Tower, Janakpuri, New Delhi, Mg. 338 Sq ft.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Impecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, New Delin.

Now, therefore, in pulsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 24-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

I.A.C. ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 24th September 1984

Ref. No. AC|Acq.III|37FF|2-84|339.—Whereas, 1, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000| and bearing

No. Space No. 2 situated at 1-Kaushalya Park House Khas, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under

1908) in the office of the Registering Officer at 5IAC Acq.-III N.D. in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Mr. D. R. Gupta, r|o N-155, Panch Shila Park, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri A, P. Sahgal, r<sub>1</sub>o 284, Akash Deep Building, Barakhamba Road, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 40 days from the date of publication of this motion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULF

Space No. 2, Measuring Approx. 211.75 Sq. ft. 1-Kaushalya Park, Houz Khas, New Delhi.

G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi|New Delhi.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 24-9-1984

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

#### \*\*OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

Hyderabad, the 14th September 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|2-84|386.-Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 63|411 situated at Paschim Vihar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registering Officer at IAC Acq.-III, New Delhi on Feb. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income on any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--63-306 GI|84

(1) Smt. Sushi Kaur & Shri S. Gurbachan Singh, Rlo L-112 Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Joginder Singh Narula, 21-G, Janudin, Mistri Lane, Chetla, Calcutta-27. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Prop. No. 53|411, Paschim Vihor, New Delhi, Mg. 100 sq, yds.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III DELHI NEW DELHI

Date: 24-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL PHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 24th September 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|2-84|376.—Whereas, 1, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-iax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 0001- and bearing

No. 187(FF) situated at Jaina's Green Park, (Yusuf Sarai, New Delhi,

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the

Regisering Officer at

IAC Acq.-III, New Delhi on Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the axid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Aar Per Apartments (P) Ltd.
  Adjusth Shree House, Opp. Super Bazar, Connought
  Circus, No. / Delhi.
  (Gransferor)
- (2) Bhandori Gupta & Associates, G-18 Green Park. Extension, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said insmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Proporty No. 187(FF) Jaina's Green Park, (Yusuf Sarai) New Delhi, Mg. 268 sq. ft.

G S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
DELHINEW DELHI

Date: 24-9-1984

(1) Mr Kanwaljit Singh Co Mr. N. S. Sethim, PO. Box No. 4692, SAFAT-KUWAIT,

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) M/s. Nirian Commercial Co. Ltd. 3 Friends Colony (West) New Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 24th September 1984

Ref. No. IAC|Acq.111|37EE|2-84|340.—Whereas, I.

G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 384 in 6 Bhikaji Kama Place, situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedulo annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC | Acq -III, New Delhi on Feb. 1984 for an apparent consideration which is less than the rair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid property the property as aforesaid the operators consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter  $\lambda \times \Lambda$  of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Prop. No. 384 in 6 Bhikaji Cama Place, New Delhi, Mg. 551 sq. ft.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III DELHI NEW DELHI

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 24-9-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (2) Mr. Harvinder Singh Sethi Clo Mr. N. S. Sethi, P.O. Box No. 4692, SAFAT-KUWAIT.

(Transferor)

(2) M|s. Indequip Leasing & Finance Ltd. 3, Friends Colony (West) New Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4 14-A, ASAF ALI ROAD, **NEW DELHI**

New Delhi, the 24th September 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|2-84|341.—Whereas, J.

G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section '269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No. 382,6, situated at Bhikaji Cama Place, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acq.-III, New Delhi on Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsections (1) of Sevetion 269D of the said Act of the following persons, namely: --

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Area 382 in 6 Bhikaji Cama Place, New Delhi, Measuring 859 sq. ft.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-III DELHI NEW DELHI

Date: 24-9-1984

#### FORM I.T.N.S.-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4|14-A, ASAF ALI ROAD, **NEW DELHI** 

New Delhi, the 24th September 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|2-84|343.—Whereas, I, G. S. GOPALA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

No. 388 6, situated at Shafzada Bagh, Old Rohtak Road,

New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

IAC Acq.-III, New Delhi on Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the saio Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under aussection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Mrs. Sheela Devi, Rlo G-23, DESU Colony, G. T. Road, Delhi,
- (2) Shri Ram Lal Chawla, Ro 17 14 Shakti Nagar, Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this rotice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No 388 6, Shafzada Begh, Old Rohtak Road, Delhi, Measuring 68.5 sq. yds.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax Acquisition Range-III DEĽHI|NEW DËLHI

Date: 24-9-1984

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### (1) Anr Pec Apartments, (P) Ltd. Adinath Shree House, Opp. Super Bazar, Connought Circus, New Delhi. (Transferor)

(2) Mrs. Madhu Gara Wo Shri Surindra Gara, Rlo C-36, Defence Colony, New Delhi. (Transferce)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

**ACQUISITION RANGE-III** AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 24th September 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|2-84|349.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. No. 386, 3rd Floor, situated at Green Park, Yusuf Sarai, New

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC Acq.-111, New Delhi on Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

386, 3rd Floor, at 11 Yusuf Sarai, New Delhi. Mg. 248 sq. ft.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III DELHI NEW DELHI

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 24-9-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONI'R OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4|14-A, ASAF ALI ROAD, **NEW DELHI** 

New Delhi, the 24th September 1984

Ref. No IAC Acq 111 37EE 2-84 353.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

No. 382, 383, 384, and 388, 31d floor, situated at Green Park, (Yusuf Sarai), New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under

in the office of the Registering Officer at IAC Acq -III, New Delhi on Feb 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Sectio n269D of the said Act, to the following persons, namely, -

- (1) Aar Pee Apartments (P.) Ltd., Adinath Shree House, Opp. Super Bazer, Connought Circus, New Delhi. (Transferor)
- (2) Mrs Shiela Kapoor, Rlo Village Madhuban, Karnal (Haryana). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noticed in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULF

Prop. 382, 383, 384 and 388, Jaina's Green Park, Yusut Sarai, New Delhi. Measuring 228, 235, 235 and 285 sq. ft.

> G, S, GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquisition Range-III DELHI]NEW DELHI

Date: 24 9-1584 d:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (1) Aar Pee Apartments (P.) Ltd., Adinath Shree House, Opp. Super Bazar, Connought Circus, New Delhi. (Transferor)

(2) Sh. Rajiv Agarwal So Shii J. S. Agarwal, S-178, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 24th September 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|2-84|351.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incomee-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000i-

and bearing No. 38 situated at Green Park, Yusuf Sarai, New Delhi, (and more fully descirbed in the schedule annexed hereto) has been transferred

under in the Office of the

Registering Officer at

IAC Acq. III, New Delhi on Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

may be made in writing to the undersigned :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in and Jor

respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or

which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

385, Jaina's Green Park (Yusuf Sarai), New Delhi. Mg, 255 sq. ft,

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-III
> DELHI|NEW DELHI

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 24-9-1984

## FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Aar Pee Apartments (P.) Ltd., Adnath Shree House, Opp. Super Bazar, Connought Circus, New Delhi. (Transferor)

(2) Dr. Jasbir Singh Clo H. S. Paul, A-1 239 Janakpuri. New Delhi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD. NEW DELHI

New Delhi, the 24th September 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|37FF|2-84|354.—Whereas, 1 G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. G-4 & G-5, Plot No. 11, situated at Yusuf Sarai, Com-

mercial Centre, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under

in the office of the registering officer at IAC Acq.-III, New Delhi on Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concesiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, pageoly-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov within 45 days from the date of the able property, within 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Prop. No G-4 & G-5, in Plot No. 11, Yusuf Sarai, New Delhi. Mg. 478 sq. ft.

G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissione of Income-tax Acquisition Range-III DELHI NEW DELHI

Date: 24-9-1984

Scal:

69 -306 GI 84

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL BHAWAN
NEAR BROADWAY HOTEL
4 14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 24th September 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|2-84|357.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 318 and 317, 3rd Floor, situated at Green Park (Yusut Sarai), New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under

in the office of the Registering Officer at

IAC Acq.-III, New Delhi on Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Aar Pee Apartments (P.) Ltd., Admath Shree House, Opp. Super Bazar, Connought Circus, New Delhi.

(2) M18. Meena, Sarabject Singh Slo Shri R. P. Kapoor,
Rlo Badhuban, Karnal, Haryana,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

318 and 317 on 3rd Floor, Green Park, (Yusuf Sarai), New Delhi, Mg. 268 sq. ft.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
DELHI|NEW DELHI

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :--

Date: 24-9-1984

#### FORM IINS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (1) Shri Gurpreet Singh Slo Shri Tirlochan Singh, Rlo 5[21, Roop Nagar, New Delhi.

(Transferor)
(2) Mrs. Sudershan Shehrawat woo Sh. R. S. Shehrawat, Ro K-17, South Extension Part-II, New Delhi, (Transferec)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III
AGARWAL BHAWAN
'NEAR BROADWAY HOTEL
4|14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 28th September 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|S.R.-III|2-84|493C.—Whereas, I, G. S. GOPALA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. K-17, situated at N.D.S.E.-II, New Delhi, (and more fully described in schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under in the office of the Registering Officer

gistering Officer on February 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Second Floor of K-17, N.D.S.E., Part-II, New Delhi Comprising of One Drawing one Dinning within 3 bed room, 3 soifts, 10 by front Varandah with Terrace, measuring 200 sq. yds.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
DELHI|NEW DELHI

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 28-9-1984

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Bulma Shell Co-Operative, Housing Society Ltd., ECE House, Conn. Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Mahabir Chand, R[o C-36, Houz Khas, New Delhi.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4|14-A, ASAF ALL, ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 24th September 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|SR-III|2-84|499.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. 1, situated at Munirka, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on February 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 1, Mg. 378 sq. yds. out of Kh. No. 1165-1166|78, 933-71|68, out of Village Munirka, New Delhi.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
DELHI|NEW DELHI

Date: 24-9-1984

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Burma Shell Co-Operative, Housing Society Ltd., ECE House, Conn. Circus, New Delhi. (Transferor)

## (2) Smt. Kawla Devi, R|o 6-Under Hill Lane, Delhi-54.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
AGARWAL BHAWAN
NEAR BROADWAY HOTEL
4|14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 24th September 1984

Ref. No. lAC|Acq.HI|SR-III|2-84|498.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 25, situated at Vill. Munirka, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1903) in the Office of the Registering Officer at on behavior 1984.

- for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—
  - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
  - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any of the aforesaid persons within a period able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 25, Mg. 378 sq. yds. out of Kh. Nos. 1165-66|71 933-71|68, Village Munirka, New Delhi.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisitien Range-Ill
DELHI|NEW DELHI

Date: 24-9-1984

(Transferee)

#### FORM JTNS ---

- (1) Burma Shell Co-Operative, Housing Society Ltd., ECE House, Conn. Circus, New Delhi.\_ (Transferor)
- (2) Shri Chaman Lal Sharma, Maldaiya Church Compound, Varanasi Cantt. U.P.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III AGARWAL BIIAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 24th September 1984

Ref. No. IAC|Acq.fII|SR-III|2-84|508.--Whereas, 1. G. S. GOPALA.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1901 (43 of 1961) (nereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing

No. 24, situated at Munirka, New Delhi,

(and morefully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on February 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (2% of 1957):

(a) by any of the aforesaid person which a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immersable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 24, Mg. 378 sq. yds. out of Kh. No. 1165-66|78, 933-71|68, Village Munirka, New Delhi.

G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III DELHI NEW DELHI

Date : 24-9-1984

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Burma Shell Co-Operative, Housing Society Ltd., ECE House, Conn. Cueus, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shet Nead Lama Gupta, 157. Sector 9-8, Chandigarh.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III AGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 24th September 1984

Ref. No. IAC Acq. III SR-III 2-84 581.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

No. 15, situated at Munirka, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

on February 1984,

for an apparent consideration which is less than the favmarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiven per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned;

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 15, Mg. 370 sq. vds. out of Kh. No. 1165-66|78, 933-71|68, Village Munirka, New Delhi.

G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta-Acquisition Range-III DELHI[NEW DELHI

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 24-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN

ACQUISITION RANGE-III. AGGARWAL BHAWAN. NEAR BROADWAY HOTEL, 4/14A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Dehi, the 24th September 1984

Ref. No. IAC||Acq.III||S.R.III||2-84||582.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 47, situated at Village Munirka, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Dolhi on February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Burma Shell Co-operative Housing Society Ltd., E.C.E. House, Connaught Circus, New Delhi. (Transferor)

(2) Mrs. Kamla P Nair, rlo D-13, Hauz Khas, New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a ceriod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 47, Mα. 378 Sq. Yds. out Kh. No. 1165-66|78. 933-72|68. of Munirka, New Delhi.

G S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi New Delhi

Date 24-9-1984. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-LAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAI BHAWAN,
NEAR BROADWAY HOTFL, 4-14A ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Debi the 24th September 1984

Ref. No. 14C|Acq.HI|SR-HI|2-84|519 —Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No B-19, squated at Old Rajinder Nagar, New Delhi and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Rajistration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at New Delhi on February, 1984

transfer with the object of :---

for an apparent consideration which is less than the fair marker value in the afteresaid property and have reason to be elieve that the fair marker value of the property as aforesaid exceeds he apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—65—306 GI|84

(1) Smt. Uma Narula, Miss Anita Narula Wlo & Dlo Lar. Shri B. S. Na ula rlo D-39., House Khas, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sin i Surander Pal Singh & Rajinder Pal Singh, S o Shi Pratap Singh, rp B-19, Front Portion, Bazar Marge, Old Rajinder Nagar, New Delhi, (Transferee

Objections, if any, to the acquisition of the said property pay be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning it given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Prop. No. B-19, F. P. Bazafr Marg, Old Rajinder Nagar, New Delhi Marg 428 Sq. vds.

G S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Delhi New Delhi

Date 24-9-1984. Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-IR, AGGARWAL BHAWAN.

NEAR BROADOWAY HOTEL, 4/14A, ASAF ATT ROAD.

NEW DELHT

New Dehi, the 24th September 1984

Ref. No. IAC|Acq III|SR-III|2-84|493A —Wheeras, 1, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, Rs. 25,000|- and bearing

No. D-29, situated at South Exth. II, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been tunnsferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the matter has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

- . (1) Mrs. Shakuntla Devi (as Vendor) Shri Om Parkash Gupta, & Shri Vikas Mohan Gupta, (as confirming Vendors) All 1/0 4/276B, Parwati Bangla Road, Kaunpur. (Transfetor)
  - (2) M/s Snehdev Textiles Pvt, Ltd., 23, West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

D-29, South Extension Part-II, New Delhi Mg. 1125 Sq. Yele. (938 Sq. Mrrs.)

G S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Deihi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Onto 24-9-1984.

Scal:

## FORM NO. 1.T.N.S.———

(1) Shi Kartar Singh Khurana, rlo B-119. Malviya Nagar, New Delhi-17. Transtero (

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Gulzati Lal Jain & Ashok Kumar Jain, Rlo A-21/B, DDA Flats Municka. New Delbi. Transferee(5)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-FAX,
ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN,
NEAR BROADOWAY HOTEL, 4/14A, ASAF ALL ROAD,
NEW DELHI

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;

New Dehi, the 24th September 1984

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Ref. No. IAC|Acq.III|SR-III|3-84|546.—Whereas. I. G. S. GOPALA.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein be are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

B-119, situated at Malviva Navar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule anexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

on March, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULB

Prop. No B-119, Malviya Nagar, New Delhi-17, Measuring 283 Su. Yds.

G S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 2090 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date . 24-9-1984.

FORM ITNS-----

(1) Shri Samvit Kumar Jouhar, Slo Shri S. N. Jouhar, through Attorney Shri Anil Kumar Jouhar, rlo 127 Jor Bagh, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Shir N. L. Bhatia, P. K. Bhatia, Anil Bhatia, Sunil Bhatia, rlo W|41, Greater Kailash-I, New Delhi,

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Dehi, the 24th September 1984

Ref. No IAC|Acq III|SR-III|3-84|526.—Whereas, I,

G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000|- and bearing

No. K-62, situated at Houz Khas, No. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Match, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from he date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. K-62, Houz Khas Enclave, New Delhi, Mg. 534 Sq. vds

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

G S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III. Delhi|New Delhi

Date 24-9-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN. NEAR BROADWAY HOTEL, 4|14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Dehi, the 24th September 1984

Ref. No. IAC|Acq III|SR-III|3-84|532,—Whereas, J. G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable propetry, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and hearing

No. 1|25, situated at Shanti Niketan, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

of the Registering Officer at New Delhi on March, 1984

for an apparent consideration which is less than the faut market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wentzb-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Ac\* to the following persons, namely:

(1) Shri Ashok Nanalal Mehta, Smt. Chandralekha Mehta 1,0 36-A, Vasant Vihat, Vasant Marg, New Delhi-57.

(Transferor)

(2) Shri Aijun Ashok Mehta, ilo E-13/11. Vasant Vinai. New Delhi, Shri Akhil Rastogi, Shri Deep Rastogi, Shii Mahesh Rustogi, ilo 1/21, Shanti Niketan. New Delhi

(Transfered)

Objections, if any, to the acquisition of the taid property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective' persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Prop. No. 1/25, Shanti Niketan, New Delhi, Mear Ground-215.47 Sq. Mts., First-282.67 Sq. Mtrs.

G S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date 24-9-1984.

FORM ITNS -- ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III,

AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTFL 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 14th September 1984

Ref. No. IAC|Acq.ll!|SR-ll1|2-84|518.—Whereas, 1, G. S. GOPALA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. 16[1346, Gali No. 19 situated at Naiwala, K. Bagh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the habilit of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferve for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely.—

(1) Smt. Raj Rani woo Shri Krishan Chander, Sachdeva do Dewan Chand Ro H. No. 918, Gali No. 1, Naiwala, Faiz Road, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shu Samouran Singh, Gurdev Singh and Manjit Singh all sons of S. Labha Singh r|o 10|6768, Dev Nagar, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (2) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

H. No. 16|1346, Kh. No. 1303|816, measuring 131 sq. yds. Naiwala, Karol Bagh, New Delhi.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
New Dichi

Date: 14-9-1984.

#### FORM ITNS- - - -

NOTICE UNDER SECTION 209D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMEDAX, ACQUISITION RANGE,

G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING. I.P. ESTATE, NEW DELHI ACQUISITION RANGE,

New Delhi, the 10th October 1984

Ref. No. IAC|Acq.HI|4-24|599,-Whereas, I, G. S. GOPALA

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. 39-40, Block 'J' Karol Bagh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed h(r) to has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Net 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Offices at New Delhi on April 1984

for an apparent consideration which is less than the four market value of the aforesaid property and I have reason to beheve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of the said

- (a) facilitating the reduction or evasion of for hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any mome or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferrer the purposes of the Indian Income-tax Act, 192.
   (11 of 1922) or the said Act, or the Western Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C I hereby aforesaid property by the issue of this notice and a section (1) of Section 269D of the said Act, to the to keep persons, namely:—

(1) Shi Gurbaksh Raj, Shanti Sarup and Janak Raj Sharma all sons of Shri Amar Chand Rlo, H. No. 2177, Lai Walan, 61 Karol Bagh, New Delhi

(Transferor)

1) Shri Kaka Singh son of Sh. Kalyan Singh Chabra who Ckay Industries, K. Gate Sanjay Popli slo. Shri Manather Lel Popli, 1687 A. Smaj Road, Smit Fraj Malik wlo. R. N. Malik, 55, W. Avenue, P. Bagh New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property and an initial to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this sotice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plat No. 39 & 40 Block 'J' Kh. No. 1435|535 (266 Sq. yds.) Kos J. Bagh, New Delhi,

G. S. GOPALA
Competent Authoriv
In pecture Asset. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
New Delhi

εριίο: 10-10-1981. Seal :

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER DECIDIN 259D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Ram Kanwar alias Ram Kumar Slo. Vill. Holambi Kalan, Delhi.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(') Shi: Baidyanath Ayurvad Bhawan Ltd. Baidya Nath Burwan Road, Patna-200001

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(Transferee)

GOVERNMI NT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMP-TAX,

> ACQUISITION RANGE. G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, 1.P. TSTATE, NEW DELHI

> > New Delhi, the 10th October 1984

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. IAC|AcqIII|2-84|1566 --- Wherens, I,

G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the haid Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No. Agri, land, Vill. Holambi Kalan situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen inper cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri, land Vill. Holambi Kalan, Delhi Mg. 19 Bighas I Biswas.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III New Dlehi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-10-1984. col:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, IP ESTATE, ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 5th October 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|2-84|364.—Whereas, I, G. S GOPALA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 104, situated at Green Park (Yusuf Sarai) New Delhi and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at IAC|Acq-III|N D. on Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the tranfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purusance of Section 269C of the said Act, I hereby imitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely:— 66-306 GI[84

(1) Aaar Pee Apartments (P) Ltd. Adinath Shree House, Opp. Super Bazar, Connought Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Taskheer Trade Wings, M/s. Shagufta Aneesa Begum, M. Abid M. Shabeen, 5660, First Floor, Gandhi Mkt., Sadar Bazar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

104, on First Floor, in Jaina's Green Park (Yusuf Sarai) New Delhi, Measuring 240 sq. ft.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III New Delhi

Date: 5-10-1984.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPFCTING ASSTT. COMMISSIONER OF 'INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 5th October 1984

Ref. No. IAC Acq.III 37EE 2-64 344.—Whereas, I, Ref. No. IAC|Acq.III|5/EE|2-0-13-77.—III-13-13., 7, G. S. GOPALA being the Competent Authority under sec. 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaften referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing No. 102, situated at Green Park (Yusuf Sarai) New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at IAC Acq-III N.D. on Feb. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1922 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid monerty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following norsons namely :-

(1) Aar Pee Apartments (P) Ltd., Admath Shree House, Opp. Super Bazar, Connought Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri S M. Shahid So. A. M. Qureshi, 7627-P, Daroga Street Quresh Nagar, Sadar Bazar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

102 on First Floor, in Jaina's Green Park, (Yusuf Sarai) New Delhi. Mg. 205 sq. ft.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax . Acquisition Range-III New Dlehi

Date: 5-10-1984. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 5th October 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|2-84|381-A.—Whereas, I, G. S. GOPALA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 281, at A|2, situated at Milan Cinema Commercial Complex Delbi

plex, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the

office of the Registering officer at IAC|Acq-III|N.D. on Feb. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Mls. Shivlok Properties, Adinath Shree House, Opp. Super Bazar, Connought Circus, New Delhi.
- (2) Sint. Rajinder Chawla and Sh. Jasbir Singh Chawla, r o B-23 331 Street No. 4, Rajgarh, Delhi-110031.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 day, from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-oble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

1:XPIANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

231, at A<sup>1</sup>2, Milan Cinema Commercial Complex, Delhi Mg. 500 Sq. ft.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III New Dlehi

Date: 5-10-1984.

Scal:

(1) Smt. Pratima Agarwal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1 Smt. Laxmi Devi,
(2) Smt. Yasha Sharma,
3. Shri Sanjeev Kumar Sharma,
(4) Shri Rakesh Kumar Sharma.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 1st June 1984

Ref. No. G.T.R.N.L. 44|Acq.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding
Ref. No. G.I.R. No. L-44 Acq.—Whereas, I. A. PRASAD,
Plot No. 752 situated at Faizabad Road, near Umrao Cinema,
Mahanagar, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Lucknow on 21-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Open plot of land measuring 10860 sq. ft. Municipal No. N752, situated at Faizabad Road, near Umrao Cinema. Cinema. Mahanagar Lucknow, as per 37G Form No. 1788, registered on 21-2-1984 by the Registering Authortiv. Lucknow.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestial property by the issue of this notice rander sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to be ollowing persons, namely:—

Date: 1-6-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## 1. Shri Anil Kumar Khanna,

- Km. Manju Khanna.
   Smt. Suman Tancja,
- 4. Smt. Beena Sayal,

5. Smt. Kusum Khanna.

(Transferor)

(2) Shri L, D, Jaikwal.

(Transferec)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 29th September 1984

Ref. No. G.I.R No. L-46 Acq.—Whereas, f. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]—and bearing

Plot No. 5 situated at Civil Lines, Moradabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Moradabad on 20-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other per on interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetre.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the perposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Plot No. 5, measuring 140.66 sq. mts. situated in Civil Lines, Moradabad, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 763. registered on 20-2-1984 by the Registering Authority, Morada-

THE SCHEDULE

bad.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 1-6-1984.

(1) Shri Vikram Punvani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Progressive Cooperative Housing Society Ltd., Lucknow, Through its Secretary, Shri Bhagwan Das Samtani

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

#### LUCKNOW

Ref. No. C.i.R. No. P-121|Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000|- and bearing Khasra No. 24, 36, 57, 58, 59, 60, 61, 69, 70 situated at Village-Village Bijaipur, District Lucknow (and more fully described in the Schedule appared hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Lucknow on 20-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are delned in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Khasra No. 24, 36, 57, 58, 59, 60, 61, 69, 70 situated in village Bijaipur, Pargana, Tebsil and District Lucknow (as mentioned in Form 37G) registered on 20-2-1984 by the Registering Authority, Lucknow.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for that acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 1-6-1984.

(1) Major G. I. Punvani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Progressive Cooperative Housing Society Ltd., Lucknow, Through its Secretary, Shri Bhagwan Das Samtani

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 29th September 1984

Ref. No. G.I.R. No. P-J22|Acq.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000-and bearing

Land situated at Bijaipur and Ismailganj, Lucknow at Lucknow on 20-2-1984

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 20-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferandlor
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45-days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 190829 sq ft. situated at Bijaipur and Ismailganj, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and 37G Form No. 12968, registered on 20-2-1984 by the Registering Authority Lucknow.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following Date: 15-9-1984 persons, namely:—

Date: 29-9-1984.

(1) Shri Vikram Punyani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(2) Progressive Sahkari awas Samiti Ltd. through its Secretary, Shri Bhagwandas Samtani.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, I UCKNOW

Lucknow, the 28th September 1984

G.I.R. No. P-123 Acq.-Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Land situated at Bijaipur, Distt. Lucknow

(and report fully described in the Schedule approved hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) was been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 20-2-1984

an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective. pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giveti in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Land measuring 160721 sq. ft. situated in Village Bijaipur. Pargana, Tehsil and District Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 12969, registered on 20-2-1984 by the Registering Authority, Lucknow,

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:— Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Date: 28-9-1984

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (1) Mrs. Pushpi Punvani.

(Transferor)

(2) Progressive Sahkari Awas Samiti Ltd. Through its Secretary, Shri Bhagwandas Samiti.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE

57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

I ucknow, the 29th September 1984

Ref. No. G.I.R. No. P-124|Acq.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-Khusra No. 67, 68, 72, 88 situated at Bijaipur, District I ucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at Lucknow on 20-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid nexceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrumen of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
67—306 GI|84

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Khasra No. 50, 67, 68, 72, 88, situated at Village-Bijaipur, Pargana, Tehsil and Distt. Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in sale deed and 37G Form No. 12970, registered on 20-2-1984 by the Registering Authority, Lucknow.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Lucknow

Date: 29-9-1984.

Seal;

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 29th September 1984

Ref. No. G.I.R No P-125|Acq.—Whereas, I, A, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. as mentioned in the sale deed situated at Lucknow.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Lucknow on 23-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or;
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Iudian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri Ram Nath.

- 2 Sh11 Rakesh (Minor)
- 3, Smt. Madhurani.

(Transferor)

(2) Progressive Sahkari Awas Samiti Ltd. Through its Secretary, Shri Bhagwandas Samtani.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as nre defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that description of the property which is mentioned in the sale deed and 37G Form No. 13243, registered on 23-2-1984 by the Registering Authority, Lucknow.

A. PRASAD

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range
I ucknow

Date: 29-9-1984.

Scal:

### FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 29th September 1984

Ref. No. G.I.R. No. P-126 Acq.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. as mentioned in the sale deed situated at Lucknow. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Lucknow on 23-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes or the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri Ram Nath

(Transferor)

- Shri Rakesh (Minor)
   Smt. Madhurani.
- (2) Progressive Sahkari Awas Samiti Ltd., through its Secretary, Shri Bhagwandas Samtani.

1.10

(Transforce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37G No. 13244, registered on 23-2-1984 by the Registering Authority, Lucknow.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Lucknow

Date: 29-9-1984.

## FORM ITNS .--

(1) Shri Ram Prakash.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

(2) Smt. Kanta Rani.

(Transferee)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Vendee.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 8th October 1984

Ref. No. G.I.R. No. K-138|Acq.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sail Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

Plot No. B-161 situated at Kutubpur Iradatnagar Yojna,

Lucknow.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Lucknow on 13th February 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. B-161, measuring 7200 sq. ft, situated at Kutubpur Iradatnagar Yojna, Lucknow, registered on 13-2-1984 by the Registering Authority, Lucknow.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the suid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1 57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 8th October 1984

Ref. No. G.I.R. No. D-52|Acq.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Portion of Plot No. 39, 39A & 39B situated at Radichi Road, P. S. Hazratganj, Lucknow.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at Lucknow on February 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Mrs. Rekha Bhatnagar Through her Attorney, Mr. Sudhir Pawaskar. (Transferor)

(2) Mrs. Dheera A. Jagatiani

(Transferee)

(3) Vendee

' (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Portion of Plot No. 39, 39-A and 39-B Internal No. 6|4, measuring 2940 sq. ft. situated at Radichi Road, P. S. Hazratganj, Lucknow, registered in February, 1984 by the Registering Authority, Lucknow,

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Lucknow

Date: 8-10-1984

(1) Shri Rampal Singh

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Vimla Awasthi

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Lucknow, the 8th October 1984

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. G.I.R. No. B-120|Acq.—Whereas, Ir A., PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. A piece of land situated at Aliganj Ghati Tola, Lucknow.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on February 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the a oresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than firteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); A piece of land, measuring 6054 sq. ft. situated at Aliganj Ghati Tola, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37 No. 13068 registered in February, 1984 by the Registering Authority, Lucknow.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-10-1984

(1) Smt. Smritl Sinha.

(Transferor)

(2) Shri Bhanu Pratap Singh

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Seller

(Person in occupation of the property)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 8th October 1984

Ref. No. G.I R. No. B-121|Acq.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the (said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Open plot of land No. C-46 situated at J. Park,

Mahanagai Scheme, Lucknow.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Lucknow on February 1984

for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot of land bearing No. C-46, J. Park, Mahanagar Scheme, Lucknow, measuring 3240 sq. ft. and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and torm 37G No. 13047, registered in February, 1984 by the Registering Authority, Lucknow

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistan Come Acquisition Range
Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-10-1984

(1) Shri Rasool.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Raj Kumar Gupta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Seller

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

1 ucknow, the 8th October 1984

Ref. No. G.I.R. No. R-232|Acq.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

and bearing
House No. D-3 situated at Mahanagar Housing Scheme,
Lucknow.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Lucknow on February 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A constructed house bearing No. D-3, situated in Mahanagar Housing Scheme, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 12706, registered in February, 1984 by the Registering Authority, Lucknow.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Lucknow,

Date: 8-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRATH MARO, LUCKNOW

Lucknow, the 8th October 1984

Ref. No. G.I.R. No. R-231 Acq.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

House property No. 538-C-HA situated at Mausam Bagh, Ahibaranpur, Lucknow.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Lucknow on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fairmarke value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-42x Act, 1922, (11 of 1922) or the said. Act or the Westth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—68—306 GI[84]

(1) Ehri Sitya Pal Singh Chauhan.

(Transferor)

(2) Shri Ram Prakash Agarwal.

(Transferee)

(3) Seller.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I'XPIANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property bearing No. 538-GHA with land area measuring 3500 sq. ft. situated at Mausam Bagh, Ahibaran-pur, I ucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37G No. 11867, registered on 2-2-1984 by the Registering Authority, Lucknow.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow,

Date: 9-10-1984

(1) Sqn. Leader Om Prakash Kriplani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rahmanul Haq Siddiqi,

(Transferee)

(3) Seller.

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, 57. RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 3rd October 1984

Ref. No. G.I.R. No. R-230 Acq.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section + 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have icason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing
House Plot No. C-376
situated at Sector 'B' Mahanagar, Lucknow

thaid more unity discribed in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Lucknow on on 3-2-1984

an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforespid exceeds the apparent consideration therefore by more than sifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the ratting has not been truly stated in the said instrument of cansfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this actice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THF SCHEDULE

House constructed over Plot No. C-376, sifuated at Sector 'B' in Mahanagar. Lucknow, measuring 3120 sq. ft. registered on 3-2-1984, by the Registering Authority, Lucknow.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Voquer on Rone. Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely: ---

Date: 3-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(1) 1. Shei Anil Kumar Khanna

2. Km. Manju Khanna

Smt Suman Taneja
 Smt. Beena Sayal

5. Smt. Kusum Khanna.

(Transferor)

(2) Shri Pyush Jain.

(Transferee)

(3) Vendee.

(Person in occupation of the property)

## SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 29th September 1984

Ref. No. G.J.R. No. P-127/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to delieve that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing

Plot No. 1

situated at Civil Lines, Moradabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Moradabad on 20-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason-ter believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLINATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 1, measuring 1451.63 sq. mt/s, of land with 118.14 sq. mt/s, of building situated in Civil I ines, Moradabad, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and From 37G No. 762, registered on 20-2-1984 by the Registering Authority, Moradabad.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date . 29-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

(2) Smt. Mohmi Chawla.

 Smt. Rekha Bhatnagar, Through Attorney, Shri Sudhir Pawaskar.

('Transferee)

(3) Vendee.

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 8th October 1984 .

Ref. No. G.I R. No. M-201|Acq ---Wherens, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

Plot No. 6 situated at Radichi Road, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Lucknow on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter NVA of the sold.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income grising from the transfer; and/or
- (h) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tex Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

## THE SCHEDULE

Plot No. 6 (bearing Municipal No. 23|4 Ga) measuring 4000 sq. ft. with constructed area 90 sq. ft. situated at Radichi Road, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 11864, registered on 2-2-1984 by the Registering Authority, Lucknow.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Pate: 3-10-1984

### FORM (TNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) 1 Shu Anoop Agarwal. 2. Shu Jagoish Kumai Agarwal.

(2) Smi Anand Kumai.

(Transferor)

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGI 57. RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 8th October 1984

Ref. No. G.I.R. No. A-144 Acq.—Wheteas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Open plot of land

situated at Wazir Has in Road, Lucknow

tand more fully described in the Schedule annexed herein) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 o. 1908) in the office of the registering officer at Lucknow on February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the arcresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the habitity of the transferor to pay tax under the total Art in respect of any income arising from the transfet; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferred for the purposes of the Indian Income-tax. Acr. 1922

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding, for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

I XPLANATION .—The torms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Open plot of land measuring 3000, Sq. ft situated at Wazir Hasan Road, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37G No. 1362 is regulated in February, 1984 by the Registering Authority, Lucknow.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I ucknow

Ditc: 8-10-1984 Sept:

### FORM ITNS ....

(1) Shri Uttam Kumar Saini,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Subhash Sahkari Avas Samiti Ltd., Lucknow Through Sccretary. Shri Kishori Dutt Shukla.

(Trunsferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Vendee.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, 57, RAM LIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 3rd October 1984

Ref. No. G.J.R. No. S-331 Acq.---Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Ro. 25,000/and bearing Khasia No. 28/2 situated at Golaganj, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registering Officer at Lucknow on 21-2-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Land No. Khasra 28|2, measuring 9 Biswa, situated at Golagani, Lucknow, registered on 21-2-1984 by the Registering Authority, Lucknow.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the usue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 3-10-1984

### NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISTION RANGE 57, RAM HRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 3rd October 1984

Ref. No. G.I.R. No. S-332 Acq - - Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No.

I and No. Minjumla 28|1 situated at Golaganj, Lucknow

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of (16 of 1908) in the office of the Registering

at Tucknow on 25-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeand exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been O.L which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: :-

(1) Shri Swami Dayal.

(Transferor)

(2) Subhash Sahkarı Avas Samiti Ltd., Lucknow Through President, Shri Pratap Bahadur Singh

(Transferee)

(3) Vendor.

(Person occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period exputes later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Lond No. Minjumla 28/1, measuring 32437 sq. ft. situated an Colaganj, Lucknow, registered on 25-2-1984 by the Registhing Authority, I ucknow.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commitmenter of Inc. me tax Acquisition Range, Lucknow

Pate: 3-10-1984

Scal:

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 26°D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow the 5th October 1984

Ref. No. G.I.R. S-333 Acq.—Whereas, I, A. PRASAD. 🕳

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter 10ferred to as the 'end Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000|- and bearing Land No. Minijumla 28|2

situated at Gologany, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Tucknow on 25-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair mark a value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of rransfer with the object of: -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)?

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following hersons, namely :-

(1) Shri Uttam Kumar Saini.

(Transferor)

(1) Subhash Sahk or Avas Samiti Ltd., Lucknow Impugh Secretary,

(Transferee)

(3) Vindee

(Person occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Land No. Minjumla 28/2 measuring 9 Biswa, situated at violaganj, Lucknow, registered on 25-2-1984, by the Registerane Authority, Lackrow

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition R are Tucknow

Ø∀+ : 3-10-(984

Capt .

### FORM I.T.N.S.---

(1) Shri Swami Dayal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Subhash Sahkari Avas Samiti Ltd., Lucknow Through President, Shei Pratap Bahadur Singh.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

(3) Vendee.

(Person occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Lucknow, the 3rd October 1984

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Ref. No. G.I.R. No. S-334 Reg.—Whereas, I, A. PRASAD,

> (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000]- and bearing No. Land No. Minjumla 28|1 situated at Golagani, Lucknow (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908, in the office of the Registering Officer at Lucknow on 25-2-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

> EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Land No. Minjumla 28/1, measuring 32437 sq. ft. situated at Golagani, Lucknow, registered on 25-2-1984 by the Registering Authority, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate Proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--69-306 GI|84

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 3-10-1984

Scal:

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGF, 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 3rd October 1984

Ref. G.I R. No.S-335[Acq.—Whereas, I, A PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000[- and bearing

Land No. Minjumla 28|1 situated at Golagani, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

at Lucknow on 25-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely:—

(1) Shri Swami Dayal

(Transferor)

(Transferee)

- (2) Subhash Sahkari Avas Samiti Ltd Lucknow Through President, Shir Pratap Bahadur Singh.
- (3) Vendee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 20 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

I and No. Minjumla 28|1, measuring 32437 sq. ft. situated at Golaganj, Lucknov, registered on 25-2-1984 by the Registering Authority, Lucknow.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 8-10-1984

(1) 1. Smt. Soshila Devi 2. Shti D. K. Yog.

(Transferor)

(2) Shri Suresh Chandia.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Seller.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, I UCKNOW

Lucknow, the 8th October 1984

Ref. No. G.I.R. No. S-336|Acq.—Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

situated at Ahibaranpur, Jucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on February 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

### THE SCHEDULE

Land No. 232 and 233, measuring 6805.72 sq. mtrs. situated at Ahibaranpur, Lucknow and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37G No. 13454, registered in February, 1984 by the Registering Authority, Lucknow,

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 8-10-1984

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Halwasiya Properties (P )Ltd Halwashiya Court, Hazaratganj), Lucknow.

(Transferor)

(2) Smt. Latika Misha.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 29th September 1984

Ref. No. G.I.R. No. 24|37EE|Acq.-Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Office No. 1 and 24

situated at 11, M.G. Marga, Habibullah Compound, Lucknow (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered uls 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Lucknow on 8-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Office Nos. 1 and 24 on the IVth floor measuring 560 sq. ft. on the Commerce House' situated at 11, M. G. Marg, Habibullah Compound, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under Sl. No. 38, dated 8-2-1984

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 29-9-1984

Scal:

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 29th September 1984

Ref. No. G.I.R. No. 25/37EE/84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Office Nos. 6 and 7 situated at 11, M. G. Maig, Habibullah Compound, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

and the agreement is registered us 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority 8-2-1984

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilititating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M|s. Halwasiya Properties (P) Ltd. Halwasiya Court, Hazratganj, Lucknow.

(Transferor)

(2) 1, Mrs. Suman Kochar 2. Master Chayan Priya Kochar

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the aid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Office Nos. 6 and 7 on the VIth floor measuring 537.12 sq. fl. on the 'Commerce House, situated at 11, M. G. Marg, Habibullah Compound, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow under Sl. No. 39, dated 8-2-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow

Date: 29-9-1984.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

court, Hazratganj, Lucknow.'

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferor)

(2) Anurag Gupta (Minor)

Official Gazetta

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 29th September 1984

Ref. No. G.I.R. No. 26|37EE|Acq.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Office No. 11 situated at 11, M.G. Marg, Habibullah Compound, Lucknow,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Lucknow on 8-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other exsets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid person within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from

the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(1) Mjs. Halwasiya Properties (P) Ltd., Halwasiya

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Office No. 11 on the IVth floor measuring 380 sq. ft. on the 'Commerce House' situated at 11, M. G. Marg, Habibullah Compound, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under S. L. No. 40, dt. 8-2-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Lucknow

Date · 29-9-1984. Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 29th September 1984

Ref. No. G.I.R. No. 27/37EE/Acq.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Office Nos. 1 to 5 and 21 to 24 situated at 11, M. G. Marg, Hubibullah Compound, Lucknow.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered uls 269AB of the I.T. Act, 1964 in the office of the Corporators Authority

1961 in the office of the Competent Authority at Lucknow on 22-2-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and faat the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M|s. Halwasiya Properties (P) Ltd. Halwasiya Court, Hazratganj.

(Transferor)

(2) M|s. Saluja Exports c|o Shii Amrik Singh 16, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Office Nos. 1 to 5 and 21 to 24 on the third floor, measuring 2450 sq. ft on the 'Commerce House' situated at 11, M.G. Maig. Habibullah Compound, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under SI No. 41, dated 22-2-1984

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Lucknow

Date: 29-9-1984.

### FORM ITNS -----

 Ms. Halwasiya Properties (P) Ltd., Halwasiya Court, Hazratganj, Lucknow.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. Ishwar Singh Saluja 7/154, Swarup Nagar, Kanpur.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 29th September 1984

G.I.R.No. 28/37EE/A/84.—Whicas, I,

A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000[- and bearing

No. Office Nos. 1,2,3 and 21 to 24 situated at 11, M. G.

Marg, Habibullah Compound, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

and the agreement is registered u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority

nt Lucknow on 22-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Office Nos. 1, 2, 3 and 21 to 24 on the IInd floor measuring 2090 sq. ft. on the 'Commerce House' situated at 11, M. G. Marg, Habibullah Compound, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under SL. No. 42, dated 22-2-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 29-9-1984.

### FORM ITNS----

### (1) M[s, Halwasiya Properties (P) Ltd., Halwasiya Court, Hazratganj, Lucknow.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (2) Smt. Daman Bedi

(Transferee)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

GOVERNMENT OF INDIA

# ACQUISITION RANGE LUCKNOW Lucknow, the 29th September 1984

G.1.R No. 29|37EE|A|84.—Whreas, I,

A. PRASAD Deing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No. Office Nos. 19B and 20 situated at 11, M. G. Marg, Habibullah Compound, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908

116 of 1908) in the office of the Registering Officer

at and the agreement is registered up 269AB of J.T. Act. 1961 in the office of the Competent Authority at 1 ucknow on 22-2-1984

for in apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income 1022, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Office Nos. 19B and 20 on the IInd floor measuring 450 450 sq. ft. on the 'Commerce House' situated at 11, M.G. Marg, Habibullah Compound, Lucknow, The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under Sl. No. 43, dated 22-2-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting A sistant Commissioner
of Income-tax. Acquisition Range,
Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
70-306 GI[84]

Da'e : 29-9-1984.

Seal ;

(1) Ms., Halwasiya Properties (P) Ltd., Halwasiya Court, Hazratganj, Lucknow.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Reeti Bakshi

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX

ACQUISITION RANGE LUCKNOW

Lucknow, the 29th September 1984

G.I.R No. 30|37EE|A|84.-Whieas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.
No. Office No. 6 situated at 11, M. G. Marg, Habibullah

Compound, Lucknow.

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

at and the agreement is registered us 269AB of I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at I ucknow on 22-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeanid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of reansfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfor; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sold Act to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a noticed of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Office No. 6 on the IInd floor measuring 290 sq. ft. the 'Commerce House', situated at 11, M.G. Marg. Habibullah Compound. Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow under Sl. No 44, dated 22-**2-19**84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow

Date: 29-9-1984.

- · (1) M[s. Krbia & Co. 61, M. G. Road, Secunderabad. (Transferor)
- (2) M/s. V. M. Financial & Leasing Co.,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th October 1984

RAC. No. 583|84-85.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to so the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000|- and bearing No. Office premises situated at Kabra

Complex, See bad
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
Officer at Secunderabad on 2/84

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made-in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—1 he terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Office No. 326, 325 and 329 in 3rd floor of Kabra Complex, M. G. Road, Secunderabad registered by the S.R.O., Secunderabad vide document Nos. 64, 65 and 68 84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date . 8-10-1984

Scal:

### FORM TINS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Fashion Builders, 10-2-267, West Marredpally, Secunderabad.

(2) Sri Kumbla Krishna Naik, 4 Bhole

Apartments, 17th Roadm Khar, Bombay-52.

(Transferor)

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th October 1984

RAC No. 584|84-85.—Whereas, J. M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing No.

-lat situated at West

Marredpally, Sec.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

Officer at Secunderabad on 2|84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly state in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 day from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concessment of any income or any moneys or other assets which have not been or which out in to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No 1, Block No. A in 10-2-267, Fashion Apartments, West Mairedpally, Secunderabad registered by the S.R.O., Mairedpally vide document No. 247/84.

M JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date . 8-10 1984

(1) M|s. United Engineers, 1-8-102 (134) Penderghast Road, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mrs. Sadat Bee, 66|2 RT, Prakashnagar, Hyderabad.

(Transferee)

### GFFICH OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th October 1984

RAC. No. 585 84-85.—Whereas, J. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Flat situated at Bapu Bagh, Secunderabad

and morefully described in the Schedule aune ed hereto) has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908) 16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at R.R. Dt., on 2|84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same threading as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 4 in 1-8-132|61, Bapu Bagh, Secunderabad registered by the S.R.O., R.R. Dt., vide document No. 563|84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-III. Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Date: 8-10-1984

<del>ar en como asacoló a como ao como</del> ar-

FORM ITNS-

(1) Sri Shuja Mohd, Shariff, 1-11-252|A, Flat No. 1. Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Ayesha Bai, 6-1-198|13, Padmaaraonagar, Secunderabad. (Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD Hyderabad, the 8th October 1984

RAC. No. 586 84-85.—Whereas, I.

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing flat situated at East Marredpally Sec.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Marredpally on 2 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the rame meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. II in first floor of 10-3-3-3|2, East Marredpally, Secunderabod admeasuring 1028 sft. registered by the S.R.O. Marredpally vide document No. 285|84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-10-1984

Scal:

 Smt. Hushmuthunnisa Begum, and Other, 156-159, Paigah House, Sardar Patel Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri Ladharam & Other, 2-4-129, Ramgopalpet, Secunderabad.

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA .

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th October 1984

RAC No. 587|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rg. 25,000- and bearing

beating No. Land situated at Paigah

Colony, Sec'bad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Marredpally on 2 84

to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that whe consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Open and admeasuring 533 sq. yds. situated at Paigath Colony, Secunderabad registered by the S.R.O., Marredpally vide document No. 366|84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hydernbad

Dote: 8-10-1984

Sen1 ·

### FORM ITNS

(1) Fin Cooperative Housing Society, 5-8-499|502, Chirag-ali-lane, Abids, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IVAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri M. V. Rungareddy, 3-6-375|A, Himavathnagar, Hyderabad,

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDFRABAD

Hyderabad, the 8th October 1984

RAC No 588|84-85.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

bearing No. Plot situated at

Padmaraonagar Secunderabad (and more fully described in the Schedule arrested hereto),

has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 2/84 for an apparent consideration which is less than the fair

mraket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) modificating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957). Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot of land admensuring 380 sq. yds. situated at Padradraologia Secunderabid registered by the S.R.O., Hydera bud vide document No. 122 | 84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 8-10-1984

### PARI III -- SEC. 1]

### FORM ITNS-

### (1) Fin Cooperatine Housing Society Ltd. 5-8-499|502, Chiragallalane, Hyderabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (2) Sri V. V. Subba Reddy, 1-4-880/2/20, New Bakaram, Hyderabad.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th October 1984

RAC No. 589 81-85,—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000!- and bearing No.

bearing No. Land Situated at Padmaraonagar

Secundernhad

71-306 GI|84

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration. Act, 1908 (16) of 1908) in the office of the Registering Office.

at Hyderabad on 2,84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Open land admeasuring 405 sq. yds. situated at Padma taonagar, Secunderabid registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 1225/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 8-10-1984

Scal :

### FORM ITNS-----

(1) Sii J. R. Ramesh, 3-18-86, Pedda Kamala, Gun Rock Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Mls. The Nandanavana Co-operative Housing Society, R.P. Road, Secunderabad.

(Transferce)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SUNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th October 1984

RAC No. 590|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sail Act'), have reason to believe that the ammovable property laving a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land situated at

Thurumalgherry, See bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Mariedpally on 2|84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land admeasu ing 1/2 acre situated at Thirumalgherry. Secunderabad registered by the S.R.O., Marredpally vide document No. 438[84

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Sect on 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date · 8-10-1984

### FORM 1.T.N.S. --- -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) Sri K. Balreddy, and Others, Bowenpally, Secunderabod

(Transferor)

(2) M|s. Bhavana Co-operative Housing Society, 19-3-422, Johanuma, Hyderabad.

(Transfere:

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th October 1984

RAC No. 591/84-85 .-- Whereas, I. M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land situated at Thokatta (V) Secunderabad

has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Competent Authority,

at Marredpally on February 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reuson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to octween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHPDULE

Land admeasuring 33 guntas situated at Thokatta village, Secunderabad registered by the S.R.O Marredpally vide Marredpally vide document No 515]84.

> M. JEGAN MOHΛN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incme-t-Acquisition Range-FI] Acquisition Range, Hyderobal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followsons, namely :--

Date: 8-10-1984

### FORM ITNS----

(1) Fin Cooperative Housing Society Ltd., Chung-alistane, Hyderabad

may be made in writing to the undersigned .--

(Transferr , )

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri S. Satyanarayana, Flat No. \*02, Penderghast Road, Secunderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 8th October 1984

RAC. No. 592|84-85 —Whereas, I M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

Land situated at Padmaraonagar, Sec'bad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the registering

Officer at Hyderabad on 2|84.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

THE SCHEDULT

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other ascets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot situated at Padmaraonegar, Secundrabad admeasuring 623 sq. yds. registered by the S.R O. Hyderabad vide document No. 1223184

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date : 8-10-1984

Seaf

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

FERMANION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(1) M|s. Neoshir R. Mistry, Slo J. K. Mistry, Secunderahad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMI-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. Kalpatharu Cooperative Housing Society Ltd., Banjara Castle, Road No. 12, Banjara Hills, Hyderabad-500 034.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE. HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 8th October 1984

RAC. No. 593|84-85.—Whereas, I, M. JEJAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act ), have reason to believe that the immovable property having a exceeding Rs. 25,000 and bearing No. tair market value Land situated at Thirumalghery Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

and the agreement is registered under sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the

Registering Officer at Marredpally on 2|84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires, later;
- (b) by any other person interested in the said immes a ble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions use berein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chaptes,

- (h) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULF

Land measuring 3 acres 44 guntas situated at Thirumalgherry, Secunderabad registered by the S.R.O., Marredpally vide document No. 263 84,

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of he said Act, to the following persons, namely :--

Date: 8-10-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

### ....,

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 8th October 1984

RAC. No. 594|84-85,—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269D of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Office situated at Rangunj Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under sect on. 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Registering

Officer at Hyderabad on 2|84.

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds ethe apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any mesome arming from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been Jr which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purusuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act to the Selfowing persons, namely 1

(1) M/s. Babu Khan Bullders, 5-4-86 to 92 Ranigunj, Secunderabad.

(Transferor)

 M|s. Gh'asuddin Babukhan Family Trust, Khairatabad, Hyderabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said programmy be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Office No. 701 and 702 at 5-4-86 to 92, Secuderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 643<sub>1</sub>84,

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range. Hyderabad

Date: 8-10-1984.

Scal :

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 8th October 1984

Ref. No. RAC No. 595/84-85 -- Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

Shop situated at Ranigunj Secunderabad (and more full dear had in the school dear harmsferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of Registering

Officer at Hyderabad on 2]84.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe hat the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Ms. Babu Khan Builders, 5-4-86 to 92 Ranigunj, Secunderabad.

(Transferon)

(2) M/s. Basheeruddin Babu Khan Family Trust, Rep. by Shri Muneeruddin Shaikh Imam, Malakpet, Hyderabad.

(Traneferee)

Objection if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period against lates. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop Offices situated at 5-4-86 to 92, Ranigunj, Secunderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 644 84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore is pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby in that proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :--

Date: 8-10-1984,

### FORM No. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 8th October 1984

RAC. No. 596|84-85.—Whereas, I. M. JE|GAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa I Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and besting No.

Office situated at Ranigunj Secunderabad

fund m πe fully described in the Schedule annexed hereto), has bee transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 2 84.

for an apparent consideration which is less than the fair market alue of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than liftern 1 in cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection '1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M|s. Babu Khan Builders 5-4-86 to 92 Ranigunj. Secunderabad.

(Fransferor)

(2) M/s. Meduri Capacitors Pvt. Ltd., Rep. by Shri M. Subba Rao, 16-9-831/3, Malakpet, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Office No. 643 situated at 5-4-86 to 92, Ranigunj, Secunderabad admeasuring 266 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 1020|84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 8-10-1984,

S ral

### FORM ITNS----

(1) M/9 Babu Khan Builders, 5-4-86 to 92 Runiguni, Secunderabad

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri M Subba Rao, 16 9-831|3 Malakpet, Tyderabad

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
IIYDFRABAD (4 P)

Hyderabad, the 8th October 1984

RAC No 597|84-85—Whereas, I, M JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No

Office 642 situated at Ranigunj, Secunderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Hyderabad on 2|84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ——

(a) facilitating the reduction or evesion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957), Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Office No 642 situated at 5-4-86 to 92, Ranlgun, Secunderabad admeasuring 266 sft, reg stered by the SRO, Hyderabad vide document No 1021|84

M JEGAN MOHAN
Competent Authority
Juspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

72-306GI/84

Date 8-10-1984 Seal

### NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 8th October 1984

RAC. No. 598 84-85.-Whereas, 1.

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Shop No. situated at Raniguni, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on 2|84

for an apparent consideration which is less than the fair market value f tohe aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforc-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act. I hereby initiate proceedings for the ecquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely . -

(1) Ms. Babu Khan Builders, 5-4-86 to 92 Ranigunj, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Shri Abdul Quasim Khan, Ro Nadiya Kinare, 37, Butlar Road, Lucknow, U.P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. 39 in 5-4-86 to 92, Ranigunj, Secunderabad and measuring 250 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 1024 84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range Hyderabad

Date: 8-10-1984.

(1) Mls. Babu Khan Builders, 5-4-86 to 92 Raniguni, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Nasib Kaur, 5-4-143, M. G. Road, Secunderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th October 1984

RAC. No. 599/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Shop No. situated at Ranigunj, Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on 2[84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : --

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. 40 in 5-4-86 to 92, Raniguni, Secunderabad admeasuring 250 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 1023 84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad

Date: 8-10-1984.

(1) Ms. Babu Khan Builders, 5-4-86 to 92 Ranigunj, Scounderabad.

(Transferor)

(2) M|s, Ranga Finance & Investments (P) Ltd., Rep. by Sri Sukumar Reddy, Office No. 547, Ranigunj, Secunderabad.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 8th October 1984

Ref. No. RAC. No. 600|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

Office No. 547 situated at Raniguni, Sec'bad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 2 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Office No. 547, in 5-4-86 to 92. Ranigunj, Secunderabad admeasuring 266 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 1025|84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderahad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date · 8-10-1984.

- (1) Shri M. A. Kandasami and Others No. 11-A. Tillarnagat. Erode Post, Erode Town, Tamilnadu. (Transferot)
- Sti T. Veluswamy & others, Pantner in M/s. M. K. Thalla, Mudaliar & Sons, No. 519, Big Bazaar, Tiruchiuapalli.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 8th October 1984

Ref. No. KAC. No. 601||84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-and

hearing No. House 18-9-29 & 30, situated at Chittoor (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chittoor on 2|84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House at Mada Koil Street, Chittoor registered by the S.R.O., Chittor bearing Door Nos. 18-9-29 and 30, vide document No. 973|84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-10-1984.

(1) Smt. Zainab Khatoon, GPA Sri Ali Khwaja, Banjara Castle, Road No. 12, Banjara Hills. Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mrs. Janaki Nanduri, Co Sri Vani Transport, Begum Bazar, Hyderabad.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 8th October 1984

Ref. No. RAC. N M. JEGAN MOHAN, RAC. No. 602:84-85.—Whereas, I.

being the Competent Authority under Section 269B of the (ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000[1 and bearing

No. Flat situated at Himayathnagar Hyderabad (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikkadpally on 2/84

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair Market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration therefor that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and transferor (s) has not been truly stated in the said incompany transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat in Banjara Sadan at Himayathnagar, Hyderabad admeasuring 795 sft. registered by the S.R.O., Chikkadpally vide document No. 267 84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

persons, namely :-

Date: 8-10-1984

(1) Sri N. Muralidhar & Others, Madikonda Warrangal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri T. Ramesh Kumar clo N. Muralidhar Madikonda village, Warrangal.

(Transferec)

### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 8th October 1984

RAC. No. 603 84-85.—Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000|- and bearing No.
Land, situated at Modikonda (V) Warrangal Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Warrangal on Feb. 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective period assigns later. Pective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land situated at Modikonda village admeasuring 4 acres 20 guntas registered by the S.R.O., Warrangal vide document No. 441/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 8-10-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

### INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDFRABAD (A. P.)

Hyderabad, the 8th October 1984

RAC. No. 604 84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]and bearing

No. Flat situated at Banjara Hills Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on 2 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mls. Sunil Construction Co., Royd No. 4, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Str M. K. Ramananda, Flat No. 604 Sarita Apartments, Road No. 4, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION. - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 504 in Sarita Apartments, Banjara Hills, Hyderabat admeasuring 1325 sft., registered by the S.R.O., Khairatabad vide document No. 56 84.

> M, JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A P)

Date: 8-10-1984

 M|s. Vijaya Builders, 7-1-70|B|1, N.C.H. Road, Ameerpet, Hyderabad,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mrs. M. Kantamma, w|o M. Mohan Rami Reddy Flat No. 603, Vijaya Apartments, 7-1-70|B|1, N.C.H. Road Hyderabad.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 8th October 1984

Ref. No. RAC. No. 605|84-85.--Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 26°B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000)- and bearing

No. Flat 603 situated at Vijaya Aparts Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 2|84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said postrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 603 Vijaya Apartments, Hyderabad admeasuring 947 sft. registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 1138 84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—73—306GI 84

Date: 8-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Mr. Ali Khwaja, 1. Banjara Castle, Road No. 12. Banjara Hills, Hyderabad. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(2) Sri M. A. Nayeem Afroze 5-7-220. Agapura, Hyderabad.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 8th October 1984

RAC. No. 606|84-85.—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Flat situated at Banjara Hills Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on 2|84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. A-1, in Banjara Gardens, Banjara Hills, Hyderabad admeasuring 664 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 447/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 8-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### .

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th October 1984

RAC. No. 607/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Flat situated at Banjara Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on 2|84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the anoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respectof of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Mr. Ali Khwaja, 1 Banjara Castle, Road No. 12, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferoi)

Mrs. Deepa Mathur, wlo. Ajit Chand,
 Subhodaya Apartments,
 Hyderabad.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. C-11, Banjara Gardens, Banjara Hills, Hyderabad admeasuring 664 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 446|84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assett, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, pamely:—

Date: 8-10-1984.

#### FORM TINE

(1) Smt. B. Saroja Devi, wo. B. Rama Swamy, Road No. 5, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Mcena M. Patel, wo. Jagat Kishore, 5-9-22|76|1, Adarshnagur, Hyderabad.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th October 1984

RAC. No. 608|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. Flat situated at Adarshnagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on 2|84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Act, 1957 (27 of 1957);

Flat in Adarshnagar Colony, Hyderabad admeasuring 587 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 1082 84

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 8-10-1984.

Seal:

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

### ACQUISITION RANGE,

#### HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th October 1984

RAC No 609|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. I and situated at Avantinagar Basheerbagh, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 2184

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, we the following persons, namely:—

(1) Mr. P. Ravi Kumar, Mutampalli village, Adilabad Tq., and Dist.

(Transferor)

(2) Smt. S. I axmi, Wlo. late S. V. Narasimha Reddy, Malkajgiri, Vallabhnagar Tq., R. R. Dt. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writting to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Open land at Avantinagai, Bashceibagh, Hyderabad admeasuring 473 sq. yds registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 1124/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 8-10-1984.

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th October 1984

RAC. No. 610|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

No. Land situated at Banjam Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Khairatabad on 2]84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. D. Rukmini Devi, woo. late D. V. Rao, 1-7-1073, Musheerabad, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mrs. Tayeba Bogum, 16-6-190|B, Osmanpura, Hyderabad.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land situated on Road No. 2 Banjara Hills, Hyderabad admeasuring 400 sq. yds. registered by the S.R.O., Khairatabad vide document No. 435|84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 8-10-1984.

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

### ACQUISITION RANGE. HYDERABAD (A,P.)

Hvderabad, the 8th October 1984

RAC. No. 611|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act.), have reson to believe that the immovable property having reson to believe that the immovable property having reson to be a second to the said Act.) able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Mulgi, situated at J. N. Road, Hyderabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on 2|84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mr. Shahbuddin & Others, Ms. Diamond Builders, J. N. Road. Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mr. Salam Bin Sayeed & Others, Mulgi No. 4, Diamond Complex, 4-1-824, J. N. Road, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same measuring as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Mulgi No. 4 in Diamond complex, J. N. Road, Hyderabad admeasuring 310 sft., registered by the S.R.O.. Hyderabad vide document No. 685|84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 8-10-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Mr. Ali Khwaja, 1 Banjara Castle, Road No. 12, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mrs. Nafees Afzal, 3-5-782/60, King Koti, Hyderabad.

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

#### HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th October 1984

RAC. No. 612|84-85.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269h of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Flat situated at Himayathnagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikkadpally on 2|84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which aught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 407 in Banjara Sadan at Himayathnagar, Hyderabad admeasuring 795 sft., registered by the S.R.O., Chikkadpally vide document No. 266 84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-10-1984. Seal:

 Mr. Ali Khwaja, 1 Banjara Castle, Road No. 12, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferoi)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th October 1984

RAC, No. 613/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat, situated at Himayathnagar, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikkadpally on 2|84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wenlih-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
74—306GI[84]

(2) Mr. Ibrahim Hussain, Flat No. 406, Banjara Sadan, Street No. 14, Himayathnagar, Hyderabad.

(Transferee)

objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 406 in Banjara Sadan, Himayathnagar, Hyderabad admeasuring 795 sft., registered by the S.R.O., Chikkadpally vide document No. 265|84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 8-10-1984.

#### FORM I.T.N.S .--

(1) Sri Neelakanta Rao Imandar, 3-4-376|24, Lingampally, Hyderabad.

(Transferor)

 Sri A. Chandrasekhar Naidu, 16-2-705|1|9, Professors Colony, Malakpet, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE.

#### HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th October 1984

RAC. No. 614|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-and bearing No.
Flat, situated at Malakpet, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at of the Registering Officer at

Azampura on 2|84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat in 1st floor Block No. 7, H. No. 16-10-27/192, Malaknet admeasuring 700 sft., registered by the S.R.O., Azampura vide document No. 671|84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Ranga Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely: ---

Date: 8-10-1984,

#### FORM I.T.N.S.-

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Smt. Laiba Farzana woo Dr. M. J. Farzana, 10-3-304|12, Humayunnagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Mohd. Arshad and Others, Plot No. 9, Ramgopalpet, Secunderabad,

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE-III, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th October 1984

Ref. No. RAC. No. 615|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000! and bearing No.

H. No. 8-2-268 A 1 F Banjara Hills, Hyderabad,

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on 2 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apperent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transforce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 8-2-268|A|1|F, Ali Bagh, Banjara Hills, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 1221 84,

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 8-10 1024

(1) Matrusri Engineers & Builders (P.) Ltd., 3-5-873, Hyderguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri P. C. Moti, B-204, Matrusri Apartments Hyder-guda, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th October 1984

Ref. No. RAC. No. 616|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Flat situated at Hyderguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikkadpally on 2|84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 46 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. B-204 in Hyderguda, Hyderabad admeasuring 845 sft. registered by the S.R.O., Chikkapally vide document No. 234 84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-10-1984

#### FORM ITNB-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE-III, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th October 1984

Ref. No. RAC. No. 617|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. Land situated at Banjara Hills, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeasid property by the issue for this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Prince Muffakhan Jah Bahadur & Others, Jubilee Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Dr. Y. S. Rajasekhara Reddy and Y. S. Sudhakar Reddy, 8-2-598|2, Road No. 10, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Open land admeasuring 1815 sq. yds. situated at Road No. 2, Banjara Hills, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 760|84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabaa (A.P.)

Date : 8-10-1984

(1) M/s. Tirumala Construction Co., 3-6-20, Himayathnagar, Hyderabad.

(Transferor)

[PART III-SEC. 1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. U. Gopineth Rao, 2-2-1105|37|C, Tilaknagar, Hyderabad-44.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th October 1984

Ref. No. RAC. No. 618/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority

under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

No. Shops situated at Himayath Nagar, Hyderabad, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 2|84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1 and 2 in Tirumala Apartments, Himayathnagar, Hyderabad admeasuring 696 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document Nos. 1038, 1062|84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderebad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 8-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th October 1984

Ref. No. RAC. No. 619 84-85.---Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Flat situated at Himayathnagar, Hyderabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikkadpally on 2|84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, thereore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Mr. Ali Khwaja. No. 1, Banjara Castle, Road No. 12, Banjara Hills. Hyderabad. (Transferor)
- (2) Smt. Naveemunnisa Begum. 16-6-190 1, Osmanpura, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 106 in Banjara Sadan, Himayathnagar, Hyderabad admeasuring 840 sft., registered by the S.R.O., Chikkadpally vide document No. 264|84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 8-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAY ACT. 1961 (43 OF 1961)

# (1) Sri K K, Srinivasan, Flat No. 24, 3rd floor, T.T.C. Golkonda X Roads, Hyderabad.

(Transferoi)

(2) Sri C. S. N. Murthy,
Flat No. 24, 3rd floor, Tirumala Tower Constructions, Golkonda X Roads, Hyderabad.
(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSEPCTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th October 1984

Ref. No. RAC. No. 620|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Flat situated at Golkonda X Rds. Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikkadpally on 2|84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plat No. 24 in 3rd floor of T.T.C. Golkonda X Roads, Hyderabad admeasuring 1140 sft., registered by the S.R.O., Chikkadpally vide document No. 200 84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 8-10-1984

10KM JIN5-----

(1) Mis. Swastik Builders, 1-2-3, 4|3 (Domalgudo, Hyderabad.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs S Lalitha woo Dr. S, Nageswara Rao, Ro M. V. Agraharam, Nellote

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGL HY DER ABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th October 1984

Ref. No. RAC No. 621/84-85 - Whereas, I,

M, IEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]—and bearing No.

Shop, situated at Domalguda, Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed here(o) has been transferred as per deed registered under the Indian egistration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabod on 2|84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 54 in 1-2-524|3, Domalguda, Hyderabad admensuring 300 sft. registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 1097|84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Impacting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (AP)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .

75---306GI 84

Date: 8-10-1984

Hyderabad on 2|84

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabail the 8th October 1984

Ref. No. R.V.C. No. 622/84-85—Whereas, I, M. JFGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]—and bearing No. Flat situated at Domalguda, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) racilitating the reduction or evasion of the Habibity of the transferor to pay tax model the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any mooner 1 any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act cr the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) M|s. Sagar Constructions, 1-2-524, Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Mansoor Sultana Jaweed wo Shri Jafar Mohiuddin Jaweed, 16-2-145/8, Malakpet, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. No. 407 in 4th floor of Sagar Apartments, Domalgud 1 Hyderabad admeasuring 1000 sft., registered by the S.R.C.. Hyderabad vide document No. 1095[84.

M. JEGAN MCHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (AP.)

Date: 8-10-1984

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

### TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th October 1984

Ref. No. 623|84-8 M. JEGAN MOHAN, 623|84-85.—Whereas, 1

being the Compotent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Flat, situated at Domalguda, Hyderabad,

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 2|84,

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; undlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26°D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) Ms. Sagar Constructions, 1-2-524, Domalguda, Hyderabad,

(Transfero))

(2) Sii Suryakant C. Patel, Flat No. 303, Sagar Apartments, Domalguda, Hyderabad.

Objections, if any to the acquisition of the said property s may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Acr, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 3 on HIrd uoor of Sagar Apartments Domal guda, Hyderabad admeasuring 1000 sft. registered by the registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 1094 84,

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux
> Acquisition Range
> Hyderabad (A.P.)

Date: 8-10-1984

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th October 1984

Ref. No. RAC. No. 624|84-85.—When as, J, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improvable property having reason to be the conditions of the second to be a secon movable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No. Flat situated at Domalguda, Hydernbad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 284

for an apparent consideration when is less than the fair Imarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

 M|s. Sagar Constructions, 1-2-524, Domalguda, Hyderabad,

(Transferot)

(2) Sii M. K. Guiunath So Sii Krishna Swamy, Roo J Mane Chhedranagar, Chempur, Bombay-400 089.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this action in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. 108, Sagar Apartments, 1-2-524, Domalgada, Hyderabad admeasuring 970 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 1096 84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date : 8-10-1984

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) M/s Eskay Associates, 1-2-24 and 24/1 Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

72) Str. V. Seshagur Rao 2-1-303, Na lekunta, Hyderabad

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th October 1984

RAC No. 625|84-85,---Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No

Flat situated at

Domalguda Hyderabad

(and more fully described in the Schefulz annihold hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chikkadpally on 2|84

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reson to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration tor such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days froz the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said \( \) t, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-lax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth 1922 Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

#### THE SCHEDULE

Hat No 106 in 1st floor of 1-2-24, Domalguda, Gagan-mahal Rd, Hyderabad admeasuring 600 sft. registered by the S.R.O., Chikkadpally vide document No. 218 84.

M. IFGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.
Bombay.

Date 8-10-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Mls Eskay Associates, Hyderabad,

(Transferor)

(2) Smt. Chavalı Satyavathı, Wo C. S. Avadhani, R o 6-3-596 47, Venkataramana Colony, Hyderabad.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th October 1984

RAC No 626(84-85.—Whereas I M JEO N MOHAN being the Competent Authority under Section 269h of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heromatter referred to a, the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No.

Flat situated at Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been maniferred as per dood regulater I under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Chikkadpally on 2/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent at such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of treaster with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (0) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or

(b) facilitating the concealment of any mome or an moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat in Eskay Associates on 4th floor admeasuring 985 tt., registered by the S.R.O., Chikkadpally vide document No. 210 84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said A t to the following persons, namely :---

Date: 8-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th October 1984

RAC No. 627,84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing

No. Flat situated at

Golkonda, X Road, Hyderabad

of transfer with the object of :-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the effice of the Registering Officer at

Chikkadpally on 2|84 tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bets, the parties has not been truly stated in the said instrument

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tan Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s Trumala Towers Construction Co., Golkonda X Roads, Hyderabad.

(Transferor)

(2) bit V. Atun Kumar, No. 16. Titumala Tower Construction Co., Golkonda X. Roads, Hyderabod.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (1) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. Whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

clat No. 16 in Croppiala Fower Construction Co., Colconda & Roads, Hyderabad administrary 1140 str. registered by the SRO Chikkedpali, and document No. 223/84

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspection Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under tub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

्रो ् : 8-10 1984

#### FORM ITNS----

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Mis. Likay Associates, 1-2-24 and 2411, Domalguda, Hydernbad.

(Transferor)

(2) Sir P II Sh nov, 405, 4th floor, 1-2-24[24]1 Domalguda Hyderabad

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderahad, the 8th October 1984

RAC No. 628/84-85. Whoreas, I. M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000|- and bearing No. Flat situated at

Domalguda Hyderahod

situated at

fund more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (In of 1965) in the efficient Registering Officer at

Chikkadpally on 2|84

Chikartpally on 2/84
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1 lat No. 405 in 4th floor of D. No. 1-2-24, 24 1, Domalguda. Hyderabad admeasuring 600 sft., registered by the SRO, Clukkadpally vide document No 15884.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta-Acquisition Range Hyderabad.

twow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the acsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the f llow-

ing persons, namey :---

Date: 8-10-1984 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th October 1984

RAC No. 629|84-85.--Whereas, I, M, JEGAN MOHAN

ing the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Flat situated at

Domalguda Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Chikkadpally on 2|84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--76-306GI 84

(1) M|s. Tirumala Tower Construction Co., Golkonda X Roads, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. K. Shyamala Chakrapani, Wo Dr. Chakrapani, No. 23, Tirumala Tower Construction Co., Golkonda X Roads, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 23 in Tirumala Tower Construction Co., konda X Roads, Hyderabad admeasuring 1140 sft., registered by the S.R.O., Chikkadpally vide document No. 222 84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 8-10-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMPTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD Hyderabad, the 8th October 1984

RAC. No. 630|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Flat situated at

Gaganmahal Rd., Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chikkadpally on 2|84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :---

- (1) M/s. Eskay Associates, 1-2-24, 24/1, Domalguda, Hyderabad.
- (Transferor) (2) Miss Sulochana Pai, Flat No. 406, IVth floor, 1-2-24, Gaganmahal Rond, Hyderabad. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat in M|s. Eskay Associates, 1-2-24, 24|1, Gaganmahal Road, Domalguda, Hyderabad admeasuring 600 aft., registered by the S.R.O., Chikkadpally vide document No. 72|84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 8-19-1984

#### FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

### (1)M|s. Tirumala Construction, 1-1-593|C, Gandhinagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri Janaki Vaitheswaran, No. 27, Tirumala Construction, Golkonda X Roads, Hyderabad.
(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 8th October 1984

Ref. No. RAC. No. 631|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat situated at Golkonda X Roads, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikkadpally on 2|84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the sam property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 27 at Golkonda X Roads, Hyderabad admeasuring 1500 sft., registered by the S.R.O., Chikkadpally vide document No. 131|84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 8-10-1984

Soal :

(1) Shri L. Arjun Rao, H. No. 2-1-460|1, Nallakunta, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. L. Pushpa, Wo L. Arjun Rao, 2-1-460 1, Nallakunta, Hyderabad.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 8th October 1984

Ref. No. RAC. No. 632|84-85.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

House situated at Nallakunta, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed 12 gistered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Hyderabad in February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent considerations and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, āād/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used hereit. are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

W.

House No. 2-1-460|1, Nallakunta, Hyderabad registred by the S.R.O. Hyderabad vide document No. 991.84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, 1 hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 8-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 8th October 1984

Ref. No. RAC. No. 633|84-85.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. House situated at Dilsukhnagar, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Azampura in February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the . purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Smt. K. Damayanthi, Wo Ranga Rao, 16-11-511|1|1|A, Dilsukhnagar, Hyderabad. (Transferor)
- (2) Shri V. Hanumantha Rao, Advocate, So V. Somappa, Adilabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House property bearing No. 16-11-477 6 3, Dilsukhnagar, Hyderabad registered by the S.R.O. Azampura vide document No. 766 84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 9-10-1984

(1) Shri P. B. K. Murthy, 6-3-1218 6 A, Uma Nagar, Begumpet, Hyderabad.

(2) Shri K. Krishna Murthi, Malakpet, Hyderabad. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 8th October 1984

Ref. No. RAC. No. 634|84-85.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

and bearing
No. Land situated at Gaddiannaram, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the
Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer at
at Azampura in February, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the Indian Income-tax Act, 1922 (b) facilitating the concealment of any income or any the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Open land admeasuring 400 sq. yds. situated at Gaddiannaram. Hyderabad registered by the S.R.O. Azampura vide document No. 756|84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-10-1984

#### 26495

#### FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) Shri K.S.R. Murthy, 1-1-746 A. Gandhinagar, Hyderabad.

(2) Shri N. Narasimha Rao, S|o N. Hanumantha Rao, Akbar Bagh, Hyderabad.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

#### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 8th October 1984

Ref. No. RAC. No. 635|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 - and bearing No.

Plot situated at Gaddiannaram, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Hyderabad, in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act., I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

75-296 GI]84

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 5 in S. No. 274|1, 284|1, 284|3, Gaddiannaram, admeasuring 484 sq. yds. registered by the S.R.O., Hyderabad vide document | lo. 1080|84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date : 9-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th October 1984

Ref. No. RAC. No. 213|84-85.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000 and bearing No. House situated at Kakinada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Kakinada in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) Shri V. Kondala Rao, Rajanagar Colony, Kakinada, E. G. Dt.,

(Transferor) (2) Shri M. Hanumantha Rao, D. No 64-3-1/1/1,

Kakinada. (Now working as District Manager, Food Corporation of India, Khammam).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same evening as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

House property D. No. 64|3|1|1, situated at Kakinada registered by the S.R.O., Kakinada vide document No. 1532

> M. JEGAN MOHAN
> Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 8-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Shri M. Veeta Raju, Kavulagoyya, Rajahmundry, F. G. Dt.,

(Transferor)

(2) ShriN. Subramaneswari, Wlo Venkata Raju, D. No. 27-1-1, Jampeta, Rajahmundry.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th October 1984

Ref. No. RAC. No. 214|84-85.—Whereas, I, M. JFGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land situated at Rajahmundry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Rajahmundry in February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
77—306GI[84]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land admeasuring 90 cents situated at Rajahmundry rural E.G. Dt. registered by the S.R.O., Rajahmundry vide document No. 1196[84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.).

Date: 9-10-1984

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th October 1984

Ref. No. RAC. No. 220184-85,--Whereas, J. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Fat situated at Vizag

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Vizag in February 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Ms. Paramount onstruction Rep. by its Managing Partner Smt. B. Lukshmi, Rep. by GPA Shri B. Prabhat Kumar Dasapalli Hills, Visakhapatnam. (Transferor)
- (2) Shri Garimolla Vani Annapurna Rama Rao, Wlo. G. V. Rama Rao, T. S. Colony, Vizag. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said prepertymay be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period ex 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat in Maharashtra Ward, Visakhapataam admeasuring 1100 sft., bearing D. N-9. 16-1-B-3 registered by the S.R.O., Vizag vide document No. 1989|84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.).

Date: 9-10-1984

#### FORM I.T.N.S.-

(1) Shri K. Nageswara Rao, Vizag.

(Transferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri K. L. Rajeswaia Rao, D. No. 31-15-26, Allipuram Ward, Visakhapatnam. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th October 1984

Ref. No. RAC. No. 216/84-85.-- Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 - and bearing No.

House situated at Allipuram, Ward Vizag

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Vizag in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Allipuram Ward, Visakhapatnam registered by the S.R.O., Vizag vide document No. 1606/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-10-1984

(1) Sri K. Chittibabu Chowdaiy and other 27-11-82, Spring Road, Vizag

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) The Matru Sri Cooperative House Building Society Ltd., 26-1 96-1 Bandar Road, Visakhapatnam (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (AP)

Hyderabad, the 9th October 1984

Ref No RAC No 217/84 85 — Whereas, I, M JEGAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing

No Land situated at Vizag (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Vizag in February 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been fully stated in the said instrument of transfer with the object of -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the public cation of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

Land admeasuring 5 acres 07 conts situated at Vizag district registered by the SRO, Vizag vide document No 1157, 1158 84.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> M IFGAN MOHAN Competent Authority Assistant Inspecting Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A P).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :--

9-10-1984 Date Seal .

(Transferor)

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th October 1984

Ref. No. RAC. No. 218/84-85,-Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Lands situated at Nandarada (v) E.G. Dt. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Kakinada in February 1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Shri R. V. Surva Subrahmanya Rama Satyanarayana, Dangeru, Ramachandrapuram Tq., E.G. Dt.
- (2) Shri A. Papaji Chowdary, So Venkata Rao, Nandarada Village, Rajahmundry Tq., F.G. Dt., (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 50 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land admeasuring 10-74 acres situated at Nandarada village, F.G. Dt., registered by the S.R.O., Kakinada vide document No. 1295 and 1296[84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Date • 9-10-1984

### FORM UTNS-

(1) Shri P. Swamynathan, Jaanapuram, Vizag.
(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri A. Subbarayudu, D. No. 13-2-1 and 1|C, Maharanipeta, Visakhapatnam. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th October 1984

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. House situated at Vizag

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Vizag in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House property bearing D. No. 13-2-1 and 1/C, Maharanipeta, Visakhapatnam registered by the S.R.O., Vizag vide document No. 1847/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-10-1984

# INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006 Madras-600 006, the 21th September 1984

Ref. No. 9|Feb|84.—Whereas, I, PREM MALANI VASAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 000/-and bearing

Vacant Land situated at Omalur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O. Omalur (Doc. No. 288|84) in Feb. '84 for an apparent consideration which is less than the fait market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Krishnan, So Kolathai Gounder, Kotta Goundam Patti Village, Puliyampatti, Omalur Taluk, Salem Dist,

(Transferor)

(2) M. Duraiswamy Naidu, Kukkattapatti Village, Mattukkaran Pudur, Kattu Valavoo, Omalur Taluk, Salem Dist,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Vacant Lands: Survey No. 155|2A4, Amani Omalur Village, Salem Dist. (Doc. 288|84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 24-9-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF JNDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS 600 006

Madras-600 006, the 25th September 1984

Ref. No. 17|Feb|84.—Whereas, f, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Pallam Parai Village situated at Pallam Parai Village (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer at S.R. Sendamungalam (Doc No. 309|84) on Feb. '84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1937 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Subbarajee, Karavalli Main Road, Ramanathapuram Post, Namakkal Taluk.

(Transferor)

(2) Shri Subramani, Slo Karuppanna Udayar, Ramanathapuram Pudur P.O. Namakkal Taluk

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressinos—used herein as are defined in Chapter—XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land: 199/2 Pallamparai Village (Doc. No 309/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta:
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date: 25-9-84

#### FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th September 1984

Ref. No. 26|Feb.84,-Whereas, I, PREMA MALINI VASAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair Rs. 25,000 and bearing No. market value exceeding 63 at Puttur St. Kumarapalayam situated at Kumarapalayam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis ering Officer at S.R. Kumarapalayam (Doc. No. 333/84) on Feb. '84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the and Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
79—306GI|84

(1) Shri L. Arumugam, Kamatchi Amman Kovil 50, Bhayani

(Transferor)

(2) Shii Kanakasabapathy,
 Bhayani Company,
 20, Budhar St.,
 Kumarapalayam, Salem Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

PXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

I aud: 122-A, Agraharam Village, Kumarapalayam, Namakkal, (Doc. No. 333]84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date: 29-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THF INCOMF TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 24th September 1984

Ref. No. 28|Feb.|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

at Kumarapalayam Village situated at Namakkal (and fore fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis ering Officer at S. R. Kumarapalayam (Doc. No 352|84) on Feb. '84 for an apparent consideration which is less than the fair

S. R. Kumarapalayam (Doc. No 352|84) on Feb. '84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and for

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri N. Krishnarajan, and others 75, Tiruchengodu Roed Pallipalayam Village. Kaspa Palayam Town, Tiruchengodu Taluk Salem

(Transferor)

(2) Shi K, Balu, Sio Krishnaswamy Iyer, 103, C, West Colony, Kaspa Kumarapalayam, Kumarapalayam Akrabatam Village, Tiruchengodu, Salem Diet.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

I and and Building: New Survey No. 101/2 Narayana Nagar Kumarapaltyam. (Doc. No. 352'84).

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tal Acquisition Range-I Madras 600 006

Date : 24-9-84

(1) Shri K. Murugesan and Others.

(Transferor)

(2) Shri P Veerappan, Slo Shri Periasamy Gounder. Kuppuchipalayam, Namakkal Taluk, Salem Dist.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 22nd September 1984

Ref. No. 33|FEB|84.—Whereas, I. PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable and the said Act's reason to believe that the immovable to be the said Act's reason to believe that the immovable to be the said Act's reason to be the said Act's re property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

Land in Velooi, Namakkal situated at Velur (Salem), (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Velur (Salem) (Doc. No. 243/84) on Feb., 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined n Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land: S. No. 315|5, Namakkal (Velur). (Doc. No. 243|84).

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -

Date: 22-9-1984

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. MADRAS-600 006 Madras-600 006 the 24th September 1984

Ref. No. 37|Feb|84.—Whereas, J. PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tx Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land situated at Village Potti Retti Patti, Namakkal Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Erumnipatti (Doc. No. 261|84) on Feb. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than diffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trally stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) tacilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri P. Palaniyandi Potti Retti Patti Post, Namakkal Taluk, Salem Dist.

(Transferor)

(2) Sri Palahiappa Gounder, Gajakombai Village Namakkal Taluk,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetta or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land S. No. 292, Esumai Patti, Potti Retti Patti Village, Namakkal Faluk, Salem Dist. (Doc. No. 261|84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 24-9-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 24th September 1984

Ref. No. 41|Feb|84 —Whereas I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)', have reason, to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

at Namakkal|Tiruchengodu situated at Namakkal (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

S.R. Thruchengoda (Doc. No. 590|84) on FEB'84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri M. Seenivasan & Others, Tiruchengodu

( Fransferor

(2) Shri P. Marimuthu and Others. Tiruchengodu Door No. : OF, Ward : 16, Velur. Tiruchengodu

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: (Doc. No. 590/84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 24-9-1984

(1) Shri P. K. Ramalingam, Tiruchengodu,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  Shri C. Sundaram, Kadukkangad, Molasi Village, Tlruchengodu,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006 Madras-600 006, the 28th September 1984

Ref. No. 43/Feb!84.—Whereas I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No.

Agl. lands situated at Tiruchengodu (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Tiruchengoda (Doc. No. 670|84) on Feb. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated, in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land (Doc. No. 670[84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 28-9-1984

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 26th September 1984

Ref. No. 49|Feb|84.—Whereas I, PREMA MAI INI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing S. No. 172|4 Thiruchengodu situated at Namakkal (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registering Officer at S.R. Namakkal (Doc. No. 200|84) in Feb. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stoted in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely:--

- (1) Shri P. Arumugam Chettiar, Namakkal Town, P.S. Pettai Konal Mela Theru, D. No. 2, West St., Namakkal,
- (2) Shn P. Mani and Others, Karadipatti Village, Kolathu Palayam, Namakkal Taluk, Salem Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land S. No. 172/4, Thiruchengodu, Namakkal. (Doc. No. 200/84).

PRFMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 26-9-1984

Seal .

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 24th September 1984

Ref. No. 57|Feb|84.—Whereas, 1, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

and and Building: Namakkal Village situated at Salem (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O. Namakkal (Doc. No. 344|84) on FEB'84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any uncome arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Unnamalai Ammal, Wio Annamalai Chettiai, N Kosavam Patti, Namakkal, Salem Dist

(Transferor)

(2) M. Chinnammal, Wlo Muthuswamy, D. No. 34, Welington St., Namakkal Town, Salem Dist

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and Building: Survey No. 4512, D. No. 40-F. 40 F. Ganesapuram Church St., Namakkal Village and Town, Salem Dist.

(Doc. No. 344|84).

PREMA MAI INT VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date : 24-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 24th September 1984

Ref. No 61|Feb|84.--Whereas, I. PREMA MALINI VASAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

in Jari Veeranam Village situated at Salem Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O. Salem East (Doc. No. 497|84) on FEB'84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
   and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (\$7 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

79-306GI 84

(1) Shri G. Jaikumar, 131, Andi Chetty St., Salev Cave.

(Transferor)

(2) Shri A. Govindan, Slo Shri Annamalai Gounder, Jari Veeranam, Salem Tlk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULB

Land Resurvey No. 241, Salom Jari Veeranam Village, Salom Dist.
(Doc No. 497/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 24-9-1984

#### FORM ITNS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-] MADRAS-600 006

Madras, the 24th September 1984

Ref. No. 63|Feb|84.—Wherens I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Sahadevajuram Extention Plot No. 24 situated at

Salem Town 'T' Division
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16) of 1908) in the office of the Registering Officer at

Salem J.S.R. I (Doc. No. 246|84 on Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the nurmoses of the Indian Income-tex Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-tection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) T. J. Palani Kanaka Sabapathi, slo D. Ganapathi Farthikeya Mudaliar. Sahadevapuram Extension, Salem Town.

(Transferor)

(2) K. V. Chokkalingam, and others, 6|1, East Main Road, Mettur Vattam, Mettur Dam, Salem Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

Land and Building: 7th Ward, Cerry Road, Sahadevapuram Fxtention, Plot No. 24, Town Survey No. 1182, Komarasamy patti village Salem. (Doc. No. 246|84)

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Madray-600 006

Date: 24-9-84

(1) Shri K. Raju, 100, Deivanayagam St., Sevvappettai, Salem Town.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) R. Sankaran,22-B, Solappadi Subramania St.,Sevvappettai, Salem

(Transferec)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
MADRAS-600 006

Madras, the 27th September 1984

Ref. No. 75|Feb|84.—Whereas I. PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing T.S. No. 64, Block 8 Punja Land and building T.S. No. 58|3 situated at Pallapatti Village, Salem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at J.R.S. III (Doc. No. 133|84) Salem on Feb. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publiction of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the saic Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Land and Building : at Pallappatti Village, Salem Toluk.

(Doc. No. 133|84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-T,
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of ection 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of ection 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 27-9-1984

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras, the 24th September 1984

Ref. No. 77 Feb 84.—Whereas I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to a the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Ward L Blovk 3 T. S. No. 92, Salem situated at Salem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Salem (Doc. No. 356[84) in February 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);  Sh. R. P. Viswanath Chettiar, No. 13, Angalamman Koli St., Salem Town.

(Transferor)

(2) S. P. Balaramaswamy, & others No. 96, Kumaran St., Salem Town.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

rany Land on ODoc. e for 1922 th-tax

Land and Building: Ward L Block 3 T.S. No. 92 Salem (Doc. No. 356|94).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 24-9-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras, the 24th September 1984

Ref. No. 82|Feb|84.—Whereas I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land and Building Dindigul situated at Dindigul (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registerign Officer at J. S. R. 1. (Doc. 50|93) Dindigul on February 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) K. Mohan Doss, Door No. 52, South Car St., Dindigul (Transferor)

(2) Govindaraju Naidu, President, Naidu Maha Jana Trust Managing Sangam, Door No. 6, Narayana Nagar, Dindigul (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land: T. S. No. 1720 3B, Balakrishnapuram, Dindigul (Doc. No. 50 83)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 006

Date : 24-9-84

#### FORM ITNS ...

 Dindigul Town Naidu Mahajana Trust President G. Giminda Raju Naidu, No. 6, Narayana Nagar, Dindigul

(Transferor)

OME-

(2) K. K. Natarajau and others, Sreenivas Textiles, Dindigul

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras, the 24th September 1984

Ref. No. 85|Fcb.|84.—Whereas I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Vacant site at Nagal Nayakkanpatti situated at Dindigul (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Nagal Nayakkan Patti (Doc. No. 127/84) on Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guestie.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Building: Ward No. 6, Nettuth Theru, T. S. No. 1005 Dindigul (Doc. No. 127/84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 006

Date : 24-9-84

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-1 MADRAS-600 006

Madras, the 24th September 1984

Ref. No. 86|Feb|84.—Whereas I,
PREMA MALINI VASAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000 and bearing
No. Land at Thandikhuldi situated at Dindigul
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at S. R. Kodaikkanal (Doc. No. 59,60,61 and 62|84) on

february 1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer sus agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) V. Natarajan adn others, Ayyambalayam, Dindigul (Transferor)
- (2) Krishnamoorthy,
  By guardian and mother
  Dhanabakyam Ammal, Wo Kuppaththu,
  Thandikkudi

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period exputes later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land S. Uo. 321 and 322, Thandi kuppam Village,
 Kodaikanal
 (Doc. No. 59, 60, 61 and 62|94)

PRFMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1,
Machas-600 006

Date: 24-9-84

Scal:

(Transferor)

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras, the 26th September 1984

Ref. No. 87|Feb|84.—Whereas I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Land situated at Kodaikkanal (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O. Kodaikkanal (Doc. No. 94/84) in Feb. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair morket value of the market value of the second to believe that the fair morket value of the market value of the second to believe that the fair morket value of the second to believe that the fair morket value of the second to be second to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- Mrs. Kamala Ebenezer, 666, Ontario St., Apartment No. 1922, Toronto, Canada U. S A. by Power Attorney Mr. S. Jayakumar, 34, Venkatesa Gramani St., Chindaripet Madras-2.
- (2) M|s. D. M. Construction co., Mr. Manoj P. Dahapal 26 & 27, Errabalu Chetty St., Madras-1. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land: Document No. 94|84.

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 26-9-1984

#### (1) V. Agilandeswara Iver, 1, Mela Avani First St., Madurai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (2) J S Muynudeen Sahib, (b. T. A Jamulabudeen Sahib, 23, Athama savarathu Mela Masi veedi, Madorai. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

#### OFFICE OF THE INSPFCTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

# ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madias, the 24th Sentember 1984

Ref. No. 90|Feb|84 -- Whereas I, PREMA MALINI VASAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Land and Building at Madurai situated at Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1998 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

nt J. S. R I Madurai Doc No 197/84)

in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under he said Act, to respect of any income arising from the transfer; andjor
- (b) facilitating the concealment of any income or any the in this of like have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the aid A is a the \*\*\*/palety of Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefo , in pursuater of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-80--306GI 84

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and Building: Ward No. 5, New Ward No. 29 Subrayar Agraharam Door No 6 T S No. 521 and 523[1 Modurai. (Doc No 197|84)

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I Madras-600 006

Date + 24-9-84

(1) Krishnan, 6-B, Krishnapuram First St., Madurai (Transferor)

(2) Soma Kandhi Ammal, 7. Venkalakkadai, Third Neer Sandhu (Lane) Madurai.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras, the 26th September 1984

Ref. No. 91 Feb 84.—Whereas 1,

PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Land and Building at Chithirakara St., situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madurai J. S. R. I (Doc. No. 790, 791, 792 and 793|84) in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the subject of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Officical Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and Building at No. 10 and 11 Chithirakkara St., T. S. No. 257, 258 Madurai, (Doc. No. 790, 791, 792 and 793|84)

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 26-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) B. K. C. M. Rathinavelu and others 2A, Karuppanasamy Kovil Lane, North Masi Veedi, Madurai

(Transferor)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Radha Ammal, Wo. Ramachandran, Big Bazar St., Madurai

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-[ MADRAS-600 006

Madras, the 26th September 1984

Ref. No. 103|Feb|84.--Whereas I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

No. 7. Tamil Changam Road, Madurai situated at Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at S. R. Pudumandapam (Doc. No. 365|84) 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen persent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:

(a) by any of the aforesaid persons with in a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
- of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Land and building: No. 7. Tamil Changam Road. T. S. 1188, Madurai (Doc. No. 365|84)

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 26-9-1984

 B. K. C. M. Rathinavelu, 2-A, Karuppanaswamy Konar St., North Masi St., Madurai,

(Transferor)

(2) Shri N. Thirualaganathan, 52, Pachiamman Paditurai Road. Madurai-625001

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE ()F THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-1 MADRAS-600 006

Madras, the 24th September 1984

Ref. No. 104|Feb|84.—Whereas I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Tamil Changam Road, Madurai situated at Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at S. R. Pudu Mandapam (Doc. No. 366/84) in February, 1984 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 et 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: Ward No. 7, 56, Taioil Changam Road, T. S. No. 1188, Madurai. (Doc. No. 366[84]

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 006

Date: 24-9-84

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I MADR 4S-600 006

Madras, the 22nd September 1984

Ref. No. 105 Feb 2.—Whereas I,
PREMA MALINI VASAN,
being the Competent Authority under Section 26% of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
has the said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a lan market value
exceeding Rs. 25,000] and bearing
No Land and building in Madural situated at Madural
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at S R Pudumandapam (Doc. No. 367/84)
in February, 1984
for an upparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such apparent consideration and that

the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the hier in

(a) faciliting the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any meome arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:—

(1) B. K. C. M. Rathinavelu, 2-A, Karuppanaswamy Kovil Laue, Madurai (Transferor)

(2) K. Ambujam, 10, East St., Teppakkulam, Madurai (Transferee)

Objections, it any, to the acquaition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the vervice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter > XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Land at Building: Tamij Changam Road, (Door No. 56) Ward No. 7, T. 5, No. 1188. (Document No. 367|84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-f.
Madias-600 006

Date: 22-9-1984

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

(1) B. K. C. M. Shanmugavel Kone, 3, Karuppanasamy Koil Lane, Madurai (Transferor)

(2) Saradha Devi, Ellaippura Gandhi Road, Paramakkudi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days fromthe date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITON RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras, the 26th September 1984

Ref. No. 107|Feb|84.—Whereas I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,0001- and bearing

No. 7, Tamil Changam Road, T. S. 1188 situated at Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at S. R. O. Pudumandapam (Doc. No. 443|84 & 442|84) on February 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating hte reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and Building: Survey Ward 7, 56, Plot B Tamil Changem Road, Madurai (Document No. 442|84 & 443|84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1,
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Date: 26-9-1984

ocar

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMFTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# THE INCOME.

# (1) M. Narayanam Slo, M. S. Muthuswamy Chettiar, Andipatti. (Transfero)

 P. Narayanaswamy Slo Pee Naa, Perlyasamy Mooppanar, Sakkamputti.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras, the 24th September 1984

Ref. No. 119|Feb|84.—Whereas I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

Land and building in Timmarasa Navakkanoor situated at Timmarasa Nayakkanoor Village (and more fully described in the Schedule annexed be

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Andipatty (Doc. No. 186|84) on February 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the Jate of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the convealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); I and and Building: Survey No. 2172|3, Timmarasa Naickkanoor Village. (Doc. No. 186|84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-I.
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 24-9-84 Scal :

- AND BURGON CONTRACTOR LINES AND A PULL OF THE LAST STORE AND CONTRACTOR OF

FORN IFFER - --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF 1HF INCOMI TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I Madras, the 24th September 1984

Ref. No. 121|Feb|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Sect on 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

No. 37, Kottaipatty Village.

situated at Virudhunagar Town. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at J.S.R.O.I Madras North (464 84)

on FEB' 1984

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the eforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, he aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1955 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Madura Conts Limited, New Jam Road, Madurar.

(Transferor)

(2) Vaigai Investments Ltd., 31|13, Loyala Layout Victoria Road Cross Bangalore-47.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property a may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land: Block No 4, Town Survey No. 69 (Part) No. 37 Kettaipatty Village, Virudhunngar Town (Doc. No. 464[84)

PREMA MALINI VASAN
Completed Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income that
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date: 24-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

#### OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras, the 24th September 1984

Ref. No. 122|Feb|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing

No. (Doc. No. 372|84) (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at J.S.R.III Virudhunagar (Doc. No. 372 84) on FEB' 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to teh following persons, namely :-

81-306GI/84

(1) T. Ramachandran, Court Receiver, 7. Vadivelpuram. West Mambalam

(Transferor)

(2) Sree Jaya Vilas Malleable Castings (P) Ltd.,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person intersted in the said immovable property, within 45 days from the date of the public cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the samt meaning as given that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Machinery and building: (Doc. No. 372|84)

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tay Acquisition Range-I Madras-600 006

Date: 24-9-1984

(1) K. S. Kaliappan and others Police Station St.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri M. Anandharajan, 80-A, Avani St., Sivakasi Town.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras, the 24th September 1984

Ref. No. 123|Feb|84.-Whereas, I.

PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Visantham Village, Sivakasi

situated at Sivakasi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of hie Registering Officer at S.R. SIVAKASI (Doc. No. 341/84) on FEB 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforeseld property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for the firsteen are opposed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for

### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Land and Building: Viswasantham Village, Sivakasi, (Doc. No. 341 84)

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 24-9-1984

NCTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras, the 24th September 1984

Ref. No. 124|Feb.|84.--Whereas, I. PREMA MALINI VASAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. at Sivakasi

situated at Sivakasi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has ben transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. SIVAKASI (Doc. No. 525|84)

on FEB 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act ja respect of any income arising from the transfer; und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) P.P.C.R. Chidambacani, 39, Bank Road, Rajapalayam.

(Transferor)

(2) Shri K. A. Thangaiajan, slo K. A. A. A. Arunachala Nadar Partner, Ashok Match Industries Siyakasi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the afo esaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building: Door No. 27, Periya Palli Vasal, Sivakasi.

(Doc. No. 525|84)

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-t Acquisition Range-I Madras-600 006

Date . 24-9-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961), GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras, the 24th September 1984

Ref. No. 125|Feb|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

Sri Villiputtur North Car St. situated at Sri Villiputtur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at S.R. Srivilliputtur (Doc. No. 186|84) on FEB, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said, Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) R. Appan Srinivasan, Slo. T.A.S. Ramaswamy, 14, North Car St., Srivilliputtur.

(Transferor)

(2) Sri Alagarsamy Naidu Treasurer, Ram Nad District Sarvodoya Sangah, Sri Villiputtur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette-

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building Door No. 19, North Sar St., T.S.W. N.I.T.S. No. 2912, Sirivilliputtur. (Doc. No. 186|84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date: 24-9-1984

#### FORM I.T.N.S .--

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras, the 24th September 1984

Ref. No. 126|Feb|184.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have teason to belive that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. Rs. 25,000; and bearing No. Land and Building at Thirumalapuram

Land and Building at Thirumalapuram situated at Sri Villiputhur Taluk, Remanad Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Sirivilliputhur (Doc. No. 309|84) on FEB 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 lpf 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri A. Arunachala Raj and others 168. Palani Andavar Puram Colony, Gnanagiri Road, Sivakasi Town Sattur Taluk Ramanad Dist

(Transferor)

(2) Arul Mary Raja and B. Antony Raja, Plot No. 31, Lakshmipuram Chapter.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land: S. No. 995, Vimuppanoor Village Srivilliputhur. (Doc. No. 309/84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date: 24-9-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras, the 17th September 1984

Ref. No. 129|Feb|84.—Whereas, I. PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Lands at Pandavar Mangalam Village situated at Kovilpatti, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Koilpatti (Doc. No. 323|84) on Feb 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Coimbatore Sree Kuppuswamy Naidu Trust for Education & Medical Relief

(Transferor)

(2) Shri K. Ramaswamy,
Sattur M|s Viswanathar Ginners (P) Ltd.
Kuwait.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shal have the same meaning as given in the Chapter.

# THE SCHEDULE

Lands at Pandavar Mangalam Village, Survey No. 538 and 539.
(Document No. 323|84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date: 17-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras, the 24th September 1984

Ref. No. 133|Feb|84.—Whereas I, PREMA MALINI VASAN,

of transfer with the object of :--

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. Meelavittan Village situated at Chidambara Nagar,

Meelavittan Village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Meelur (TTN) (Doc. No. 292|84) on Feb 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said harrument

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Rosan Burg,
 Chidampara Nagar,
 and St., Meelavittan Village Tuticorin.

(Transferor)

(2) A. Deiyanayagam, North Sambanda Moorthi St., Tuticorin,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Exptanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and Building: S. No. 494|A3B Plot No. L|58. (Document No. 292|84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date: 24-9-1984

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras, the 24th September 1984

Ref. No. 136|Feb|84.—Whereas, I PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Punja lands situated at Tiruvengada Radhapuram Tirunelveli,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R.I. Tirunclyeli (Doc. No. 110|84) 111|84, 119|84 on FEB 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the zero of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) K. Mahadeva Iyer and others 32|33, A.P. Mada St., Tirunelveli Town.

(Transferor)

(2) N. Nagappan, Marudha Malai Murugan Industries, Mela Tiruvengada Radha Puram, Tirunelveli Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Punja Land: S. No. 15|1, 15|2, 15|3, 14|4, 95|2 Tirunelveli Mela Thiruvengada Radha Puram Village, Tirunelveli. (Doc. No. 110|84) 111|84, 119|84.

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax.
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date: 24-9-1984

Scal:

- ----

FORM ITMS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE (NOMETAN ACT, 1961 (3) OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1 MADRAS-600 006

Madias the 5th September 1984

Ref No. 150|2|84.—Whereas I PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Vacant Land situated at RS. No 4317/7 and 4319/7 londayarpet Village,

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Royanuram (Doc. No. 303/84)

on FFB 1984

for an appearent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect to any largement arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesate property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following parsons parsely:—
82-305 GI/84

- (1) G. Mulikeswaran.
  No. 39, Cotal Metchink St. Madris L.
  (Fransferor)
- (2) Sti Umesh Narayan Singh, No. 351, S.N. Chetty St., Tondairpet, Madris-81

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

J-XPJANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Vacant Land: R.S. No. 4317<sub>1</sub>7 and 4319<sub>1</sub>7, Tondairpet, Madras. (Doc. No. 303<sub>1</sub>84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date: 5-9-1984

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# At QUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madrsa6-006, the 24th September 1984

Ref No. 160|Feb|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, neing the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land and building No. 168, Thambu situated at Chetty St., Madias-7

tand more fully described in the Schedule annexed bereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R.II Madras North (Doc No. 400|84) on Feb. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than art in per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) faciliating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following pursuance in many sections.

M1. C. Nugarajan,
 72, Mc Nickoles Road,
 Chetput, Madras.

(Transferor)

(2) MPR. Narsimha Rao, Mrs. Vasantha Kuman, 60|15, Edmard Fllion Road, Madras.

(ransferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesnid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and Building: 168, Thambo Chetty St., Madras-7 (Doc. No. 400|84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
M. dans-600.006

Date: 24-9-1984

Scal:

(1) Mr. T. H. B. Advani, 805-102, Sadhu Vuswami Nagar, Ganesh Khind Nagar, Anudh, Pune-411007.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

Mrs. W. K. Sarojini,
 Wo Mr. Kumaraguruparan,
 Chockalinga Nagar,
 Madras-86.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 24th August 1984

Ref. No. 176|2|84.—Whreeas, I, PREMA MALINI VASAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.
Land and building in Egmore situated at Madras (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO, Madras Periamet (Doc. No. 83 & 94|84 on Feb. '84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property and J have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agraed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made inswriting to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Land and Flat building: No. 16, Victoria Cresent Road, Madras-600 105.
(Doc. No. 83 & 94|83).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date 24-8-1984 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF-1

MADRAS-600 006

Bombay, the 17th September 1984

Ref. No. 177/2/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land and Building at No.m 9/A, (old No. 38) Woothukattan Periamet, Madras-3 situated at Madras-3.

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Periamet (Doc. No. 85|84) on February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fau

for an apparent consideration which is less than the fau market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri A. R. Thiagarajan, 9|A, Woothukattan St., Periamet, Madras-3.

(Transferor)

(2) Mis. Mathekar Khamrunissa, 10|61, Meenakshi Koil St., Cross Bangalore-51.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the Jate of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herem as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and Building. Premises No. 9A (old No. 38) Woothukattan St., Periament, Madras-3. (Doc. No. 85[84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Madras-60' 006

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 22nd August 1984

Rcf. No. 179/2/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Purasawalkam, Madras situated at Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Periamet (Doc No. 103/84) on Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trasfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the eforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to be the following persons, namely:—

 S. Ganesa Iyer, No. 16-A, New No. 6, Lakshmi St., Kilpauk, Madras-10.

(Transferor)

A. Kishin, & Others.
 S|o Shri Ainshiram.
 Mint St., Madras-79.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FRPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter.

# THE SCHIDULE

Land and Building: Re-Survey No. 91 1, Old S. No. 158 and 159. Collectors' Certificate Nos. 5091, 5332, 5757, Alagappa Nagar, Perambur, Purasawalkam, Madras. (Doc No. 103 84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date: 22-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-1 MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st September 1984

Ref. No. 185|2|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 o) 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Vacant land in R.S. No. 91/75 situated at Egmore Village, Madras

(and more fully described in the Schedule annoxed hereto), has been transferred under tre Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Periamet, (Doc. No. 150|84) on Feb., 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 were reason to believe that the fair market value of the propert, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. Gopalakrishnan,
 Slo N. Kuppuswamy Iyer,
 Umayal Road, Alagappa Nagar,
 Kilpauk, Madras-10.

(Transferor)

C. Chokalingam,
 S|o C. Chinnappan,
 Medavakkam Tank Road,
 Kilapuk, Madras-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Vacant Land: R.S. No. 91,75, Egmore Village, Madras. (Document No. 150|84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition RangeMadras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby miriate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

Date 1-9-1984 Seal: "(Strike off where not applicable)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

r ann ann an aire aire raitheann a<u>n a r-gailteagailteagailteann air a leagai</u>te

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-I \ MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 22nd August 1984

Ref. No. 190|2|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN

being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000|-and bearing

No. 3230, Anna Nagar, Madras situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed Levelo), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Anna Nagar (Doc. No. 320|84) on Feb., 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weard-Cax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri M. Abdul Rahim, 6-A, Kuppuswamy St., Sectarambal Nagar, Madias-47.

(Transferor)

(2) Dr. Abdul Sattar, 441, Anna Nagar, Madras-102.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the serice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said lammovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and Building: Plot No. 3230, Periakoodal Village, T.S. No. 5 Flat and Block No. 14, Anna Nagar, Madras. (Doc. No 320,84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Seal:

Date: 22-8-1984

\*(Strike off where not applicable)

(1) A. Kothandan, 19, Sengunatha Mudali St, Shenoynagar, Madras-30.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  V. Raji, 1/26, Neclakanda Mudaii St., Vanagaram Village, Saldapet, Madras.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-J MADRAS-600 006

Madras 600 006, the 22nd August 1984

Ref. No. 192/2/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000[-and bearing

Aminikaral, Madras situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras, S.R. Anna Nagar (Doc. No. 346 and 347[84) on February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) ficilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b.) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and Building: Block No. 6, Aminjikarai, T.S. No. 21/3, Abutting IV Cross Road, Shenoynagar, Madras. (Doc. No. 346 and 347/84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-J
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons ramely:—

Date: 22 8-1984

Seal:

\*(Strike off where not applicable)

 P. Viswanathan, Bandar Seri, Begawan Brunci.

## FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(2) K. Doraiswamy, 103, Anna Nagar, East, Madras-102. (Transferor)

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 22nd August 1984

Ref. No. 195|2|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have renson to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Land and Building at Ayyanavaram situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Anna Nagar (Doc. No. 445|84) on Feb., 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforeraid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the onsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the late of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and Building: Block No. 50, Survey No. 30 part of Ayanavaram Village, Block No. 12 at Aringar Anna Nagar, Madras.

(Doc. No. 445|84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—83—306 GI[84]

Date: 22-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

 Dr. K. Ragunath Rai, No. 10, Bronson Garden, Kilpauk, Madras-10.

(Transferor)

No. 183, Weedon House, Ducane Road, London W.12, United Kingdom.

(Transferce)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras 600 006, the 1st Septemer 1984

Ref. No 201|2|84—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incompetax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing

House Site at Plot No. 4931, Anna Nagar situated at Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Anna Nagar (Doc. No. 403|84) on Feb, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; had/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Vacant Land of house site: Plot No. 4931, Anna Nagar, Madras-40.

(Doc. No. 403|84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date: 1-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(1) K. Srirangam Allam, Wo G. Chellappa, A.S. Nagar, 14 N.R.N. St., Madras-49.

(Transferor)

(2) A. P. Kanna, So A. Padmanubhan, 3, VIII St., Madras-30.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 17th September 1984

Ref. No. 202/2/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing Rs. 25,000|- and bearing Villivakkam situated at Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Anna Nagar (Document No. 457 84) on February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been OF which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Land and Building: S. No. 175/2, Villivalkkam, Madras. (Doc. No. 457 84)

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the followin persons, namely :-

Date: 17-9-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-1
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 24th August 1984

Ref. No. 203|2|84
PREMA MALINI VASAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000|- and bearing
Plot No. 4821, T.S. No. 94, Anna Nagar,
situated at Madras-40
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
S.R. Anna Naga Doc. No. 575|84) on February, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) V. Narayanan, DoorNo. 47, Plot No. 4821, Anna Nagar, Madras-40.

(Transferor)

(2) M. Radha D-5, Anna Nagar, Madras-40.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building: Plot No. 4821, T.S. No. 94, Naduvak-karai, Anna Nagar, Madras-40.

(Doc. No.575]84

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

) ate : 24-8-1984

Seal:

\*(Strike off where not applicable)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 22nd August 1984

Ref. No. 204|2|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 4894, Anna Nagar situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Anna Nagar (Doc. No. 588,84) on February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—

 V. Nagayanan, W-55, 3rd Main Road, Anna Nagar, Madras-40.

(Transferor)

D. Thirunavukkarasu,
 Venkadesa Gramani St.,
 Madras-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pubcation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building: Plot No. 4894, T.S. No. 15, Anna Nagar, Madras-4.. (Doc. No. 588[84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Madras-600 006

Date: 22-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 21st August 1984

Ref. No. 206|2|84 —Whereas, I. PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Pa. 25000/ property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 77B, III Cross Street, situated at East Shenoy Nagar.

Madras-30

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at S.R. Anna Nagar (Doc. No. 614|84) on February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by he issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

 J. D. Ebenezer, No. 2, Second Cross Street, Sylvan Lodge Colony, Kilpauk, Madras-10.

(Transferor)

(2) S. Sivalingam, No 25, Pulla Reddy Avenue, Shenoynagar, Madras.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned : -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

House and Ground in Plot No. 77B, III Cross Street, East Shenoy Nagar, Madras-30. (Doc. No. 614|84.)

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600-006

Date: 21-8-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 22nd August 1984

Ref. No. 207|2|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

Plot No. 850, Villivakkam, Madras situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to oclieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been duly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

G. Ranganathan,
 First Main Road,
 C.I.T. Colonv,
 Madras-4.

(Transferor)

(2) Suit. Meera Sampath, Plot No. 4525 (AC-18), Anna Nagar, Madras-40.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and Building: Plot No. 850, R.S. No. 141, part of Villivakkam, Anna Nagar, Madras-40, (Doc. No. 627/84.)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600-006

Date: 22-8-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAN ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-1AX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 21st August 1984

Ref. No. 208|2|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 2000 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinater teterred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Naduvakkariai Village situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Anna Nagar (Doc. 642|84) on February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 C. R. Govindarajan, Slo Snri C. S. Kamanujam,
 Prithvi Avenue, Madras-18.

(Transferor)

(2) C. V. Jagadecsan, Slo. C. M. K. Viswanatha Mudaliar, No. 53, Aspiran Garden, Kilpauk, Madras-10

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House, Ground: Block No. 1-B, Naduvakkarai Village R.S. No. 74 Part, T.S. No. 153, Block No. 1-B, Naduvakkarai, Madras,

(Doc. No. 642 84.)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600-006

Date: 21-8-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-L MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th October 1984

Ref No. 305 Feb. 84 R.H.—Whereas, 1, Ref. No. 305 Feb.84 K.H.—vyhereas, 1, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 1, Ramidaishna Street, also known as situated at 25, Morabalam Road T. Nagar. Madras (Plot No. 11) Mambalam Road, T. Nagar, Madras (Plot No. 11) (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908—(16) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras South (Dic No 245, 246, 247, 243, 249 250, 251, 252, 253, 254, 255|84 on February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the nforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and than than fifteen percent of such apparent consideration and than the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-84-306 GI 84

(1) Mamakrishna Mission Belur Math, B. S. Bathy, Howrah District, West Bengal

(Transferor) Mrs. S. Valli and minor Sri E. Shanmugham, sio. M. Ethirajan, 110, Dr. Radhakrishnan Road. Madras-4.

Kalyani Films, 17, B. N. Reddy Road, T. Nagar, Madras-17.

Sri M, Subbarama Reddy, 27, Vijayaraghavan Road, T. Nagar, Madras.
 Maguntai Sudhakar Reddy, 27, Vijayaraghavan

Rord, Madras-17.

5. Magunta Srinivasalu Reddy, 27, Vijayaraghavan Road, Madras-17,

6. Krishnaveni Enterprises, 17, B. N. Reddy Road,

T. Nagar, Madras-17.

7. Mrs. R. Kamalam wo Mr. P. V. Rumaswamy. 25, Sir C. V. Raman Road, Madras-18.

8. Kum. Radha do P. V. Raman, 25, Sir C. V.

Raman Road, Madras-18.

9. N. Kumaran (Minor), slo. M. Nandagopal, 6. Cenotaph Road, Madjas-18.
10. N. Nagaraj, (Minor), Slo. M. Nandagopal, 6,

Cenotoph Road, Madras-18.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as expense. in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at No. 1, Ramakrishna Road, or 25, Mambalam Road, T. Nagar, Madras. Doc. No. 245|84 to 255|84 Madras South,

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600-00

Date: 10-10-1984.

Seal

FORM JTNS---

NOTE L UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITI DN RANGF-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th October 1984

Ref. No. 315 l/ch.80|R.II —Wherens, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to so the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/and bearing No

Survey No. 135/2, 110, Saligraman Village situated at Saidapet Taluk, Chingleput District.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Madras South (Doc. No. 232/84) on February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the frir mulicit value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than inteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand for
- (b) facilitating the concealment of any monome of any monomy of other assers which have not been of which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ter, Act 1957 (27 of 1957);

- Sti G. Kapali, slo. Govindaraja Gramani, Smt. K. Padmavathy, wlo Sri Kapali,
   Lokiah Naidu Street, Balaram Naidu Colony, Saligramam, Madras-600 093,
- (2) Smt. K. Prema, w/o Sri C. Krishnamurthy, No. 5, Park Side Street, Lake Area, Nungambakkam, Madias-34.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the dute of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald lammovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Land and building: 110, Saligramam Village, Sadiapet Taluk, Chingleput District,

Madias South Doc. No. 232|84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I. Madras-600-00

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said set, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore aid property by one issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following person—namely:—

Date: 10-10-1984,

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISTION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th October 1984

Rel. No. 317|Feb.84|R.II.-Whereas, I, MRS, M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Plot No. 272, 1. S. No. 269|1B situatId at Sub District of

Virugambakkam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Madins South (212|84) on February 1984

for an apparent consideration which is less than the fair nack t value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the dair marketh value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax ver. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following netsons, namely: -

- (1) Sri M. Govinda amy, 16, Adhiyappa Naicken Street, Madras-1 (Transferor)
- (2) Sri A. Ramadurai, Slo. P. V. Ananthasayanam Iyengar, 13, Narasimha Iyer Street, Madra-s33. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice o afthe respective pursons, highever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

TAPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter NAA of the rate Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Land and building at Plot No. 272, T S. No. 269 1B, Sub District of Virugambakkam, South Madras Neighbourhood Scheme.

Modrae South Doc. No. 212|84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner on Jacome-tax Acquisition Range-\*, Multips-600-006

inic: 10-10-1984.

#### FORM I.T.N.S. -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th October 1984

Ref. No. 318 Feb. 84 R.H.—Whereas, 4, MRS, M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereunder referred to as the 'suid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing \( \frac{1}{2} \), 23, Big Street, Triplicane situated at Madras-5 and more fully described in the schedule annexed hereto), '115 been transferred under the Registering Officer at Triplicane, (Doc. No 76 | 84) on February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

- Minor J, Srinivasan, Guardian Smt, Govindammal,
   Ponnappa Chetty Street, Madras-5.
- (2) Smt. A. Mecnakshi Achi, 184, Big Street, Madras-5.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said manaovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used rerein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and building No. 23, Big. Street, Triplicane, Madras-5 (Triplicane Doc. No. 76 84.)

MRS. M. SAMUEL Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600-006

Date: 10-10-1984.

Seal .

RF THE TAXABLE PARTY IN THE PAR

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th October 1984

Rof. No. 319/Heb.84/A.II.--Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-and bearing

No. 14, Vecraraghava Mudaliar Road situated at Triplicane, Madras-6.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Triplicane (Doe No. 40|84) in February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afficen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in tespect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957):

- (1) Sri S. A. Wanaro Johra, P. F. Fazul Mohd., Md. Alı Street, Podakudi, Tanjore District. (Transferor)
- (2) Sri S. AM. M. Riaz Ali, East Street, Podakudi P.O., Tanjore District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and building: at 14, Veeraraghava Mudali Street. Tuiplicane, Madras-5.
Tuiplicane Doc. No. 40 84.

MRS. M. SAMUEL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said let, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-10-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF\_1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madray-600 006, the 10th October 1984

Rel. No. 328'Feb 84|R II —Whereas, I, MRS. M. SAMUEL.

being the Competent Authority under Section 269E of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

No. 22, Tholasingaperumal Koil, First I ane, situated at Tripheane Madras-5 (Doc. No. 101/84)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transcribed under the Registration Act, 1908 (16 of 1900) in the office of the Registering Officer at Trip, care (Doc. No. 10184) in February, 1984

on an if, tent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- the hacelitating the concealment of any income or any moneys of older assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said tet, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Sri K, Srinivasan, Badrinarayanan, Krishnan, Saroja, Alabujam,
 Reserve Bark Colony, Madras-41.

(Transferor)

(2) Sri T. Himayavalli, Senthilkumaran . Arulkumaran, No. 27. Sherk Dawood Street, Royapettah, Madras-14 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Lat I and building at No. 22 The asing appertunal Koil first Lane, Triplicane, Madras-5.

Triplicane Doc. No. 101/84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madias-600 006

Date # 10-10-1984. Scal :

(1) Sri T. G. N. Doraisamy Chettiar and D. Gopalakrishnan, No. 17. New No. 8, Naickmar Street, West Mambalam, Madras-33.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Saraswathi Babu, No. 5, Perumal Koil Street, Madras-33

(Transferee)

OFFICE-OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600'006

Madras-600 006, the 8th October 1984

Ref. No. 197|Feb.84|R.II.-Whereas, I. MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs\_25,000|- and bearing T. S No. 12, Block No. 63 situated at Kodambakkam

T. S No. 12, Block No. 63 situated at Kodambakkam Village (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1958) in the office of the Registering Officer at k-cdambakkam (Doc. No. 458|84) in February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the preperty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writting to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immove ble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Land and building at T. S. No. 12, Block No. 63, Kodambakkam Village.

Kodambakkam|Doc. No. 458|84.

MRS. M. SAMUEI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the same Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 8-10-1084.

# FORM ITNS----

(1) Sri T. Narasimhan, (2) Harinarayanan, Krishnaveni. Batchamani, Pushpavathi, 68, Pattammal (5) Batchamani, Pur Mowbrays Road, Alwarpet, Madras.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) Sri S. Mahadevamma, 86 Sullivans Garden Place. Mylapote, Madras. (Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undereigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

(a) by any of the aforesaid persons within a perica of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Madras-600 006, the 10th October 1984

(b) by any other person interested in the said immov-

Ref. No. 114 Feb.84 R.H.—Whereas, I. MRS. M. SAMUEL,

able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

> EXPLANATION; -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act hall have the same meaning as given in that Chapter.

No 68, Mowbrays Road, Alwarpet, Madras situated at Alwarpet, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been tran terred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mvlapore (Doc. No. 111/84) on February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or:

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1967 (27 of 1957);

Land and building: 68, Vio vbrays Road, Alwarpet. Madras. Mylapore Doc. No. 111 84.

> MRS, M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-10-1984.

Seal .

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th October 1984

Ref. No. 118|Feb 84|R.II.-Whereas, I. MRS. M. SAMUEL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income- ax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing
No. 20, 4th Main Road, R. A. Puram situated at Modras-28 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Mylapore (Doc. No. 138/84) in February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evaluon of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tex Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act: 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Neela, wlo Late Rajagopalan, 20, St. Mary's Road, R. A. Puram, Madras-28.

(Transferor)

(2) Sri P. Vasudevan, so Pattabirama Iyer, 5th St., Gopalapuram, Madras-86.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and building at No. 20, 4th Main Road, R. A. Puram, Madras-28, Mylapore|Dec No 138|84

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely: ---85-306 GT|84

Date: 10-10-1984.

#### FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006:

Madras-600 006, the 10th October 1984

Ref No. 120 Feb. 84 R.H.-Whereas, I. MRS. M. SAMUEL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

No. 33 Ale Abiramapuram 3rd Sheet, Madias-18 situated at Madras-18 (and more fully described in the schedule annexed bereto)

hereto)

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

and the Registation Officer at Mylapore (Doc No. 162|84) on February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property and therefor he was a consideration therefore he was a consideration therefore he was a consideration to the consideration that the consideration the consideration the consideration that aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed 0 between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment-or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I her by initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

ing persons, namely :--

(1) Miss. Arigapudi-Padma, No. A|6-20, 3rd Screet, Abiramapuram, Madras-18

(Transferor)

(2) Mrs. Saroja Rangarajan, Srl Vinayaga Appartments. 213, Trustpakkam, South Madras-28.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given ni that chapter.

# THE SCHEDULE

Land and building: Door No. 33 Alo, Abiramapuram, 3rd Street, Madras-18.

Doc. No. 162|84Mylapore.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 10 1A-1984 Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 29th September 1984

Ref. No. 248|Feb.84|RII.--Whereas, I, MRS. M. SAMUEL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Ac., 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a tair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Block 21, T.S 3 situated at Property as specified in schedule to Doc. No 1005|84 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Trichy (Doc. No. 1005|84) in February, 1984 for an apparent consideration which is less han the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration theretor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Trichy Town Simco Metre Factory Road, Plot No. 4, Lamamu my wite Smt. Kavitha Ramamurthy, Trichy Town.

(Transferor)

(2) Sri Muthuraman, slo. Palaniappa Chettiar, Trichy Pudukkotani Koppapetty Bakery House, Trichy.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land At: Block No. 21 T.S. No. 3 Property as specified in schedule to Doc. No. 1005|84|Trichy.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 0^

Date: 29-9-1984

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

'ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 29th September 1984

Ref. No. 239|Feb 84|R,II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No.

Property as specified in situated at schedule to Doc. No. 368/84

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Mettupalayam (Doc. No. 368|84) in February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fall market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fall market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the redection or evasion of the imbility of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income on any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1937 (27 of 1957);

(1) Sri Srinivasa Prabakar. s| ), Mechakanisan u.am Chettiar Krishnadasa Colony, Mettupalayam,

(Transferoi)

(2) Sr. P. Shannwgh undararajan, slo M. Palanisarny, Bungalow Medu, Mettupalayam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 lays from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land: Property as specified in schedule to Doc. No. 368|84.

Mettupalayam|Doc. No. 368|84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II. Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, parcely:—

Date: 29-9-1984.

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE JNCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 29th September 1984

Ref. No. 30|Feb.84|R.II.-Whereas, 1,

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, naving a fair market value exceeding Rs. 25,000]and bearing No.

No. 1|56, Somasundarapuram situated at Bhavani

(and more many described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Bhavani (Loc. No. 253|84) in February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property at aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri B. R. Mariappan and others, slo. Ramasamy Gounder. West Street, Bhavani.

(Transferor)

(2) Sri J. A. Muthuswamy. s|o T. M. Almanare Mudaliai, Nembai, Bhavani.

(Transferee)

Objections, if any, to the a equisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of puol<sup>1</sup> cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and building: 1|56, Somasundarapuram. Bhavani, Bimvard Doc. No. 253 84.

> MRS. M. SAMUHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 29-9-1984.

Seal:

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :- -

#### FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 29th September 1984

Ref. No. 46|Feb 84|R.H.-Whereas, I. MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 - and bearing No. Property as specified in schedule situated at to Doc. No. 776|84,

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred.

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 776|84. on Feb. 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belie e that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andior
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--Scal '

"(1) Smt. P. Saraswaihi, Wlo K. Ramachandran,

(Transferor)

(2) Sri K. Hariram, Slo Krishnasamy Neidu, Wo K. Hariram Smt. H. Meenalaochani, 49, Barathiar Road, PA. NA. Palayam, R. Devarejan, So K. Ranganathan, 68, Ansari Veedhi CBE. M. Kanagachalam, Slo Muthusamy Chi., 108, Bharathipuram, CBE, The Productivity Canteen, Secretary-6|48, Avanasi Road. Coimbatore

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHIDULE

Land Property as specified in schedule to Doc. No. 776|84. Coimbatore.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 29 9-1984

### FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME.
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISTTION RANCE-IT, MADRAS-600 006.

Madray-600 006, the 20th September 1984

Ref. No. 263; Feb 84 R-JL—Whereas, I, MRS M. SAMUEI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Revenue Ward I, Manicipal Word 8, Block No. 27, T. S. 60 Door No. 36,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (10 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Erode (Doc. No. 610/84) in February 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269Q of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri M. Ramasamy, Slo A. T. Ma. mana Mudaliar, 36, Thillainagar, Erode-i

( Pransteror)

(2) Sri S P. Kasıvıswanathan, K. Valliammai, K. Ramasamy ,10, Kambar Veedhi, Erode-1.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and building Door No. 36, T. S. 60, Block No. 27, New Ward C, Municipal Ward 8, Revenue Ward I, Erodo Fown. Doc No. 610|84|Erode.

MRS. M. SAMUEI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incom et a, Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 29-9-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# So B. L. Lingappa Gowder, No. 208, Mettupalayam, Road, Coimbatore,

(1) Sri Borai Gowder,

(2) Minor J. Bindu,

# (Transferor)

(Transferice) -

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th September 1984

Coimbatore Town.

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

(b) by any other person interested in the said immovable

property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

shall have the same meaning as given in that

45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a relod of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

represented by guardian and father H. Jayaram, No. 64, Race Course Road,

Rei. No. 48[Fcb.84]R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUFL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immo able property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

6. Bashyakeralu Road, R. S. Puram, situated at Coimbatoro

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Coimbatore (Doc. No. 581/84) in February 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein seare defined in Chapter XXA of the said Act,

Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or

## THE SCHEDULE

Land at Site No. 6, Bashyakardu Road, R. S. Puram, Coimbatore. Doc No. 581|84|Coimbatore.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ux Act, 1957 (27 of 1957):

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 29-9-1984

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# 51 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Mad:as-600 006, the 29th September 1984

Ref. No. 54|Feb.84|R.H.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

2nd ward, Kamakshi Josier St.

situated at Kumbakonam, Tanjore district.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Kumbakenam (Doc No. 199 |84). on February 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
86-306 GH84.

 Sri R. Lukshnukantha Sarma, S<sub>1</sub>o Ramenandmiar, 14, Kamatchi Joshier St., Kumbakonam.

(2) Aa. Su. Aa. Mu. Adiyan chethar, Slo Aa. Su. A. Muthia Chettiar, 33, 34, Kumbeswaraswamy Koil Vadakku Veedhi, Kumbakonam.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein ware defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building 2nd ward, Kamatchi Josier St, Kumbakonam Town, Tanjore District. Doc. No. 199|84|Kumbakonam.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 29-9-1984

Sen1:

# FORM ITNS ....

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II Madias-600 006.

Madras-600 006, the 29th September 1984

Ref. No. 279 Feb. 84 R.H.—Whereas, I.

MRS. M. SAMUEI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961+(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000- and bearing Melarajayeethi. Pudikkottai Town situated at Pudukkottai Town

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Pudukottai (Doc. 225/84) on Feburary 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to betfeen the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ray Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 Sri Aboul Muthalipu Rawther, Slo Abdul Rahman, Rowther, Mela 6th Veethi, Pudukkottai Town.

(Transferor)

(2) Minor Basheer Ahmed-By mother and guardian Farida Bivi Minor Mohd. Meeta,
By mother and guardian Mydeen Beevi, Chapdaipettoi,
Arasarkulam upper half,
Aranthongi,
Pudukkottai.

('Fransferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building Melarajaveedhi, Pudukkottai Town, Doc. 225/84/Pudukkottai.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commission of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 29-9-1984

#### FORM ITNS-----

# NOTICE UNDER SECTION 2600 (1) OF THE THEORY IN A TOTAL (12 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACOUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 29th September 1984

Ref. No. 51|Febl84|R.H.—Whereas, I. MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fail market value exceeding Rs. 25.000|- and bearing No. Land at Thelungupalayam. situated at Thelungupalayam. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 636/84) on February 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than . fiftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the hability of the transferor to pay the under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Minor Banurekha, Guardian and rather M Nandagopal, 19A, West Venkatasamy Road, R. S. Puram. Coimbatore.

(Transferor)

(2) Dr. Mathew Sebastine, Sign V V Mathews, CUXHAVAN ALTENWALR CHAUSSEE OLIGHA, VIGNI MY.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULF

Land at Thelungupalayam, Village, Doc No. 636/84/Coimbitore

MRS. M. SAMUBL Competent Au. 49 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Renge-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date : 29 9 1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Pannaminal slo Rangasamy Gounder Ottamparar, Marletiparayani Coimbatore Taluk

# (Transferor)

(2) Sri S. Ramsraj do Subba Gounder Arasampalayam Pollachi Taluk

(Transferec)

# GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 29th September 1984

Ref. No. 141Feb.541R.II.—Whereas, I, MRs. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair and the competence of the com immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,0000 and bearing No.

Maylempalayam vilinge stated at Coimbatore faluk vide Doc No. 4/0/84. (scnedule)

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act; 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thuppur (Doc. No 470|84) on February 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object ofObjections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Conzettee.

EXPLANATION ( -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax. Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULF

Land in Maderipalayam Village, Combatore Property as specified in schedule to Doc No 470/84/Tiru pur

> MRS. M. SAMUEL Competent\_ Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madray-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeshid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date · 29-9-1984

Sea1

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# (1) Sii. S. C. Rain Monan sjo Snam Sunder 33, Dr. Radhakrishna Radx, TÁTABAD

(2) On behalf of Coimbatore Auto Carriage

Partners: (1) Sri R. Murugian (2) Sri R. Palaniswamy, sons of Rayappa Gounder, so. Murugian.

(Transferce)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASST1. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 29th September 1984

Ref. No. 140 Feb.84 R.H.—Whereas, I. MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immuvable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

T. S. No. 11[1295]Land at Gandhipuram.

situated at Cos. No. 220 Gaussipa san, Coimbatore, (and more fully described in the Schedule annoxed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent at Gandhipuram (Doc. No. 351/84, on February 1984

for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by a ore than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for

(a) facilitating the reduction or evasion of hability

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other a sets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land at Gandhipuram Property as specified in schedule to Doc. No 351 84. Gandhipuram

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : --

Date : 29-9-1984

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### \CQUISITION RANGE-II. MADRAS-500 006.

Madras-600 006, the 29th September 1984

Ref. No. 269[Fcb 84]R.H. -- Whereas, 1, MRS. M. SAMÚEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Patta No. 40 Perur, Chettipalayam village situated at Coimbatore Taluk

tand more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 325/61) on February 1984

for an apparent consideration which is less than the gair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair marke value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has no been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or . any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the · Wealth-tax Act, 1957 (27 of .957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Sii C. Vasantharaghavan,

G. S. Shanmugasinaaram, C. S. Sudhakar, 3. C. R. Vijayarathnam, 4. C. R. Murugesan, 5. Rathnasabapathy

C. M. Ramesj, Kamalavalli, Rukmani, 7/332, Lakshminiyas, Ayanasi Road,

Coimbatore-18.

(Transferor)

(2) Coimbatore Cooperative Milk Distributors, Union Linuted, R S. Puram, Coimbatore-2. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given at that Chapter,

# THE SCHEDULE

Land and building at Chettipalayam Village, Patta No. 40, Coimbatore Taluk. Doc. No. 325/84/Coimbatore.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 29-9-1984

Scal:

### FORM No. I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II MADRAS-600 00%.

Madras-600 006, the 29th September 1984 Ref. No. 138|Feb.84|R II.— Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961 (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. Plot No. 422. G. S. 176 & 177, T. S. No. 11/731 situated at Sanganoor Village

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Gandhipuram. (Doc. No. 285/84) on February 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds he apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Dr. J. B. Pinto, & Dr. France Pinto, Slo. Diego Pinto, slo. J. B. Pinto, 11/74, 11th Street, Tatabad, Coimbatore, 12.

(Transferor)

(2) Smt. M. Meyyammai, woo V. Mohan, 73A, 11st.. Tatabad, Coimbatore, 12.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersighed:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULL

Land and building at Plot No 492, Sanganoor Village Gandhipuram. Doc. No. 285184

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 29-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 29th September 1984

Ref. No. 286|Feb.84|R.H.-Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing R. S. Nos. 1476|1, 1477|1, 1475, 1474. situated at Property asspecified in schedule to doc. No. 298|84 (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered under at Coondor (Doc. No. 298|84) on February 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Ishwardas Mittal. Son of Amirnath Mittal, Asnok Nivas, Mount Pleasent Road, Coonoor, 2.

(Transferor)

(2) 1. Sri C. Devaru, so. V. K. Chinnaswami Naicker, 95, Mount Road, Coonoor, 2. 2. Smt. V. Cubulakshami,

(Transferee)

Wlo R. Venugopal, 31, Grays Hills, Coonoor 1.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within & period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULF

Land:—Property as specied in schedule to Doc, No. R. S. Nos. 1476|1, 1477|1, 1475|1, 1474.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 29-9-1984

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

 Sri Narayanan, s|o. C. Raghavachari, Door No. 25 Sarojini St., Mahalugapuram, Pollachi

(Transferor)

26577

(2) Sri S. P. Palanappa, Partners: M. P. Subbiah Chr. For Cycle Emporium, 124, Bazar St., Pollachi

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras 600 006, the 29th September 1984

Ref. No. 73 [R.II] Feb.83. --Whereas, I, MRS. M. SAMUFI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000]- and bearing
No. Door No. 25, T. S. 23 A Pollochi situated at Pollachi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Registering Officer

at Polluch ( Doc No 227|84) on Februry 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exxeeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agred to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:——87-206 GI|84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and building:—Door No. 25, T. S. 23|1A, T. S. Ward No. 5, Mahalingapuram, Pollachi Doc. No. 227|84| Pollachi.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 29-9-1984

# FORM IT'NS- ----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGA 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th September 1984

Ref. No. P.R. No. 2996 Acq  $23_1H[8\ U85]$  --- Who co., U. G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tox Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 000] and bearing

No Ward No. I Nordh No. 3268 parki at Kazi nu Medan

Gopipura—Surat,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 190 + 6 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 9-2-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partie has not been truly stated in the said in furnish of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay the under the said Act, in respect of any income a ising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer of the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-fax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269210 of the said Act, to the following persons, namely—

(1) Naz munisha dio Gulara Haider Gulam Hasin and others— Kazinu Medan--Gopipura— Surat.

(Transferor)

(2) 'Panch Ratna Land Developers'
R.F.
Partners—Babubhai Mulchanddas Modi
Shantilal. G. Merchant,
710—Modi Sons—Havadia Chakala
Ambaji Road—Surat

(Transfer™)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official, Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (h) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPI MATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The property is situated Gopipura Surat. The document is registered at S. R. Surat vide No. 1075 Dt. 9-2-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III, Ahmedabad

Date: 17-9-1984

Scal :

# FORM J.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

ACQUISITION RANGE-II.

2ND FLOOR. HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Ahmedabad-380 009, the 17th September 1984

Ref. No. P.R. No. 2997 Acq.23<sup>1</sup>II 84-85.--Whereas, 1 G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. Waid No. 1 Nondh No. 696—Flat No. 501 at Virat Anit.—Surat

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office; at Surat on 28-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have rea on to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Dilip S. Mehta, 501—Virat Aptt. Diwali Bag -Smat.

(Transferor)

(2) Rokha Virat Mehta, Umara lakat Naka, Athwa Lines—Surat.

(Transferce)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (2) b any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

INPLANATION. The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The document is regd. at S.R. Surat vide No. 1568 dated 28-2-1984.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-9-1984

Scal:

# FORM I.T.N.S.—

(1) 1. Rajinder Sing 3|3 Mokel House—Delhi-9.

2. Kulnt Sing 4|26 Roopnagar---Delhi-7.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Usha rani Mukeshkumar at Nav Sargen Socy. No. 3 Flat No. 35—Kailash Nagar—Surat

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmcdabad-380 009, the 14th September 1984

Ref. No. P.R. No. 2998 Acq. 23|II|84-85.—Whereas, I

G. K. PANDYA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

Shop No. F. 3031 situated at Smat Textile Market -

Ring Road—Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 6-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excueds the apparent consideration therefor by more than afficen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said unmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The property is situated at Surat Textile Market—Surat The document is registered at Surat vide No. 962 dated 6-2-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 14-9-1984

#### FORM I.T.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

QFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II.
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
ΛΗΜΕΦΑΒΑΦ-380 009

Ahmedabad-380 009, the 14th September 1984

Ref. No. P.R. No. 2999 Acq.23]II[84-85,--Whereas, 1 G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

Shop No. 2189 at Surat Textile Market-

Ring Road-Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 23-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jugal Kishor Kevalram Nandvani, Janta Nagar, Bhatar Road— Surat.

(Transferor)

 Karamchand Kevalram Nandvani, Yogi Kripa Socy. Bhatar Road—Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazesia

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The property is situated at Surat Textile Market. The document is regd. at S.R. Surat vide No. 1469 dated 23-2-84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 14-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### Koturam Takandas Narang, at 405, Satya Guru Aptt. Near Majura Gate, Surat.

Athwa Lines-Surat.

(2) Gopichand H.

(Transferor)

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 14th September 1984

Ref. No. P.R. No. 3000 Acq.23|II|84-85.—Whereas, 1 G. K. PANDYΛ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No. Godown No. C-5 at Surat Textile Market—Surat. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 15-2-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Clo G.H. Textime Opp. Ambica Niketan,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same macning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

The property is situated at Surat Textile Market. The document is regd. at S.R. Surat vide No. 1243 dated 15-2-84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III, Ahmedahad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the Moreoud property by the issue of this notice under sub-cetion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-9-1984

F \_F 5 %

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 2ND FLOOR, HANDI OOM HOUSE, ASHRAM ROAD AIIMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 14th September 1984

Ref. No. P.R. No. 3001 Acq 23<sub>1</sub>H<sub>1</sub>84-85—Whereas, I.G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a tair market value exceeding Rs. 25,000] and bearing! No.

No Shop No. 2159 at Emat Textile Market Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Surat on 15-2-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been unly still in the said instrument of transfer with the object of the

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any impose arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the conceanment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following parson namely:

 Bahadurchand Huanand Chopara, 47—Ashok Nagar—Athwa Lines— Surat.

(Transferor)

(2) Jagdishchandra Jamnadas, Block No. 10—Ghanshyam Nagar, Bhatar Road—Surat,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Acreshall have the same meaning as given in tag. Chapter.

### THE SCHEDULE

The property is situated at Surat Textile Market. The document is registered at S.R. Surat vide No. 1242 dated 15-2-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III, Ahmedabad

Date: 14-9-1984

# FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 14th September 1984

Ref. No. F.R. No. 3002 Acq. 23[II]84-85.—Whereas, I G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the become-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to an the 'said Act'), have reason to believe that the immovable pro crty having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

No. Shop No. D. 1019 situated at Surat Textile Market-Ring Road—Surat.
(and twore fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Surat on 3-2-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration has been per the such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to be the consideration for such transfer as agreed to be the consideration for such transfer as agreed to be the consideration for the consideration for such transfer as agreed to be the consideration for such tra parties has not been truly stated in the said instrument of mansfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (ii of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Kırtikumar Dhirbhai Desai, Prop: of Arora Textile, Desai Sheri-Sagrampura-Surat.

(Transferor)

- (2) M/s Anikumai Mohanlal & Co. Partners.
  - 1. Mohanlal Bhavarlal Bhoger,
  - Bansilal Chunilal Bhoger.
     Gerilal Tarachand Parmar.
  - 4. Mangilal Mohanlal Bhoger Raghva Rahevasi Rish Modi ni Sheri, Sagrampura—

Surat.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat Textile Market. Shop No. D.1019 The document is regd. at S.R. Surat vide No. 893 dated 3-2-1984,

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range III, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 14-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT . COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 14th September 1984

Ref. No. P.R. No. 3003 Acq.23|11|84-85.--Whereas, I G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

No. Shop No. Z. 2191 situated at Surat Textile Market-Ring Road-Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Suret on 28-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald accepts the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—88—306GI[84]

(1) Omprakash Lala Alini ram Bhatinda Sedai Bazar—Panpal.

(Transferor)

(2) Devendrakumar Shriram Anand Triveni Aptt.—Nanpura— Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

The property is situated at Surat Textile Market No. Z. 2191. The document is regd. at S.R. Surat vide No. 1560 dated 28-2-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III, Ahmedabad

Date: 14-9-1984

Seal ;

# FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 \( 43 \) OF 1961\)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGF 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASIRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 14th September 1984

Ref. No. P.R. No. 3004 Acq. 23|II|84-85.—Whereas, I G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 2691 of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding No. Shop No. A 3334 at Surat Textile Market—Surat.

(and more, fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Surat on 23-2-1984

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to be the following persons, namely:—

 Mohmed Ismail Abdul Rahim Kagadi Muyateara beside the Mission School Sutat.

(Transferoi)

(2) Seema Silk Mills—

 Partner Mumtaz Banu M. Azam
 Zulekha Banu M. Yusuf—
 at Bhav Nagari Sheri—
 Rani Talav
 Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The property is situated at Surat Textile Market—Ring Road Surat. The document is read at S.R. Surat vide No. 1468 dated 23-2-1984.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range III. Ahmedabad

Date: 14-9-1984

Scal:

# FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Chananmal Sonamal Kot-Safil Road Mardania Vad—-Surat.

(Transferor)

 Harbanslal Avinashram Sahani at 802—Triveni Aptt. Nanpura— Surat.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASIIRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 14th September 1984

Ref. No. P.R. No. 3005 Acq. 23|H|84-85,--Whereas, 1 G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

No. Shop No. X-2152 at Surat Textile Market—Surat. (and morefully described in the schedule annexture hereto has been transferred under the Registration Act 1980 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 22-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The property is situated at Surat Textile Market—Surat. The document is regd. at S.R. Surat vide No. 1430 dated 22-2-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III, Ahmedabad

Date: 14-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 14th September 1984

Ref. No. P.R. No. 3006 Acq.  $23|\Pi|84-85$ .—Whereas, I G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

No. Shop No. Z-3193 at Surat Textile Market—Surat. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 21-2-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apaprent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) factifiating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Decent Silks Fabrics
 Partners.
 Noormohmed Haji Mohmed
 V. K. Abdulbhai N.
 Bhaga—Talav—Surat.

(Transferor)

(2) Kishan. Gopal R. Arora Textile Mill—Surat. No. Z. 3193—Ring Road— Surat.

(Transferce)

Objections, if say, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation s—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The property is situated at Surat Textile Market—Surat. The document is regd. at S.R. Surat vide No. 1384 dated 21-2-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IIII, Ahmedabad

der subo follow- Date Seal:

Date: 14-9-1984

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

# FORM FINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Lataben Bachubhai Desai Shrungar Socy. Umara Jakat Naka---

(Transferor)

(2) Mahendrakumar Ghevarchand Shekhani Gopipura-Smart Falia-Surat.

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 21st September 1984

Ref. No. P.R. No. 3008 Acq. 23 II 84-85.—Whereas, I G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. S. No. 136, 137 Final Plot No. 55 at Shubhash Nagar Co. op. Hsg. Socy.—Surat. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 20-2-1984 Surat on 20-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The property is situated at Subhash Nagar Co.op Hsg. Socy. Surat. The document is regd. at S.R. Surat vide No. 1338 dated 20-2-1984.

G. K. PANDYA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range III, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 21-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-I/II AHMEDABAD

Ahmedabad 380 009, the 21st September 1984

Ref. No. P.R. No. 3009 Acq.23 II 84-85.—Whereas, I. G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe t hat the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and

bearing No. S. No. 41/8 paiki Plot No. D situated at Umaro—Surat,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering

Officer at Surat on 3-2-1984

ket value of the aforesaid property, and I have reason to be-lieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the suid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Pratibhaben M. Modi-Juni Adalat-Gopipura-Surat.

(Transferor)

(2) Vimladevi Rameshwarlal Tapadia Rameshbhai Hiralal Tapadia Salabatpura—Zunda Sheri—

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The property is situated at Umara—S. No. 41/8. The document is read at S.R. Surat vide No. 880 Dt, 3-2-1984.

G. K. PANDYA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedahod

Date: 21-9-1984

(1) Shri G. C. Davar & Sons— At 27—Shaktinagor—Athwa Lines behind Ambica Niektan—Surat,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961) (2) M/s Gulshantam Ravikumar partners—Harichand N. & Others— Surat.

(Transfere. )

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 21st September 1984

Ref. No. P.R. No. 3010 Acq 23[II]84-85.—Whereas, 1, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and

bearing No. Shop No. D. 3010 situated at Surat Textile Market Ring Road, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at at Surat on 28-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the rair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer;

and/or

(b facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the aid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) b any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION S—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The property is situated at Surat Textile Market, the document is regd. at S.R. Surat vide No. 1601 Dt. 28-2-84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 21-9-1984

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Ringumal Gajanmal Variyani & Ors. Gopipura—Kazinu Medan—Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sudhaben Gunvantlal Khatri 48, Harinagar No. 1, Udhna—Surat.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, AHMEDABAD Ahmedabad, the 22nd September 1984

Ref. No. P.R. No. 3011 Acq. 23|II|84-85.--Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

beoring No. 8 Nondh No. 1854

Gopipura-Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

The property is situated at Gopipura—The document is regd. at S.R. Surat vide No. 837 Dt. 2-2-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedahod

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 22-9-84

FORM ITNS----

CONTRACTOR STATEMENT OF THE STATEMENT OF

SHART UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IL AHMEDABAD

Ahmedabad, the 22nd September 1984

Ref. No. P.R. No. 3012 Acq. 23 [II] 84-85,---Whereas, I. G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 - and bearing No. Wd. No. 7 Nondh No. 2283 situated at Rampuia—Surat. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been translerred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Suret on Teb. 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the particu has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evaston of the liability of the transferor to pay fax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-89-306 GI]84

(1) Shri Uttambhri Patel at Village Umbhel-Tal, Kamrej.

(Transferor)

(2) Sh. Nashir Mohmed Yunus Shaikh 6/694—95—Room No. 29 2nd Floor—Bhavani—Haripura— Surat.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires lator;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPT ANATION:—The terms and expressons used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The property is situated at Smat. The document is regd. at SR Surat vide No. 830 Feb. 1984.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedahad

Date: 22-9-84 Seal:

26594

(1) Sh. Ibrahim F. and Others Bomboy.

(Transferor)

· ----

(PART MI-SEC 1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Dawat Properties Trust Dr. Saidana Mohmed Y. Saheb Salyadana Saheb's Davit Zampa Bazar-Sur it

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II AHMEDABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

Ahmedabad, the 22nd September 1984

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. P.R. No. 3013 Acq. 23|II|84-85.--Whereas, I, G. K. PANDYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act.), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No. Ward No. 3—Nondh No. 940

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

paiki Surat.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 5-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

# THE SCHEDULE

'b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The property is situated at Surat. The document is regd at S.R. Surat vide No. 972 Dt. 6-2-1934.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rangell, Vinadabad

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persous, namely :--

Date: 22 9-84

(1) Ms Shanti Builders-Ajanta Shopping & Textile Arcade-Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Arvindbhai C. Champaneria Bunglow No. 11—Pushpakunj Socy Sumul Dairy Road—Surat.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 22nd September 1984

Ref No 1'R No 3014 Acq 23[II]84-85.—Whereas, I, G. K PANDYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a ran market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing bearing No Oilice No. 343 Third Floor— Ajanta Shopping & Textile Aiccade—Surat

Form No 37EC is submitted (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the oline of the registering officer at undersigned on Feb 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the ran market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than influence p. Cat. . . . on artist consideration and that the unusideration of facts. . . . anster as agreed to between the parties L. a not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ......

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 57);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsecuon (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely --

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette on a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Feb. 1984.

> G. K. PANDYA Competent Author'ty Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedahod

Date: 22-9-84

(1) Mls. Shanti Builders-Ajanta Shopping & Textile Areade Ring Road—Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sh. Deepakkumai Kantilal Gandhi & Others-Goрірига— Surat.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 22nd September 1984

Ref. No. P.R. No. 3015 Acq. 23 [II]84-85.—Whereas, I. G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and

bearing No. Office No. 536 at Ajanta Shopping and Textile Arcade—Ring Road—Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred form No. 37EE is suomitted in the office of the undersigned in Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ofteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Feb. 84,

> G. K. PANDYA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date · 22-9-84

(1) Laxmiben Gokalbhai Patel & Ors. Nadiad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Proposed Shalimar Co.op. Hsg. Socy. Main promotor Sh. Karimbhai Rahimbhai Alad—Nadiad.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 22nd September 1984

Rel. No. P.R. No. 3016 Acq. 23/11/84-85.--Whereas, I. G. K. PANDYA

licing the Competent Authority under Section 259B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. S. No. 2147 adm. 4350 og. mtr.

Chakalashi Pati

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Nathod on Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe hat the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than I ton or cent of such apparent consideration and that the a toda. In for such transfer as agreed to between the parties its not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a, facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A sale deed has been registered for on amount of Rs. 163400 in respect of land of S. No. 2147 adm. 4350 sq. mtr, of Chakalashi Pali Anand.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 22-9-84

(1) Surajben Gokalbhai Patel & Ors. Nadiad,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Karimbhai Rahimbhai Main Promotor & Proposed Shalimar Co.op, H. Socy, Alad Nadiad—Vorwad.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 22nd Soptember 1984

Ref. No. P.R. No. 3017 Acq. 23 [II] 84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority, under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. S. No. adm. 4405 sq. mtr. of Chaklashi pati—Nadiad

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1508) in the office of the Registering Officer at Nadiad on 23-2-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than freen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

A sale deed has registered for an amount of Rs. 167000 in respect of adm. 4405 vq mat. of Chaklashi Pati Nadiad Reg. No. 4471.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabed

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 22-2-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 22nd September 1984

Ref. No. P.R. No. 3018 Acq. 23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and

bearing No. S. No. 264 of Kanjari

Tal. Anand.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anand on 23-2-1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely:—

 Sharmakar Pvt. Ltd. Director— Arunbhai Purshottamdas Samdi Chokla—Nadiad.

(Transferor)

(2) Nadiad Tafan Glass Pvt. Ltd. Clo Sh. Dhirajbhai Somabhai Nadiad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Actahall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

A sale deed has been taken place for an amt, of Rs. 60000|- in respect of land adm. Acre 1 Guntha 18 of S. No. of Kanjari Tal, Anand,

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Completions of Income-tax
Acquisition Range-II, Alimedabad

Date: 22-9-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Yusufbhai Ahmeddbhai Vohna NanaAdah—Ni, Mahadev Anond

(Transferor)

(2) Santiam Co.op Hsg. Socy. (Proposed) Chief Promotor— Sh. Dilipkumar Jashbhai Patel 7<sup>1</sup>A Ravi Socy Anand

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 22nd September 1984

Ref. No. P.R. No. 3019 Acq. 23<sub>1</sub>H|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and

bearing No. T.P.S. No 3 FP 253

Plot at Anand

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Annald on 21-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have no to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument or transfer with the object of the

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXFLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULF

A sale deed has been regd for an amt of Rs 544500 in respect of plot adm 4448 sq mti in T.P.S. No. 3 F.P. No. 253

G K PANDYA
Competent Authorst
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range-II, Ahmedabot

Date · 22-9 84 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Ahmedabad, the 22nd September 1984

Ref. No. P.R. No. 3020 Acq. 23[II]84-85.—Whereos, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. S. No. 744|1 plus 2 plus 3 paiki 13 Gunth 14 sq yd. Vidyanagar Road. Anand (and more fully described in the schedule annexed hereto),

(and more fully described in the schedule annexed hereto), No. S. No. 744|1 plus 2 plus 3 paiki 13 Gunth 14 sq. vd has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anand on 18-2-1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
90-306GI[84]

(1) 1. Maniben Shamalbhai
Kalavatiben Shamalbhai Patel
Rashmikant Shamalbhai Patel
Power of Attorney holder
Sh. Ghanshyambhai Patel village—Palana Tal;
Nadiad
2. Kamlaben Ranchhodbhai
Ghanshyambhai Ranchhodbhai
Kiritbhoi Ranchhodbhai
Vinodchandrabhai Ranchhodbhai
P.A. Holder—
Ghanshyambhai Kuberbhai Patel
village: Palana—Tal; Nadiad.

(Tronsferor)

(2) Bochashanvashi Sh. Akshar Purshottam Sanstha Trust Vidyanagar Road— Chhatralaya—Anand,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

A sale deed has been registered at No. 706 Dt: 18-2-1984 for on amount of Rs. 65000+65000=130000 in respect of property S. No. 744 1+2 plus 3 paiki 13 Guntha 41 sq. yd. situated at Anand.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 22-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(1) Alkapuri Co-op. Hsg. Socy. Zaverbhai benami Anand—Member— Shri Jashbhai Naranbhai Patel— Sardar Ganj—Anand.

(Transferor)

(2) Member of Shri Jayeshbhai Rajnikant Shah of Alkapuri Co-op. Hsg. Socy. Sarsa Bazar—Sarsa.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 22nd September 1984

Ref. No. P. R. No. 3021 Acq. 23[II]84-85.—Whereas, I G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

able property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000|- and bearing
Land at Anand bearing S. No. 1363 etc. of Anand sim.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Anand on 14-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the 'transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

A sale deed has been registered at No. 455 Dt. 14-2-1984 for an amount of Rs. 120000[- for land and bldg. adm. 591.37 sq. mtr. and 241. sq. yd. rsply. of Alkapuri Co.op, Socy. at Anand.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under, subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 22-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009,

Ahmedabad, the 22nd September 1984

Ref. No. P. R. No. 3022 Acq. 23|II|84-85.—Whereas, I G. K. PANDYA,

being the Competent Authority Under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

No. 155|9 adm. 1517 sq. mtr. of Chaklashi Pati Anand (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anand on 20-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by move than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Kanubhal Gordhanbhai Desal Rameshbhai "Deepakbhai "Amrishbhai "Power of Attorney Holder Shri Jashbhai Chhotabhai Desal Desai Vago—Nadiad.

(Transferor)

(2) Shri Manubhai Bhailalbhai Shekh Alkapuri— Nadiad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

A sale deed has been registered for an amount of Rs. 82500|- in respect of land adm. 1517 sq. mtr. of S. No. 155|9 of Chaklashi pati—Anand Dist. Kaira.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 22-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 22nd September 1984

Ref. No. P. R. No. 3023 Acq. 23|II|84-85.—Whereas, I G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

Plot adm. 3688 bearing S. No. 71 in Sidhpur sim. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sidhpur on 18-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of his liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance o fSection 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-Section (1) of Section 269D of the esadi Act to the following persons, namely:—

(Transferor)

(2) Patel Dashrathbhai Ambaram & Ors. Sujanpur Tal: Sidhpur Dist: Mehsana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

A sale deed has been made for an amount of Rs. 141025 in respect of plot adm. 3688 sq. mtr. of S. No. 71 in Sidhpur sim Dist: Mehsana.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 22-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAK ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Patel Ranchhoddas Bhaichanddas Shertha

Tal: Gandhinagar.

(2) Dr. Kiritkumar Vrajlal Patel Nr. Vardhaman Socy. Behind Garden-Kalol.

(Transferee)

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 22nd September 1984

Ref. No. P. R. No. 3024 Acq. 23 II 84-85.—Whereas, I G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

Tika No. 33 Nondh No. 2213 Plot in Kalol City Area (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kalol on 23-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice of the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

A sale deed has been made for an amt. of Rs. 94828 in respect of plot adm. 525.44 sq. mtr. bearing tika No. 33 and Nondh No. 2213 in Kalol city area,

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following Date: 22-9-1984 Scal:

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

# FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Bhanushali Shantaben Govindbhai Mehsana Vivekanand Socy. Block No. 2. (Transferor)

(2) Bhanushali Ramjibhal Tejpal Thana—Nr. Harinivas— Mahtama Gandhi Road, Bombay.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 22nd September 1984 set. No. P. R. No. 3025 Acq. 23 II 84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-No. 1995 51 Viveka Nand Socy. Mehsana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Mehsana on 6-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

Objection, if any, to be the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); A sale deed has been regd, for an amt, of Rs. 49000]- in respect of bldg, in Vivekanand Socy. Mehsana.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dato: 22-9-1984

Scal:

(1) Shardaben Laljibhal Bhojak Chhipvad—Mehsana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(2) Nayak Manharlal Gopaldas Mehsana— 1995|37 Navdurga Co. op. Socy. Mehsana.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT CUMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 22nd September 1984

Ref. No. P. R. No. 3026 Acq. 23|IJ|4-85.—Whereas, I G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Bldg. in Navdurga Socy. being S. No. 1995|37 Mehsana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred-under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mehsana on 7-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(w) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable propetry, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. for an amt. of Rs. 49500]- in respect of bldg. S. No. 1995[37 in Navdurga Socy. Mehsana.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 22-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,

#### AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 22nd September 1984

Ref. No. P. R. No. 3027 Acq. 23|II|84-85.—Whereas, I G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000 and bearing

No. 130 I A Plo. and bldg, at Sidhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sidhpur on 10-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by move than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act i hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Noorbhai Dadubhai Momin Diamond Socy. Sidhpur.

(2) Shri Satpal Mangaldas Sud and Kamalprasad Labburam Sud Govind Madhav Nagar—Sidhpur. (Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the aforesaid persons within a period of able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

A sale deed has been registered for an amt. of Rs. 250000|-in respect of plot and bldg. in S. No. 140|1|A at Sidhpur sim.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 22-9-1984

Scal:

 Shri Chhaganbhai Nathabhai Patel 19—Chetan Socy. Akota—Baroda.

(Transferor)

(2) Shri Mahendra Kumar Fulabhai Patel 19—Chetan Co. op. Socy. Alota Road, Baroda.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(WEIGH OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 25th September 1984

Ref. No. P. R. No. 3028 Acq. 23|II|84-85 —Whereas, I G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

Bldg. at Sayajiganj—Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at at Baroda on 18-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitatin gthe concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. for an amt, of Rs. 250000|- in respect of bldg at Sayaji Ganj Baroda, Difference between A.C. and F.M estimated by V.O. 15% of A.C. Transaction is liable for action.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—91—306 GI|84

Date: 25-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMFDABAD-380 009.

Ahmedahad, the 25th September 1984

Ref. No. P. R. No. 3029 Acq. 23|II|84-85.—Whereas, I G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Flat at Mahatma Gandhi Road—Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Baroda on Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ravjibhai Shamalbhai Patel 8—Chandranagar Socy. Vagodia Road, Baroda.

(Transferor)

 Shri Jaisukhlal Prabhulal Sukhadia, Shamal Bechar's Pole— Mahatma Gandhi Road, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

A sale deed has been regd, for an amt, of Rs. 203101, in respect of property (flat) at Baroda Kasba. This has been referred to V.O. Baroda The difference between FMV estimated by V.O. & A.C. exceeds 15% of A.C.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 25-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR,

HANDLOOM HOUSE, ASIIRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 25th September 1984

Ref. No. P. R. No. 3030 Acq. 23|II|84-85,---Whereas, I G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Bunglow No. B. 17 Bhagirath Socy.—Nizampura, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 7-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration herefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the and Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Panalal Chhaganlal Modi, Jani Sheri, Ghadiali Pole, Baroda.

(Transferor)

 Shri Shankarrao Jeram Jasud, 36—Heavy Water Colony. Chhani Jakat Naka, Baroda.

(Transferce)

Objections, i any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

A sale deed has been registered at No. 897 on 7-2-84 for an unit, of Rs. 70000|- in respect of bunglow No. B|17-1 in Bhaguath Socy. Nizampura Baroda.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Runge-II, Ahmedabad

Date: 25-9-1984

 Shri Deepaksingh Sharadchandra Chawan Chawan Bunglow—Sayaji Ganj—Baroda.

(Transferoi)

(2) Shri Navnitlal Manilal Parikh, Sharad Aptt.—Sayajiganj—Baroda.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 25th September 1984

Ref. No. P. R. No. 3031 Acq. 23 II 84-85.—Whereas, I G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Flat on 4th Floor bearings No. 20-41 having built up area 951 sq. ft. Sayagiganj, Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Offices at Baroda on 17-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
Sea:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette:—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

A sale deed has been registered at No. 1201 on 17-2-1984 for an amt. of Rs. 70000|- in respect of flat No. 12 on 4th Floor having built up area 941 sq. ft.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 25-9-1984

#### FORM ITN9-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,

## AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 1st October 1984

Ref. No. P. R. No. 3033 Acq. 23[II]84-85.—Whereas, I G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing
Ward No. 3 Nondh No. 821 Zampa Bazar—Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 3-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid execuds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(1) 1. Sanmukhlal Jethalal 2. Mansukhlal Champaklal

Rameshchandra Thakordas Nanpura Muchhala Sheri-Surat.

(Transferor)

26613

(2) 1. Mariyam bidi Saheb Sayidana

Mansurbhai Saheb A.
 Zuzarbhai Saheb A.

Zampa Bazar—Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective nersons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

The property is situated at Surat Ward No. 3. The document is regd. at S.R. Surat vide No. 903 Dt. 3-2-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. K. PANDYA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 1-10-1984

(1) M|s Sanjeev Builders Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s M. K. Jariwala3|2392-Salabat puraOpp: Bardoli pithe Surat. 295 003

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II

AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 1st October 1984

Ref. No. P. R. No. 3034 Acq. 23 II 84-85.—Whereus, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Flat No. 101 in J. Building Textile Market of India Ring Road-Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act (16 of 1908) in the office of the registering officer at undersigned on Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 ef 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Feb. 1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1 of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND HOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedahad, the 1st October 1984

Ref. No. P. R. 3035 Acq 23 | II | 84-85 — Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'naid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No. Plot No. 1 94-95 (Part.) Shed No. 1 Type I of G I D.C

Pandesara-Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), Form No. 37EF is submitted in the office of the undersigned in Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid breeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) Sanjay Traders Prop Smt. Vasumati M. Gajiwala Balaji Road-Smat.

(Transferor)

(2) M|s Super Textiles 122-B Gajjar Chambers Ring Road-Surat

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Form No 37EE is submitted in the office of the undersigned in Feb 1984.

G. K. PANDYA
Competent Authorits
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Ahmedabad

Date : 1-10-19 } Seal

(1) Kosy Koola Pvt. Ltd. Jogeshwari-Bombay.

(Transferor

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSION!!
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

## AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 1st October 1984

Ret No P R No 3036 Acq 23 [II | 84-85 — Whereas, I, G K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe thathe immovable property having a fair market value exceedings

Rs. 25,000 and bearing
Shed No 5-4/2 Type in GIDC Industral Estate Pandesara
Dist Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been Form No 3/FE is submitted in the office of undersigned on in Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purpose of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Gopal Enterprises R<sup>1</sup>2 Ratan Chamber No 2 Salabat para-Main Road-Surat

(Tran ferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Form No. 37EE is a submitted in the office of the undersigned in  $\Gamma \epsilon b$  1984

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Ahmedabad

Date 1-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 1st October 1984

Ref. No. P. R. 3037 Acq.23|II|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Flat at Umara No. 3-C Anjani Towers- Near Athwa Lines. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), Form No. 37EE is submitted

in the office of the undersigned in Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have πot been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
92—306 GI[84]

- (1) Jewellers Aptt. Co. op. Hsg. Socy. c|o 1. Swati Socy. Timliyawad Nanpura—Surat. (Transferor)
- (2) Thakorbhai G. Shah 8-Kiran Aptt. Near Athwa Gate-Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Feb. 1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Abmedabad

Date: 1-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 1st October 1984

Ref. No. P.R. No. 3038 Acq.23|II|84-85.--Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 124 Block No. 169 situated at Village Sachin Dist:

Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been Form No. 37EE is submitted in the office of undersigned on in Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income usising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Parvaz Jamshedji At Sachin Dist: Surat

(Transferor)

(2) Sidimohmed Razzakhan Majura Gate Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Feb. 1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 1-10-1984

Scal:

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely:—

# FORM LT.N.S.—

(1) Shri Surendrabhal Thakorbhai Kapadia At Haripura-Roowala's Tekro Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD **AHMEDABAD-380 009** 

Ahmedabad, the 29th September 1984

Ref. No. P. R. No. 3039 Acq.23[11]84-85.--Whereah, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No.

Bunglow No. 2 Jay Gangeshwar Co. op. Socy. Varachha Rd.

Near Hira Bag-Surat.
(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Surat on 2-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Bunglow No 2 Jay Gangeshwar Socy. Varachha Road-Surat.

(2) Hemlataben Umedsinh Thakor

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

The property is situated at Varachha Road, Surat. The document is regd. at S.R. Surat vide No. 1564 Dt : 28-2-1984.

> G. K. PANDAYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 29-9-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ΛCQUISIΠON RANGE-II AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 29th September 1984

Ref. No. P. R. No. 3040 Acq.23 II 84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 161) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. C.S. No. 1231 situated at Ward No. 1 Nanpura-Surat.

C.S. No. 1231 situated at Ward No. 1 Nanpura-Surat. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 28-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Manijeh Nariyonsing Bathe & Ors.
 Nanpura Dr. Manekjis Street Surat.

(Transferor)

(2) Maneklal Virodhi Iadav Nanpura Dr. Manekji's Street Surat.

(Transferee)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notic in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The property is situated at Nanpura Surat The document is road, at S.R. Surat No. 1606 Dt: 28-2-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 29-9-1984

# FORM I.T.N.S.---

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# Sarjan Society-Athwa Lines-Surat.

Surat.

(1) Nirmalaben Prakashbhai Patel

(2) Rajaram Prasanvadan Parekh

Natraj Aptt. Bhaga Talav-

# (Transferor)

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 29th September 1984

Ref. No. P. R. 3041 Acq.23|II|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

No. Plot No. 21 at Nilam Co. op. Hsg. Socy. Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 21-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period od 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the data of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The property is situated at Surat The document is regd at S.R. Surat vide No. 1367 Dt: 21-2-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 29-9-1984

(1) Ahmed Isaw Jogi & Ors. Navsari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Hasmukhlal Chimanlal Jani President of Shiv Parvati Hsg. Socy . Co Shri Ramanlal D Pandya Giriraj Aptt, behind Giriraj Cinema. Navari

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMESSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 29th September 1984

Ref. No. P.R. No. 3042 Acq. 23|II|84-85.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Land at Jamalpor Navsari S. No. 93 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Navsari on 22-2-1984

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereins as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

# THE SCHEDULE

The property is situated at Jamalpor Navsari The document is regd at S.R. Navsari vide No. 468 Dt: 22-2-1984

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 29-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# Anil Waann Wasavkar-Star Trade Centre S.VP. Road Borivali (West) Bombay.

(Transferor)

# GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mr. Bharmal Lodha 104-Bank of Baroda Bldg. Crawford Market Bombay.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 29th September 1984

Ref. No. P.R. No. 3043 Acq.23 II 84-85.—Whereas I. G. K. PANDYA,

G. R. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000l- and bearing No. S. No. 46 Hissa No. 2 Plot No. 12, 13, 141 at Village Bhilad Tell Pareli

Tal Pardi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at S. R. Pardi on 14-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

# (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

The property is situated at Village Bhilad Tal: Pardi. The document is regd. at S.R. Pardi vide No. 215 to 217 Dt: 14-2-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 29-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## (1) Anil Waman Wasavkar Star Trade Centre S.V.P.P. Road Borivalı (West) Bombay.

(Transferor)

 M|s. Textiles and Industrial Corpn. Standard House, Queens Road, Bombay.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedubad, the 29th September 1984

Ref. No. P. R. No 3044 Acq.23|II|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

S. No. 46 Hissa No. 2 Plot No. 15, 16, 17, 18 at Village Bhilad Tal: Oardi.

situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Pardi on 14-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax (Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property make be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The property is situated at village Bhilad Tal: Pardi. The documents are regd. at S. R. Pardi vide No. 218 to 221 Dt. 14-2-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 29-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 29th September 1984

Ref. No. P. R. No. 3045 Acq.23.II|84-85.-Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No. Plot No. 44,43, 41, 45 S. No. 46

situated at

Hissa No. 2 (Part) at village Bhilad Tal . Valsad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Pardi on 14-2-1984

for an appearent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any smoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 ef 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following porsons, namely:-

93---306 GI 84

(1) 1. Anil Waman Wasavkar Vinod R. Panchal, Star Trade Centre, 3. V. P. Road, Borivali (West) Bombay-400 092.

(Transferor)

(2) M|s. Fine Fibres. 301-Standard House Queen Road, Bombay-400'002

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intersted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The property is situated at Ahilad .The document is regd. at S. R. Pardi vide No. 238 to 241 Dt. 14-2-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 29-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Vinod R. Panchal, Star Trade Centre, S. V. P. Road, Borivali (West), Bombay-400 092.

(Transfero:)

(2) M|s Daga Fibres Pvt. Ltd., 301, Standard House-83, Queens Road, Bombay.

(Transferor)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUSTTON RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASH ' OI KOAD, AHMEDABAD-380009

Alimedabad-280009, tae 29th September 1984

Rei. No FR No 3046 Acq 23 [II] 84-85.—Whereas, I, G K. PANDY 1,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing No S. No. 46 Hissa No. 2 (Part) Plot No 37, 36, 35, 34, 39, 40, 42 situated at village Lanad Tal. Pardi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been translerred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pards on 14-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the ran market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

\*b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 4957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The torms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The property is situated at village Bhilad. The documents are registered at S. R. Pardi vide No. 231 to 237, dated 14-2-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:--

Date: 29-9-1984.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLCOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 29th September 1984

Ref. No. P. R. No. 3047 Acq. 23 II 84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

S. No. 46, Hissa No. 2 Plot No. 22, 23, 24, 25, 26, situated Pardi on 14-2-1984

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Pardi on 14-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Anil Waman Wasaykar, Star Trade Centre,
 V. P. Road, Borivali (West), Bombay-400 092.

(Trasferor)

(2) Mls Shiva Trading Corporation, 301, Standard House, 83-Queens Road, Bombay--,00 092.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The property is situated at village Bhilad. Tal. Pardi. The documents are regd at S. R. Paidi vide No. 225 to 229 dated 14-2-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Due: 29-9-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. 2ND FLOOR, HANDLUOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 29th September 1984

Ref. No. P.R. No. 3048 Acq. 23 III 84-85.—Whereas, J. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Office No. 426 situated at Ajanta Shopping & Textile Arcase

Ring Road Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and 37EF is submitted

in the office of the undersigned in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M|s Shanti Builders, Ajanta Shopping & Textiles Arcade, Ring Road, Surat.

(Transferee)

(2) Shri Rameshkumar Malpani, 145, 451, Textile Market, Ring Road, Surat.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE is filed in the office of the undersigned in February, 1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 29-9-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Ms Shanti Builders, Ajanta Shopping & Textile Arcade, Surat.

(Transferor)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

#### COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 29th September 1984

Ref. No. P.R. No. 3049 Acq. 23 [II] 84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No.

Office No. 625 at Ajanta Shopping & Textile situated at Arease Ring Road, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) Form N.o 37EE is submitted has been transferred and in the office of the undersigned in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Ashokkumar Tibrawala, 14, Burnt Salt, Gola Lane, Haw Rah, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

## THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in February, 1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 29-9-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 29th September 1984

Ref. No. P.R. No. 3050 Acq. 23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-and bearing No.

and bearing No.
Office No. 429 at Ajanta Shopping & Textile Afrecade, Surat (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and Form No. 37EE is submitted

Form No. 37UE is submitted

in the office of the Registering Officer at undersigned in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ex which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M|s. Shanti Builders, Ajanta Shopping & Textile Arcade, Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Shii Brij Ratan Taparia, Shri Rajendra Betala, Clo Brij Ratan Rajendra, At Post. Nokha Distt. Bankaner (Rajasthan). (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted by the transferee in the office of the undersigned in February 1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 29-9-1984.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 29th September 1984

Ref. No. P.R. No 3051 Acq. 23|II|84-85.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Office No. 424 at Ajanta Shopping & Textile situated at

Arcade, 'Surat'

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in February, 1984 for an apparent considering which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reoson to believe that the fair market value o fthe property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

 M|s Shanti Builders, Ajanta Shopping & Textile Arcade, Ring Road, Surat.

(Transferor)

26631

(2) Shri Sureshkumar Malpani, Shop No. 131, Ist Floor, 451-Textile Market, Ring Road, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms ond expressions unsed herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted by the transferee in the office of the undersigned in February, 1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 29-9-1984.

# FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th October 1984

Ref. No. P.R. No. 3052 Acq. 23 [II] 84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

Ward No. 9, S. No. 641 situated at Navsari

(and more fully described in the Schedule annexed he eto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Navsari on 18-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Hemanikumar Babulal Shah, Kulmukhiyar Umesh Babulal Shah, Near Tower, Navsari.

(1) Ayesha Ibrahim Kola, at Lajpor Tal. Choryashi,

at Lajpor Tal. Choryashi District Surat.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressons used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The Property is situated at Ward No. 9 Block No. 24 Navsari. The document is regd at S.R. Navsari vide No. 436, dated 18-2-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 5-10-1984,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 5th October 1984

Ref. No. P.R. No. 3053 Acq. 23[11]84-85.—Whereas, 1,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. No. R. S. No. 219-Block No. 510 situated at Village Kharach

Tal: Hasot Dist: Bharuch

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ankleshwar on 23-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferund/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :-

94--306 GI|84

(1) Dipak Metal Indust., At Kharach Tal : Hasot, Dist. Bharuch.

(Transferor)

(2) T. M. Textiles. At Kharach, Tul: Hasot, Dist. Bharuch.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLIMATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given to that Chapter.

# THE SCHEDULE

The property is situated at village: Kharach Dist. Bharuch. The document is read. at S.R. Ankleshwar vide No. 341, Dt. 23 2-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux Acquisition Range II, Ahmedabad.

Date: 5-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 5th October 1984

Ref. No. P. R. No. 3054|Acq.|23|II|84-85.--Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. as per schedule

No. T.P.S. No. 5 Final Plot No. 291 situated at A-1 Paiki Surat

Form No. 37EE is submitted (and more fully described in the Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at undersigned in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Vishvesh Chandulal Patel & Ors., 4|15 Curve Road, Poorst.

(Transferor)

(2) Jagdishbhai Revabhai Patel, Gopipura—Surat, President of B. J. Basera Co-op., Hsg. Socy. Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid ersons within a eriod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-11, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

# GOVERNMENT OF INDIA

INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 5th October 1984

Rel. No. P. R. No. 3055|Acq. 23|11|84-85,--Whereas, 1, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. S. No 194 at Village Chhapara situated at Tal: Navsari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on 28-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the pulposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--52--306 GI 84

(1) Mohmed Ibrahim Baran & Others. Navsari, Tal Navsari-Vohrwad.

(Transferor)

(2) M. B. Polishing Works, 638 Panchratna Building. 6th floor-Mama Premanand Marg, Bombay-400 004.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

# THE SCHEDULE

The property is situated at Chhapara S. No. 194. The document is regd. at S.R. Navsari vide No. 568 Dt. 28-2-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 5-10-1984

(1) Sham Mino Chaher Khansaheb. Bhavnagari Mahollo, Surat

(Transferor)

[PART III—SEC. 1

(2) Shi Vidyut Keshavlal Shah & Ors., Sugam Socy., Rander Road, Surat.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION R \NGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AIIMLDABAD-380009

Ahmedabad, the 5th October 1984

Ref. No. P. R. No. 3056[Acg.|23|II]84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section

26636

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Ward No. 11 Nondh No. 2442 & 2443 situated at Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 16-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evention of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); may be made in writing to the undersigned :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The document is regd. at S R Surat vide No. 1263, Dt. 16-2-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-secsection (1) of Section 296D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date · 5-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 5th October 1984

Rel. No 1 R No 3057 Acq [23]11 84-85,---Whereas, I, G K PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the lucome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a tair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

No Ward No 3 Nondh No 105B, 106 situated at 107 & 108 Adm 905 sq 11 at 'Anont hambers' Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been translered under the Registration Act 1908 (16 of 1908)

in the office of the registering Officer

at Surat on 17 2 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such triansfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faciliting the reduction of evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Bhavaniprasad Shambhudayal Agrawal, Karta of HUF, 60-Rushiraj Aptt,—Divali Bag Athwa Lines—Surat

(Tiansferi)

(2) Dr. Vallabhbhai Muljibhai Bharolia, 200—Navishakti Vijay Socy., Varachha Road, Surat

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The property is situated at Ward No 3 The document is regd. at S R Surat vide No 1284, dt. 17-2-1984

G K PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assit Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .—

Date: 5-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 5th October 1984

Ref. No. P. R. No. 3058|Acq. 23|II|84-85,--Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incorne-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. Tika No. 93 S. No. 4609 House No. 98 to 101/5, Lunshi Kut situated at Navsari

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Navsari on 13-2-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);  Bank of Baroda, Trustec: D. R. Daboo Pvt. Trust, Navsari.

(Transfeior)

(2) Mazda Estates & Finance Pyt. Ltd., Regd. Office 2, Girdhar Nivas, 15—17, Sahid Bhagatsingh Road, Colaba, Bombay & its Branch office at Sir J. J. Shopping Centre, Panch Hatdi Navsari Dist: Valsad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

The property is situated at Lunsi Kui, Navsaii. The document is regd. at S. R. Navsari vide No. 397, dt. 13-2-1984.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—

Date · 5-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 5th October 1984

Ref. No. P. R. No. 3059 Acq. 23 II 84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Land adm. 9-A 18G at Sanoli Tal, Vagodia Dist Racoda bearing different Nos. situated at Sanoli

(and more fully described in the Schedule annexed herets), has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Vagodia in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Basir A. Memon, Authorised Patel Navinchandra Dahyabhai, Ganpatpura Tal. Vagodia, Dist. Baroda.

(Transferor)

(2) Chief Promotor Shri Mohmed Yunus, Han Lattl of Dharti Nagar Co-op. Hsg. Socy., Ganpatpura Tal. Vagodia D. Baroda.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

A sale deed has been registered in the name of Dhartinagar Co-op, H. Socy. (Baroda Group) through its Chief Promotor in respect of land adm. 9-A 34 G of different S. No. of Sanoli.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-lax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 5th October 1984

Ref. No. P. R. No. 3060 Acg. 23 II 81-85. Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-No. Lund adm. 10 Acre at Sanoli Tal. Vagodia Dist. Baroda bearing S. No. of Sanoli situated at Sanoli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Vagodia on 1-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ....

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Shri Mayur Jayantilal, Authorised Patel Navinchandra Dahyabhai, Ganpatpura, Tal. Vagodia Dist. Baroda. (Transferor)

(2) 1. Dhartinagar Co-op. H. Socy., Chief Promotor, Abdul Razak Haji Latik, Ganpatpura Tal. Vagodia, Dist. Baroda. 2. Clo I axmi Studio, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. in the name of Dhartinagar Coop. H. Socy. (Borivali Group) through its Chief Promotor in respect of land adm. Acre 10 Guntha 34 of different S. No. of Sanoli

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of said Act to the following persons namely:-

Date: 5-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR. HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 5th October 1984

Ref. No. P. R. No. 3061|Acq.|23|II|84-85,---Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/No. Land adm. 14 Acre and 33 Guntha of different S. No. of Sanoli Tal. Vagodia Dist. Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Baroda in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—
95—306 GI/84

(1) Basırbhai A. Momin & Others, Authorised Navinchandıa Duhyabhai Patel, Ganpatpura Tal. Vagodia Dist. Baıoda. (Transferor)

(2) Chief Promotor,
Shri Abdul Majid Haji Latif,
(Tal. Ganpatpura Dust. Baroda), of Dhartinagar
Co-op. H. Socy., (Dadar Group),
Clo. Laxmxi Studio, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

A sale deed has been regd, in the name of Dharti Nagar Co-op. Hsg. Socy. Sanoli in respect of land of different S. No. of Sanoli adm. 14 Acre 33 Guntha.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date 5-10-1984

(1) Shri Navinchandra Dahyabhai Patel, Ganpatpura, Fal. Vagodia Dist. Baroda. (Transferor)

(2) Chief Promotor Shri Shantilal Dahyabhai, Patel of Dhartinagar Co-op. Hsg. Socy., (Kahndha Group). Ganpatpura Tal. Vagodia, Dist. Baroda. (Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD 380009

Ahmedabad, the 5th October 1984

Reg. No. P. R. No. 3062|Acq.|23|II|84-85.--Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of he Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-No. Land adm. 11-A9 11G of different S. No of Spnoi Tal.

Vagodia Dist. Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer

at Vagodia in February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fuir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any naturating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

A sale deed has been regd, in the name of Dhartinagar Co-op. Hsg. Socy. (Khandha Group) in respect of land adm. 11 acre 11 guntha of different S. No. of Sanoli Tal. Vagodia Dist. Baroda.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-t. Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, a hereby initiate proceedings for the acquisition of he aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

ing persons, namely

Date: 5-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD 380009

Ahmedabad, the 5th October 1984

Ref. No P. R. No 3063|Acq 23|II|84 85,--Whereas, İ, G, K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Land adm. 6 acre 12 Guntha of different S. No. of Sanoli Tal. Vagodia Dist. Baroda

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vagodia on 1-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreel to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following sersons, namely:—

(1) Shri Basır Ahmed Memon, Authorised Shri Navinchandra Dahyabhai Patel, Ganpatpura Tal. Vagodia Dist. Baroda. (Transferor)

(2) Chief Promotor
Shri Javaharbhai Dahyabhai Patel,
of Dhartinagai Co-op. Hsg. Socy.,
(Shanta Krui Group),
Ganpatpura Tal. Vagodia, Dist. Baroda.
Colo Laxmi Studio, Baroda.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A sale deed has been regd, in the name of Dhartinagar Co-op. Hsg. Socy. (Shanta Kruj Gloup) in respect of land 6 Acre 12 Guntha of different S. Nos. of Sanoli Tal Vagodia Dist. Baroda.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 5-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 5th October 1984

Ref No P R No 3064|Acq. 23|II|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land at Sanoli in Dharti Nagar Co-op Socy., Ganpatpura, situated at Baroda

(and more fully described in the schedule annexed here.o), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Oflice of the Registering Officer at

Vagodia on 13-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said \*ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Bhimabhai Kantibhai, Sanoli Ial. Vagodia, Dist. Baroda.

(Transferor)

(2) Chief Promotor, Shii Navinchandia Dahyabhai Patel, of Dharti Nagar Co-op. Socy., (Jogeshwai Group), Ganpatpura, Vagodia Dist. Baroda. Clo Laxmi Studio, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

A sale deed has been made in the name of Dhartinagar Co-op. Socy. (Jogeshwari Group) in respect of land of different S. No. of Sanoli Tal. Vagodia Dist. Baroda.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabal.

Date: 5-10-1984

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM, I.C.J.L., ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 5th October 1984

Ref. No. P. R. No 3065/Acq. 23, II/84-85.-Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) therematics referred to as the 'said Act') have reason to believe that the im movable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No Bldg at Dipmanial Socy, letelron situated at Baroda (and more fully described in the Schedule aspeced hereto) his been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring official at Baioda on 10-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair marke sides or the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said rost, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this Notice under subsection (1) of Section 269(D) of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shashinbhai Jayantibhai Patel, Authorised-Smt. Kashiben Dahyabhai Patel, Nutan Niwas Socy., Salatwada, Baroda.

(Transferor)

(2) 1. Vinodehandia Ratilal Shah. Smitaben Vinodchaudra, Authorised-Ratilal Mohanlal Shah, 2-Dipmangal Socy., Jetalpur, Baroda.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. for an amt, of Rs. 94,000 (45000 + 47000) in respect of bldg, in Dipmangal Socy. Jetalpur-Baroda.

> G K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 5-10-1984

#### FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th October 1984

Ref. No. P. R. No. 3066. Acq. 23[II]84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Bldg. at Raopura situated at Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the Office of the Registering Officer at Baroda on 8-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe, that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Officen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee fer the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Maltiben Gopinath Datar authorised Gopinath Vasudev Datar, 48, Madhuri Šocy. Mahatma Gandhi Road Kandiveli West, Bombay-67.

(Transferor)

(2) Lilawati Madhusudan Tailor & Ors. Topex Tailoring Shop Kothi Char Rasta-Baroda.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as givent. in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

A sale deed has been 10fd, for an amt, of Rs. 175000[in respect of bldg, and open land at Raopura Baroda.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 5-10-1984

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER . OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FI.OOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th October 1984

Ref. No. P. R. No. 3067.Acq.23[II]84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. Bldg. at Baroda Kasba area situated at bearing No. 883-1-908

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Baroda on 7-2-1984

For an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respective of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceolment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Suehlata Rameshchandra Shah 48-A Dudheshwarnagar Socy. Ajwa Road, Baroda.

(Transferor

(2) Shri Kantilal Mohanlal Parikh village Jambu z Tal: Jetpur Tavi—Dist. Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this ntice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. for an amt. of Rs. 130635.32 in respect of bldg. in Dudheshwar Socy. Baroda Kasba,

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad.

Date: 5-10-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

autherise I. Krash i ke it. Ambalal Shah. 17. Taksha Shila Soeys Vagodia Road, Baroda.

(1) Smt. Shontaben Ramanlal Shah

(Transferor)

(2) Thakkar Dhirajial Govindlal, 78, Dudheshvar Socy.. Ajwa Road, Baroda.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMI-DABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th October 1984

Ref. No. P. R. No. 3068.Acq.23|11-84-85.--Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No Bldg at Bapod ·

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 7-2-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market varue of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as me defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THI SCHEDULE

A sale deed hat been regd, for an amt, of Rs. 1,00,000]-in respect of bldg at BapoJ

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dite: 5-10-1984

(Transferee)

#### FORM ITNS-

(1) Vinavati Hariprasad Majmudar authorised Asit Dhirajial Daru Chikor Mansion, Prabhat Colony Road No. 7. Shanta Cruz East, Bombay. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th October 1984

Ref. No. P. R. No. 3069.Acq.23]II|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Bldg. at Jetalpur Baroda Built up area 81-56 sq. mtr. in 277 sq. mtr. Plot area (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 3-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

(2) Smt. Rita Bhandari Sambrani

Baroda.

16, Sudhanagar Co. op. II. Socy., Sayajiganj area. Main Road

Jetalpur, Nr. Krushnakuni Socv.,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Geratic.

EXPLANATION:—The terms and expressions used kerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. in respect of bldg, situated at Jetalpur bearing S. No. 16 of Sudhanagar Co. op. H. Socy, for an amt, of Rs. 1,55.000|-.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 5-10-1984

Seal ;

(1) Smt. Vimlaben Himatlal Dehgam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Ajitkumar Kodarlal Dehgam.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMESTAN (COUISITION RANGE-II)
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 8th October 1984

Ref. No. P. R. No. 3070.Acq.23[III84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to an the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

Land adm. 34672 sq. mtr. of S No. 757 of Dehgam jim (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officet at Dehgam on 15-2-1984

at Dehgam on 15-2-1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the alongoid property and I have mason to believe that the fair market value of the property as after said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent or such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested In the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the conceolment of any income or any many matter that is a which have not been or which ought to be disclosed by the transferred for the junction of the factor income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (37 of 1937);

A sale deed has taken place at regd, for an amt, of Rs. 1,51,000]- in respect of land adm, 36472 sq. mtr. of S. No. 757 of Dehgam sim.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the raid Art I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aformid property by the issue of this notice under subsection (1). Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-10-1984

Scal:

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Eabulal Bhogilal Mehta Dariapur, Vadigam Opp. Hathishani Pole, Ahmedabad.

(Transferoi)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAR, ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 8th October 1984

Ref. No. P. R. No. 3071.Acq.23[11]84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

Bldg, at Sector No. 28,

Gandhinagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at (candhinagar on 24-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been fully stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (2) 1. Pramodiniben Bhaviatao Nibalkar Sector No. 21, Block No. 1314, Gandhinagar. 2. Clo Plot No. 492 B.D. Co. op. H. Socy.,
  - Sector No. 28. Gandhinagar. (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability o the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- the his the consideration of any income or in moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) o rthe said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

A sale deed has been regd, for an amt, of Rs. 85.000]- in respect of bldg, at Sector No. 28 Gandhinagar Plot No. 492.

THE SCHEDULE

G. K. PANDYA Competent Authorit Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 8-10 1984

SenI:

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 2691) of the said Act, to the following persons, namely:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 8th October 1984

Ref. No. P. R. No. 3072, Acq. 23 | II | 84-85, --- Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-ux Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000| and bearing No.

Land adm. 0-37 G of S No. 570 situated at Chandkheda (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on 9-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (u) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1932 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Gangaram Zinabhai Patel & others— authorised Bababhai Atmaram Patel 19—Pratibha Socy.—Jawahar Chowk Sabarmati—A'bad.

(Transferors)

(2) Chairman Shri Chandulal Madhavlal Narayankrupa Socy. Chandkheda Tal. Gandhinagar.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A sale deed has been regd, for an amt, of Rs. 53724 in respect of land adm. 0-37G at Chandkbeda sim. Date: 8-10-1984

G, K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad.

Date: 8-10-1984

(1) Shri Mulchandbhai Maganlal Mistry. Jawahar Chowk-Maninagar-A'bad.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Vrajlal Chhaganlal Mistry, Isanput Road-Maninagar-A'bad. 2. Plot No. 864—Sector No. 21 Gandhinagar.

(Transferees)

#### GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING

ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 8th October 1984

Ref. No. P. R. No. 3073 Acq.23 [II] 84-85.—Whereas, I. G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No.

Bldg. in plot No. 864 & Sector No. 21 situated at

Gandhinagar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on 24-2-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more thanfifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of uansfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A sale deed has been regd, for an amt, of Rs. 58113]- in respect of bldg. at Sector No. 21 Gandhinagar,

> S. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad.

Date: 8-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### **GOVERNMENT OF INDIA**

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOJSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 8th October 1984

Ref No P R No 3074 Acq 23 II 84-85 — Whereas, I, G. K PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable preperty having a tau market value exceeding Rs 25,000/and bearing No.

Land with uncompleted construction situated at Sector No 21—Gandhinagar

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on 21-2-1984

for an apparent consideration which is less than the cair market value of the aforesaid property and I have reason to h lieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than nireen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of, 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act I hereby in trace proceedings for the acquisition of the aforeseid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following mercone namely:-

(1) Pryushkumar Arvindkumar Patel, village Becharaji Tal Chansama Dist Mehsana

(Transferors)

(2) Vıjaykumar Khodidas Shah, Tanıbaı Nivas—3rd Floor, Plot No. 251—Vadala—Bombay-31.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. for an amt of Rs 100,000|m respect of land with uncompleted construction work at Sector No 21—Gandhmagar.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date 8-10-1984 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME TAX ACT | 101 (043 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGP-II 2ND J-LOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, 4.HMPF-ABAD-380009

Ahmedahad-380009, the 8th October 1984

Ref. No. P. R. No. 3075,Acq.23|II|84-85,--Whereas, J. G. K. PANDYA,

beine the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair marker value exceeding Rs 25.000/ and bearing

Land et Kundesan Nr. Gandhinagar situated at (up) more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gondhinayar on 18-2-1984

for an apparent consideration which is her than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuar a of Section 269t of the act. Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the isome of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shu Gabaji Mohanji Mangaji Mohanji. & Or - Allane Kundasan. Fel Gandhinara

(Transferors)

(2) Bolinio International Studio
Proceeds Through its Director
The Pranto Ibhai Purhoit
Triveds Aptt.—Mithakhali—
Six Rasta Historopura—A'bed.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: -

- (a) by any of the aforesaid persons with n a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The forms and expressions used herein as my learned in chapter XXA of the aidd Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A sale deed has been reg i. 6 r an ant, of Rs. 161250 in respect of land adm. 3A 3G at Mundasan Nr. Capital Gandhinagar.

S K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissione of Income-tak
Acquisition Rener-II
Ahmedebut

Date: 8-10-1934

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## 9FFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 9th October 1984

Ref. No. P. R. No. 3076 Acq.23|II|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Land at Akota bearing No. 87 situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 16-2-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Rakesh Shivbhagwan Agarwal 17—Amrakunj Socy. Race Course— Baroda.

(Transferor)

(2) Shri Ram Lubhaya Ram diyamal Malhotra Kalol Tal Kalol Dist. Panchanahals G.I.D.C. (Transferece)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning no given in that Chapter.

#### THE SHEDULE

A sale deed has been regd. for an amt. of Rs. 143300 in respect of land adm. 5372 sq. ft at Akota.

G. K. PANDYA
Competent Authorit
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-10-1984

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 9th October 1984

Ref. No. P. R. No. 3077.Acq.23 | II | 84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25 000i- and hearing No.

Rs. 25,000|- and bearing No. Land at Akota bearing S. No. 87 situated at Baroda.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Baroda on 16-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—97—306 GI|84

Smt. U. R. Agarwal,
 Amrakunj Socy.
 Race Course—Baroda.

(Transferors)

(2) Shri Ashok Ramlubhaya Malhotra. At Kalol Dist. Panchamahals G.I.D.C.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. for an amount of Rs. 1,45,700 in respect of land adm. 5428 sq. ft. at Akota.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisitlon Range-II
Ahmedabad.

Date: 9-10-1984

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

#### NOTICE

NATIONAL DEFENCE ACADEMY EXAMINATION MAY, 1985

New Delhi, the 3rd November, 1984

No. F.7|4|84-EI(B).—An Examination will be held by the Union Public Service Commission commencing on 16th May, 1985 for admission to the Army, Navy and Air Force Wings of the NDA for the 75th Course commencing from January, 1986.

The approximate number of vacancies to be filled on the results of this examination will be 300 (195 for the Army, 39 for Navy and 66 for the Air Force).

N.B.—A candidate is required to specify clearly in Col. 7 of the Application Form the Services for which he wishes to be considered in the order of his preference. He is also advised to indicate as many preferences as he wishes to, so that having regard to his rank in the order of merit due consideration can be given to his preferences when making appointments.

Candidates should note that they will be considered for appointment to those services only for which they express their preferences and for no other service(s). No request for addition/alteration in the preferences already indicated by a candidate in his application will be entertained by the Commission.

Admission to the above course will be made on the results of the written examination to be conducted by the Commission followed by intelligence and personality test by a Services Selection Board of candidates who qualify in the written examination. The details regarding the (a) scheme and syllabus of the examination, (b) physical stanadrds for admission to the Academy and (c) brief particulars of the service etc., for candidates joining the National Defence Academy are given in Appendices I, II and III respectively.

Note—THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS OF THE EXAMINATION WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS, PLEASE SEE CANDIDATES INFORMATION MANUAL AT APPENDIX V.

2. CENTRES OF EXAMINATION:—Agartala, Ahmedabad, Aizawl, Allahabad, Bangalore, Bhopal, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Cochin, Cuttack, Delhi, Dispur (Gauhatl), Hyderabad, Imphal, Itanagar, Jaipur, Jammu, Jorhat, Kohima, Lucknow, Madras, Nagpur, Panaji (Goa), Patna, Port Blair, Reipur, Shillong, Simla, Srinagar, Tirupati, Trivandrum, Udaipur and Vishakhapatnam.

THE CENTRES AND THE DATES OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE

COMMISSION. WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION, THE COMMISSION MAY AT THEIR DISCRETION, ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See para 11 below).

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however, desires a change in centre, from the one he had indicated in his application form for the Examination, he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to why he desires a change in centre. Such requests will be cosnidered on merits but requests received after 16th April, 1985, will not be entertained under any circumstances.

#### 3. CONDITIONS OF ELIGIBILITY :-

- (a) Nationality: -A candidate must be either:-
  - (i) a citizen of India, or
  - (ii) a subject of Bhutan, or
  - (iii) a subject of Nepal, or
  - (iv) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or
  - (v) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, the East African countries of Kenya, Uganda, United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar), Zembla, Malawi, Zaire and Ethlopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (iii), (iv) and (v) above shall be a person in whose favour a ceruficate of cligibility has been issued by the Government of India.

Certificate of eligibility will not, however, be necessary in the case of candidates who are Gorkha subjects of Nepal.

(b) Age limits, sex and marital status:—Unmarried male cadnidates born not earlier than 2nd July, 1967 and not later than 1st Junary, 1970 are only eligible.

Note—Date of birth as recorded in Matriculation Higher Secondary or equivalent examination certificate will only be accepted.

(c) Educational Qualifications:— Higher Secondary Examination of a State Education Board or of a recognised University or equivalent. Candidates who have passed the 11th class examination under the 10-12 Pattern of School Education are also eligible.

Candidates who have yet to pass the Higher Secondary or equivalent examination of the 11th class examination under the 10+2 Pattern of School education can also apply.

Candidates who quality in the SSB interview will be required to submit Matriculation and/or Higher Secondary or equivalent certificates in original to Army HQ Rig 6(SP) (a), West Block III, R. K. Puram, New Delhi-110022 by 27th December, 1985 failing which their candidature will be cancelled. Certificates in original issued by the Principals of the institutions are also acceptable in cases where Boards/Universities have not yet issued certificates. Certified true copies/photostat copies of such certificates will not be accepted.

In exceptional cases the Commission may treat a candidate, who does not possess any of the qualifications prescribed in this rule as educationally qualified provided that he possesses qualifications the standard of which in the opinion of the Commission justifies his admission to the examination.

Note 1—Those candidates who have yet to qualify in the Higher Secondary or equivalent examination and are allowed to appear in the UPSC Examination should note that this is only a special concession given to them. They are required to submit the proof of passing the Higher Secondary of equivalent examination by the prescribed date and no request cor extending the date will be entertained on the grounds of late conduct of Board/University Examination, delay in declaration of result or any other ground whatsover.

NOTE 2.—Candidates who are debarred by the Ministry of Defence from holding any type of commission in the Defence services shall not be eligible for admission to the examination and if admitted, their candidature will be cancelled.

- 4. FEE TO BE PAID WITH THE APPLICATION.—Rs. 28]- (Rupees twenty eight) [Rs. 7]- (Rupees seven) for Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates]. Applications not accompanied by the prescribed fee will be summarily rejected.
- 5. REMISSION OF FEE.—(1) The Commission may, at their discretion, remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1-1-1964 and 25-3-1971 or is a bona fide displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma who migrated to India on or after 1-6-1963 or is a bona fide repatriate of Indian origin from Srl Lanka who migrated to India on or after 1-11-1964 or is a prospective repatriate of Indian origin from Srl Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee.
- (2) The children of Junior Commissioned Officers, Non-Commissioned Officers and other ranks of the Army and equivalent ranks in the Indian Navy and the Indian Air Force and children of Ex-Junior Commissioned Officers, Ex-Non Commissioned Officers and Ex-other ranks of the Army and equivalent ranks in the Indian Navy and Indian Air Force are not required to pay the prescribed fee if they satisfy the following conditions, viz.
  - (i) they are studying in the Military School (formerly known as King George's Shool) Sainik Schools run by the Sainik Schools Society, and

(ii) then applications are torwarded by the Principal of the concerned School, with the recommendation that they are expected to secure at least 30 per cent of the aggregate marks of the written papers.

Note—Applications of candidates from the Military Schools/Sainik Schools forwarded by the Principals of the concerned schools will be actualised in the Commission's Office to determine whether such candidates are entitled to remission of fee in terms of para 5(2) of the Notice above. The Principals of the Military Schools/Sainik Schools should however, satisfy themselves that student of their schools fulfil the requirements of the aforesaid provision of the Notice before forwarding their applications to the Commission. The Commission will not take any responsibility for any acts of omission or commission committed by the Principals.

6 HOW TO APPLY:—Only printed applications on the form prescribed for the National Defence Academy Examination, May, 1985 appended to the Notice will be entertained. Completed applications should be sent to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011. Application forms and full particulars of the examination can be had from the following sources:—

- By post from Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by remitting Rs. 2/- by Money Order or by crossed Indian Postal Order payable to Secretary, UPSC at New Delhi GPO.
- (ii) On cash payment of Rs. 2/- at the counter in the Commission's Office,
- (iii) Free of charge from nearest Recruiting Office, Military Area/Sub-Area Headquarters/Airmen's Selection Cennes, N.C.C. Units, and Navai Establishments.

The application form and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting in ink or with ball point pen. All entries/answers should be in words and not by dashes or dots. An application which is incomplete or is wrongly filled in, will be rejected.

Candidates should note that only international form of indian numerals are to be used while filling up the application form (e.g. 1, 2, 3, etc.). Even if the date of birth in the SSLC or its equivalent certificate has been recorded in flindi numerals, the candidate should ensure that while entering it in the Application form he uses international form by Indian numerals only. They should take special care has the entres made in the application form should be clean and leading the leading that its, the candidates will be responsible for the confusion and the amblguity camed in interpreting such entries.

Candidates should further note that no correspondence will be entertained by the Commission from them to change any of the entries made in the application form. They should, therefore, take special care to fill up the application form correctly.

All candidates should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons serving under the Public Enterprises are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employers by the Commission withholding permission to the candidates applying for/appearing at the examination, their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

A candidate serving the Armed Forces must submit his application through his Commanding Officer who will complete the endorsement (vide Section 'B' of the application form) and forward it to the Commission.

Note—Sallors (including boys and artificer apprentices) of the Indian Navy must give Indian Navy as their first preference. Their applications will be entertained only if these have duly been recommended by their Commanding Officers.

Cadets of the Rashtriya Indian Military College (previously known as Sainik School), Dehra Dun, student of Military Schools (formerly known as King George's Schools) and Sainik Schools run by the Sainik Schools Society should submit their applications through the Principal of the College/School concerned.

7. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by post or by personal delivery at the counter on or before the 31st September, 1984 (14th January, 1985 in the case of candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul and Spiti District and Pangi Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date prior to 31st December, 1984 and whose applications are received by post form one of the areas mentioned above. accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J & K State, Lahaul and Spiti District and Pangi Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Audanan and Nicobar Islands or Lakshadweep and a candidate residing abroad may at the

discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence, to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J & K State, Lahaul and Spiti District and Pangi Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to 31st December, 1984.

NOTE (i)—Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J & K State etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.

NOTE (ii)—Candidates are advised to deliver their applications by hand at the UPSC counter or send it by Registered Post. The Commission will not be responsible for the applications delivered to any other functionary of the Commission.

## 8. DOCUMENTS TO BE SUBMITTED WITH THE APPLICATION:--

#### (A) By all candidates :--

(i) Fee of Rs. 28]- (Rupees Twenty eight) [Rs. 7](Rupees seven) for Scheduled Castes/Scheduled
Tribes candidates] through crossed Indian Postal
Orders payable to the Secretary, Union Public
Service Commission at New Delhi General Post
Office or crossed Bank Draft from any branch of
the State Bank of India payable to the Secretary,
Union Public Service Commission at the State
Bank of India, Main Branch, New Delhi.

NOTE—Candidates should write their names and addresses on the reverse of the Bank draft at the top at the time of submission of their applications. In the case of Postal Orders the names and addresses should be written by the candidates on the reverse of the Postal Orders at the space provided for the purpose.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of the India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be for credit to the account Head "051. Public Service Commission—Examination Fees" and the receipt attached with the application.

#### (ii) Certificate of Age :--

The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. Candidates must submit two attested certified copies of the aforesaid Matriculation or equivalent certificate. However, a candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit two attested certified copies of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent certificate.

No other document relating to age like horoscopes, affidavits, birth extracts from Municipal Corporations, service records and the like will be accepted.

The expression Matriculation|Higher Secondary Examination certificate in this part of the instruction includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation|Higher Secondary Examination Certificates does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send in addition to the attested|certified copies of the Matriculation|Higher Secondary Examination Certificate, an attested|certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the Institution from where he passed the Matriculation|Higher Secondary Examination, showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the Institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application will be rejected.

NOTE 1—A CANDIDATE WHO HOLDS A COMPLET-ED SECONDARY SCHOOL CERTIFICATE NEED SUB-MIT CNLY TWO ATTESTED CERTIFIED COPIES OF THE PAGE CONTAINING ENTRIES RELATING TO AGE.

Note 2—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONLY THE DATE OF BIRTH AS RECORDED IN THE MATRICULATION/HIGHER SECONDARY EXAMINATION CERTIFICATE OR AN EQUIVALENT CERTIFICATE ON THE DATE OF SUBMISSION OF APPLICATION WILL BE ACCEPTED BY THE COMMISSION AND NO SUBSEQUENT REQUEST FOR ITS CHANGE WILL BE CONSIDERED OR GRANTED.

NOTE 3—CANDIDATES SHOULD ALSO NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ENTERED IN THE RECORDS OF THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL BE ALLOWED SUBSEQUENTLY OR AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(iii) Attested certified copy of certificate of educational qualification:--

A candidate must submit two attested certified copies of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in para 3(c) or is likely to acquire it so as to be able to submit proof of passing it by the date prescribed in para 3(c). The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualification. If attested certified copies of such a certificate are not submitted the candidate must explain its absence and submit such other evidence as he can to support his claim to the requisite qualification. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

(iv) Attendance Sheet (attached with the application form) duly filled. (v) I wo identical copies of passport size (3 cms × 7 cms approx.) photographs of the candidates duly signed on the front side.

One copy of the photograph should be pusted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein.

- (vi) Three self-addressed unstamped envelopes of size approximately 11.5 cms × 27.5 cms.
- (B) By Scheduled Castes Scheduled Tribes candidates:

Attested|certified copy of a certificate in the form given at (a) in Appendix IV from any of the competent authorities (mentioned under the certificate) of the District in which he or his parents (or surviving parent) ordinarily reside, in support of claim to belong to Scheduled Caste|Scheduled Tribes. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes and who has migrated from one State|Union Territory to another may submit in support of his claim an attested certified copy of a Certificate in the form given at (b) in Appendix IV.

- (C) By candidates claiming remission of fee:
  - (i) An attested certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer or a Member of Parliament or State Legislature certifying that he is not in position to pay the prescribed fee.
  - (ii) An attested certified copy of certificate from the following authorities in support of his claim to be a bona jide displaced person reputriate:—
- (a) Displaced person from erstwhile East Pakistan :-
  - Camp Commandant of the Transit Centre of the Dandakarnya Project or of Relief Camps in various States.

OR

(ii) District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be a resident.

OK

(iii) Additional District Magistrate incharge of refugee Rehabilitation in his district.

(iv) Sub-Divisional Officer within the sub-division in his

4 6 64

- (v) Deputy/Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation) in Calcutta.
- (b) Repatriate from Sri Lanka:---

High Commission for India in Sri Lanka.

(c) Repatriate from Burma .--

Embassy of India Rangoon or District MagIstrate of the area in which the candulate may be resident.

- (d) Displaced person from erstwhile West Pakistan:-
  - (i) Camp Commandant of the Transit Centres or of Relief Camps in various States.

#### OR

(ii) District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be a resident.

#### OR

(iii) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in his district.

#### ΛR

(iv) Sub-Divisional Officer within the Sub-Division in his charge.

#### OR

(v) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner.

Note: Candidates are required to sign the attested certified copies of all the certificates sent along with the application form and also to put the date.

- 9. REFUND OF FEE:—No refund of fee paid to the Commission with the application will be entertained except in the following cases, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection:—
  - (i) A refund of Rs. 15]- (Rupecs Fifteen) [Rs. 4](Rupecs four) in the case of candidates belonging to Scheduled Castes [Scheduled Tribes] will be made to a candidate who had paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If, however, the application is rejected on receipt of information that the candidate has failed in the Higher Secondary or equivalent examination or will not be able to submit the proof of passing the Higher Secondary or equivalent examination by the prescribed date, he will not be silowed refund of fee.
  - (ii) A refund of Rs. 28/- (Rupees Iwenty eight) [Rs. 7]- (Rupees seven) in the case of candidate belonging to Scheduled Castes|Scheduled Tribes| will be allowed in the case of a candidate who took the NDA Examination held in May, 1984 or December, 1984 and is recommended for admission to any of the courses on the results of these examinations provided his request for concellation of candidature for the NDA Examination May, 1985 and refund of fee is received in the office of the Commission on or before 31st August 1985.

10. ACKNOWLEDGEMENT OF APPLICATION .-

Every application including late one received in the Commission's Office is acknowledged and Application Registration No. is issued to the candidate in token of receipt of his application, if a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date prescribed for receipt of application for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

The fact that the Application Registration No. has been issued to the candidates does not lpso facto, mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission.

- 11. RESULT OF APPLICATION:—If a candidate does not receive from the Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.
- 12. ADMISSION 10 THE EXAMINATION:—The decision of the Union Public Service Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate shall be final. No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.
- 13. ACTION AGAINST CANDIDATES FOUND GUILTY OF MISCONDUCT:—Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form. Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its attested certified copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or their attested/certified copies, an explanation regarding the discrepancy should be submitted.

A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of :-

- (i) obtaining support of his candidature by any means, or
- (li) impersonating, or
- (lii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with or
- (v) making statements which are incorrect or false or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other tregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means during the examination, or
- (vili) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s), or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall, or

- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations, or
- (xi) violating any of the instructions issued to candidates along with their Admission Certificates permitting them to take the examination, or
- (xii) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses

may in addition to rendering himself hable to criminal prosecution be liable:—

- (a) to be disqualified by the Commission from the Examination for which he is a candidate; or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
- (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
  - (ii) by the Central Government from any em-

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—

- giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and
- (ii) taking the representation, if any submitted by the candidate, within the period allowed to him into consideration.
- 14. ORIGINAL CERTIFICATES—SUBMISSION OF:—Candidates who qualify at the SSB interview on the results of the written examination will be required to submit their original certificates in support of their age and educational qualifications etc. to Army HQ, Rig 6 (SP) (a), West Block III, R. K. Puram, New Delhi-110022, soon after the interview.
- 15. COMMUNICATIONS REGARDING APPLICATION:—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-110011 AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:—
  - (1) NAME OF EXAMINATION.
  - (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
  - (3) APPLICATION REGISTRATION NO. ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE APPLICATION REGISTRATION NO. /ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
  - (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
  - (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.—(i)—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO

N.B. (ii).—IF A LETTUR/COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS

FULL NAME AND ROLL NUMBER, IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON. 16. CHANGE OF ADDRESS.—A candidate must see that communications sent to him at the address stated in his application are re-directed if necessary. Change in address should be communicated to the Commission at the earliest opportunity giving the particulars mentioned in paragraph 15 above

CANDIDATES RECOMMENDED BY THE COMMISSION FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD WHO HAVE CHANGED THEIR ADDRESSES SUBSEQUENT TO THE SUBMISSION OF THEIR APPLICATIONS FOR THE EXAMINATIONS SHOULD IMMEDIATELY AFTER ANNOUNCEMENT OF THE RESULT OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION NOTIFY THE CHANGED ADDRESS ALSO TO ARMY HEADQUARTERS A.G.'S BRANCH RTG., 6(SP) (a) WEST BLOCK 3. WING 1. RAMAKRISHNA PURAM, NEW DELHI-110022. FAILURE TO COMPLY WITH THIS INSTRUCTION WILL DEPRIVE THE CANDIDATE OF ANY CLAIM TO CONSIDERATION IN THE EVENT OF HIS NOT RECEIVING THE SUMMONS LETTER FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD.

Although the authorities make every effort to take account of such changes they cannot accept any responsibility in the matter.

17. ENQUIRIES ABOUT INTERVIEW OF CANDIDATES QUALIFYING IN THE WRITTEN EXAMINATION:—Candidates whose names have been recommended for interview by the Services Selection Board should address enquiries or requests if any relating to their interview direct to the Army Headquarters, AG's Branch RTO, 6 (SP) (a) West Block 3, Wing I, Ramakrishnapuram, New Delhi-110022

Candidates are required to report for SSB interview on the date intimated to them in the call-up, letter for interview Request for postponing interview will only be considered in exceptional circumstances and that too if it is administratively convenient for which Army HQ will be sole deciding authority.

Candidates whose names appear in the final merit list issued by the UPSC must notify their latest address to Army HQ AG's Branch Rtg. 6(SP) (a) (i). West Block 3, Wing I, Ramakrishnapuram, New Delhi-110022, immediately after publication of the merit list in the newspapers, if there is any change in the address already given so that joining instructions issued by the Army HQ reach them in time. In case this is not done, the responsibility of non-receipt of the joining instructions will rest with the candidate.

18. ANNOUNCEMENT OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION, INTERVIEW OF QUALIFIED CANDIDATES. ANNOUNCEMENT OF FINAL RESULTS AND ADMISSION TO THE TRAINING COURSE OF THE FINALLY QUALIFIED CANDIDATES:—The Union Public Service Commission shall prepare a list of candidate who obtain the minimum qualifying marks in the written examination as fixed by the Commission in their discretion. Such candidates shall appear before a Services Selection Board for Intelligence and Personality Tests, where candidates for the Army/Navv will be assessed in officer potentiality and those for the Air Force in Pilot Aptitude Test and officer potentiality. The maximum marks obtainable at these tests are 900.

candidates will appear before Services Selection board and undergo the tests thereat at their own risk and will not be entitled to claim any compensation or other relief, from Government in respect of any injury which they may sustain in the course of or as a result of any of the tests given to them at the Services Selection floard whether due to the negligence of any person or otherwise. Parents or guardians of the candidates will be required to sign a certificate to this effect.

To be acceptable candidates for the Army/Navy should secure the minimum qualifying marks separately in (i) written examination and (ii) officer potentiality tests, as fixed by the Commission in their discretion, and candidates for the Air Force should secure the minimum qualifying marks separately in (i) written examination. (ii) officer potentiality test, and (iii) Pılot Aptitude Test fixed by the Commission in their discretion. Subject to these conditions the qualified candidates will then be placed in the final order of merit on the basis of total marks secured by them in the written examination, and the Services Selection Board Tests in two separate lists—one for the Army and the Navy and the other for the Air Force. The names of candidates who qualify for all the Services will appear in both the Merit Lists. The final selection for admission to the Army and Naval Wings of the National Defence Academy will be made in order of Merit upto the number of vacancies available from the order to merit lists for the Army and Navy and for the Air Force Wing from the order of merit list for the Air Force subject to medical fitness and sultability in all other respects. The candidates who are common to both the merit lists will be considered for selection from both the lists with reference to their order of preferences and in the event of their final selection from one list, their names will be cancelled from the other lost.

N.B.—EVERY CANDIDATE FOR THE AIR FORCE IS GIVEN PILOT APTITUDE TEST ONLY ONCE THE GRADES SECURED PY HIM AT THE FIRST TEST WILL THEREFORE, HOLD GOOD FOR EVERY SUBSEQUENT INTERVIEW HE HAS WITH THE AIR FORCE SELECTION BOARD. A CANDIDATE WHO FAILS IN THE FIRST PILOT APTITUDE TEST CANNOT APPLY FOR ADMISSION TO THE NATIONAL DEFENCE ACADEMY EXAMINATION FOR THE AIR FORCE WING OR GENERAL DUTIES (PILOT) BRANCH OR NAVAL AIR ARM.

Candidates who have been given the Pilot Aptitude Test for any previous N.D.A. course should submit their application for this examination for the Air Force Wing only if they have been notified as having qualified in Pilot Aptitude Test.

The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

Success in the examination confers no right of admission to the Academy. A candidate must satisfy the appointing authority that he is suitable in all respect for admission to the Academy.

19. DISQUALIFICATION FOR ADMISSION TO THE TRAINING COURSE:—Candidates who were admitted to an earlier course at the National Defence Academy, but were removed therefrom for lack of officer-like qualities or on disciplinary grounds will not be admitted to the Academy.

Candidates who were previously withdrawn from the National Defence Academy on medical grounds or left the above Academy voluntarily are however, eligible for admission to the Academy provided they satisfy the medical and other prescribed conditions.

- 20. RESTRICTION ON MARRIAGE DURING TRAIN-ING IN THE NATIONAL DEFENCE ACADEMY:—Candidates must undertake not to marry until they complete their full training. A candidate who marries subsequent to the date of his application though successful at this or any subsequent examination will not be selected for training. A candidate who marries during training shall be discharged and will be liable to refund all expenditure incurred on him by the Government.
- 21. The Union Public Service Commission have brought out a priced publication entitled "Candidates Manual for U.P.S.C. Objective Type Examination". This publication is designed to be of assistance to prospective candidates of U.P.S.C. Examinations or Selections.

The book is priced publication and is on sale with Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by Mail Orders or on cash payment. This can also be obtained only against cash payment from (i) Kitab Mahal, opposite Rivoli Cinema, Emporia Building 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001. (ii) Sale counter of the Publication Branch at Udyog Bhawan, New Delhi-110001, and (iii) the Government of India Book Depot, 8 K.S. Roy Road, Calcutta-700001. The manual is also obtainable from the agents for the Govt. of India Publications at various mofussil towns.

M. BALAKRISHNAN, Deputy Secy.

#### APPENDIX I

(The Scheme and syllabus of examination)

#### A. SCHEME OF THE EXAMINATION

The subject of the written examination, the time allowed and the maximum marks allotted to each subject will be as follows:—

Subject			Duration	Max. Marks
1. English		• • •	2 hours	250
2 Mathematics—Paper I Paper II	:		2 hours 2 hours	125 1 <b>25</b>
3. General Knowledge— Paper I (Science) Paper II (Social Studies	, Go	cogra	2 hours	200
phy and Current Event:	s)	٠.	2 hours	200
				900

- 2. THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS PLEASE SEE CANDIDATES INFORMATION MANUAL AT APPENDIX V.
- 3. In the question papers, wherever necessary, questions involving the Metric System of Weights and Measures only will be set.

- 4. Candidates must write the papers in their own mass. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.
- 5. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects at the examination.
- 6. The candidates are not permitted to use calcuators, for answering objective type papers (Test Booklets). They should not, therefore bring the same inside the examination

#### B. STLLABUS OF THE EXAMINATION

ENGLISH.—The question paper in English will be designed to test the candidate's understanding of English and workman-like use of words. The syllabus covers various aspects like: Grammar and usage, vocabulary, comprehension and cohesion in extended texts to test the candidate's proficiency in English.

#### **MATHEMATICS**

#### PAPER I

#### Artthmette

Number Systems—Natural numbers, Integers, Rational and Real numbers, Fundamental operation—addition subtraction, Multiplication, division, Square roots, Decimal fractions.

Unitary method—time and distance, time and work, Percentages—applications to simple and compound interest, profit and loss. Ratio and proportion, variation,

Elementary Number Theory, Division algorithm, Prime and composite numbers. Tests of divisibility by 2, 3, 4, 3, 9 and 11. Multiples and factors. Factorisation Theorem, H.C.F. and L.C.M. Euclidean algorithm.

Logarithms to base 10, laws of logarithms, use of logarithmic tables.

#### Algebra

Basic Operations, simple factors, Remainder Theorem, H.C.F., L.C.M. of polynomials, Solutions of quadratic equations, relation between its roots and coefficients. (Only real roots to be considered). Simultaneous linear equations to two unknown analytical and graphical solutions. Practical problems leading to two simultaneous linear equations in two variables or quadratic equations in one variable and their solutions. Set language and set notation. Rational expression and conditional identities. Law of indices.

#### Trigonometry

Bine X, Cosine X, Tungensi X vines 6° ,4 x ≤ 96°

Value of sin X, one wand tan x, for k-8', 38" 45". 56"

Simple trigonometric Mentitles.

Use of trigonometrical tables.

Simple cases of beights and dishases.

#### PAPER II

#### Geometry

Lines and angles. Plane and plane figures. Thereme on (i) Properties of angles at a point, (ii) Parallel lines, (iii) Sides and angles of a triangle, (iv) Congruency of triangles, (v) Similar triangles, (vi) Concurrence of medians and altitudes, (vii) Properties of angles, sides and diagonals of a parallelogram, rectangle and square, (viii) Circle and its properties including tingent and normals, (ix) Loot. 8--306GI[84]

#### Ad a Real Colors

Areas of squares, rectangles, parallelograms, triangle and circles. Area of figures which can be split up into these figures (Field Book). Surface area and volume of cuboids, lateral surface and volume of right circular cones and cylinders. Surface area and volume of spheres.

#### Statistics

Collection and tabulation of statistical data. Graphical representation—frequency polygons, histograms bar charts, pie charts etc.

Calculation of mean of raw and grouped data.

GENERAL KNOWLEDGE-

There will be two papers:

Paper I.—Comprising Physics, Chemistry and General Science; and

Paper II—Comprising Social Studies, Geography and Carrent Events.

The following syllabus is designed to indicate the scope of the subjects included in these papers. The topics mentioned are not to be regarded as exhaustive; and questions on topics of similar nature not specially mentioned in the syllabus may also be asked. Candidate's answers are expected to show their knowledge and intelligent understanding of the questions.

#### PAPER I

#### **SCIENCE**

General knowledge Paper I will comprise the following-

(A) Physical Properties and States of Matter, Mass, Weight, Volume, Density and Specific Gravity. Principle of Archimedes, Pressure Barometer.

Motion of objects. Velocity and Acceleration. Newton's Laws of Motion. Force and Momentum. Parallelogram of Forces. Stability and Equilibrium of bodies. Gravitation, elementary ideas of Work, Power and Energy.

Effects of Heat. Measurement of Temperature and Heat. Change of State and Latent Heat. Modes of transference of Heat.

Strand waves and their proporties, Mimple mindral Mittilments.

Revillinear propagation of Light. Reflection and refraction appearing Mirrors and Leases. Human Byz.

Natural and Artificial Magnets Properties of a Magnet barth as a Magnet.

Static and Current Electricity. Conductors and Non-conductors Ohm's Law. Simple Electrical Circuits. Heating, Lighting and Magnetic effects of Current Measurement of Electrical Power, Primary and Secondary Colls. Use of X-Rays.

General Principles in the working of the following:---

Simple Pendulum, Simple Pulleys, Siphon, Levers, Balloon, Pumps, Hydrometer, Pressure Cooker, Thermos Flask, Gramephone, Telegraph, Telephone, Periscope, Telescope, Microscope, Mariner's Compass, Lightning Conductors, Safety Fuses.

(B) Physical and Chemical changes. Elements, Mixtures and Compounds, Symbols, Formulae and simple Chemical Equations. Law of Chemical Combination (excluding problems). Properties of Au and Water.

Preparation and Properties of Hydrogen, Oxygen, Nitrogen and Carbon dioxide, Oxidation and Reduction.

Acids, Bases and Salts.

Carbon-Different forms.

Fertilizers-Natural and Artificial.

Materials used in the preparation of substances like Scap, Glass Ink Paper. Coment, Paints, Safety Matches and Gun-Powder.

Elementary ideas about the Structure of Atom Atomic Equivalent and Molecular Weights. Valency.

(C) Difference between the living and nonliving.

Basis of Life-Cells Protoplasms and Tissues.

Growth and Reproduction in Plants and Animals.

Elementary knowledge of human Body and its important orange.

Common Epidemics, their causes and prevention.

Food—Source of Energy for Man. Constituent of food. Balanced Diet.

The Solar System Meteors and Combets, Eolipses.

Achievements of Eminent Scientists.

Note: Out of maximum marks sasigned to the paper, question on Parts (A), (B) and (C) will generally carry 50%, 30% and 20% marks respectively.

#### PAPER II

SOCIAL STUDIES, GEOGRAPHY AND CURRENT EVENTS

General Knowledge Paper II will comprise the following:--

(A) A broad survey of Indian History, with emphasis on Culture and Civilisation.

Freedom Movement in India.

Elementary study of Indian Constitution and Administra-

Elementary knowledge of Five Year Plans of India.

Panchayati Raj. Co-operatives and Community Development.

Bhoodan, Sarvodaya, National Integration and Welfare State. Basic teachings of Mahatma Gandhi.

Forces shaping the modern world; Renaisance Exploration and Discovery; War of American Indepence, French Revolution. Industrial Revolution, and Russian Revolution. Impact of Science and Technology on Society.

Concept of one World, United Nations Panchaheel, Democracy. Socialism and Communism. Role of India in the Present world.

(B) The Earth, its shape and size. Latitudes and Longitudes. Concept of Fime. International Date Line. Movements of Earth and their effects.

Origin of Earth, Rocks and their classification; Weathering Mechanical and Chemical, Earthquakes, and Volcanoce.

#### Ocean Currents and Tides.

Atmosphere and its composition; Temperature and Atmospheric Pressure, Planetary Winds, cyclones and Anti-cyclone. Humidity; Condensation and Precipitation; Types of Climate. Major Natural regions of the World.

Regional Geography of India—Climate, Natural vegetation. Mineral and Power resources; location and distribution of agricultural and industrial activities.

Important Sea Ports and main sea, (and and air routes of India. Main items of Imports and Exports of India.

(C) Knowledge of important events that have happened in India in the recent years.

Current important world events.

Prominent personalities—both Indian and International including those connected with cultural activities and sports.

NOTE: Out of the maximum marks assigned to the paper, questions on Parta (A), (B) and (C) will generally carry, 40%, 40% and 20% marks respectively.

#### INTELLIGENCE AND PERSONALITY TEST

In addition to the interview the candidates will be put to Intelligence Test both verbal and non-verbal designed to assess their basic intelligence. They will also be put to Group Tests, such as group discussions, group planning, outdoor group tasks and tasked to give brief lectures on specified subjects. All these tests are intended to judge the mental cal bre of a candidate. In broad terms this is really an assessment of not only his intellectual qualities but also his social traits and interest in current affairs.

#### APPENDIX II

GLIDELINES FOR PHYSICAL STANDARDS FOR ADMISSION TO THE NATIONAL DEFENCE ACADEMY

NOTE: -- CANDIDATES MUST BE PHYSICALLY FIT ACCORDING TO THE PRESCRIPED PHYSICAL STANDARDS. THE STANDARDS OF MEDICAL FITNESS ARE GIVEN BELOW: --

A NUMBER OF QUALIFIED CANDIDATES ARE REJECTED SUBSEQUENTLY ON MEDICAL GROUNDS, CANDIDATES ARE THEREFORE ADVISED IN THEIR OWN INTEREST TO GET THEMSELVES MEDICALLY EXAMINED BEFORE SUBMITTING THEIR APPLICATIONS TO AVOID DISAPPOINTMENT AT THE FINAL STAGE,

A candidate recommended by the Services Selection Board will undergo a medical examination by a Board of Service Medical Officers. Only these candidates will be admitted to the academy or school who are declared fit by the Medical Board. The proceedings of the Medical Board are confidential and will not be divulged to anyone. However, the candidates declared unfittemporary until will be intimated by the President of the Medical Board; and the procedure for request for an Appeal Medical Board; will also be intimated to the candidate. The candidates until be physically fit according

to the presenteed physical standards which are sammarised below:----

- (a) The candidate must be in good physical and mental health and free from any disease disability which is likely to interfere with the official performance of duties.
- (b) There should be no evidence of weak constitution, bodily defects of under-weight.
- (c) The minimum acceptable height is 157.5 cms. (157 cms for Navy and 162.5 cms for Air Force). For Gorkhas and individuals belonging to hills of North Eastern regions of India, Garhwai and Kumaon, the minimum acceptable heights will be 5 cms. less. In case of candidates from Laccadives the minimum acceptable height can be reduced by 2 cms. Height and weight standards are given below:—

#### HEIGHT WEIGHT STANDARDS

	the in Centimetres without shoes)		meigd		
(M)(EG/I)	( впоез)	•	15—16 yenra	16— 17 ycare	17—18 years
152			41 -0	42 - 3	44 -0
235		,	42 -0	43 5	45.3
157			43 -0	45 0	47 -0
160			45 0	46 ∙3	48 -0
162			46 - 5	48 0	50 -0
165			48.0	50-0	52 ⋅0
167 .	-		49 ∙0	51 ·0	53 -0
170 .			51 -0	52 ·5	55 -0
173			<b>5</b> 2 · 5	54 - 5	5 <b>7</b> ·0
175			54 - 5	56 -0	59 -0
178			36 ·0	<b>58 ⋅</b> 0	61 -0
180			58 -5	60 ⋅0	63 ⋅0
183			61 0	62 -5	65 ∙0

A±10% ('±6 Kgs, for Navy) departure from the average weight given in the table above is to be considered within normal limits. However, in individuals with heavy bones and broad-built as well as individuals with thin built but otherwise healthy this may be relaxed to some extent on merit.

NOTE 1:—Height relaxation upto 2.5 cm. (5 cm for Navy)
may be allowed where the Medical Board certifice that the candidate is likely to grow and come
up to the required standard on completion of his
training.

NOTE 2:—To meet special requirement as a Pilot in the Air Force the acceptable measurements of leg length, thigh length and sitting height will be as under:—

Leg Length	•			Minimaro 99 -00	Maximum 120 ·00 cm;
Thigh Length			-		64 -90 cms
Sitting Height				81 50	96 -00 cms

On account of lower age of NDA cuadidates, a margin of upto 5.0 cm in height, 2.5 cm in leg leagth (minimum) and 1.0 cm sitting height (minimum) may be given provided to in certified by the medical board that the standidate for 99--306 GI 84

likely to grow aga come upon the required standard on completten of his training in NDA.

- (d) Chest should be wall developed. The minimum range of expansion after full inspiration should be 5 cms. The measurement will be taken with a tape so adjusted that its lower edge should touch the aipple in front and the upper part of the tape should touch the lower angle of the shoulder blades behind. X-Ray of the chest is compulsory and will be taken to rule out any disease of the chest.
- (e) There should be no disease of bones and joints of the body. X-ray of spine of candidates will not be carried out as a routine. It will, however, be done on the advice of surgical specialist wherever clinically indicated blinor congenial defects which are not likely to interfere in the performance of military duties may be acceptable on merit.

#### For Als Porce

#### Spinal Conditions

- (f) The following past medical history is disqualifying for Air Force duties:
  - (i) Disease or injury of the spine or sacrolliac joint either with or without objective sign, which has prevented the candidate from successfully following a physically active life.
  - (ii) prolapse intervertebral disc and surgery for that condition,
- (g) Thorough Clinical examination of the spine including its shape, local tenderness if any, spinal movements etc. is to be carried out. For candidates for aircrew duties only. X-ray of lumbosacral vertebras (AP and Lateral views), is to be carried out.
- (h) Mild Kyphoels or Lordoels where deformity is barely noticeable and there is no pain or restriction of movement, will not preclude acceptance.
- (i) In case of noticeable Scoliosis or suspicion of any other abnormality or spinal deformity, more than mild, appropriate X-rays of the spine are to be taken and the Examiner referred for specialist's advice.
- (1) The following conditions detected on X-ray examination will be disqualifying for entry to Air Force;
  - (i) Granulomatious disease of spine.
  - (ii) Arthritis apondylouis.
  - (iii) Scoliosis more than 15° as measured by Cobb's Method.
  - (iv) More than mild Kyphoels Lordonis.
  - (v) Spondylolisthesis|Spondylolysis.
  - (vi) Heralated nucleus pulpoens.
  - (vii) Compression fracture of Vertebra.
- (viii) Scheurman's Disease.
  - (ix) Cervical ribs with demonstrable neurological or Circulatory deficit.
  - (z) Any other spinal absormality, it so somitioned by the Specialist,
- (h) A candidate should have no past history as used all breakdown as the

(i) the neutring encours or autums. A canadiante stocking be able to hear a forced whisper with each car at a distance of \$10 cms in a quiet room. There should be no evidence of present or past discase of the ear, nose and throat.

Audomotric test will be done for AP.

Audometric loss should not exceed 4 10db in frequencies between 250 Hz and 4000 Hz.

- (m) There should be no signs of functional or organic disease of the heart and blood vessels. Blood pressure should be normal.
- (n) The muscles of abdomen should be well developed and there should be no enlargement of liver or spleen. Any evidence of disease of internal organs of the abdomen will be a cause for rejection.
- (o) Un-operated hernias will make a candidate unfit. If operated this should have been done at least a year prior to the present examination and the healing is complete.
- (p) There should be no hydrocele, varicocele or piles.
- (q) Urine examination will be done and any abnormality if detected will be a cause for rejection.
- (r) Any disease of the skin which is likely to cause disability or disfigurement will also be a cause for rejection.
- (8) A candidate should be able to read 6/6 in a distant vision chart with each eye with or without glasses. (For Navy 6/6; 6/9 without glasses and Air Force without glasses only). Myopia, should not be more than 2.5 D and hypermetropia not more than 3.5 D including Astigmatism. Internal examination of the eye will be done by means of opthalmoscope to rule out any disease of the eye. A candidate must have good binocular vision. The colour vision standard will be CP III for Army. A candidate should be able to recognise red and green colours. The candidates for the Navy should have CPI by MLT and normal night vision acquity. They will be required to give certificate that neither he nor any member of his family had suffered from congenial night bindness.

#### Vision standard for Naval candidates

Distant vision . . . d/d d/9 Correctable to

Mean vision . . N.3 each eye

Colour vision CPI by MLW

Myopia is not to exceed 0.5 dioptres and Hypermetropia not? man tenan 1.50 dioptres in the netter eye and 2.50 dioptres in the netter eye and 2.50 dioptres in the worse eye.

#### Occuiar Muscle Balance

Heterophoria with the Maddox Rod test must not exceed t-

(10 at 60 am .

disopnoria 16 prism dispise Reophoria 6 ... to Hyporphoria 1 ... to

For Air Porce, the criteria are ; --

Distant Vision . . 6/6 6/9 correctable to 6/6

Manifest Hypermetropia. must not exceed 2:00

Myopia . . Nil

Occular Muscle Balance

Hyterephoria with the Maddox Rod must not exceed-

dioptre.

dioptre.

(iii) Binocular Vision . Must possess good binocular vision (fusion and sterwopsis) with good amplitude and

depth.

- (t) The candidate should have sufficient number of natural and sound teeth. A minimum of 14 dental points will be acceptable. When 32 teeth are present, the total dental points are 22 A candidate should not be suffering from severe pyorrhoes.
- (a) Routine ECF and EEF for Air Force equidates must be within normal limits.

#### APPENDIX III

(Brief particulars of the Services etc.)

- Before a cardifact folds the Academy, the parent or guardian will be required to signi—
  - (a) a certificate to the effect that he fully understands that he or his son or ward shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which his son or ward may agstala in the course of or as a result of the training or where bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaestnesis administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise.
  - M(b) a bond to the effect that if for any reasons considered within the control of the candidate be wishes to withdraw before the completion of the course or falls to accept a commission, if offered, he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tuition, food, clothing and pay and allowances received as may be decided upon by Government.
- 2. The cost of training including accommodation, books uniforms, boarding and medical treatment will be borne by the Government. Parents or guardians of cadets will however, be required to meet their pocket and other private expenses. Normally, these expenses are not likely to expense.

Rs. 75.00 p.m. If in any case a cadet's parent or guardian is unable to meet wholly or partly even this expenditure financial assistance up to Rs. 75.00 p.m. for the 1st and 2nd years. Rs. 80.00 p.m. for the 3rd year training at NDA and Rs. 90.00 p.m. for further specialist training in Army/ Navy (Air Force fraining Establishments may be granted by the Government. No cadet whose parent or guardian has an income of Rs. 500,00 p.m. or above would be eligible for the grant of the financial assistance. The immovable property and other assets and income from all sources are also taken into account for determining the eligibility for financial assistance.

The parent guardian of a candidate desirous of having financial assistance from the Government should immediately after his son-ward having been finally selected for training at the National Defence Academy submit an application through the District Magistrate of his District who will forward the application with his recommendation to the Com-mandant National Defence Academy, KHADAKWASLA, \*PUNE (411023).

- 3. Candidates finally selected for training at the Academy will be required to deposit the following amount with the Commandant, National Defence Academy, on arrival there:
  - (a) Pocket allowance for five months at Rs.75 00 per month Rs. 375 -00 . . (b) For items of clothing and equipment Ra. 650 -00 (c) Incidental Expenditure during . I Semester . . Rs. 150 00 . Total Rs. 1175 00

Out of the amount mentioned above the following amount is refurdable to the cadets in the event of financial aid being sanctioned to them:

Rs. 375 00 Rs. 75 00 per month (b) For items of clothing and equipment approximately . .

Rs. 475:00

(a) Pocket allowance for five months at

- 4. The following scholarships are tenable at the National Defence Academy:
- (1) PARSHURAM BHAU PATWARDHAN Scholarship.—This scholarship is granted to boys who belong to MAHARASHTRA AND KARNATAKA and whose parents' income is between Rs. 350.00 and 500.00 per month from all sources. The value of the scholarship is equal to the Government financial assistance. It is admissible for the duration of a Cadet's stay in the National Defence Academy and other Pre-commission training establishment subject to the Cadet's good conduct and satisfactory progress in the training and his parents' income remaining below the prescribed limit. Cadets who are granted this scholarship, will not be entitled to any other financial assistance from the Government.
- (2) COLONEL KENDAL FRANK MEMORIAL Scholarship.—This scholarship is of the value of Rs. 360.00 per annum and awarded to a MARATHA cadet who should be the son of an ex-serviceman. The scholarship is in addition to any financial assistance from the Government.
- (3) KUAR SINGH MEMORIAL Scholarship.—Two scholarships are awarded to two cadets who obtain the highest position amongst candidates from BIHAR. The value of each scholarship is Rs. 37 00 per mensem tenable for a maximum period of 4 years during the training at the National Defence

Academy Khadakwasia and thereafter at the Indian Military Academy Dehra Dun and the Air Force Flying College; and Naval Academy Cochin where the cadets may be sent for training on completion of their training at the National Defence Academy. The scholarships will, however, be continued subject to making good progress at the above institu-

- (4) ASSAM GOVERNMENT Scholarship.—Two scholarship. ships will be awarded to the cadets from ASSAM. The value of each scholarship is Rs. 30.00 per mensem and is tenable for the duration of a cadet's stay at the National Defence Academy. The scholarships will be awarded to the two best cadets from ASSAM without any reference to the income of their parents. The cadets who are granted this scholarship will not be entitled to any other financial assistance from the Government.
- (5) UTTAR PRADESH GOVERNMENT Scholarships. Two scholarships each of the value of Rs. 30.00 per mostle and an outfit stipend of Rs. 400.00 are awarded to two cadets who belong to UTTAR PRADESH on merit-cum-means basis and are tenable for a period of three years subject to satisfactory performance by the cadets at National Defense Academy. Cadets who are granted these Scholarships are Academy. Cadets who are granted these Scholaranian not entitled to any other financial assistance from Goyara-
- (6) KERALA GOVERNMENT Scholarships.—One merit scholarship of the value of Rs. 4801- per annum for the entire period of training at NDA, will be awarded by the State Government of Kerala to a Cadet who is a domiciled resident of the State of KERALA and who secures the first position in the all India UPSC Entrance Examination be NDA irrespective of the fact whether he has passed set from RIMC or from any of the Sainik Schools in India. The financial position of a Cadet's father guardian is not taken into consideration. taken into consideration.
- (7) BIHARI LAL MANDAKINI Prize -This is a case prize of Rs. 500.00 available for the best BENGALI boy in each Course of the Academy. Application forms are available with the Commandant, National Defence Academy.
- (8) ORISSA GOVERNMENT Scholarships.—These scho larghine, one for the Army, one for the Navy and the ether for the Air Force of the value of Rs. 80.00 each nor mouth will be awarded by the Government of Orises to the safets who are permanent residents of the State of ORISSA. Two of those scholarships will be awarded on the basis of manticum-means of the cadets whose parent's or guardian's incessed does not exceed Rs. 5,000 per annum and the other one well be given to the best cadet irrespective of his parent's er guardian's income.
- (9) WEST BENGAL GOVERNMENT Scholarships.—
  Sollowing categories of scholarships are awarded by the West Bengal Government to those cadets who are permenent residents of WEST BENGAL:-
  - (a) Category 1.—These scholarships, one each for Army. Navy and Air Force at the rate of Rs. 360 per annum during 1st and 2nd years and at the rate of Re. 480 per annum during the 3rd year at the Academy and 4th year at the specialised training insti-tution, with an initial outlit stipend of Rs. 400 ha. addition for those cadets who are not eligible fee any other echolarships at the Academy.

- (b) Category 2.—The scholarship of a lumpsum grant of Rs. 100 per annum in addition to Government financial assistance.
- (10) Pilot Officer GURMEET SINGH BEDI MEMORIAL scholarship.—One Scholarship of Rs. 420.00 per annum is granted to the cadet who stands highest in the overall order of merit amongst Air Force Cadets at the end of the 4th term. It is for the duration of one year (during 5th and 6th terms). This acholarship will be withdrawn if the recipient is relegated or withdrawn during the period of its receipts the Cadet who is already in receipt of any such merit scholarship or financial assistance is not entitled to this scholarship.
- (11) HIMACHAL PRADESH GOVERNMENT Scholarships.—Four scholarships will be awarded to cadets from HIMACHAL PRADESH. The value of each scholarship is Rs. 30.00 per month during the first two years of training and Rs. 48.00 per month during the third years of training. These scholarships will be available to those cadets whese parents income is below Rs. 500.00 per month. No cadet is receipt of financial sesistance from the Government will be eligible for this scholarship.
- (12) TAMIL NADU GOVERNMENT Scholarship.—The Government of Tamil Nadu has instituted at NDA one scholarship per course of the value of Rs. 30|- per month plus an outfit allowance of Rs. 400|- (one only during the entire period of cadet's training) to be awarded to a cadet belonging to the State of TAMIL NADU whose parents|guardians monthly income does not exceed Rs. 500|- The application by an eligible cadet can be made to the Commandant, National Defence Academy on their arrival.
- (13) KARNATAKA GOVERNMENT Scholarship.—The Government of Karnataka has awarded 18 scholarships (eighteen Scholarships) 9 in respect of courses commencing from January and 9 in respect of courses from July every year for award to cadets from Karnataka State who join the National Defence Academy after completion of their education at the Sainik School, Bijapur or at the Rashtriya Indian Military College, Dehra Dun. The value of the scholarship shall be Rs, 480]- (rupees four hundred and eighty) each per annum.
- Four (4) more scholarships (two per term) at the rate of Rs. 480|- per annum for the cadets of Karnataka State who join NDA after completion of education other than at Sainik School, Bijapur/RIM College, Dehra Dun have been awarded,
- (14) ALBERT EKKA Scholarship.—The Government of Bihar has instituted at NDA 25 Merit Scholarship at Rs. 50; per month for entire period of six terms at the NDA and Rs. 650; one time towards clothing and equipment. The cadet awarded the above merit scholarship would not be eligible for any other scholarship or financial assistance from the Government. The application by an eligible cadet can be made to the Commandant, National Defence Academy on their arrival.

Terms and conditions governing these scholarship are obtainable from the Commandant, National Defence Academy, KHADAKWASLA, Pune (411823),

- 5. Immediately after the selected candidates join the Academy, a proliminary examination will be held in the following subjects:—
  - (a) English;
  - (b) Mathematica;
  - (c) Science;
  - (d) Hindi.

The standard of the examination in the subjects, at (a), (b) and (c) will not be higher than that of the Higher Secondary Examination of an Indian University or Board of Higher Secondary Education. The paper in the subject at (d) is intended to test the standard attained by the casedidate in Hindi at the time of joining the Academy.

Candidates are therefore advised not to neglect their Studies after the competitive examination.

#### Training

- 6. The selected candidates for the three services viz., Army, Navy and Air Force are given preliminary training both scademic and physical for a period of 3 years at the National Defence Academy which is an Inter-Service Institution. The training during the first two and a balf years is common to the cadets of three wings. The cadets on passing out will be awarded B.Sc.|B.A. degree from Jawaharlal Nehru University, Delhi.
- 7. On passing out from the National Defence Academy, Army Cadets go to the Indian Military Academy, Dehra Dun, Naval Cadets to the Cadets Trainingship and Air Force cadets to EFS BIDAR.
- 8. At the LM.A. Army Cadets are known as Gentlemen cadets and are given strenuous military training for a period of one year aimed at turning officer capable of leading infantry Sub-units. On successful completion of training Gentlemen Cadets are granted Permanent Commission in the rank of 2nd[Lt. subject to being medically fit in "SHAPE".
- 9. The Naval cadets are selected for the Executive, Engineering and Electrical Branches of the Navy, on passing our from the National Defence Academy and are given sea training on the Cadet Trainingship for a period of six months on successful completion of which they are promoted to the rank of Midshipmen. After a further training of 6 months in the respective branches to which they are allocated they are promoted to the rank of acting Sub-Lieutenants.
- 10. Air Force Cadets receive flying training for a period of 1½ years. However, at the end of 1 year of training they are given provisional commission in the rank of Pilot Officer. After successful completion of further training of six months they are absorbed as permanent commissioned officers on probation for a period of one year.

#### TERMS AND CONDITIONS OF SERVICE

#### II. ARMY OFFICERS

#### (i) PAY

<u>K</u> ank			Pay Scale	Rank	Pay Scale
			Rs.		Rs.
2nd Lieut.	•	,	750 790	Lt. Colonel (time scale)	
Liout	,		830 950	Colonel	1950- 2175
Captain			1100 1550	Brigadier	2200 - 2400
Major	•	•	1450-1800	Major- General	2500 = 125/2 = 2750
Major (Se Grade)	leotic	· ar	180050 1900	•	2
Lt. Colone	-1		1750-1950	Lt.	3000 p.m.
by selection	311			General	
Lt. Col.			2000 50 2100	·	
(Selection				Lt. General	3250 p.su.
Grade Pay	7)			(Army Commander	

#### (ii) QUALIFICATION PAY AND GRANT

Officers of the rank Lt. Col. and below possessing certain prescribed qualifications are entitled to a lump sum grant of Rs. 1600|-, 2400|-, 4500|- or 6000|- based on the qualifications held by them. Flying Instructors (Cat 'll') are authorised to qualification pay @ Rs. 70|-.

#### (iii) ALLOWANCES

In addition to pay, an officer at present recieves following allowances :-

- (a) Compensatory (City) and Dearness Allowances are admissible at the same rates and under the same conditions as are applicable to the Civilian Gazetted Officers from time to time.
- (b) A kit maintenance allowance of Rs. 751. p.m.
- (c) Expectation Allowance is admissible when serving outside India. This varies from 25% to 40% of the corresponding single rate of foreign allowance
- (d) Separation allowance.-Married Officers posted t non-family stations are entitled to receive separaris allowance of Rs. 140|- p.m.
- (e) Outfit Allowance.-Initial outfit allowance 2100 -. A fresh outfit allowance @ Rs. 1800 - is payable against claim after every 7 years of effective tive service commencing from the date commission.
- (f) Free rations are provided up to the level of Colore. in the Army.

#### ((v) POSTING

Army officers are liable to serve any where in India and abroad.

#### たいけまりまりまりいべる

#### (a) substantive Framous a

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher ranks to

ti)	By Time Scale Let.	Minimum Service Limit 1 years of commissions of service
	Captain	of years of commission of acryloc
	Major	13 years of commissioned
781 Y	6t, Col from Major if not pro- moted by relection	21 years of commissioned

By Selection	æ				
Lt. Cul	,		i	b	i d years of communicationed
Cod	•	•	•	٠	20 years of commission ed
Brigadios	•	•	•	•	23 years of commissioned service
Majos Clea	•	•	•	•	23 years of commissioned service
Lt. Gom		•	٠	•	28 years of commission of sarvice
G.u.			_	_	Me restriction.

#### (b) Acting Promoston

Officers are eligible for auting promotion to higher ranks on completion of the following minimum service limits sab ject to availability of vacancies i-

Captain .		,	*		3 years
Major .			*		6 years
Lt. Colonel					61 years
Col			•		84 years
Brigadier	u				12 years
Maj. General					20 years
Lt. General			,		25 years

#### 12. NAVAL OFFICERS

#### (I) PAY

		Pay	Scales
स ×α¥		General	Naval Aviation and Submar no
TO COME THE	~ -	<b>%</b> .	Re.
Adshipman	٠	<del>40</del> 0/~	56U/-
Ag. Sub. Liout .	b	780/-	825/-
Tib. Lieut	*	930 810	910 y <b>30</b>
Lieut.	4	1100-1450	1200-1550
isleut. Cdr	+	1450 1800	1450 1860
(Jeut. Cdr. (Selection (Jrade) Cdr. Cdr. (Time Scale)		183( 1900 1 <b>75</b> 0 19 <b>5</b> 0 1900 (Fized)	1850 1969 1750 1950 1930 (Fixed)
Cdr. (Selection Grade) .		2000-2100 1950-2400	•
Captain		Cornections	nerwee pas nelled accord- ority as Cap.
Mon: Admirei		2500 125/2	<b>- 275</b> 0
Vice-Admira		3000/- p.m.	
Vice-Admital (VCNS/FOC-in-C)		3250/~ p.m.	

### Qualifications pay|grant is also admissible to-

Officers of the rank of CDR and below possessing certain prescribed qualifications are entitled to lump sum grant of Rs. 1600|-, 2400|-, 4500|- on 6000|- based on the qualification held by them. Flying Navigator Instructor categories A & B are authorised to qualification pay of Rs. 100/- and Rs. 70|- p.m. respectively.

#### (ii) ALLOWANCES

- (a) Compensatory (City) Allowance and Dearness Allowances are admissible at the same rates and under same conditions as are applicable to the Civilian Gaztted Officers from time to time.
- (b) Kit Maintenance Allowance at the rate of Rs. 75]-
- (c) Expatriation Allowance when serving ashore ex-India or affoat outside certain longitudinal and latitudinal limits. The rates vary from Rs. 50/- p.m. to Rs. 250|- p.m. depending on ranks.
- (d) Separation Allowance at the Rate of Rs. 146|- p.m. to married officers serving affoat during the period their ship is away from its base port.
- (e) Outfit Allowance at Rs. 2400|- on first Commissioning and Renewal Outfit Allowance of Rs. 2100|- after every seven years of effective service.
- (f) Free rations are provided upto the level of Captain in the Navy.

Naval Aviation officers are entitled to Flying Pay at monthly rates and under the conditions applicable to corresponding ranks for Air Force Officers.

In addition to above, Naval Officers are also entitled to certain special concessions; like hardlying money, submarine allowance, submarine pay, diving pay and survey bonty on fulfilment of certain conditions attached to each.

#### (iii) PROMOTIONS

#### (e) Substantive Promotions

The following are the service limits for the great of substantive promotion to higher reals:

#### Er Mane Scale

Sud. Lt.	•	# ,		. 1 year
Lt.	٠	•	•	<ul> <li>3 years (subject to gain forefeiture of seniority)</li> </ul>
Lt. Cdr.	,	. •		. 8 years seniority as Lt.
Cdr.	•	•	٠	. 24 years commissioned
		*		service (if not promoted by selection)

#### By Seletton

Cmdr Executive Branch	2-8 years of seniority as
Cmdr Engineering Branch	% warnerstall my
Cmdr Electrical Branch	Lt. Cdr. 2-10, years seniority as Lt. Cdr.
Capt	. 4 years seniority as Cdr.
Rear Admiral	. No restriction
Vice Admirai · ·	· No restriction

#### (b) Acting Premetten

There is no service limit for grant of acting promotion in the Navy except to the rank of Lt. Cdr. for which an officer should have attained 6 years semiority as Lieutenant.

#### 13. AIR FORCE OFFICER

#### (i) PAY

Renk						Pay Scale		
•					,		Rs.	
Pit. Offe.	•	٠,		•			825—865	
Pg. Offr.				•	*		910—1030	
Fit. Lt.			٠				1300-1550	
San, Ldr.							1650 1800	
Wz. Cdr. (Se	election	1				-	1750 1950	
We. Cdr. (T			b			٠	1900 (fixed)	
Go. Capt.		Ċ			,	*	1950-2175	
Air Cdr.		,					2200-2400	
Air Vice-Ma	rshal			er.	4	ì	2500- 2750	
Air Marshal		4		•		e	300Ô	
Air Marshal		S and	AOS	C-la-C			3250	
Air Chief M	•				•		4000	

#### (II) ALLOWANCES

(a) Flying Pay—Officers of the Flying Branch (Pilots and Navigators) are entitled to get flying pay at the following rate:—

	`		Rs
Plt. Offr. to Wg. Cdr.		,	₹50 ·00 p m
Gp. Capt. and Air Cdr.		,	666 00 p m
Air Vice Marhaal & above			600 ·00 p m

(b) Qualification Pay|Grant—Admissible to Flying Branch Officers possessing certain prescribed qualification at the rate given below:—

Qualification pay	٠	,	•		Rs 100 p m 70 p m	٠, ٢
Qualification Grants		•	¢	Rs Rs	6000/- 4500/-	08
*				Rs Rs	2400/- 1,600/-	Q#

- (c) Kit Maintenance Allowance at the rate of Rs. 75[-p.m.
- (d) Expatriation Allowance—Ranging from 25% to 40% (depending upon the rank held) of the Foreign Allowance admissible to a single. Third Secretary|Second Secretary|First Secretary|Counsellor, rerving in the country where IAF Officers are required to move as body of troop.
- (e) Separation Allowance—Married Officers posted to Units/Formations located at non-family stations areas notified as such by Government for this purpose, where families are not permitted to accompany them will receive separation allowance of Rs. 140-p.m.
- (f) Outfit Allowance—Rs. 2100/- initially (as modified from time to time) towards cost of uniform|equipment which an officer has to possess: Rs. 1800|-for renewal after every seven years.
- (a) Free rations are provided upto the level of Gr. Captain in the Air Porce.

#### (iii) PROMOTIONS

#### (a) Substantive Promotion

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher ranks .---

#### By Time Scale

Flying Offic	cer			-	1 year service	commissione d
Flt. Lt.	-	-	•	٠	5 years service	commissioned
Sqn. Ldr.		,			11 years	commissioned

## service

# Wg. Cdr. . . On completion of 24 years of commissioned service if not promoted by selection.

#### By Selection

Wg. Cdr.		16 year: comn	s reckor oissione	

- Gp. Cpt. . . . 22 years reckonable total commissioned service.
- Air Cmdr. . . . 24 years reckonable total commissioned service,
- Air Vice-Marshal . . . 26 years reckonable total commissioned service
- Air Marshal . . . 28 years reckonable total commissioned service.

. 2 years

of 5, \*years in the

ranks of Wg. Cdr., Gp. Capt. and Air Cdr.).

#### (b) Acting Promotion

Flt. Lt.

The following are the minimum service limits required for acting promotion of officers .—

Sqn. Ldr				5 years
Wg. Cdr. ,	•	•	. (	5 years (After service of 1 year in the rank of Sqn. Ldr.)
Gp. Captain	•	•	. 1	8 years (After service of 1 year in the rank of Wg. Cdr.)
Air Cdr	٠		•	of 3 years (After servic of 3 years in the ranks of Wg. Cdr. and Gp. Captain).
Air Vice-Marsh	al.			15 years (After service

#### Air Marshal . . . 23 years

#### 14. RÉTIRING BENEFITS

Pension gratuity and casualty pensionary award will be admissible in accordance with the rules in force from time to time.

#### 15. LEAVE

Leave will be admissible in accordance with the rules in force from time to time.

#### APPENDIX IV

The forms of the certificate to be produced by Schedule	d
Custes and Scheduled Tribes candidates applying fo	or
appointment to posts under the Government of Indi	a

this is to certify that Shri
non ofof village town*
in District Division*of the State
Union Territory* belongs to the
Scheduled Caste Scheduled Tribe* under :

the Constitution	(Scheduled	Castes)	Order,	1950*	

the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950\*

the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories)
Order, 1951\*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories)
Order, 1951\*

[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachai Pradesh Act, 1970, the North Eastern Areas(Reorganisation) Act, 1971, and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders, (Amendment) Act, 1976.1

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order 1956\*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976\*
the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962\*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962\*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964\*

the Constitution Scheduled Tribes (Uttar Pradesh) Order, 1967\*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968\*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968\*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970\*

the Constitution (Sikkim) Scheduled Castes Order, 1978\*

the Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Order, 1978\*

<sup>\*</sup>Inclusive of broken period

Diu)

Scheduled

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to up-(amiliarity with the type of examination

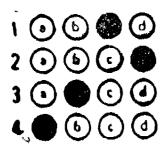
#### B. NATURE OF THE TEST

The question paper will be in the form of a TEST BOOK-LET. The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3,.....etc. Under each item will be given suggested answers marked a, b, c, d, your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, then the best answer. (See "sample items") at the end. In any case, in each item you have to select only one answer; if you select more than one, your response will be considered wrong.

#### C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET (a specimen copy of which will be supplied to you alongwith the Admission Certificate) will be provided to you in the examination hall. You have to mark your response on the answer sheet. Response marked on the Test Booklet or in any paper other than the Answer Sheet will not be examined.

In the Answer Sheet, number of the items from 1 to 160 have been printed in four 'Parts'. Against each item, circular spaces marked, a, b, c, d, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given answer is correct or the best, you have to mark the circle containing the letter of the selected answer by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blackening the circles on the Answer Sheet.



#### IT IS IMPORTANT THAT-

- 1. You should bring and use only good quality HB peacil(s) for answering the items.
- 2. To change a wrong marking, crase it completely and re-mark the new choice. For this purpose, you must bring along with you an craser also.
- 3. Do not handle your Answer Sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

#### D. SOME IMPORTANT REGULATIONS

- 1. You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for commencement of the examination and get scated immediately.
- Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
- No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have elapsed after the commencement of the examination.

- 4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the Answer Sheet to the Invigilator|Supervisor. YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL, YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.
- 5. You will be required to fill in some particulars on the Answer Sheet in the examination hall. You will also be required to encode some particulars on the Answer Sheet. Instructions about this will be sent to you alongwith your Admission Certificate.
- 6. You are required to read carefully all instructions given in the Test-Booklet. You may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the Answer Sheet is ambiguous you will get no credit for that item response. Following the instructions given by the Supervisor When, the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.
- 7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpener, and a pen containing blue or black ink. You are advised also to bring with you a clip-board or a hard-board or a card-board on which nothing should be written. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper, scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you on demand. You should write the name of the examination, your Roll No. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your answer Sheet at the end the tests.

#### E. SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your scat in the hall the invigilator will give you the Answer Sheet. Fill up the required information on the Answer Sheet. After you have done this the invigilator will give you the Test Booklet on receipt of which you must ensure that it contains the booklet number otherwise get it changed. Write your Roll Number on the first page of the Test Booklet before opening the Test Booklet. You are not allowed to open-the Test Booklet until you are asked by the Supervisor, to do so.

#### F. SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All items carry equal marks. Attempt all of them. Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you. There will be no negative marking.

#### G. CONCLUSION OF TEST

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. Remain in your seat and wait till the invigilator collects all the necessary material from you and permits you to leave

the Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet, the answer sheet and the sheet for rough work out of the examination Hall.

#### SAMPLE ITEMS (QUESTIONS)

(Note: \* denotes the correct/best answer-option)

#### 1. (General Studies)

Bleeding of the nose and ears is experienced at high altitudes by mountain climbers because

- (a) the pressure of the blood is less than the atmospheric pressure.
- \*(b) the pressure of the blood is more than the atmospheric pressure.
- (c) the blood vessels are subjected to equal pressure on the inner and outer walls.
- (d) the pressure of the blood fluctuates relative to the atmospheric pressure.

#### 2. (English)

(Vocabulary---Synonyms)

There was a record turnout of voters at the municipal elections

- (a) exactly known
- (b) only those registered
- (c) very large
- \*(d) largest so far

#### 3. (Agriculture)

In Aarhar, flower drops can be reduced by one of the measure indicated below ;-

- \*(a) spraying with growth regulators
- (b) planting wider apart
- (c) planting to the correct season
- (d) planting with close spacing

#### 4. (Chemistry)

The anhydride of H<sub>3</sub> VO, is

- \*(a) VO
- (b) VO<sub>4</sub>
- (c) V 2O3
- (d)  $V_2O_5$

#### 5. (Economics)

Monopolistic exploitation of labour occurs when

- \*(a) wage is less than marginal revenue product
  - (b) both wage and marginal revenue product are equal
  - (c) wage is more than the marginal revenue product
  - (d) wage is equal to marginal physical product

#### 6. Electrical Engineering)

A coaxial line is filled with a dieletric or relative permitivity 9. If C denotes the velocity of propagation in free space, the velocity of propagation in the line will be

- (a) 3C (b) C \*(c)C/3

- (d) C/9

## 7. (Geology)

Plagloclase in a basalt is :

- (a) Oligoclase
- \*(b) Labradorite
- (c) Albito
- (d) Anorthite

#### 8. (Mathematies)

The family of curves passing through the origin and satisfying the equation

$$-\frac{\mathrm{d}^2 y}{\mathrm{d}x^2} - \frac{\mathrm{d}y}{\mathrm{d}x} = 0 \text{ is given by}$$

- (a) y-ax+b
- (b) y == ax

#### 9. (Physics)

An ideal heat engine works between temperature 400° K and 300° K, its efficiency is

- (a) 3/4
- \*(b) (4-3)/4 ·
- (c) 4/(3+4)
- (d) 3/(3+4)

#### 10. (Stattstics)

The mean of binominal variation is 5. The variance can be

- (a)  $4^2$
- \*(b) 3
- (o) œ
- (d) -5

#### 11. (Geography)

The Southern part of Burma is most prosperous because

- (a) it has vast deposits of mineral resources
- \*(b) it is the deltaic part of most of the rivers of Burma
- (c) it has excellent forest resources
- (1) most of the oil resources are found in this part of the country

#### 12. (Indian History)

Which of the following is NOI true of Brahmmansus a

- (a) Brahmanism always claimed a very large following even in the heyday of Buddhism
- (b) Brahmanism was a highly termulised and pretactious religion
- "(c) With the rise of Brahmanism, the Vedic excuritous fire was relegated to the background
  - (d) Sacraments were prescribed to mark ter various stages in the growth of an individual

#### 13 (Philosophy)

Identify the athelatic group if the coplical systems after following

- (a) Buddhism, Nyaya Carvake, Milmainse
- (b) Nyaya Vaisesika Jaini-m and Buddhism Carvakys
- (c) Advaite, Vedante, Samkhya, Carvaka Yog,
- \*(d) Buddhism, Samkhya Mimamra, Cervek.

#### 14. (Political Science)

Functional representation sivens.

- \*(a) election of representatives of the registrative of the basis of vocation
- (b) pleading the cause on a group or a profession
- (e) election of representatives in vocational varywater
- (d) indirect representation through 1 and a timous

#### · (Psychology

- Obtaining a goal leads to
  - a) moreover is the next related to the sout
  - "th) reduction of the drive state
  - microsof themsentations
  - id) discriptivation (margina
- & sharetelar ne

Funchayati Rai matitutions in India have brought about he of the following:—

- \*(n) formal representation of women and weaker section in village government
  - in) Unitoucliability has decrease.
  - (c) land ownership has spread to descrived stances
  - (d) education has spread to the masses

NOTE—Candidate should note that the above sample items (questions) have been given overely to an example and me not necessarily is complete the syllabous for this examination